AISHE : C-42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या– 1

आज दिनांक–18.02.2020, दिन–मंगलवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे हॉल नं0–1 में प्राचार्य प्रो0 अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला (Workshop) का आयोजन किया गया, जिसका विषय था– "Intellectual Property Right: A Law to Protect the Intellectuality of Individual". इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि जी0 एल0 ए0 कॉलेज, मेदिनीनगर के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) एस0 सी0 मिश्रा जी, विशिष्ट अतिथि तदर्थ शासी निकाय (Adhoc G.B.) के अध्यक्ष श्री अरूण कुमार सिंह तथा सम्मानित अतिथि के रूप में S.P.D. College, Garhwa के प्रो0 विवेकानन्द उपाध्याय उपस्थित हुए।

इस कार्यशाला में गणमान्य व्यक्ति सहित निम्नांकित शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुए–

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

प्राचार्य अशोक कुमार सिंह, प्रो0 (डॉ0) एस0 सी0 मिश्रा, श्री अरूण कुमार सिंह, प्रो0 विवेकानन्द उपाध्याय एंव प्रो0 रविकान्त सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S) के स्वयंसेवकों– प्रशिक्षा रंजन राज, सरस्वती रंजन, अर्चना वर्मा, हेमा कुमारी एवं साधना कुमारी द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया।

विषय–प्रवेश महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 राम सुभग सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन N.S.S के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो0 राजेश कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि प्रो0 एस0 सी0 मिश्रा ने बहुत ही बोधगम्य शैली में कॉपीराइट, पेटेंट, इनोवेशन इत्यादि पर प्रकाश डाला। इन्होंने कहा कि आपलोग जो किताब पढ़ते हैं, उसका जो लेखक होता है, उसके नाम से या उसके उत्तराधिकारी के नाम से कॉपीराइट होता है। यदि कोई भी लेखक के पूर्वानुमती के बिना उसके किसी अंश का उपयोग करता है, तो उस पर कानूनी कारवाई की जा सकती है। यदि कोई किसी नई चीज का आविष्कार करता है, तो उसके नाम से उस चीज का पेटेंट होगा। उसकी इच्छा के बिना उस चीज का कारखाने में उत्पादन नहीं किया जा सकता।

विशिष्ट अतिथि अरूण कुमार सिंह ने कहा कि बुद्धि एक संपदा है, जिस पर उस व्यक्ति का अधिकार है। उसकी बुद्धि से यदि कोई नया विचार उत्पन्न होता है, किसी नई चीज का सृजन होता है, तो उस पर उसका कॉपीराइट/पेटेंट होगा। उसकी अनुमति के बिना कोई भी उसका उपयोग नहीं कर सकेगा।

सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज, गढ़वा (पलामू) के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 विवेकानन्द उपाध्याय ने भी बौद्धिक संपदा अधिकार के कुछ पहलुओं पर अपने विचार रखे। इस विषय पर महाविद्यालय के निम्न प्राध्यापकों ने भी अपने विचार व्यक्त किये– डॉ0 आलोक रंजन कुमार, डॉ0 अजय कुमार सिंह, प्रो0 रेखा कुमारी सिंह एवं प्रो0 सतीश प्रसाद। व्याख्यान के बाद एक घंटा का

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर सत्र रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने जिज्ञासाएँ एवं आशंकाएँ प्रकट की, जिसका यथासंभव संतोषजनक उत्तर वक्ताओं द्वारा दिया गया।

कार्यशाला के अंत में रंगोली, मेंहदी, चित्रकला एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त) को मेडल एवं प्रशस्ति देकर पुरस्कृत किया गया। अध्यक्षीय संबोधन प्राचार्य प्रो0 अशोक कुमार सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 सूर्य मणि सिंह ने किया।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला के समापन की घोषणा की गई।

Third eye 19-02-2020

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

मंच पर उपस्थित अतिथि।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–2

आज दिनांक–07.01.2022 को पूर्वाहन 11:30 बजे हॉल नं0–1 में प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसका विषय है– "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत् कॉपीराइट की उपादेयता।" इस एक दिवसीय कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे श्री अंगद किशोर जो, एक शिक्षक, इतिहासकार, पुरातत्वविद और अनेक पुस्तकों के लेखक हैं।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्न शिक्षक–शिक्षकेतर कर्मी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुए–

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116
(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)
Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

प्राचार्य प्रो0 सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला हुई, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। विषय–प्रवेश डॉ0 राम सुभग सिंह (विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र–सह–समन्वयक, आई0 क्यू0 ए0 सी0 ने किया। इसके पश्चात् मुख्य–वक्ता श्री अंगद किशोर (शिक्षक, इतिहासकार, पुरातत्वविद एवं लेखक) ने कॉपीराइट पर विस्तारपूर्वक वक्तव्य दिया। इन्होंने कहा कि भारत में कॉपीराइट से संबंधित कानून 1957 में पारित किया गया और 21 जनवरी 1958 से लागू हुआ। कॉपीराइट में निम्नांकित विषय समाहित हैं– साहित्य, नाटक और संगीत संबंधी कार्य, कम्प्यूटर प्रोग्राम, सॉफ्टवेयर जो साहित्यिक कार्य की परिभाषा में आते हैं, कला संबंधी कृतियाँ, सिनेमा, जिसमें साउंड ट्रैक और वीडियो फिल्में भी शामिल हैं; रिकार्ड, कोई भी डिस्क, टेप या अन्य डिवाइस।

श्री अंगद किशोर ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति किसी की रचना, कृति एवं कला की नकल करता है या उसे अपने नाम से प्रचारित– प्रसारित करता है, तो वह दंड का भागी होगा। किसी साहित्यिक कृति के कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है, लेकिन प्रसारण के संबंध में जिस वर्ष प्रसारण किया गया, उसके अगले कैलेण्डर वर्ष की शुरूआत से 25 वर्ष तक। प्रोग्राम का दस्तावेजीकरण, जिसमें सामान्यतः प्रोग्राम ही होता है, अलग कृति माना जाता है और यदि इसे रजिस्टर्ड कराना हो, तो अलग से आवेदन करना होगा; कम्प्यूटर प्रोग्राम के साथ नहीं। यह भी ध्यान योग्य है कि यदि कोई व्यक्ति अपने नियोक्ता के लिए कोई प्रोग्राम बनाता है, तो उस नियोक्ता का ही कॉपीराइट होगा, जब तक कि कोई अन्य अनुबंध न हो।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

श्री अंगद जी ने कहा कि किसी विद्यमान कृति का कॉपीराइट धारक या किसी संभावित कृति का कॉपीराइट धारक पूर्णतः या अंशतः कॉपीराइट का हस्तांतरण भी कर सकता है, पूरे विश्व या किसी देश या क्षेत्र के लिए। कॉपीराइट सहित सभी अधिकार या इन अधिकारों का कोई भाग। सारांश यह है कि कॉपीराइट एक व्यक्ति की बुद्धि से उपजे किसी भी साहित्यिक या कलात्मक कृति को संरक्षण प्रदान करता है। यदि कोई व्यक्ति अथक परिश्रम से रचना करे और कोई जालसाजी से उसे अपने नाम कर ले या उसका लाभ वह फर्जी व्यक्ति उठाये, तो यह उस रचनाकार के साथ अन्याय होगा। कॉपीराइट कानून की यही उपादेयता है।

विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिसका संतोषजनक उत्तर श्री अंगद जी ने दिया। अध्यक्षीय संबोधन प्राचार्य महोदय ने दिया। मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 रेखा कुमारी सिंह ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला के समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C-42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–3

आज दिनांक 20.04.2022 को पूर्वाहन 11:00 बजे 'बौद्धिक संपदा अधिकार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह ने की। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ0 आलोक रंजन कुमार तथा विशिष्ट वक्ता डॉ0 राम सुभग सिंह (समन्वयक, आई0 क्यू0 ए0 सी0) रहे।

इस कार्यशाला में निम्नांकित व्यक्ति उपस्थित हुए–

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ता डॉ0 आलोक कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के अंतर्गत् निम्न प्रमुख विषय आते हैं– कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और भौगोलिक संकेतक। आम आदमी भी इनका नाम जरूर सुना होता है। ये ऐसे विषय हैं, जिनसे विद्यार्थियों एवं नागरिकों को अवश्य ही अवगत होना चाहिए। इसलिए कि जाने– अनजाने इनसे संबंधित नियम–कानून का उल्लंघन होने पर व्यक्ति मुसीबत में फँस जाता है।

प्रो0 आलोक ने बताया कि कॉपीराइट का कानून भारत में 1957 में पारित किया गया और 21 जनवरी 1958 से पूरे भारत में लागू हुआ। कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है। संयुक्त लेखक होने पर अंतिम लेखक की मृत्यु के 60 वर्ष तक यह अधिकार रहेगा। कोई व्यक्ति किसी साहित्यिक या नाट्यकृति का उस कृति के प्रथम प्रकाशन के 07 वर्ष बाद भाषांतर के लिए कॉपीराइट बोर्ड को आवेदन कर सकते हैं। पर यदि शिक्षण या शोध प्रयोजनों के लिए अपेक्षित हो, तो 3 वर्ष बाद ही भाषांतर के लिए अनुरोध कर सकता है (विज्ञान व वाणिज्य संबंधी कृति)। कॉपीराइट के नियम का उल्लघन करने पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और/या 50 हजार रूपये से 3 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान है।

डॉ0 आलोक ने कहा कि ब्रिटिश सरकार द्वारा 1911 ई0 में 'पेटेंट और डिजाइन अधिनियम' पारित किया गया था। 1948 में उक्त अधिनियम की सार्थकता की जाँच के लिए एक जाँच समिति बनाई गई। अंततः 19 Sept. 1970 को पेटेंट कानून बना। Design Act 1911 को 2000 में निरस्त कर पुनः 11 मई 2001 से लागू किया गया। ट्रेडमार्क कानून नये सिरे से 15 Sept. 2003 से लागू है। इसका उद्देश्य है माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

डॉ0 राम सुभग सिंह के वक्तव्य का सारांश है कि 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पूँजीवादी दुनिया का शोषण का एक हथियार है, जिसके जरिए पूँजीवादी वर्चस्व को कायम किया जाता है और मानव श्रम के शोषण के जरिए एक विषमतामूलक समाज बनाये रखा जाता है।

प्राचार्य सूर्य मणि सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। डॉ0 आनन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला की समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C-42771

Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–4

आज दिनांक–22.09.2022 को पूर्वाहन 11:30 बजे से 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह ने की। कार्यशाला का विषय है–"बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत् ट्रेडमार्क और डिजाइन विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला।" इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे–जे0 एस0 कॉलेज, मेदिनीनगर के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष–सह–प्राचार्य प्रो0(डॉ0) राणा प्रताप सिंह।

इस कार्यशाला में निम्नलिखित शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए–

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771

Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही(Proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय–प्रवेश आई0 क्यू0 ए0 सी0 कोऑर्डिनेटर डॉ0 राम सुभग सिंह ने किया । वाणिज्य विभागाध्यक्ष–सह–प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह ने भी ट्रेडमार्क और डिजाइन विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता जे0 एस0 कॉलेज, मेदिनीनगर के प्राचार्य प्रो0(डॉ0) राणा प्रताप सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के संरक्षण के लिए भारत सरकार ने ट्रेडमार्क एवं डिजाइन से संबंधित कानून बनाया है। 1958 में Trade and Merchandise Marks Act पारित किया गया था। फिर 1999 में इसके स्थान पर Trade Marks Act पारित किया गया। 15 सितम्बर 2003 से यह Act पूरे भारत में लागू किया गया। इसके अंतर्गत् निम्नांकित विषय शामिल हैं–उपकरण, छाप, शीर्षक, नामपत्र, टिकट, नाम, हस्ताक्षर, शब्द, अक्षर, अंक, माल का आकार, पार्सल/पैकिंग, रंगों का समुच्चय आदि। Trade Mark Act के 3 मुख्य उद्देश्य हैं–

1.व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्री कराया जाना।

2.माल एवं सेवा के व्यापार चिन्हों को बेहतर संरक्षण प्रदान करना।

3.माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना। इसका रजिस्ट्रीकरण स्वैच्छिक है। रजिस्ट्री 10 वर्ष के लिए होती है। फिर Renewal कराना होता है। इस कानून से बचने के लिए कंपनियाँ मिलते–जुलते नाम रख देती हैं, लेकिन आम लोग भ्रमवश इसके शिकार हो जाते हैं। जैसे–adidas का जूता है। तो नकलची अपने ब्रांड का नाम adibas रख देते हैं। समझदार लोग अंतर समझ जाते हैं, पर अशिक्षित लोग इसके शिकार हो जाते हैं।

जहाँ तक Design Act की बात है, तो सर्वप्रथम 1911 में ब्रिटिश शासन द्वारा इसे पारित किया गया। पहले पेटेंट एवं डिजाइन विधेयक कानून एक ही था। 1970 में पेटेंट कानून के अलग होने के बाद यह केवल

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

'Design Act' 1911 रह गया। 2000 में इसे निरस्त कर दिया गया। फिर 11 मई 2001 से यह एक्ट प्रभाव में आया। इसका उद्देश्य इस प्रकार है–

1.रजिस्ट्रीकृत डिजाइनों का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित करना।

2.उत्पादित तत्त्वों में डिजाइन के तत्त्वों को बढ़ावा देना।

3.डिजाइन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

अनेक छात्र–छात्राओं ने जिज्ञासाएँ एवं प्रश्न किये; जिसका समाधान मुख्य वक्ता ने किया। प्राचार्य महोदय ने अध्यक्षीय संबोधन दिया और प्रो0 राजेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–5

आज दिनांक –30.11.2022,को पूर्वाहन 11:30 बजे हॉल न0–1 में प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ,जिसका विषय था –"बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत् पेटेंट (Patent)"। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे– श्री अभिजीत दुबे (कनिष्ठ अभियंता,नगर पंचायत, हुसैनाबाद।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक– शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय – प्रवेश NSS के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो0 राजेश कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ता श्री अभिजीत दुबे (J.E) ने कहा कि आजाद भारत में पटेंट कानून 19 Sept. 1970 को लागू हुआ,लेकिन इसका एक लंबा इतिहास है। भारत में सर्वप्रथम अंग्रेजी शासन के दौरान 1911 में पेटेंट और डिजाइन अधिनियम पारित किया गया। फिर इसकी सार्थकता की जाँच के लिए 1948 में एक जाँच समिति नियुक्त की गई। जाँच रिपोर्ट 1950 में प्रस्तुत की गई। 7 Dece.1953 को यह विधेयक लोकसभा में पेश हुआ,पर अधिनियम न बन सका । 1957 में न्यायमूर्ति एन0 राजगोपाल अयंगर को पेटेंट विधेयक की समीक्षा एवं सुझाव के लिए नियुक्त किया गया । 1959 में अयंगर द्वारा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। 1965 में लोकसभा में विधेयक पेश किया गया,जो अंतत: 1970 में पास हुआ राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से 19 Sept.1970 को पेटेंट कानून बना ।

लेकिन पेटेंट का इतिहास विश्व पटल पर बहुत पुराना है। सर्वप्रथम वेनिस में 1474 ई0 में यह बना । फिर 1624 ई0 में इग्लैंड में, 1791 ई0 में फ्रांस में और 1800–82 ई0 के मध्य अनेक देशों में बना । पेटेंट संबंधी अनेक वैश्विक सम्मेलन हुए। 1883 ई0 में पेरिस में 1900 ई0 में ब्रसेल्स में,1914 ई0 में वाशिंगटन में 1925 में हेग में 1934 में, लंदन में, 1958 में लिस्बन में, और 1967 में स्टॉकहोम में। भारत में पेटेंट का मुख्यालय नागपुर में है। पेटेंट

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

3 तरह के होते है– 1 Utility Patent 2 Design Patent 3 Plant Patent । पेटेंट की अवधि 20 वर्ष की होती है।

मुख्य वक्ता ने कहा कि पेटेंट वह है जो किसी देश द्वारा किसी आविष्कारक को उसके आविष्कार के निर्माण,उपयोग, अधिकार विनिर्माण और विपणन का विशेष अधिकार प्रदान करता है। इसके लिए जरूरी है कि वह आविष्कार कानून में उल्लिखित कुछ शर्तें पूरी करे । यह शर्ते पुरी होने पर उस देश के पेटेंट कार्यालय द्वारा उस आविष्कार के स्वामी को एक इस विशेष अधिकार का प्रमाणपत्र दिया जाता है। इस विशेष अधिकार का अर्थ है कि कोई भी अन्य व्यक्ति उस पेटेंटधारी व्यक्ति की अनुमति के बिना उस आविष्कार का निर्माण, उपयोग,विनिर्माण या विपणन नहीं कर सकता। विधि के अनुसार पेटेंट एक संपति अधिकार है इसलिए इसे दिया,विरासत में पाया,बेचा, लाइसेंस किया या त्यागा भी जा सकता है। पेटेंट चूँकी राज्य द्वारा दिया जाता है, इसलिए राज्य चाहे तो विशेष परिस्थितियों में जनहित में इसे वापस भी ले सकता है, चाहे इसे बेच दिया गया है,लाइसेंस कर दिया गया हो या विनिर्मित कर दिया गया हो। आविष्कार का स्वामी यदि दूसरे देशों में भी पेटेंट प्राप्त करना चाहते है, तो उसे उन देशों में इसके लिए अलग से आवेदन करना होगा और शुल्क जमा कराना होगा।

मख्य वक्ता ने कहा कि एक आविष्कार भले ही नवीन हो,अनूठा हो और उपयोगी भी हो,लेकिन भारत में वह निम्न परिस्थितियों में पेटेंट नहीं हो सकता –

(क) ऐसा अधिकार जो बहुत तुच्छ हो या प्रचलित शाश्वत नियमों के विपरीत होने का दावा करता हो।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

(ख) ऐसा आविष्कार जिसका प्राथमिक या जानबूझकर किया गया उपयोग या व्यावसायिक दोहन,विधि या नैतिकता के विपरीत हो अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य, पशुओं की वनस्पति या पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हो।

(ग) मात्र किसी वैज्ञानिक सिद्धांत की खोज या प्रकृति में मौजूद किसी जीवित या अजीवित पदार्थ या अमूर्त सिद्धांत की खोज ।

(घ) मात्र किसी ज्ञात पदार्थ, किसी नये गुण,नये उपयोग की खोज या किसी ज्ञात प्रक्रिया मशीन या उपकरण का कोई नया उपयोग; जब तक कि उस नई प्रक्रिया से किसी नये उत्पाद का निर्माण न हो रहा हो या उससे किसी नये प्रक्रिया का नियोजन न हो रहा हो।

(ङ) किसी दिमागी कार्य की कोई योजना या तरीका या किसी खेल को खेलने का नियम।

(च) ऐसा कोई आविष्कार जो वास्तव में कोई परंपरागत ज्ञान है या परंपरागत वस्तुओं के गुणों का एकत्रीकरण या डुप्लीकेशन है।

(छ) परमाणु उर्जा से संबंधित आविष्कार इत्यादि।

छात्र–छात्राओं ने अनेक सवाल किये और मुख्य वक्ता ने उसके जवाब दिये। कार्य–शाला का माहौल पूरी तरह खुशनुमा रहा। अध्यक्षीय संबोधन प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 शशि भूषण ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–6

आज दिनांक–09.01.2023 को पूर्वाहन 11:30 बजे हॉल नं0–01 में प्राचार्य प्रो0 सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में "बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी कार्यशाला का आयोजन हुआ; जिसका विषय था–बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत् 'भौगोलिक संकेतक' (Geographical Indication) विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला"। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि–सह–वक्ता संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज, रेहला के प्राचार्य–सह–विभागाध्यक्ष, भूगोल प्रो0 संतोष मिश्र थे।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए–

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Scanned with OKEN Scanner

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यक्रम में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय–प्रवेश समन्वयक, आई0 क्यू0 ए0 सी0 डॉ0 राम सुभग सिंह ने किया। मुख्य अतिथि–सह–वक्ता प्रो0 संतोष मिश्र (प्राचार्य, संत तुलीसदास डिग्री कॉलेज, रेहला) ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार का एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पहलू "भौगोलिक संकेतक" (G.I.) है। भौगोलिक संकेतक वे नाम हैं, जो कुछ कृषि संबंधी वस्तुओं, प्राकृतिक वस्तुओं या किसी देश या उसके किसी क्षेत्र या नगर में विनिर्मित या पैदा की जाने वाली वस्तुओं से जोड़े जाते हैं। उस वस्तु की गुणवता, प्रतिष्ठा और अन्य गुण उस भौगोलिक क्षेत्र से पहचाने जाते हैं। उदाहरण के लिए– दार्जिलिंग चाय, चंदेरी साड़ी, कांजीवरम सिल्क, स्कॉच व्हिस्की आदि।

जहाँ तक रजिस्ट्रेशन का सवाल है, तो लोगों या उत्पादकों का समूह, कोई संगठन, किसी कानून या इसके तहत कोई अधिकरण, जो संबंधित वस्तुओं के उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करता है और उन वस्तुओं के संबंध में भौगोलिक संकेतकों का रजिस्ट्रेशन कराना चाहता है; वह लिखित में रजिस्ट्रार के यहाँ आवेदन कर सकता हैं।

मुख्य वक्ता प्रो0 मिश्र ने कहा कि रजिस्ट्रेशन की कुछ शर्तें हैं। निम्न स्थितियों में रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा सकता:–

1.भ्रमित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है या कानून के विपरीत है,

2.इसमें कोई विवादित या अश्लील सामग्री है या भारत के किसी वर्ग या समुदाय की धार्मिक भावनाएँ आहत हो सकती है।

3.यह कोई जेनेरिक नाम है।

4.यदि उसके मूल देश में इसे संरक्षण देने से प्रतिबंधित कर दिया गया है या इसका उपयोग बंद हो गया है।

5.इसके मूल के बारे में गलत दावा किया गया है।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

भौगोलिक संकेतक से संबंधित एक्ट का पूरा नाम है– "वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण व संरक्षण) एक्ट, 1999"। इसकी अवधि 10 वर्ष की होती है, लेकिन समय–समय पर नवीनीकरण शुल्क देकर इसका असीमित समय के लिए नवीनीकरण कराया जा सकता है। एक्ट के तहत भौगोलिक संकेतक के बारे में गलत दावा करने पर 6 माह से 3 वर्ष का कारावास और 50,000 से 2,00,000 रु तक के जुर्माना का प्रावधान है। न्यायालय चाहे तो सजा को विशेष परिस्थिति में कम कर सकता है।

छात्र–छात्राओं ने संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिसका प्रत्युत्तर मुख्य वक्ता ने दिया। प्राचार्य महोदय ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो0 मुकेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया और अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–7

आज दिनांक–15.03.2023 को पूर्वाहन–11:30 बजे हॉल नं0–01 में प्रभारी प्राचार्य प्रो0 शशि भूषण की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ; जिसका विषय था– "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत् कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला।" इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि–सह–वक्ता थे–जी0 एल0 ए0 कॉलेज, मेदिनीनगर के भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो0 (डॉ0) आर0 के0 झा।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए–

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो0 रेखा कुमारी सिंह (हिन्दी विभाग) ने किया। विषय–प्रवेश आई0 क्यू0 ए0 सी0 कोऑर्डिनेटर डॉ0 राम सुभग सिंह ने किया। मुख्य अतिथि–सह–वक्ता प्रो0 (डॉ0) आर0 के0 झा ने काफी गहनता, सरलता एवं रोचकता से बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं– कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क–पर प्रकाश डाला। इन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य व्यक्ति की बुद्धि से उत्पन्न कला, साहित्य, आविष्कार आदि का संरक्षण एवं उसके हित के लिए कार्य करना है। यदि हम खेती करें और फसल कोई और काट ले जाये; तो ऐसी स्थिति में खेती करने का कष्टमय एवं जोखिम भरा काम भला कोई क्यों करना चाहेगा।

प्रो0 झा के वक्तव्य का सार निम्न प्रकार है– कॉपीराइट कानून जनवरी 1958 में लागू हुआ। इसके अंतर्गत् ये विषय हैं– मौलिक साहित्य, नाटक, संगीत और कला कृतियाँ; सिनेमेटोग्राफ फिल्में, एवं ध्वनि रिकॉर्डिंग। कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है। कॉपीराइट के नियम का उल्लंघन करने पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और/ या 50 हजार से 3 लाख रु तक के जुर्माने का प्रावधान है।

दुनिया के पैमाने पर पेटेंट का इतिहास 500 वर्ष से ज्यादा पुराना है। सर्वप्रथम 1474 ई0 में वेनिस में पेटेंट कराया गया था। फिर इंग्लैंड, फ्रांस और बाकी देशों में पेटेंट को लेकर अनेक वैश्विक सम्मेलन हो चुके हैं। पेटेंट तीन तरह के होते हैं–

1.उत्पाद पेटेंट।

2.प्रारुप पेटेंट।

3.पादप पेटेंट।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

पेटेंट की परिधि से प्राकृतिक नियम, प्राकृतिक वस्तुओं और अमूर्त/दार्शनिक विचारों को बाहर रखा गया है। पेटेंट की अवधि 20 वर्ष है। पेटेंट को बेचा या हस्तांतरित किया जा सकता है।

Trade Mark Act-1999 भारत में 15 Sep-2003 से लागू हुआ। इसके तीन उद्देश्य हैं–

1.व्यापार चिन्ह का रजिस्ट्री कराया जाना।

2.माल एवं सेवा के व्यापार चिन्हों को बेहतर संरक्षण प्रदान करना।

3.माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना। इसका रजिस्ट्रीकरण स्वैच्छिक है। रजिस्ट्री 10 वर्ष के लिए होती है। फिर नवीनीकरण कराना होता है।

मुख्य वक्ता से छात्र–छात्राओं ने अनेक प्रश्न पूछे, जिसका जवाब उनके द्वारा दिया गया। प्रभारी प्राचार्य प्रो0 शशि भूषण ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया और धन्यवाद ज्ञापन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116
(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)
Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यशाला संख्या–8

आज दिनांक–09.05.2023, दिन मंगलवार को पूर्वाहन 11:00 बजे कमरा संख्या–11 में प्राचार्य सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला (Workshop) का आयोजन किया गया; जिसका विषय था–"बौद्धिक संपदा अधिकारः वर्तमान पूँजीवादी युग में महत्त्व (Intellectual Property Right: Importance in Modern Capitalist Age)। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष– सह– समन्वयक, IQAC डॉ0 राम सुभग सिंह थे। कार्यशाला में निम्नांकित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए–

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C-42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो0 राहुल कुमार सिंह ने किया। हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ0 आलोक रंजन कुमार ने विषय–प्रवेश किया। इसके बाद भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो0 मुकेश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर अपने विचार व्यक्त किये। अनन्तर मुख्य वक्ता डॉ0 राम सुभग सिंह (समन्वयक, आई0 क्यू0 ए0 सी0) ने विस्तार से अपने विचार रखे और कहा कि यह बौद्धिक संपदा अधिकार वर्तमान पूँजीवादी व्यवस्था के अनुरुप है। यह पूँजीवादी व्यवस्था की जरुरत है। पूँजीवादी का एक ही उद्देश्य है– येन–केन–प्रकारेण मुनाफा कमाना। रचना या आविष्कार कोई जीनियस व्यक्ति करता है,जो आमतौर पर धनी या पूँजीपति नहीं होता। वर्तमान पूँजीवादी व्यवस्था में यह रचना, कला एवं आविष्कार आम जनता के प्रयोग/उपभोग में तब तक नहीं आ सकता; जब तक कोई प्रकाशक/कंपनी/पूँजीपति/सरकार इसे अपने अधिकार में न ले ले अर्थात् उस पर अपना स्वामित्व कॉपीराइट/पेटेंट/ट्रेडमार्क न हासिल कर ले। पूँजीपति न्यूनतम मूल्य चुकाकर लेखक,कवि, कलाकार,आविष्कारक या वैज्ञानिक से इसे खरीद लेता है और फिर इस टेक्नोलॉजी, को औद्योगिक क्षेत्र में प्रयोग कर भारी मुनाफा अर्जित करता है, किताबों पर मामूली रॉयल्टी देकर शेष मुनाफा हड़प लेता है। किसी कलाकार की कला के साथ भी यही होता है। इसीलिए पूँजीवादी सभ्यता का बौद्धिक संपदा अधिकार पर इतना जोर है।

डॉ0 सुभग ने कहा कि प्राचीन धर्मग्रंथों–वेद, उपनिषद् गीता, कुरान, बाइबल, गुरुग्रंथ साहब इत्यादि पर कभी कोई कॉपीराइट नहीं था। ये समस्त मानवता के लिए सर्वसुलभ थे। कबीर, तुलसी, प्लेटो, अरस्तू इत्यादि ने भी अपनी रचनाओं पर कोई कॉपीराइट नहीं रखा। यदि भाषा पर पेटेंट का कानून बन जाये, तो न जाने कितने लोग भाषाविहीन हो जायें।

COORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

एक समाजवादी समाज में बौद्धिक संपदा अधिकार की कोई जरुरत नहीं रह जायेगी, क्योंकि व्यक्ति की चिन्ता समाज करेगा और व्यक्ति जो भी सृजन करेगा, वह समस्त समाज की संपति होगा।

प्राचार्य महोदय ने अध्यक्षीय संबोधन दिया और छात्र–छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया। प्रो0 रेखा कुमारी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया और अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

CO-ORDINATOR
IQAC
A.K. SINGH COLLEGE
JAPLA, PALAMU

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

MY SCHOLAR™

FANCY REGISTER

Work Shop Register

Scanned with OKEN Scanner

प्रमाणित किया जाता है कि इस कार्यशाला पंजी (Workshop Register) में कुल 192 पृष्ठ हैं।

A.A.
07.12.2020
प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

Principal
A.K.Si..gh College
Ja.pla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक - 11.02.2020 3

सूचना संख्या - 1

सभी शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 18.02.2020 को बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है; जिसका विषय है — " Intellectual property Right : A Law to protect the Intellectuality of Individual.

अतः आप सभी उक्त तिथि को पूर्वाह्न 10:30 बजे हॉल नं०-1 में उपस्थिति एवं भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

11.02.2020

प्राचार्य

एस० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू।

1. Arun Kumar Singh

दिनांक 18.02.2020

कार्यशाला संख्या - 1

आज दिनांक - 18.02.2020, दिन - मंगलवार को पूर्वाह्न 10.30 बजे हॉल नं० - 1 में प्राचार्य प्रो० अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला (workshop) का आयोजन किया गया, जिसका विषय था — "Intellectual property Right : A Law to protect the Intellectuality of Individual." इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि जी० एल० ए० कॉलेज, मेदिनीनगर के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) एस० सी० मिश्र जी, विशिष्ट अतिथि तदर्थ शासी निकाय (Adhoc G.B.) के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सिंह तथा सम्मानित अतिथि के रूप में S.P.D. college, Garhwa के प्रो० विवेकानन्द उपाध्याय उपस्थित हुए।

इस कार्यशाला में गणमान्य व्यक्ति सहित निम्नांकित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुए —

1. प्रो० अशोक कुमार सिंह (प्राचार्य) — 18.2.20
2. प्रो० रविकान्त सिंह (IQAC, Co-ordinator) — Ravikant
3. प्रो० (डॉ०) एस० सी० मिश्र (G.L.A. College, Medininagar) —
4. श्री अरुण कुमार सिंह (अध्यक्ष, तदर्थ समिति) —
5. प्रो० विवेकानन्द उपाध्याय (S.P.D. College, Garhwa) —
6. डॉ० राम सुभग सिंह — RSSingh
7. प्रो० अरुण कुमार सिंह —
8. प्रो० राहुल कुमार सिंह
9. डॉ० रेखा कुमारी सिंह — R.K. Singh
10. " अमोद कुमार सिंह —
11. डॉ० आलोक रंजन कुमार — ARK
12. प्रो० सुनील कुमार सिंह
13. ओम प्रकाश सिंह
14. Satish Prasad — SP
15. Prof. Sudhir Kumar Singh — SKSingh
16. मुकेश कुमार — Mukesh
17. डॉ० शिवकुमार विश्वकर्मा — शिवकुमार विश्वकर्मा
18. आरती कुमारी — आरती कुमारी
19. YASHWANT Mehta — Jashwant Mehta

Scanned with OKEN Scanner

20. Dhiraj

20. Dhiraj kumar Mehta
21. Shobha Kumari
22. Mamta kumari
23. Rajiranjan Kumar
24. Neha Kumari
25. Pratima Kumari
26. कविता कुमारी
27. Sonali Kumari
28. नेहा कुमारी
29. Dhaneshwar Malakar
30. RaJ Malhotra
31. Khushi Choudhary
32. Anjali choudhary
33. अंजली पासवान
34. आरती मेहता
35. Satyam Kumar
36. chandan Pandey
37. पंकज कुमार यादव
38. पप्पू पासवान
39. Sonakshi Singh
40. [illegible]
41. [illegible]

कार्यवाही (proceeding)

मान्यवर अशोक कुमार सिंह, प्रो० (डॉ०) एस० सी० मिश्र, श्री अरुण कुमार सिंह, प्रो० विवेकानन्द उपाध्याय एवं प्रो० रविकान्त सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) के स्वयंसेवकों — प्रतिभा रंजन राज, सरस्वती रंजन, अर्चना वर्मा, हेमा कुमारी एवं साधना कुमारी द्वारा अतिथियों के सम्मान में स्वागत गान एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया।

विषय-प्रवेश महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ० राम सुभग सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन NSS के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि प्रो० एस०सी० मिश्र ने बहुत ही बोधगम्य शैली में कॉपीराइट, पेटेंट, इनोवेशन इत्यादि पर प्रकाश डाला। इन्होंने कहा कि आपलोग जो किताब पढ़ते हैं, उसका जो लेखक होता है, उसके नाम से या उसके उत्तराधिकारी के नाम से कॉपीराइट होता है। यदि कोई भी लेखक के पूर्वानुमति के बिना उसके किसी अंश का उपयोग करता है, तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। यदि कोई किसी नई चीज का आविष्कार करता है, तो उसके नाम से उस चीज का पेटेंट होगा। उसकी इच्छा के बिना उस चीज का कारखाने में उत्पादन नहीं किया जा सकता।

विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार सिंह ने कहा कि बुद्धि एक संपदा है, जिस पर उस व्यक्ति का अधिकार है। उसकी बुद्धि से यदि कोई नया विचार उत्पन्न होता है, किसी नई चीज का सृजन होता है, तो उस पर उसका कॉपीराइट/पेटेंट होगा। उसकी अनुमति के बिना कोई भी उसका उपयोग नहीं कर सकेगा।

सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज, गढ़वा (पलामू) के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो० विवेकानन्द उपाध्याय ने भी बौद्धिक संपदा अधिकार के कुछ पहलुओं पर अपने विचार रखे। इस विषय पर महाविद्यालय के निम्न प्राध्यापकों ने भी अपने विचार व्यक्त किये — डॉ० आलोक रंजन कुमार, डॉ० अजय कुमार सिंह, प्रो० रेखा कुमारी सिंह एवं प्रो० सतीश प्रसाद। व्याख्यान के बाद एक घंटा का प्रश्नोत्तर

Scanned with OKEN Scanner

सत्र रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएँ एवं

Third eye 19.02.2020

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

मंच पर उपस्थित अतिथि।

[illegible]

8/ दि० – 22.12.2021

सूचना संख्या – 2

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07.01.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है; जिसका विषय है – "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत कॉपीराइट की उपादेयता।"

अतः आप सभी उक्त तिथि को निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

22/12/2021

प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

1. Arun Kumar Singh —

RSSingh

SKSingh

R.K. Singh

R Ranjan

दिनांक ~ 07.01.2022

कार्यशाला संख्या - 2

आज दिनांक - 07.01.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे हॉल नं॰-1 में प्राचार्य प्रो॰ सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसका विषय है — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत कॉपीराइट की उपादेयता।" इस एक दिवसीय कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे श्री अंगद किशोर जी, जो एक शिक्षक, इतिहासकार, पुरातत्वविद् और अनेक पुस्तकों के लेखक हैं।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्न शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुए —

1. Surya Mani Singh (principal) — 07/01/2022 (Principal ... Japla, Palamau)
2. Dr. Ram Subhag Singh (IQAC, co-ordinator) — RSSingh
3. अंगद किशोर (शिक्षक, इतिहासकार और लेखक) — 07/01/2022
4. Arun Kumar Singh
5. प्रो॰ राजेश कुमार सिंह
6. Shashi Bhushan.
7. Rekha Kumari Singh — R.K.Singh
8. Rahul Kumar Singh
9. Priyanshu Gupta — Priyanshu
10. Nikhil Kr. Singh — N.K.Singh
11. Ankit Singh — Ankit
12. Renu Kumari — Renu
13. Muskan Kumari — Muskan Kumari
14. Nitu Raj — Nitu Raj
15. Sapna Chandravanshi — Sapna
16. Mussarat Fariidi — mussarat faridi
17. Himanshu Kumari — Himanshu
18. Anjali Kumari — Anjali
19. Kiran Kumari — Kiran Kumari
20. Rimjhim Singh — Rimjhim Singh
21. Shreya Sinha — Shreya Sinha
22. Sandhya Kumari

Scanned with OKEN Scanner

23) Rita Kumari
24) Sandhya kumari
25) Pushpa kumari
26 Dr. Alok Ranjan Kumar
27) Pawan Kumar
28) Raviranjan kumar
29) Khushbu kumari
30 Prof. Sudhir Kumar Singh SKSingh
31 मुकेश कुमार मुकेश
32. डॉ० शिवकुमार विश्वकर्मा शिवकर्मा
33. Pratima Kumari
34. Sonali Kumari
35. [illegible]
36. Khushboo Kumari
37. Pragyoti kumari
38. Kundan Kumar Sharma
39. संदिप कुमार विश्वकर्मा
40. कविता कुमारी
41. वंदना शर्मा
42. Nikhil Kumar Singh
43. Ashok paswan
44. सोनम कुमारी
45. [illegible]
46. [illegible] Kumar
47. [illegible]
48. [illegible]
49. [illegible]

कार्यवाही (Proceeding)

प्राचार्य प्रो० सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला हुई, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विषय-प्रवेश डॉ० राम कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र - सह - समन्वयक, आई०क्यू०ए०सी०) ने किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता श्री अंगद किशोर (शिक्षक, इतिहासकार, पुरातत्वविद् एवं लेखक) ने कॉपीराइट पर विस्तारपूर्वक वक्तव्य दिया। इन्होंने कहा कि भारत में कॉपीराइट से सम्बन्धित कानून 1957 में पारित किया गया और 21 जनवरी 1958 से लागू हुआ। कॉपीराइट में निम्नांकित विषय समाहित हैं — साहित्य, नाटक और संगीत संबंधी कार्य, कम्प्यूटर प्रोग्राम, कॉम्पाइलर जो साहित्यिक कार्य की परिभाषा में आते हैं, कला संबंधी कृतियाँ, सिनेमा, जिसमें साउंड ट्रैक और वीडियो फिल्में भी शामिल हैं, रिकार्ड, कोई भी डिस्क, टेप या अन्य डिवाइस।

श्री अंगद किशोर ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति किसी की रचना, कृति एवं कला की नकल करता है या उसे अपने नाम से प्रचारित-प्रसारित करता है, तो वह दंड का भागी होगा। किसी साहित्यिक कृति के कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है, लेकिन प्रसारण के संबंध में जिस वर्ष प्रसारण किया गया, उसके अगले कैलेंडर वर्ष की शुरुआत से 25 वर्ष तक। प्रोग्राम का दस्तावेजीकरण, जिसमें सामान्यतः प्रोग्राम ही होता है, अलग कृति माना जाता है और यदि इसे रजिस्टर्ड कराना हो, तो अलग से आवेदन करना होगा; कम्प्यूटर प्रोग्राम के साथ नहीं। यह भी ध्यान योग्य है कि यदि कोई व्यक्ति अपने नियोक्ता के लिए कोई प्रोग्राम बनाता है, तो उस पर उस नियोक्ता का ही कॉपीराइट होगा, जब तक कि कोई अन्य अनुबंध न हो।

श्री अंगद जी ने कहा कि किसी विद्यमान कृति का कॉपीराइट धारक या किसी संभावित कृति का कॉपीराइट धारक पूर्णतः या अंशतः कॉपीराइट का हस्तांतरण भी कर सकता है, चाहे विश्व या किसी देश या क्षेत्र के लिए। कॉपीराइट सहित सभी अधिकार या इन अधिकारों का कोई भाग। सारांश यह है कि कॉपीराइट एक व्यक्ति की बुद्धि से उपजे किसी भी साहित्यिक या कलात्मक कृति को संरक्षण प्रदान करता है यदि कोई व्यक्ति अथक परिश्रम से कोई रचना करे और

Scanned with OKEN Scanner

12

कोई जालसाजी से उसे अपने नाम कर ले या उसका लाभ वह फर्जी व्यक्ति उठा ले, तो यह उस रचनाकार के साथ अन्याय होगा। कॉपीराइट कानून की यही उपादेयता है।

विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिसका संतोषजनक उत्तर श्री अंगद जी ने दिया। अध्यक्षीय संबोधन प्राचार्य महोदय ने दिया। मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो० रेखा कुमारी सिंह ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला के समाप्ति की घोषणा की गई।

[signature] 07/01/2022

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

13

Dt.- 12.04.2022

सूचना संख्या - 3

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20.04.2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

अतः आप सभी इस कार्यशाला में ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

12/04/2022
प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

1. OM Prakash singh.
2. Ravi Kumar
3. Dr. Ram Subhag Singh
4. Arun Kumar Singh

दर ले था जिसमें
ह उस सूचनाकार
चून की गई
-पूर्व, जिसमें
/ अध्यक्षीय
का संचालन
कुमार सिंह
जा कुमारी सिंह
त कार्यशाला

07/01/2022
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

14

दिनांक - 20.04.2022

कार्यशाला संख्या - 3

आज दिनांक 20.04.2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से 'बौद्धिक संपदा अधिकार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो० सूर्य मणि सिंह ने की। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ० आलोक रंजन कुमार तथा विशिष्ट वक्ता डॉ० राम सुभग सिंह (समन्वयक, आई० क्यू० ए० सी०) रहे।

इस कार्यशाला में निम्नांकित व्यक्ति उपस्थित हुए —

1. प्रो० सूर्य मणि सिंह (प्राचार्य) — [signature]
2. डॉ० राम सुभग सिंह (I.Q.A.C. co-ordinator) — R.S.Singh
3. प्रो० (डॉ०) आलोक रंजन कुमार — [signature]
4. प्रो० अशोक कुमार सिंह — [signature]
5. डॉ० रेखा कुमारी सिंह — R.K.Singh
6. Prof. Sudhir Kumar Singh — SKSingh
7. मुकेश कुमार — [signature]
8. डॉ० विनय कुमार विश्वकर्मा — [signature]
9. राहुल कुमार सिंह — [signature]
10. Arun Kumar Singh — [signature]
11. [illegible] — [signature]
12. [illegible] — [signature]
13. [illegible] — [signature]
14. [illegible] कुमार [illegible] — [signature]
15. Amarendra Kumar Singh. — A.K.S.
16. OM Prakash Singh — [signature]
17. Dr. Ravi Ranjan Ku. Mishra — R.Ranjan
18. Ravi Kumar — [signature]
19. Dr. Anand Kumar — [signature]
20. Punam Kumari
21. Subhash Prasad
22. संतोष कुमार
23. अरशद अली
24. समीरा जायसवाल
25. Prem Dubey

Principal A.K.Singh College Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

26. Neha Kumari
27. प्रीति कुमारी
28. Mamta Kumari
29. Shobha Kumari
30. Nitu Kumari
31. Shukriti Kumari
32. Ritu prajapati
33. Jyoti Kumari
34. Vivek Kumar
35. Abhishek Upadhyay
36. Govind Kumar
37. Rajranjan Kumar
38. Pushpa Kumari
39. Rima Kumari
40. Pinki Kumari
41. Prince Kumar

कार्यवाही (Proceeding)

कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ता डॉ० आलोक रंजन कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के अंतर्गत निम्न प्रमुख विषय आते हैं — कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और भौगोलिक संकेतक। आम आदमी भी इनका नाम जरूर सुना होता है। ये ऐसे विषय हैं, जिनसे विद्यार्थियों एवं नागरिकों को अवश्य ही अवगत होना चाहिए। इसलिए कि जाने-अनजाने इनसे संबंधित नियम-कानून का उल्लंघन होने पर व्यक्ति मुसीबत में फँस जाता है।

प्रो० आलोक ने बताया कि कॉपीराइट का कानून भारत में 1957 में पारित किया गया और 21 जन. 1958 से पूरे भारत में लागू हुआ। कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है। संयुक्त लेखक होने पर अंतिम लेखक की मृत्यु के 60 वर्ष तक वह अधिकार रहेगा। कोई व्यक्ति किसी साहित्यिक या नाट्य कृति का उस कृति के प्रथम

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशन के 7 वर्ष बाद भाषांतर के लिए कॉपीराइट बोर्ड को आवेदन कर सकते हैं। पर यदि शिक्षण या शोध प्रयोजनों के लिए अपेक्षित हो, तो 3 वर्ष बाद ही भाषांतर के लिए अनुरोध कर सकता है (विज्ञान व वाणिज्य संबंधी कृति)। कॉपीराइट के नियम का उल्लंघन करने पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और/या 50 हजार रुपये से 3 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान है।

डॉ० आलोक ने कहा कि ब्रिटिश सरकार द्वारा 1911 ई० में 'पेटेंट और डिजाइन अधिनियम' पारित किया गया था। 1949 में उक्त अधिनियम की सार्थकता की जाँच के लिए एक जाँच समिति बनाई गई। अंततः 19 Sept. 1970 को पेटेंट कानून बना। Design Act 1911 को 2000 में निरस्त कर पुनः 11 मई 2001 से लागू किया गया। ट्रेडमार्क कानून नये सिरे से 15 Sept. 2003 से लागू है। इसका उद्देश्य है माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना।

डॉ० राम बुजग सिंह के वक्तव्य का सारांश है कि 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पूँजीवादी दुनिया का शोषण का एक हथियार है, जिसके जरिए पूँजीवादी वर्चस्व को कायम किया जाता है और मानव श्रम के शोषण के जरिए एक विषमतामूलक समाज बनाये रखा जाता है।

आचार्य स्वर्ण मणि सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। डॉ० आनन्द कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला की समाप्ति की घोषणा की गई।

[signature] 20/04/2022

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

कॉपीराइट बोर्ड को
का शोषण प्रयोजनों
आयोजन के लिए
ल्प संबंधी करें।
र 6 माह से 3 साल
3 लाख तक के

कहा कि ब्रिटिश सरकार
अधिनियम 'पारित
यम की सार्थकता
गई। अंततः
डिजाइन एक्ट 1911
2001 से लागू
5 सेप्ट 2003 से
के कपरहर्णी

वक्तव्य का
की दुनिया का
बुनियादी नर्चस्व
शोषण के जरिए
।
प्राचार्य स्वयं
आनन्द कुमार
की अनुमति से

20/04/2022
Principal
Singh College
Japla, Palamu

सूचना संख्या – 1

सभी शिक्षक- शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक- 22.09.2022 को प्रातः 11:30 बजे हॉल नं.-1 में बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है; जिसका विषय है – "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन"।

अतः आप सभी उक्त तिथि को निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

/09/2022
प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

RR Ram
A.K. Singh
S K Singh
A.K.S(3)
R Ram

कार्यशाला संख्या - 4

आज दिनांक-22.05.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे से 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो० सूर्य मणि सिंह ने की। कार्यशाला का विषय है — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत ट्रेडमार्क और डिजाइन विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला।" इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे जे० एस० कॉलेज, मेदिनीनगर के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष-सह-प्राचार्य प्रो० (डॉ०) राणा प्रताप सिंह।

इस कार्यशाला में निम्नलिखित शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए —

1. प्रो० सूर्य मणि सिंह (प्राचार्य) —
2. डॉ० राम सुमन सिंह (IQAC, coordinator) —
3. प्रो० (डॉ०) राणा प्रताप सिंह (प्राचार्य, जे० एस० कॉलेज, मेदिनीनगर) —
4. डॉ० रेखा कुमारी सिंह — R.K. Singh
5. प्रो० अभीष्ट कुमार सिंह
6. Sudhir Kumar Singh — S.K. Singh
7. मुकेश कुमार
8. डॉ० शिवकुमार तिवारी
9. राहुल कुमार सिंह
10. Arun Kumar SSA —
11. Rajesh Kr Singh
12. Sashi Bhushan.
13. Haremdr H Singh
14. Akhilesh Kr Singh
15. प्रो० सुनील कुमार सिंह
16. Amarendra Kumar Singh. — A.K.Si
17. Dr. Ravi Ranjan Kr. Mishra
18. Ravi Kumar
19. Dr. Anand Kumar
20. Dr. Alok Rajesh Kr
21. Hina Kumari
22. Suganti Kumari
23. Nisha Kumari

24. pinki kumari
25. Abhishek Upadhyay
26. Govind Kumar
27. Jyoti kumari
28. Rehana Khatun
29. Yasmin Firdoz
30. Kusum kumari
31. Gulapsha Khatoon
32. fatma Raza
33. Mukesh kumar
34. Rahul kumar
35. संजय कुमार
36. Rahul kumar
37. सिम्पी कुमारी
38. Imran Akhtar
39. Prema kumari

कार्यवाही (proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय-प्रवेश आई० क्यू० ए० सी० कोऑर्डिनेटर डॉ० राम सुभग सिंह ने किया। वाणिज्य विभागाध्यक्ष-सह-प्राचार्य प्रो० सूर्य मणि सिंह ने भी ट्रेडमार्क और डिजाइन विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता जे० एल० कॉलेज, मेदिनीनगर के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) राणा प्रताप सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार के संरक्षण के लिए भारत सरकार ने ट्रेडमार्क एवं डिजाइन से संबंधित कानून बनाया है। 1958 में Trade and Merchandise Marks Act पारित किया गया था। फिर 1999 में इसके स्थान पर Trade Marks Act पारित किया गया। 15 Sept 2003 से यह Act पूरे भारत में लागू किया गया। इसके अंतर्गत निम्नांकित विषय शामिल हैं — उपकरण, छाप, शीर्षक, नामपत्र, टिकट, नाम, हस्ताक्षर, शब्द, अक्षर, अंक, माल का आकार, पार्सल/पैकिंग, रंगों का समुच्चय आदि Trade Mark Act के 3 मुख्य उद्देश्य हैं — (i) व्यापार

Scanned with OKEN Scanner

चिन्ह का रजिस्ट्री कराया जाना, (ii) माल एवं सेवा के व्यापार चिन्हों को बेहतर संरक्षण प्रदान करना (iii) माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना। इसका रजिस्ट्रीकरण वैकल्पिक है। रजिस्ट्री 10 वर्ष के लिए होती है। फिर Renewal कराना होता है। इस कानून से बचने के लिए कंपनियाँ मिलते-जुलते नाम रख देती हैं, लेकिन आम लोग भ्रमवश इसके शिकार हो जाते हैं। जैसे - adidas का जूता है। तो नकलची अपने ब्रांड का नाम adibas रख देते हैं। समझदार लोग अंतर समझ जाते हैं, पर अशिक्षित लोग इसके शिकार हो जाते हैं।

जहाँ तक Design Act की बात है, तो सर्वप्रथम 1911 में ब्रिटिश शासन द्वारा इसे पारित किया गया। पहले पेटेंट एवं डिजाइन नियामक कानून एक ही था। 1970 में पेटेंट कानून के अलग होने के बाद यह केवल 'Design Act, 1911' रह गया। 2000 में इसे निरस्त कर दिया गया। फिर 11 मई 2001 से यह Act प्रभाव में आया। इसका उद्देश्य इस प्रकार है — (क) रजिस्ट्रीकृत डिजाइनों का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित करना (ख) उत्पादित वस्तुओं में डिजाइन के तत्वों को बढ़ावा देना (ग) डिजाइन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

अनेक छात्र-छात्राओं ने जिज्ञासाएँ एवं प्रश्न किये; जिसका समाधान मुख्य वक्ता ने किया। प्राचार्य महोदय ने अध्यक्षीय संबोधन दिया और प्रो॰ राजेश कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

Princip
K.Singh
Japla, Palamau

21

सूचना संख्या – 5

दिनांक - 23.11.2022

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.11.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे हॉल नं० - 1 में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है; जिसका विषय है — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत पेटेंट (Patent)।"

अतः सभी उक्त कार्यशाला में अपनी उपस्थिति/भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

23/11/2022

प्राचार्य

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू।

Principal

A.K.Singh College

R.K.Singh

S.K.Singh

A.K.Singh

22

दिनांक - 30.11.2022

कार्यशाला संख्या - 5

आज दिनांक - 30.11.2022, को पूर्वाह्न 11:30 बजे हॉल नं - 1 में प्राचार्य प्रो० सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसका विषय था - " बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत पेटेंट (Patent इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे - श्री अभिजीत दुबे (कनिष्ठ अभियंता, नगर पंचायत, हुसैनाबाद)।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मी एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित हुए —

1. प्रो० सूर्य मणि सिंह (प्राचार्य) — [signature] 30/11/2022
2. Abhijeet Dubey (J.E., हुसैनाबाद नगर पंचायत) [signature]
3. Dr. Ram Subhag Singh (IQAC co-ordinator) — [signature]
4. Shashi Bhushan — [signature]
5. Alok Ranjan Kumar [signature]
6. Rekha Kumari Singh [signature]
7. Rahul Kumar S... [signature]
8. Arun Kumar Singh [signature]
9. Rajesh Kr Singh [signature]
10. प्रो० ... कुमार सिंह [signature]
11. Sudhir Kumar Singh [signature]
12. डॉ० ... [signature]
13. Harun Hasim [signature]
14. Ravi Kumar [signature]
15. Kajal Kumari
16. Pushpa Kumari
17. Nitu Raj
18. Muskan Kumari
19. Renu Kumari
20. Prem Prakash
21. ... Kumar
Nakul Thakur
22. SAURABH GANGULI
23. Rahul Kr Yadav
24. Ankur Kr. Singh
25. Sandhya Kmari
26. Sandhya Kumari
27. Rita Kumari
28. Jyoti Kumari
29. Akanksha Sinha

Scanned with OKEN Scanner

30 Anjali Kumari
31 Kiran Kumari
32 Chhaya Kumari
33 Roma Kumari
34 Amrita Kumari
35. Anu Kumari
36. Anjali kumari
37. Nasrin Khatoon
38. Kusum Kumari
39. Khushi Kumari
40. Babita Kumari
41. Sapna
42. Musarraf faridi
43. Gaurav Kumar
44. Tarun Kumar
45. Shreyashi
46. विद्यावती कुमारी
47. Rubi Kumari
48. Babali Kumari
49. Hanifatma
50. Guddy Kumari
51. Nikhil Singh
52. kanchan kumari
53. Gitanjali kumari
54. Fiza Afrin
55. Anjali Kumari
56. Chandan kumar
57. Raviranjan kumar
58. Pawan Kumar
59. R R ...
60. Anand kumar

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय-प्रवेश NSS के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ता श्री अभिजीत दुबे (J.E.) ने कहा कि आजाद भारत में पेटेंट कानून 19 Sept. 1970 को लागू हुआ, लेकिन इसका एक लंबा इतिहास है। भारत में सर्वप्रथम अंग्रेजी शासन के दौरान 1911 में "पेटेंट और डिजाइन अधिनियम" पारित किया गया। फिर इसकी सार्थकता की जाँच के लिए 1948 में एक जाँच समिति नियुक्त की गई। जाँच रिपोर्ट 1950 में प्रस्तुत की गई। 7 Dec. 1953 को यह विधेयक लोकसभा में पेश हुआ, पर अधिनियम न बन सका। 1957 में न्यायमूर्ति एन० राजगोपाल अय्यंगार को पेटेंट विधेयक की समीक्षा एवं सुझाव के लिए नियुक्त किया गया। 1959 में अय्यंगार द्वारा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। 1965 में लोकसभा में विधेयक पेश किया गया, जो अंततः 1970 में पास हुआ और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से 19 Sept. 1970 को पेटेंट कानून बना।

लेकिन पेटेंट का इतिहास विश्व पटल पर बहुत पुराना है। सर्वप्रथम वेनिस में 1474 ई० में यह बना। फिर 1624 ई० में इंग्लैंड में, 1791 ई० में फ्रांस में और 1800-82 ई० के मध्य अनेक देशों में बना। पेटेंट संबंधी अनेक वैश्विक सम्मेलन हुए। 1883 ई० में पेरिस में, 1900 ई० में ब्रसेल्स में, 1914 ई० में वाशिंगटन में, 1925 में हेग में, 1934 में लंदन में, 1958 में लिस्बन में, और 1967 में स्टॉकहोम में। भारत में पेटेंट का मुख्यालय नागपुर में है। पेटेंट 3 तरह के होते हैं — (i) Utility patent (ii) Design patent (iii) Plant Patent। पेटेंट की अवधि 20 वर्ष की होती है।

मुख्य वक्ता ने कहा कि पेटेंट वह है जो किसी देश द्वारा किसी आविष्कारक को उसके आविष्कार के निर्माण, उपयोग, विनिर्माण और विपणन का विशेष अधिकार प्रदान करता है। इसके लिए जरूरी है कि वह आविष्कार कानून में उल्लिखित कुछ शर्तें पूरी करे। यह शर्तें पूरी

होने पर उस देश के पेटेंट कार्यालय द्वारा उस आविष्कार के स्वामी को एक इस विशेष अधिकार का प्रमाणपत्र दिया जाता है। इस विशेष अधिकार का अर्थ है कि कोई भी अन्य व्यक्ति उस पेटेंटधारी व्यक्ति की अनुमति के बिना उस आविष्कार का निर्माण, उपयोग, विनिर्माण या विपणन नहीं कर सकता। विधि के अनुसार पेटेंट एक संपत्ति अधिकार है इसलिए इसे दिया, विरासत में पाया, बेचा, लाईसेंस किया या त्यागा भी जा सकता है। पेटेंट चूँकि राज्य द्वारा दिया जाता है, इसलिए राज्य चाहे तो विशेष परिस्थितियों में जनहित में इसे वापस भी ले सकता है, चाहे इसे बेच दिया गया है, लाईसेंस कर दिया गया हो या विनिर्मित कर दिया गया हो। आविष्कार का स्वामी यदि दूसरे देशों में भी पेटेंट प्राप्त करना चाहता है, तो उसे उन देशों में इसके लिए अलग से आवेदन करना होगा और शुल्क जमा कराना होगा।

मुख्य वक्ता ने कहा कि एक आविष्कार भले ही नवीन हो, अनूठा हो और उपयोगी भी हो; लेकिन भारत में वह निम्न परिस्थितियों में पेटेंट नहीं हो सकता –

(क) ऐसा अधिकार जो बहुत तुच्छ हो या प्रचलित शाश्वत नियमों के विपरीत होने का दावा करता हो।

(ख) ऐसा आविष्कार जिसका प्राथमिक या जानबूझकर किया गया उपयोग या व्यावसायिक दोहन, विधि या नैतिकता के विपरीत हो अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य, पशुओं की वनस्पति या पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हो।

(ग) मात्र किसी वैज्ञानिक सिद्धांत की खोज या प्रकृति में मौजूद किसी जीवित या अजीवित पदार्थ या अमूर्त सिद्धांत की खोज।

(घ) मात्र किसी ज्ञात पदार्थ, किसी नये गुण, नये उपयोग की खोज या किसी ज्ञात प्रक्रिया, मशीन या उपकरण का कोई नया उपयोग; जब तक कि उस नई प्रक्रिया से किसी नये उत्पाद का निर्माण न हो रहा हो या उससे किसी नये प्रक्रिया का नियोजन न हो रहा हो।

(ङ) किसी दिमागी कार्य की कोई योजना या तरीका या किसी खेल को खेलने का नियम

(घ) ऐसा कोई आविष्कार जो वास्तव में कोई परंपरागत ज्ञान है या परंपरागत वस्तुओं के गुणों का एकत्रीकरण या डुप्लीकेशन है।

(ङ) परमाणु ऊर्जा से संबंधित आविष्कार इत्यादि।

छात्र-छात्राओं ने अनेक सवाल किये और मुख्य वक्ता ने उसके जवाब दिये। कार्यशाला का माहौल पूरी तरह खुशनुमा रहा। अध्यक्षीय संबोधन प्राचार्य प्रो० कुल मणि सिंह ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो० शशि भूषण ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

30/11/2022

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक - 02.01.2023

सूचना संख्या - 6

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 03.01.2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे, हॉल नं०-1 में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है, जिसका विषय है — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) अंतर्गत 'भौगोलिक संकेतक' (Geographical Indication) पर एकदिवसीय कार्यशाला।"

अतः आप सभी उक्त कार्यशाला में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

02/01/2023
प्राचार्य
एस० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

R.Singh

A.K.Singh

S.K.Singh

A.K.Singh

दिनांक - 09.01.2023

कार्यशाला संख्या - 6

आज दिनांक - 09.01.2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे हॉल नं०-1 में प्राचार्य प्रो० सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी कार्यशाला का आयोजन हुआ; जिसका विषय था — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत 'भौगोलिक संकेतक' (Geographical Indication) विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला"। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि-सह-वक्ता संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज, रेहला के प्राचार्य-सह-विभागाध्यक्ष, भूगोल प्रो० संतोष मिश्र थे।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए —

1. प्रो० सूर्य मणि सिंह (प्राचार्य)
2. Prof. Santosh Mishra (Principal, S.T.D.C. Rehla)
3. डॉ० राम सुमन सिंह (IQAC, Co-ordinator)
4. प्रो०-अखिल भूषण
5. मुकेश कुमार
6. डॉ० शिवकुमार तिवारी
7. राहुल कुमार सिंह
8. Arun Kumar Singh
9. Rajesh Kr Singh
10. [illegible]
11. Akhilesh Kumar Singh
12. प्रो० सुनील कुमार राय
13. Prof Sudhir Kumar Singh
14. prof. Ashok Kr Singh
15. Amarendra Kumar Singh.
16. Ravi Kumar
17. Dr. Anand Kumar
18. Dr. Alok Ranjan
19. Bheem Singh
20. [illegible] कुमारी
21. राकेश कुमार

Scanned with OKEN Scanner

22. Abhay kumar Shiby
23. Riya kumari
24. Nisha Kumari
25. fatma Razza
26. Gulapsha khatoon
27. Himal kumari
28. Suganti kumari
29. Prema kumari
30. Amit kumar.
31. अमन कुमार
32. Vicky kumar chauhan
33. Anup KUMAR
34. Priyanshu singh
35. Sugam kumar patel.
36. Sonali kumari
37. Sushma kumari
38. Rinum Kumari
39. रवी कुमारी
40. प्रेमज्योति कुमारी
41. पंकज कुमार दुबे
42. Rukhsar Khatoon
43. Md. Aslam
44. शांतनु मिश्रा
45. Prince Kumar
46. अमित कुमार
47. खुशबू कुमारी
48. Pankaj kumar
49. मुकेश कुमार
50. Mamta kumari
51. Vishal Kumar Yadav
52. पंकज कुमार सिंह
53. सोनू कुमार सिंह
54. Shalini kumari
55. Pratima kumari

Scanned with OKEN Scanner

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यक्रम में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। विषय-प्रवेश समन्वयक, आई क्यू ए सी डॉ० श्याम सुन्दर सिंह ने किया। मुख्य अतिथि-सह-वक्ता प्रो० संतोष मिश्र (प्राचार्य, संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज, रेहला) ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पहलू 'भौगोलिक संकेतक' (G.I.) है। भौगोलिक संकेतक वे नाम हैं, जो कुछ कृषि संबंधी वस्तुओं, प्राकृतिक वस्तुओं या किसी देश या उसके किसी क्षेत्र या नगर में निनिर्मित या पैदा की जाने वाली वस्तुओं से जोड़े जाते हैं। उस वस्तु की गुणवत्ता, प्रतिष्ठा और अन्य गुण उस भौगोलिक क्षेत्र से पहचाने जाते हैं। उदाहरण के लिए — दार्जिलिंग चाय, चंदेरी साड़ी, कांजीवरम सिल्क, स्कॉच व्हिस्की आदि।

जहाँ तक रजिस्ट्रेशन का सवाल है, तो लोगों या उत्पादकों का समूह, कोई संगठन, किसी कानून या इसके तहत कोई अधिकरण, जो संबंधित वस्तुओं के उत्पादकों के हित का प्रतिनिधित्व करता है और उन वस्तुओं के संबंध में भौगोलिक संकेतकों का रजिस्ट्रेशन कराना चाहता है, वह लिखित में रजिस्ट्रार के यहाँ आवेदन कर सकता है।

मुख्य वक्ता प्रो० मिश्र ने कहा कि रजिस्ट्रेशन की कुछ शर्तें हैं। निम्न स्थितियों में रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा सकता — (i) भ्रमित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है या कानून के विपरीत है, (ii) इसमें कोई विवादित या अश्लील सामग्री है या भारत के किसी वर्ग या समुदाय की धार्मिक भावनाएँ आहत हो सकती हैं (iii) यह कोई जेनेरिक नाम है (iv) यदि उसके मूल देश में इसे संरक्षण देने से प्रतिबंधित कर दिया गया है या इसका उपयोग बंद हो गया है (v) इसके मूल के बारे में गलत दावा किया गया है।

भौगोलिक संकेतक से संबंधित एक्ट का पूरा नाम है — "वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण व संरक्षण) एक्ट, 1999।" इसकी अवधि 10 वर्ष की होती है, लेकिन समय-समय पर नवीनीकरण शुल्क देकर इसका असीमित समय के लिए नवीनीकरण कराया जा सकता है। एक्ट के तहत भौगोलिक संकेतक के बारे में गलत दावा करने पर 6 माह से 3 वर्ष का कारावास और

31

50,000 से 2,00,000 रु तक के जुर्माने का प्रावधान है। न्यायालय चाहे तो सजा को विशेष परिस्थिति में कम कर सकता है।

छात्र-छात्राओं ने संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिसका प्रत्युत्तर मुख्य वक्ता ने दिया। प्राचार्य महोदय ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो० मुकेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया और अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यशाला समाप्ति की घोषणा की गई।

09/01/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

32

Dt- 04.03.2023

सूचना संख्या - 7

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15.03.2023 को प्रातः-11:30 बजे हॉल नं०-1 में बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है, जिसका विषय है — " बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला।"

अतः आप सभी उक्त तिथि को निर्धारित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

04/03/2023

प्राचार्य

एस० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू।

RSSinha

SKSingh

RRmishra

AKS

33

दिनांक - 15.03.2023

कार्यशाला संख्या - 7

आज दिनांक - 15.03.2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे हॉल नं० - 1 में प्रभारी प्राचार्य प्रो० शशि भूषण की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ; जिसका विषय था — "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के अंतर्गत कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला।" इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि - सह - वक्ता थे जी० एल० ए० कॉलेज, मेदिनीनगर के भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो० (डॉ०) आर० के० झा।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्नांकित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए —

1. प्रो० शशि भूषण (प्रभारी प्राचार्य) — [signature] 15.3.23
2. Dr. R. K. Jha (G.L.A. College, Medininagar) — [signature]
3. डॉ० राम सुमन सिंह (IQAC, co-ordinator) — RSSingh
   (Stamp: Principal ... Singh College, Japla, Palamau)
4. मुकेश कुमार — Mukesh
5. डॉ० शिवकुमार विश्वकर्मा — विश्वकर्मा
6. Arun Kumar Singh — [signature]
7. Rabindra Kum. Sahu — [signature]
8. Rajesh Kr Singh — RS
9. [illegible] Mahto — [signature]
10. Dr. Rekha Kumari Singh — R.K.Singh
11. Ashutosh Mishra — [signature]
12. प्रो० सुनील कुमार सिंह — [signature]
13. Prof Sudhir Kumar Singh — SKSingh
14. prof. Ashok Kr. Singh — [signature]
15. Amarendra Kumar Singh. — A.K.Singh
16. Dr. Ravi Ranjan Kr Mishra — RRMishra
17. Dr. Anand Kumar — [signature]
18. Dr. Alok Ranjan — [signature]
19. Archana Singh
20. काजल सिंह
21. [illegible] सबीता

22. Sonali Kumari
23. Priyanshu singh
24. Rehana Khatun
25. Kusum Kumari
26. Yasmin Firdous
27. Khushi Praveen
28. Kajal Kumari
29. Saniya Parween
30. अभिषेक कुमार
31. Simran Praveen
32. Neha Kumari
33. प्रतिमा कुमारी
34. आसियाना प्रवीण
35. Sushma Kumari
36. Punam Kumari
37. Khushboo Kumari
38. Manish Kumar
39. विकास कुमार
40. Vishal Agnihotri
41. Vikash Singh
42. Rahul Paswan
43. राजेश कुमार
44. भाणु कुमार
45. Raju Kumar
46. सोनाली गुप्ता
47. माधुरी सिंह
48. Uday paswan
49. विशाल मेहता
50. Anshu Singh
51. गोलू कुमार
52. स्वाति कुमारी

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो० रेखा कुमारी सिंह (हिन्दी विभाग) ने किया। विषय-प्रवेश आई० क्यू० ए० सी० कोऑर्डिनेटर डॉ० राम कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि-सह-वक्ता प्रो० (डॉ०) आर० के० झा ने काफी गहनता, सरलता एवं रोचकता से बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न पहलुओं — कॉपीराइट, पेटेंट एवं ट्रेडमार्क — पर प्रकाश डाला। इन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य व्यक्ति की बुद्धि से उत्पन्न कला, साहित्य, आविष्कार आदि का संरक्षण एवं उसके हित के लिए कार्य करना है। यदि हम खेती करें और फसल कोई और काट ले जाये; तो ऐसी स्थिति में खेती करने का कष्टमय एवं जोखिम भरा काम भला कोई क्यों करना चाहेगा।

प्रो० झा के वक्तव्य का सार निम्न प्रकार है — कॉपीराइट कानून जनवरी 1958 में लागू हुआ। इसके अंतर्गत ये विषय हैं — मौलिक साहित्य, नाटक, संगीत और कला कृतियाँ; सिनेमेटोग्राफ फिल्में, एवं ध्वनि रिकॉर्डिंग। कॉपीराइट की अवधि 60 वर्ष होती है। कॉपीराइट के नियम का उल्लंघन करने पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और/या 50 हजार से 3 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

दुनिया के पैमाने पर पेटेंट का इतिहास 500 वर्ष से ज्यादा पुराना है। सर्वप्रथम 1474 ई० में वेनिस में पेटेंट कराया गया था। फिर इंग्लैंड, फ्रांस और बाकी देशों में पेटेंट को लेकर अनेक वैश्विक सम्मेलन हो चुके हैं। पेटेंट तीन तरह के होते हैं — (क) उत्पाद पेटेंट (ख) प्रारूप पेटेंट (ग) पादप पेटेंट। पेटेंट की परिधि से प्राकृतिक नियम, प्राकृतिक वस्तुओं और अमूर्त/दार्शनिक विचारों को बाहर रखा गया है। पेटेंट की अवधि 20 वर्ष है। पेटेंट को बेचा या हस्तांतरित किया जा सकता है।

Trade Mark Act 1999 भारत में 15 Sept. 2003 से लागू हुआ। इसके तीन उद्देश्य हैं — (क) व्यापार चिह्न का रजिस्ट्री कराया जाना (ख) माल एवं सेवा के व्यापार चिह्नों को बेहतर संरक्षण प्रदान करना (ग) माल एवं सेवाओं के कपटपूर्ण उपयोग को रोकना। इसका

Scanned with OKEN Scanner

रजिस्ट्रीकरण स्वैच्छिक है। रजिस्ट्री 10 वर्ष के लिए होती है। फिर नवीनीकरण कराना होता है।

मुख्य वक्ता से छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रश्न पूछे, जिसका जवाब उनके द्वारा दिया गया। प्रभारी प्राचार्य प्रो० शशि भूषण ने अध्यक्षीय वक्तव्य दिया और धन्यवाद ज्ञापन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

15/3/2023

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

37

Dt. - 02.05.2023

सूचना संख्या - 8

सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक- 09.05.2023 को पूर्वाह्न - 11:00 बजे कमरा सं०-11 में एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है, जिसका विषय है — "बौद्धिक संपदा अधिकार : वर्तमान पूँजीवादी युग में महत्व" (Intellectual property Right : Importance in modern capitalist Age).

अतः आप सभी यथासमय अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

[signature] 02/05/2023
प्राचार्य
एस० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

[signatures]
R.K.Singh
S.K.Singh
A.K.Si
R.Kumar

30

कार्यशाला संख्या – 8

आज दिनांक - 09.05.2023, दिन मंगलवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे कमरा सं० - 11 में प्राचार्य सूर्य मणि सिंह की अध्यक्षता में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर एक कार्यशाला (workshop) का आयोजन किया गया; जिसका विषय था – "बौद्धिक संपदा अधिकार : वर्तमान पूँजीवादी युग में महत्व" (Intellectual property Right : Importance in modern capitalist Age)। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष - सह - समन्वयक, IQAC डॉ० राम सुभग सिंह थे। कार्यशाला में निम्नांकित शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित हुए —

1. Surya mani Singh (principal) — 09/05/23
2. Dr. Ram Subhag Singh (Co-ordinator, IQAC)
3. प्रो० शशि भूषण
4. प्रो० मुकेश कुमार
5. डॉ० शिवकुमार तिवारी
6. राहुल कुमार सिंह
7. Arun Kumar Sah
8. Rajesh Kr Singh
9. [illegible]
10. Dr Rekha kumari Singh — R.K.Singh
11. Akhilesh [illegible]
12. प्रो० [illegible] कुमार सिंह
13. Prof Sudhir Kumar Singh — S.K.Singh
14. Pro Ashok kr. Singh
15. Amarendra Kumar Singh. — A.K.Singh
16. Dr. Ravi Ranjan Kr. [illegible]
17. Dr. Anand Kumar
18. Dr Alok Ranjan
19. स्वाति सिन्हा
20. Makarand Chaubey
21. काजल कुमारी
22. Samir Ahmad
23. Ritesh Kumar

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

24. Kajal Kumari
25. Khushi Praveen
26. Yasmin Firdos
27. fatma Razza
28. Rehana Khatun
29. Kiran Kumari.
30. Gulapsha khatoon
31. Saista Khatoon
32. Richa Kumari
33. Khushbu Kumari
34. Sonali Kumari
35. Saniya Parween
36. Amit Kumar.
37. Prince Kumar
38. रहमान खान
39. Kundan Kumar Sharma.
40. Prem Prakash Kumar.
41. Hiralal Kr. Sharma
42. रौशन कुमार
43. Sushil Kr. thakur
44. रोहित कुमार ठाकुर
45. मुसरत परवीन
46. Rajesh Kr. Yadav
47. Satyam Kumar
48. Chandan Pandey
49. Pammi Kumari
50. खुशी कुमारी
51. Sakshi Kumari
52. प्रियांशु शुक्ला
53. Kiran Kumari
54. Rinki Kumari
55. शंभु कुमार पटेल
56. संजु गुप्ता

Scanned with OKEN Scanner

कार्यवाही (Proceeding)

इस कार्यशाला में मंच का संचालन जन्तु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया। हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ० आलोक रंजन कुमार ने विषय-प्रवेश किया। इसके बाद भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो० मुकेश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर अपने विचार व्यक्त किये। तदनन्तर मुख्य वक्ता डॉ० राम सुमन सिंह (समन्वयक, आई० क्यू० ए० सी०) ने विस्तार से अपने विचार रखे और कहा कि यह बौद्धिक संपदा अधिकार वर्तमान पूँजीवादी / साम्राज्यवादी व्यवस्था के अनुकूल है। यह पूँजीवादी व्यवस्था की जरूरत है। पूँजीवाद का एक ही उद्देश्य है — येन-केन-प्रकारेण मुनाफा कमाना। रचना या आविष्कार कोई जीनियस व्यक्ति करता है, जो आमतौर पर धनी या पूँजीपति नहीं होता। वर्तमान पूँजीवादी व्यवस्था में वह रचना, कला एवं आविष्कार आम जनता के प्रयोग / उपयोग में तब तक नहीं आ सकता; जब तक कोई प्रकाशक / कंपनी / पूँजीपति / सरकार इसे अपने अधिकार में न ले ले अर्थात् उस पर अपना स्वामित्व / कॉपीराइट / पेटेंट / ट्रेडमार्क न हासिल कर ले। पूँजीपति न्यूनतम मूल्य चुकाकर लेखक, कवि, कलाकार, आविष्कारक या वैज्ञानिक से इसे खरीद लेता है और फिर इस टेक्नोलॉजी का औद्योगिक क्षेत्र में प्रयोग कर भारी मुनाफा अर्जित करता है, किताबों पर मामूली रॉयल्टी देकर शेष मुनाफा हड़प लेता है। किसी कलाकार की कला के साथ भी यही होता है। इसीलिए पूँजीवादी सभ्यता का बौद्धिक संपदा अधिकार पर इतना जोर है।

डॉ० सुभाष ने कहा कि प्राचीन धर्मग्रंथों — वेद, उपनिषद, गीता, कुरान, बाइबल, गुरुग्रंथ साहब इत्यादि पर कभी कोई कॉपीराइट नहीं था। ये समस्त मानवता के लिए सर्वसुलभ थे। कबीर, तुलसी, प्लेटो, अरस्तू इत्यादि ने भी अपनी रचनाओं पर कोई कॉपीराइट नहीं रखा। यदि भाषा पर पेटेंट का कानून बन जाये, तो न जाने कितने लोग भाषाविहीन हो जायें। एक समाजवादी समाज में बौद्धिक संपदा अधिकार की कोई जरूरत नहीं रह जायेगी, क्योंकि व्यक्ति की चिन्ता समाज करेगा और व्यक्ति जो भी सृजन करेगा वह समस्त समाज की संपत्ति होगा।

ने अध्यक्षीय संबोधन दिया और छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया। प्रो० रेखा कुमारी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया और अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

03/05/2023

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सत्र 2018-19

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	12.01.2018	महाविद्यालय मे स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन :-	25	18	24	67
2.	12.01.2018-16.01.2018	राष्ट्रीय युवा महोत्सव, नोएडा(नई दिल्ली) मे स्वयंसेवकों की सहभागिता :-	2	0	0	2
3.	21.02.2018-27.02.2018	गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर विशेष शिविर का आयोजन	14			
4.	05/02/2018	महाविधालय में रक्तदान शिविर का आयोजन	15	9	8	32
5.	10.06.2018-29.06.2018	स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशीप (स्वच्छता के 100 घंटे)	14	18	01	33
6.	21.06.2018	महाविद्यालय मे योग शिविर का आयोजन	15	10	15	40
7.	06.12.2018-12.12.2018	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, निफ़्ट हटिया(रांची)	02	02	00	04
8.	01.12.2018	एड्स जागरूकता अभियान	11	09	01	21
9.	26.01.2019	गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर परेड का आयोजन	12	10	01	23

महाविद्यालय मे स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन :-

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी **date 12/01/2018**

स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी **date 12/01/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी date 12/01/2018

राष्ट्रीय युवा महोत्सव, नोएडा(नई दिल्ली) मे स्वयंसेवकों की सहभागिता :-

युवा महोत्सव, नोएडा date 12.01.2018- 16.01.2

युवा महोत्सव, नोएडा **date 12.01.2018- 16.01.2018**

युवा महोत्सव, नोएडा date 12.01.2018- 16.01.2018

युवा महोत्सव, नोएडा date 12.01.2018- 16.01.2018

युवा महोत्सव, नोएडा date 12.01.2018- 16.01.2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

युवा महोत्सव, नोएडा date 12.01.2018- 16.01.2018

A.K. Singh College

19. गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर विशेष शिविर का आयोजन :-

क्र. स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	
		पूर्वाहन्	अपराहन्
1.	21.02.2018	उदघाटन	एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा
2.	22.02.2018	“ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ” विचारगोष्ठी	“ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ” पर रैली एवं नाटक
3.	23.02.2018	स्वास्थ परिचर्चा, समस्या एवं समाधान	जागरूकता रैली
4.	24.02.2018	“ जल बचाओ, जीवन बचाओ ” विचारगोष्ठी	श्रमदान
5.	25.02.2018	“ कैंसर ” रोग के रोकथाम पर परिचर्चा	घर – घर संपर्क कर कैंसर रोग के प्रति जागरूकता कार्यक्रम
6.	26.02.2018	“ स्वच्छता ” विषय पर एक परिचर्चा	घर – घर संपर्क कर शौचालय सर्वेक्षण कर उसके उपयोगिता एवं महत्व के बारे मे बताना
7.	27.02.2018	स्वयंसेवकों के द्वारा किए गए कार्यों का अनुभव एवं कठिनाइयों का विश्लेषण	समापन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

उदघाटन **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

उदघाटन date 21/02/2018

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एन एस एस की प्रसस्ती एवं विस्तार पर परिचर्चा **date 21/02/2018**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 22/02/2018

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 22/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 22/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 23/02/2018

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 23/02/2018

विषेस शिविर के तहत रैली का आयोजन date 23/02/2018

स्थापित – 1984

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू (झारखण्ड)

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय से संबद्ध इकाई।

पत्रांक 33/18 दिनांक 17/03/18

प्रेषक

प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला, पलामू।

सेवा में

कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना
नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय
मेदिनीनगर पलामू।

विषय :– दिनांक 05.02.2018 को महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक रा0से0यो0 महाविद्यालय ईकाई के नेतृत्व में महाविद्यालय में दिनांक 05.02.2018 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रा0से0यो0 के स्वयंसेवक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया, इनके द्वारा कुल 32 यूनिट रक्त का दान किया गया।

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ हेतु प्रेषित।

अनुलग्नक:–
1. **रक्तदान दाताओं की सूची।**
2. **पेपर कटिंग की छायाप्रति एवं फोटोग्राफ्स।**

विश्वासभाजन

17/03/18 17.3.18

कार्यक्रम पदाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला पलामू।

प्राचार्य–सह–अध्यक्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला पलामू।

OM PRAKASH SINGH

A.K. Singh D. College, Jn. ... Palamau Jharkhand — Outdoor OPD

1	5.2.2023 (22)	1	Narendra kr. Singh	47/M.	[illegible]	- 8877257791 - 686369081089
2	"	2	Satendra kumar chaudhary	51/M.	- [illegible]	- 8863990977 - 274132213898
3	"	3	Ravindra Singh	29/M.	[signature]	- 8757505312 - 748374977981
4	"	4	Mukesh kr.	29/M.	- Mukesh	8210052540 - 804132249862
5	"	5	Anshu Kumar Singh	24/M.	- अंशु कुमार सिंह	8757709129
6	"	6	Shweta kumari	20/F	- Shweta kumari	- 7250768408
7	"	7	Yashwant kumar	40/M.	- यशवंत कुमार	- 7808808181 - 515193822390
8	"	8	Animesh kumar	27/M.	- Animesh kr. Ajmal	- 8404969696
9	"	9	Nidhi kumari	18/F.	- Nidhi Kumari	- 9973806714
10	"	10	Punita Kumari	20/F.	- punita kumari	8863834442
11	"	11	Jay prakash ku. "	61/M.	- Jayprakash kumar	- 7677771977
12	"	12	Raja Kumar	20/M.	- 8709219SS	- Raja kumar
13	"	13	Arvind ku. Singh	39/M.	- Arvind Kumar Singh	7779864131

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

14	"	14.	Chandan Kumar.	18/M	Chandan kumar	9[illegible]
15	"	15.	Ganga Kumari	20/F.	– Ganga kumari	– 9[illegible]3390895
16	"	16	Mukesh kr Mehta.	19/M.	– Mukesh kr mehta	– 9693745509
17	"	17.	Swati Kumari	19/F	– Swati Kumari	– 9534179111
18.	"	18.	Sushma Kumari	20/M	– Sushma kumari	– 9631937917
19	"	19.	Kundan Kunal.	20/M.	– Kundan kunal	– 9709017317
20	"	20.	Mukesh Kumar.	18/M.	– mukesh kumar	– 9546401741.
21	"	21.	Rahul Kumar.	19/M.	– Rahul kumar	– 7739306319
22	"	22	Malti Singh	21/F.	– Malti singh	– 7462003040
23.	"	23.	Ranjana Kumari	25/F	– Rajana Kumari	– 9709212990.
24	"	24.	Usha Devi	32/F.	– Usha Devi	– 9199277727.
25	"	25	Ekta Kumari	17/M.	– Ekta kumari	– 6200271729.
26	"	26.	Geeta Kumari	20/F.	– Geeta kumari	– 7631122799.
27	"	27.	Rajesh Kr. Mehta.	22/M.	– Rajesh Kumar Mehta	– 9690745509
28	"	28.	Bablu Kumar	19/M.	– Bablu kr.	– 9973328209

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

रक्त दान करते हुये स्वयसेवक date 05/02/2018

1. स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशीप:-2018

1- Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toilet usage/ handwash)

2- Awareness Campaigns,

3- Conducting Village or School –Level Raillies.

4- Wall Painting

5- Transportatoin of Household Waste (to appropriate disposal site)

6- Other Activities –Nukkad, Natak etc.

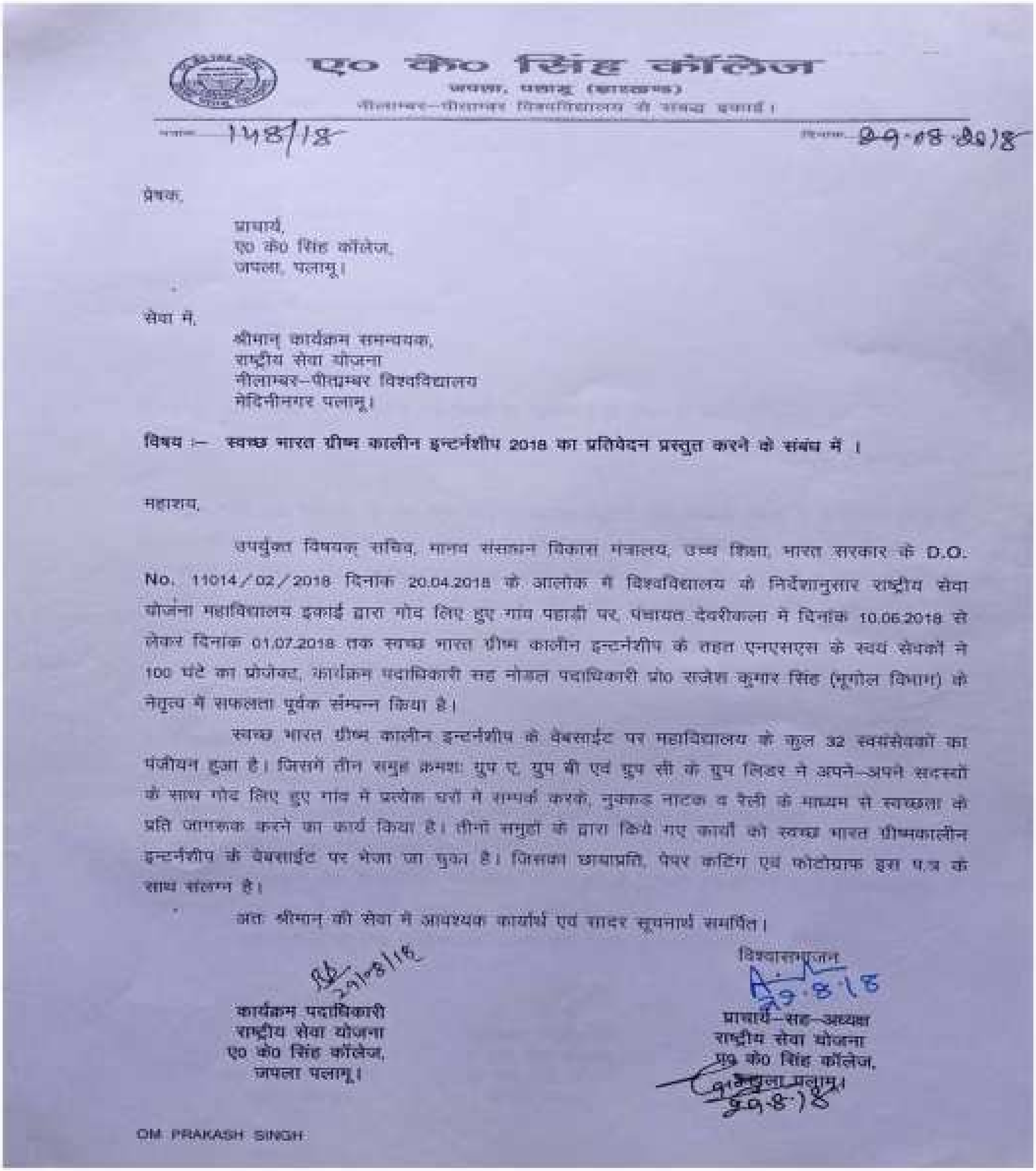

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू (झारखण्ड)

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इकाई।

पत्रांक – 148/18 दिनांक – 29-08-2018

प्रेषक,

प्राचार्य,
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला, पलामू।

सेवा में,

श्रीमान् कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना
नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय
मेदिनीनगर पलामू।

विषय :– स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इन्टर्नशीप 2018 का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में ।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा, भारत सरकार के D.O. No. 11014/02/2018 दिनांक 20.04.2018 के आलोक में विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय इकाई द्वारा गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर, पंचायत देवरीकला में दिनांक 10.06.2018 से लेकर दिनांक 01.07.2018 तक स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इन्टर्नशीप के तहत एनएसएस के स्वयं सेवकों ने 100 घंटे का प्रोजेक्ट, कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह (भूगोल विभाग) के नेतृत्व में सफलता पूर्वक सम्पन्न किया है।

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इन्टर्नशीप के वेबसाईट पर महाविद्यालय के कुल 32 स्वयंसेवकों का पंजीयन हुआ है। जिसमें तीन समूह क्रमशः ग्रुप ए, ग्रुप बी एवं ग्रुप सी के ग्रुप लिडर ने अपने–अपने सदस्यों के साथ गोद लिए हुए गांव में प्रत्येक घरों में सम्पर्क करके, नुक्कड़ नाटक व रैली के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया है। तीनों समूहों के द्वारा किये गए कार्यों को स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशीप के वेबसाईट पर भेजा जा चुका है। जिसका छायाप्रति, पेपर कटिंग एवं फोटोग्राफ इस पत्र के साथ संलग्न है।

अतः श्रीमान् की सेवा में आवश्यक कार्यार्थ एवं सादर सूचनार्थ समर्पित।

विश्वासभाजन

29/8/18 — 29.8.18

कार्यक्रम पदाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला पलामू।

प्राचार्य–सह–अध्यक्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला पलामू।
29.8.18

OM PRAKASH SINGH

ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू (झारखण्ड)
नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय की संबद्ध इकाई।

पत्रांक– 159/18 दिनांक– 29.08.2018

प्रेषक,

प्राचार्य,
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला, पलामू।

सेवा में,

श्रीमान् कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना
नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय
मेदिनीनगर पलामू।

विषय :– स्वयंसेवकों के द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन के संबंध में ।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक् ए० के० सिंह कॉलेज, जपला राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा गोद लिये हुए गांव पहाड़ी पर, (पंचायत देवरी कला) स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशीप 2018 के तहत ग्रुप ए, ग्रुप बी एवं ग्रुप सी के ग्रुप लिडर क्रमशः धीरेन्द्र कुमार सिंह, कुन्दन कुणाल एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने अपने–अपने ग्रुप सदस्यों के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह (भूगोल विभाग) के निर्देशन में निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन किया है:–

1- Door to Door Meeting (Sanitation /hygien /toilet usage /handwash).

2- Awareness Campaigns,

3- Conducting Village or School- Level Raillies.

4- Wall Painting

5- Transportatoin of Household waste (to appropriate disposal site)

6- Other Activities – Nukkad, Natak etc.

उक्त तीनों ग्रुप के प्रतिवेदन को अवलोकन करने के पश्चात ग्रुप बी को प्रथम स्थान, ग्रुप ए को द्वितीय स्थान एवं ग्रुप सी को तृतीय स्थान पर चयन किया गया है।

अतः श्रीमान् की सेवा में आवश्यक कार्यार्थ एवं सादर सूचनार्थ समर्पित।

विश्वासभाजन

29.08.18	29/08/18	29.8.18
नोडल पदाधिकारी	कार्यक्रम पदाधिकारी	प्राचार्य–सह–अध्यक्ष
ए०आई०एस०एच०ई०	राष्ट्रीय सेवा योजना	राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज,	ए० के० सिंह कॉलेज,	ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला पलामू।	जपला पलामू।	जपला पलामू।

29.8.18

OM PRAKASH SINGH

A.K.S.COLLEGE, JAPLA, PALAMAU

SWACHH BHARAT SUMMER INTERNSHIP 2018

ADOPTED VILLAGAE "PAHADIPAR" PANCHAYAT- DEORI KALA

SI. NO.	NAME	DATE OF BIRTH	GENDER	SBSI REGSTRATION ID	CLASS	ROLL NO.	REGISTRATION YEAR	DEPARTMENT	EMAIL ID	MOB NO.
1	DHIRENDRA KR SINGH	08.08.1998	M	122798	B.SC. III	8	2015	CHEMISTRY	dhirendrakrjpl@gmail.com	7209267178
2	NIDHU KUMARI	28.02.2000	F	ADD	B.SC. I	150	2017	ZOOLOGY	nk4567jpl@gmail.com	6200927140
3	RITIKA KUMARI	17.04.1999	M	ADD	B.SC. I	125	2017	ZOOLOGY	reetikajapla123@gmail.com	9546274690
4	KHUSHBU KUMARI	27.02.2000	F	ADD	B.SC. I	206	2017	ZOOLOGY	khushbujapla123@gmail.com	9102515246
5	SHWETA KUMARI	16.09.1997	F	ADD	B.SC. II	1188	2016	ZOOLOGY	shewtakumarirani1609@gmail.com	7250768008
6	PALLAVI KUMARI	06.02.2000	F	ADD	B.SC. I	395	2017	ZOOLOGY	pallavijapla@gmail.com	8340502161
7	SHVETA KUMARI	31.10.1999	F	ADD	B.SC. I	208	2017	ZOOLOGY	shveta0083@gmail.com	7870794392
8	NAVEEN KUMAR	24.04.2000	M	ADD	B.SC. I	56	2017	ZOOLOGY	nn8210906301@gmail.com	8210906301
9	SINDHU KUMARI	28.02.2000	F	ADD	B.SC. I	207	2017	ZOOLOGY	sindhudouni7292@gmail.com	7366834051
10	ANJALI KUMARI	22.08.1999	F	ADD	B.SC. I	261	2017	ZOOLOGY	adcakumarianjali123@gmail.com	8789454355
11	KUNDAN KUNAL	05.12.1997	M	135258	B.SC. II	856	2015	PHYSICS	kundankunal40@gmail.com	7903809580
12	EKTA KUMARI	13.05.1998	F	ADD	B.A. II	537	2016	GEOGRAPHY	ektakumari856@gmail.com	6200271323
13	ABHIJEET KUMAR	20.01.1999	M	ADD	B.SC. III	433	2015	PHYSICS	abhijitk347@gmail.com	7992278344
14	AMRIT KUMAR	20.04.1998	M	ADD	B.SC. III	851	2015	PHYSICS	amritkumar482@gmail.com	7488343127
15	UJJWAL VISHWAKARMA	25.08.1998	M	ADD	B.SC. II	818	2016	MATH	ujjwalkumar.uv@gmail.com	9155343714
16	SHUSHMA KUMARI	02.03.1997	F	ADD	B.COM III	16	2015	ACCOUNT	sosnamrupashyay@gmail.com	9065138667
17	MANJU KUMARI	30.01.1999	F	ADD	B.SC. I	195	2017	ZOOLOGY	kmanjujpl142@gmail.com	7461962678
18	PRASHIKSHA RANJAN RAJ	09.01.2000	F	ADD	B.SC. I	1	2017	ZOOLOGY	prashiksharanjanraj9@gmail.com	9304468501
19	RITESH KUMAR	05.11.1997	M	ADD	B.SC. I	837	2017	PHYSICS	riteshkr182@gmail.com	8002676446
20	KANCHAN KUMARI	15.05.1999	F	ADD	B.COM II	63	2016	ACCOUNT	kanchansingh15071999@gmail.com	9065844187
21	SAURABH SINGH SOLANKI	05.12.1998	M	140828	B.SC. I	1118	2017	ZOOLOGY	saurabhsinghjpl@gmail.com	8809425140
22	PUSHPA KUMARI	10.07.1999	F	ADD	B.SC. I	857	2017	ZOOLOGY	pushpakumarijpl4@gmail.com	7283028656
23	SUBHASH KUMAR	07.04.1999	M	ADD	B.SC. I	840	2017	ZOOLOGY	subhashkrravi0022@gmail.com	7479822810
24	RAJA KUMAR	01.05.1996	M	ADD	B.COM II	121	2016	ACCOUNT	rajakouni@gmail.com	8084045191
25	PRITI KUMARI	10.04.1999	F	ADD	B.SC. I	682	2017	ZOOLOGY	pritikumariadca@gmail.com	9955168837
26	ANKIT KR SINGH	21.04.2000	M	ADD	B.SC. I	953	2017	MATH	singhankit408340@gmail.com	8809425140
27	NEHA KUMARI	17.07.1998	F	ADD	B.SC. I	629	2017	ZOOLOGY	nehajpl123@gmail.com	6202209968
28	RINKI KUMARI	01.04.1999	F	ADD	B.SC. I	649	2017	ZOOLOGY	rinkijpl123@gmail.com	9955106773
29	SUJEET KR SINGH	04.02.1998	F	ADD	B.A. I	1270	2017	PSYCHOLOGY	sujitkumar8461@gmail.com	9065218461

RAJEEV KUMAR SINGH
Programme Officer
N.S.S

NO.	NAME	DATE OF BIRTH	GENDER	SBSI REGSTRATION ID	CLASS	ROLL NO.	REGISTRATION YEAR	DEPARTMENT	EMAIL ID	MOB NO.
30	DHRUV KR SINGH	01.02.1997	M	ADD	B.A. I	1108	2017	PSYCHOLOGY	dhruvsingh57292@gmail.com	8809857292
31	GANGA KUMAR	20.01.1997	F	ADD	B.A. II	410	2016	GEOGRAPHY	playerganga14@gmail.com	9122990328
32	PUJA KUMARI	13.11.1998	F	ADD	B.A. I	1603	2017	GEOGRAPHY	-	8969280109

29/08/18

PROGRAMME OFFICER

Programme Officer
N.S.S.
A.K. Singh College
Japla, Palamau

29.8.18

PRINCIPAL

Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

ग्रुप- A :-

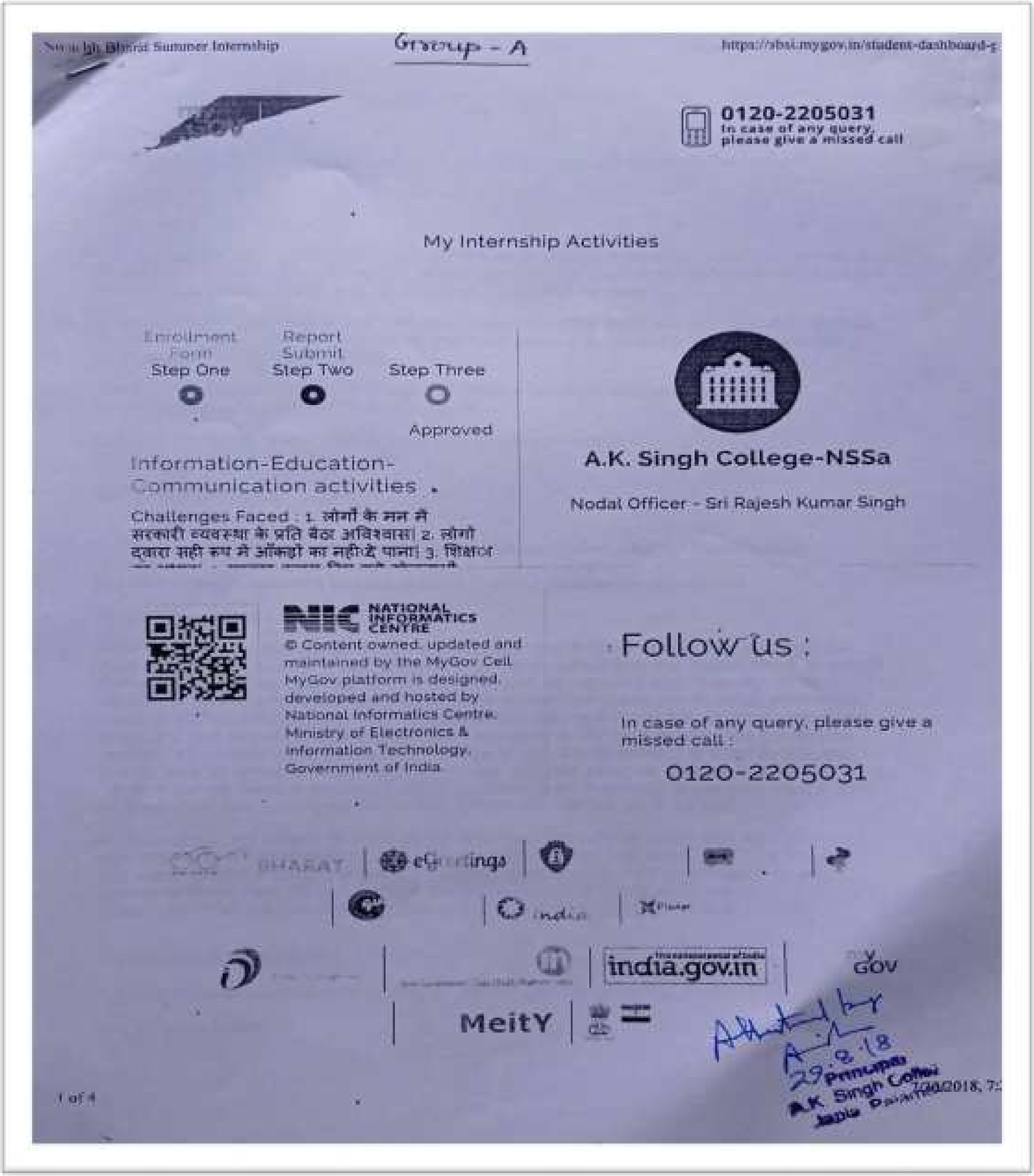

Swachh Bharat Summer Internship   Group - A   https://sbsi.mygov.in/student-dashboard-

0120-2205031
In case of any query, please give a missed call

My Internship Activities

Enrollment Form — Step One
Report Submit — Step Two
Step Three — Approved

Information-Education-Communication activities

Challenges Faced : 1. लोगों के मन में सरकारी व्यवस्था के प्रति बैठा अविश्वास। 2. लोगों द्वारा सही रूप में आँकड़ों का नहीं दे पाना। 3. शिक्षा

A.K. Singh College-NSSa

Nodal Officer - Sri Rajesh Kumar Singh

NIC NATIONAL INFORMATICS CENTRE

© Content owned, updated and maintained by the MyGov Cell. MyGov platform is designed, developed and hosted by National Informatics Centre, Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India

Follow us :

In case of any query, please give a missed call :

0120-2205031

BHARAT | eGreetings | india | india.gov.in | MyGov | MeitY

1 of 4

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamu

Youtube Video URL(Comma Separated) : Google Drive Link :

Support in Toilet Construction

Challenges Faced : Field Learning : Youtube Video URL(Comma Separated) :

Google Drive Link :

Other Activity

Challenges Faced : 1. लोगों के मन में सरकारी व्यवस्था के प्रति बैठा अविश्वास। 2. लोगों द्वारा सही रूप में ऑकड़ों का नहीं दे पाना। 3. शिक्षा का अभाव। 4. सरकार द्वारा दिए गये योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुँच पाना एवं उसको दोषी हमें ठहराया जाना। 5. मौसमनुसार, अत्यंत गर्मी का पड़ना।

Field Learning : 1.एक समूह में कार्य करने का अनुभव। 2. ग्रामीणों से मिलने और उनके रहन-सहन को निकट से देखने का अवसर। 3. ग्रामीणों की समस्या को समझने का अवसर। 4. ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने का अवसर। 5. लोगों तक अपनी बात पहुँचाने का अनुभव।

Youtube Video URL(Comma Separated) : https://www.youtube.com/watch?v=NbprvHpO63U&feature=youtu.be

Google Drive Link : https://drive.google.com/open?id=19b36-aOsWWCWlLT2ZfmAMA3vrgTl4cAO

Activity Details

Door-to-door meetings (sanitation/ hygiene/toilet usage/ hand wash)

No. of households visited conducted : 67 No. of people sensitized : 118

No. of hours spent : 42

Brief Description : इस अभियान के तहत दिनांक 11-05-2018 से दिनांक 19-05-2018 तक हमारी टीम द्वारा Door to Door visit किया गया, जिसमें हमने 65 घरो का सर्वेक्षण किया तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें लगभग 42 घंटे का समय व्यतीत हुआ। इस दौरान हमने घर -घर जाकर लोगो से बातचीत की एवं स्वच्छता, शौचालय इत्यादि विषयों पर उनकी मानसिकता को जाना। हमे ये पता चला की वहाँ के अधिकतर लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक नही थे तथा छोटी-छोटी लापरवाहियों जैसे - खुले मे शौच जाने की आदत , शौच के बाद तथा खाने से पहले हाथों को अच्छे से सफाई ना करना, साफ सफाई के लिए सतर्क ना रहना, तथा इन विषयों से सम्बंधित सही जानकारी न होने, इत्यादि कारणों की वजह से तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित थे। अतः हमने उन्हें इस विषय पर गंभीरता से विचार करने हेतु तथा अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया , गंदगी से होने वाले बिमारियों तथा खुले मे शौच के दुष्परिणाम के बारे मे जानकारी दी तथा इससे बचाव के तरीकों पर विचार-विमर्श किया ताकि वो उन समस्याओं से शारीरिक तथा मानसिक रूप से लड़ सकें।

Methodology : इस अभियान के लिए हमने एक दो चरणीय कार्यप्रणाली की रूपरेखा तैयार की जिसमें पहले चरण में हमने घर के सदस्यों की शारीरिक जाँच की तथा उनके आस-पास साफ-सफाई का निरीक्षण किया तथा उन्हें स्वच्छता के फायदे तथा गंदगी से होने वाले समस्याओं की जानकारी दी। दूसरे चरण में हमने उस घर में शौचालय का विवरण लिया और खुले मे शौच से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा घर में दो गड्ढो वाला शौचालय बनवाने का लाभ तथा सरकार की तरफ से शौचालय हेतु दी जा रही आर्थिक मदद की भी जानकारी दी।

Awareness Campaigns

No. of awareness drives conducted : 5 No. of people sensitized : 120

No. of hours spent : 18

Attested by
19.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

Brief Description : इस विषय पर हमारी टीम द्वारा दिनांक 23-06-2018 से दिनांक 26-06-2018 तक कार्य किया गया, जिसमें हम ने सामूहिक रूप से लोगों से मुलाकात की तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें लगभग 18 घंटे का समय व्यतीत हुआ। इसमें हमने उनसे अपने पिछले दो विषयों पर हुई बातचीत पर चर्चा की एवं यह जानने की कोशिश की कि वे शौचालय, स्वच्छता, कचरे के निपटान, जलाशयों के प्रबंधन इत्यादि विषयों पर कितना जागरूक हुए हैं एवं इसके लिए क्या कर रहे हैं। लोगों को सामूहिक रूप से जमा कर इन बातों पर चर्चा करने से हमें यह फायदा हुआ कि हमें यह पता चल गया कि कितने लोग जागरूक हुए हैं और जो लोग जागरूक नहीं हुए थे वे अपने ही लोगों के ऐसे विचारों को जानकर खुद भी ऐसा करने का निश्चय किया। इसके अलावा कई तरह के विषयों पर भी चर्चा हुई और हमने उन्हें इन विषयों से संबंधित कई तरह की जानकारियां दी। इस तरह हमने सभी लोगों को इकट्ठा किया उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की उनकी समस्याओं का अपने स्तर से हल भी निकाला तथा कई तरह के विषयों पर जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया।

Methodology : इस विषय पर कार्य करने के लिए हमने 4 चरणीय योजना सुनिश्चित कि पहले चरण में हमने उन जगहों का चुनाव किया जहां पर लोगों को सामूहिक रूप से बुलाया जा सके इस तरह हमने पूरे गांव में 6 जगहों का चुनाव किया। दूसरे चरण में हमने उन जगहों के आसपास के घरों में जा-जा कर लोगों को इकट्ठा किया। तीसरे चरण में हमने उनसे अपने द्वारा दी गई जानकारियों के बारे में जानने की कोशिश की, कि वे हमारी पिछली दो विषयों पर दी गई जानकारियों पर कितना अमल कर रहे हैं और उन विषयों पर जागरूक हुए या नहीं। चौथे चरण में हमने उन्हें कई और विषयों पर जानकारियां दी तथा पिछले विषयों से जुड़ी उनकी समस्याएं सुनी तथा अपने स्तर से उनका हल भी निकाला। इस तरह हमने उपरोक्त चार चरणों का पालन करते हुए ग्रामवासियों से संपर्क किया तथा उनसे बातचीत कर उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया।

Conducting Village or School-level Rallies

No. of rallies conducted : 2 No. of people sensitized : 30 No. of hours spent : 18

Brief Description : हमारी टीम द्वारा दिनांक 20-06-2018 तथा 22-06-2018 को दो स्कूल स्तरीय रैली निकाली गयी जिसमें लगभग 18 घन्टे का समय व्यतीत हुआ। रैली का मूल उद्देश्य गाँव के लोगों को हमारे अभियान की जानकारी देना तथा हमारे अभियान की सफलता हेतु ग्रामवासियों को आमंत्रित करना था। इस रैली में हमने कई तरह के पोस्टर तथा नारों की मदद से लोगो तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की। पहले दिन की रैली में हम लोगों ने प्राथमिक स्कूल के बच्चों के सहयोग से रैली का आयोजन किया इससे प्रभावित होकर दूसरी रैली में गांव के कुछ लोगों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया और हमारा सहयोग किया। इस तरह अभियान से जुड़े दो मुख्य बिंदुओं स्वच्छता तथा शौचालय पर दो रैलियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

Methodology : पहले दिन की रैली की सफलता के लिये हमने वहाँ के एक स्थानिय प्राथमिक विद्यालय मे सम्पर्क किया तथा वहाँ के शिक्षकों को अपना उद्देश्य समझाया जिससे प्रभावित होकर उन्होंने सहयोग का आश्वाशन दिया। इसके बाद हमारी टीम द्वारा स्वच्छता तथा शौचालय पर जागरूकता के लिये कई तरह के पोस्टर तथा नारे तैयार किये गये। स्कूल में छुट्टी के पश्चात स्कूली बच्चों की मदद से हमने पहली सफल रैली का आयोजन किया जिससे प्रभावित होकर अगली रैली के लिये गाँव के लोगों ने बढ़चढ़कर सहयोग किया तथा दूसरी रैली स्कूली बच्चों तथा ग्रामवासियों की मदद से आयोजित की गयी।

Other Activity

Activity Name : NUKKAD NATAK No. of beneficiaries : 125 No. of hours spent : 18

Brief Description : इस अभियान के तहत हमारी टीम द्वारा दिनांक 27-06-2018 तथा दिनांक 29-06-2018 को दो नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें लगभग 18 घंटे का समय व्यतीत हुआ। नाटक के माध्यम से हमने शौचालय की उपयोगिता तथा समाज में शौचालय के प्रति दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। हमारे द्वारा प्रस्तुत किया गया नाटक एक ऐसे परिवार पर आधारित था जिसके बेटे की शादी बार-बार टूट जाती थी, क्योंकि उनके घर में शौचालय नहीं था और जिस घर में शौचालय नहीं उस घर को समाज में हीन भावना से देखा जाता था और उस घर के लोगों को असभ्य समझा जाता था इसलिए कोई भी ऐसे घर में अपने बेटी की शादी नहीं करना चाहता था, अतः बार-बार रिश्ते ठुकराए जाने के बाद जाने के बाद बेटा काफी मशक्कत कर अपने घर में शौचालय बनवाता है और अंततः उसकी शादी हो पाती है। इसके बाद हम लोगों ने नुक्कड़ सभा आयोजित की तथा गाँव वालों के साथ मिलकर स्वच्छता शपथ ली। इस तरह हमने बारी-बारी से दो दिनों में गांव में दो जगहों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

https://sbsi.mygov.in/student-dashboard-p

Methodology : नुक्कड़-नाटक के लिए हमने सबसे पहले गांव के बीच दो जगहों का चुनाव किया जहां सभी लोग आने में समर्थ हों। इसके बाद हमारी टीम द्वारा एक नाटक तैयार किया गया जो शौचालय की उपयोगिता तथा शौचालय के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता था, साथ ही हमारे कुछ सदस्यों ने नुक्कड़ सभा में भाषण तथा गायन की भी तैयारी की। तय दिन को सभी सदस्यों ने अपने-अपने पात्र के अनुसार सजावट किया और फिर हम गांव में गए उसके बाद हमने आसपास के लोगों को संदेश भिजवाया और उन्हें नाटक देखने के लिये आमंत्रित किया और थोड़ी ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई इसके बाद हमारी टीम द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के बाद कुछ सदस्यों ने भाषण तथा गायन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया तथा अंत में हमारी NSS इकाई तथा ग्रामवासियों ने साथ मिलकर स्वच्छता हेतु शपथ ली तथा ये प्रण किया कि स्वच्छता हेतु अपना हरसंभव योगदान देंगे एवं इसके लिए और लोगों को भी प्रेरित करेंगे।

Attached Document :

Attached Images/Files :

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

4 of 4 7/30/2018, 7:2

A.K.SINGH COLLEGE, JAPLA

SWACHH BHARAT SUMMER INTERNSHIP 2018

ADOPTED VILLAGE "PAHADIPAR" PANCHAYAT- DEORI KALA

GROUP: "A"

Group Leader: - DHIRENDRA KUMAR SINGH

SBSI Reg. ID: - 122798

Sl. No.	Volunteer's Name	Mobile No
01	Nidhu Kumari	6200927140
02	Ritika Kumari	9546274690
03	Khushbu Kumari	9102515246
04	Shweta Kumari	7250768008
05	Pallavi Kumari	8340502161
06	Shveta Kumari	7870794392
07	Naveen Kumar	8210906301
08	Sindhu Kumari	7366834051
09	Anjali Kumari	8789454355

(Prof. Rajesh Kumar Singh)
Nodal Officer
SBSI 2018
A. K. Singh College, Japla.

Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

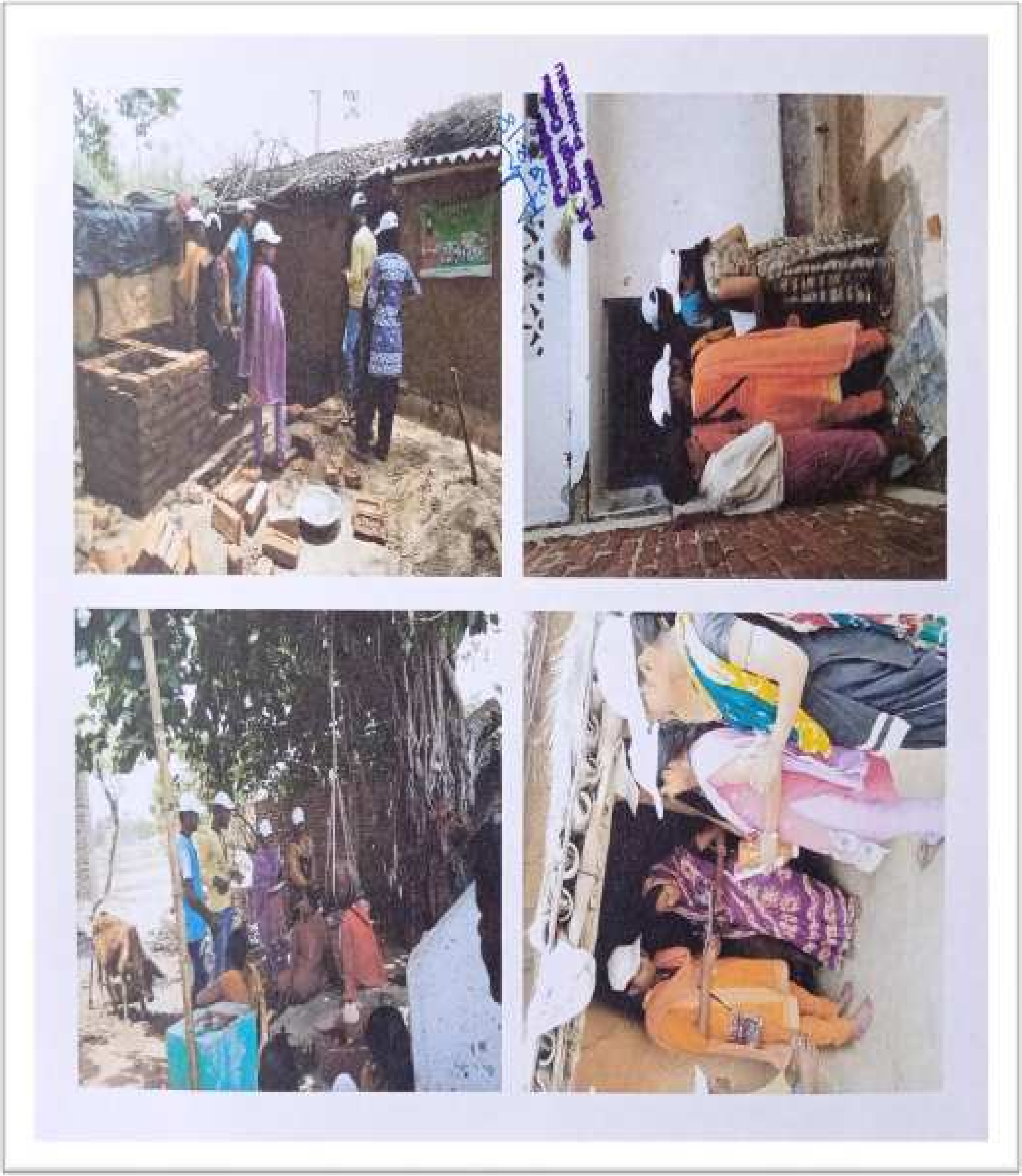

पहाडीपर (देवरी कला) में लोगो को अपने आस-पास साफ सफाई पे धयान देने केलिए प्रेरित करते हुये|
Date:-10/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

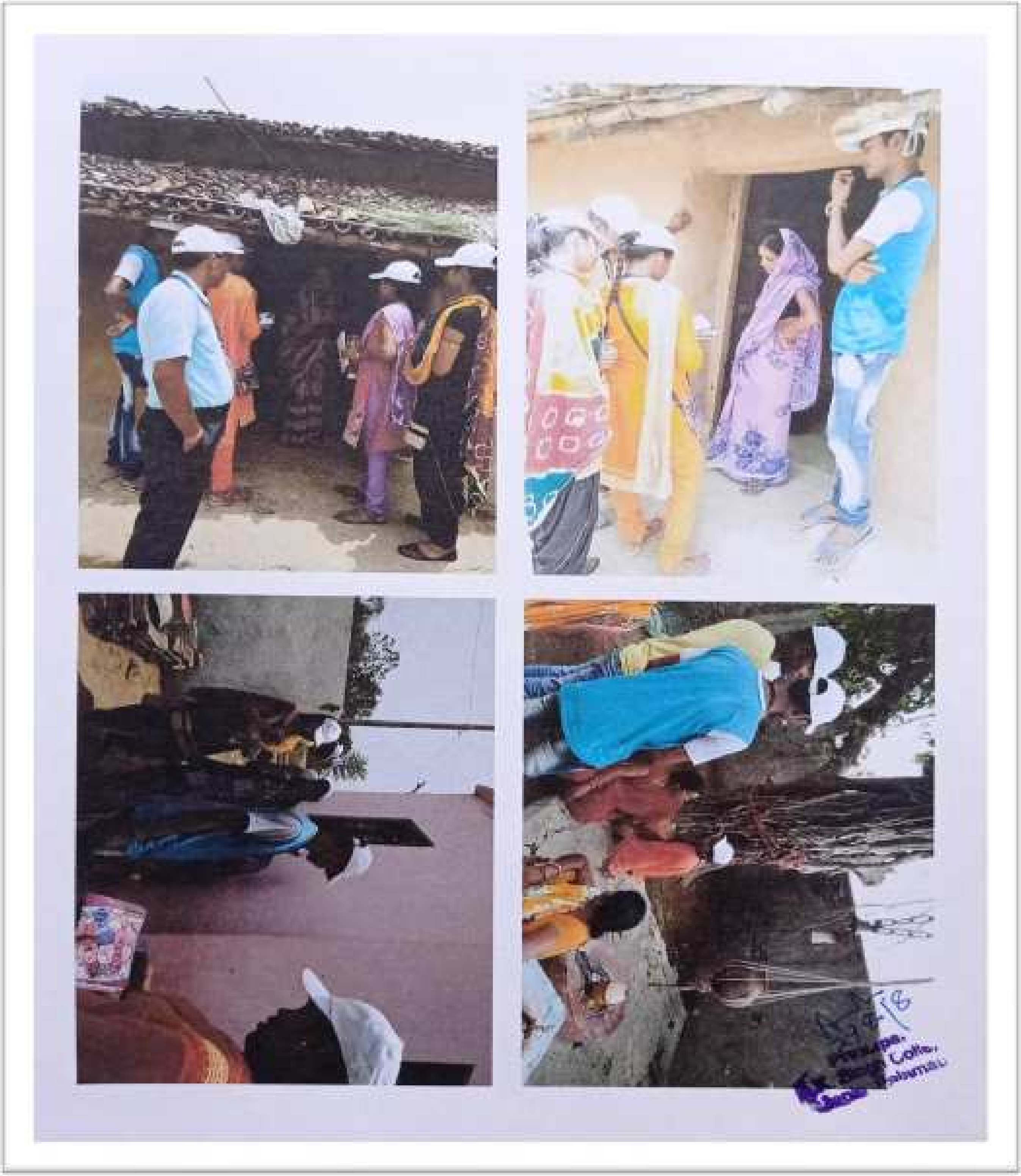

Sanitation किस प्रकार करना है माताओं को बताते हुये |

Date:-10/06/2018

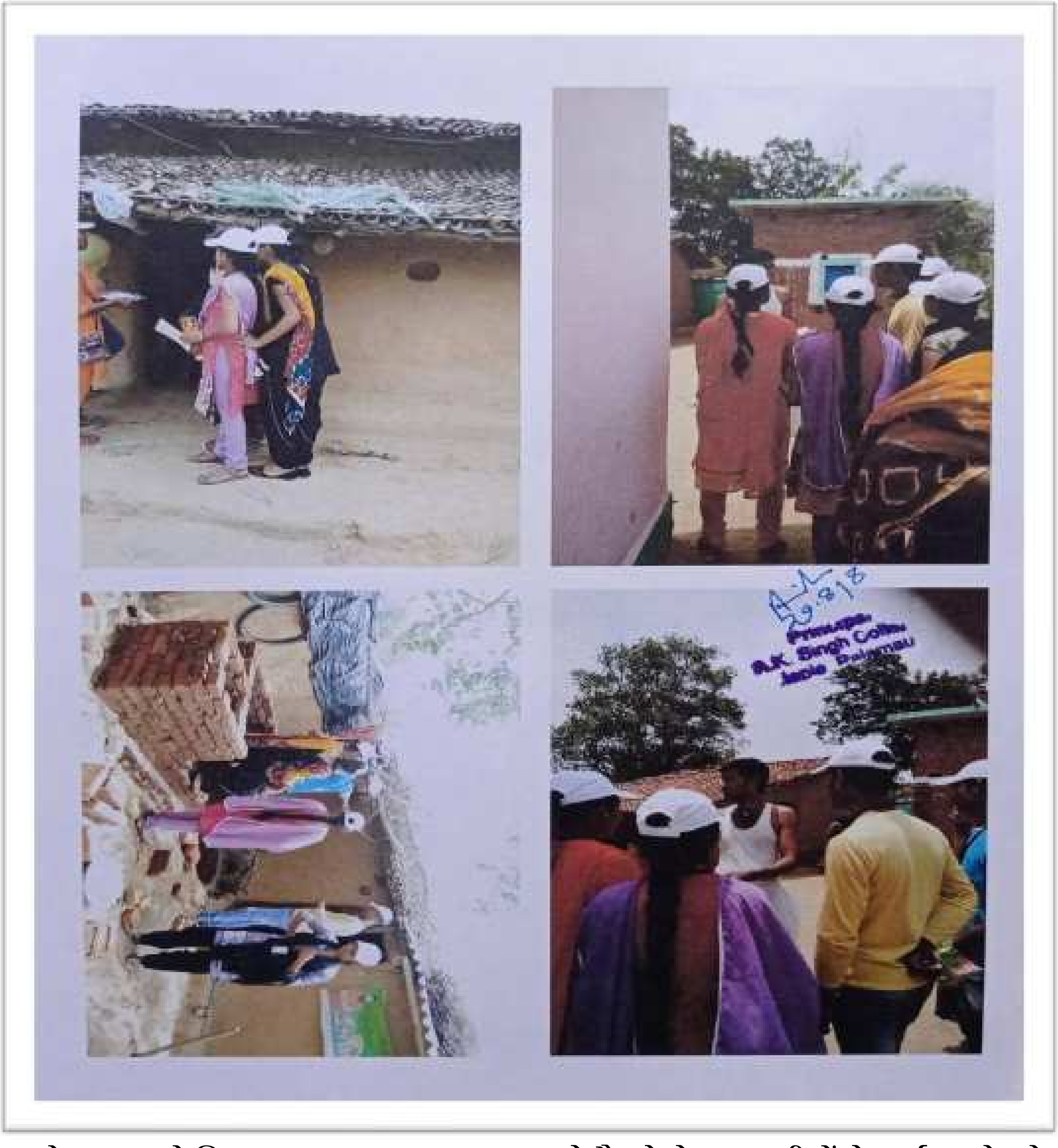

लोग खुद को किस प्रकार Hygienic रख सकते है उसे लेकर ग्रामीणों से चर्चा करते हुये|
Date:-10/06/2018

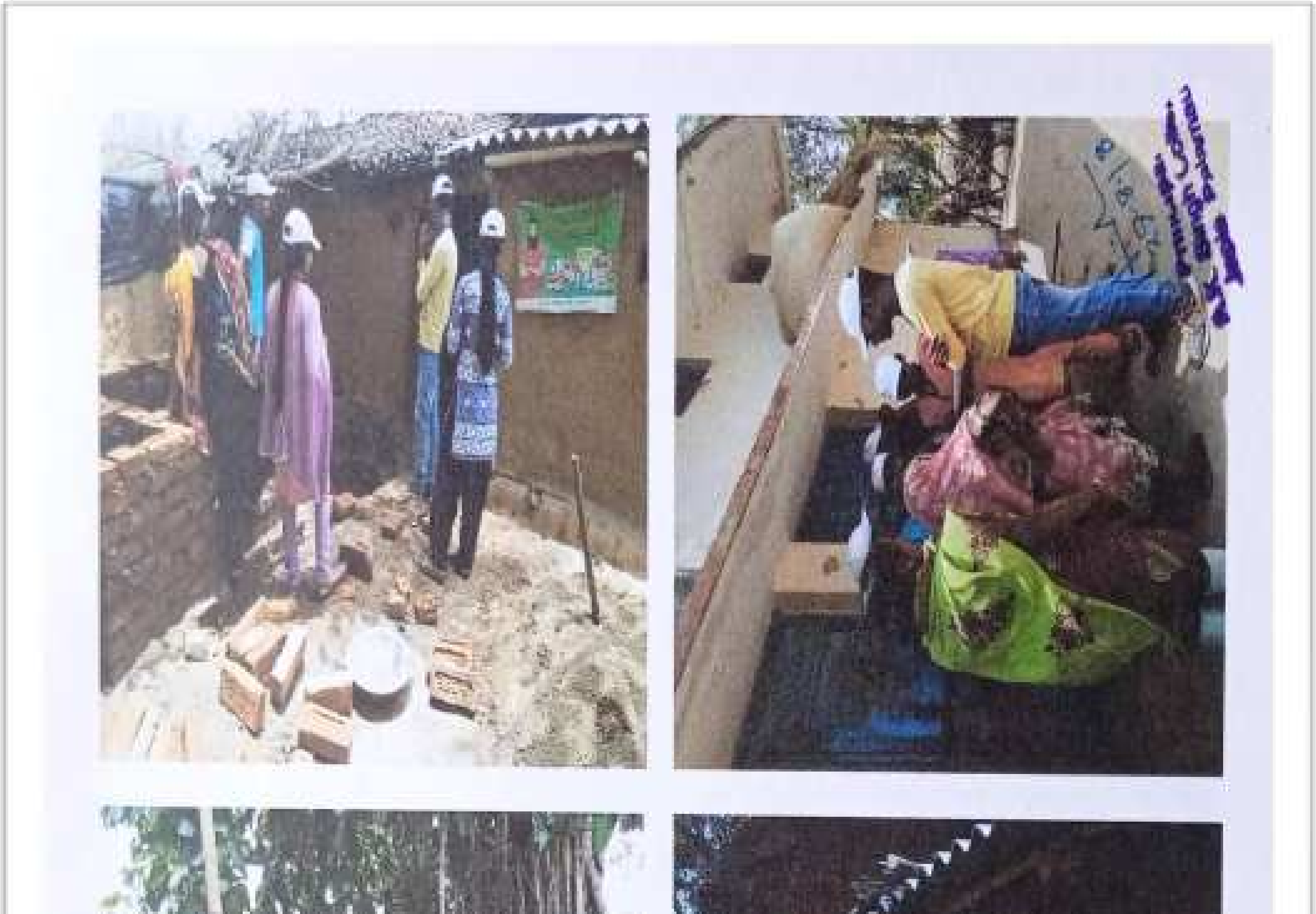

लोग खुद को किस प्रकार Hygienic रख सकते है उसे लेकर महिलाओ से चर्चा करते हुये|

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

लोग खुद को किस प्रकार Hygienic रख सकते है उसे लेकर महिलाओ से चर्चा करते हुये|

Date:-10/06/2018

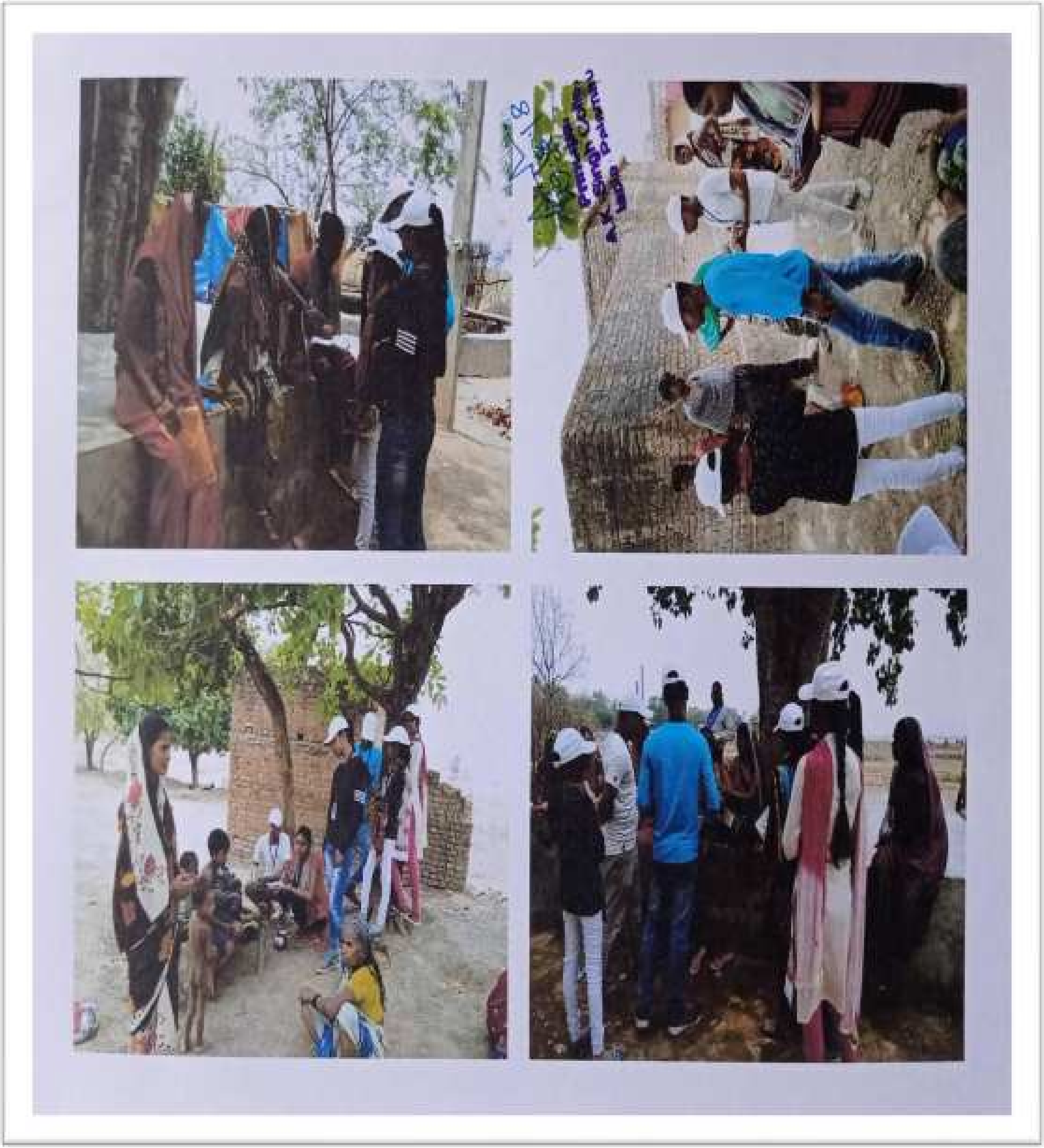

Toilet usage के बारे में लोगो को जागरूक करते हुये |

Date:-10/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Handwash के प्रयोग से होने वाले लाभों के बारे में चर्चा करते हुये| Date:-10/06/2018

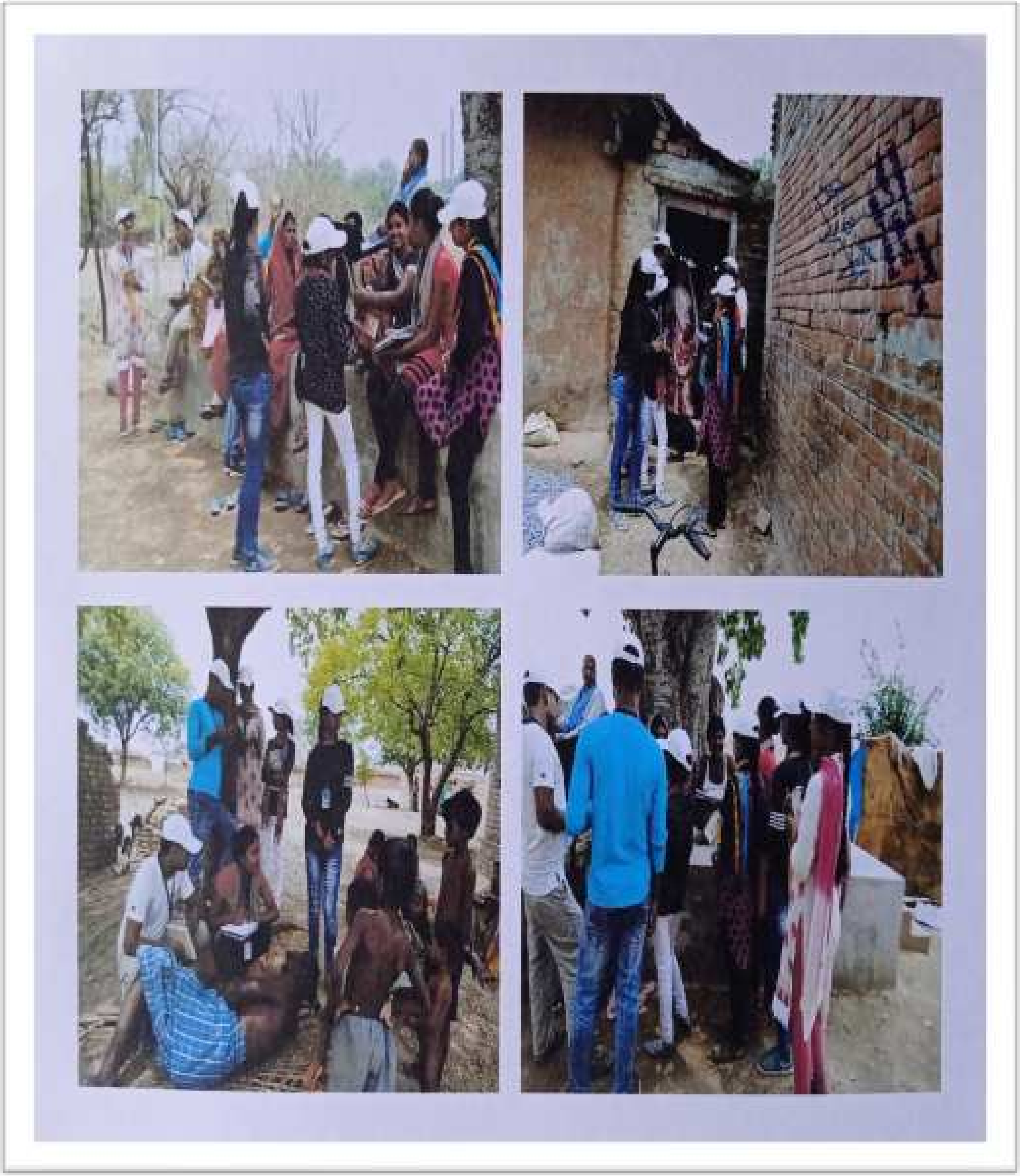

घर

घर जन सम्पर्क करते हुये NSS Volunteer. Date:-11/06/2018

ग्रामीण बच्चो को किस प्रकार गन्दगी से दुर रखाना है उस पे उनके अभिभावको से चर्चा करते हुये |

Date:-11/06/2018

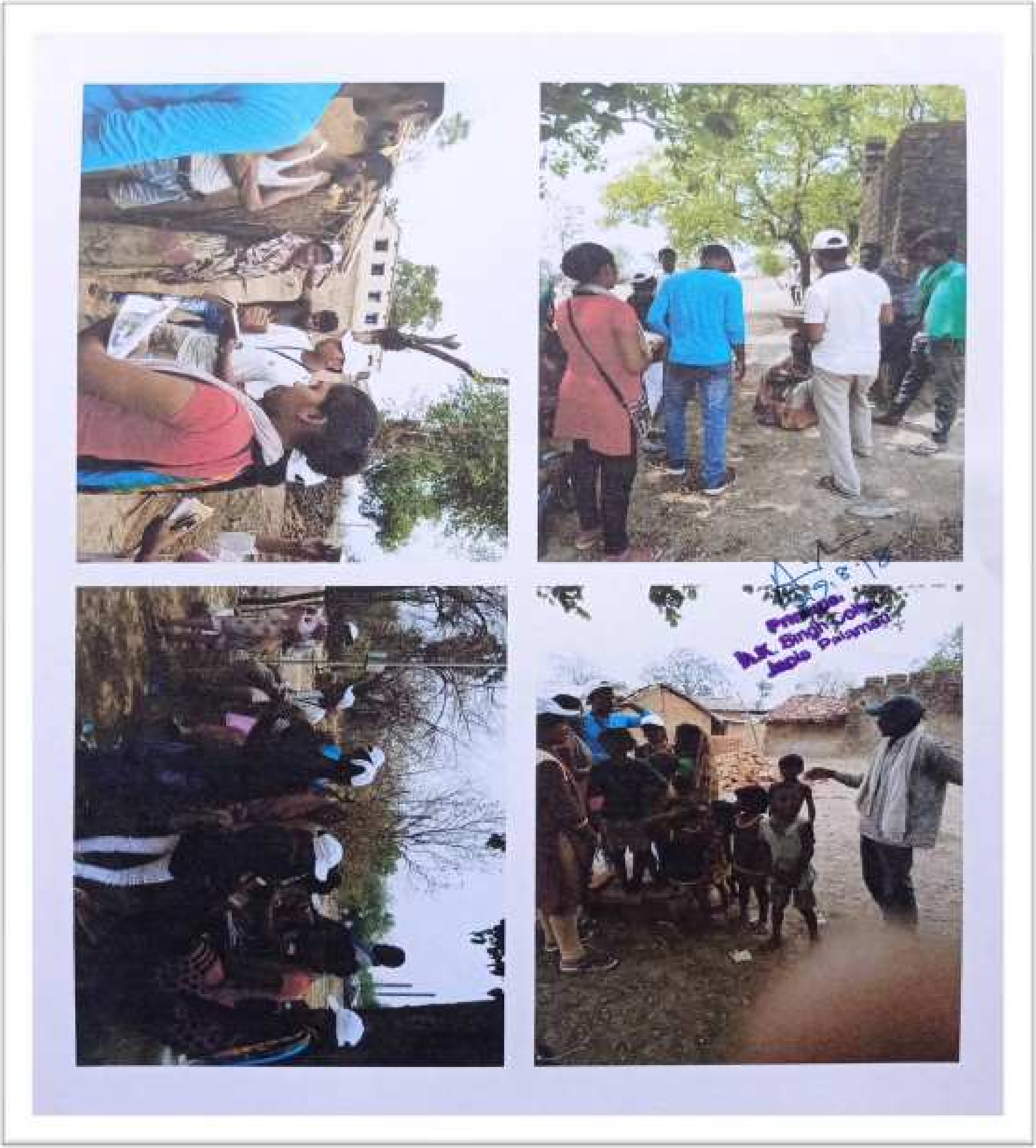

ग्रामीण बच्चो को किस प्रकार गन्दगी से दुर रखाना है उस पे उनके अभिभावको से चर्चा करते हुये |

Date:-11/06/2018

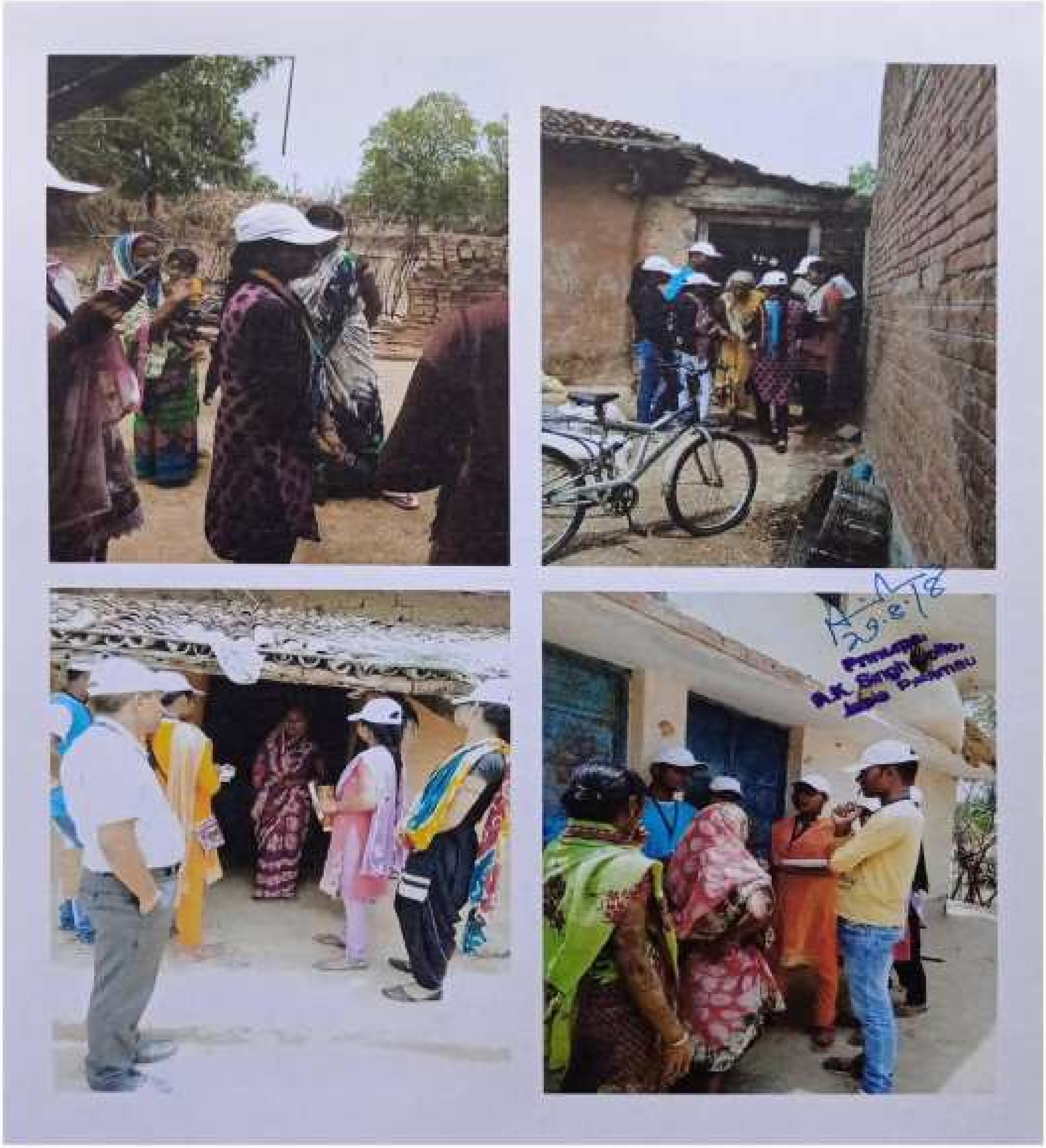

घर घर जन सम्पर्क करते हुये NSS Volunteer.

Date:-11/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हुये| Date:-11/06/2018

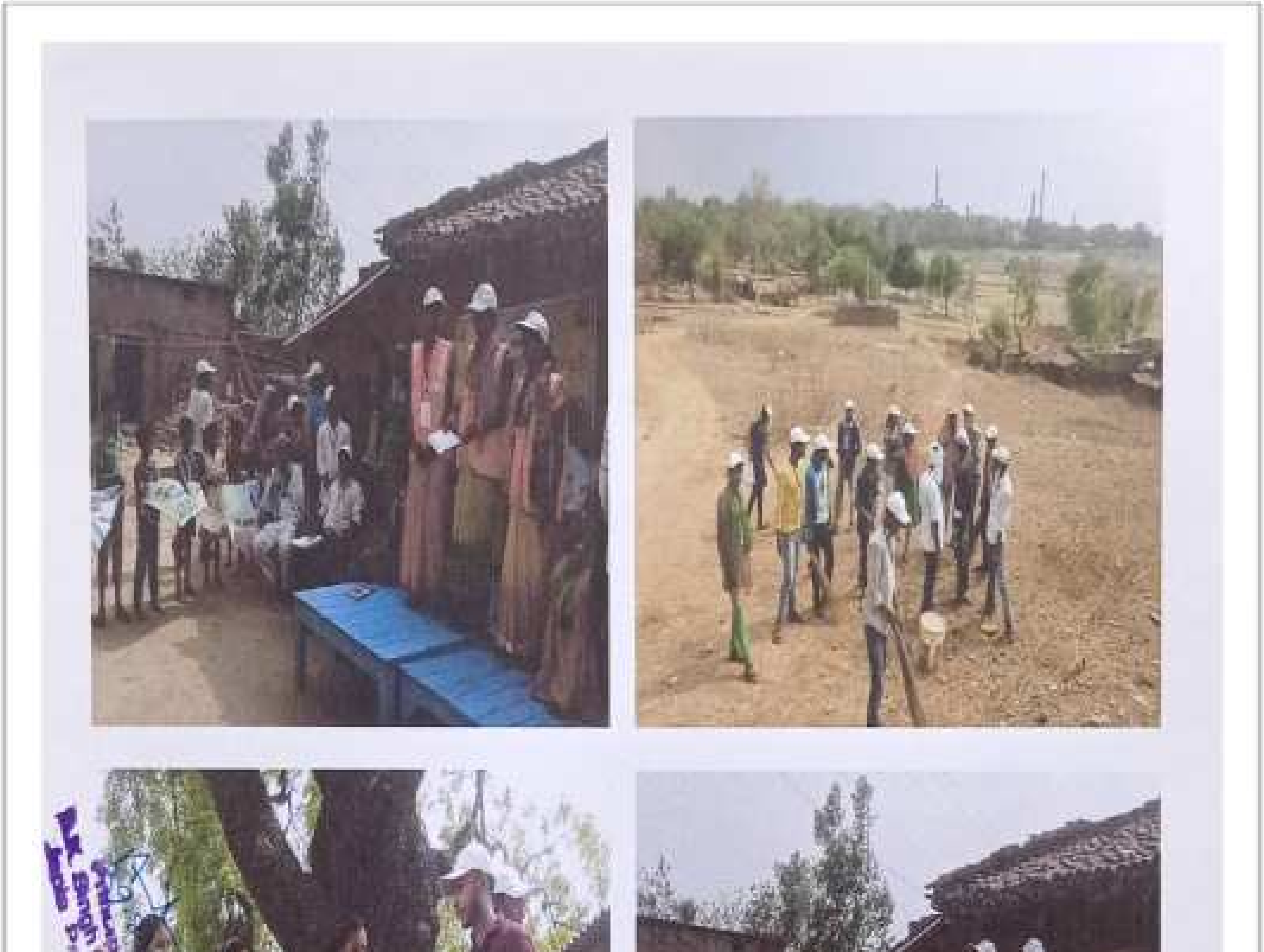

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हुये| Date:-11/06/2018

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हुये| Date:-15/06/2018

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप रैली करते हुये | Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Conducting school level raillies Date:-15/06/2018 Awareness Campaings

Awareness Campaings Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप रैली करते हुये Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वच्छता के प्रति शपथ लेते हुये NSS Volunteer और Teachers Date:-25/06/2018

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप रैली करते हुये Date:-25/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप रैली करते हुये Date:-25/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप रैली करते हुये Date:-25/06/2018

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का स

दवरा पहाड़ा पर दिया स्वच्छता का संदेश

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

पॉलिथीन का करें बहिष्कार, बीमारी से रहें दूर

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

देवरी पहाड़ी पर दिया स्वच्छता का संदेश

हुसैनाबाद | प्रतिनिधि

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

हुसैनाबाद | प्रतिनिधि

स्वच्छ भारत अभियान चला लोगों को किया जागरूकता

स्वच्छता अभियान शुरू

29.8.18

Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक
स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

एके सिंह कॉलेज में पर्यावरण का संदेश देते वॉल पेंटिंग का किया गया प्रदर्शन
राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला में हुआ कार्यक्रम

29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वच्छ भारत इंटर्नशिप के तहत चला जागरूकता अभियान

हुसैनाबाद पलामू। मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज इकाई द्वारा गोद लिए गए डेहरी कला के पहाड़ी पर गांव में स्वच्छ भारत इंटर्नशिप के तहत कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता अभियान में शामिल ग्रुप लीडर धीरेंद्र कुमार सिंह, कुन्दन कुशवाहा व सौरभ सिंह सोलंकी ने अपने ग्रुप सदस्यों के साथ स्वच्छता, शौचालय का उपयोग, पॉलीथिन व प्लास्टिक का बहिष्कार करने को लेकर गांव के प्रत्येक घर में जाकर महिला, पुरुष व बच्चों को प्रेरित करते हुए जागरूकता अभियान को सफल बनाया। वहीं ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के कार्यों को सराहनीय कदम बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के अभियान से सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की बात कही।

प्रभात मंत्र - 13/6/18

29.8.18

Principal,
A.K. Singh College,
Japla, Palamu

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्रभात खबर - 13/06/18

पलामू

ब्रीफ न्यूज

पॉलिथीन का करें बहिष्कार, बीमारी से रहें दूर

स्वच्छता की जानकारी दी

देवरी कला में चला जागरूकता अभियान

Principal,
A.K. Singh College,
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

ग्रुप - B :-

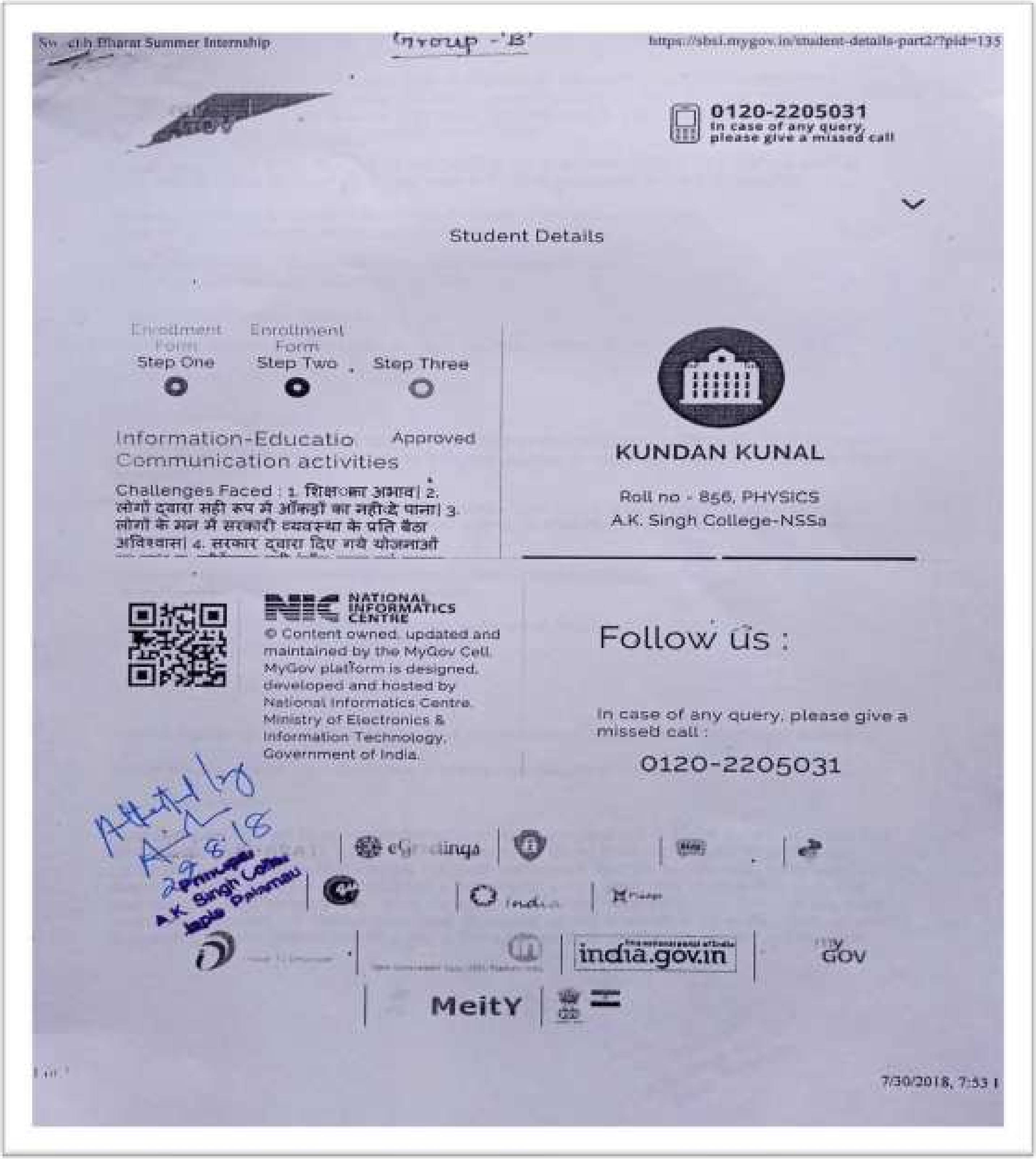

Swachh Bharat Summer Internship — Group - 'B' — https://sbsi.mygov.in/student-details-part2?pid=135

0120-2205031
In case of any query, please give a missed call

Student Details

Enrollment Form Step One | Enrollment Form Step Two | Step Three

Information-Educatio Communication activities — Approved

Challenges Faced : 1. शिक्षा का अभाव। 2. लोगों द्वारा सही रूप में आँकड़ों का नहीं दे पाना। 3. लोगों के मन में सरकारी व्यवस्था के प्रति बैठा अविश्वास। 4. सरकार द्वारा दिए गये योजनाओं

KUNDAN KUNAL

Roll no - 856, PHYSICS
A.K. Singh College-NSSa

NATIONAL INFORMATICS CENTRE
© Content owned, updated and maintained by the MyGov Cell. MyGov platform is designed, developed and hosted by National Informatics Centre, Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India.

Follow us :

In case of any query, please give a missed call :
0120-2205031

india.gov.in — MeitY — myGov

Attested by
A.K.
29/8/18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

7/30/2018, 7:53

Challenges Faced : 1. ग्रामीणोंद्वारा कचरे के निष्पादन की सही जानकारी नहींहोना। 2. ग्रामीणोंको निष्पादन प्रकिया के स्वरूपकी सही समझ नहींहोना। 3. ग्रामीणोंद्वारा गीला कचरा और सूखा कचरा अलग नहीं करना। 4. अशिक्षित समाज होने के कारण हमारे द्वारा बताई गयी बातों के प्रति लापरवाह होना। 5. हमारे द्वारा बार-बार स्वच्छता किए जाने पर भी लापरवाही से कचरा फैलाना।

Field Learning : 1. कचरा निष्पादन की नयी तरीकों के बारे में जानकारी मिली। 2. गीले और सूखे कचरे को अलग करने की प्रक्रिया की समझ हुई। 3. कुछ प्रकार के कचरों के पुनः उपयोग के प्रक्रम की जानकारी।

Youtube Video URL(Comma Separated) : https://www.youtube.com/watch?v=NbprvHpO63U&feature=youtu.be

Google Drive Link : https://drive.google.com/drive/folders/1NowDd44blTaQmyRlTlIxEuWExy1SaoOV

Support in Toilet Construction

Challenges Faced : Field Learning : Youtube Video URL(Comma Separated) :

Google Drive Link :

Other Activity

Challenges Faced : 1. नाटक के लिए उपयुक्त परिवेश का निर्माण। 2. नाटक संबंधित सामग्रियों की व्यवस्था करना। 3. नाटक हेतु उचित विषय एवं पटकथा का चुनाव। 4. नाटक के पश्चात कुछ अवांछनीय तत्वों द्वारा उपहास किया जाना।

Field Learning : 1. जनता के बीच अभिनय का अनुभव प्राप्त हुआ। 2. स्वयं के अतिरिक्त अन्य किरदारों को जीने का अवसर। 3. किसी मंच पर भीड़ को संबोधन करने की कला का विकास। 4. मंच से भीड़ का सामना करने का साहस उत्पन्न हुआ।

Youtube Video URL(Comma Separated) : https://www.youtube.com/watch?v=NbprvHpO63U&feature=youtu.be

Google Drive Link : https://drive.google.com/drive/folders/1NowDd44blTaQmyRlTlIxEuWExy1SaoOV

Activity Details

Wall Paintings on public walls and government buildings (Panchayat Ghar)

No. of walls painted : 11 Estimated number of people sensitized : 67

No. of hours spent : 20

Brief Description : इस विषय पर हमारी टीम द्वारा दिनांक 23-06-2018 से दिनांक 27-06-2018 तक कार्य किया गया जिसमेंहम ने कुल 11 चित्र बनाएं जिसमेंलगभग 20 घंटे का समय व्यतीत हुआ। शुरुआती 2 दिन 23-06 तथा 24-06 को हमने सिर्फ एक-एक चित्र बनाएं क्योंकि उससे पहले हम Awareness_campaign का काम करते थे उसके बाद 25-06 से 27-06 तक 3 दिनों में हमने 9 चित्र बनाएं। चित्र बनाने के लिये सबसे पहले हमने कुछ खास जगहों का चुनाव किया, उसके बाद वहाँ के स्थानिय लोगों से अनुमति लेकर हमने वहाँ चित्र बनाने शुरु किये, हमने खासकर ऐसे चित्रोंका चुनाव किया जो आमतौर पर गाँव के जनजीवन को प्रभावित करते थे। इस तरह हमारी टीम द्वारा विभिन्न विषयों पर कुल 11 चित्र बनाए गए हैं जो सामाजिकजागरूकता का संदेश देते थे।

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

Methodology : सबसे पहले हमारी टीम द्वारा वहां के प्राथमिक विद्यालय में चित्र बनाने का निश्चय किया गया जिसकेबाद वहां के शिक्षकों की अनुमति से हमने वहां 3 चित्र बनाएं जो जल बचाओ, Save tree तथा Use Dustbin पर आधारित थे जो वहां के स्थानीय लोगों को काफी पसंद आया इसके बाद कुछ लोगों ने हमें अपने दीवारों तथा गाँव के चबूतरों पर चित्र बनाने का प्रस्ताव दिया जिसकेपश्चात हमने स्थानीय लोगों से अनुमति लेकर गांव के दीवारों तथा चबूतरों पर 8 चित्र बनाएं और चित्र बनाने के लिए हमने खासकर ऐसी जगहों का चुनाव किया जहां आम तौर पर गांव के लोग जमा हुआ करते थे जैसे :- गांव के चबूतरे, स्थानीय विद्यालय इत्यादि।

Door-to-door meetings (sanitation/ hygiene/toilet usage/ hand wash)

No. of households visited conducted : 65   No. of people sensitized : 112

No. of hours spent : 25

Brief Description : इस अभियान के तहत दिनांक 11-05-2018 से दिनांक 15-05-2018 तक हमारी टीम द्वारा Door to Door visit किया गया, जिसमेंहमने लगभग 65 घरों का सर्वेक्षण किया तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमेंलगभग 25 घंटे का समय व्यतीत हुआ। इस दौरान हमने घर -घर जाकर लोगों से बातचीत की एवं स्वच्छता, शौचालय इत्यादि विषयों पर उनकी मानसिकता को जाना। हमे ये पता चला की वहाँ के अधिकतर लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं थे तथा छोटी-छोटी लापरवाहियों जैसे - खुले मे शौच जाने की आदत , शौच के बाद तथा खाने से पहले हाथों को अच्छे से सफाई ना करना, साफ सफाई के लिए सतर्क ना रहना, तथा इन विषयों से सम्बंधित सही जानकारी न होने, इत्यादि कारणों की वजह से तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित थे। अतः हमने उन्हें इस विषय पर गंभीरता से विचार करने हेतु तथा अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया , गंदगी से होने वाले बिमारियों तथा खुले में शौच के दुष्परिणाम के बारे मे जानकारी दी तथा इससे बचाव के तरीकों पर विचार-विमर्श किया ताकि वो उन समस्याओं से शारीरिक तथा मानसिक रूप से लड़ सकें।

Methodology : इस अभियान के लिए हमने एक दो चरणीय कार्यप्रणाली की रुपरेखा तैयार की जिसमेंपहले चरण मे हमने घर के सदस्यों की शारीरिक जाँच की तथा उनके आस-पास साफ-सफाई का निरीक्षन किया तथा उन्हें स्वच्छता के फायदे तथा गंदगी से होने वाले समस्याओं की जानकारी दी। दूसरे चरण मे हमने उस घर मे शौचालय का विवरण लिया और खुले में शौच से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा घर मे दो गड्ढो वाला शौचालय बनवाने का लाभ तथा सरकार की तरफ से शौचालय हेतु दी जा रही आर्थिक मदद की भी जानकारी दी।

Awareness Campaigns

No. of awareness drives conducted : 6   No. of people sensitized : 115

No. of hours spent : 15

Brief Description : इस विषय पर हमारी टीम द्वारा दिनांक 22-06-2018 से दिनांक 24-06-2018 तक कार्य किया गया, जिसमेंहम ने सामूहिक रुप से लोगों से मुलाकात की तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमेंलगभग 15 घंटे का समय व्यतीत हुआ। इसमें हमने उनसे अपने पिछले दो विषयो पर हुई बातचीत पर चर्चा की एवं यह जानने की कोशिश की कि वे शौचालय, स्वच्छता, कचरे के निपटान, जलाशयों के प्रबंधन इत्यादि विषयों पर कितना जागरूक हुए हैं एवं इसके लिए क्या कर रहे हैं। लोगों को सामूहिक रूप से जमा कर इन बातों पर चर्चा करने से हमें यह फायदा हुआ कि हमें यह पता चल गया कि कितने लोग जागरूक हुए हैं और जो लोग जागरूक नहीं हुए थे वे अपने ही लोगों के ऐसे विचारों को जानकर खुद भी ऐसा करने का निश्चय किया। इसके अलावा कई तरह के विषयों पर भी चर्चा हुई और हमने उन्हें इन विषयों से संबंधित कई तरह की जानकारियां दी। इस तरह हमने सभी लोगों को इकट्ठा किया उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की उनकी समस्याओं का अपने स्तर से हल भी निकाला तथा कई तरह के विषयों पर जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया।

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

Methodology : इस विषय पर कार्य करने के लिए हमने 4 चरणीय योजना सुनिश्चित कि पहले चरण में हमने उन जगहों का चुनाव किया जहां पर लोगों को सामूहिक रुप से बुलाया जा सके इस तरह हमने पूरे गांव में 6 जगहों का चुनाव किया। दूसरे चरण में हमने उन जगहों के आसपास के घरों में जा-जा कर लोगों को इकट्ठा किया। तीसरे चरण में हमने उनसे अपने द्वारा दी गई जानकारियों के बारे में जानने की कोशिश की, कि वे हमारी पिछली दो विषयों पर दी गई जानकारीयों पर कितना अमल कर रहे हैं और उन विषयों पर जागरुक हुए या नहीं। चौथे चरण में हमने उन्हें कई और विषयों पर जानकारियां दी तथा पिछले विषयों से जुड़ी उनकी समस्याएं सुनी तथा अपने स्तर से उनका हल भी निकाला। इस तरह हमने उपरोक्त चार चरणों का पालन करते हुए ग्रामवासियों से संपर्क किया तथा उनसे बातचीत कर उन्हें जागरुक करने का प्रयास किया।

Conducting Village or School-level Rallies

No. of rallies conducted : 2   No. of people sensitized : 34   No. of hours spent : 10

Brief Description : हमारी टीम द्वारा दिनांक 20-06-2018 तथा 21-06-2018 को दो स्कूल स्तरीय रैली निकाली गयी जिसमें लगभग 10 घन्टे का समय व्यतीत हुआ। रैली का मूल उद्देश्य गाँव के लोगों को हमारे अभियान की जानकारी देना तथा हमारे अभियान की सफलता हेतु ग्रामवासियों को आमंत्रित करना था। इस रैली में हमने कई तरह के पोस्टर तथा नारों की मदद से लोगों तक अपनी बात पहुँचाने की कोशिश की। पहले दिन की रैली में हम लोगों ने प्राथमिक स्कूल के बच्चों के सहयोग से रैली का आयोजन किया इससे प्रभावित होकर दूसरी रैली में गाँव के कुछ लोगों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया और हमारा सहयोग किया। इस तरह अभियान से जुड़े दो मुख्य बिंदुओं स्वच्छता तथा शौचालय पर दो रैलियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

Methodology : पहले दिन की रैली की सफलता के लिये हमने वहाँ के एक स्थानिय प्राथमिक विद्यालय में सम्पर्क किया तथा वहाँ के शिक्षकों को अपना उद्देश्य समझाया जिससे प्रभावित होकर उन्होंने सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद हमारी टीम द्वारा स्वच्छता तथा शौचालय पर जागरुकता के लिये कई तरह के पोस्टर तथा नारे तैयार किये गये। स्कूल में छुट्टी के पश्चात स्कूली बच्चों की मदद से हमने पहली सफल रैली का आयोजन किया जिससे प्रभावित होकर अगली रैली के लिये गाँव के लोगों ने बढ़चढ़कर सहयोग किया तथा दूसरी रैली स्कूली बच्चों तथा ग्रामवासियों की मदद से आयोजित की गयी।

Other Activity

Activity Name : Nukkad Natak   No. of beneficiaries : 126   No. of hours spent : 10

Brief Description : इस अभियान के तहत हमारी टीम द्वारा दिनांक 28-06-2018 तथा दिनांक 29-06-2018 को दो नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें लगभग 10 घंटे का समय व्यतीत हुआ। नाटक के माध्यम से हमने शौचालय की उपयोगिता तथा समाज में शौचालय के प्रति दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। हमारे द्वारा प्रस्तुत किया गया नाटक एक ऐसे परिवार पर आधारित था जिसके बेटे की शादी बार-बार टूट जाती थी, क्योंकि उनके घर में शौचालय नहीं था और जिस घर में शौचालय नहीं उस घर को समाज में हीन भावना से देखा जाता था और उस घर के लोगों को असभ्य समझा जाता था इसलिए कोई भी ऐसे घर में अपने बेटी की शादी नहीं करना चाहता था, अतः बार-बार रिश्ते ठुकराए जाने के बाद जाने के बाद बेटा काफी मशक्कत कर अपने घर में शौचालय बनवाता है और अंततः उसकी शादी हो पाती है। इसके बाद हम लोगों ने नुक्कड़ सभा आयोजित की तथा गाँव वालों के साथ मिलकर स्वच्छता शपथ ली। इस तरह हमने बारी-बारी से दो दिनों में गांव में दो जगहों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

Methodology : नुक्कड़-नाटक के लिए हमने सबसे पहले गांव के बीच दो जगहों का चुनाव किया जहां सभी लोग आने में समर्थ हों। इसके बाद हमारी टीम द्वारा एक नाटक तैयार किया गया जो शौचालय की उपयोगिता तथा शौचालय के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता था, साथ ही हमारे कुछ सदस्यों ने नुक्कड़ सभा में भाषण तथा गायन की भी तैयारी की। तय दिन को सभी सदस्यों ने अपने-अपने पात्र के अनुसार सजावट किया और फिर हम गांव में गए उसके बाद हमने आसपास के लोगो को संदेश भिजवाया और उन्हें नाटक देखने के लिये आमंत्रित किया और थोड़ी ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई इसके बाद हमारी टीम द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के बाद कुछ सदस्यों ने भाषण तथा गायन के माध्यम से लोगों को जागरुक किया तथा अंत में हमारी NSS इकाई तथा ग्रामवासियों ने साथ मिलकर स्वच्छता हेतु शपथ ली तथा ये प्रण किया कि स्वच्छता हेतु अपना हरसंभव योगदान देंगे एवं इसके लिए और लोगो को भी प्रेरित करेंगे।

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Transportation of Household waste (to appropriate disposal site).

No. of households covered : 67   No. of village people involved : 95

No. of hours spent : 20

Brief Description : इस विषय पर हमारी टीम द्वारा दिनांक 16/06/018 से दिनांक 19/06/18 तक कार्य किया गया जिसमें67 घरो का सर्वेक्षण किया गया और घरेलु कचरो तथा प्लास्टिक के निपटान पर चर्चा की गयी, जिसमेंलगभग 20 घंटे का समय व्यतीत हुआ। इसके लिए हमने घर-घर जाकर रोजाना तौर पर निकलने वाले कचरे का जायजा लिया, तथा उनके निपटाने के तरीके के बारे बारे मे उनसे पुछा। इससे हमे ये पता चला की वहाँ के लोग जैविक कचरे का तो भली-भाती उपयोग कर लेते थे परन्तु प्लास्टिक निर्मित कचरो का सही निपटान नही कर पाते थे। वे उसे जहाँ तहाँ फेंक देते थे, हवा के कारण पौलीथीन इधर-उधर उड़ जाते थे जो गन्दगी का भी सूचक बनते थे और कभी-कभी उन्हे खा कर मवेशियो की मौत भी हो जाती थी तो कुछ लोग तो पॉलीथिन को जमा कर के जला देते थे। अतः हमने उन्हे ऐसा करने के हानिकारक प्रभाव के बारे मे बताया विभिन्न तरह के कचरो के सही निपटान के तरीको पर चर्चा की तथा वे विचार करने के लिये प्रेरित किया की कैसे घर के अनुपयोगी सामानो का पुनः उपयोग किया जा सके तथा उन्हे प्रेरित करने के लिये हमने गाँव के कुछ लोगो की मदद से पौलीथीन का विनाश एवं निपटान भी किया।

Methodology : इस विषय के लिए हमने केंद्र बिंदु महिलाओं को बनाया क्योंकि गांव मे घर का कार्यभार महिलाओ पर ही होता है। अतः हमने उनसे मिलकर रोजाना तौर पर निकलने वाले कचरे का जायजा लिया, जैसे- फल तथा सिब्जयों के छिलके, घरेलु समान जो अनुपयोगी हो, घर मे विभिन्न कामो से आने वाला पौलीथीन, इत्यादि। फल तथा सिब्जयों के छिलके को तो वे अपने मवेशियो को खिला देते थे तथा घर के अनुपयोगी सामानो का कबाड़वाले को दे देते थे जो काफी अच्छी बात है। परन्तु पॉलीथिन का निपटान सही तरीके से नहीं हो पाता था और वे उसे जहाँ तहाँ फेंक देते थे तो कुछ लोग तो पॉलीथिन को जमा कर के जला देते थे। अतः हमने उन्हें ऐसा ना करने की सलाह दी तथा इससे होने वाले हानि और वातावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे मे बताया। अनुपयोगी सामानो के पुनः उपयोग पर विचार करने के लिए भी प्रेरित किया तथा जिनकापुनः उपयोग संभव ना हो उन्हें एक जगह गड्ढा कर सारा अनुपयोगी कचरा उसी गड्ढे मे डालने की सलाह दी। गाँव वालो को इस विषय पर प्रेरित करने के लिए हमारी टीम द्वारा कुछ प्रभावी इलाको मे फैली पॉलीथिन रूपी कचरे को एकत्र किया गया तथा गड्ढा कर उनका निष्पादन किया गया।

Attached Document :

Attached Images/Files :

29.8.18

Principal, A.K. Singh College, Japla (Palamau)

A.K.SINGH COLLEGE, JAPLA

[illegible]

SWACHH BHARAT SUMMER INTERNSHIP 2018

ADOPTED VILLEGE "PAHADIPAR" PANCHAYAT- DEORI KALA

GROUP: "B"

Group Leader: - KUNDAN KUNAL

SBSI Reg. ID: - 135258

Sl. No.	Volunteer's Name	[illegible]
01	Ekta Kumari	6200271323
02	Abhijeet Kumar	7992278344
03	Amrit Kumar	7488343127
04	Ujjwal Vishwakarma	9155343714
05	Sushma Kumari	9065138667
06	Manju Kumari	7461962678
07	Prashiksha Ranjan Raj	9304468501
08	Ritesh Kumar	8002676446
09	Kanchan Kumari	9065844187

22.8.18

(Prof. Rajesh Kumar Singh)
Nodal Officer
SBSI 2018
A. K. Singh College, Japla.

29.8.18

Principal
A. K. Singh College
Japla, Palamu

9

Conducting villege Or School level Railles_Date:-10/06/2018

Conducting villege Or School level Railles Date:-10/06/2018

Awareness Campaings Date:-10/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-10/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-10/06/2018

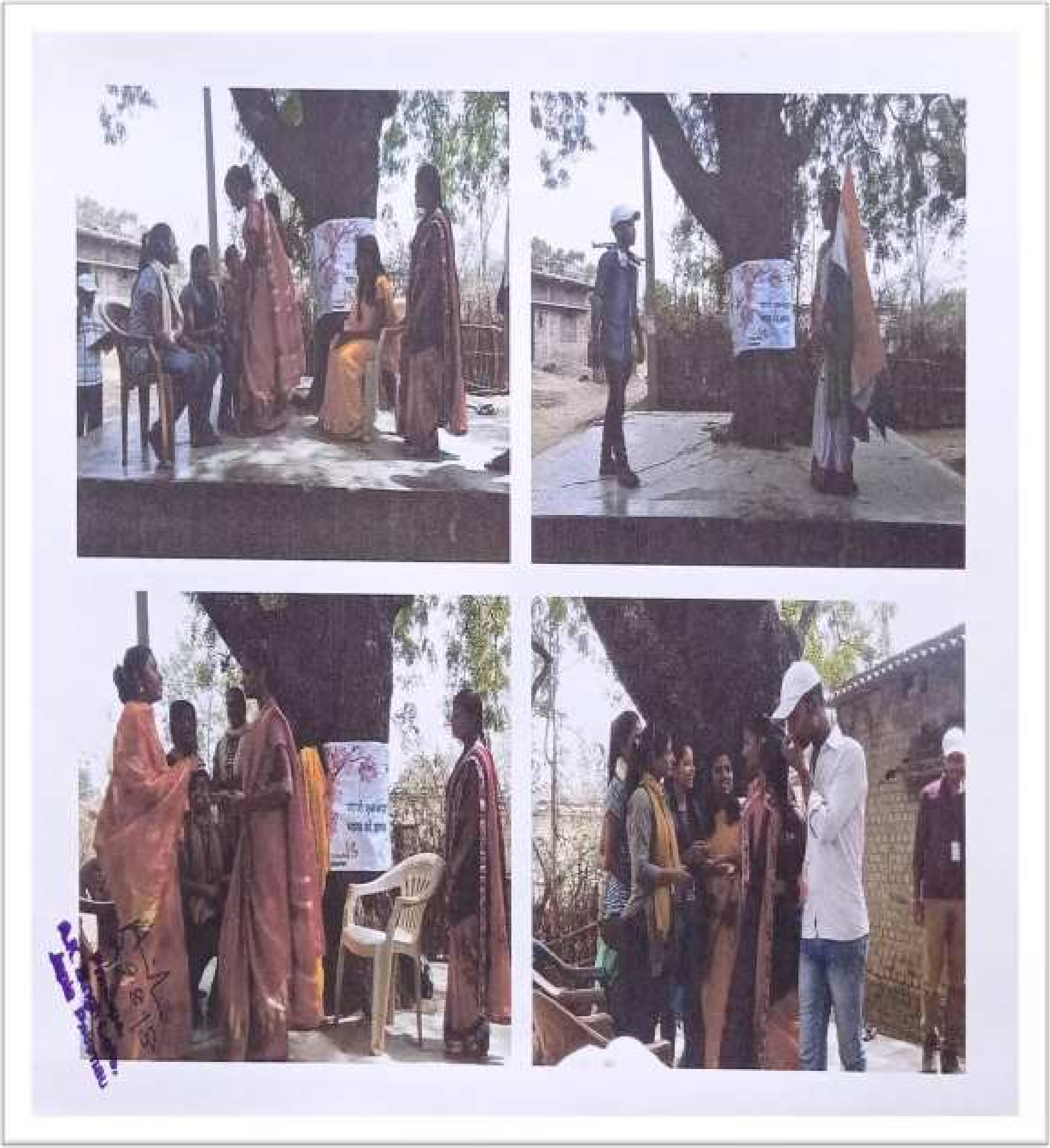

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-10/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Transportation of household waste (to appropriate disposal site) Date:-12/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site

Date:-12/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site)
Date:-12/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-12/06/2018

Awareness Campaings Date:-12/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-12/06/2018

Awareness Campaings Date:-16/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-16/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)
Date:-16/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:- 16/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)
Date:-16/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)
Date:-16/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)
Date:-16/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-16/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site)

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-18/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-19/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-19/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-19/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-19/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc

Date:-19/06/2018

Conducting villege Or School level Railles

Date:-19/06/2018

Conducting villege Or School level Railles Date:-19/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Conducting villege Or School level Railles Date:-19/06/2018

Conducting villege Or School level Railles Date:-19/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site)

Date:-20/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)

Date:-20/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Date:-20/06/2018

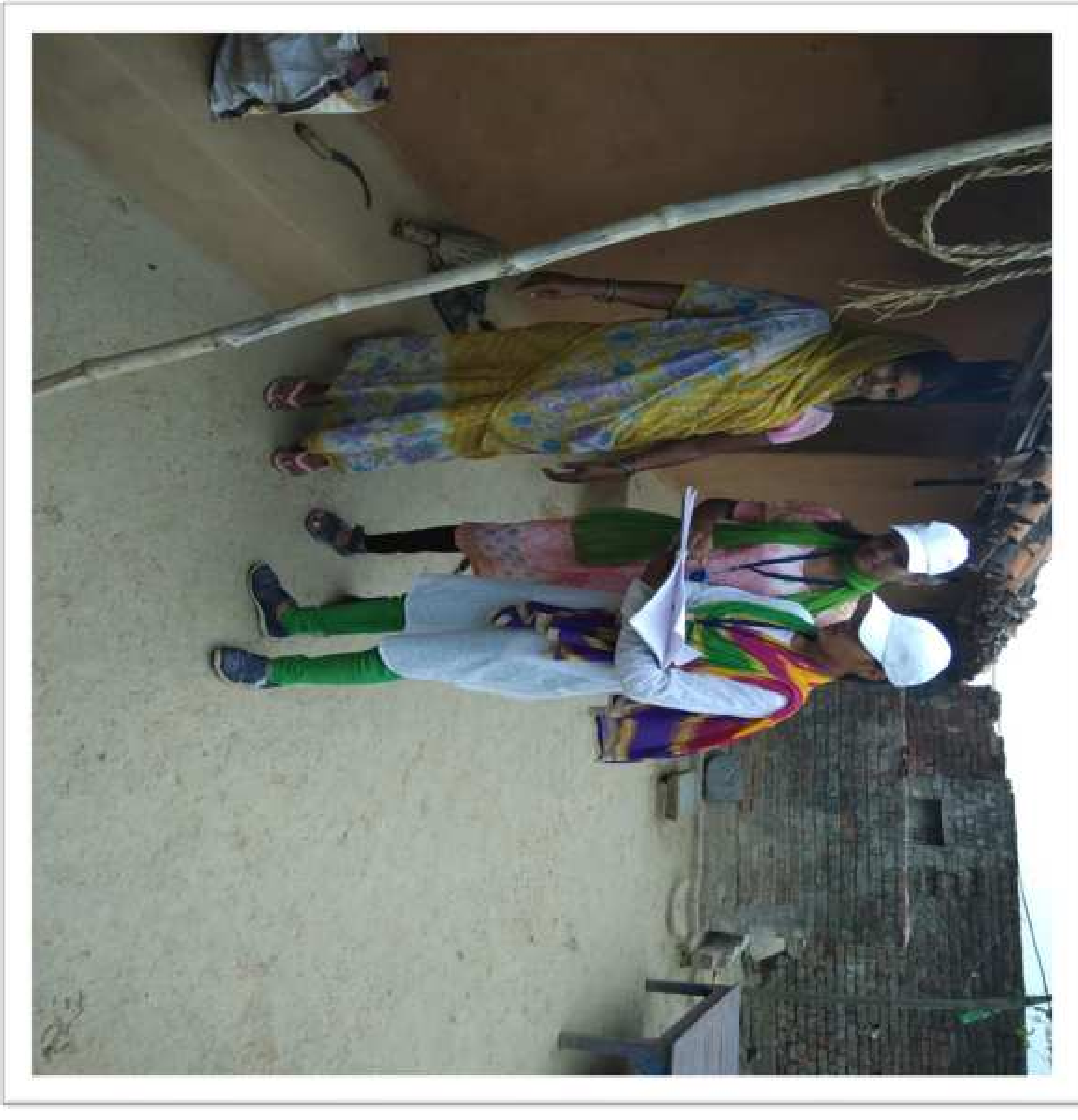

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Date:-20/06/2018

Wall Painting Date:-20/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash)
Date:-20/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-20/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-20/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting(Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:- 22/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Wall Painting Date:-25/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Wall Painting Date:-25/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Wall Painting Date:-25/06/2018

देवरी पहाड़ी पर दिया स्वच्छता का संदेश

हुसैनाबाद | प्रतिनिधि

सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज के द्वारा स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप- 2018 के तहत गोद लिए देवरी पहाड़ी पर जपला में 100 घंटे का शिविर शुरुआत हुई। शिविर का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार सिंह, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ आलोक रंजन कुमार, एन.एस.एस. के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह तथा पूर्व मुखिया राजकुमार चौधरी ने किया।

प्रो राजेश कुमार सिंह ने 100 घंटे के शिविर में भिन्न- भिन्न विषयों पर कार्य करना है। उस पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। जिसमें पर्यावरण, स्वच्छता, शौचालय, जल संरक्षण, पॉलीथिन बहिष्कार, वृक्षारोपण आदि शामिल हैं।

हुसैनाबाद में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग।

साथ ही शिविर हेतु पंजीकृत सभी 31 प्रतिभागियों को तीन ग्रुप में विभाजित कर आगे के कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से कार्यान्वित करने हेतु मार्ग दर्शित किया। कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने हेतु तीन ग्रुप जो बनाए गए उसमें तीन नेतृत्व करते हैं। जिसमें ग्रुप ए - विरेन्द्र कुमार सिंह, ग्रुप बी- कुंदन कुशवाहा तथा ग्रुप सी- सौरभ सिंह सोलंकी। इनके साथ ही कई प्रतिभागी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अमृता कुमार, उज्ज्वल कुमार, प्रतिभा रंजन राज, एकता कुमारी, अंजु कुमारी, गंगा कुमारी आदि लोग मौजूद थे।

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

हुसैनाबाद | प्रतिनिधि

रविवार को जपला एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप की शुरुआत की गयी। इसकी शुरुआत एनएसएस द्वारा देवरी कला पंचायत के पहाड़ी पर गोद लिए गये गांव से की गयी।

इसके तहत स्वच्छता से संबंधित विभिन्न प्रकार के गतिविधि से लोगों को जागरूक करने पर बल दिया। इसकी जानकारी देते हुए एनएसएस के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में दस- दस स्वयं सेवकों को समूह बनाकर नुक्कड़ नाटक, रैली, घर-घर संपर्क कर लोगों को जागरूक की जायेगी। इस कार्यक्रम को सफल संचालन के लिए 31 स्वयं सेवकों का भारत सरकार की वेबसाइट पर पंजीयन किया गया। इस संदर्भ में हुसैनाबाद एसडीओ, बीडीओ, सीओ को लिखित सूचना दी गई है।

स्वच्छता अभियान शुरू

हुसैनाबाद: एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई ने स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप की शुरुआत की गयी। इसकी शुरुआत एनएसएस द्वारा देवरी कला पंचायत के पहाड़ी पर गोद लिये गये गांव से की गयी। इसकी जानकारी देते हुए एनएसएस के नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में 10-10 स्वयं सेवकों का समूह बनाकर नुक्कड़ नाटक, रैली, घर-घर संपर्क कर लोगों को जागरूक किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल संचालन के लिए 31 स्वयं सेवकों का भारत सरकार की वेबसाइट पर पंजीयन किया गया। इस संदर्भ में हुसैनाबाद एसडीओ, बीडीओ, सीओ को लिखित सूचना दी गयी है।

स्वच्छ भारत अभियान चला लोगों को किया जागरूकता

हुसैनाबाद | मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज इकाई द्वारा गोद लिए गए देवरी कला के पहाड़ी पर गांव में स्वच्छ भारत इंटर्नशिप के तहत कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता अभियान में शामिल ग्रुप लीडर वीरेंद्र कुमार सिंह, कुंदन कुशवाहा व सौरभ सिंह सोलंकी ने अपने ग्रुप सदस्यों के साथ स्वच्छता, शौचालय का उपयोग व पॉलीथीन व प्लास्टिक का बहिष्कार करने को लेकर गांव के प्रत्येक घर में संपर्क कर महिला, पुरुष व बच्चों को प्रेरित किया। वहीं ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की ग्रामीणों ने सराहनीय कदम बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चलाए जा रहे अभियान से सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की बात कही। स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में रिंकु कुमारी, खुशबू कुमारी, श्वेता कुमारी, पल्लवी कुमारी, उज्ज्वला विश्वकर्मा, एकता कुमारी, अमृत कुमार, प्रतिभा रंजन राज, कौशल कुमार, पूजा कुमारी, सुभाष कुमार, प्रीति कुमारी, गंगा कुमारी, मंजू कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा है।

29.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

[illegible]

एके सिंह कॉलेज में पर्यावरण का संदेश देते वॉल पेंटिंग का किया गया प्रदर्शन

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला में हुआ कार्यक्रम

[illegible]

[illegible]

29.8.18

Principal
A.K. Singh College
Japla Palamu

प्रभात खबर - 13/06/18

पलामू

ब्रीफ न्यूज

पॉलिथीन का करें बहिष्कार, बीमारी से रहें दूर

हुसैनाबाद. [illegible]

देवरी पहाड़ी पर महिलाओं को किया गया जागरूक

[illegible]

स्वच्छता की जानकारी दी

हुसैनाबाद,पलामू . एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा [illegible]

देवरी कला में चला जागरूकता अभियान

संवाद न्यूज, हुसैनाबाद : राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज इकाई की ओर से [illegible]

[illegible] - 13/06/18

29.8.18

Principal
A.K. Singh College,
Japla Palamau

स्वच्छ भारत इंटर्नशिप के तहत चला जागरूकता अभियान

हुसैनाबाद पलामू। मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज इकाई द्वारा गोद लिए गए देवरी कला के पहाड़ी पर गांव में स्वच्छ भारत इंटर्नशिप के तहत कार्यक्रम पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता अभियान में शामिल ग्रुप लीडर वीरेंद्र कुमार सिंह, कुंदन कुमार व सौरभ सिंह सोलंकी ने अपने ग्रुप सदस्यों के साथ स्वच्छता, शौचालय का उपयोग, पॉलीथिन व प्लास्टिक का बहिष्कार करने को लेकर गांव के प्रत्येक घर में स्वयं हर महिला, पुरुष व बच्चों को प्रेरित करते हुए जागरूकता अभियान को सफल बनाया। वहीं ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहनीय कदम बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के अभियान से सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की बात कही।

प्रभात मंत्र - 13/06/18

29.8.18
Principal
A.K. Singh College,
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

देवरी पहाड़ी पर दिया स्वच्छता का संदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

ग्रुप - C :-

0120-2205031
In case of any query, please give a missed call

Student Details

Enrollment Form Step One	Enrollment Form Step Two	Step Three

Information-Education Communication activities — Approved

Challenges Faced : 1. बाल्मीकियों में फैली अशिक्षा 2. बाल्मीकियों में फैला अंधविश्वास। 3. बाल्मीकियों में फैली रूढ़िवादिता।

SAURABH SINGH SOLANKI

Roll no - 1118, ZOOLOGY
A.K. Singh College-NSSa

NATIONAL INFORMATICS CENTRE

© Content owned, updated and maintained by the MyGov Cell. MyGov platform is designed, developed and hosted by National Informatics Centre, Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India.

Follow us :

In case of any query, please give a missed call
0120-2205031

Attested by
29.8.18

india.gov.in

MeitY

Youtube Video URL(Comma Separated) : Google Drive Link :

Other Activity

Challenges Faced : Field Learning : Youtube Video URL(Comma Separated) :

Google Drive Link :

Activity Details

Wall Paintings on public walls and government buildings (Panchayat Ghar)

No. of walls painted : 4 Estimated number of people sensitized : 67

No. of hours spent : 7

Brief Description : इस कार्यक्रम को हमारी टीम ने 27 जून 2018 को किया था| इसमें हमने 4 तस्वीरें बनाई और स्लोगन लिखा|

Methodology : इस कार्य के लिए हमने तरह तरह के रंगों से दीवार पर चित्रकारी की| सभी चित्रों का ध्येय स्वच्छता एवं पर्यावरण था| इन चित्रों के सहारे हमने जनता को अपना संदेश दिया|

Door-to-door meetings,(sanitation/ hygiene/toilet usage/ hand wash)

No. of households visited conducted : 65 No. of people sensitized : 120

No. of hours spent : 15

Brief Description : इस कार्य को हमने दो चरणों में किया| प्रथम चरण दिनांक 17 जून 2018 से 19 जून 2018 तक और दूसरा चरण दिनांक 22 जून 2018 से 26 जून 2018 तक चला| इस कार्यक्रम में हम लोगों के घरों में जाकर उनसे मिले|

Methodology : इस कार्यक्रम का मुख्य मुद्दा प्लास्टिक था| हमने लोगों को एक जगह एकत्रित करके उन्हें प्लास्टिक के ख़तरे के बारे में अवगत कराया| साथ ही, उन्हें प्लास्टिक के पुनरुपयोग एवं सुरक्षित निष्पादन के बारे में जागरूक किया|

Nukkad Nataks/ Street Plays/ Swachhata-related Folk Song/ Dance performances- etc

No. of Performances conducted : 4 No. of people sensitized : 136

No. of hours spent : 10

Brief Description : यह कार्यक्रम दिनांक 28 जून 2018 से 29 जून 2018 तक चला| इस कार्यक्रम में हमने गाँव के चौपाल में स्वच्छता से संबंधित नाटक किया| इन नाटकों के ज़रिए हमने लोगों में शौचालय की महत्ता पर प्रकाश डाला|

Methodology : इन नाटकों के ज़रिए हमने लोगों में स्वच्छता की जागरूकता फैलाई| इन नाटकों का सारांश इस प्रकार है:- एक लड़के का विवाह बार बार रुक जाता था| क्योंकि उसके घर में शौचालय नहीं था| अंत में जब उसके घर पर शौचालय बना तब उसका विवाह तय हो सका| साथ ही हमने गीतों के ज़रिए भी लोगों को जागरूक किया|

Awareness Campaigns

Attested by
29.8.18
Principal
A.K. Singh College,
Japla Palamau

2 of 3 7/30/2018, 7:52 P

No. of awareness drives conducted : 6 No. of people sensitized : 128

No. of hours spent : 30

Brief Description : इस अभियान के तहत हमारी टीम ने दिनांक 11 - जून - 2108 से 16 - जून - 2018 तक जन संपर्क इत्यादि किया | इस कार्यक्रम के तहत हमने लोगों से बातचीत किया और उन्हें विभिन्न विषयों के बारे जागरूक करने का प्रयत्न किया| हमारी टीम द्वारा चुना गया प्रमुख विषय निम्न था :- 1. प्लास्टिक का बहिष्कार 2. शौचालय का उपयोग

Methodology : इस कार्य के लिए हमने ग्रामीणोंसे जगह जगह घूम कर वार्ता की| और उन्हें प्लास्टिक से होने वाले खतरे के बारे में अवगत कराया| साथ ही प्लास्टिक के पुनरुपयोग के बारे में जागरूक किया| इसके अतिरिक्त, हमने लोगों को शौचालय के सदुपयोग के बारे में भी बताया| उन्हें समझाया कि खुले में शौच करने से किन प्रकार की व्याधियों का ख़तरा होता है|

Conducting Village or School-level Rallies

No. of rallies conducted : 2 No. of people sensitized : 78 No. of hours spent : 10

Brief Description : इस कार्यक्रम को हमने दिनांक 20 जून 2018 से 21 जून 2018 तक किया| इस कार्यक्रम में हमने गाँव के विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों की सहायता ली| एवं उनके सहयोग से अलग - अलग दिन गाँव के अलग - अलग क्षेत्रों में रैली निकली|

Methodology : रैली के लिए हमने गाँव के विद्यालय के शिक्षकों की अनुमति एवं सहायता से बच्चों को एकत्र किया| एवं उन बच्चों से विभिन्न स्वच्छता संबंधी नारे लगवाए| जैसे: लोटा बोतल बंद करो, शौचालय का प्रबंध करो; दवाई से नाता तोड़ो, सफाई से नाता जोड़ो; हम सब का एक ही नारा, सुंदर भारत हो हमारा| ऐसे ही नारों को लगाते हुए सभी बच्चे और हमारी टीम पूरे गाँव में घूमते हुए लोगों को प्रेरित किए|

Attached Document :

Attached Images/Files :

Attested by
22.8.18
Principal
A.K. Singh College
Japla Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

A.K.SINGH COLLEGE, JAPLA

SWACHH BHARAT SUMMER INTERNSHIP 2018

ADOPTED VILLEGE "PAHADIPAR" PANCHAYAT- DEORI KALA

GROUP: "C"

Group Leader: - SAURABH SINGH SOLANKI

SBSI Reg. ID: - 140828

Sl. No.	Volunteer's Name	Mobile No.
01	Pushpa Kumari	7283028656
02	Subhash Kumar	7479822810
03	Raja Kumar	8084045191
04	Priti Kumari	9955168837
05	Ankit Kumar Singh	8809425140
06	Neha Kumari	6202209968
07	Rinki Kumari	9955106773
08	Sujeet Kumar Singh	9065218461
09	Dhruv Kumar Singh	8809857292

(Prof. Rajesh Kumar Singh)
Nodal Officer
SBSI 2018
A. K. Singh College, Japla.

Attested

Principal,
A.K. Singh College,
Japla Palamau

A.K.SINGH COLLEGE, JAPLA

SWACHH BHARAT SUMMER INTERNSHIP 2018

ADOPTED VILLEGE "PAHADIPAR" PANCHAYAT- DEORI KALA

GROUP: "OTHERS"

Sl. No.	Volunteer's Name	[illegible]
01	Ganga Kumari	9122990328
02	Puja Kumari	8084386404

(Prof. Rajesh Kumar Singh)
Nodal Officer
SBSI 2018
A. K. Singh College, Japla.

Principal
A.K. Singh College,
Japla Palamu.

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

10/06/2018

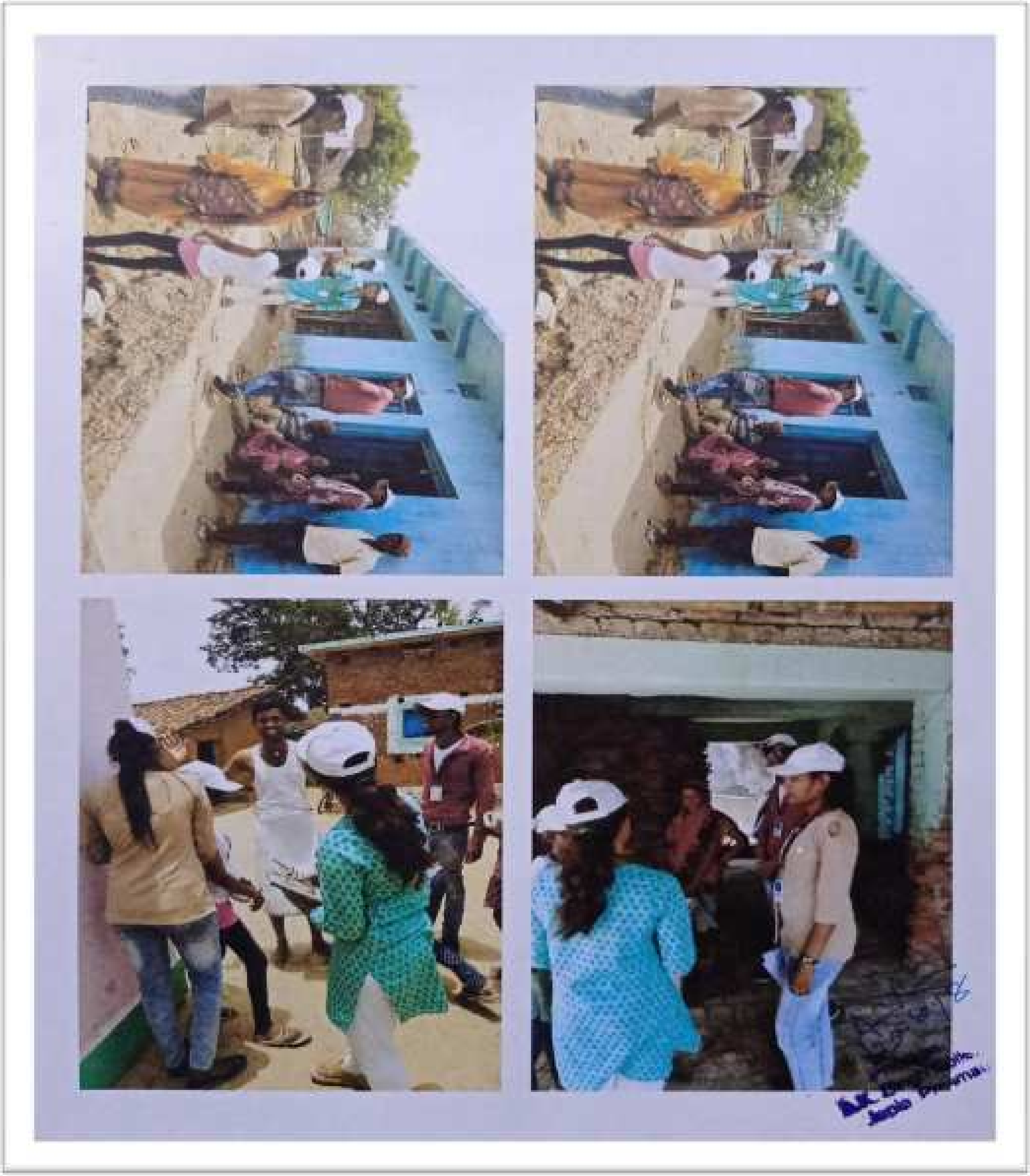

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-

10/06/2018

Door

to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-10/06/2018

Door to
Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-10/06/2018

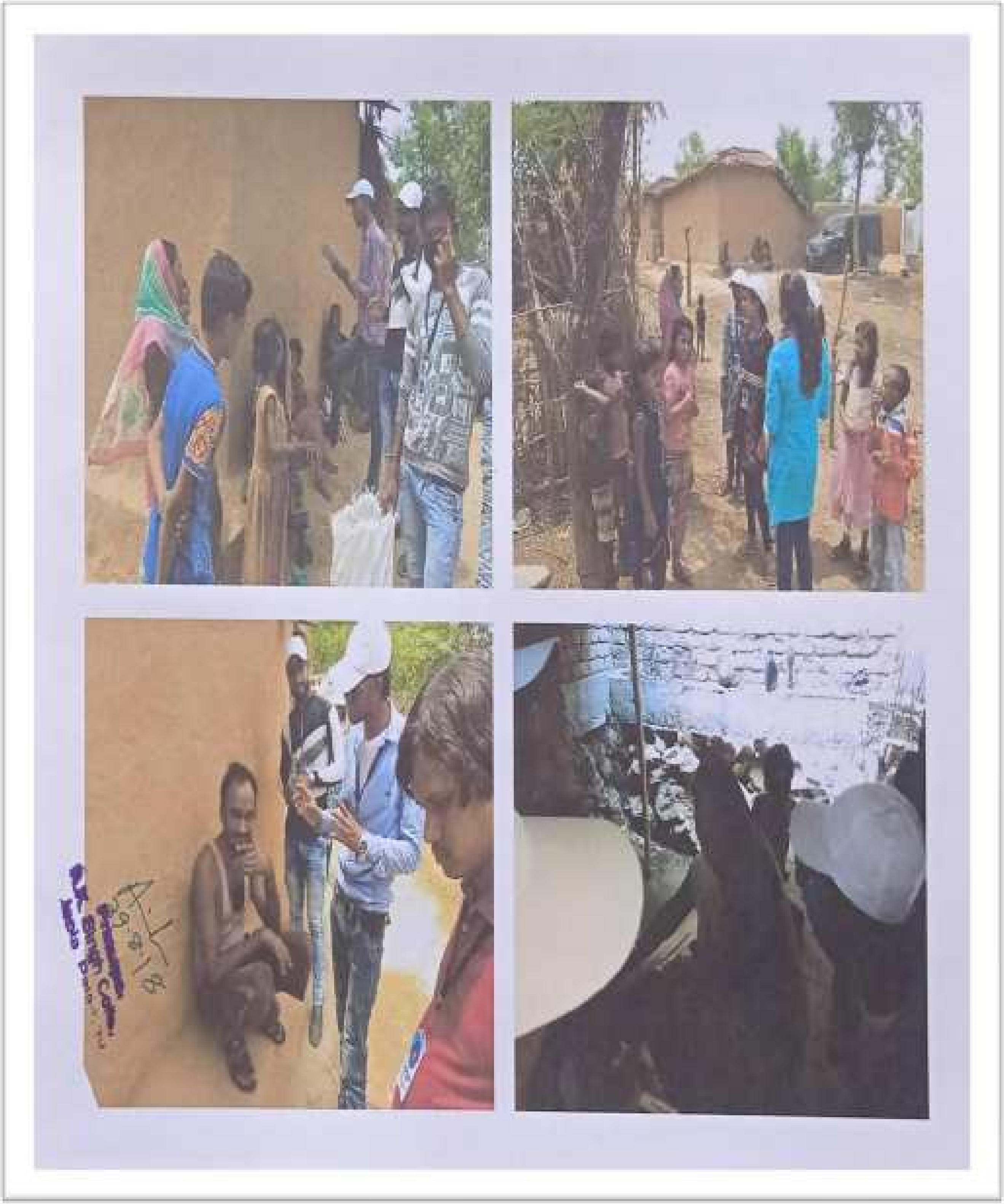

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-10/06/2018

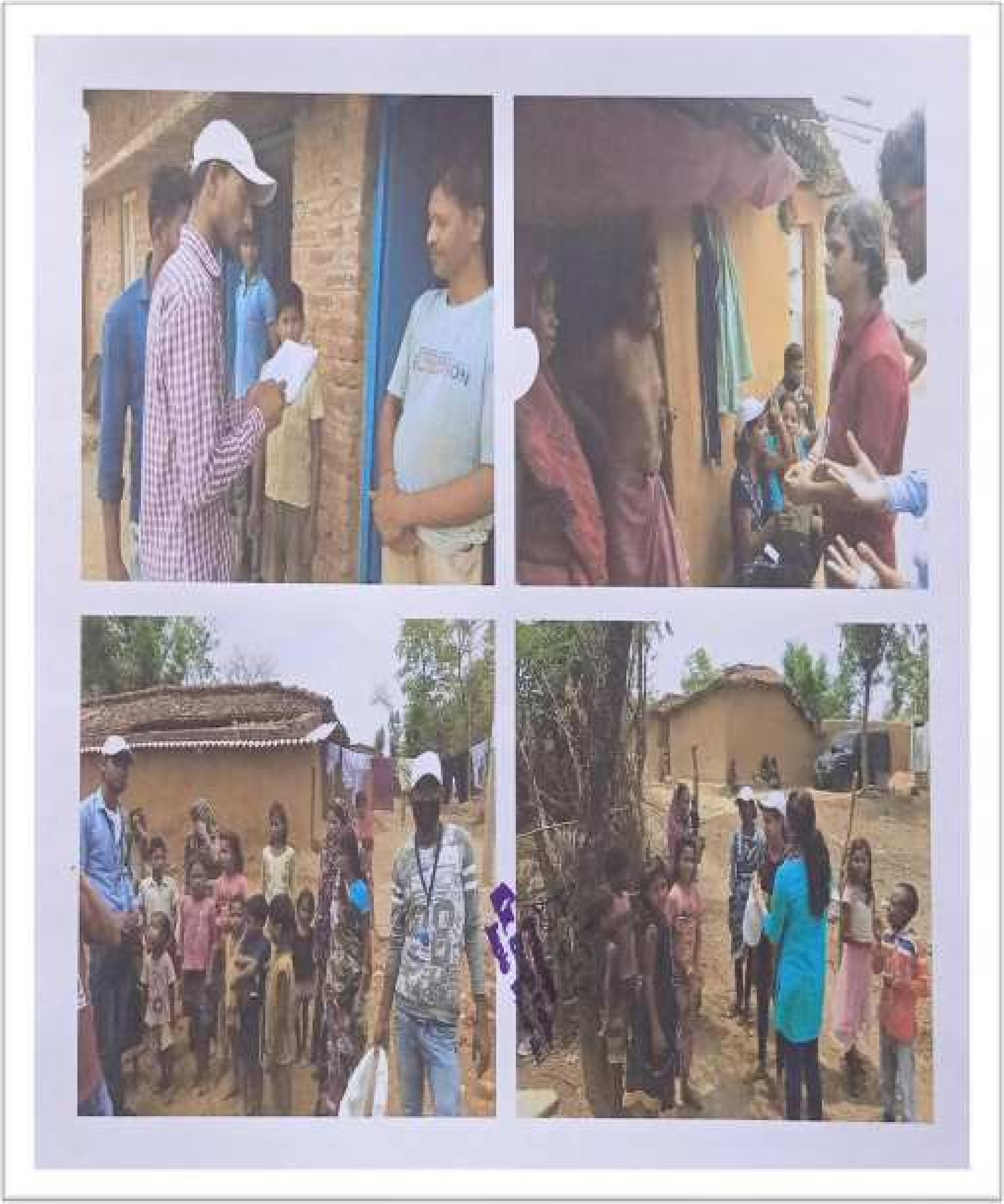

Transportation of household waste (to appropriate disposal site Date:-10/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

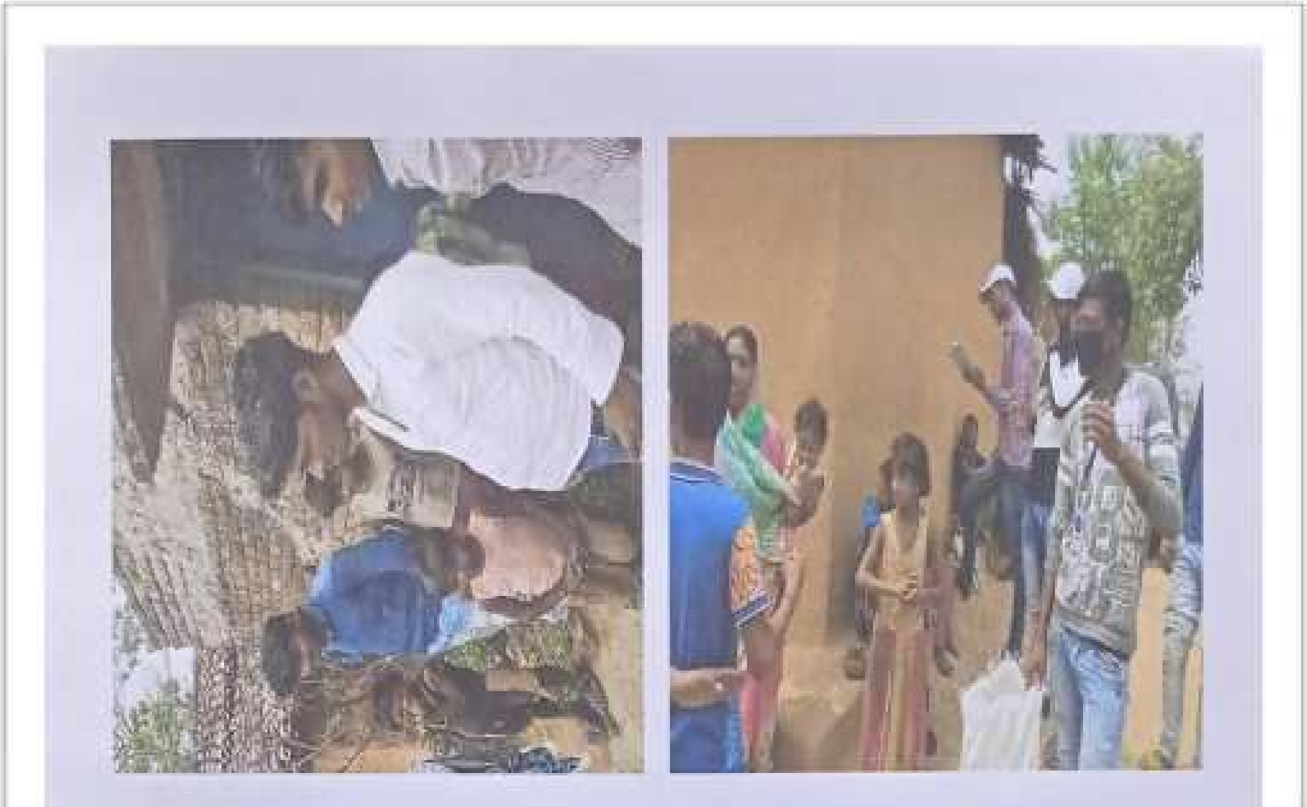

Transportation of household waste (to appropriate disposal site Date:-10/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site Date:-10/06/2018

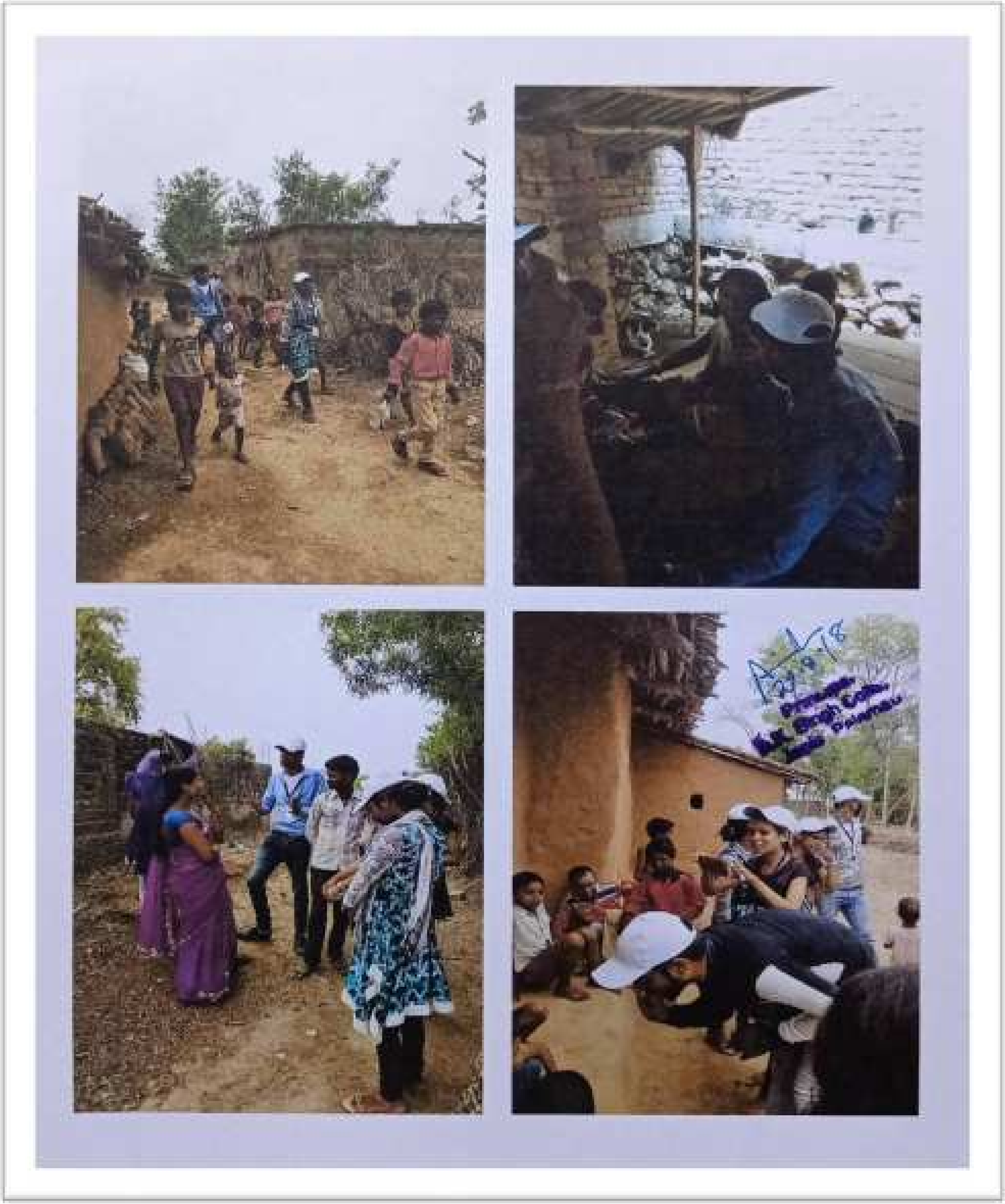

Door

Transportation of household waste (to appropriate disposal site Date:-10/06/2018

Transportation of household waste (to appropriate disposal site Date:-10/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

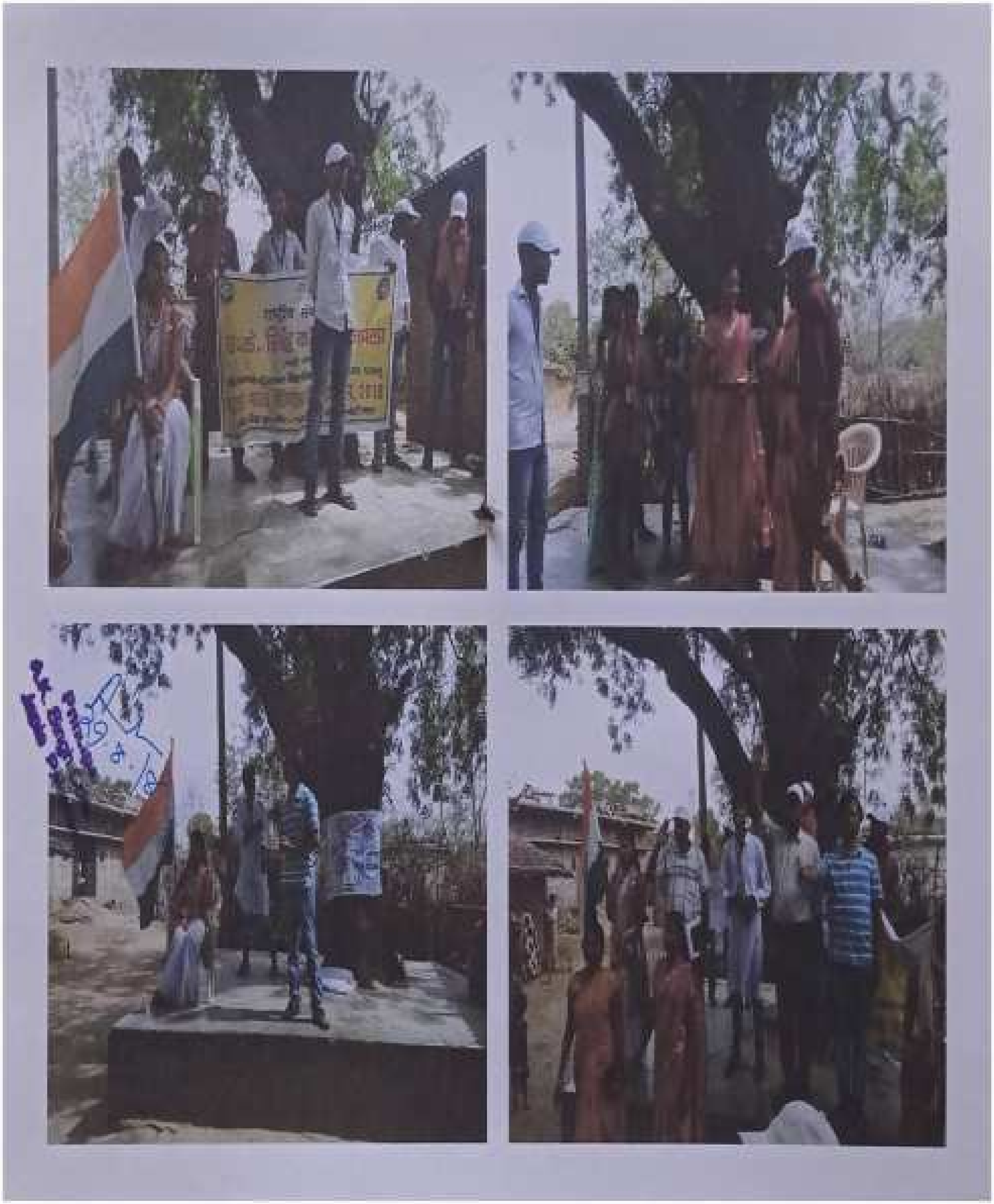

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-15/06/2018

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Other activities-nukkad,Natak etc Date:-15/06/2018

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

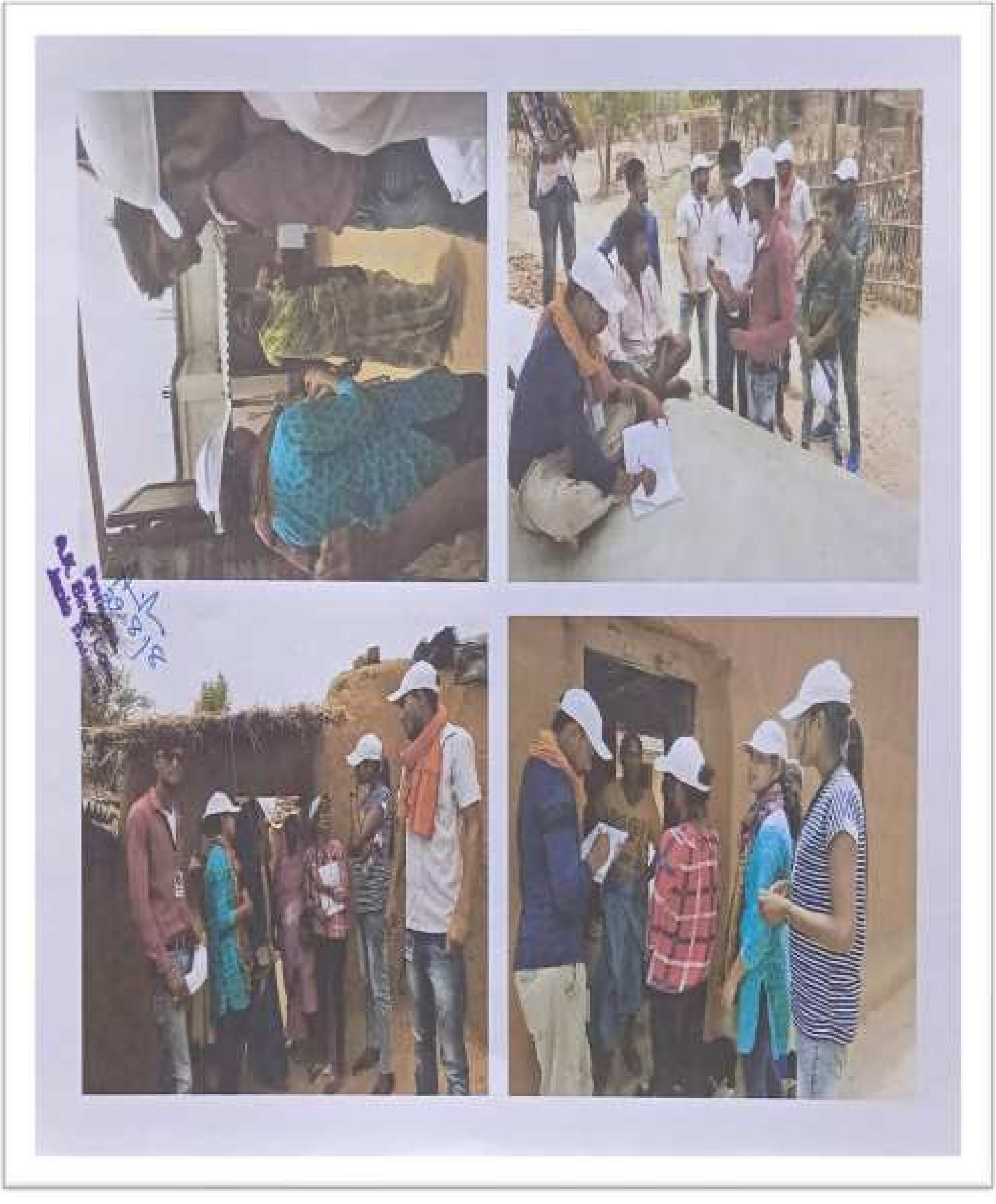

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

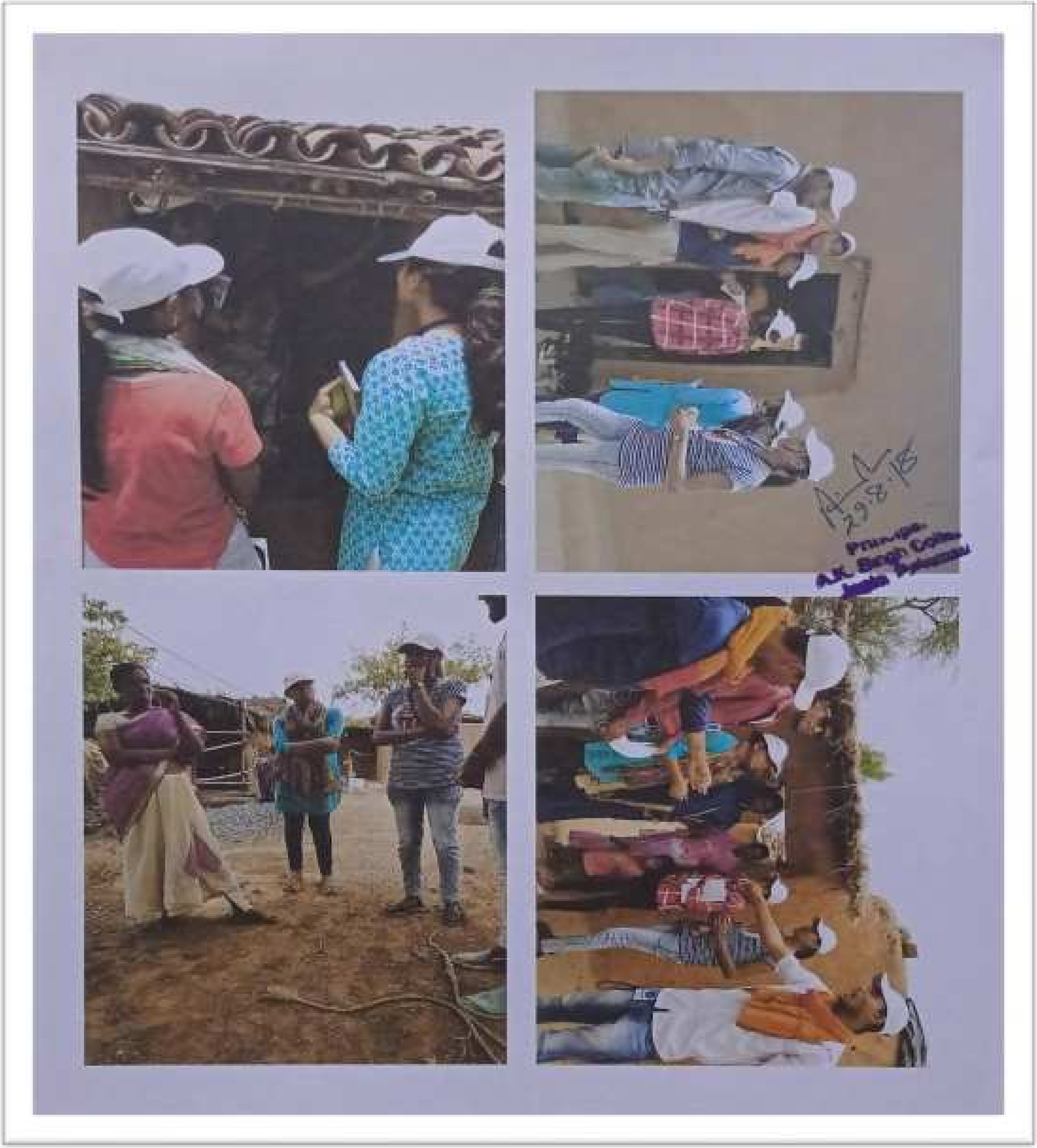

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

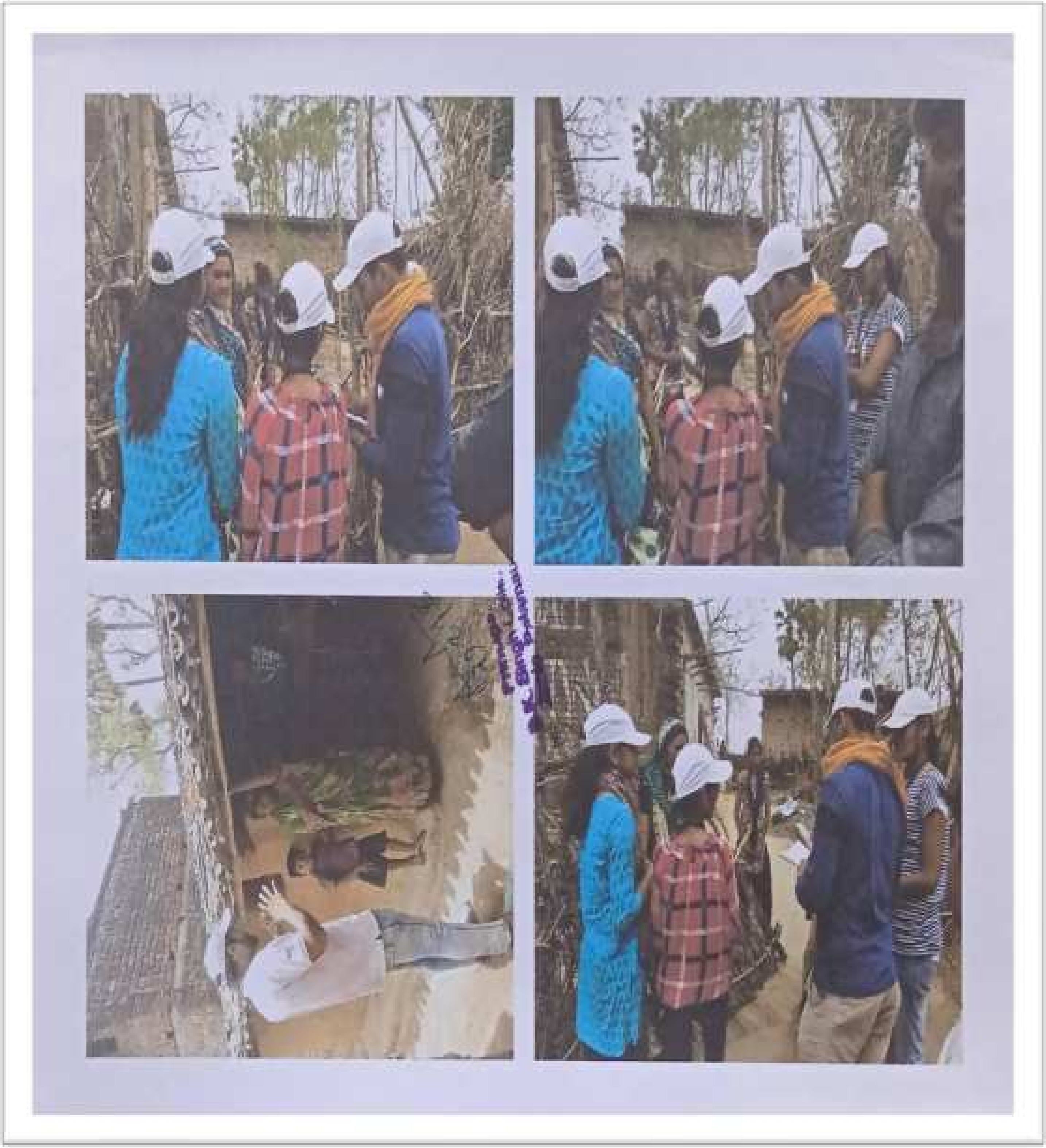

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

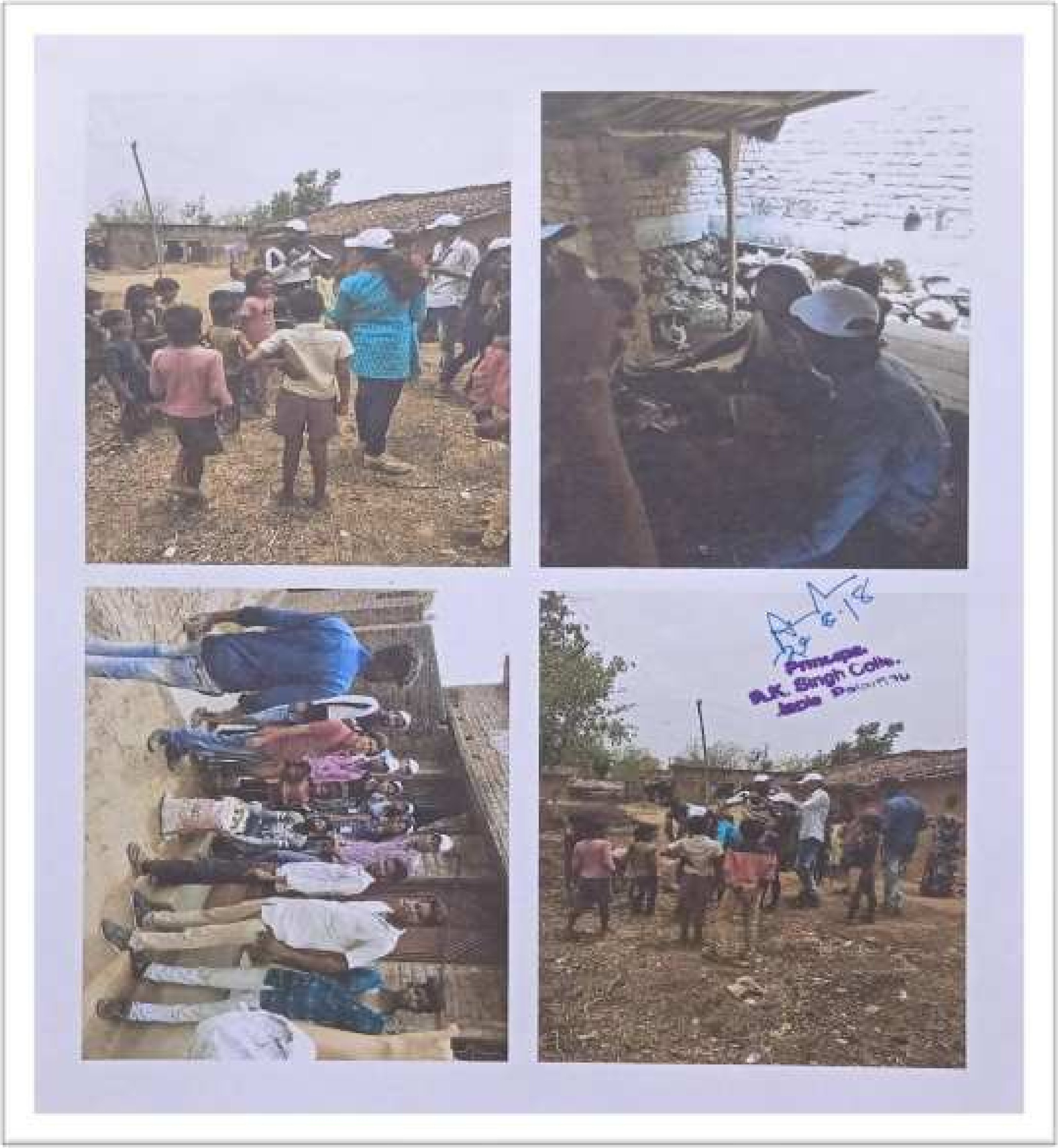

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-15/06/2018

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

देवरी पहाड़ी पर दिया स्वच्छता का संदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Door to Door Meeting (Sanitation/hygien/toiletusage/handwash) Date:-16/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Wall Painting Date:-16/06/2018

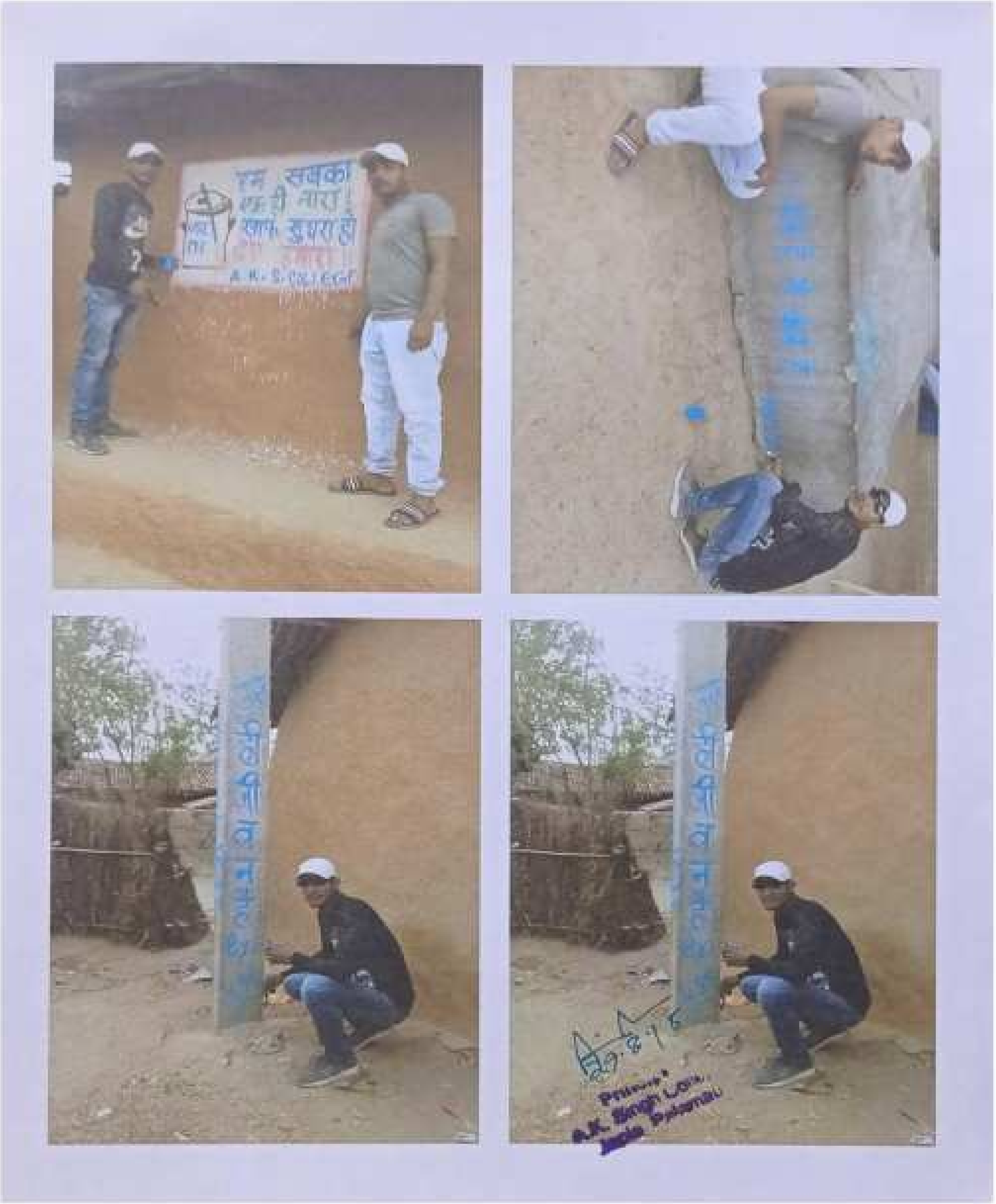

Wall Painting Date:-16/06/2018

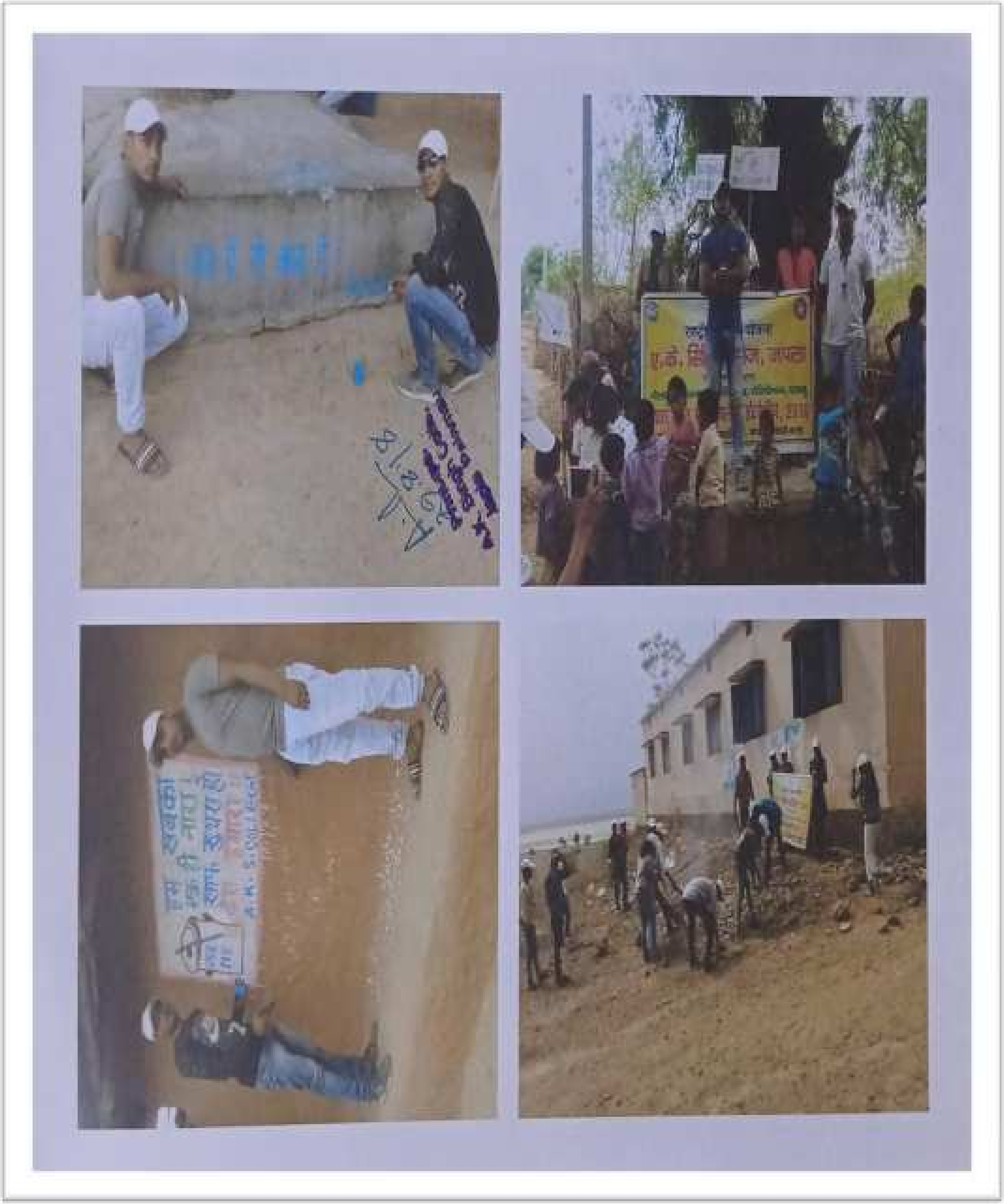

Wall Painting Date:-16/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-16/06/2018

Conducting villege Or School level Railles Date:-16/06/2018

Conducting villege Or School level Railles Date:-16/06/2018

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का स

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Awareness Campaings Date:-16/06/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का स

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को किया जागरूक

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रैली निकाली गयी

देवरी पहाड़ी में स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप शुरू

देवरी पहाड़ी पर दिया स्वच्छता का संदेश

3. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, निफ़्ट हटिया(रांची) :-

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-06/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-06/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-06/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-12/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-12/12/2018

NIFFT Dance comption Date:-08/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-08/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-08/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-06/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-11/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-12/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-12/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हटिया रांची Date:-12/12/2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सत्र 2019-2020

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	05.06.2019	विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण कार्यक्रम	05	07	01	13
2.	21.06.2019	महाविद्यालय परिसर मे योग शिविर का आयोजन	15	12	15	42
3.	21.06.2019-27.06.2019	बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर	05	05	01	11
4.	25.07.2019-27.07.2019	श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी	02	01	01	04
5.	04.09.2019	स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण मे राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका विषय पर बी एस कॉलेज, लातेहार मे संगोष्ठी	06	05	01	12
6.	19.09.2019	संतुलित आहार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम	12	13	05	30
7.	30.10.2019-	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर, ग्वालियर	00	01	00	01
8.	18.11.2019	मतदाता जागरूकता कार्यक्रम	09	06	01	16
9.	05.12.2019	अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे स्वयंसेवकों की सहभागिता	05	05	01	11
10.	12.01.2020-16.01.2020	23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ	09	06	01	16
11.	25.01.2020	महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस	10	12	10	32
12.	26.01.2020	गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय और अनुमंडलीय मैदान मे सार्वजनिक परेड का आयोजन	10	12	01	22

13.	08.02.2020	राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली	15	10	65	90
14.	10.02.2020	महाविद्यालय परिसर और गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर अलबेंडाजोल गोली खिलाया गया	40	45	70	155
15.	16.02.2020-22.02.2020	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर	01	00	00	01
16.	22.02.2020-28.02.2020	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु	02	01	00	03
17.	28.02.2020-05.03.2020	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, हजारीबाग	03	02	00	05
18.	08.03.2020	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी	20	16	10	46
19.	20.03.2020	महाविद्यालय के पोषक क्षेत्र कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूकता कार्यक्रम	08	10	02	20
20.	21.03.2020	जपला रेल्वे स्टेशन पर हेलपडेस्क लगाकर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर लोगों को जागरूक किया गया	10	12	02	24

3. बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर :-

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर Date:- 21/06/2019

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में मंचासीन पदाधिकारी मेडल के साथ

Date:- 22/06/20019

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर ग्रुप फोटो Date:- 23/06/2019

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में डेम घूमते हुये Date:- 23/06/2019

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में पदाधिकारियों के साथ ग्रुप फोटो
Date:- 24/06/2019

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में डेम घूमते हुये **Date:- 25/06/2019**

बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल मे राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में **Date:-27/06/2019**

4. श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वयंसेवको का सम्बोधन

Date:- 25/07/2019

श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वयंसेवको का सम्बोधन

Date:- 25/07/2019

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रत्योगता में भाग लेते स्वयंसेवको

Date:- 26/07/2019

श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आदित्यपुर(जमशेदपुर) मे राष्ट्रीय संगोष्ठी में योगा करते हुये

Date:- 27/07/2019

06.संतुलित आहार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

संतुलित आहार के पे स्वयं सेवको के साथ चर्चा करते हुये **Date:- 19/09/2019**

संतुलित आहार के पे स्वयं सेवको के साथ चर्चा करते हुये **Date:- 19/09/2019**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

संतुलित आहार के पे स्वयं सेवको के साथ चर्चा करते हुये **Date:- 19/09/2019**

संतुलित आहार के पे स्वयं सेवको के साथ चर्चा करते हुये **Date:- 19/09/2019**

8. मतदाता जागरूकता कार्यक्रम :-

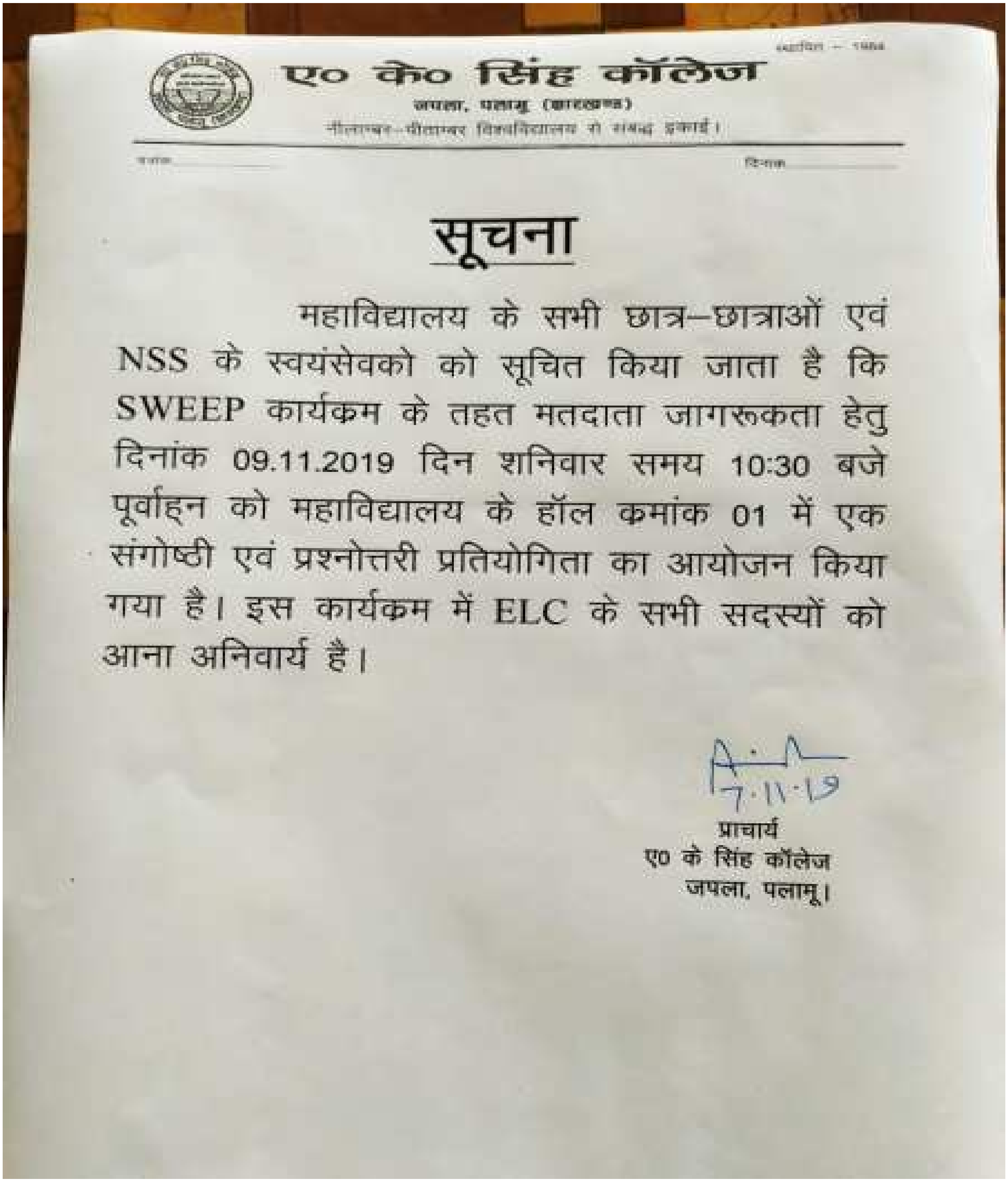

स्थापित – 1984

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू (झारखण्ड)

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय से संबद्ध इकाई।

पत्रांक .... दिनांक ....

सूचना

महाविद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं एवं NSS के स्वयंसेवको को सूचित किया जाता है कि SWEEP कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता हेतु दिनांक 09.11.2019 दिन शनिवार समय 10:30 बजे पूर्वाह्न को महाविद्यालय के हॉल क्रमांक 01 में एक संगोष्ठी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में ELC के सभी सदस्यों को आना अनिवार्य है।

7.11.19

प्राचार्य
ए० के सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर स्वयंसेवको द्वारा कार्यक्रम

Date:-18/11/2019

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के औसर पर स्वयंसेवक

Date:-18/11/2019

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस स्वयंसेवक **Date:-18/11/2019**

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सम्बोधित करते प्रचार्य महोदय

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस स्वयंसेवक **Date:-18/11/2019**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय मतदाता दिवस स्वयंसेवक **Date:-18/11/2019**

9. अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे स्वयंसेवकों की सहभागिता :-

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे स्वागत गीत गाते हुये

Date:-05/12/2019

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे painting बनाते हुये **Date:-05/12/2019**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे painting बनाते हुये **Date:-05/12/2019**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे painting बनाते हुये **Date:-05/12/2019**

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी मे QUES प्रत्योगिता में भाग लेते हुये स्वयंसेवक **Date:- 05/12/2019**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी पुरस्कार प्राप्त करते हुये **Date:-05/12/2019**

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर M K कॉलेज पाँकी पुरस्कार प्राप्त करते हुये **Date:-05/12/2019**

10. 23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ :-

लखनऊ केलिए स्वयंसेवको रवाना करते हुये कुलपति महोदय Date:-12/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ केलिए प्रस्थान करते हुये Date:-12/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ Date:-12/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुये **Date:-13/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुये **Date:-13/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुये **Date:-13/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुये **Date:-13/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुये Date:-13/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कु० सिंह

Date:-13/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ ग्रुप फोटो **Date:-14/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में कार्यक्रम **Date:-14/01/2020**

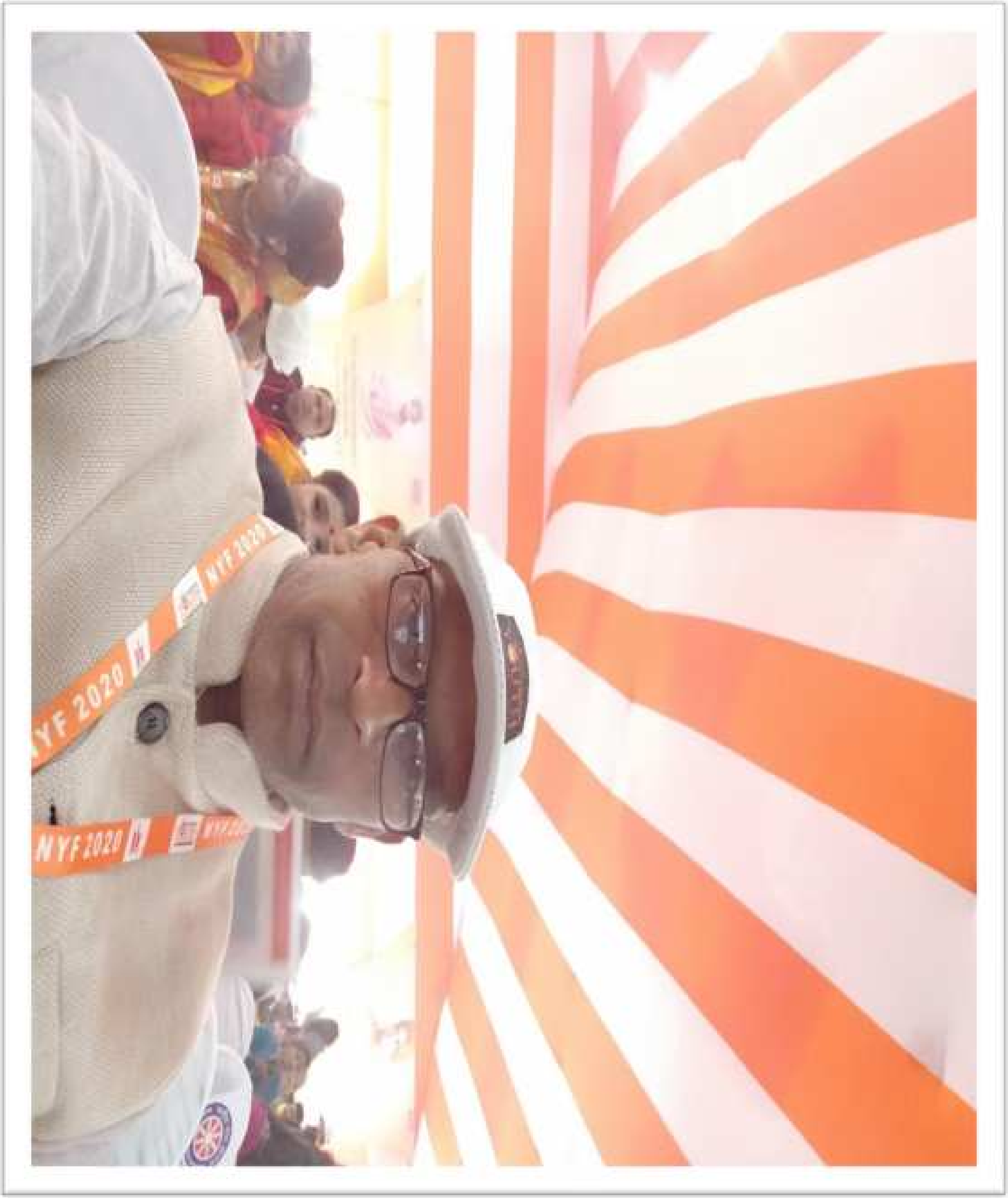
NYF 2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Video confencing With PM MODI**

Date:-14/01/2020

NYF 2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में C.M.आदित्य नाथ योगी जी

Date:-14/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **ग्रुप फोटो** **Date:-14/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Date:-14/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, में नृत्य प्रदर्शित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-15/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, में नृत्य प्रदर्शित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-15/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ ग्रुप फोटो **Date:-15/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये

Date:-15/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये **Date:- 15/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ 23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में झारखण्ड की टीम

Date:-15/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ 23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में झारखण्ड की टीम

Date:-15/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में झारखण्ड की टीम

Date:-15/01/2020

23 23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में झारखण्ड की टीम **Date:-15/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में झारखण्ड की टीम **Date:-15/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Date:-15/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Date:-15/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी चित्र प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये

Date:-15/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये

Date:-15/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में अपनी चित्र प्रतिभा प्रदर्शित करते हुये

Date:-15/01/2020

23
वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Date:-15/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ नाटक प्रशतुत करते हुये **Date:-15/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ नृत्य प्रशतुत करते हुये Date:-15/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ खाना खाते समय का चित्र

Date:-15/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ **Date:-15/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में पदाधिकारी **Date:-16/01/2020**

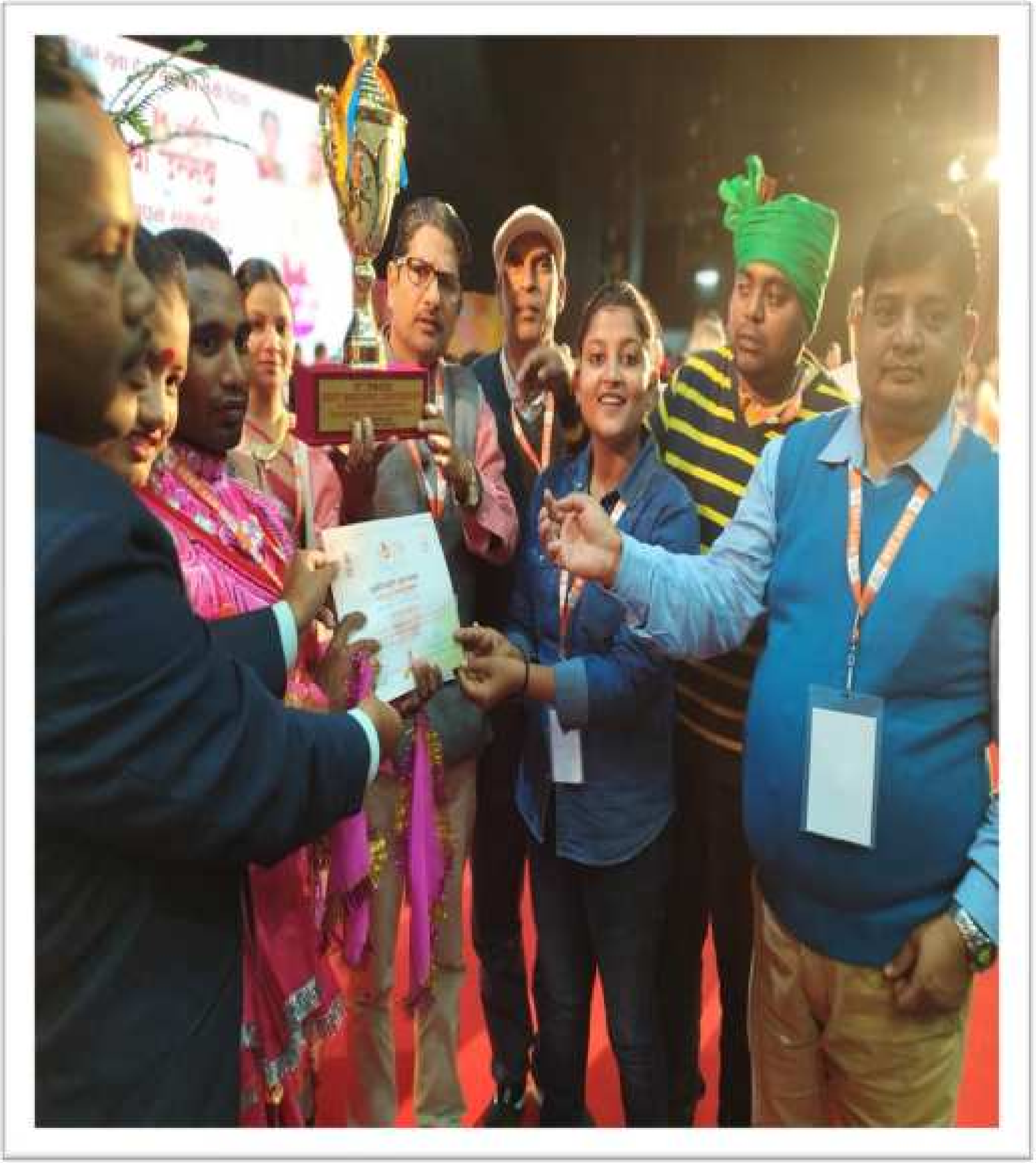

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ में पुरस्कार के साथ झारखण्ड की टीम

Date:-16/01/2020

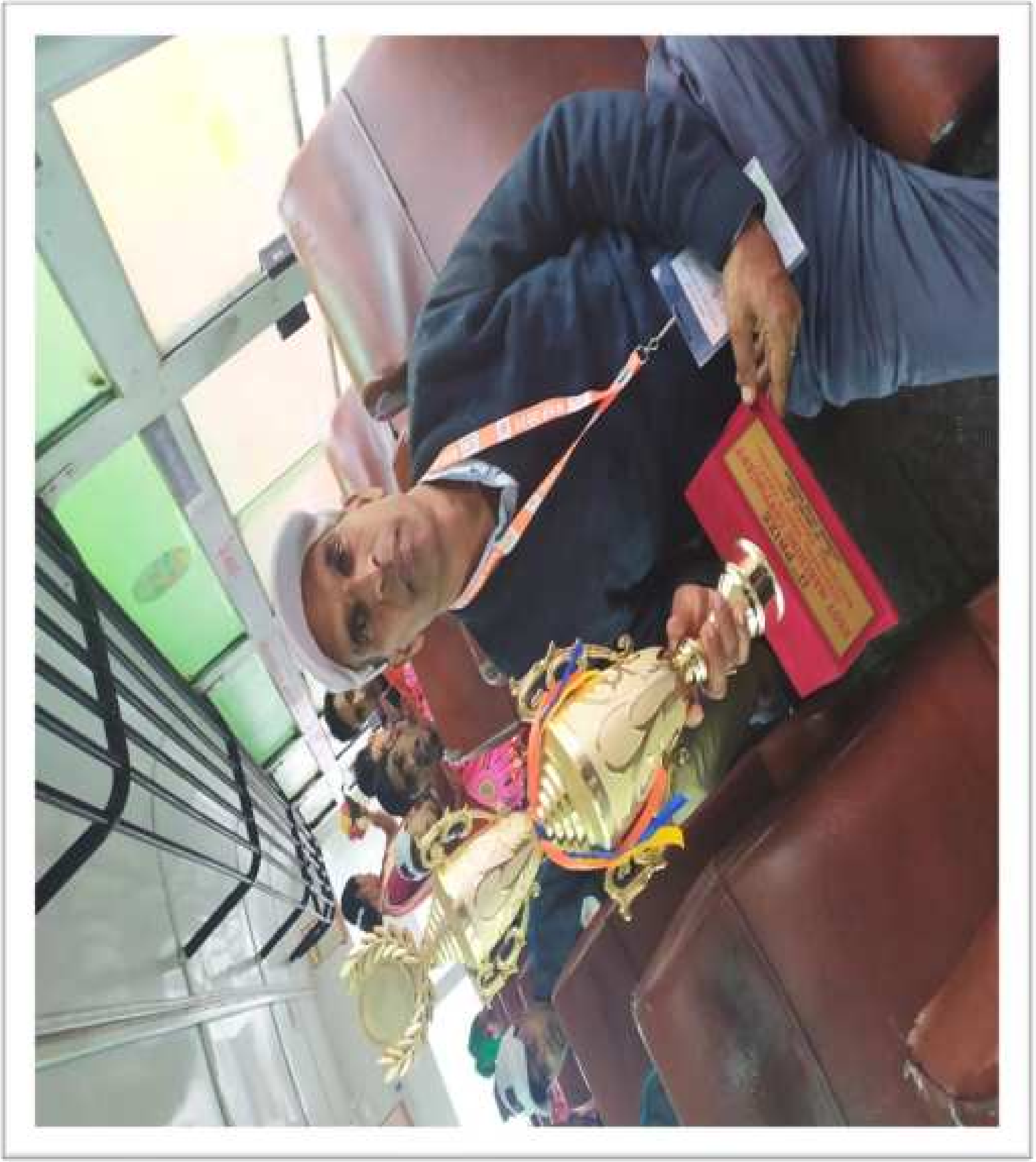

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ से पुरष्कार लेकर लौटते हुये

Date:-17/01/2020

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ से वापस लौटते हुये **Date:-17/01/2020**

23 वाँ राष्ट्रीय युवा उत्सव, लखनऊ से वापस लौटते हुये 23 वाँ राष्ट्रीय युवा उ

Date:-17/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

12. गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय और अनुमंडलीय मैदान मे सार्वजनिक परेड का आयोजन :-

Date:-26/01/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे उपस्थित छात्र एव स्वयंसेवक
Date:-26/01/2020

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक

Date:-26/01/2020

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक

Date:-26/01/2020

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक **Date:- 26/01/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक

Date:-26/01/2020

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक

Date:-26/01/2020

गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मैदान मे परेड करते हुये स्वयंसेवक

Date:-26/01/2020

13. राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली :-

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली Date:-08/02/2020

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति जागरूकता रैली **Date:-08/02/2020**

के आवेदन को पदाधिकारी को ओ श्री गुप्ता ने

बताया कि मसीहानी के पुनर्वास कॉलोनी के 09 दिव्यांगजनों ने समूह का गठन कर दुकान के लिए

जिला बन सकता है। उन्होंने कहा कि समूह के माध्यम से पीडीएस की दुकान चला कर दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनेंगे तो उनका मनोबल ऊंचा होगा।

कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने को लेकर जागरूकता रैली का आयोजन

कृमिनाशक दवा कुपोषण से बचाने की अचूक औषधि : विभूति कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडलीय अस्पताल, हुसैनाबाद व राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज, जपला के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी को सफल बनाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली को कालेज के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली एके सिंह कालेज जपला परिसर से प्रारंभ होकर देवरी पहाड़ी पर समाप्त हुई। मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विभूति कुमार गुप्ता ने कहा कि बच्चों में बढ़ते कुपोषण की रोकथाम, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से 10 फरवरी को कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 1 से 19 वर्ष के बच्चों व किशोरों को कृमि नाशक दवा खिलायी जाएगी। उन्होंने बताया कि कृमि नाशक दवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी व निजी विद्यालय के बच्चों के बीच कीड़े मारने की दवा एल्बेंडाजोल गोली निःशुल्क खिलायी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर अपने बच्चों को कृमि नाशक दवा जरूर खिलायें। उन्होंने बताया कि कृमि नाशक दवा बच्चों को कुपोषण के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की अचूक औषधि है। मौके पर एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार, सरोज कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

जागरूकता रैली में शामिल लोग।

12

14. महाविद्यालय परिसर और गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर अलबेंडा जोल गोली खिलाया गया :-

प्राचार्य द्वारा अलबेंडाजोल गोली खिलाया गया Date:-10/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्राचार्य द्वारा अलबेंडाजोल गोली खिलाया गया Date:-10/02/2020

प्राचार्य द्वारा अलबेंडाजोल गोली खिलाया गया Date:-10/02/2020

प्राचार्य द्वारा अलबेंडाजोल गोली खिलाया गया Date:-10/02/2020

15. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर :-

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर ग्रुप फोटो

Date:-16/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर में प्रमाण पत्र के साथ Date:-16/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर ग्रुप फोटो Date:-21/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

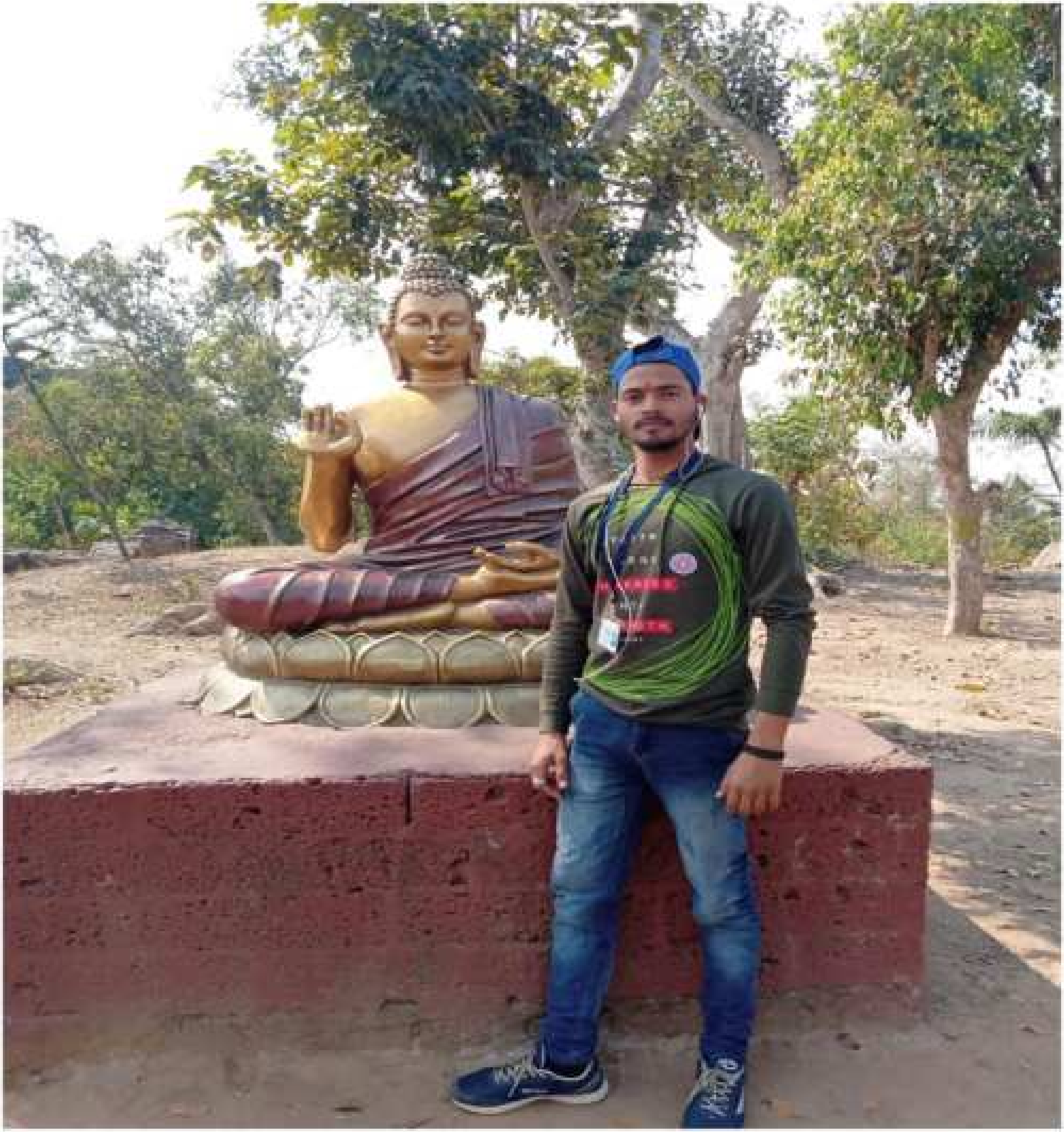

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर में सोनू कुमार सिंह Date:-16/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर में अपने टीम लीडर के साथ सोनू कुमार सिंह Date:-22/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर Date:-17/02/2020

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर कार्यक्रम प्रशतुत करने के पूर्व

Date:-17/02/2020

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, भुवनेश्वर में योग करते हुये Date:-18/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

16. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु :-

जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु में पुरस्कार प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक

Date:-25/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु में पुरस्कार प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक

Date:-25/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु में पुरस्कार प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक

Date:-25/02/2020

जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु में नाटक प्रस्तुत करते हुये Date:- 23/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NIC, जम्मु का सामूहिक दृष्य Date:-25/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NIC, जम्मु में अपनी कला प्रस्तुत करते हुये सरस्वती रंजन
Date:-23/02/2020

NIC, जम्मु में पेंटिंग प्रतयोगिता में द्वितयी पुरस्कार

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NIC, जम्मु में ग्रुप फोटो Date:-20/02/2020

NIC, जम्मु में पेंटिंग करते सरस्वती रंजन Date:-25/02/2020

रैली से छोड़ी संस्कृति की छाप

पाकिस्तान पर चर्चा करें प्रधानमंत्री

NOTICE

NOTICE

NOTICE

I VARINDER SINGH THAKUR S/O BABU RAM THAKUR R/O PRE... HTA TEH BASOHLI DIST KATHUA JK LOST MY DRIVING LICENCE NO JK0820160004964 AND NOW I AM GOING TO APPLY FOR DUPLICATE AT RTO OFFICE LAKHANPUR OBJECTION IF ANY MAY CONTACT CONCERNED AUTHORITY OR CONTACT 7298840484.

17. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, हजारीबाग

कार्य क्रम में भाग लिए हुये प्रतिभागी **Date:-29/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

1

ग्रुप फोटो Date:-29/02/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

1

रसा कशी खेल में भाग लेते स्वयंसेवक **Date:-30/02/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

नाटक में भाग लेते हुये स्वयंसेवक **Date:-29/02/2020**

हजारीबाग

विभावि में चल रहे एनएसएस के राष्ट्रीय एकता शिविर के तहत स्वयंसेवकों ने परिसर को प्लास्टिक मुक्त करने का प्रयास किया

विभावि में एनएसएस छात्रों की प्रस्तुतियों में राज्यों की सांस्कृतिक विरासत हुई जीवंत

शिविर • एनएसएस का सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन सांस्कृतिक शोभा यात्रा निकाली गई

विभावि ने दिखाई राष्ट्रीय एकता की झलक

भास्कर न्यूज | हजारीबाग

विभावि में एनएसएस का सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन शहरवासियों को राष्ट्रीय एकता की झलक दिखलाई गई। विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपने पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर शहर का भ्रमण किया। सांस्कृतिक शोभा यात्रा विश्वविद्यालय परिसर से निकली। झील, इंद्रपुरी होते हुए यात्रा केबी महिला कॉलेज के पास पहुंची। वहीं शिविर का प्रारंभ योग ध्यान के साथ शुरू हुआ। इसके बाद विभिन्न प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों ने शोभा यात्रा में भाग लिया। शोभा यात्रा को पटना के क्षेत्रीय निदेशालय के निदेशक विनय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस क्रम में स्वयंसेवकों का उत्साह, जोश देखते बन रहा था। राष्ट्रीय एकता के नारों में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्लास्टिक मुक्त शहर, शिक्षित समाज, जल संरक्षण, स्वस्थ भारत आदि के गगनभेदी नारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। इस कार्यक्रम में विभावि के रजिस्ट्रार डॉ बंशीधर रुखैयार ने एक भारत श्रेष्ठ भारत पर अपने विचार स्वयं सेवकों के बीच रखा। वहीं सभी प्रदेशों से आए स्वयंसेवकों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था डिजिटलाइजेशन हमारे समाज के लिए बेहतर है? जिसमें निर्णायक की भूमिका में डॉ. यमुना प्रसाद, डॉ टीके शुक्ला, डॉ. विनोद रंजन थे। जबकि कई राज्यों से आए प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. अंजना वर्मा, डॉ. प्रतिभा कुजूर, डॉ. मारोट लकड़ा के अलावा शिविर निदेशक डॉ. जानी रूपोना(?) तिर्की मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शोभा यात्रा में शामिल विभिन्न राज्य के विद्यार्थी।

18. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी :-

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी **Date:-08/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये स्वयंसेवक **Date:- 08/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर

Date:-08/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर

Date:-08/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये

Date:-08/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर

Date:-08/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर

Date:-08/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुये प्रोफेसर

Date:-08/03/2020

19. महाविद्यालय के पोषक क्षेत्र कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूकता कार्यक्रम

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

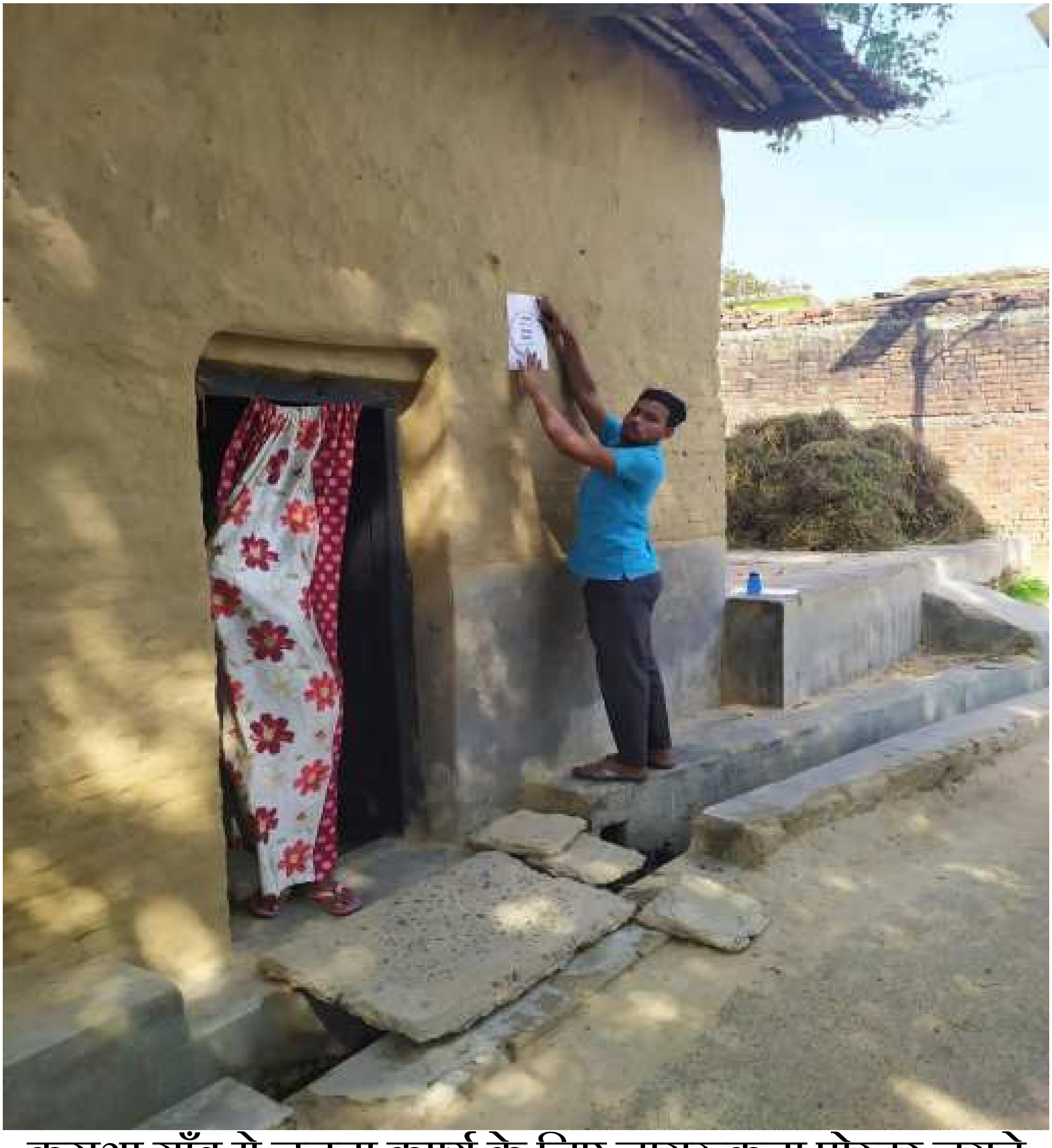

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूकता पोस्टर लगते स्वयंसेवक **Date:-20/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कुसुआ गाँव मे जनता कर्फ्यू के लिए जागरूक करते हुये स्वयंसेवक

Date:-20/03/2020

जपला रेल्वे स्टेशन पर हेलपडेस्क लगाकर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर लोगों को जागरूक किया गया

जपला स्टेशन पर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर जागरूक करते हुये कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह **Date:-21/03/2020**

जपला स्टेशन पर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर जागरूक करते हुये स्वयंसेवक **Date:-21/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

जपला स्टेशन पर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर जागरूक करते हुये स्वयंसेवक **Date:-21/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

जपला स्टेशन पर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर जागरूक करते हुये स्वयंसेवक **Date:-21/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

जपला स्टेशन पर जनता कर्फ्यू के लिए पर्ची देकर जागरूक करते हुये स्वयंसेवक **Date:-21/03/2020**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सत्र 2020-21

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	07.04.2020	गोद लिये हुए गाँव पहाड़ी पर मे कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक के द्वारा कोविड-19 कासर्वेक्षण	01	00	01	02
2.	10.04.2020	गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर डी.डी. टी. का छिड़काओ	02	00	01	03
3.	23.04.2020	प्रखण्ड मुख्यालय हुसैनाबाद मे कोरोना वॉरियर्स के रूप मे स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	14	08	01	23
4.	07.05.2020-10.05.2020	गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर स्वयंसेवकों के द्वारा साबून एवं मास्क का वितरण	22	15	02	39
5.	07.09.2020	महुराम मैदान मे फिट इंडीया के अंतरगर्त कार्यक्रम	15	12	02	29
6.	08.09.2020	फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत योग एवं सूर्य नमस्कार स्वयंसेवकों के द्वारा किया गया	05	03	01	09
7.	13.09.2020	ऑनलाइन विश्वविद्यालय स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता	06	07	01	14
8.	15.09.2020	नामांकित स्वयंसेवकों का ओरीएन्टेशन प्रोग्राम	18	07	03	28
9.	28.09.2020	महाविद्यालय परिसर मे मुख्य परीक्षा मे स्वयंसेवकों के द्वारा कोविड -19 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम	15	02	01	18
10.	02.10.2020	फिट इंडिया समापन कार्यक्रम	16	15	01	32
11.	04.11.2020	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड, आगरा मे जाने हेतु विश्वविद्यालय मे स्वयंसेवकों का चयन प्रक्रिया	04	04	01	09
12.	25.11.2020-04.11.2020	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड कैम्प, आगरा	01	01	00	02
13.	17.12.2020	महाविद्यालय मे रक्तदान शिविर का आयोजन	04	00	02	06
14.	12.01.2021	स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी	20	15	10	45

15.	23.01.2021	नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई पराक्रम दिवस के रूप मे	15	12	05	32
16.	25.01.2021	राष्ट्रीय मतदाता दिवस	16	17	10	43
17.	26.01.2021	महाविद्यालय मे एन एस एस परेड	13	08	01	22
18.	04.02.2021	विश्व कैंसर दिवस	10	08	05	23
19.	08.03.2021-10.03.2021	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर NSS एवं IQSC के संयुक्त तत्वाधान मे वाद – विवाद प्रतियोगिता	25	45	05	75

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

1. गोद लिये हुए गाँव पहाड़ी पर मे कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक के द्वारा कोविड-19 का सर्वेक्षण :-

कोविड के बारे मे चर्चा करते हुए। Date:- 07/04/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कोविड के बारे मे ग्रमीन से चर्चा करते हुए | Date:- 07/04/2020

कोविड के बारे मे ग्रमीन से चर्चा करतेहुए | **Date:- 07/04/2020**

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस को लेकर लोगों को किया जागरूक

संवाददाता

हुसैनाबाद:एनएसएस इकाई ए के सिंह कॉलेज हुसैनाबाद के द्वारा गोद लिए हुए पहाड़ी पर गांव में कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस से संबंधित बचाव के लिये सोषल डिस्टेंष का पालन करते हुये अपने-अपने घर में रहने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी गांव कोरोना से बिल्कुल सुरक्षित है। फिर भी वहां पर आम लोगों को सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार दिन भर में कम से कम पांच छः बार डिटाल-साबुन से हाथ धोने, घर में स्वच्छता के लिए ब्लीचिंग पावडर का उपयोग करने, अनावश्यक घर से बाहर न निकलने आदि विषयों को लेकर जागरुक किया। उन्होंने अनुमंडलीय अस्पताल जपला में सम्पर्क स्थापित कर ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराने की बात कही। ब्लीचिंग पाउडर मिलने के बाद छोटा-छोटा पैकेट बनाकर एक एक डिटाल साबुन गोद लिए हुए गांव के प्रत्येक घरों में देने की बात कही। मौके पर एसएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी राजेष कुमार सिंह, स्वयंसेवक रविरंजन कुमार सिंह सहित कई लोग जागरुकता अभियान में षामिल थे।

कोरोना वायरस को लेकर लोगों को किया जागरूक

संवाददाता

हुसैनाबाद। एनएसएस इकाई एके सिंह कॉलेज हुसैनाबाद के द्वारा गोद लिए हुए पहाड़ी पर गांव में कोरोना वायरस को लेकर जागरुकता अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस से संबंधित बचाव के लिये सोषल डिस्टेंस का पालन करते हुये अपने-अपने घर में रहने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी गांव कोरोना से बिल्कुल सुरक्षित है। फिर भी वहां पर आम लोगों को सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार दिन भर में कम से कम पांच छः बार डिटाल-साबुन से हाथ धोने, घर में स्वच्छता के लिए ब्लीचिंग पावडर का उपयोग करने, अनावश्यक घर से बाहर न निकलने आदि विषयों को लेकर जागरुक किया। उन्होंने अनुमंडलीय अस्पताल जपला में सम्पर्क स्थापित कर ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराने की बात कही। ब्लीचिंग पाउडर मिलने के बाद छोटा-छोटा पैकेट बनाकर एक एक डिटॉल साबुन गोद लिए हुए गांव के प्रत्येक घरों में देने की बात कही। मौके पर एसएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह, स्वयंसेवक रविरंजन कुमार सिंह सहित कई लोग जागरुकता अभियान में शामिल थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस को लेकर लोगों को किया जागरुक

हुसैनाबादः एनएसएस इकाई ए के सिंह कॉलेज हुसैनाबाद के द्वारा गोद लिए हुए पहाड़ी पर गांव में कोरोना वायरस को लेकर जागरुकता अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने कोरोना वायरस से संबंधित बचाव के लिये सोषल डिस्टेंष का पालन करते हुये अपने-अपने घर में रहने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी गांव कोरोना से बिल्कुल सुरक्षित है। फिर भी वहां पर आम लोगों को सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार दिन भर में कम से कम पांच छः बार डिटाल-साबुन से हाथ धोने, घर में स्वच्छता के लिए ब्लीचिंग पावडर का उपयोग करने, अनावश्यक घर से बाहर न निकलने आदि विषयों को लेकर जागरुक किया। उन्होंने अनुमंडलीय अस्पताल जपला में सम्पर्क स्थापित कर ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराने की बात कही। ब्लीचिंग पाउडर मिलने के बाद छोटा-छोटा पैकेट बनाकर एक एक डिटाल साबुन गोद लिए हुए गांव के प्रत्येक घरों में देने की बात कही। मौके पर एसएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी राजेष कुमार सिंह, स्वयंसेवक रविरंजन कुमार सिंह सहित कई लोग जागरुकता अभियान में शामिल थे।

2. गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर डी.डी. टी.का छिड़काव:-

- आज दिनांक 10/04/2020 को एन एस एस ए के सिंह कॉलेज इकाई के द्वारा गोद लिए गए पहाड़ी पर गांव में स्वयंसेवकों के द्वारा कोरोना वायरस Covid 19 से बचाव हेतु गांव के प्रत्येक घरों के बाहर एवं प्रत्येक गली,चांपा कल, कुआं, शौचालयों इत्यादि जगहों पर ब्लीचिंग पाउडर का घोल बनाकर छिड़काव किया गया। यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवक रविरंजन कुमार सिंह एवं उज्वल विश्वकर्मा ने इस कार्य को बखुबी सम्पन्न किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के इस कार्य को गांव के लोगों ने सराहा एवं प्रशंसा किया। रामाधार राम, राम प्रवेश राम, नागेश्वर राम, मनोज राम ,भीमल राम,विगन राम, रामलाल पासवान, जीतू राम,संजय राम , रामजी राम सहित कई ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के इस कार्य को समाज सेवा के प्रति लगन एवं दृढ संकल्प बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गोद लिए गए पहाड़ी पर गांव मे स्वयंसेवको के द्वरा छिड़काव किया गया।

Date:- 10/04/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गोद लिए गए पहाड़ी पर गांव मे स्वयंसेवको के द्वरा छिड़काव किया गया। **Date:- 10/04/2020**

गोद लिए गए पहाड़ी पर गांव मे स्वयंसेवको के द्वरा छिड़काव किया गया।

Date:- 10/04/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गोद लिए गए पहाड़ी पर गांव मे स्वयंसेवको के द्वरा छिड़काव किाया गया। Date:- 10/04/2020

3. प्रखण्ड मुख्यालय हुसैनाबाद मे कोरोना वॉरियर्स के रूप मे स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण :-

कोविड का प्रशिक्षणलेतेहुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा।Date:- 23/04/2020

कोविड का प्रशिक्षण लेते हुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा । Date:- 23/04/2020

कोविड का प्रशिक्षण लेत`हुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा । Date:- 23/04/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कोविड का प्रशिक्षण लेते हुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा । Date:- 23/04/2020

कोविड का प्रशिक्षण लेत`हुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा । Date:- 23/04/2020

कोविड का प्रशिक्षणलेतेहुए एन.एस.एस.स्वयंसवको द्वारा । Date:- 23/04/2020

4. गोद लिए हुए गाँव पहाड़ी पर स्वयंसेवकों के द्वारा साबून एवं मास्क का वितरण :-

❖ **ग्रुप -A**

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एवं स्वनिमि ित मास्क का वितरण किया गया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एवं स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एवं स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया । Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एव स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एवं स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एव स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारा साबुन एव स्वनिर्मित मास्क का वितरण किया गया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया । Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया । Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया । Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

❖ ग्रुप -B

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वाराहरगांवजाकरसाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

कोविड मे स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

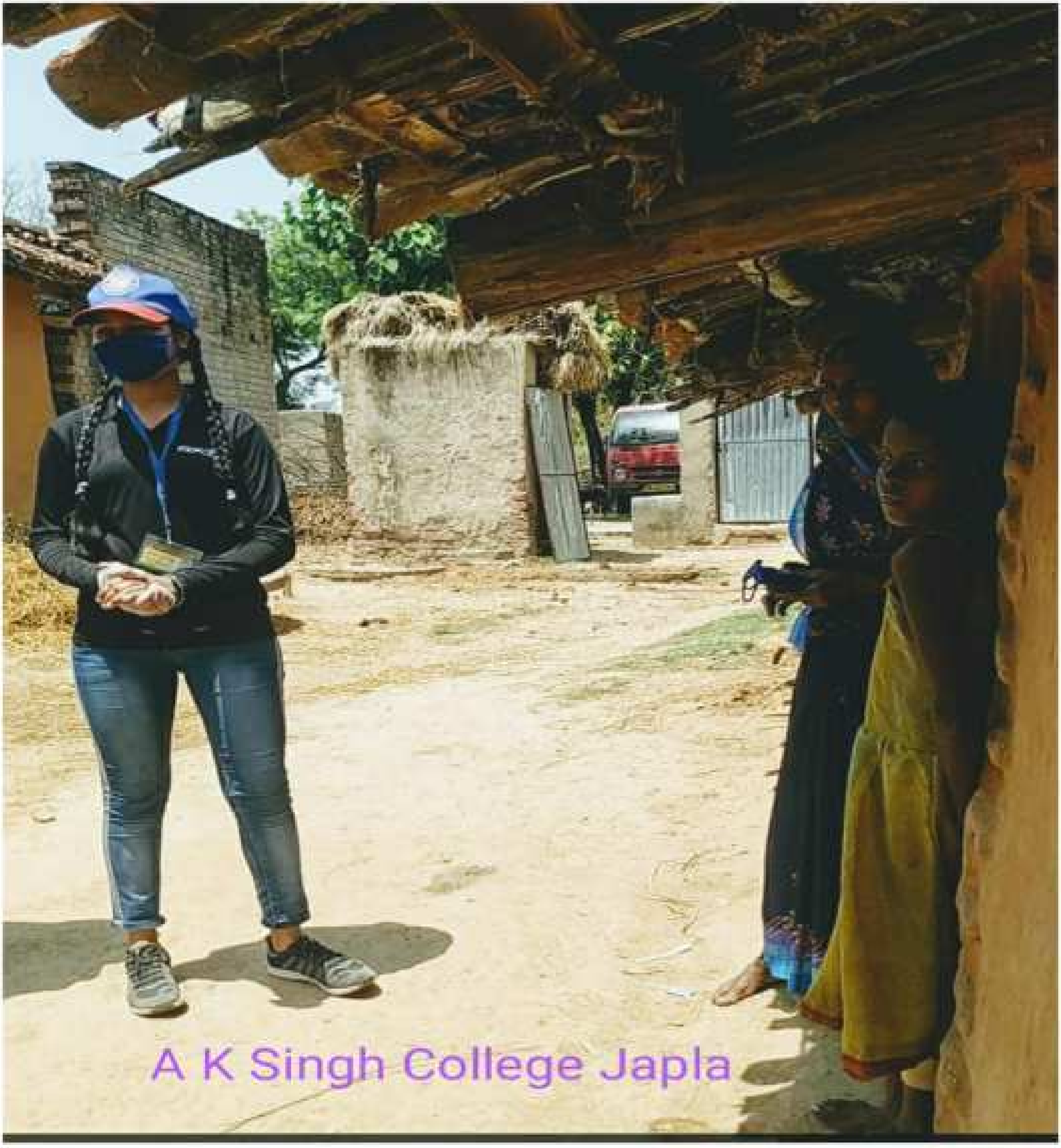

कोविड मे साबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

कोविड मे स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

हरगांव मे स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

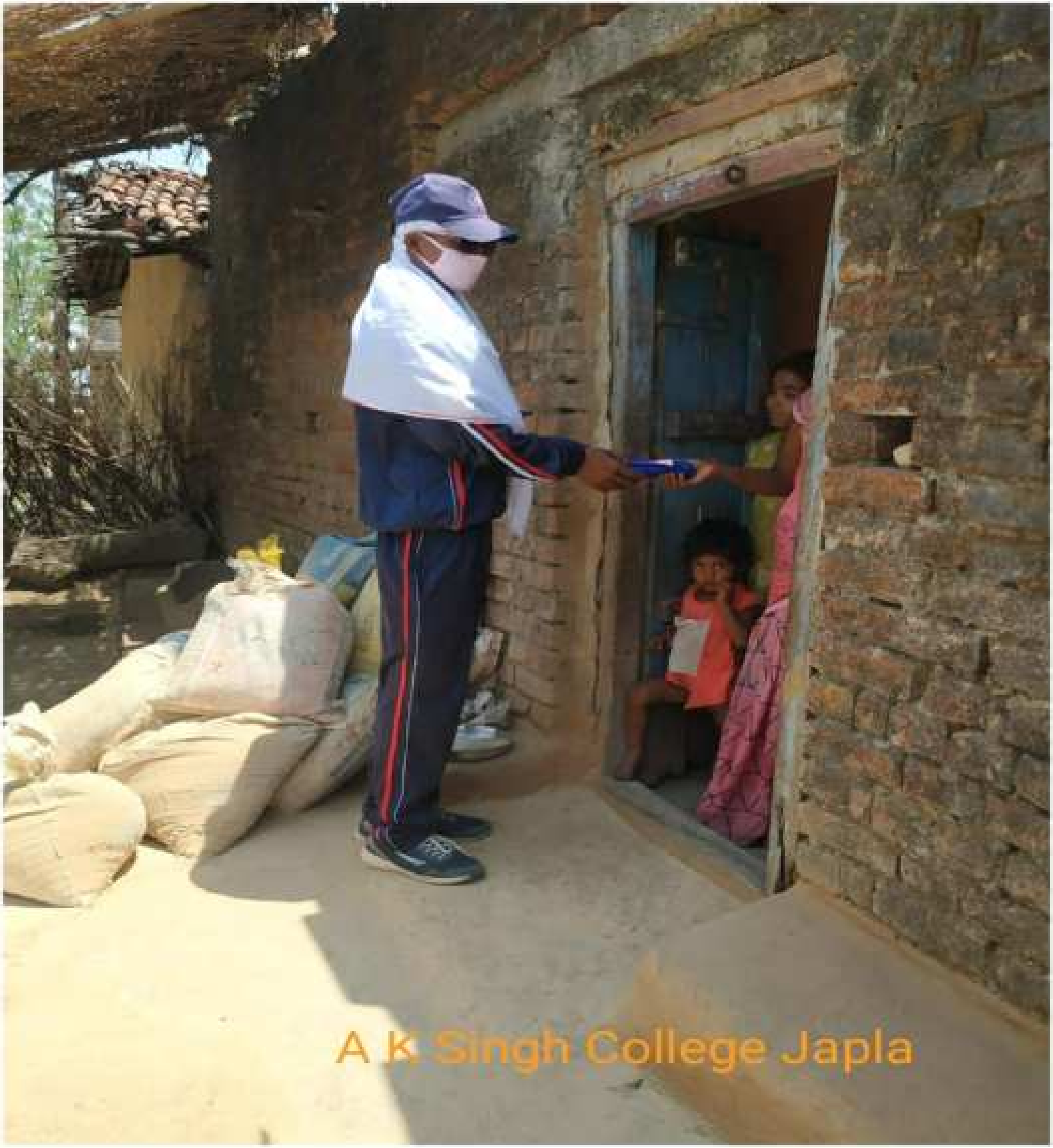

स्वयंसेवको के द्वाराहरगांव मे जाकरसाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

कोविड मे जाकरहरगांव मे साबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

हरगांवकोविड मे जाकरसाबुन एवंमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

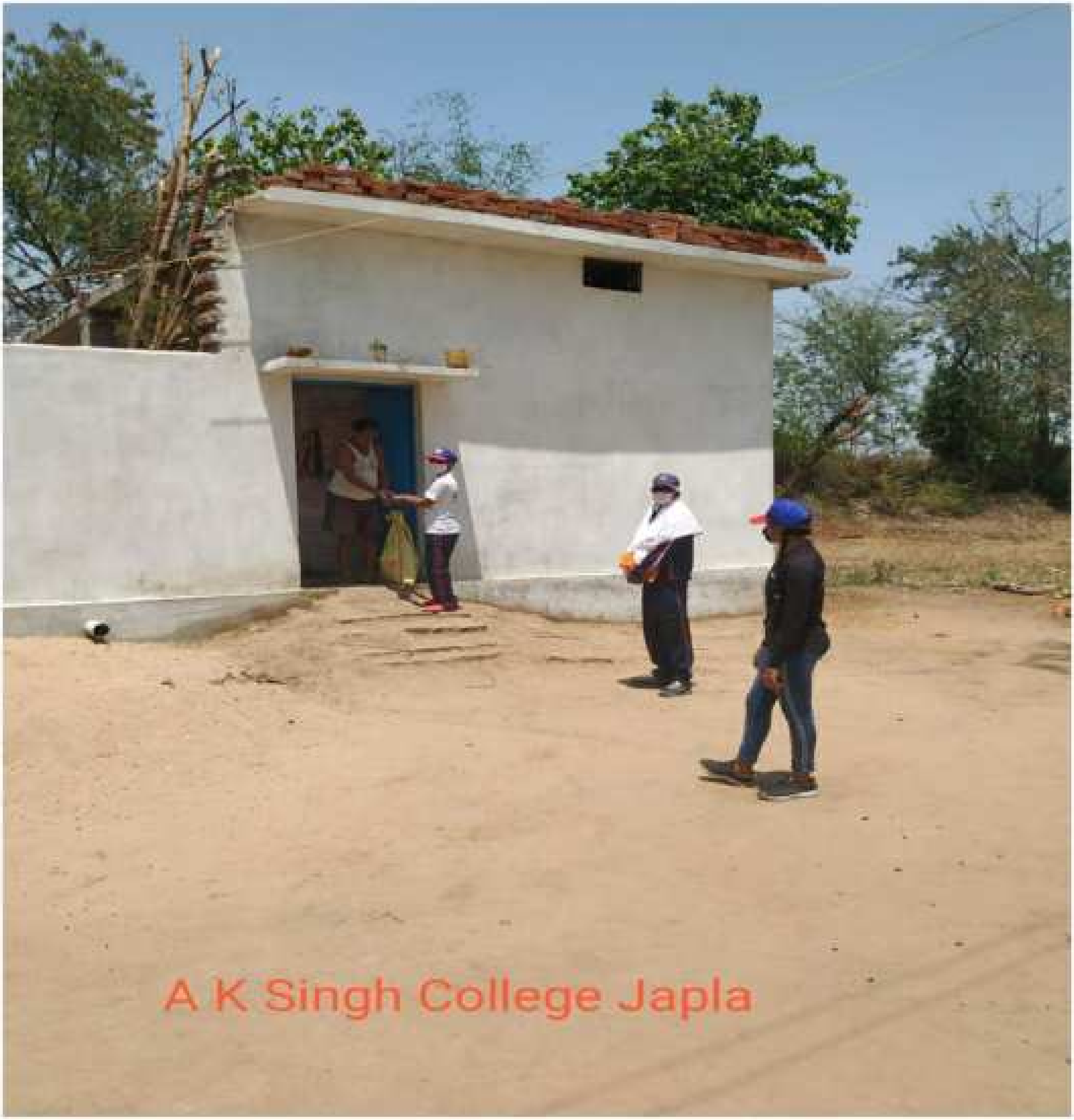

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

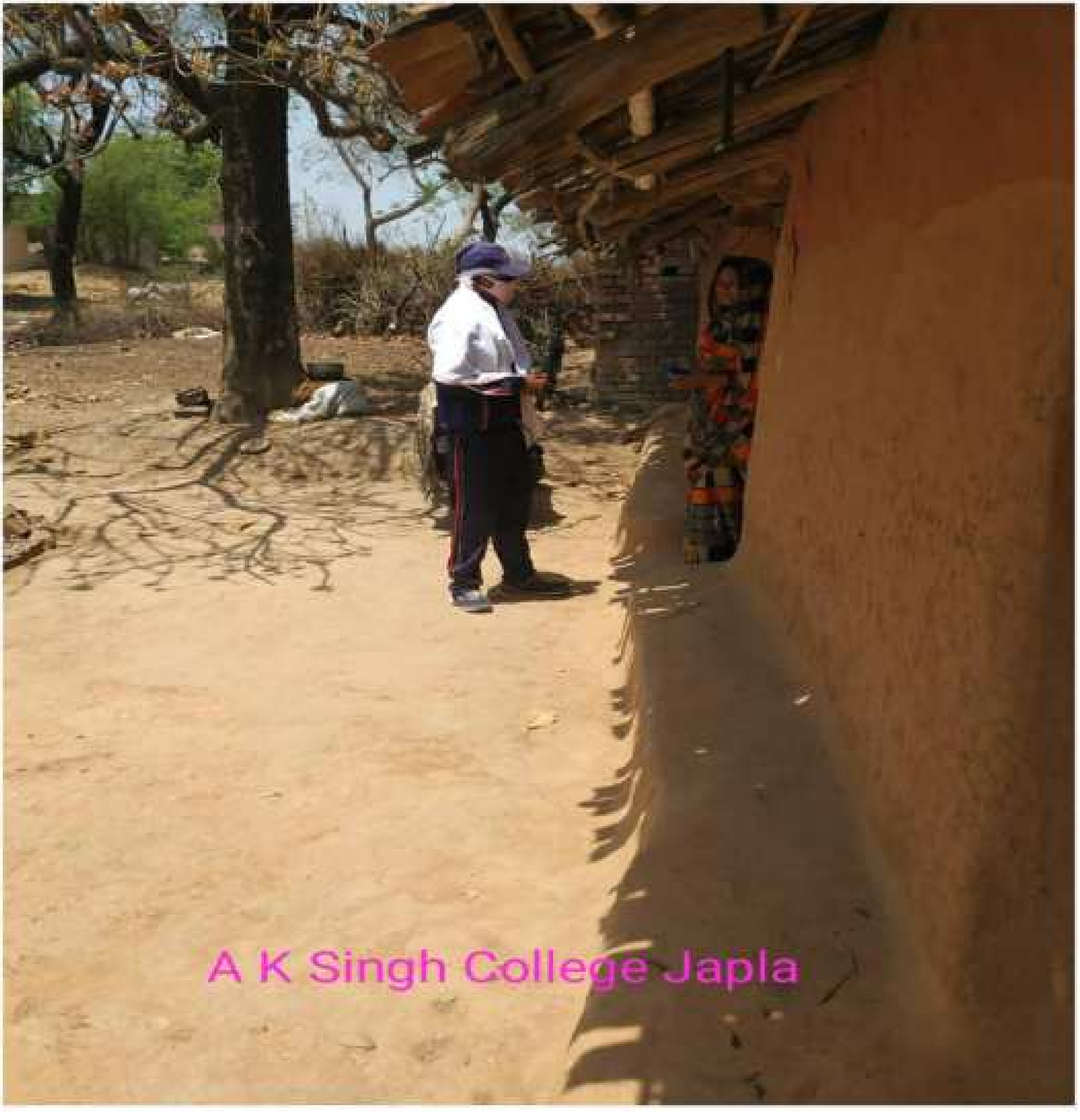

हरगांव मे स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

❖ ग्रुप –C

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

कोविड मे हरगांव मे स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

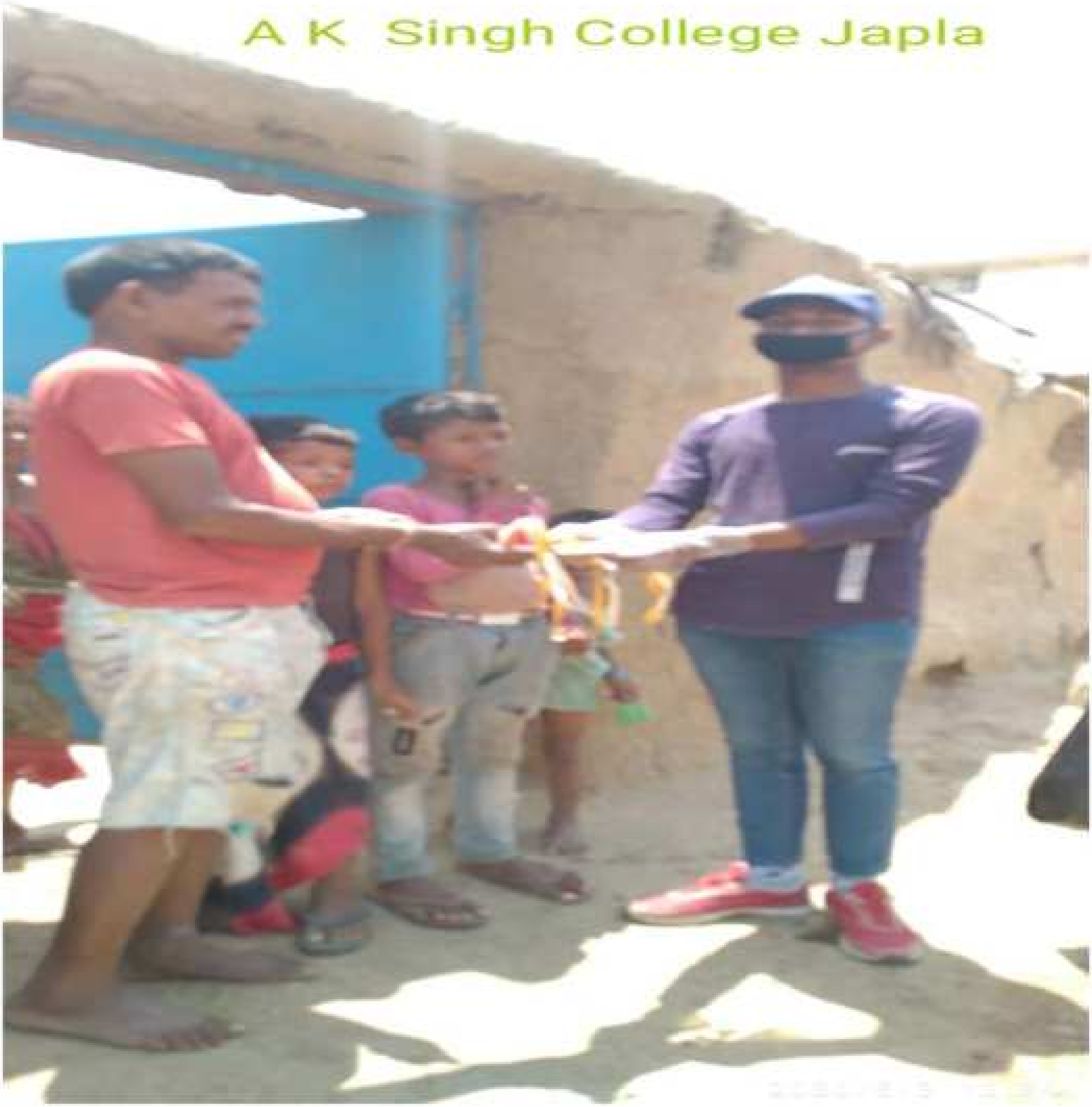

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

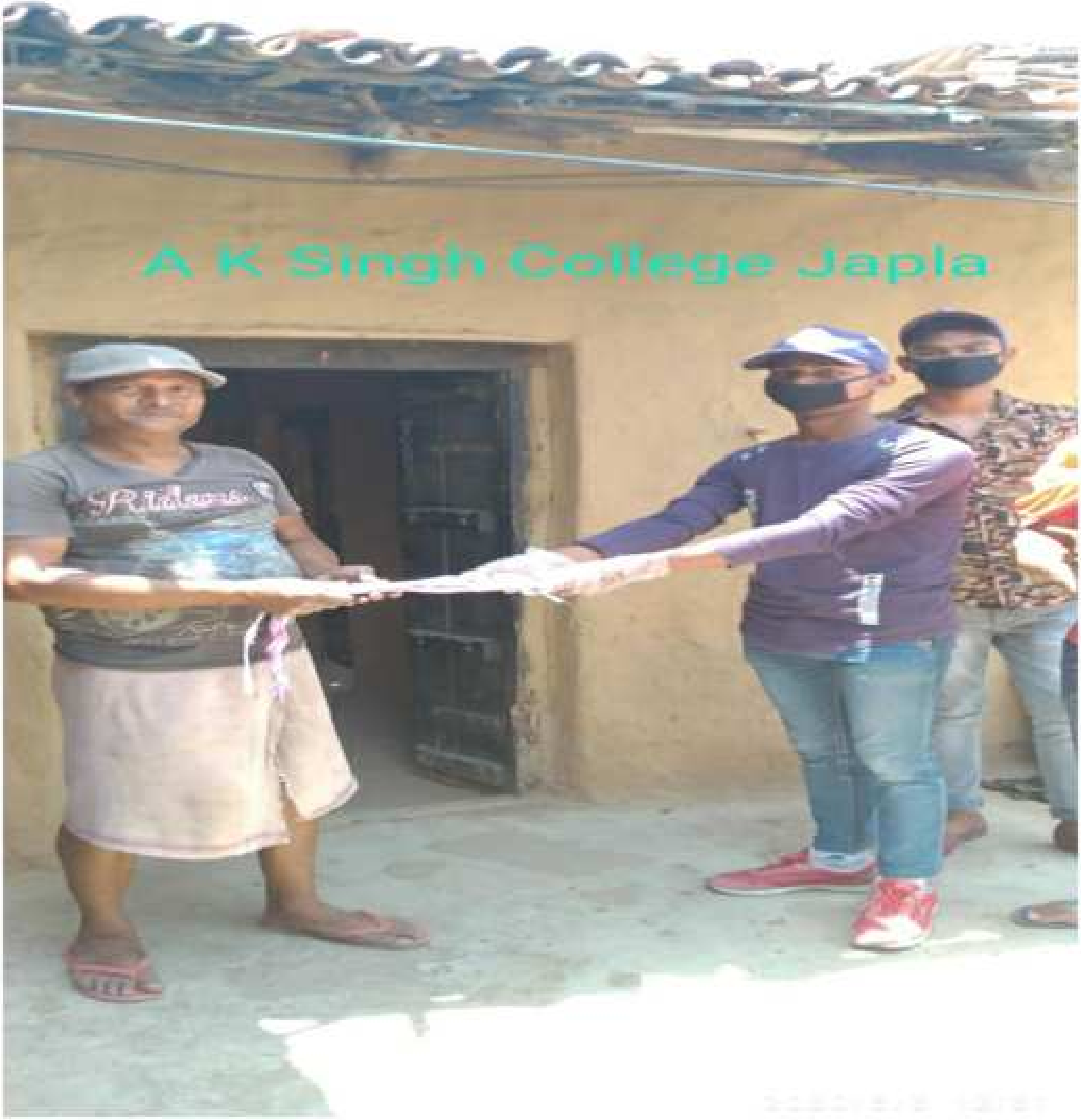

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

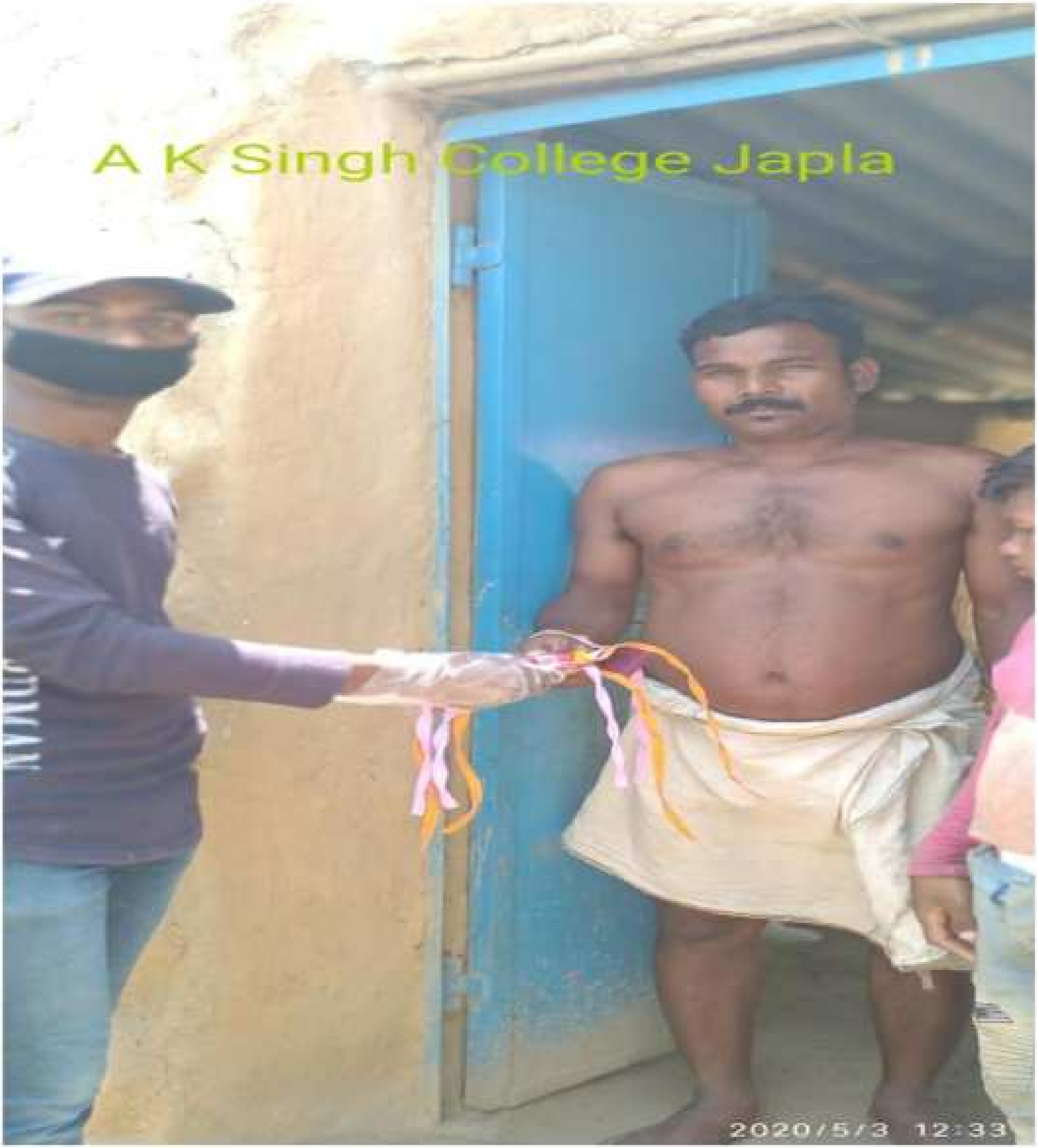

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

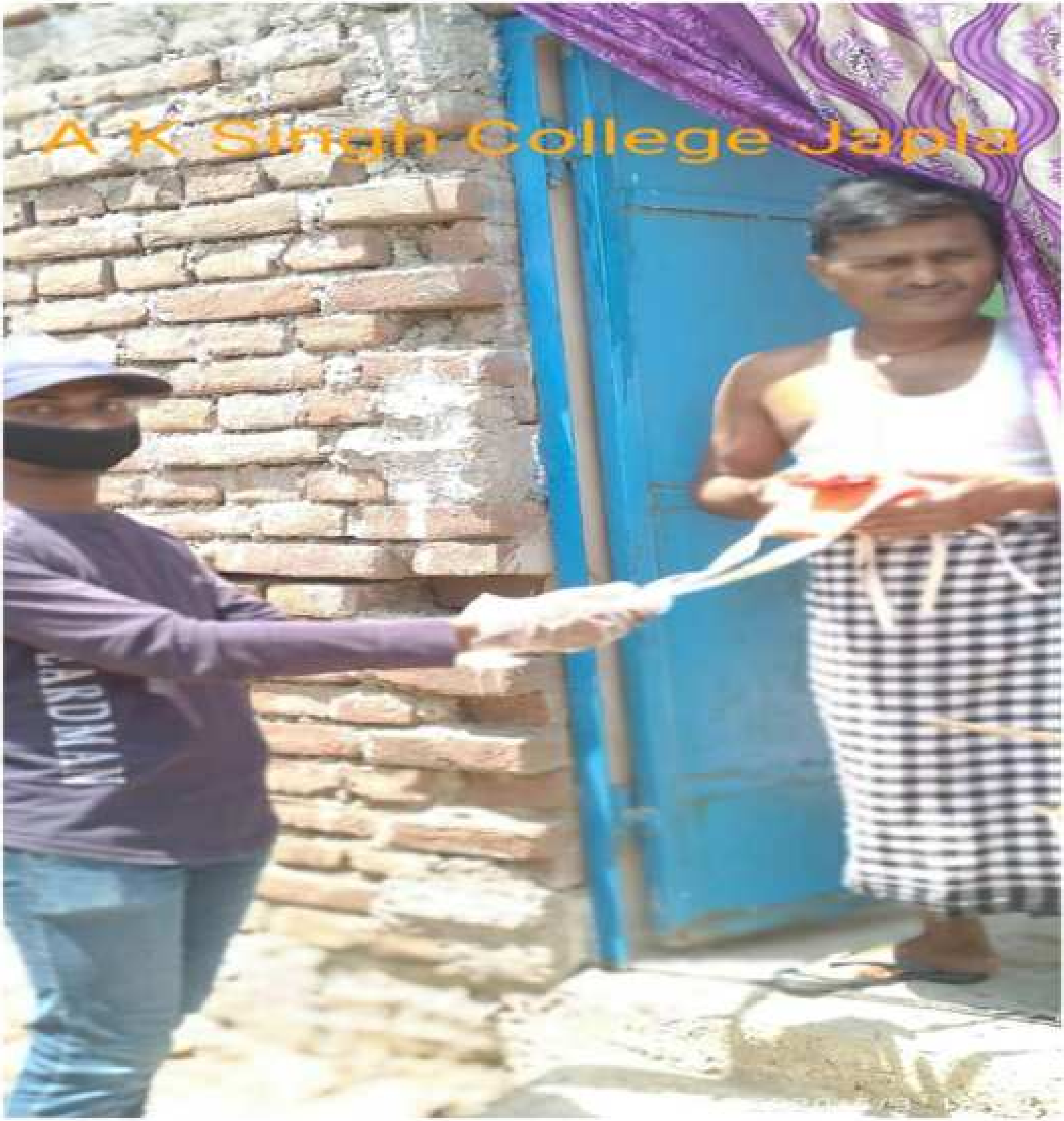

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्कपहनातेहुए ।

❖ ग्रुप -D

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।

Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको के द्वारासाबुन एवंस्वनिर्मितमास्क का वितरणकियागया ।
Date:- 07/05/2020 to 10/5/2020

एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण

जागरूक करते स्वयंसेवक

हुसैनाबाद, 4 मई (थर्ड आई) : ए.के. सिंह कॉलेज जपला इकाई के ए न ए स ए स स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ीपर (देवरी कला पंचायत) में स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। स्वयंसेवकों ने जहां चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण किया, वहीं गांव के प्रत्येक घरों में जाकर कोरोना वायरस (कोविड–19) के प्रति सजग एवं सतर्क रहने के लिए लोगों को जागरूक भी किया।

ग्रुप लीडर रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने 20– 20 घरों का संघ बनाकर कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के सही तरीके, युवाओं को आरोग्य सेतु एप्स की जानकारी, सामाजिक दूरी बनाए रखने, घर पर रहने की सलाह इत्यादि के बारे में जानकारी दी।

चारों ग्रुपों के साथ क्रमशः रामाधार राम, रामप्रवेश राम, अखिलेश राम एवं मनोज राम ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान किया। अन्य स्वयंसेवकों में कंचन कुमारी, ध्रुव कुमार सिंह, जमालुद्दीन साह, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, अंकित कुमार सिंह, राजा कुमार, अंकिता कुमारी, सुजीत कुमार, सोनू कुमार सिंह, मीरा कुमारी, राहुल कुमार एवं शुभम कुमार शामिल हुए। मौके पर प्रो. डॉक्टर आलोक रंजन भी पूरे समय तक साथ में रहे।

स्वनिर्मित मास्क और साबुन का वितरण

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना के एके सिंह कॉलेज-जपला इकाई के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर (देवरी कला पंचायत) में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश सिंह के नेतृत्व में सोमवार को स्वयंसेवकों का चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण किया। ग्लोगों को कोरोना वायरस के प्रति सजग रहने के लिए जागरूक किया गया। ग्रुप लीडर रवि रंजन सिंह, श्वेता, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सोलंकी ने कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के साथ सही तरीके बताए। (प्र.)

मास्क व साबुन का वितरण

हुसैनाबाद. स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा गोद लिये गये गांव पहाड़ीपर के ग्रामीणों के बीच मास्क व साबुन का वितरण किया गया. एनएसएस पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने चार ग्रुप में गांव के ८० घरों में मास्क व साबुन का वितरण किया.साथ-साथ लोगों को मास्क, हाथ की सफाई, सोशल डिस्टेंस, लॉकडाउन का पालन व कोरोना वायरस से बचाव के लिए घरों में रहने की विस्तृत जानकारी दी गयी. कहा गया कि सामाजिक दूरी व उक्त सभी जानकारी को अपनाकर ही इससे बचा जा सकता है. मौके पर मुख्य रूप से प्रो डॉ आलोक रंजन, ग्रुप लीडर रविरंजन कुमार, श्वेता कुमारी, रंजन राज, सौरभ सिंह सोलंकी के अलावा, रामाधार राम, राम प्रवेश राम, अखिलेश राम, मनोज राम, कंचन, ध्रुव, जमालुद्दीन, उज्जवल अंकित, राजा, अंकिता समेत कई लोग मौजूद थे.

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया स्वनिर्मित मास्क व साबुन का वितरण

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद : राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर देवरी कला पंचायत में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क व साबुन वितरित करने के बाद प्रत्येक घरों में जाकर कोरोना वायरस, कोविड-19 के प्रति सजग एवं सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। ग्रुप लीडर रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने 20- 20 घरों का संच बनाकर कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के सही तरीके, युवाओं को आरोग्य सेतु एप्स की जानकारी, सामाजिक दूरी बनाए रखना, घर पर रहने की सलाह इत्यादि के बारे में जानकारी देने का कार्य किया। चारों ग्रुप के साथ क्रमशः रामाधार राम, रामप्रवेश राम, अखिलेश राम व मनोज राम ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान किया। अन्य स्वयंसेवकों में कंचन कुमारी, ध्रुव कुमार सिंह, जमालुद्दीन साह, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, अंकित कुमार सिंह, राजा कुमार, अंकिता कुमारी, सुजीत कुमार आदि थे।

हुसैनाबाद के पहाड़ी पर गांव में गरीबी के बीच मास्क व साबुन का वितरण करते एनएसएस कार्यकर्ता • जागरण

रेवारातू में एमओ ने कराया राशन वितरण

संवाद सूत्र, सतबरवा : रेवारातू में सोमवार को राशन का वितरण कराया गया। मौके पर एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्धारित मानक अनुसार ही जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को राशन का वितरण करना है। कोई दुकानदार राशन कम देता है तो कार्रवाई की जाएगी। उसे जेल भेजा जाएगा। रेवारातू के डीलर अनिल प्रसाद रविवार को पांच लोगों के बीच राशन वितरण करने के बाद दुकान बंद कर घर चले गए थे। एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा, पांकी विस क्षेत्र के जन वितरण प्रणाली के संयोजक कमल वर्मा व मुखिया मालो देवी स्थल पर पहुंचे। देखा कि दुकान बंद पाया। कार्डधारियों का आरोप था कि राशन के लिए उन्हें तीन दिनों से दौड़ाया जा रहा है। रविवार को भी वे लोग राशन लेने के लिए सुबह 9 बजे से खड़ा थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार भी मौजूद थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार ने कहा कि हम एक मई से सुबह 9 बजे आ रहे हैं। रविवार को दुकान खुला तो पांच लोगों को राशन देने के बाद डीलर दुकान बंद कर चला गया। हम उन्हें आनाज वितरण के लिए बुलाते रहे। विधायक समर्थक राजेंद्र सिंह चेरो ने कहा कि पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता का मिशन है कि हर गरीब को उसका हक मिले।

हम हर गरीब के साथ हैं।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर (देवरी कला पंचायत) में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों का चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क एवं साबुन का वितरण कर गांव के प्रत्येक घरों में जाकर कोरोना वायरस ,कोविड–19 के प्रति सजग एवं सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। ग्रुप लीडर रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने 20– 20 घरों का संच बनाकर कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के सही तरीके (ैन्ड ।छ ङ्ग) युवाओं को आरोग्य सेतु एप्स की जानकारी, सामाजिक दूरी बनाए रखना, घर पर रहने की सलाह इत्यादि के बारे में जानकारी देने का कार्य किया। चारों ग्रुप के साथ क्रमश: रामाधार राम ,रामप्रवेश राम ,अखिलेश राम, एवं मनोज राम ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान किया। अन्य स्वयंसेवकों में कंचन कुमारी, ध्रुव कुमार सिंह, जमालुद्दीन साह, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, अंकित कुमार सिंह, राजा कुमार, अंकिता कुमारी, सुजीत कुमार, सोनू कुमार सिंह, मीरा कुमारी, राहुल कुमार एवं शुभम कुमार शामिल हुए। मौके पर प्रोफेसर डॉक्टर आलोक रंजन भी पूरे समय तक साथ में रहे।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया स्वनिर्मित मास्क व साबुन का वितरण

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद : राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर देवरी कला पंचायत में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क व साबुन वितरित करने के बाद प्रत्येक घरों में जाकर कोरोना वायरस, कोविड-19 के प्रति सजग एवं सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। ग्रुप लीडर रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने 20- 20 घरों का संच बनाकर कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के सही तरीके, युवाओं को आरोग्य सेतु एप्स की जानकारी, सामाजिक दूरी बनाए रखना, घर पर रहने की सलाह इत्यादि के बारे में जानकारी देने का कार्य किया। चारों ग्रुप के साथ क्रमशः रामाधार राम, रामप्रवेश राम, अखिलेश राम व मनोज राम ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान किया। अन्य स्वयंसेवकों में कंचन कुमारी, ध्रुव कुमार सिंह, जमालुद्दीन साह, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, अंकित कुमार सिंह, राजा कुमार, अंकिता कुमारी, राजीव कुमार आदि थे।

हुसैनाबाद के पहाड़ी परगांव मे गरीबो के बीच मास्क व साबुन का वितरण करते एनएसएस कार्यकर्ता • जागरण

रेवारातू में एमओ ने कराया राशन वितरण

संवाद सूत्र, सतबरवा : रेवारातू में सोमवार को राशन का वितरण कराया गया। मौके पर एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्धारित मानक अनुसार ही जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को राशन का वितरण करना है। कोई दुकानदार राशन कम देता है तो कार्रवाई की जाएगी। उसे जेल भेजा जाएगा। रेवारातू के डीलर अनिल प्रसाद रविवार को पांच लोगों के बीच राशन वितरण करने के बाद दुकान बंद कर घर चले गए थे। एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा, पांकी विस क्षेत्र के जन वितरण प्रणाली के संयोजक [illegible] स्थल पर पहुंचे। देखा कि दुकान बंद पाया। कार्डधारियों का आरोप था कि राशन के लिए उन्हें तीन दिनों से दौड़ाया जा रहा है। रविवार को भी वे लोग राशन लेने के लिए सुबह 9 बजे से खड़ा थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार भी मौजूद थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार ने कहा कि हम एक मई से सुबह 9 बजे आ रहे हैं। रविवार को दुकान खुला तो पांच लोगों को राशन देने के बाद डीलर दुकान बंद कर चला गया। हम उन्हें आनाज वितरण के लिए बुलाते रहे। विधायक समर्थक राजेंद्र सिंह चेरो ने कहा कि पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता का मिशन है कि हर गरीब को उसका हक मिले।

मास्क व साबुन का वितरण

हुसैनाबाद. स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा गोद लिये गये गांव पहाड़ीपर के ग्रामीणों के बीच मास्क व साबुन का वितरण किया गया. एनएसएस पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने चार ग्रुप में गांव के 80 घरों में मास्क व साबुन का वितरण किया.साथ-साथ लोगों को मास्क, हाथ की सफाई, सोशल डिस्टेंस, लॉकडाउन का पालन व कोरोना वायरस से बचाव के लिए घरों में रहने की विस्तृत जानकारी दी गयी. कहा गया कि सामाजिक दूरी व उक्त सभी जानकारी को अपनाकर ही इससे बचा जा सकता है. मौके पर मुख्य रूप से प्रो डॉ आलोक रंजन, ग्रुप लीडर रविरंजन कुमार, श्वेता कुमारी, रंजन राज, सौरभ सिंह सोलंकी के अलावा, रामाधार राम, राम प्रवेश राम, अखिलेश राम, मनोज राम, कंचन, ध्रुव, जमालुद्दीन, उज्जवल अंकित, राजा, अंकिता समेत कई लोग मौजूद थे.

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया स्वनिर्मित मास्क व साबुन का वितरण

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद : राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए गांव पहाड़ी पर देवरी कला पंचायत में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने चार ग्रुप बनाकर स्वनिर्मित मास्क व साबुन वितरित करने के बाद प्रत्येक घरों में जाकर कोरोना वायरस, कोविड-19 के प्रति सजग एवं सतर्क रहने के लिए जागरूक किया गया। ग्रुप लीडर रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज एवं सौरभ सिंह सोलंकी ने 20- 20 घरों का संच बनाकर कुल 80 घरों में जाकर लोगों को मास्क का सही उपयोग, साबुन पानी से हाथ धोने के सही तरीके, युवाओं को आरोग्य सेतु एप्स की जानकारी, सामाजिक दूरी बनाए रखना, घर पर रहने की सलाह इत्यादि के बारे में जानकारी देने का कार्य किया। चारों ग्रुप के साथ क्रमशः रामाधार राम, रामप्रवेश राम, अखिलेश राम व मनोज राम ने एनएसएस के स्वयंसेवकों को सहयोग प्रदान किया। अन्य स्वयंसेवकों में कंचन कुमारी, ध्रुव कुमार सिंह, जमालुद्दीन साह, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, अंकित कुमार सिंह, राजा कुमार, अंकिता कुमारी, सुजीत कुमार आदि थे।

हुसैनाबाद के पहाड़ी पर गांव में गरीबों के बीच मास्क व साबुन का वितरण करते एनएसएस कार्यकर्ता • जागरण

रेवारातू में एमओ ने कराया राशन वितरण

संवाद सूत्र, सतबरवा : रेवारातू में सोमवार को राशन का वितरण कराया गया। मौके पर एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्धारित मानक अनुसार ही जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को राशन का वितरण करना है। कोई दुकानदार राशन कम देता है तो कार्रवाई की जाएगी। उसे जेल भेजा जाएगा। रेवारातू के डीलर अनिल प्रसाद रविवार को पांच लोगों के बीच राशन वितरण करने के बाद दुकान बंद कर घर चले गए थे। एमओ लक्ष्मीकांत लोहरा, पांकी विस क्षेत्र के जन वितरण प्रणाली के संयोजक कमल वर्मा व मुखिया मालो देवी स्थल पर पहुंचे। देखा कि दुकान बंद पाया। कार्डधारियों का आरोप था कि राशन के लिए उन्हें तीन दिनों से दौड़ाया जा रहा है। रविवार को भी वे लोग राशन लेने के लिए सुबह 9 बजे से खड़ा थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार भी मौजूद थे। पर्यवेक्षक अनुज कुमार ने कहा कि हम एक मई से सुबह 9 बजे आ रहे हैं। रविवार को दुकान खुला तो पांच लोगों को राशन देने के बाद डीलर दुकान बंद कर चला गया। हम उन्हें आनाज वितरण के लिए बुलाते रहे। विधायक समर्थक राजेंद्र सिंह चेरो ने कहा कि पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता का मिशन है कि हर गरीब को उसका हक मिले।

5महुराम मैदान मे फिटइंडिया के अंतर्गत के कार्यक्रम

फिटइंडिया के अंतर्गतदौड़ने की स्थिति मे स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतसाईकिलरेस मे भागलेतेहुए स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

फिट इंडिया के अंतर्गत दौड़ने की स्थिति मे स्वयंसेवका फिट इंडिया Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतदौड़ने की स्थिति मे स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतसाईकिलरेस मे भागलेतेहुए स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिटइंडिया के अंतर्गतसाईकिलरेस मे भागलेतेहुए स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतसाईकिलरेस मे भागलेतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 07/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिटइंडिया के अंतर्गतव्यायामकरतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतव्यायामकरतेहुए स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिटइंडिया के अंतर्गतव्यायामकरतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतव्यायामकरतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 07/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिटइंडिया के अंतर्गतदौड़ने की स्थिति मे स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

फिटइंडिया के अंतर्गतदौड़ने की स्थिति मे स्वयंसेवक। Date:- 07/09/2020

6. फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत योग एवं सूर्य नमस्कार स्वयंसेवकों के द्वारा किया गया फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत योग एवं सूर्य नमस्कार स्वयंसेवकों के द्वारा किया गया :-

सूर्यनमस्कारकरतेहुए स्वयंसेवक |Date:- 08/09/2020

सूर्यनमस्कारकरतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 08/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सूर्यनमस्कारकरतेहुए स्वयंसेवक।Date:- 08/09/2020

सूर्यनमस्कारकरतेहुए स्वयंसेवक | Date:- 08/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

7. ऑनलाइन विश्वविद्यालय स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता:-

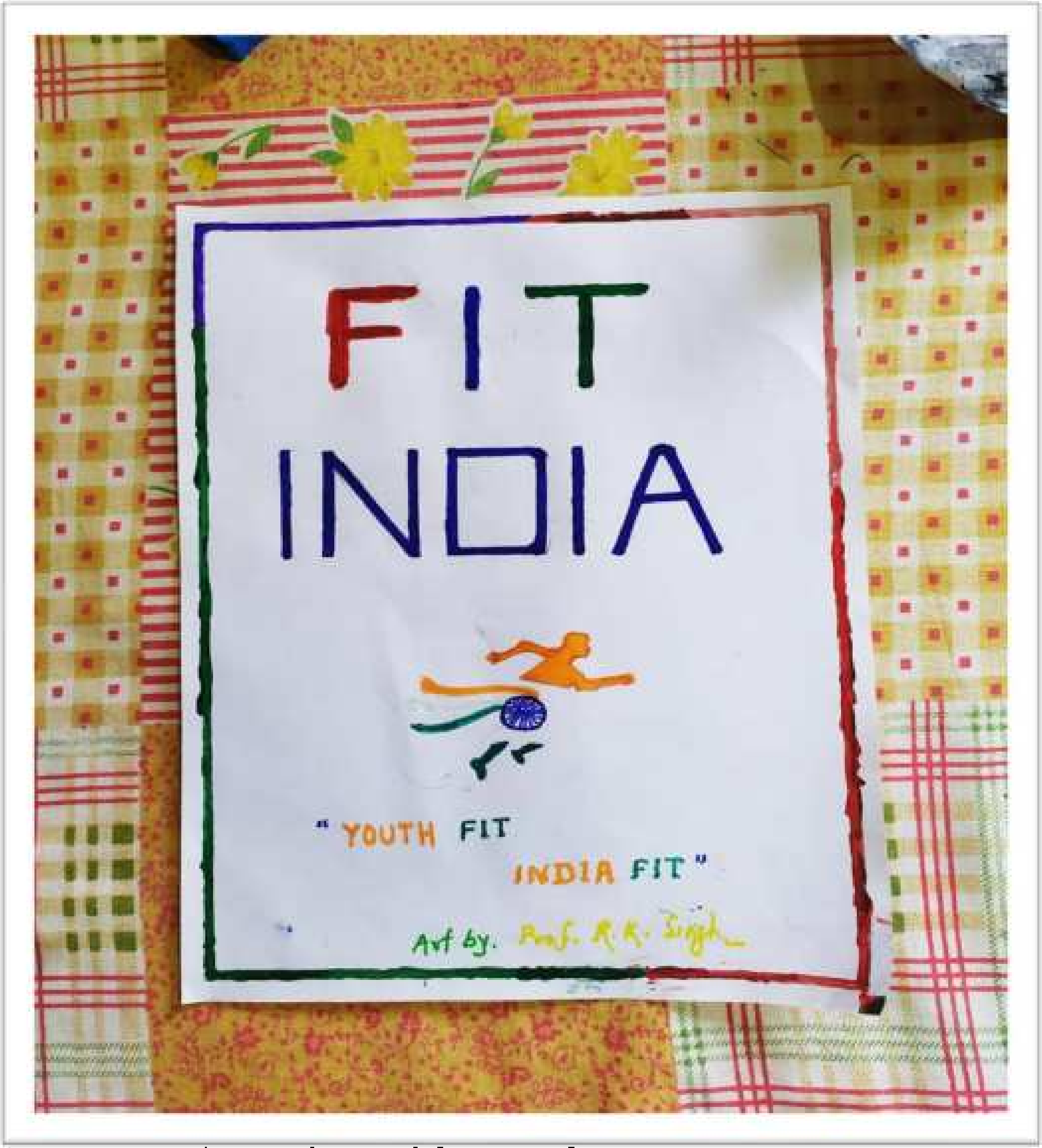

ऑनलाइनप्रतियोगिता मे भागलेतेहुए कार्यक्रमपदाधिकारी

Date:- 13/09/2020

ऑनलाइनप्रतियोगिता मे भागलेतेहुए कार्यक्रमपदाधिकारी Date:- 13/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

ऑनलाइनप्रतियोगिता मे भागलेतेहुए कार्यक्रमपदाधिकारी Date:- 13/09/2020

NATIONAL SERVICE SCHEME

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR PALAMAU, JHARKHAND

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

PROUDLY REPRESENTED TO

Saraswati Ranjan of A.K.S.College Japla

Has successfully participated in the event of online PAINTING COMPETITION on Dated 13 sep 2020 " FIT INDIA Freedom Run"

Dr. Dilip kr. Ram
NSS Nodel Officer
Palamau

Dr. Vijay Kr. Prasad
NSS Programme
Co-ordinator N.P.U.
Medininagar palamau

Dr. Brajesh Kumar NSS
State Co- ordinator
Jharkhand

NATIONAL SERVICE SCHEME

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR PALAMAU, JHARKHAND

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

PROUDLY REPRESENTED TO

Shweta Kumari of A.K.S.College Japla

Has successfully participated in the event of online PAINTING COMPETITION on Dated 13 sep 2020 " FIT INDIA Freedom Run"

Dr. Dilip kr. Ram
NSS Nodel Officer
Palamau

Dr. Vijay Kr. Prasad
NSS Programme
Co-ordinator N.P.U.
Medininagar palamau

Dr. Brajesh Kumar NSS
State Co- ordinator
Jharkhand

NATIONAL SERVICE SCHEME

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR PALAMAU, JHARKHAND

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

PROUDLY REPRESENTED TO

Kanchan Kumari of A.K.S.College Japla

Has successfully participated in the event of online PAINTING COMPETITION on Dated 13 sep 2020 " FIT INDIA Freedom Run"

Dr. Dilip kr. Ram NSS Nodel Officer Palamau	Dr. Vijay Kr. Prasad NSS Programme Co-ordinator N.P.U. Medininagar palamau	Dr. Brajesh Kumar NSS State Co- ordinator Jharkhand

NATIONAL SERVICE SCHEME

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR PALAMAU, JHARKHAND

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

PROUDLY REPRESENTED TO

Arjun Prajapati of A.K.S.College Japla

Has successfully participated in the event of online PAINTING COMPETITION on Dated 13 sep 2020 " FIT INDIA Freedom Run"

Dr. Dilip kr. Ram NSS Nodel Officer Palamau	Dr. Vijay Kr. Prasad NSS Programme Co-ordinator N.P.U. Medininagar palamau	Dr. Brajesh Kumar NSS State Co- ordinator Jharkhand

8. नामांकित स्वयंसेवकों का ओरीएन्टेशन प्रोग्राम :-

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवकोको द्वारागतिविधि कार्यक्रम मे पदाधिकारीभागलिए। Date:- 15/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

9. महाविद्यालय परिसर मे मुख्य परीक्षा मे स्वयंसेवकों के द्वारा कोविड -19 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम :-

स्वयंसेवकोकेसामाजिक दुरी का माध्यम को बताते हुए। Date:- 28/09/2020

सैनिटाइजर करने के तरिका बताते हुए। Date:- 28/09/2020

स्वयंसेवको केसामाजिक दुरी का माध्यम को बताते हुए। Date:- 28/09/2020

स्वयंसेवको केसामाजिक दुरी का माध्यम को बताते हुए। Date:- 28/09/2020

स्वयंसेवकों केसामाजिक दुरी का माध्यम को बताते हुए। Date:- 28/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वयंसेवको केसामाजिक दुरी का माध्यम को बताते हुए। Date:- 28/09/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सैनिटाइजर करने के तरिका बताते हुए। Date:- 28/09/2020

10. फिट इंडिया समापन कार्यक्रम :-

युवा व खेल मंत्रालय से संचालित फिट इंडिया कार्यक्रम का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। स्थानीय एके. सिंह महाविद्यालय जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत 15 अगस्त से लेकर 2 अक्टूबर तक विभिन्न स्थलों में भिन्न-भिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के अंतर्गत 2 अक्टूबर को समापन कार्यक्रम तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन कुमार ने भी कार्यक्रम में अपनी सहभागिता अपनाई। इस अवसर पर प्लॉग रन तथा स्वच्छता का कार्यक्रम स्वयंसेवकों ने किया। सभी स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कई स्वयंसेवकों ने अपनी महती भूमिका निभाई, जिनमें श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज, कुंदन कुणाल, राजा कुमार, रविरंजन कुमार सिंह, सौरभ सिंह सोलंकी, जमालु शाह, सोनू कुमार सिंह, अंकित कुमार सिंह, युवराज कुमार शर्मा, सत्यम कुमार ठाकुर, राहुल कुमार चंदेल, जय प्रकाश मेहता, अमित कुमार, धनंजय प्रजापति, राजन प्रजापति, अंकित कुमार, आशू कुमार विश्वकर्मा, राजन राम, मंथन माली, नन्दन कुमार, राकेश शर्मा, जयप्रकाश यादव, शुभम सिंह सोलंकी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए।

सन्मार्ग 8/12

एके सिंह कॉलेज में फिट इंडिया कार्यक्रम अयोजित

हुसैनाबाद/पलामू : एके सिंह महाविद्यालय जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निदेर्शानुसार फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत 15 अगस्त से लेकर 2 अक्टूबर तक विभिन्न स्थलों में भिन्न-भिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन कुमार ने भी कार्यक्रम में अपनी सहभागिता अपनाई। इस अवसर पर प्लॉग रन तथा स्वच्छता का कार्यक्रम स्वयंसेवकों ने किया। सभी स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना के कई स्वयंसेवकों ने अपनी महती भूमिका निभाई, जिनमें श्वेता कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज, कुंदन कुणाल , राजा कुमार, रवि रंजन कुमार सिंह, सौरभ सिंह सोलंकी जमालु शाह, सोनू कुमार सिंह, अंकित कुमार सिंह, युवराज कुमार शर्मा, सत्यम कुमार ठाकुर, राहुल कुमार चंदेल, जय प्रकाश मेहता, अमित कुमार , धनंजय प्रजापति, राजन प्रजापति, अंकित कुमार, आशू कुमार विश्वकर्मा, राजन राम, मंथन माली, नन्दन कुमार, राकेश शर्मा, जयप्रकाश यादव, शुभम सिंह सोलंकी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए।

झरखंड से नक्सवाद लगभग खत्म हो चुका था और झरखंड को एक नयी पहचान पूरे विश्व पटल पर रघुवर दास ने दिलाय। ये हम झारखंडवासियों के लिए गौरव की बात है।

एके सिंह कालेज जपला में फिट इंडिया के तहत जागरूकता अभियान का समापन

हुसैनाबाद। स्थानीय एके सिंह कालेज जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार फिट इंडिया

कार्यक्रम के तहत 15 अगस्त से लेकर 2 अक्टूबर तक विभिन्न स्थलों में भिन्न-भिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को समापन कार्यक्रम तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन कुमार ने भी कार्यक्रम में अपनी सहभागिता अपनाई। इस अवसर पर प्लॉग रन तथा स्वच्छता का कार्यक्रम स्वयंसेवकों ने किया। सभी स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई की। इस अवसर पर राष्ट्रीय योजना के कई स्वयंसेवकों ने अपनी महती भूमिका निभायी। जिनमें कुमारी, प्रशिक्षा रंजन राज, कुंदन कुणाल, राजा कुमार, रवि रंजन कुमार सिंह, सौरभ सिंह सोलंकी जमालु शाह, सोनू कुमार सिंह, अंकित कुमार सिंह, युवराज कुमार शर्मा, सत्यम कुमार ठाकुर, राहुल कुमार चंदेल, जय प्रकाश मेहता, अमित कुमार, धनंजय प्रजापति, राजन प्रजापति, अंकित कुमार, आशु कुमार विश्वकर्मा, राजन राम, मंथन माली, नंदन कुमार, राकेश शर्मा, जयप्रकाश यादव, शुभम सिंह सोलंकी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिट इंडिया समापन कार्यक्रम Date:- 02/10/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

फिट इंडिया समापन कार्यक्रम Date:- 02/10/2020

11. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड, आगरा मे जाने हेतु विश्वविद्यालय मे स्वयंसेवकों का चयन प्रक्रिया :-

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविद्यालय स्वयंसेवको का चयनप्रक्रिया |Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवरापरेडविश्वविद्यालय गे Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविधालय मे Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवरापरेडविशयिधालय गे गनाया गय Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविघालय मे Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवरापरेडविशविधालयगे गनायागयाDate:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविधालय मे मनायागयाDate:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविधालय मे मनायागयाDate:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्वविधालय मे मनायागयाDate:- 04/11/2020

गणतंत्र दिवरापरेडविर्शविधालय गे गनायागया Date:- 04/11/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गणतंत्र दिवसपरेडविश्विधालय मे मनायागया Date:- 04/11/2020

12. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड कैम्प, आगरा :-

Ry Email

भारत सरकार,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना
कर्पूरी ठाकुर सदन, केन्द्रीय कार्यालय परिसर
7 वाँ तल, C-विंग, आशियाना–दीघा रोड,पटना – 800025

ई–मेल–nssrcpatna@gmail.com

सं० पी. 08/रा०से०यो०/क्षे०के/2020-21/ 1931 - 1983

दिनांक : अक्टूबर 26, 2020

सेवा में,

कार्यक्रम समन्वयक - रा०से०यो०,
संलग्न सूची के अनुसार विश्वविद्यालय, बिहार एवं झारखण्ड राज्य ।

विषय: पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2020 में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों की सहभागिता के संबंध में ।

महोदय/महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक प्रति वर्ष भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेते है । इस वर्ष भी COVID-19 के दिशानिर्देशो का पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेंगे जो 26 जनवरी, 2021 को नई दिल्ली में आयोजित होगा । इसके पहले स्वयंसेवको को पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (सेंट्रल जोन) में भाग लेना होगा जो संभवत: माह नवम्बर, 2020 के अंतिम सप्ताह से शुरु होकर दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह तक बी० आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होगा । क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ द्वारा पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर आयोजित करने की तिथि प्राप्त होते हीं सूचित की जायेगी । भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा स्वयंसेवको के लिए बनाई गई दिशा निर्देश की प्रति आवश्यक कार्यवाही के लिए संलग्न है ।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेने से पहले स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में भाग लेना होगा । चयन प्रक्रिया का स्थान, समय एवं दिन का निर्धारण पत्र के साथ संलग्न है । कृप्या दिये गए समय के अनुसार चयन शिविर का आयोजन किया जाय । विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की सहभगिता संलग्न दिशा-निर्देश के अनुसार ही की जाये । प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के पूर्व सूचित किया जाना आवश्यक है कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन माह नवम्बर या दिसम्बर, 2020 में किया जा रहा है । अत: पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए स्वयंसेवकों को चयनित करने के पूर्व कार्यक्रम समन्वयक एवं चयन समिति द्वारा उपरोक्त बिन्दुओं को स्पष्ट कर लेना होगा कि प्रतिभागी उक्त शिविर में भाग लेने से मना न करें । चयन प्रक्रिया के दौरान चिकित्सीय व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए ।

अत: आपसे आग्रह है कि अपने विश्वविद्यालय के अंतर्गत ऐसे राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक जो उक्त शिविर में भाग लेना चाहते है एवं जो निर्धारित मानक पूरा करते हों तथा विगत वर्षों में उच्च कोटि का कार्य किया हो, स्वास्थ्य तथा मार्चपास्ट अच्छा हो, विशेष शिविर में भाग लिया हो, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक के रूप में एक वर्ष पूरा किया हो, से निर्धारित प्रारूप (प्रति संलग्न) पर आवेदन-पत्र प्राप्त कर विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए स्वयंसेवकों को सभी प्रपत्रों, प्रमाण पत्रों एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित विशेष शिविर प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र, रा०से०यो० डायरी, बैज आदि) के साथ बुलायें । जिन स्वयंसेवकों के पास डायरी एवं बैज नहीं होगा वे चयन प्रक्रिया में भाग नहीं लेगें । चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों का चेस्ट नम्बर (प्लास्टिक का) होगा जो विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा ।

विश्वविद्यालय द्वारा एनेक्चर-V में महाविद्यालय वार सूची पहले से तैयार कर चयन समिति के सदस्यों को उपलब्ध कराया जाये । विश्वविद्यालय स्तरीय चयन समिति के अनुशंसा के आधार पर चयनित स्वयंसेवको का राज्य स्तरीय वरीयता सूची बनाई जाएगी । राज्य स्तरीय वरीयता सूची के आधार पर ही चयनीत स्वयंसेवक को पूर्व गणतंत्र

-2-

विश्वविद्यालय स्तरीय चयन समिति में निम्नलिखित अधिकारी होंगें -क्षेत्रीय निदेशक, रा.से.यो. क्षेत्रीय निदेशालय, पटना/क्षेत्रीय निदेशालय के प्रतिनिधि, कार्यक्रम समन्वयक-रा.से.यो./विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी(SNO), पारा मेडिकल, एन.सी.सी.अधिकारी/आर्मी अधिकारी/पारा आर्मी के अधिकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के विशेषज्ञ । विदित हो कि अभी कोरोना महामारी के कारण सीमित रूप से रेलगाड़ी अथवा बस चलाई जा रही है तथा बिहार एवं झारखंड राज्य के कई क्षेत्रों में बस भी उपलब्ध नहीं है । ऐसी स्थिति में तथा आवागमन के साधन उपलब्ध नहीं रहने के कारण विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में इस कार्यालय से कोई भी अधिकारी या कार्यालय के प्रतिनिधि शामिल हो भी सकते हैं या नहीं भी । ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय स्तरीय चयन समिति में विश्वविद्यालय के किसी उच्च अधिकारी यथा प्रति कुलपति, कुलसचिव, सी० सी० डी० सी०, डी० एस० डब्ल्यू को रखना जरूरी है । विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित मापदण्डो के आधार पर चयन प्रक्रिया की पूरी जिम्मेवारी संबंधित कार्यक्रम समन्वयक की होगी । जिन प्रतिभागियों ने पूर्व में एक बार भी गणतंत्र दिवस परेड शिविर या पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता की हो या एन० सी० सी० का कैडेट हो वे चयन प्रक्रिया में भाग नहीं लेंगें तथा उनका चयन नहीं किया जाये । इस संबंध में सभी प्रतिभागी संलग्न प्रारूप में Undertaking (शपथ पत्र) लेकर आयेंगें । +2 स्तर (इंटर के छात्र/छात्रा) के कोई भी स्वयंसेवक चयन प्रक्रिया में भाग नहीं लेंगें । जो स्वयंसेवक सांस्कृतिक कार्यक्रमों (शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन एवं शास्त्रीय वादन) में उच्च कोटि की क्षमता रखते हो तथा निर्धारित मानक पूरा करते हों वे अपने सभी प्रमाण-पत्र एवं वाद-यंत्र के साथ चयन के लिए उपस्थित होंगें ।

विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया के दौरान अगर किसी प्रतिभागी को स्तर के अनुरूप नहीं पाया गया तो उसे जाने-आने एवं अन्य खर्च का भुगतान उसे स्वयं वहन करना होगा । स्वयंसेवकों के संख्या का आवंटन विश्वविद्यालय के प्रतिभागी के स्तर को देख कर राज्य स्तरीय वरीयता सूची बनाने के समय किया जाएगा, जो स्वयंसेवकों के निर्धारित मानक (माप दण्ड) पूरा करने या न करने के अनुसार घट-बढ़ सकती है । चयन शिविर आयोजन के लिए प्रति प्रतिभागी जिसमें स्वयंसेवक, कार्यक्रम अधिकारी तथा 08 आयोजक एवं चयन समिति के सदस्य होंगें, रू0 100/-(सौ रुपये मात्र) की दर से एक दिन का खर्च आंतरिक स्रोत की राशि या विश्वविद्यालय स्तरीय रा.से.यो. प्रशासनिक मद की राशि से व्यय किया जाए जिसमें दिन का नाश्ता एवं भोजन का खर्च शामिल है । इसके अतिरिक्त कार्यक्रम आयोजन करने के लिए विविध खर्च (Miscellaneous Expenditure) में रू0 2500/- तक राशि खर्च की जा सकती है । छात्रों को चयन शिविर में आने-जाने का निकटतम मार्ग से द्वितीय श्रेणी रेल/ साधारण बस का किराया का भुगतान महाविद्यालय के आंतरिक स्रोत या नियमित गतिविधियों की राशि से किया जाए । **चयन प्रक्रिया के दिन विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में अवकाश या बंद की स्थिति में भी विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया का आयोजन होगा ।**

भवदीय

संलग्नक : उपरोक्त ।

6/10/20
(विनय कुमार)
क्षेत्रीय निदेशक

प्रतिलिपि :-

1. माननीय कुलपति, संबंधित विश्वविद्यालय, बिहार एवं झारखण्ड राज्य
2. प्रधान सचिव/सचिव-कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा विभाग, बिहार/झारखण्ड सरकार, पटना/ राँची
3. निदेशक,भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, रा0से0यो0 निदेशालय,नई दिल्ली- 110011
4. निदेशक,कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा विभाग, बिहार/झारखण्ड सरकार, पटना/ राँची
5. क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, रा0से0यो0 क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ
6. राज्य राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी (SNO), बिहार एवं झारखण्ड राज्य, पटना/ राँची

स्थापित – 1984

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू (झारखण्ड) – 822116

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय से संबद्ध इकाई

पत्रांक.............................. दिनांक 17/11/2020

प्रेषक :- प्राचार्य
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

सेवा में,
कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना
नी. पी. वि. मेदिनीनगर, पलामू.

विषय :- दिनांक 25/11/2020 से दिनांक 04/12/2020 तक डॉ. बी. आर. अम्बेदकर विश्वविद्यालय, खंदारी परिसर, आगरा में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में स्वयंसेवकों की सहभागिता के संबंध में,

महाशय,

उपरोक्त विषयक सं. पी. 08/रा० से० यो०/ ओके/2021-21/2107-2127 दिनांक - 11/11/2020 के आलोक में, दिनांक 25 नवम्बर 2020 से 04 दिसंबर 2020 तक डॉ. बी. आर. अम्बेदकर, विश्वविद्यालय, खंदारी परिसर आगरा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2020 में ए. के. सिंह महाविद्यालय जपला से एक छात्र एवं एक छात्रा स्वयंसेवकों का चयन किया गया है। इन दोनों का विस्तृत विवरण संलग्न कर भेजा जा रहा है।

Ashok Kumar Singh
17.11.2020

PRINCIPAL
A.K.S. COLLEGE
JAPLA, PALAMAU

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Annex-I

PRE REPUBLIC DAY PARADE CAMP-2020

NOMINATION FORM FOR STATE/UT LEVEL SELECTION CAMP

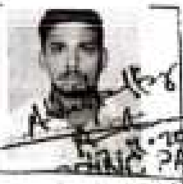

A: PERSONAL DETAILS (in capital letters)

(i) Name: Mr./Miss SINGH KUMAR RAVI RANJAN
(Surname) (First name)

(ii) Nomination is for: Pre RD (Selection Camp)

(iii) Date of birth: 15/10/2000

(iv) Father's Name: MITHILESH SINGH

(v) Mother's Name: MAYA DEVI

(vi) Educational Qualification: B.Sc Part III, Math (H)
(Present Class)

B: CONTACT DETAILS

(i) Contact Address & Telephone no.	(ii) Permanent Address & Telephone no
VILL- UPARI KHURD, P.O- JAPLA P.S- HUSSAINABAD, DIST- PALAMAU STATE- JHARKHAND	VILL- UPARI KHURD, P.O- JAPLA P.S- HUSSAINABAD, DIST- PALAMAU STATE- JHARKHAND
Telephone No(s):	Telephone No(s):
Mobile No(s): 7646099580	Mobile No(s): 7646099580
	E mail ID raviranjan201020@gmail.com

C: NSS UNIT DETAILS

(i) Name & Address of Prog. Officer With name of the College	(i) Name & Address of Prog. Coordinator
Prof. RAJESH KUMAR SINGH, P.O. (N.S.S) A.K.SINGH COLLEGE, JAPLA P.O- JAPLA, P.S- HUSSAINABAD DIST- PALAMAU, JHARKHAND.	Dr. VIJAY KUMAR PRASAD, N.S.S. CO-ORDINATOR, NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY MEDININAGAR, PALAMAU JHARKHAND
Telephone No(s):	Telephone No(s):
Mobile No(s): 9661421464, 6201525937	Mobile No(s): 9031286337

D: OTHER DETAILS

(i) Height (in cm) 168cm	(ii) Weight (Kg.) 70 Kg
(iii) Food habit: Veg/ Non-Veg	(iv) Blood Group: O+
(v) NSS Camps attended: YES	(vi) NSS Enrollment Year: 2017
	(viii) Hobbies: SOCIAL WORK
Ravi Ranjan K. Singh Signature of the Volunteer & Date	Signature of the Prog. Officer & Date (SEAL)

A K S COLLEGE JAPLA PALAMAU

RAJESH KUMAR SINGH
Programme Officer
N.S.S
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Annex-I

PRE REPUBLIC DAY PARADE CAMP-2020

NOMINATION FORM FOR STATE/UT LEVEL SELECTION CAMP

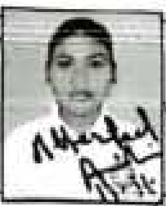

Attested by Principal 2020
Principal A.K.Singh College Japla (Palamau)

A: PERSONAL DETAILS *(in capital letters)*

(i) Name: Mr./Miss KUMARI SHWETA
(Surname) (First name)

(ii) Nomination is for: Pre RD (Selection Camp)

(iii) Date of birth: 16-09-1997

(iv) Father's Name: RAJESHWAR RAM

(v) Mother's Name: JAYANTI DEVI

(vi) Educational Qualification: B.Sc Part III Zoology (Hons)
(Present Class)

B: CONTACT DETAILS

(i) Contact Address & Telephone no.	(ii) Permanent Address & Telephone no
VILL - Word No-02, SAIDABAD. P.O. JAPLA, P.S-HUSSAINABAD Dist PALAMU. JHARKHAND Pincode - 822116.	VILL - Word-No-02, SAIDABAD P.O- JAPLA, P.S-HUSSAINABAD Dist - PALAMU, JHARKHAND Pin code-822116
Telephone No(s):	Telephone No(s):
Mobile No(s): 9973926475, 7070932050	Mobile No(s): 7070932050, 9973926475
	E mail ID Shwetakumarirani1609@gmail.com

C: NSS UNIT DETAILS

(i) Name & Address of Prog. Officer With name of the College	(i) Name & Address of Prog. Coordinator
Prof. Rajesh Kumar Singh, P.O. NSS, A.K. Singh College, Japla Post - Japla, P.S- Hussainabad Dist. Palamau (Jharkhand)	Dr. Vijay Kumar Prasad, NSS Co-ordinator. Nilamber - Pitamber University Medininagar, Palamau State. Jharkhand.
Telephone No(s):	Telephone No(s):
Mobile No(s): 9661431464, 6201525937	Mobile No(s): 9031286337

D: OTHER DETAILS

(i) Height (in cm) 163	(ii) Weight (Kg.) 54 kg
(iii) Food habit: Veg/ Non-Veg	(iv) Blood Group: B⁻
(v) NSS Camps attended: YES.	(vi) NSS Enrollment Year: 2017
	(viii) Hobbies: PLAYING, SOCIALWORK, DANCING, PLANTETION.

Shwetakumari Signature of the Volunteer & Date	Signature of the Prog. Officer & Date (SEAL) - RAJESH KUMAR SINGH Programme Officer N.S.S. A.K. Singh College Japla, Palamau

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

GOVERNMENT OF INDIA

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
(युवा कार्यक्रम विभाग)
Ministry of Youth Affairs And Sports
(Department of Youth Affairs)
राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ (उ.प्र.)
NSS Regional Directorate, Lucknow (U.P.)

रा.से.यो. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2020 (मध्य क्षेत्र)
NSS PRE-REPUBLIC DAY PARADE CAMP-2020 (Central Zone)

प्रमाण-पत्र
Certificate

प्रमाणित किया जाता है कि / Certified that

Ms. Shweta Kumari
Daughter of Sh. Rajeshwar Ram
NSS Programme Officer/Volunteer of A.K.S. College Japla, Palamu State Jharkhand

has participated in NSS Pre-Republic Day Parade Camp-2020 at Dr. Bhimrao Ambedkar University, Khandari Campus, Agra, Uttar Pradesh From 25th November to 4th December, 2020

Dr. Ranvir Singh Chauhan
Dr. Ashok Kumar Shroti
Prof. Ashok Mittal

चार स्वयंसेवक शिविर के लिए आगरा रवाना

पूर्ण गणतंत्र परेड शिविर के लिए चयनित एनपीयू के एनएसएस स्वयंसेवक।

मेदिनीनगर | प्रतिनिधि

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के के राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित चार स्वयं सेवक पूर्व गणतंत्र परेड शिविर में भाग लेने के लिए आगरा रवाना हुए।

एनपीयू एनएसएस समन्वयक डॉ विजय कुमार प्रसाद ने बताया कि 25 नवंबर से चार दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के आगर में डॉ बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय खंदारी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया है। एनपीयू, मेदिनीनगर से चार स्वयं सेवक एमके कॉलेज पांकी के अनिकेत कुमार, एके सिंह कॉलेज जपता के रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी और योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज की छात्रा स्वाति कुमारी पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेने के जपला से बस द्वारा वाराणसी के लिए प्रस्थान किये। वहां से संध्या पांच बजे आगरा के लिए अपने झारखंड राज्य के स्वयंसेवकों के साथ प्रस्थान करेंगे। अधिकारियों ने छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं।

मुखिया रक्षया यादव, अजय गुप्ता, सुरेश मेहता, बीरेंद्र राम, सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी, अल्पसंख्यक मोरचा के प्रखंड अध्यक्ष जमालुद्दीन खान, कन्हाई सिंह, गिरिवर सिंह सहित कई लोग ने भाग लिया.

चार स्वयं सेवक का चयन

मेदिनीनगर. नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालयू के राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित चार स्वयं सेवक गणतंत्र दिवस के पूर्व परेड शिविर में भाग लेने के लिए आगरा रवाना हुए. इसकी जानकारी एनपीयू के एनएसएस समन्वयक डॉ विजय कुमार प्रसाद ने दी. उन्होंने कहा कि 25 नवंबर से चार दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के आगर में डॉ बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय खंदारी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया है. नीलांबर- पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर से चार स्वयं सेवक एमके कॉलेज पाकी के अनिकेत कुमार, एके सिंह कॉलेज जपता के रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी और योध सिंह नामधारी महिला कॉलेज की छात्रा स्वाति कुमारी परेड शिविर में भाग लेने के जपला से बस द्वारा वाराणसी के लिए प्रस्थान किये. वहां से संध्या पांच बजे आगरा के लिए अपने झारखंड राज्य के स्वयंसेवकों के साथ प्रस्थान करेंगे. स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ विजय कुमार प्रसाद, नोडल पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार राम, सचिन कुमार, हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण, एके सिंह कालेज के सचिव रौनक कुमार, प्राचार्य अशोक कुमार सिंह एवं कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह एवं प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह ने उक्त चारों स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

परेड शिविर को आगरा रवाना हुए स्वयंसेवक

संवाद सहयोगी, मेदिनीनगर (पलामू) : नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित चार स्वयं सेवक पूर्व गणतंत्र परेड शिविर में भाग लेने के लिए आगरा रवाना हुए। उक्त आशय की जानकारी एनपीयू एनएसएस के समन्वयक डा. विजय कुमार प्रसाद ने दी। बताया कि 25 नवंबर से चार दिसंबर तक उत्तरप्रदेश के आगरा में डा. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय खंदारी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया है। रवाना होने वाले चार स्वयंसेवकों में एमके कालेज पांकी के अनिकेत कुमार, एके सिंह कालेज जपला के रवि रंजन कुमार सिंह, श्वेता कुमारी और योध सिंह नामधारी महिला कालेज की छात्रा स्वाती कुमारी का नाम शामिल है। शिविर में भाग लेने के लिए जपला से बस के माध्यम से वाराणसी के लिए प्रस्थान किए। वहां से संध्या पांच बजे आगरा के लिए अपने झारखंड राज्य के स्वयंसेवकों के साथ प्रस्थान करेंगे। स्वयंसेवकों की रवानगी पर खुशी जाहिर करने वालों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा विजय कुमार प्रसाद, नोडल पदाधिकारी डा. दिलीप कुमार राम, सचिन कुमार, हुसैनाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण, एके सिंह कालेज के सचिव रौनक कुमार, प्राचार्य अशोक कुमार सिंह व कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह समेत प्रो सुधीर कुमार सिंह का नाम शामिल है।

13. महाविद्यालय मे रक्तदान शिविर का आयोजन महाविद्यालय मे रक्तदान शिविर का आयोजन :-

- आज दिनांक 04 फरवरी 2021 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर मे कैंसर दिवस संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

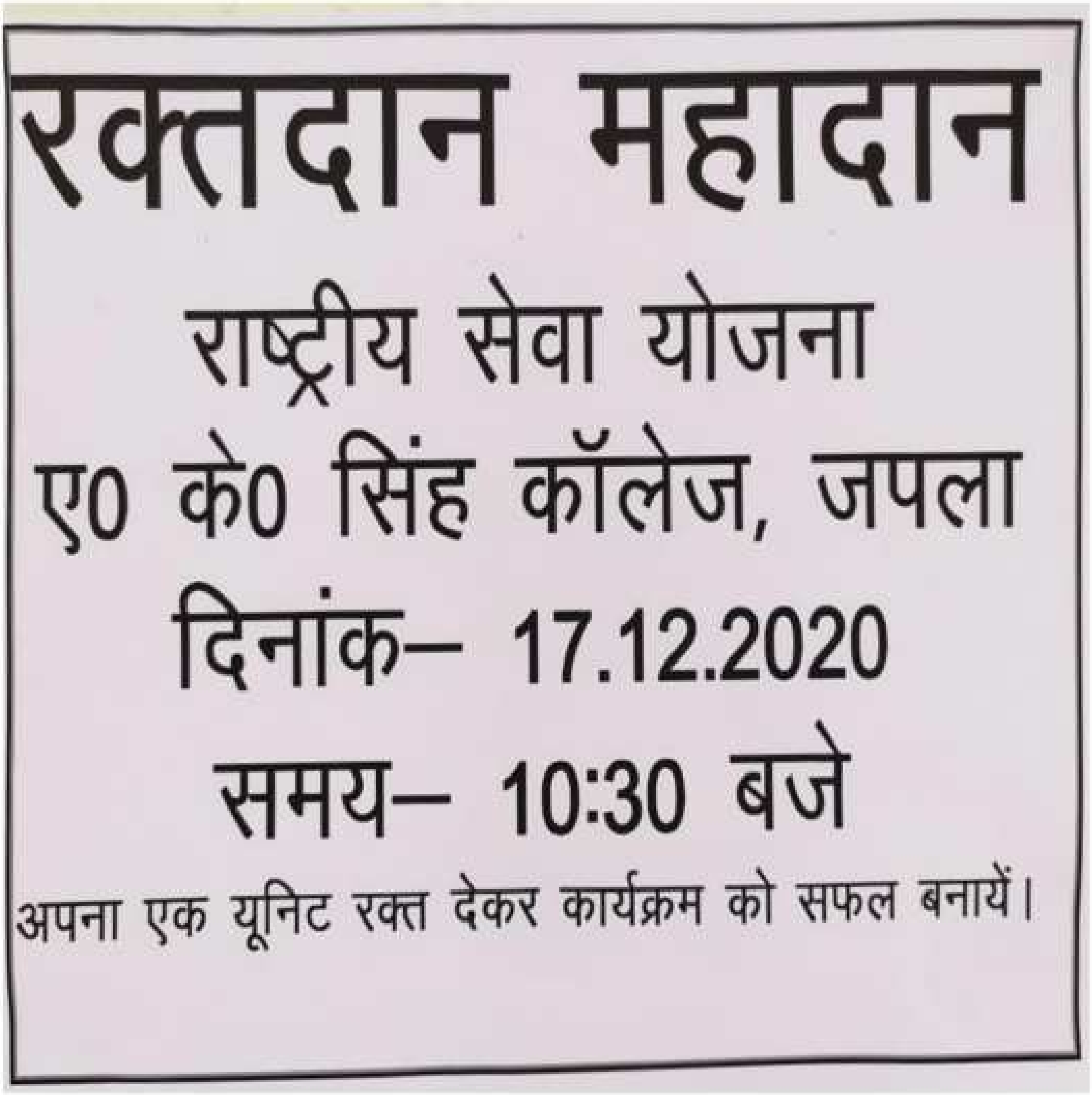
रक्तदान महादान
राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज, जपला
दिनांक– 17.12.2020
समय– 10:30 बजे
अपना एक यूनिट रक्त देकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

महाविद्यालय मे सचिव रक्तदान करते हुए। Date:- 17/12/2020

महाविद्यालय में रक्तदानशिविर का आयोजनकियागया । Date:- 17/12/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधालय मे रक्तदान अध्यापक करतेहुए। Date:- 17/12/2020

महाविधालय मे रक्तदान अध्यापक करतेहुए। Date:- 17/12/2020

महाविधालय मे रक्तदानछात्र करतेहुए | Date:- 17/12/2020

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

14. स्वामी विवेकानंद जयंती पर विचार गोष्ठी :-

- राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ए. के. सिंह कॉलेज, जपला के द्वारा आज दिनांक 12-01-2021, दिन मंगलवार को भारत वर्ष के महान सन्यासी स्वामी विवेकानंद जी की 158वीं जयंती , राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप मे मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. सूर्यमणी सिंह , सचिव रौनक सिंह , शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. मुकेश कुमार सिंह , कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद जी के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया, तत्पश्चात प्रशिक्षा रंजन राज, सरस्वती रंजन, श्वेता कुमारी, अंकिता कुमारी के द्वारा सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना गीत की प्रस्तुति की गई।

  कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के सचिव रौनक सिंह ने एवं संचालन प्रो. डॉ. आलोक रंजन एवं स्वयंसेवक सौरभ सिंह सोलंकी ने किया, तत्पश्चात कई छात्र-छात्राओ ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए जिनमे कुन्दन कुणाल सिन्हा, उज्जवल कुमार विश्वकर्मा, प्रशिक्षा रंजन राज, अंकिता कुमारी एवं रविरंजन कुमार सिंह प्रमुख रहें। शिक्षकों मे से प्रो. राहुल कुमार सिंह, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्राचार्य सूर्यमणी सिंह तथा अंत मे सचिव रौनक सिंह ने महाविद्यालय के सर्वांगीण विकाश के लिए संकल्प लिया एवं स्वामी विवेकानंद जी के विचारो से सबको प्रेरित किया एवं स्वामी जी के कथन “उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्ति ना हो जाए” को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आत्मसात करने की बात कहीं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों पर गर्व करते हुए कोविड 19 अवधि में स्वयंसेवकों के द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की। जिसके बाद कोरोना काल मे जनसेवा मे लगे अध्यापकों एवं स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर प्राचार्य एवं सचिव महोदय के द्वारा सम्मानित किया गया।

  इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कई स्वयंसेवकों ने भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया, डॉ. अजय कुमार सिंह ने भाषण, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के आरंभ में अपने विचारों से प्रतियोगी विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को सिंचित किया।

  भाषण प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान - रविरंजन कुमार सिंह, द्वितीय स्थान - प्रशिक्षा रंजन राज एवं तृतीय स्थान - उज्जवल कुमार विश्वकर्मा को प्राप्त हुआ।
  निबंध प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान– श्वेता कुमारी, द्वितीय स्थान - उज्जवल कुमार विश्वकर्मा एवं तृतीय स्थान - प्रशिक्षा रंजन राज को प्राप्त हुआ।
  पेंटिंग प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान - सरस्वती रंजन, द्वितीय स्थान - प्रशिक्षा रंजन राज एवं तृतीय स्थान - अर्जुन कुमार प्रजापति को प्राप्त हुआ।

  इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण, एन. एस. एस. के स्वयंसेवक तथा कई छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।
  कार्यक्रम के अंत मे प्रो. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए ।Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए | Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अधयापक विचार व्यक्त करते हुए ।Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

छात्र विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

छात्र विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्रभात खबर

4/1

IOSR Journals are indexed i
of the world. Citation report
iosrjournals.org

OPEN

विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण

प्राचार्य विचार व्यक्त करते हुए । Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वामीविवेकानंद के जयंतीपरसचिवस्वयंसेवकोकोसम्मानितकरतेहुए। Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधायल मे कार्यक्रमपदाधिकारीकोसम्मानितकरतेहुए प्रचार्य एंवसचिव। Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधालय में कार्यक्रमपदाधिकारीकोसम्मानितकरतेहुए प्राचार्य एवंसचिव। Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वामीविवेकानंद के जयंतीपरसविवस्वयंसेवकोकोसम्मानितकरतेहुए। Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

स्वामीविवेकानंद के जयंतीपरप्रचार्य एवंसचिवस्वयंसेवकोकोसम्मानितकरतेहुए। Date:- 12/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NATIONAL SERVICE SCHEME

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA

A Permanent Affiliated Unit of NPU Medininagar, Palamau

PARTICIPATION CERTIFICATE

(For the Period of Amid Covid-19 Pandemic)

This Certificate is awarded to.......Dhruv Kumar Singh....... in appreciation and acknowledgement for the outstanding dedication and sincere service, above and beyond the call of duty done by him during the Amid Covid-19 Pandemic.

Programme Officer   Principal   Secretary

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NATIONAL SERVICE SCHEME

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA

A Permanent Affiliated Unit of NPU Medininagar, Palamau

PARTICIPATION CERTIFICATE

(For the Period of Amid Covid-19 Pandemic)

This Certificate is awarded to....Sonu Kumar Singh.... in appreciation and acknowledgement for the outstanding dedication and sincere service, above and beyond the call of duty done by him during the Amid Covid-19 Pandemic.

Programme Officer | Principal | Secretary

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

NATIONAL SERVICE SCHEME

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA

A Permanent Affiliated Unit of NPU Medininagar, Palamau

PARTICIPATION CERTIFICATE

(For the Period of Amid Covid-19 Pandemic)

This Certificate is awarded to Jamaluddin Shah in appreciation and acknowledgement for the outstanding dedication and sincere service, above and beyond the call of duty done by him during the Amid Covid-19 Pandemic.

Programme Officer | Principal | Secretary

15. नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई पराक्रम दिवस के रूपमे :-

- राष्ट्रीयसेवायोजनाए.के.सिंहकॉलेज,जपलाइकाईकेद्वाराआजदिनांक- 23 जनवरी2021,कोनेताजीसुभाषचंद्रबोसजीकी125 वींजयंतीमनाईगई।

इसअवसरपर कुन्दन कुणाल सिन्हा, रविरंजनकुमारसिंह, उज्जवलविश्वकर्मा, पप्पूकुमार, शक्तिकुमारठाकुरइत्यादिस्वयंसेवकोंनेसुभाषजीकीजीवनीपरआधारितअपनेअपनेविचारव्यक्तकिए। स्वयंसेवकोंकोसंबोधितकरतेहुएकार्यक्रमपदाधिकारी प्रो. राजेशकुमारसिंहनेसुभाषजीकेआदर्शोंपरचलनेकेलिएस्वयंसेवकोंकोप्रेरितकरतेहुएकहाकिउसविकटपरिस्थितिमेंजिससमयहमारादेशगुलामथा, आजादहिंदफौजकागठनकरएवं" **तुममुझेखूनदो,मैंतुम्हेंआजादीदूंगा** "जैसे नारों केमाध्यमसेयुवाओंकोएकत्रितकरनेकाकार्यकियाथा।आजमहाविद्यालयकेसभीछात्र-छात्राएंदेशकेभविष्यहैं।अपनाव्यक्तित्वकाविकासअपनेदिनचर्यामेंशामिलकरेंताकिहमपढ़ाईकेसाथसाथदेशऔरसमाजकेकार्यमेंसहयोगकरसकें।

इसअवसरपरप्रोफेसरडॉआलोकरंजननेसुभाषजीकेविचारोंकोरखतेहुएसभीस्वयंसेवकोंकोतथाअन्यविद्यार्थियोंकोकक्षाओंमेंउपस्थितिदर्जकरनेकीअपीलकी।

इसअवसरपरप्रो. सुधीरकुमारसिंह,प्रो. रविकांतसिंह,प्रो. चंदनकुमारसिंहएवंस्वयंसेवकोंमें कुन्दन कुणाल सिन्हा, प्रशिक्षारंजनराज, सरस्वतीरंजन, उज्जवलविश्वकर्मा, अंकिताकुमारी, शक्तिठाकुर, सौरभसिंहसोलंकीसहितअनेकोंस्वयंसेवकएवंछात्र-छात्राएंउपस्थितरहें।

कार्यक्रमकेअंतमेंधन्यवादज्ञापनप्रोफेसररविकांतसिंहनेकिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्राक्रमदिवस के अवसरपरस्वयंसेवकोकोसम्बोधितकरतेहुए। Date:- 23/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्राक्रमदिवस के अवसरपरस्वयंसेवकोकोसम्बोधितकरतेहुए प्रचार्य एवंपदाधिकारी।

Date:- 23/01/2021

Date:- 23/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

प्रराक्रमदिवस के अवसर पर स्वयंसेवको का`सम्बोधित करत`हुए। Date:- 23/01/2021

प्रराक्रमदिवस के अवसर पर स्वयंसेवको का`सम्बोधित करते हुए। Date:- 23/01/2021

एके सिंह कालेज में मनी नेताजी की जयंती

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद (पलामू) : स्थानीय एके सिंह कालेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्रबोस की 125वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नेताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया। प्रो. डा. आलोक रंजन कुमार ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डाला। उ नेता जी के रास्ते पर चलने उनके विचारों को अमल करने की बात कही।

पांडेय, रामाशंकर पासवान, अभिषेक रवि मिथिलेश दीक्षित आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने हुसैनाबाद में मनायी नेताजी की जयंती : पलामू जिले के हुसैनाबाद स्थित एके सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई नेताजी की 125वीं जयंती मनाई। रवि रंजन कुमार सिंह, उज्जवल विश्वकर्मा, पप्पू कुमार, शक्ति कुमार ठाकुर आदि स्वयंसेवकों ने नेताजी के जीवन व उपलब्धियों की चर्चा की। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश सिंह ने नेताजी के आदर्शों पर चलने के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया और कहा कि जिस विकट परिस्थिति में भारत की आजादी के लिए आजाद हिंद फौज का गठन कर आंदोलन तेज किया था, वह सबके के लिए बड़ी सीख है। प्रो. डॉ. आलोक रंजन ने सभी स्वयंसेवकों तथा अन्य विद्यार्थियों को कक्षाओं में नियमित उपस्थित होकर योग्य नागरिक बनने का आह्वान किया। प्रो. सुधीर सिंह, प्रो. चंदनसिंह, प्रो. रविकांत सिंह, रंजन राज, सरस्वती रंजन, उज्जवल विश्वकर्मा, अंकिता कुमारी, शक्ति ठाकुर आदि मौके पर मौजूद थे।

16. राष्ट्रीय मतदाता दिवस :-

➢ आजदिनांक 25 जनवरी 2021 कोए. के.सिंहकॉलेज,जपलाराष्ट्रीयसेवायोजनाकेनेतृत्वमेंराष्ट्रीयमतदातादिवसकेअवसरपरकार्यक्रमपदाधिकारीप्रोफेसरराजेशकुमारसिंहनेएन. एस. एस.केस्वयंसेवकोंतथास्काउटएंडगाइडकेरोवरऔररेंजरों, शिक्षकएवंशिक्षकेतरकर्मचारियोंकोएककुशलमतदाताकेलिएप्रतिज्ञाकराई।

इसअवसरपरमहाविद्यालयकेप्राचार्यश्रीसूर्यमणिसिंहनेराष्ट्रीयमतदातादिवसकेअवसरपरउपस्थितशिक्षक, शिक्षकेतरकर्मचारियोंएवंस्वयंसेवकोंकोएककुशलमतदाताहोनेकेकर्तव्योंकेबारेमेंबारीकीसेबताया।उन्होंनेकहाकिहमसभीकोदेशकेलोकतांत्रिकपरंपराओंकेमर्यादाकोध्यानमेंरखकरस्वतंत्रनिष्पक्षएवंशांतिपूर्णनिर्वाचनकीगरिमाकोबिनाकिसीभेदभावऔरप्रलोभनकेअपनेउत्तरदायित्वकानिर्वहनकरनाचाहिए।प्रोफेसररविकांतसिंहकेद्वाराराष्ट्रीयमतदातादिवसकेशुभअवसरपरमतदाताओंकीजागरूकताकेसाथ-साथमहाविद्यालयचुकिविद्याकामंदिरहै, उन्होंनेकहाकिआजसबसेगर्वकीबातयहहैकिआजयूनेस्कोद्वाराअंतर्राष्ट्रीयशिक्षादिवसभीमनायाजारहाहै।इसकाथीमयहहैकिसंपूर्णकोरोनाकालमेंशिक्षाकेस्तरमेंसुधारकैसेहोयहएकमहत्वपूर्णएवंचिंतनकरनेकाविषयहै।

इसअवसरपरशिक्षकप्रतिनिधिप्रो.मुकेशकुमारसिंह, प्रो.शशिभूषणसिंह, प्रो.हरेंद्रसिंह, प्रो.आनंदकुमारसिंहतथास्काउटएंडगाइडकेप्रभारीप्रो.अरुणकुमारसिंह, प्रो.डॉ.आलोकरंजनएवंस्वयंसेवकोंमेंकुन्दन कुणाल सिन्हा, रविरंजनकुमारसिंह,श्वेताकुमारी,अंकिताकुमारी,प्रशिक्षारंजनराज,सरस्वतीरंजन,सौरवसिंहसोलंकी, जमालुद्दीनसाह, करणकुमार,अक्षयकुमार,पप्पूकुमार,मीराकुमारीसहितएन.एस.एस.तथास्काउटएंडगाइडकेछात्रछात्राओंनेइसकार्यक्रममेंसम्मिलितहुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गतदातादिवरा के अवरारपरप्रचार्य एवंपदाधिकारीविचारव्यकतकरतेहुए ।

Date:- 25/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

मतदातादिवस के अवसरपरस्वयंसेवकोसपथलेतेहुए। Date:- 25/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

मतदातादिवस के अवसरपरस्वयंसेवकोसपत्तलेतेहुए। Date:- 25/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गतदातादिवरा के अवरारपरपदाधिकारीरापतलेतेहुए। Date:- 25/01/2021

17. महाविद्यालय मे एन एस एस परेड :-

- आज दिनांक 26 जनवरी 2021 को 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर मे परेड का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

परेडकरतेहुए एन. एस. एस. के वॉलंटियर Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

एन.एस.एसराष्ट्र गान गाते हुए | Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

क्षंडोत्तोलन करते हुए प्रचार्य वानी। Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

परेडकरतेहुए एन. एस. एस. के शुलीयनटीअर Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

झंडोत्तोलन करते हुए प्रचार्य सानी। Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

परेडकरतेहुए एन. एस. एस. के भुलीनटीअर Date:- 26/01/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

झंडोत्तोलन करते हुए प्राचार्य वानी। Date:- 26/01/2021

ए.के. सिंह कॉलेज, जपला

परेडकरतेहुए एन. एस. एस. के भुलौनटीअर

18. विश्व कैंसर दिवस :-

- आज दिनांक 04 फरवरी 2021 को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर मे कैंसर दिवस संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

महाविधायल मे अध्यापक कैंसरदिवसपरव्यक्ताकरतेहुए ।Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधायल मे अध्यापक कैंसरदिवसपरव्यक्ताकरतेहुए । Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधायल मे अध्यापक कैंसरदिवसपरव्यक्ताकरतोहुए | Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गहाविधायल गे अध्यापक कैंरारदिवरापरव्यक्तकरतेहुए । Date:- 04/02/2021

गहाविधायल गे अध्यापक कैंरारदिवरापरव्यक्तकरतेहुए । Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गहाविधायल गे अध्यापक कैंरारदिनरापरव्यक्तकरतेहुए ।Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

महाविधायल मे आध्यापक कैंसरदिवसपरव्यक्ताकरतेहुए । Date:- 04/02/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

गहाविधायल गे अध्यापक कैंसरदिवसापरव्यक्तकरतेहुए । Date:- 04/02/2021

थर्ड आई ऑफ झारखण्ड

ए.के. सिंह कॉलेज में 'विश्व कैंसर दिवस' पर हुई संगोष्ठी

रिपोर्टर | थर्ड आई

संगोष्ठी में भाग लेते प्रोफेसर।

हुसैनाबाद, 04 फरवरी : जपला स्थित ए.के. सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विश्व कैंसर दिवस पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रो. डॉ. आलोक रंजन ने की, जबकि संचालन एन.एस.एस. के कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया।

प्रोफेसर आलोक ने कहा कि इसका थीम है 'मैं हूं, मैं रहूंगा' मरीज अगर दृढ़ इच्छाशक्ति से इस बीमारी का सामना करें और सही समय पर इलाज मुहैया हो तो इलाज संभव हो जाता है। साथ ही हमेशा से माना जाता है कि उपचार से बेहतर है बचाव। प्रो. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आज विश्व कर्क दिवस है। इस अवसर पर आप सभी से यही कहूंगा कि आप अपने तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल रखें, क्योंकि स्वास्थ्य ही धन है। प्रोफेसर शशि भूषण सिंह ने कहा कि हमें अपने आस-पास के लोगों को भी इस बात की जानकारी देनी चाहिए, जिससे सभी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें। प्रो. रविकांत सिंह ने रहन-सहन तथा खान-पान व प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार ने आधुनिक विश्व में कैंसर मृत्यु की जानकारी दी।

कॉलेज के कई शिक्षकों तथा स्वयं सेवकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

मौके पर प्रशिक्षु रंजन राज, सरस्वती रंजन, अंकिता कुमारी, श्वेता कुमारी, सौरव सिंह, सोलंकी, नीलेश कुमार सिंह, अक्षय कुमार, राजा कुमार, कुंदन कुणाल, अजीत कुमार, नितेश कुमार, अमित कुमार, सुमित कुमार, शिवम कुमार शर्मा, गुलशन कुमार सिंह सहित कॉलेज के कई प्राध्यापक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

19. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर NSS एवं IQSC के संयुक्त तत्वाधान मे वाद – विवाद प्रतियोगिता :-

➢ आजदिनांक 10 मार्च 2021 दिनबुधवार,कोअंतरराष्ट्रीयमहिलादिवससप्ताहकेअन्तर्गतराष्ट्रीयसेवायोजनाएवंआई.क्यू.ए.सी.केसंयुक्ततत्वावधानमेंप्राचार्यसूर्यमणिसिंहकीअध्यक्षतामेंएकेसिंहकालेजजपलामेंपितृसतात्मकसमाजमेंनारीकीदशाऔरदिशाविषयकोलेकरसंवादसहनिबंधप्रतियोगिताकाआयोजनकियागया।

इसक्रममेंमहिलाओंकीसमस्याओंपरविस्तृतचर्चाकिक्रममेंमुख्यत:संवादकर्ताडॉ.रामसुभगसिंहसेछात्र/छात्राओंनेअनेकोंऔरतीखेंसवालकिए।सवालपूछनेवालेछात्र-छात्राओंमेंप्रमुखरुपसेरिया, तरन्नुम, फुलकुमारी, रौशनी, शुभम, सगुफ्ता, पिंकीसहितअन्य छात्र-छात्राओंनेप्रश्नकिए। कार्यक्रममेंप्रोराजेशकुमारसिंह, प्रो। राहुलकुमारसिंह, प्रो। चंदनकुमारसिंह,प्रो.शिवकुमारविश्वककर्मा, डॉ. सुप्रियाजैन,प्रो.रेखासिंह, अशोकसिंहसहितकाफीसंख्यामेंछात्र–छात्राओंनेभागलिया। अपनेअध्यक्षीयसंबोधनमेंप्राचार्यनेछात्र-छात्राओंकोसामाजिकरुढिवादी एवंशोषणकेखिलाफस्वयंपहलकरनेकीनसीहतऔरप्रेरणादी। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो.राजेशकुमारसिंहनेकहाकिआजप्रत्येकघरकीमहिलाएंसजगऔरसशक्तहोरहीहै।

संचालनएवंधन्यवादज्ञापनप्रो.राहुलकुमारसिंहनेकिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय गहिलादिवरापर अध्यापक व्यक्तकरतेहुए।

Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपर अध्यापक व्यक्तकरतेहुए। Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्रा व्यक्तकरतेहुए |Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए।Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए |Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए। Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए ।Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए |Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपरछात्राव्यक्ताकरतेहुए ।Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिलादिवसपर अध्यापकव्यक्तकरतेहुए।
Date:- 08/03/2021 to 10/03/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज, जपला

वार्षिक गतिबिधि 2021–2022

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	21.06.2021	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आभाषीय कार्यशाला का आयोजन	12	15	15	42
2.	17.08.2021	जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह का आयोजन	11	12	01	24
3.	24.09.2021	जी.एल.ए. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम	03	02	01	06
4.	25.09.2021	महाविद्यालय परिसर से महुराम मैदान देवरी रोड तक फिट इंडिया फ्रीडंम रण का आयोजन	20	17	35	72
5.	30.09.2021	जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर राष्ट्रीय सेवा योजना उन्मुखीकरण बैठक	00	00	02	02
6.	02.10.2021	स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत के अंतर्गत महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन	15	12	10	37
7.	04.10.2021	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021 के लिए विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया में वाई. एस. एन. एम. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर स्वयंसेवकों की सहभागिता	06	00	01	07
8.	26.10.2021	राज्य स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021चयन प्रक्रिया में बी. आई. टी. पटना, केन्द्र पर स्वयंसेवकों के साथ भाग लिया	07	07	01	15
9.	30.10.2021	महाविद्यालय में ''नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के देश की आजादी में भूमिका'' विषय पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन	15	20	10	45

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

10.	15.11.2021 से 24.11.2021	बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021 में सहभागिता	15	15	01	31
11.	29.11.2021	महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम	10	15	10	35
12.	12.01.2022	राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम	18	07	03	28
13.	15.02.2022	पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में रक्त दान शिविर में स्वयंसेवकों की सहभागिता	04	00	01	05
14.	08.03.2022	अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन	18	21	10	49
15.	23.03.2022 से 29.03.2022	गोद लिए हुए गाँव कोईरियाडीह में विशेष शिविर का आयोजन	15	02	01	18
16.	31.03.2022 से 01.04.2022	बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय व्यक्तित्व विकास एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला में स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम पदाधिकारी की सहभागिता	03	03	01	07

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

1.अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 JUNE 2021)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आभासी विचारगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में की गई | इस कार्यक्रम का शुभ आरम्भ स्वयंसेवको के द्वारा सरस्वती वंदना से की गई | कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया | मुख्य वक्ता के रूप में पलामू जिला के योग प्रशिक्षक प्रोफेसर कृष्णनंदन शर्मा के द्वारा योग के महत्व और इसके नियमित दिनचर्या में शामिल करने से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ पर विस्तार से प्रकाश डाला गया | इस अवसर पर महाविद्यालय के एन एस एस स्वयंसेवको , छात्र – छात्राए , शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हुए |

योग दिवस पर वेबिनार का आयोजन

एके सिंह कॉलेज की एनएसएस ने वेबिनार का किया आयोजन

प्रतिनिधि, हुसैनाबाद

स्थानीय एके सिंह महाविद्यालय जपला की एनएसएस इकाई ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वेबिनार का आयोजन किया. इसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने की. इसमे योग को अपनाने पर चर्चा की गयी. कार्यक्रम में पलामू जिला के योग प्रशिक्षक कृष्ण नंदन शर्मा ने योग के आंतरिक, बाहरी, सैद्धांतिक,व व्यावहारिक, आसन्न, व्यायाम व प्राणायाम के सभी स्वरुपों, गुणों व विशेषताओं पर प्रकाश डाला. प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने वर्तमान समय में योग की प्रासंगिकता को बताते हुए प्रथम दृष्टया यम, नियम का पालन करने संबंधी अनिवार्यता पर बल दिया. कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने वेबिनार का संचालन करते हुए सभी स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को योगासन करने पर बल दिया. कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है. प्रो राम सुभग सिंह ने योग व प्रकृति के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम प्रकृति के साथ समन्वय बनाये रखें, तभी हम स्वस्थ रहेंगे. कार्यक्रम में डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉ आलोक रंजन, प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, अरुण सिंह, डॉ अजय सिंह, डॉ रेखा सिंह, डॉ चंदन सिंह, मीना गुप्ता, सुधीर सिंह, रंजन राज, सरस्वती रंजन, श्वेता, सौरभ सिंह सोलंकी, रोशन, सत्यम,आशु,अंकित, शनि, शिवम, रोहित, ओम समेत कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया. धन्यवाद ज्ञापन प्रो राहुल सिंह ने किया.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आभाषीय कार्यशाला का आयोजन Date:-21/06/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आभाषीय कार्यशाला का आयोजन

Date:-21/06/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

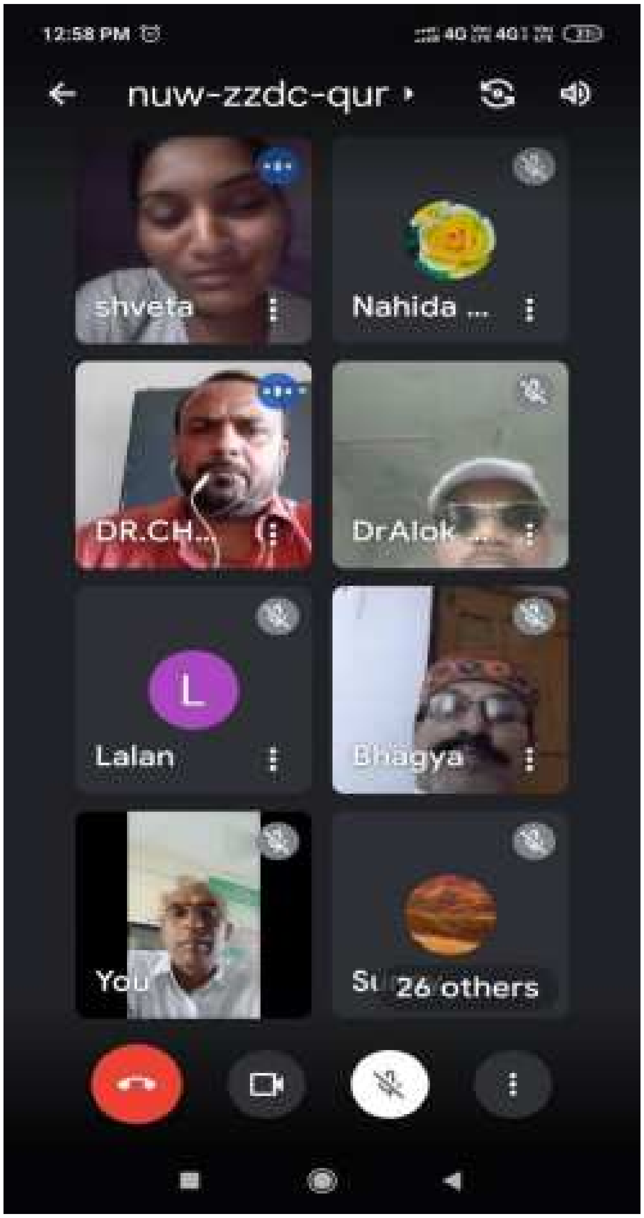

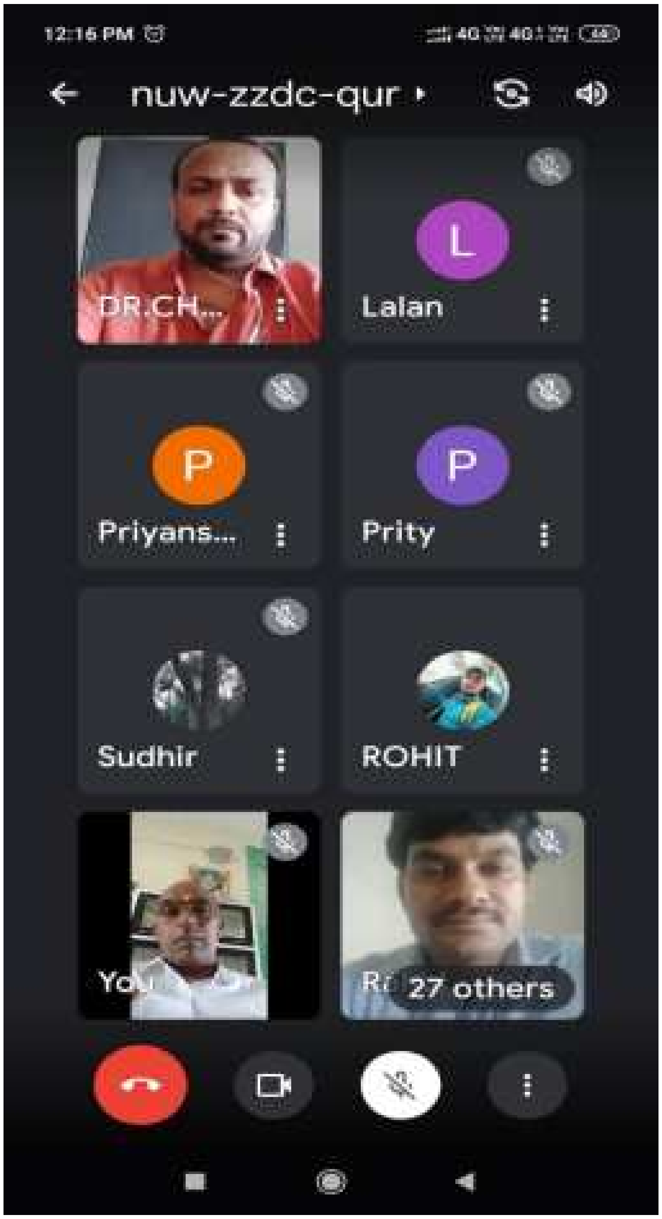

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आभाषीय कार्यशाला का आयोजन

Date:-21/06/2021

2.कोरोना योद्धा सम्मान समारोह (17-AUG-2021)

राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय इकाई के द्वारा कोरोना काल में विषम परिस्थितियों में सवयंसेवको के द्वारा किये गए कार्यो एवं उपलब्धियो को देखते हुए विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना सेल के द्वारा कोरोना योद्धा सम्मान समारोह का आयोजन जनता शिवरात्रि महाविद्यालय मेदिनीनगर केंद्र पर दिनांक 17 अगस्त 2021 को किया गया | इस अवसर पर नीलाम्बर- पीताम्बर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ रामलखन सिंह , प्रतिकुलपति प्रोफेसर डॉ दीपनारायण यादव ,डीन ऑफ़ सोशल साइंस (मैडम) राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ विभेश कुमार चौबे ,जे एस कॉलेज मेदिनीनगर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ राणाप्रताप सिंह एवं डॉ विमल सर की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न कॉलेज से आये हुए सवयंसेवको को सम्मानित किया गया |

जिसमे ए. के. सिंह कॉलेज जपला के कुल इक्कीस सवयंसेवको एवं कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह को कोरोना योद्धा सम्मान से नवाजा गया |

ज्ञात हो कि कुल 25 सवयंसेवको ने हुसैनाबाद प्रखंड के सभागार में प्रशिक्षण प्राप्त किया था | जो विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों से सबसे अधिक रहा |

NATIONAL SERVICE SCHEME
NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR, PALAMU, JHARKHAND
CORONA WARRIOR HONOUR
17th August 2021, Medininagar
This certificate of appriciation is awarded to NSS Volunteer/Programme Officer/ Social Officer Raja Kumar of A.K. Singh College Japla
in recognition of commendable dedication and service to the nation through his/her active participation in fight against Covid-19 pandemic in lockdown period.
We wish him/her all success in life.
Programme Coordinator, NSS
Registrar
Vice-Chancellor

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

NATIONAL SERVICE SCHEME
NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR, PALAMU, JHARKHAND

CORONA WARRIOR HONOUR
17th August 2021, Medininagar

This certificate of appriciation is awarded to NSS Volunteer/Programme Officer/ [illegible] Officer Shaktinath Thakur of A.K.S. College, Japla in recognition of commendable dedication and service to the nation through his/her active participation to fight against Covid-19 pandemic in lockdown period.

We wish him/her all success in life.

Programme Coordinator, NSS | Registrar | Vice-Chancellor

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह का आयोजन

Date:-17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुये पदाधिकारी Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुये पदाधिकारी Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कोरोना योध्दा सम्मान समारोह में विभिन्न कॉलेजो से आये हुये स्वयंसेवक और पदाधिकारी गण Date:- 17/08/2021

कोरोना योध्दा सम्मान समारोह में पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुये कुलपति महोदय Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक Date:- 17/08/2021

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कोरोना योध्दा सम्मान समारोह में कुलपति महोदय का सम्बोधन

कोरोना योध्दा सम्मान समारोह में पदाधिकारियों का सम्बोधन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

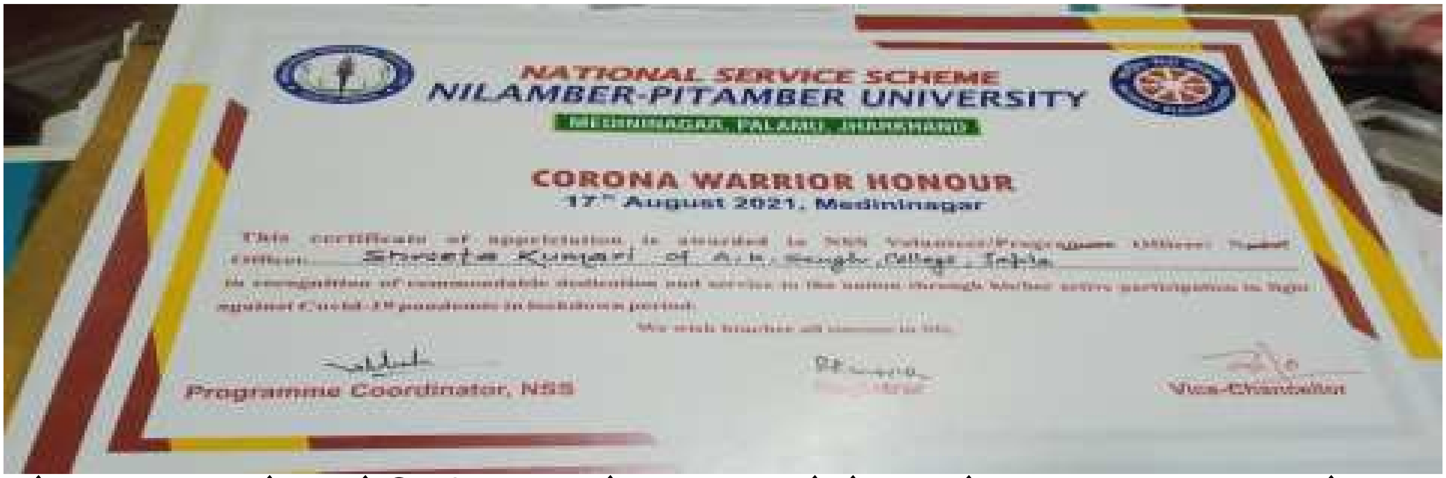

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुये Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक Date:- 17/08/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर कोरोना योध्दा सम्मान समारोह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुये स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रुप फोटो

3.जी. एल. ए. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम :-

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस (24 सितम्बर 2021) के अवसर पर विश्वविद्यालय स्तरीय (पेंटिंग ,क्विज ,स्लोगन और सांस्कृतिक नृत्य) प्रतियोगिता का आयोजन **जी एल ए कॉलेज मेदिनीनगर** केंद्र पर किया गया | जिसमे इस महाविद्यालय से चार सवयंसेवको (**राहुल कुमार सिंह ,अजीत कुमार ,सरस्वती रंजन और प्रशिक्षा रंजन राज**) ने उक्त प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता की|

उक्त कार्यक्रम के समापन सत्र में माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) रामलखन सिंह , प्रतिकुलपति प्रो. (डॉ) दीपनारायण यादव , जी एल ए कॉलेज मेदिनीनगर के प्राचार्य प्रो. आई जे खलको एवं राष्ट्रीय योजना समन्वयक प्रो. (डॉ) विभेश कुमार चौबे की गरिमामयी उपस्थिति रही | कार्यक्रम का संचालन एस पी डी कॉलेज गढ़वा के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. कमलेश सिन्हा एवं धन्यवाद ज्ञापन ए. के. सिंह कॉलेज के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया |

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम Date:-24/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम Date:-24/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

क्विज प्रतियोगता में भाग लेते हुये स्वयंसेवक राहुल कुमार सिंह Date:-24/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

प्रतियोगता में भाग लेते हुये स्वयंसेवक Date:-24/09/2021

प्रतियोगता का आकलन करते हुये कार्यक्रम पदाधिकारी

पेन्टिंग प्रतियोगता में भाग लेते हुये स्वयंसेवक Date:-24/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पेन्टिंग प्रतियोगता में भाग लेते हुये स्वयंसेवक Date:-24/09/2021

पेंटिंग प्रतियोगिता में सरस्वती को दूसरा स्थान

हुसैनाबाद | प्रतिनिधि

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस के अवसर पर नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन जीएलए कॉलेज, मेदिनीनगर में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में एके सिंह कॉलेज, जपला के एन. एस.एस.के स्वयंसेवकों ने भी भाग लिया। भाग लेने वालों में स्लोगन प्रतियोगिता में अर्जुन प्रजापति, क्विज प्रतियोगिता में अजीत कुमार और राहुल कुमार सिंह, पेंटिंग व एकल नृत्य में सरस्वती रंजन सम्मिलित हुई। इस कार्यक्रम में सरस्वती रंजन को पेंटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर प्रति कुलपति ने सम्मानित किया। इससे सरस्वती रंजन ने एके. सिंह कॉलेज का नाम रोशन किया। एके सिंह कॉलेज जपला के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह अपने कॉलेज के विद्यार्थियों के मार्गदर्शक के रुप में साथ-साथ रहे। कार्यक्रम में नीपी विवि के कुलपति, प्रति कुलपति, जीएलए कॉलेज के प्राचार्य आई.जे. खलको तथा एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विभेष कुमार चौबे भी मौजूद थे। सरस्वती रंजन को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर कॉलेज के प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि जयशंकर प्रसाद सिंह, डॉ. शिव कुमार विश्वकर्मा, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. राम सुभग सिंह, डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्रो. सुदीप कुमार सिंह आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

4.महाविद्यालय परिसर से महुराम मैदान देवरी रोड तक फिट इंडिया फ्रीडम रण का आयोजन :-

दैनिक भास्कर पलामू भास्कर 26-09-2021

फिट इंडिया रन से दिया स्वस्थ रहने का संदेश

एके. सिंह कॉलेज, जपला की एनएसएस इकाई ने किया आयोजन, लोगों ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हैदरनगर

एके. सिंह कॉलेज, जपला की एनएसएस. इकाई के द्वारा "फिट इंडिया फ्रीडम रन" का आयोजन सुबह 7:00 बजे किया गया, जो कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर महुराम खेल के मैदान में देवरी जाकर समापन हुआ। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने "फिट इंडिया फ्रीडम रन" विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह के द्वारा उपस्थित स्वयंसेवकों व कॉलेज के शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मचारियों को स्वस्थ रहने की जानकारी दी। कॉलेज, के सचिव रौनक सिंह के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का फ्लैग दिखाकर "फिट इंडिया फ्रीडम रन" के प्रति सभी को स्वस्थ रहने का संदेश देते हुए रवाना किया। इस कार्यक्रम में विदेश कुमार, प्रिंस कुमार, प्रियांशु कुमार, मनीष कुमार, रंजीत कुमार, नीरज कुमार, अर्जुन प्रजापति, राजन प्रजापति, नीरज कुमार, अमित चंद्रा, आदित्य गुप्ता, अजीत कुमार , विवेक रवि, अमृत कुमार , कुंदन कुणाल, शक्ति ठाकुर , राजा कुमार, रितिक कुमार, जयप्रकाश मेहता, धनंजय प्रजापति, सत्यम कुमार, विवेक कुमार, राहुल कुमार सिंह, आधुनिक कुमार, ओम कुमार सहित अनेक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। साथ ही शिक्षकों में डॉ. राम सुभग सिंह , डॉ. आलोक रंजन कुमार, शिक्षक प्रतिनिधि - प्रोफेसर जयशंकर प्रसाद सिंह प्रो. सुधीर कुमार सिंह, प्रो. मुकेश कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा,प्रो. चंदन कुमार सिंह , प्रो. सुदीप कुमार सिंह, प्रो. रेखा सिंह, डॉ. इंदिरा सिन्हा , डॉ.सुप्रिया जैन, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. अभिषेक कुमार, नरेंद्र कुमार सिंह , अनिक राज पाल , मीना गुप्ता, प्रो. रवि रंजन मिश्रा, उमेश सिंह , ओमप्रकाश सिंह, सुनील सिंह सहित कॉलेज के सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारियों ने "फिट इंडिया फ्रीडम रन" में भाग लेकर स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं को उत्साहवर्धन व प्रेरणा का कार्य किया।

फ्रिडम रन में उस्थित एनएसएस के पदाधिकारी व छात्र।

फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन

एके सिंह कॉलेज के स्वयंसेवक व कर्मियों ने लिया भाग

प्रतिनिधि,हुसैनाबाद

कार्यक्रम में शामिल लोग

भारत सरकार के युवा व खेल मंत्रालय के निर्देश पर एके सिंह कॉलेज जपला की एनएसएस इकाई ने फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया. बुधवार को इसकी शुरुआत कॉलेज परिसर से की गयी. इसका समापन महुराव खेल मैदान में हुआ. फ्रीडम रन प्रारंभ होने से पहले कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने फिट इंडिया फ्रीडम रन विषय पर प्रकाश डाला. प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने उपस्थित स्वयंसेवकों व कॉलेज के शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों को स्वस्थ रहने की जानकारी दी. कॉलेज के सचिव रौनक सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का फ्लैग दिखाकर फिट इंडिया फ्रीडम रन के प्रति सभी को स्वस्थ रहने का संदेश देते हुए रवाना किया. इस कार्यक्रम में बिंदेश कुमार, प्रिंस, प्रियांशु, मनीष, रंजीत, नीरज, अर्जुन प्रजापति, राजन प्रजापति, नीरज, अमित चंद्रा, आदित्य गुप्ता, अजीत, विवेक रवि, अमृत, कुंदन कुणाल, शक्ति ठाकुर, राजा, रितिक, जयप्रकाश मेहता, धनंजय प्रजापति, सत्यम, विवेक, राहुल सिंह, आधुनिक, ओम. वहीं शिक्षकों में डॉ राम सुभग सिंह, डॉ आलोक रंजन, शिक्षक प्रतिनिधि प्रोफेसर जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो सुधीर सिंह, प्रो मुकेश सिंह, प्रो सुनील सिंह, डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो चंदन सिंह, प्रो सुदीप सिंह, प्रो रेखा सिंह, डॉ इंदिरा सिन्हा, डॉ सुप्रिया जैन, प्रो आनंद कुमार, प्रो अभिषेक कुमार, नरेंद्र सिंह, अनिकराज पाल, मीना गुप्ता, प्रो रवि रंजन मिश्रा, उमेश सिंह, ओमप्रकाश सिंह, सुनील सिंह सहित कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों ने फिट इंडिया फ्रीडम रन में भाग लेकर स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया.

प्रभात खबर
Sun, 26 September 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/63358377

5. जे. एस कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर राष्ट्रीय सेवा योजना उन्मुखीकरण बैठकः–

राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय स्तरीय उन्मुखीकरण बैठक दिनांक 30-SEP-2021 को जे. एस. कॉलेज मेदिनीनगर केंद्र पर आयोजित किया गया जिसमे नीलाम्बर - पीताम्बर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर के माननीय कुलपति प्रो.डॉ रामलखन सिंह ,प्रतिकुलपति प्रो. डॉ दीपनारायण यादव ,झारखण्ड राज्य के एन एस एस पदाधिकारी प्रो. डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र ,जे एस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ राणाप्रताप सिंह एवं एन एस एस समन्वयक डॉ विभेश कुमार चौबे की गरिमामयी उपस्थिति में विभिन्न कॉलेज से आये हुए प्राचार्य एवं कार्यक्रम पदाधिकारी शामिल हुए जिसमे एन एस एस के नियमित गतिविधि , विशेष शिविर एवं वित्तीय संचालन पर विस्तार से परिचर्चा की गयी | इस कॉलेज से प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह एवं कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह शामिल हुए |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सम्बोधित करते हुये NSS STATE पदाधिकारी झारखण्ड Date:-30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सम्बोधित करते हुये कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कु० सिंह Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सम्बोधित करते हुये **J S College Medininagar** के प्राचर्य डॉ० राणा प्रताप सिंह

Date:- 30/09/2021

सम्बोधित करते हुये पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सम्बोधित करते हुये ए० के० सिंह कॉलेज जपला प्राचार्य

Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कॉलेज के पदाधिकारी

Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कॉलेज के पदाधिकारी

Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम समन्वयक सम्बोधन करते हुये

Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुये Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुये Date:- 30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम समन्वयक को सम्मानित करते हुये प्राचार्य Date:-30/09/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

6. महाविद्यालय मे स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजनः-

राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय ईकाई के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 02-OCT-2021 को महाविद्यालय परिसर में सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर कार्यक्रम पदाधिकारी **प्रो. राजेश कुमार सिंह** एवं एन एस एस के सवयंसेवको के द्वारा पुष्प अर्पित किया गया तत्पश्चात "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई की गयी |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये कार्यक्रम पदाधिकारी **प्रो. राजेश कुमार सिंह** Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत” के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

"स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के तहत सवयंसेवको के द्वारा

महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत” के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत” के तहत सवयंसेवको के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सफाई करते हुये Date:-02/10/2021

7. पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021 के लिए विश्वविद्यालय स्तरीय चयन प्रक्रिया मे वाई.एस.एन.एम. कॉलेज मेदिनीनगर केन्द्र पर स्वयंसेवको की सहभागिताः–

विश्वविद्यालय स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर चयन प्रक्रिया में महाविद्यालय से छः स्वयंसेवको ने भाग लिया जिसमे दो स्वयंसेवको का चयन किया गया | यह चयन प्रक्रिया वाई एस एन एम कॉलेज मेदिनीनगर केंद्र पर दिनांक (04-OCT-2021) को आयोजित हुआ |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

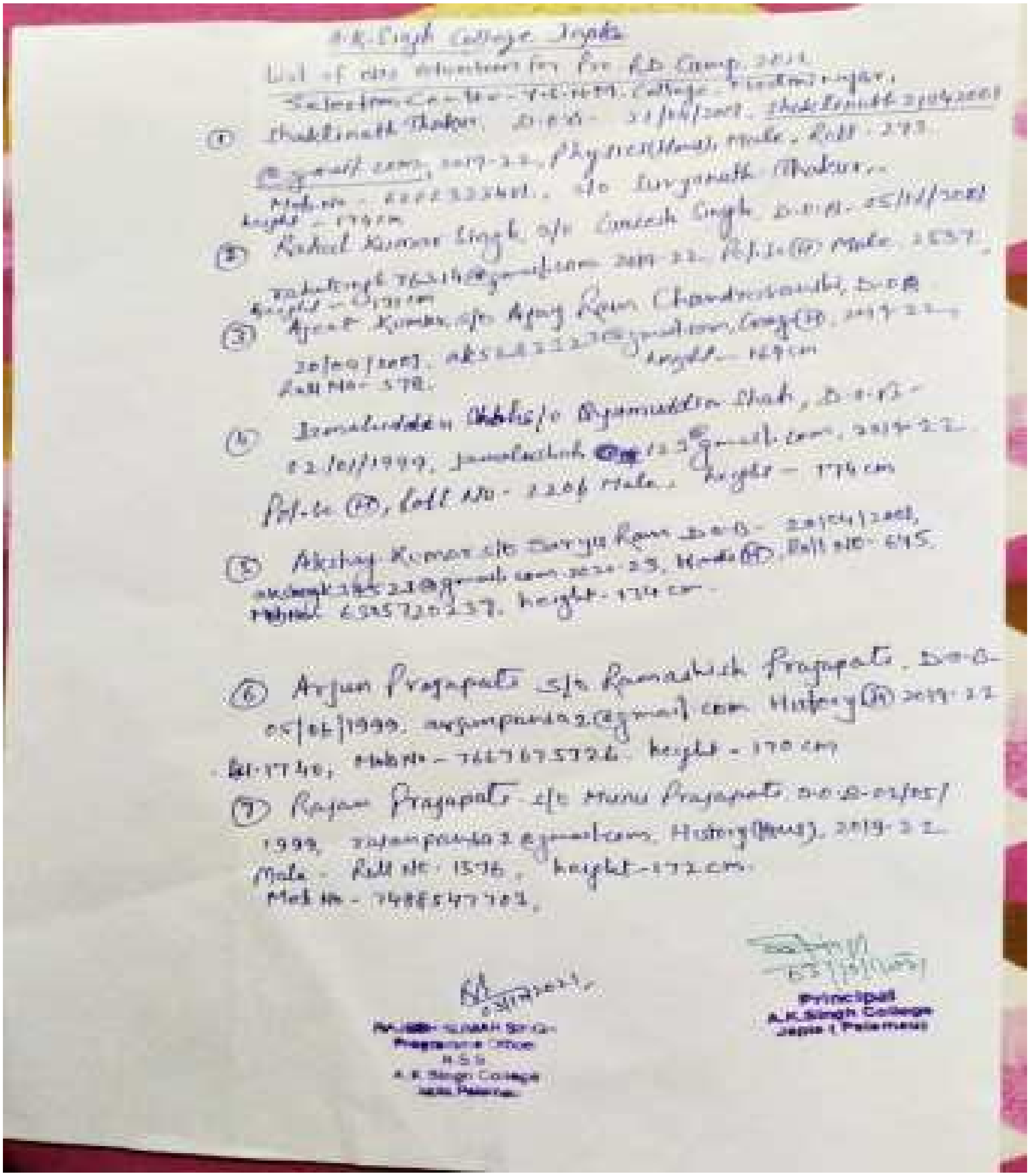

A.K. Singh College Japla

List of NSS Volunteers for Pre-RD Camp 2022

① [illegible] Thakur, D.O.B. - [illegible], Physics (Hons), Male, Roll - [illegible], @gmail.com, 2019-22, s/o [illegible] Thakur, Mob. No. - [illegible], height - [illegible]

② Rahul Kumar Singh s/o [illegible] Singh, D.O.B. - [illegible], 2019-22, Pol.Sc.(H), Male, [illegible], @gmail.com, height - [illegible]

③ Ajeet Kumar s/o Ajay Ram Chandravanshi, D.O.B. [illegible], @gmail.com, Geog.(H), 2019-22, height - [illegible], Roll No. - 578.

④ [illegible] s/o [illegible], D.O.B. - [illegible]/1999, @gmail.com, 2019-22, height - 174 cm, Pol.Sc.(H), Roll No. - [illegible], Male.

⑤ Akshay Kumar s/o Sarju Ram, D.O.B. - [illegible], Roll No. - 695, @gmail.com, 2020-23, Hindi (H), Mobile [illegible], height - 174 cm.

⑥ Arjun Prajapati s/o [illegible] Prajapati, D.O.B. - 05/[illegible]/1999, @gmail.com, History (H), 2019-22, Mob. No. - [illegible], height - 170 cm

⑦ Rajan Prajapati s/o [illegible] Prajapati, D.O.B. - [illegible]/1999, @gmail.com, History (Hons), 2019-22, Male, Roll No. 1576, height - 172 cm, Mob. No. - [illegible]

Programme Officer

NSS

A.K. Singh College

Principal

A.K. Singh College

Japla (Palamau)

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

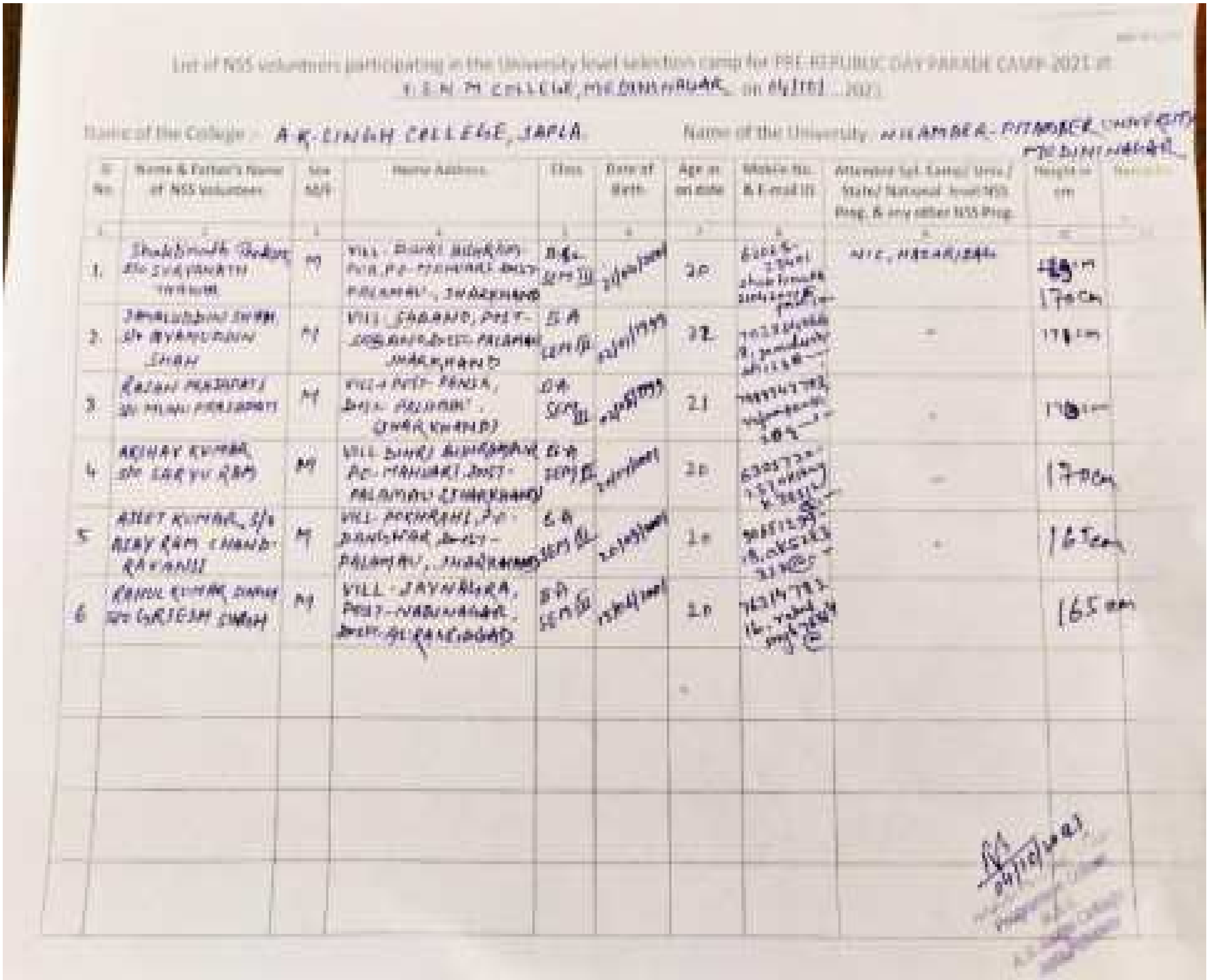

List of NSS volunteers participating in the University level selection camp for PRE REPUBLIC DAY PARADE CAMP 2021 at
Y.S.N.M. COLLEGE, MEDININAGAR on [illegible] 2021

Name of the College :- A.K. SINGH COLLEGE, JAPLA. Name of the University: NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY MEDININAGAR

Sl. No.	Name & Father's Name of NSS Volunteer	Sex M/F	Home Address	Class	Date of Birth	Age as on date	Mobile No. & E-mail ID	Attended Spl. Camp/ Univ./ State/ National level NSS Prog. & any other NSS Prog.	Height in cm	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.	Shashinath Thakur S/o Suryanath Thakur	M	Vill - Bihari Bishrampur, P.O. - Mahuari, Dist - Palamau, Jharkhand	B.Sc. Sem III	[illegible]	20	[illegible]	NIC, Hazaribag	170 cm	
2.	Jamaluddin Shah S/o Myamuddin Shah	M	Vill - Sabano, Post - Sabano, Dist - Palamau, Jharkhand	B.A. Sem III	[illegible]	22	[illegible]	-	17[illegible] cm	
3.	Rajan Prajapati S/o [illegible] Prajapati	M	Vill & Post - Pansa, Dist - Palamau, (Jharkhand)	B.A. Sem III	[illegible]	21	[illegible]	-	1[illegible] cm	
4	Akshay Kumar S/o Saryu Ram	M	Vill - Bihari Bishrampur, PO - Mahuari, Dist - Palamau (Jharkhand)	B.A. Sem III	[illegible]	20	[illegible]	-	170 cm	
5	Ajeet Kumar S/o Ajay Ram Chandravanshi	M	Vill - Pokharahi, PO - Daniwar, Dist - Palamau, Jharkhand	B.A. Sem III	[illegible]	20	[illegible]	-	16[illegible] cm	
6	Rahul Kumar Shah S/o Girish Shah	M	Vill - Jaynagra, Post - Nabinagar, Dist - Aurangabad	B.A. Sem III	[illegible]	20	[illegible]		165 cm	

[illegible] Programme Officer, NSS, A.K. Singh College, Japla

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

चयनीत स्वयंसेवके साथ फोटो Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम समन्वयक के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी एव स्वयंसेवक Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम समन्वयक के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी एव स्वयंसेवक Date:-04/10/2021

8.राज्य स्तरीय पूर्व गणंतत्र दिवस परेड शिविर 2021 चयन प्रक्रिया मे बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर दिनांक 26.10.2021को स्वयंसेवको के साथ भाग लिया:–

दिनांक 04-OCT-2021 को वाई एस. एन. एम. कॉलेज मेदिनीनगर केंद्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर चयन प्रक्रिया में चयनित कुल 14 (सात छात्र एवं सात छात्रा) स्वयंसेवक ए. के. सिंह कॉलेज जपला के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में दिनांक 26-OCT-2021 को विश्वविद्यालय केंद्र से राज्य स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेने बी आई टी पटना केंद्र पर पहुंचे |

इसके पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ विभेश कुमार चौबे मेदिनीनगर से पूरी टीम को रवाना किये |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** में अपनी प्रतिभा दिखाते हुये **स्वयंसेवक**

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणंतत्र दिवस परेड शिविर में अपनी प्रतिभा दिखाते हुये **स्वयंसेवक** Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** में अपनी प्रतिभा दिखाते हुये **स्वयंसेवक** Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** परेड की चयन प्रक्रिया में भाग लेते हुये **स्वयंसेवक** Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** चयन प्रक्रिया में सिन्गिंग करते हुये

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणंतत्र दिवस परेड शिविर चयन प्रक्रिया में नृत्य करते हुये

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** चयन प्रक्रिया में अपना प्रतिभा दिखाते हुये

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** चयन प्रक्रिया में अपनी प्रतिभा दिखाते हुये

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** चयन प्रक्रिया में अपनी परेड प्रदर्शित करते हुये

Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणंतत्र दिवस परेड शिविर चयन प्रक्रिया में अपनी परेड प्रदर्शित करते हुये Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व **गणंतत्र दिवस परेड शिविर** चयन प्रक्रिया में अपनी परेड प्रदर्शित करते हुये Date:-04/10/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

9. महाविद्यालय में ''नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के देश की आजादी में भूमिका'' विषय पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजनः—

Date:-30/10/2021

लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत जरूरी : एसडीपीओ

आयोजन

प्रतिनिधि,हुसैनाबाद

पलामू पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस विभाग की ओर से एके सिंह कॉलेज में भाषण व क्विज का आयोजन किया गया. यह आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव पर देश की आजादी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका विषय पर आधारित था. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीपीओ पूज्य प्रकाश ने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी है. उन्होंने बेवजह मोबाइल से विद्यार्थियों को दूर रहने की बात कही. शिक्षा के साथ देश प्रेम की बात कही. कार्यक्रम में एसडीपीओ पूज्य प्रकाश, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अजय कुमार, पुलिस निरीक्षक रवि संजय टोप्पो, प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो जयशंकर सिंह, डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉ राम सुभग सिंह, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश सिंह, प्रो डॉ आलोक रंजन, प्रो मुकेश कुमार, प्रो अशोक सिंह, प्रो प्रशांत सिंह, प्रो रविकांत सिंह, प्रो अभिषेक सिंह, ओमप्रकाश सिंह, अशोक सिंह, सुनील सिंह आदि ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया. प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में प्रो डॉ आलोक रंजनर, डॉ सुप्रिया जैन, डॉ आनंद कुमार थे. भाषण प्रतियोगिता में सरस्वती रंजन, सूरज व अनूप क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया. क्विज में ग्रुप इ से श्रद्धा, साक्षी, सूरज सिंह, नीलू प्रथम, ग्रुप डी से अंजली सिंह, सुमन, खुशी, मुकेश द्वितीय व ग्रुप सी से प्रीति पटेल, अमिता, फुल कुमारी, सोनाली सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

पुरस्कृत करते एसडीपीओ व अन्य.

प्रभात खबर
Mon, 01 November 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/64088511

10.बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2021 का आयोजनः–

प्रो. राजेश कुमार सिंह , कार्यक्रम पदाधिकारी , ए. के. सिंह कॉलेज, जपला के नेतृत्व में झारखण्ड राज्य से कुल 30 स्वयंसेवक (15 छात्र एवं 15 छात्रा) दिनांक 16-nov-2021 से 24-nov-2021 तक बी आई टी पटना केंद्र पर आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सफलता पूर्वक भाग लिए |

बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में कार्यक्रम पदाधिकारी

प्रो॰ राजेश कुमार सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में नाटक प्रस्तुत करते हुये|

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

बी. आई. टी. पटना केन्द्र पर पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में क्षेत्रिय निदेशक के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में योगा करते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में परेड करते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में ड्रील प्रशिक्षण लेते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में नृत्य प्रस्तुत करते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में कार्यक्रम देखते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह स्वयंसेवको का पंजीयन करते हुये Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में मंच संचालन करते पदाधिकारी

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में योगा करते हुये

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में मंचासीन पदाधिकारी

Date:-15/11/2021 to 24/11/21

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह

Date:-15/11/2021 to 24/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

11.महाविद्यालय परिसर मे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन :–

राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के द्वारा प्रखंड विकास पाधिकारी हुसैनाबाद के निर्देशानुसार महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शपथ कार्यक्रम एवं विचारगोस्ठी का आयोजन दिनांक 29.11.2021 को संपन्न किया गया जिसमे महाविद्यालय के एन एस एस स्वयंसेवक एवं शिक्षक / **शिक्षकेत्तर** कर्मचारी शामिल हुए |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान में छात्रो को सम्बोधित करते हुये

Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान के छात्रो को सम्बोधित करते हुये

Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शपथ लेते हुये स्वयंसेवक Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शपथ दिलाते हुये कार्यक्रम पदाधिकारी

Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत लोगो को जागरूक करते हुये

Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हुये स्वयंसेवक Date:-29/11/2021

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान केलिए स्वयंसेवको को सम्बोधित करते डॉ॰ अजय कुमार सिंह Date:-29/11/2021

12. राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजनः–

Date:-12/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

13. 14 जनवरी 2022 को अपने अपने घर से ऑनलाइन योग शिविर का आयोजनः—

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार कोरोना काल को देखते हुए सभी एन. एस. एस. इकाइयों को स्वस्थ रहने हेतु दिनांक 14.01.2022 को सभी स्वयंसेवको को अपने - अपने घर से ही ऑनलाइन योग, आसन्न ,प्राणायाम कर निदेशालय को सूचित किया गया | कार्यक्रम का उदेश्य सभी आम नागरिक को अपने दिनचर्या में योग ,आसन्न ,प्राणायाम इत्यादि गतिविधियों को शामिल करना है ताकि हम, हमारा समाज और राष्ट्र स्वस्थ और स्वावलंबी बने |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये NSS पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अपने घर पर योग करते हुये स्वयंसेवक Date:-14/01/2022

14. दिनांक 23-01-2022 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोस्ठी का आयोजन:-

राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय सेल के द्वारा दिनांक 23-01-2022 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे इस महाविद्यालय से एन एस एस स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी शामिल हुए |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

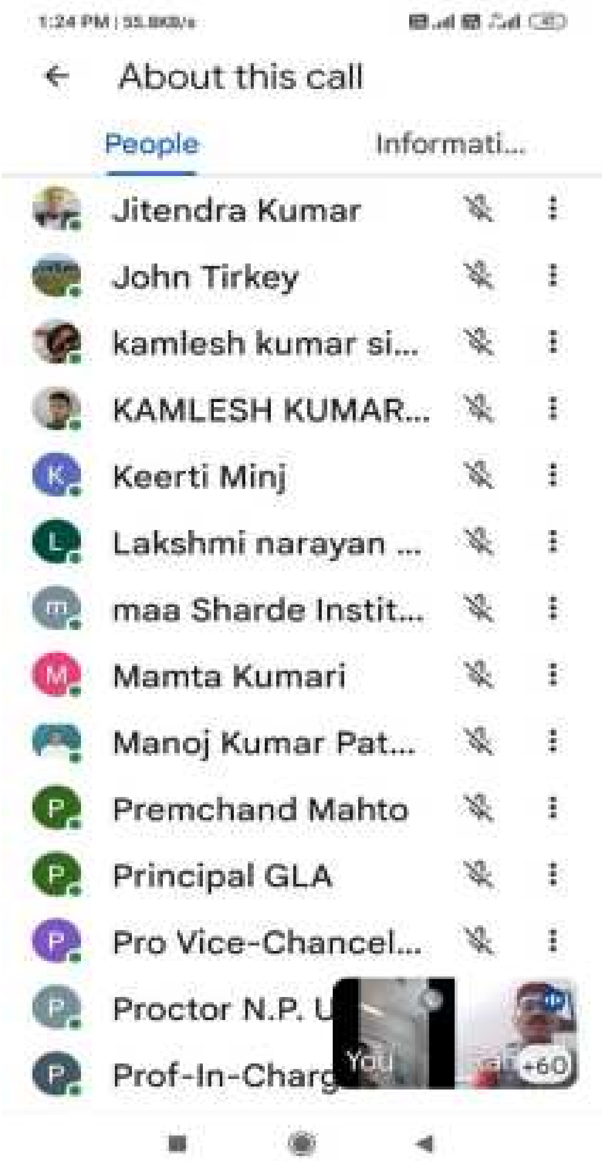

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

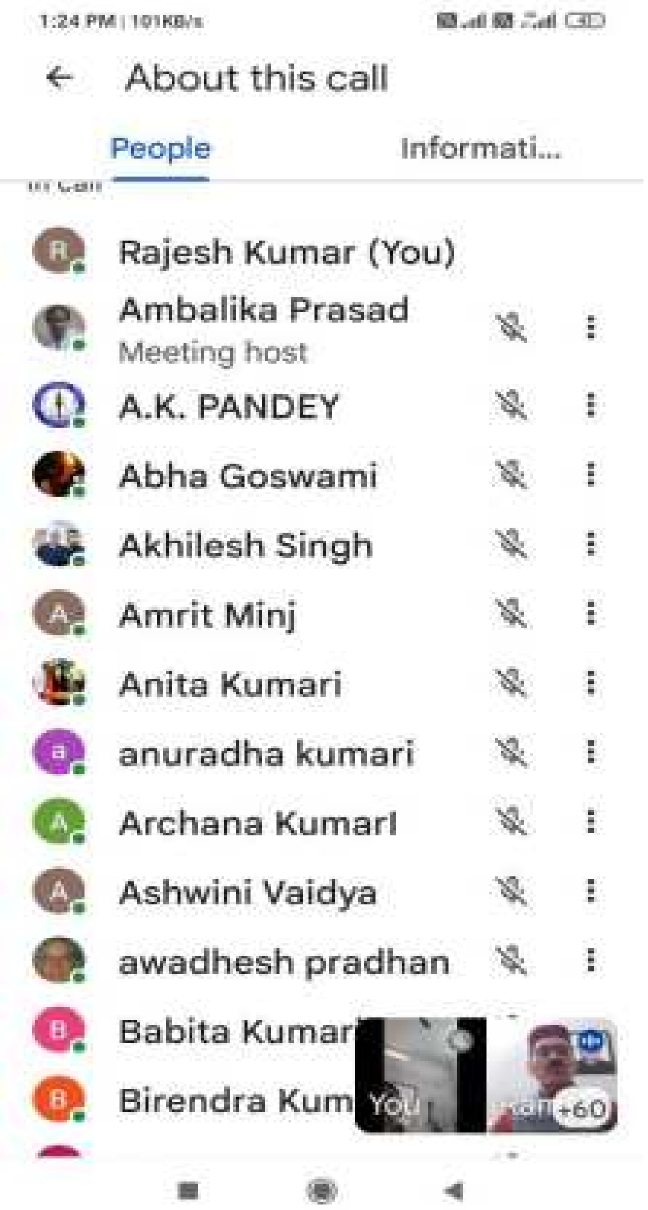

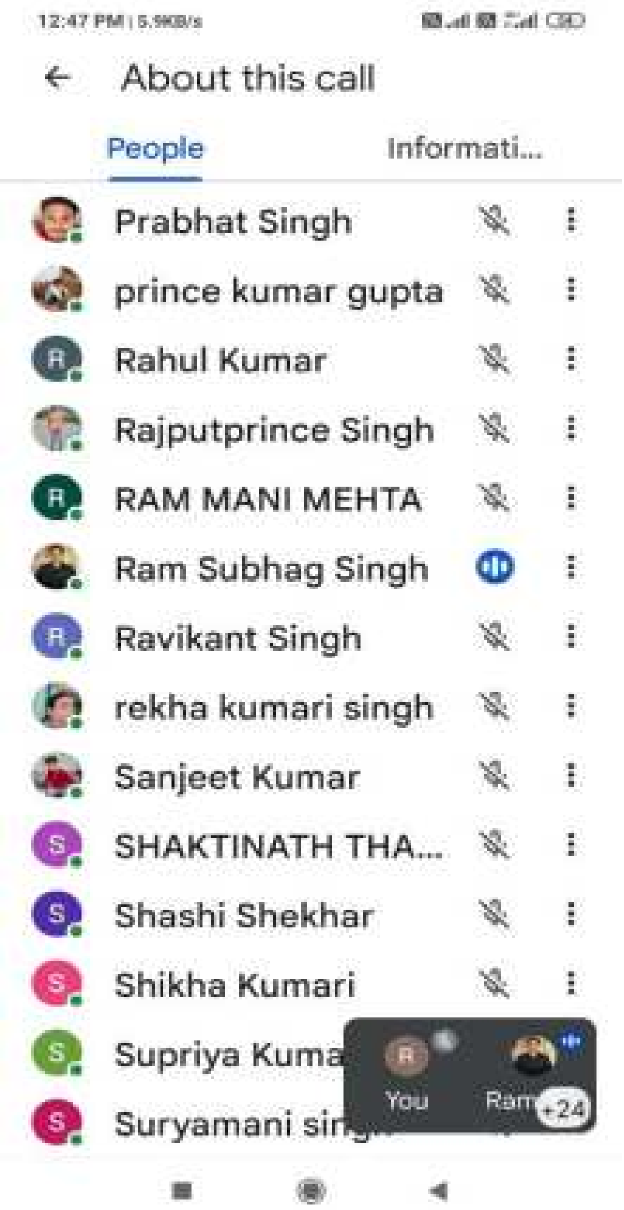

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

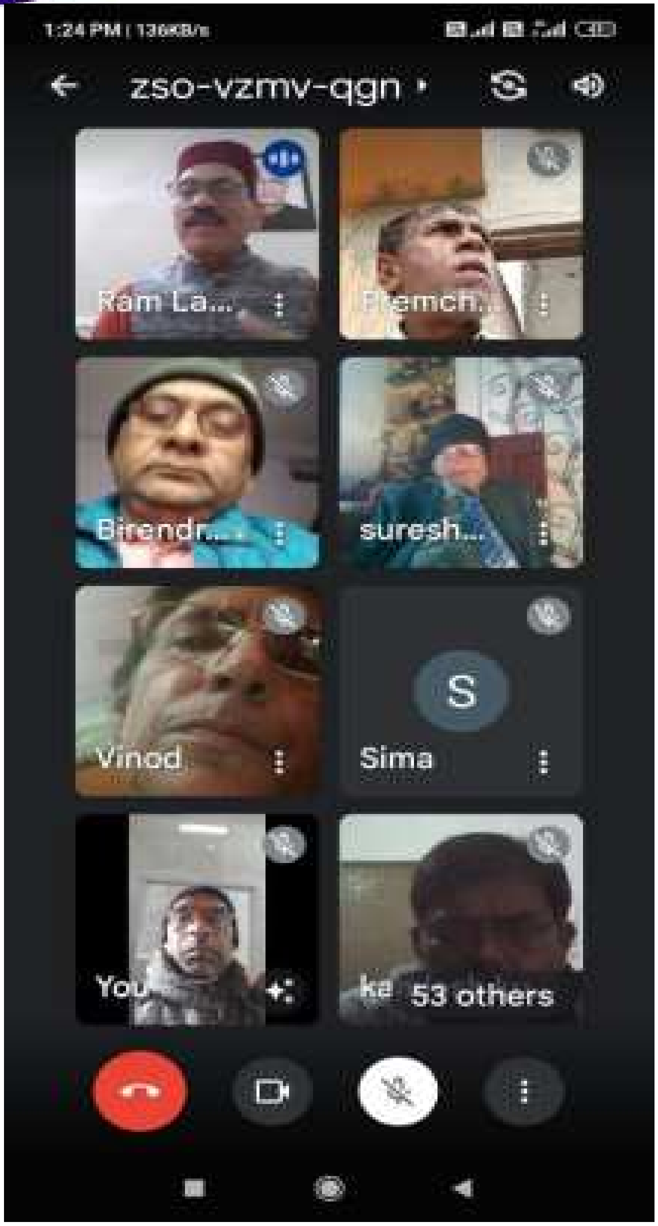

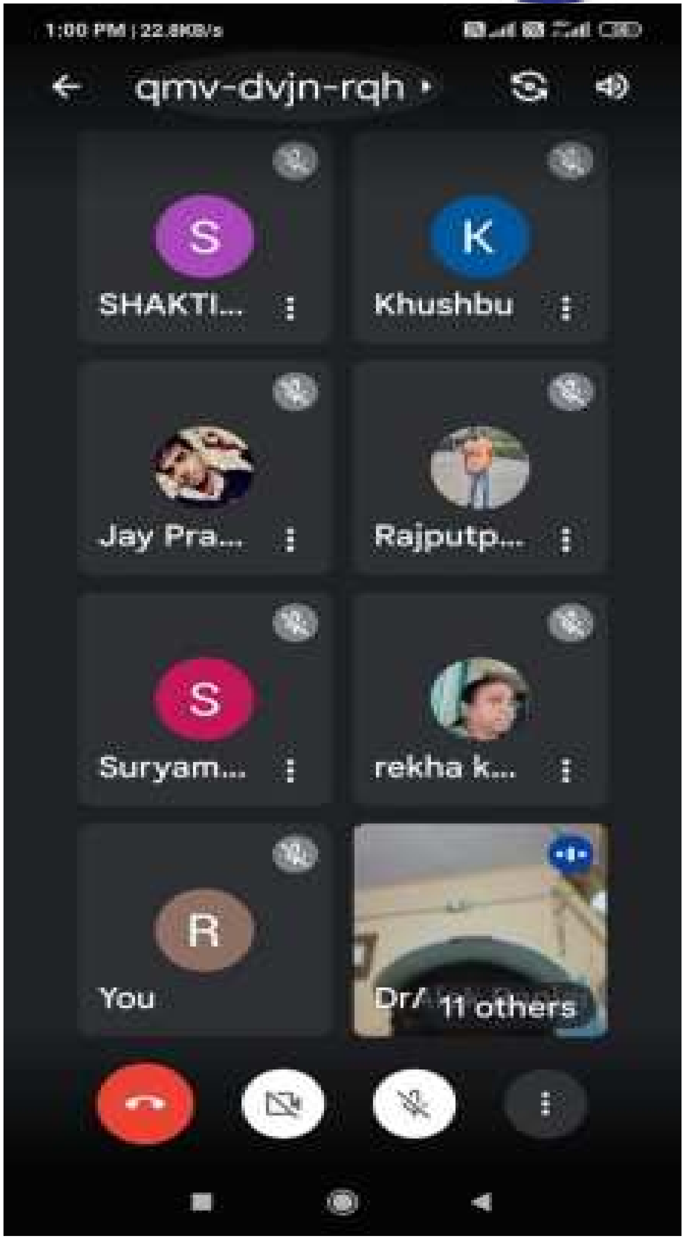

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

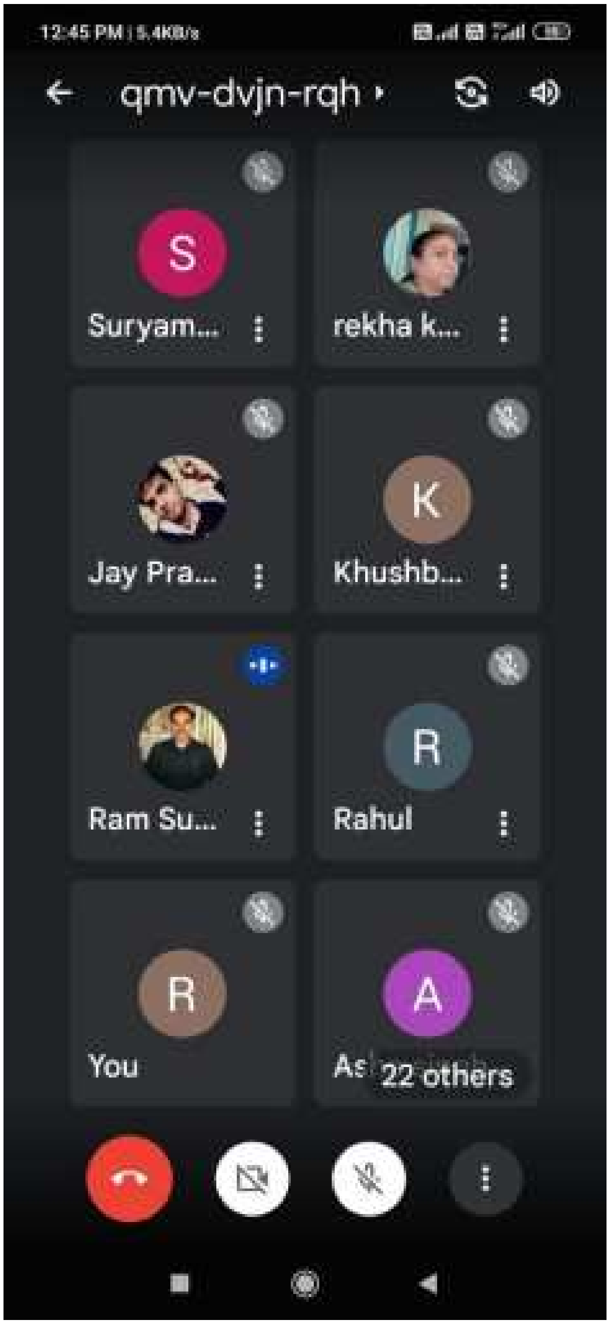

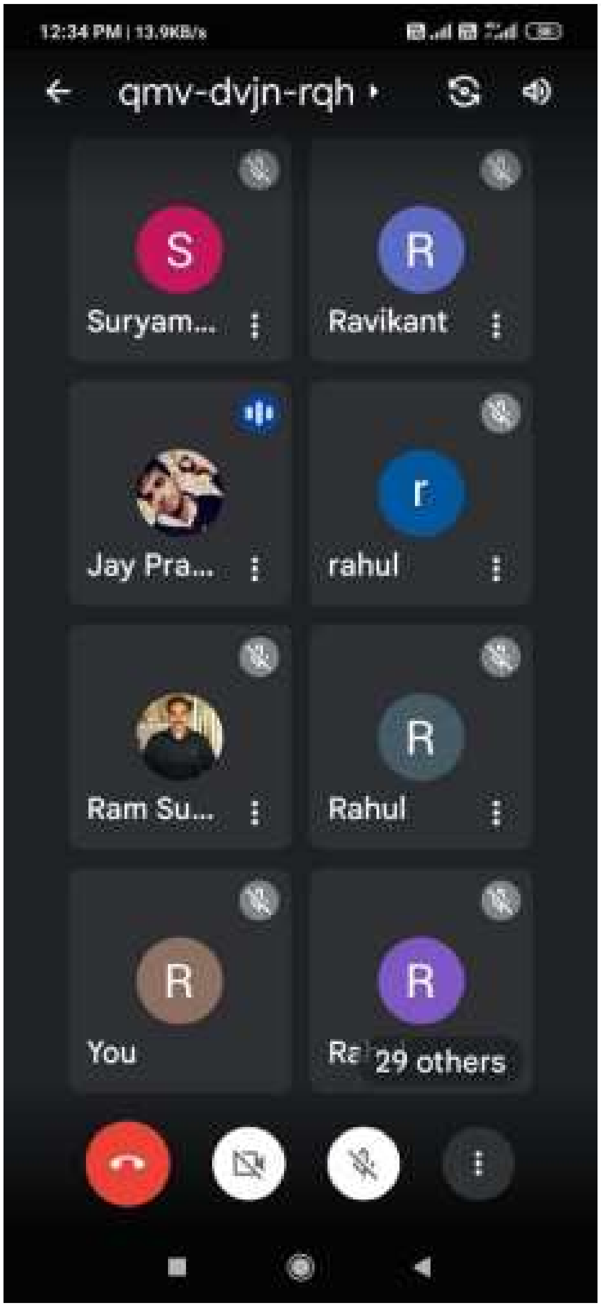

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

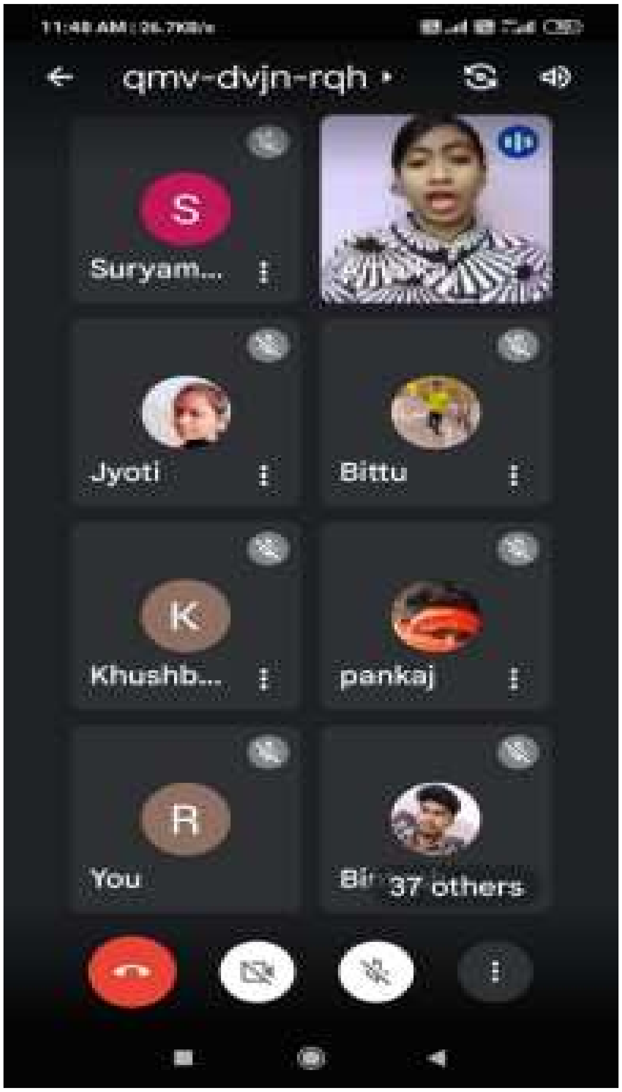

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

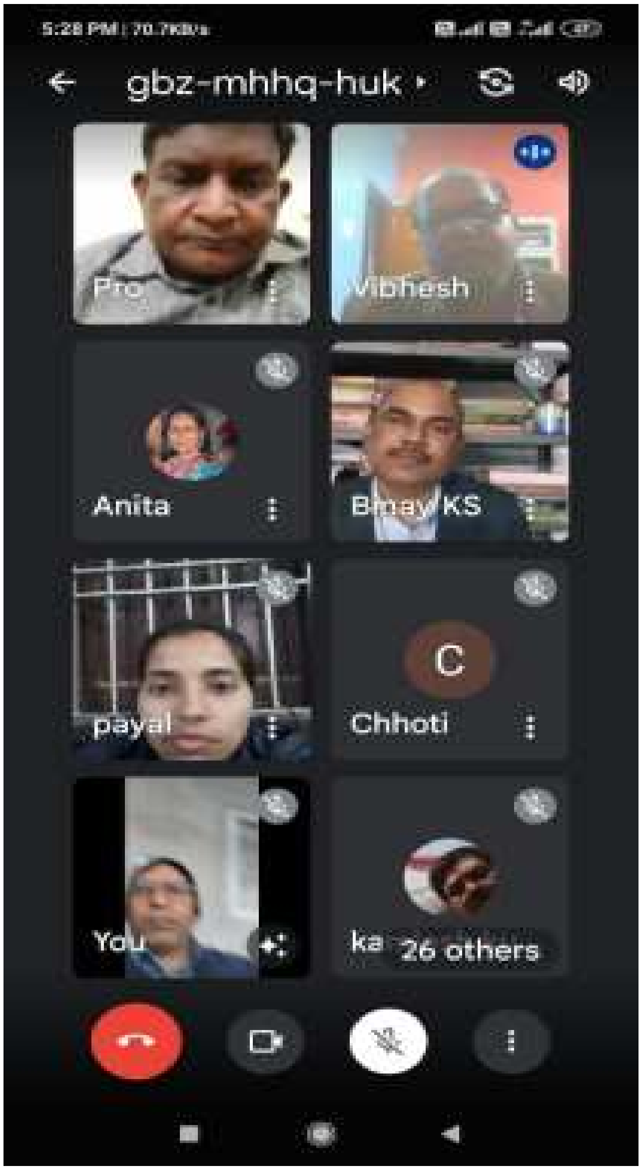

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

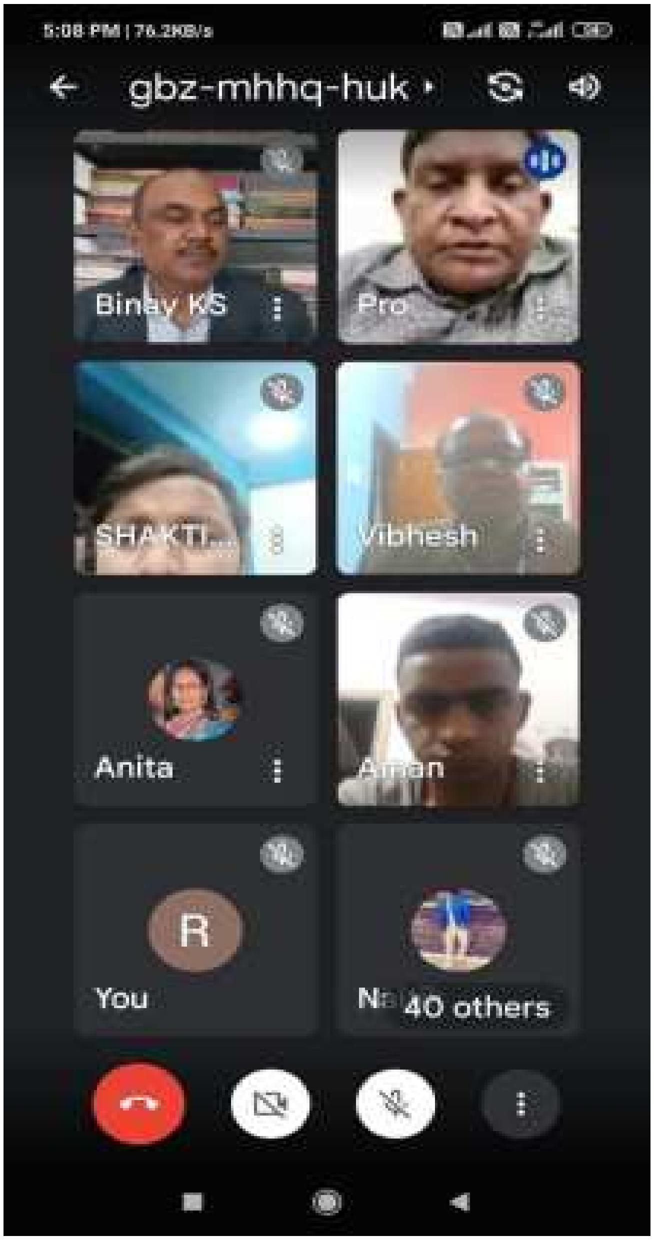

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

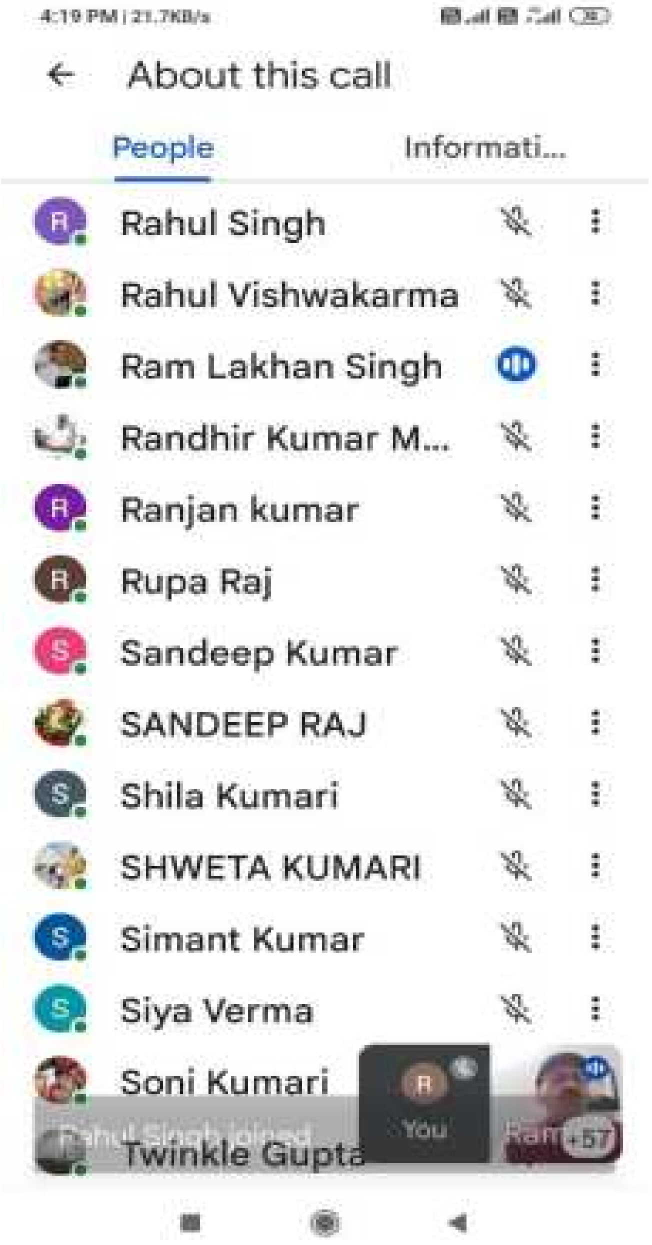

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस
के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

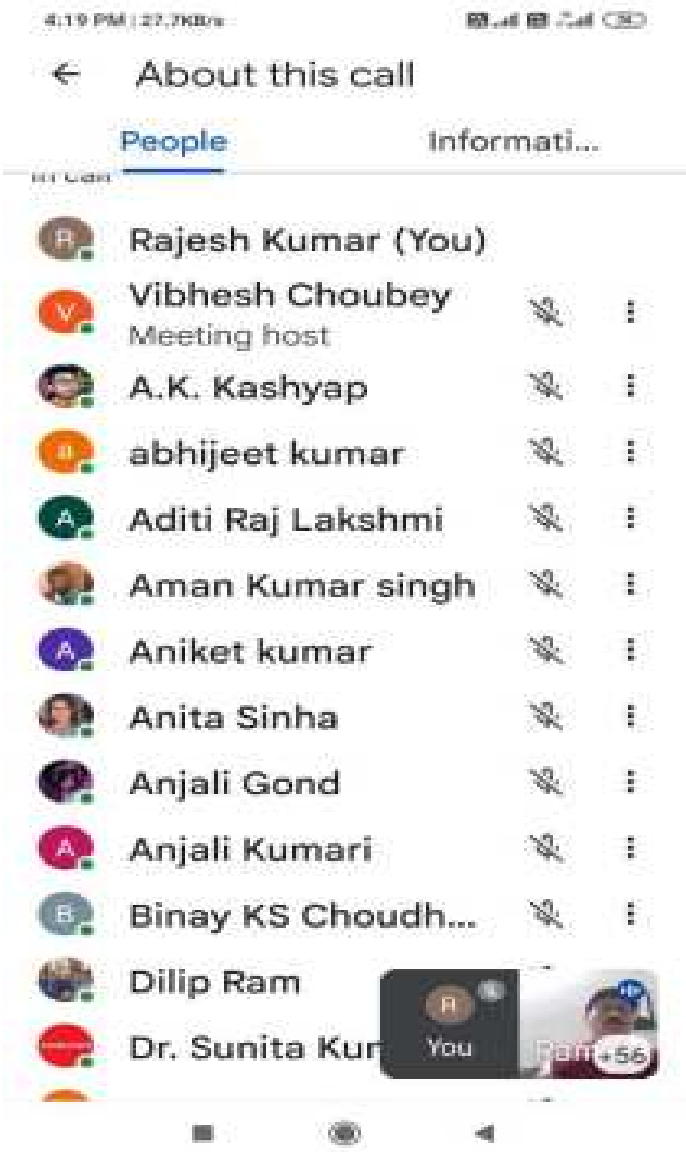

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर ऑनलाइन विचारगोष्ठी में समिलित स्वयंसेवक एवं शिक्षक /शिक्षकेत्तर कर्मचारी Date:-23/01/2022

15. गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर एन. एस.एस स्वयंसेवको के द्वारा परेड का आयोजनः–

महाविद्यालय परिसर में एन एस एस स्वयंसेवको के द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 26-01-2022 को मार्चपास्ट किया गया एवं तिरंगे की सलामी दी गयी |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर उपस्थित छात्र प्रोफेसर और स्वयंसेवक

Date:-26/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गणतंत्र दिवस की तैयारी करते हुये Date:-26/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवक और प्राचार्य

Date:-26/01/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

17. पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में रक्त दान शिविर मे पांच स्वयंसेवको की सहभागिता ।

दिनांक 15-02-2022 पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे कुल पांच स्वयंसेवक भाग लिए |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में रक्त दान करते हुये स्वयंसेवक Date:-15/02/2022

18. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मे कार्यक्रम का आयोजनः–

Date:-08/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेते छात्र और स्वयंसेवक

Date:-08/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेते छात्र और स्वयंसेवक

Date:-08/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में सम्बोधित करते डॉ० अलोक रंजन Date:-08/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेते छात्र और स्वयंसेवक

Date:-08/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

<u>अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर</u> कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये स्वयंसेवक

Date:-08/03/2022

19.बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय व्यक्तित्व विकास एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला मे स्वयंसेवको एवं कार्यक्रम पदाधिकारी की सहभागिताः—

स्थापित – 1984

ए० के० सिंह कॉलेज

जपला, पलामू (झारखण्ड) – 822116

नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय से संबद्ध इकाई

Website- https://akscollege.com, Email- akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ 78 /22, दिनांक 30.03.22

प्रेषक,

प्राचार्य,
ए० के० सिंह कॉलेज,
जपला, पलामू।

सेवा में,

कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना,
नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय,
मेदिनीनगर, पलामू।

विषय :– बी० एस कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय प्रशिक्षण और उन्मुखी कार्यक्रम (एनएसएस) में कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवकों की सहभागिता के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक NPU/NSS/20/22, दिनांक 12.03.22 के आलोक में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा दिनांक 31.03.22 से 01.04.22 तक आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नेतृत्व क्षमता का विकास एवं सांस्कृतिक संध्या हेतु 06 स्वयंसेवकों के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह (भूगोल विभाग) को बी० एस कॉलेज, लातेहार केन्द्र पर सहभागिता सुनिश्चित की गई है। 06 स्वयंसेवकों का नाम इस प्रकार है:–

1. मीरा कुमारी
2. सुप्रिया कुमारी
3. किरण कुमारी
4. अमित कुमार
5. राजन कुमार प्रजापति
6. शक्तिनाथ ठाकुर

विश्वासभाजन

for [signature] 30.03.22

(सूर्य मणि सिंह)
प्राचार्य
ए० के० सिंह कॉलेज
जपला, पलामू।

Mina 30/3/22

बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम में ए. के. सिंह कॉलेज, जपला के स्वयंसेवकों की सहभागिता

(31 मार्च 2022 से 01 अप्रैल 2022)

①	सांस्कृतिक कार्यक्रम :-	स्वयंसेवक का नाम
	आमा बगईचा .... (ग्रुप डांस)- नागपुरी	① मीरा कुमारी ② सुप्रिया कुमारी ③ किरण कुमारी ④ अमित कुमार ⑤ राजन कुमार प्रजापति ⑥ शक्ति ठाकुर
②	नाटक :- (फौन एडिक्शन)	- "
③	सोलो डांस (नागपुरी) -	① शक्ति ठाकुर

27/03/2022

कार्यक्रम पदाधिकारी
रा० से० यो०
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

आज़ादी का अमृत महोत्सव

NATIONAL SERVICE SCHEME

NILAMBER-PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR (PALAMAU)

&

BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA, LATEHAR (JHARKHAND)

NSS ORIENTATION-CUM-LEADERSHIP TRAINING WORKSHOP

31st March - 01st April 2022

Venue : B.S. College, Latehar

This is to certify that NSS Programme Officer / Nodal Officer / Volunteer / Resource Person..........
......Prof. Rajesh Kumar Singh......of A. K. Singh College Japla
participated / delivered lecture in two days NSS Orientation-cum-Leadership Training Workshop jointly organized by NSS Cell of Nilamber-Pitamber University and Banwari Sahu Mahavidyalaya, Latehar.

We wish him / her all success in life.

Principal BS College, Latehar	Programme Co-ordinator, NSS NPU, Medininagar	State Nodal Officer NSS Jharkhand	I/c Vice Chancellor NPU, Medininagar

बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम में नाटक प्रस्तुत करते हुये ए० के० सिंह कॉलेज जपला के स्वयंसेवक

Date:-31/03/2022 to 01/04/2022

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम में नाटक प्रस्तुत करते हुये Date:-31/03/2022 to 01/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

बी. एस. कॉलेज लातेहार केन्द्र पर विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रम में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह Date:-31/03/2022 to 01/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

विशेष शिविर (21.03.2022-27.03.2022) :-
(कोइरियाडीह, देवरी कला पंचायत)

दिनांक	10.00 Am – 01.00 PM	02.00 PM – 05.00 PM
21.03.2022	उद्घाटन सत्र	ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर चर्चा
22.03.2022	" स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत " विषय पर नुक्कड़ नाटक	" स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत " विषय पर जागरूकता रैली
23.03.2022	स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर शौचालय एवं उसकी उपयोगिता का सर्वेक्षण	ग्रामीणों के साथ परिचर्चा
24.03.2022	जल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक	जल संरक्षण विषय पर जागरूकता रैली
25.03.2022	ग्रामीणों के साथ योग अभ्यास एवं व्यायाम	स्वास्थ संबंधी परिचर्चा
26.03.2022	स्वच्छता पर शॉर्ट फिल्म के माध्यम से जागरूकता	पर्यावरण संकट पर शॉर्ट फिल्म के माध्यम से जागरूकता
27.03.2022	पर्यावरण संकट पर जागरूकता रैली	समापन सत्र

NATIONAL SERVICE SCHEME

NSS UNIT AK SINGH COLLEGE, JAPLA

(UNDER NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR, PALAMU, JHARKHAND)

NSS VOLUNTEER DATA BASE (SESSION -2020-21)

S. NO.	STATE	DISTRICT	NAME OF THE INSTITUTION	NAME OF THE VOLUNTEER	GENDER	MOBILE NO.	EMAIL ID
1	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SATYAM KUMAR THAKUR	M	6202753965	satyamthakir2003@gmail.com
2	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	OM KUMAR TIWARI	M	8294607911	om1623559@gmail.com
3	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ANU KUMARI	F	8081562282	santoshid288@gmail.com
4	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	KANCHAN KUMARI	F	9905194834	omkkumartiwarijapla123@gmail.com
5	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAKESH SHARMA	M	9807934793	rksharma02032002@gmail.com
6	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	CHANDAN KUMAR	M	6207899645	ck25052001@gmail.com
7	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ADHUNIK KR. PASWAN	M	7481010646	sk6987794@gmail.com
8	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SHASHIKANT KUMAR	M	9546224654	shashijpldeori685@gmail.com
9	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RANJEET KUMAR	M	9771088529	ranjeetk2973@gmail.com
10	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	MANISH KUMAR	M	9199374981	manishkumar919937@gmail.com
11	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	JAY PRAKASH YADAV	M	7479872351	yadavjayprakash14@gmail.com
12	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RITIK RAUSHAN KUMAR	M	7564004043	ritikkumar709131@gmail.com
13	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SAJAN PASWAN	M	8102590635	army8102590635@gmail.com
14	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	JITENDRA PRASAD	M	7903671622	jp5542446@gmail.com
15	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	BIRBAL SHARMA	M	9798233159	sharmabirbalk@gmail.com
16	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ANKIT KR SIINGH	M	9508690976	princesingh2395japla@gmail.com
17	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ANIKET OJHA	M	9693134552	-@gmail.com
18	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	NIRAJ KUMAR	M	9801348206	pintukumar3441@gmail.com
19	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	KANCHAN KUMARI	F	9939160011	kanchan123421@gmail.com
20	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	DHANJAY PRAJAPATI	M	6200760528	dhanjay822113@gmail.com
21	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	BINTESH KUMAR	M	7462962246	kumarbintesh58@gmail.com
22	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	MANISH KUMAR	M	8434553346	manishk97705@gmail.com
23	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAJAN KR PRAJAPATI	M	9006058749	rajankumar85327@gmail.com
24	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	DHANANJAY PRASAD	M	7676975885	kumardhananjay7667@gmail.com
25	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	PRINCE KR SINGH	M	7484876418	singhrohite@gmail.com
26	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SHUBHAM KR SINGH	M	8117807876	shubhamsingh.9373@gmail.com
27	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	PRIYANSHU KR SINGH	M	8252693574	priyanshukrsingh9503@gmail.com

RAJESH KUMAR SINGH
Programme Officer
N.S.S
A.K. Singh College

09/03/2022
Principal
A.K.Singh College
Japla (Palamu)

28	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ROHIT KUMAR	M	8274995955	bablu8588200@gmail.com
29	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAVIRANJAN KR YADAV	M	9608461002	dkraj8581@gmail.com
30	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAUSHAN KUMAR	M	9117906636	raushan88471@gmail.com
31	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ASHUTOSH KR MISHRA	M	6204375905	ashutoshmishra2002k@gmail.com
32	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAHUL KUMAR	M	7061650149	kumar93392@gmail.com
33	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ADITYA KR GUPTA	M	9155828818	guptaaditya3354@gmail.com
34	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	VISHAL KR PASWAN	M	7739874342	vishalkumar96132@gmail.com
35	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ARYAN RAJ	M	7033409736	kumarpankaj8340@gmail.com
36	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SANCHIT RAJ	M	9142001982	sanchitraj34@gmail.com
37	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SHANI KUMAR	M	9065124958	shamideori122@gmail.com
38	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RITIK KUMAR	M	9297829573	rk2548632@gmail.com
39	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAUSHAN KUMAR	M	9771055717	rk846600@gmail.com
40	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	BASANT PRAJAPATI	M	7654045047	basant2682@gmail.com
41	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SHUBHAM SINGH SOLANKI	M	7481003917	rohitbhumisingh@gmail.com
42	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	MD. AMIRULLAH ANSARI	M	7079128077	aladinamirullah@gmail.com
43	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	MD. SARIM	M	9693476207	sarimmd20@gmail.com
44	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	SUPRIYA KUMARI	F	6204880971	supriyakumari2918@gmail.com
45	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	OM KUSHWAHA	M	8092558772	omkushwaha331@gmail.com
46	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	KARAN KUMAR	M	7635025387	karankkumarjpl43@gmail.com
47	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	PAPPU VISHWAKARMA	M	8709261313	vishwakarmapappu176@gmail.com
48	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	RAVI KUMAR	M	6202628706	kumarraviaug2000@gmail.com
49	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	HARENDRA KUMAR	M	6266610154	hk778485@gmail.com
50	JHARKHAND	PALAMU	AKS COLLEGE, JAPLA	ROHIT KUMAR	M	9346606027	kumarrohit4147258@gmail.com

24/03/22

RAJESH KUMAR SINGH
Programme Officer
N.S.S.
A.K.Singh College
Japla, Palamau

24/03/2022
Principal
A.K.Singh College
Japla (Palamau)

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Kundan Kunal Sinha

ग्रामीणों के साथ शौचालय की उपयोगिता पर चर्चा करते स्वयंसेवक

Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए. के. सिंह कॉलेज, जपला

Kundan Kunal Sinha

ग्रामीणों के साथ शौचालय की उपयोगिता पर चर्चा करते स्वयंसेवक

Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

Kundan Kunal Sinha

ग्रामीणों के साथ परिचर्चा

Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

Kundan Kunal Sinha

ग्रामीणों के साथ योगा करते हुये स्वयंसेवक

Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

Kundan Kunal Sinha

पयार्वरण संकट पर जागरुकता रैली " स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत " विषय पर नुक्कड़ ना Date:-21/03/2022 to 27/03/2022"

Kundan Kunal Sinha

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत " विषय पर नुक्कड़ नाटक

Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

Kundan Kunal Sinha

स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर शौचालय एवं उसका उपयोगिता का सर्वेक्षण Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

Kundan Kunal Sinha

स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर शौचालय एवं उसका उपयोगिता का सर्वेक्षण Date:-21/03/2022 to 27/03/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट 2022-202

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम /राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	18.05.2022 से 24.05.2022	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर अरकाजैन विश्वविद्यालय जमशेदपुर में स्वयंसेवकों कि सहभागिता	01	01	01	03
2.	21.05.2022 से 27.05.2022	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर	02	00	00	02
3.	01.06.2022	फ्लोराइड युक्त गाँव गेडूराही का सर्वेक्षण।	01	00	01	02
4.	03.06.2022	विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर साईकिल रैली का आयोजन	15	10	05	30
5.	05.06.2022	पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पौधा रोपण एवं पेन्टींग प्रतियोगिता का आयोजन	08	07	05	20
6.	21.06.2022	अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में योगा शिविर का आयोजन	20	18	45	83
7.	12.08.2022	स्वच्छता अभियान, रंगोली पेन्टींग प्रतियोगिता	-	-	-	-
8.	14.08.2022	तिरंगा यात्रा	15	15	15	45
9.	15.08.2022	महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एन.एस.एस. परेड का आयोजन	15	07	01	23
10	13.10.2022	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2022 के लिए राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया में विनोवा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग केन्द्र पर स्वयंसेवकों की सहभागिता	01	04	01	06

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

10.	19.10.2022	महाविद्यालय परिसर में स्वच्छ भारत अभियान 2.0 के तहत स्वच्छता अभियान का आयोजन	10	12	01	23
11.	31.10.2022	महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन	15	15	10	40
12.	10.11.2022 से 19.11.2022	अटल विहारी बाजपेयी इंस्टीच्यूट ऑफ मॉनटेनिरियरिंग एवं एलाईड स्पोर्ट्स मनाली में आयोजित एडवेंचर कैंप में स्वयंसेवक की सहभागिता	01	00	00	01
13.	10.11.2022 से 19.11.2022	पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर बिलासपुर, छत्तीसगढ में स्वयंसेवक की सहभागिता	00	01	00	01
14.	26.11.2022	संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन	15	10	10	35
15.	01.12.2022	विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पेंटिंग, स्लोगन एवं एडस पर आधारित जागरूकता नाटक– ''एड्स से सुरक्षा'' का प्रस्तुतिकरण।	12	15	10	37
16.	09.12.2022	महाविद्यालय परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम	12	15	08	35
17.	06.01.2023	महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रकार कार्यक्रम का आयोजन				

18.	09.01.2023	महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रकार कार्यक्रम का आयोजन				
19.	12.01.2023	महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रकार कार्यक्रम का आयोजन				
20.	23.01.2023	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस का आयोजन।	12	13	07	32
21.	22.03.2023 से 28.03.2023	गोद लिए हुए गाँव कोइरियाडीह में विशेष शिविर का आयोजन				50

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

1. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर–2022 अरकाजैन विश्वविद्यालय जमशेदपुर में स्वयंसेवकों की सहभागिता।

ARKA JAIN University

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Youth Affairs and Sports, New Delhi

NATIONAL INTEGRATION CAMP - 2022

Organised by

REGIONAL DIRECTORATE OF NSS, PATNA

Certificate of Participation

This is to certify that, Dr/Mr/Mrs/Ms Sheetal Kumari of Nilamber Pitamber University College / University has successfully participated in the National Integration Camp 2022 sponsored by Government of India, Ministry of Youth Affairs & Sports, New Delhi organised by The Regional Directorate of NSS, Patna in collaboration with Arka Jain University, Jamshedpur (Jharkhand) held from 18th to 24th May 2022.

Programme Coordinator, NSS, Arka Jain University, Jharkhand

Dean Student Welfare, Arka Jain University, Jharkhand

Vice Chancellor, Arka Jain University, Jharkhand

Regional Director, Regional Directorate of NSS, Patna

ARKA JAIN University

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Youth Affairs and Sports, New Delhi

NATIONAL INTEGRATION CAMP - 2022

Organised by

REGIONAL DIRECTORATE OF NSS, PATNA

Certificate of Participation

This is to certify that, Dr/Mr/Mrs/Ms .... Ankit Kumar .... of Nilamber Pitamber University...... College / University has successfully participated in the National Integration Camp 2022 sponsored by Government of India, Ministry of Youth Affairs & Sports, New Delhi organised by The Regional Directorate of NSS, Patna in collaboration with Arka Jain University, Jamshedpur (Jharkhand) held from 18th to 24th May 2022.

Programme Coordinator, NSS
Arka Jain University, Jharkhand

Dean Student Welfare
Arka Jain University, Jharkhand

Vice Chancellor
Arka Jain University, Jharkhand

Regional Director
Regional Directorate of NSS, Patna

कार्यक्रम देखते हुए स्वयंसेवक। Date:- 18/05/2022 to24/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम देखते हुए स्वयंसेवक। Date:- 18/05/2022 to 24/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम मे स्वंयसेवकों के द्वारा प्रस्तुति Date:- 18/05/2022 to24/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम मे स्वंयसेवकों के द्वारा प्रस्तुति Date:- 18/05/2022 to24/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

2.राष्ट्रीय एकिकरण शिवर–2022 पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर।

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS
राष्ट्रीय एकता शिविर
NATIONAL INTEGRATION CAMP

प्रमाण-पत्र
CERTIFICATE

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ./श्री./सुश्री अमीत कुमार महाविद्यालय/विश्वविद्यालय ए. के सिंह कॉलेज जपला ने दिनांक 21 मई से 27 मई, 2022 तक, भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, रा.से.यो. क्षेत्रीय निदेशालय (म.प्र.-छ.ग.) भोपाल एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर रा.से.यो. प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में सहभागिता की।

This is to certify that Dr./Mr./Ms. Amit Kumar of A.K Singh College Japla College/University has participated in the National Integration Camp organized by the Government of India, Ministry of Youth Affairs & Sports, Regional Directorate of NSS Bhopal (MP – CG) in collaboration with Pt. Ravishankar Shukla University NSS Cell Raipur, CG from 21st May – 27th May 2022.

Dr. Neeta Bajpai
Camp Coordinator & Programme Coordinator NSS
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur, Chhattisgarh

A S Kabir
Camp Director & Regional Director
Regional Dte. of NSS, MP-CG
Govt. of India

Dr. Keshari Lal Verma
Vice-Chancellor
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur, Chhattisgarh

MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS
NATIONAL INTEGRATION CAMP
CERTIFICATE

राहुल कुमार सिंह

Rahul Kumar Singh of A.K. Singh College Japla

A S Kabir

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एन आई सी रायपुर के लिए स्वयेसेवकों रवाना करते कार्यक्रम समन्वयक ।

Date:- 21/05/2022 to 27/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मंचासीन अधिकारी के साथ स्वयंसेवक गण Date:- 21/05/2022 to 27/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वयंसेवको ग्रुप फोटो Date:- 21/05/2022 to 27/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वयंसेवको ग्रुप फोटो Date:- 21/05/2022 to 27/05/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपल

टीम लीडर के साथ स्वयंसेवक Date:- 21/05/2022 to 27/05/20

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपल

3. फ्लोराइड युक्त गाँव गेडूराही का सर्वेक्षण |

कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह फ्लोराइड युक्त गाँव गेडूराही का भ्रमण कुछ स्वयंसेवको को लेकर दिनांक 01-06-2022 को किया |

गाँव भ्रमण के क्रम में लोगो से मिलने के पश्चात यह पता चला कि वहा के करीब 30% आबादी फ्लोराइड युक्त पानी पने से प्रभावित है | अर्थात किसी न किसी रूप से विकलांग है | यद्यपि वहा पर सिचाई की सुविधा और अन्य आवश्यक सुविधाए उपलब्ध है |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रामीण से चर्चा करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 01/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रामीण से चर्चा करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 01/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रामीण से चर्चा करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 01/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रामीण से चर्चा करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 01/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ग्रामीण से चर्चा करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 01/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

4. विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर दिनांक 03-06-2022 को साईकिल रेस का आयोजन –

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर स्वंयेसेवकों के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य ।

Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर स्वंयेसेवकों के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य ।

Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत साईकिल रेस कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला इकाई द्वारा शुक्रवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर साईकिल रेस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दुगार्बाड़ी के पास ओवरब्रीज से प्रारंभ होकर महुराम मैदान तक एनएसएस के स्वयंसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी। इसके पूर्व एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को स्वस्थ्य रहने के लिए नित्य दिनचर्या में सुबह साइकिल राइडिंग करने की सलाह दी। तथा उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में लोगों के बीच एकता, पर्यावरण संरक्षण, उर्जा संरक्षण,विदेशी मुद्रा बचत तथा स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरुक करना है। प्रो.राहुल कुमार सिंह ने कहा कि आम नागरिक तक यह संदेश पहुंचाने का दायित्व एनएसएस स्वयंसेवकों का है। इस कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने साइकिल राइडिंग के माध्यम से स्वयंसेवकों,छात्र छात्राओं एवं आम नागरिक को स्वस्थ्य रहने की अपील की गई। इस मौके पर शीतल कुमारी, दिव्या कुमारी, सुप्रिया कुमारी, बिन्टेश कुमार, अजीत कुमार,अनुराग कुमार, कौशल कुमार, प्रशांत कुमार, उत्तम कुमार, सुनील कुमार, गौरव कुमार सहित कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ब्रीफ न्यूज

स्वस्थ रहने के लिए साइक्लिंग को दिनचर्या में शामिल करें : सूर्यमणि

हुसैनाबाद. एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत विश्व साइकिल दिवस पर साइक्लिंग कार्यक्रम का आयोजन किया. यह आयोजन सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर किया गया. इसके तहत देवरी रोड स्थित दुर्गाबाड़ी परिसर से महुराव तक साइकल रेस का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया. कार्यक्रम का संचालन कर रहे एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन पर विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने कहा कि स्वयंसेवकों को स्वस्थ रहने के लिए नित्य दिनचर्या में सुबह साइकिल राइडिंग करने की जरूरत है. इसका मुख्य उद्देश्य समाज में लोगों के बीच एकता, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, विदेशी मुद्रा बचत व स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना है. उन्होंने आमलोगों को भी साइकिल अपनाने की बात कही. प्रो राहुल कुमार सिंह ने कहा कि आम नागरिक तक यह संदेश पहुंचाने का दायित्व एनएसएस स्वयंसेवकों का है. जो बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं. मौके पर शीतल कुमारी, दिव्या कुमारी, सुप्रिया ,बिटिश कुमार, अजीत कुमार, अनुराग कुमार, कौशल कुमार, प्रशांत कुमार, उत्तम कुमार, सुनील कुमार, गौरव कुमार समेत कई स्वयंसेवक मौजूद थे.

प्रभात खबर
Sat, 04 June 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साइकिल रेस मे भाग लेते हुए स्वंयसेवक Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साइकिल रेस मे भाग लेते हुए स्वंयसेवक Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साइकिल रेस मे भाग लेते हुए स्वंयसेवक Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साइकिल रेस मे भाग लेते हुए स्वंयसेवक Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साइकिल रेस मे भाग लेते हुए स्वंयसेवक Date:- 03/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

5. विशव पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर मे कार्यक्रम का आयोजन।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05-06-2022 को महाविद्यालय परिसर में कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में एन एस एस स्वयंसेवको ने पौधा लगाया तथा पर्यावरण सुरक्षा के दृष्टि से पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया तथा लोगो को यह संदेश देने का कार्य किया कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हमारा उत्तरदायित्व है |

पर्यावरण की रक्षा करना गाँव , समाज और देश की रक्षा करना है | हम सबको यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि हम अपने अपने जन्म दिन के अवसर पर एक पौधा आवश्य लगायें |

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

साथ ही सभी शहरों में चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था की है।

एके सिंह कॉलेज जपला में वृक्षारोपण कार्यक्रम

हुसैनाबाद, हैदरनगर | एके सिंह कालेज, जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कालेज परिसर में स्वयंसेवकों द्वारा पौधा लगाकर ग्लोवल वार्मिंग को रोकने, प्राकृतिक संतुलन व प्रदूषणमुक्त वातावरण निर्माण हेतु संदेश देने का कार्य किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने कहा जल ही जीवन है। जल का संरक्षण तभी हो सकता है, जब हम प्रर्यावरण का संरक्षण करेंगे। उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवकों को अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए 33 प्रतिशत भूमि पर वन होना अति आवश्यक है।प्रो राहुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रकृति और पर्यावरण में संबंध स्थापित पेड़-पौधे ही करते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दैनिक भास्कर पलामू भास्कर 06-06-2022

एके सिंह कॉलेज जपला में वृक्षारोपण कार्यक्रम

हुसैनाबाद, हैदरनगर | एके सिंह कालेज, जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कालेज परिसर में स्वयंसेवकों द्वारा पौधा लगाकर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने, प्राकृतिक संतुलन व प्रदूषणमुक्त वातावरण निर्माण हेतु संदेश देने का कार्य किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने कहा जल ही जीवन है। जल का संरक्षण तभी हो सकता है, जब हम पर्यावरण का संरक्षण करेंगे। उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवकों को अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए 33 प्रतिशत भूमि पर वन होना अति आवश्यक है।प्रो राहुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रकृति और पर्यावरण में संबंध स्थापित पेड़-पौधे ही करते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा लगाते हुए स्वयंसेवक Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा लगाते हुए स्वयंसेवक Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जप

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:-05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण का संदेश देते हुए स्वयंसेवक । Date:- 05/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
अपना मेदिन

विश्व पर्यावरण दिवस पर पलामू में शहर से गांव तक हुए कई कार्यक्रम, बच्चों को भी स्कूल और कॉलेज

मिलकर पर्यावरण को अनुकूल बनाने

पर्यावरण दिवस

सेसा के कार्यक्रम में परहिया समुदाय की बच्चियों का दिखा हुनर

डीआईजी

परिसर

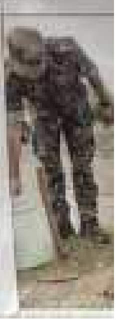

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

6.अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में दिनांक 21-06-2022 को योग शिविर का आयोजन -

एनएसएस ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भास्कर न्यूज़ | हुसैनाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय व नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर के निर्देशानुसार मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुबह छह बजे से आठ बजे तक योग शिविर का आयोजन प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह, नामांकन प्रभारी प्रो सुधीर कुमार सिंह, एसीएस डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, ,प्रो राहुल कुमार सिंह, प्रो अरुण कुमार सिंह ने स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए नित्यदिन अपने दिनचर्या में योगासन प्राणायाम को शामिल करने के साथ-साथ अनुशासित रहने की अनिवार्यता पर बल दिया। योग एक आध्यात्मिक अनुशासन व अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है, जो मन व शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने बतौर प्रशिक्षक के रूप में सभी योग, आसन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, विभिन्न प्रकार की मुद्राओं -ज्ञान मुद्रा, पृथ्वी मुद्रा, रुद्र मुद्रा, प्राण मुद्रा, अपानवायु मुद्रा इत्यादि के बारे में विस्तार से सभी क्रियाओं को कराया व उससे होने वाले लाभ-हानि के बारे में बताया। प्रो डॉ आलोक रंजन ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वयंसेवकों के माध्यम से घर-घर योग का संदेश पहुंचे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

में क्रशर प्लांट में ओवरलोडिंग
य, ग्रामीणों ने लोडिंग बंद कराई

लेकर ग्रामीणों ने किया बवाल अधिकारियों को दी सूचना

योग दिवस पर स्कूलों में हुआ

व स्वस्थ्य शरीर : पीडीजे

एनएसएस ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिहरगंज प्रखंड में योग शिविर का हुआ आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

बीच सामंजस्य है: संघ चालक

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते हुए स्वयंसेवकों एवं पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते हुए स्वयंसेवकों एवं पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करते स्वयंसेवक Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योग करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगा करतें स्वयंसेवक Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योग करते पदाधिकारी Date:- 21/06/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

योगाभ्यास करते लोग व प्रशिक्षक.

स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में शामिल करें योगासन : शशि

उद्घाटन करते नप अध्यक्ष व अन्य. योग करते ल आयोजन.

हुसैनाबाद. हुसैनाबाद में कई संस्थानों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया. मंगलवार को कई स्थानों पर आयोजित योग कार्यक्रम में उत्साह के साथ लोगों ने शामिल होकर योग करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर हुसैनाबाद में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की हुसैनाबाद इकाई के सद्भावना भवन, 44 झारखंड बटालियन की डाल्टनगंज इकाई के निर्देश पर एनसीसी की ओर बनशी उच्च विद्यालय परिसर में योग कार्यक्रम हुआ.जबकि पतंजलि योग संस्थान हुसैनाबाद व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट ने अनुमंडल मैदान, एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई ने कॉलेज परिसर, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, श्री मां बाल विश्राम विद्यालय, लक्ष्मी शिशु वाटिका,भाजपा नगर मंडल, उर्देवार मंडल, फेसा पंचायत सचिवालय में मुखिया नरेश पासवान के नेतृत्व में योग का आयोजन किया गया.

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वि में योग कार्यक्रम का उद्घाटन नगर अध्यक्ष शशि कुमार,बीके नीलम, राजयोग शिक्षिका बीके नम्रता, बीके पूनम, एनसीसी पदाधिकारी मो रब्बानी आदि ने किया. संचालन बीके नीरज ने किया. कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने योग द्वारा स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी. इस अवसर पर आसन-प्राणायाम कराया गया. नप अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि अध्यात्म तो योग को मान्यता दी ही विज्ञान भी योग को स्वीकार किया है. मानसिक व शारीरिक विकारों की मुक्ति के लिए योग सबके लिए जरूरी है. उन्होंने उन्होंने सभी लोगों से अपने दिनचर्या में योग को शामिल करने की संकल्प लेने की बात कही.अलग अलग स्थलों पर आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, पूर्व नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम, भाजपा के वरिष्ठ नेता कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह, नगर मंडल के अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता, उदय विश्वकर्मा, प्रो राजेश सिंह, एके सिंह कॉलेज के प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, प्रो राहुल सिंह, श्रवण अग्रवाल, अखिलेश सिंह, राजेंद्र प्रसाद, सोना गुप्ता, पूनम देवी, रामराज मेहता, धीरेंद्र प्रसाद, रवींद्र कुमार, बीके ललन, मुकेश कुमार, अजीत अग्रवाल, शिवनारायण आदि शामिल हुए.

एनसीसी के 44 बटालियन ने मनाया योग दिवस

मेदिनीनगर. मंगलवार को एनसीसी के झारखंड 44 बटालियन ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया. इस अवसर पर शिवाजी मैदान में योग शिविर का आयोजन किया गया. बटालियन के सीईओ कर्नल प्रवीण अवस्थ एवं कर्नल अमिताभ मुखर्जी ने बताया कि योग दिवस पर मेदिनीनगर के अलावे हुसैनाबाद, गढ़वा, लातेहार जिला के महुआडांड़, बालूमाथ, नेतरहाट सहित कई जगहों पर योग शिविर का आयोजन किया गया है. इसमें 2970 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया. शिविर में निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत योग के विभिन्न आयामों को बताया गया और उसका अभ्यास कराया गया. शिवाजी मैदान में

योग करते एनसीसी पदाधिकारी व कैडेट.

आयोजित शिविर में 200 से अधिक महिला-पुरुष एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया. योग प्रशिक्षक ब्राह्मण हाइ स्कूल के डॉ एसएन पांडेय एवं त्रिपुरारी महलोत ने योगाभ्यास कराया. इसे सफल बनाने में एनसीसी 44 बटालियन के सुबेदार मेजर कुलदीप खलखो, रंजन उपाध्याय, सुबेदार शिवचरण बाइडक, नायब के अलावा प्रमोद कुमार पांडेय, सतीश कुमार दुबे, दिलीप कुमार, चंद्रबली चौबे, डॉ सत्येंद्र, शारदा बार सहित कई लोग सक्रिय थे.

प्रभात खबर Wed, 22 June 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/68757718

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

7. "राष्ट्रीयता की भावना का विकास, क्यों और कैसे?" विषय पर दिनांक **01-08-2022** को महाविद्यालय में वाद विवाद एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन -

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीयता मे भाग लेते हुए एव स्वंयसेवक Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीयता मे भाग लेते हुए एव स्वंयसेवक Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेटिंग करते हुए स्वयंसेवक Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीयता मे भाग लेते हुए एव स्वयंसेवकों Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीयता मे भाग लेते हुए एव स्वयंसेवकों Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीयता मे भाग लेते हुए एव स्वयंसेवकों Date:- 12/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

8. दिंनाक 06.08.2022 को महाविद्यालय परिसर मे स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कक्ष के सफाई करते हुए स्वयंसेवक।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कक्ष के सफाई करते हुए स्वयंसेवक।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

कक्ष के सफाई करते हुए स्वयंसेवक।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 12-08-2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दिनांक 14.08.2022 महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

तिरंगा यात्रा मे भाग लेते हुए स्वयंसेवक एवं पदाधिकारी Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गावं मे तिरगां यात्रा मे शामिल ग्रमीण एव स्वयंसेवक

Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गावं मे तिरगां यात्रा मे शामिल ग्रमीण एव स्वयंसेवक Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गावं मे तिरगां यात्रा मे शामिल गग्रमीण एव स्वयंसेवक Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गावं मे तिरगां यात्रा मे शामिल गग्रमीण एव स्वयंसेवक Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गावं मे तिरगां यात्रा मे शामिल ग्रमीण एव स्वयंसेवक Date:- 14/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यसमिति की बैठक मे भाग लेते हुए पदाधिकारी। Date:- 22/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यसमिति की बैठक मे भाग लेते हुए पदाधिकारी। Date:- 22/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यसमिति की बैठक मंचासीन मे भाग लेते हुए पदाधिकारी। Date:- 22/08/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

13 Advanture camp organized on 16-10-2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एडवेंचर शिविर मे ग्रुप फोटो Date:- 07/10/2022 to 16/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एडवेंचर शिविर स्वयंसेवकिया भाग लेते हूए ।

Date:- 07/10/2022 to 16/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

Date:- 07/10/2022 to 16/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

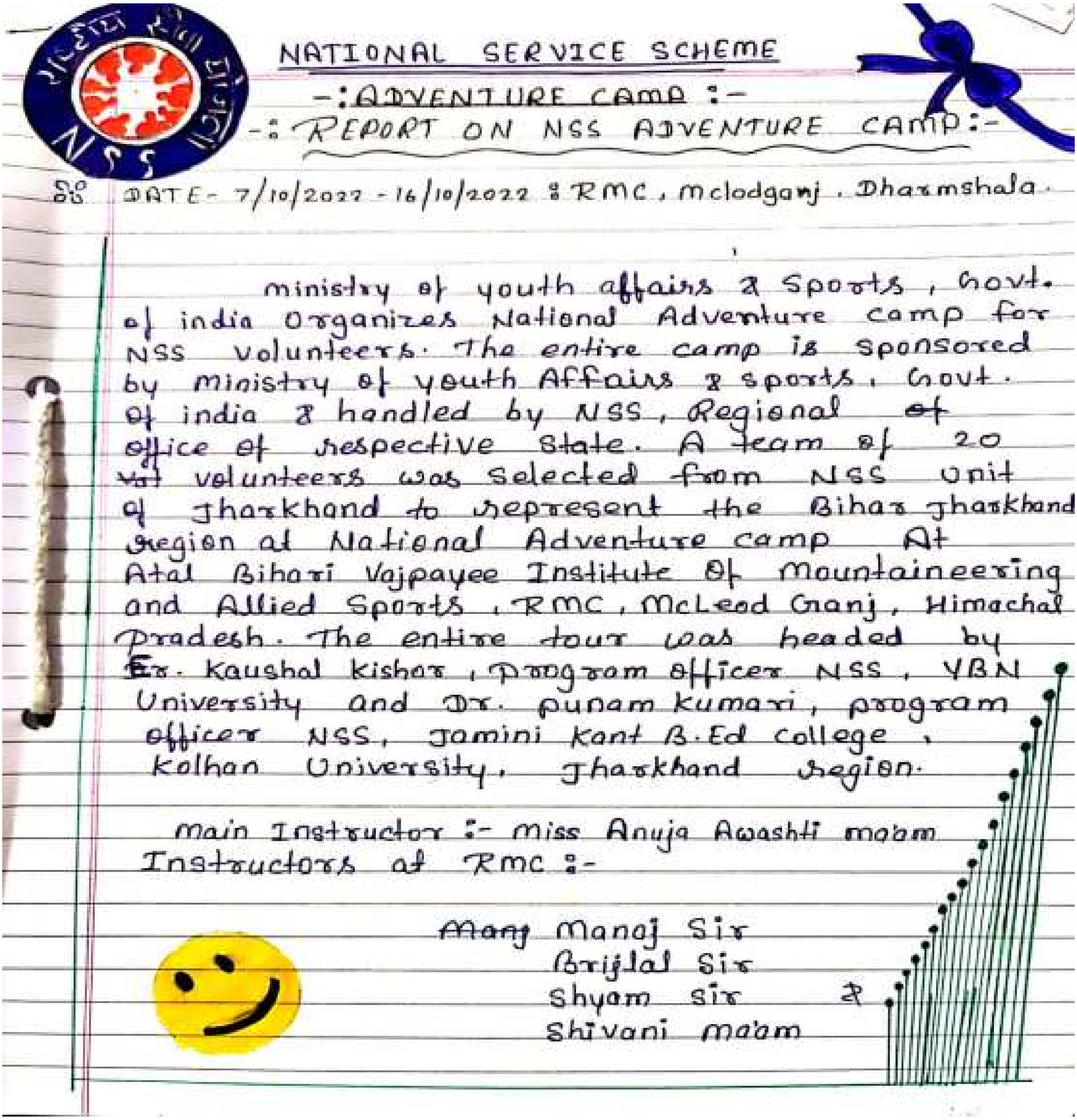

NATIONAL SERVICE SCHEME

-: ADVENTURE CAMP :-

-: REPORT ON NSS ADVENTURE CAMP :-

DATE - 7/10/2022 - 16/10/2022 : RMC, Mclodganj, Dharmshala.

ministry of youth affairs & Sports, Govt. of india Organizes National Adventure camp for NSS volunteers. The entire camp is sponsored by ministry of youth Affairs & sports, Govt. of india & handled by NSS, Regional ~~of~~ office of respective State. A team of 20 ~~vol~~ volunteers was selected from NSS unit of Jharkhand to represent the Bihar Jharkhand region at National Adventure camp At Atal Bihari Vajpayee Institute Of Mountaineering and Allied Sports, RMC, McLeod Ganj, Himachal Pradesh. The entire tour was headed by Dr. Kaushal kishor, Program officer NSS, VBN University and Dr. punam kumari, program officer NSS, Jamini Kant B.Ed college, kolhan University, Jharkhand region.

main Instructor :- miss Anuja Awashti mam

Instructors at RMC :-

~~Manj~~ Manoj Sir
Brijlal Sir
Shyam sir &
Shivani mam

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY - 1 07/10/2022

7:30 Am ~~Lunch~~ Breakfast

8:00 Am Reporting

12:00 pm Camping के दौरान प्रयोग की जाने वाली tools के बारे मे जानकारी दी गई। तथा हिमालय के विभिन्न भागो की जानकारी दी गई। जैसे - पीर पंजाल धौलाधार रेंज, रावी नदी इत्यादि को मानचित्र की सहायता से दिखाया गया।

2:25 pm Campus को कैसे clean रखे इस विषय पर चर्चा हुई।

5:00 pm Incharge के द्वारा ABVIMAS के स्थापना एवं संस्था के बारे मे बताया गया।

5:58 pm Shivani ma'am के द्वारा mountaineering manners, mountaineering hazards के बारे मे बताया गया।

6:30 pm Tea time.

7:00 pm main leader का selection.
main leader के अलावा
4 rope leader
2 kitchen incharge (मैस इनचार्ज)
2 equipment incharge
का selection हुआ। और सबको उनका work बताया गया।

8:00 pm Dinner.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY - 2 08/10/2022

6:00 Am	Breakfast
6:30 Am	P.T. एवं पर्वत पर चढ़ने का अभ्यास
09:00 Am	Shyam Sir के द्वारा Rope & ~~knode~~ knot के बारे में full information दिया गया।
11:30 am	Rock climbing के बारे में Brige sir ने जानकारी दी। कैसे चढ़ना चाहिए, कौन-कौन सी परेशानियाँ आएँगी, उन परेशानियों का समाधान कैसे करेंगे। Theoretical class
12:00 pm	Lunch
2:30 pm	Rock climbing सभी NSS volunteer से करवाया गया। practical class.
4:00 pm	Tea time
4:20 pm	Rock climbing के time आनेवाले problem तथा उसका solution बताया गया।
5:20 pm	mclodganj market तथा Dalaai laama temple घुमाया गया।
7:00 pm	fall in & ~~per~~ Reporting.
8:00 pm	Dinner
8:15 pm	fall in सबसे हाल चाल पूछा गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY - 3 — 01/10/2022

05:50 Am	Exercise and mountain पर चढ़ने का अभ्यास कराया गया उसके बाद meditation कराया गया।
6:30 Am	Breakfast
9:00 Am	Repelling के बारे में जानकारी दी गई। Theoretical class.
11:15 am	Repelling सभी NSS volunteer को demo के द्वारा सिखाया गया कि पर्वत से कैसे उतरें। practical class.
12:00 pm	Lunch.
0:30 pm	Next 4 दिवसीय tracking के लिए Beg, wind coat दिया गया। और उससे संबंधित जानकारी दी गयी।
4:30 pm	Rope & Knot test.
8:00 pm	Dinner
8:15 pm	Next day preparation.
8:30 pm	Fall in हाल चाल पूछा गया सबसे।

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY → 4th 10/10/2022

7:00 Am	Breakfast
8:30 Am	हमें packed lunch Or emergency juice & fruit दिया गया। और हमलोग tracking के लिए करेरी की ओर प्रस्थान किए।
1:15 pm	Tracking के दौरान हमलोगों ने Lunch किया।
6:00 pm	सभी NSS volunteer, trainer, P.O. Kareri camp पहुँचे। वहाँ fall in हुआ उसके बाद meditation हुआ।
6:15 pm	Tea time
6:30 pm	सभी को अपने अपने तंबू के बारे में बताया गया। और बताया गया कि तेज धार वाली वस्तुएँ तंबू में ले जाना वर्जित है। तथा माचिस भी नहीं लेकर जाना है। सभी को सोने के लिए sleeping beg दिया गया।
7:00 pm	~~Lunch~~ Dinner

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY → 5 14/10/2022

7:30 Am	Breakfast
8:30 am	हमलोगों ने River classing के लिए प्रस्थान किया।
9:00 am	River crossing से संबंधित problem तथा solution बताया गया। Theoretical class
9:30 am	River crossing practical class.
3:00 pm	Camp & camp hygine के बारे मे बताया गया।
4:40 pm	तंबू लगाने एवं उसको खोलने के लिए सिखाया गया।
4:40 pm	Network area मे ले जाया गया तथा घर पर बात करने का समय दिया गया। Survival के बारे मे बताया गया। अगर हम पर्वत - पहाड़ो मे रास्ता भटक जाए तो किन - किन उपायो को अपनाना चाहिए इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। अगर Rock climbing के time / ऐसे ही Avilance आपके ऊपर गिरे तो उस विषम परिस्थति मे क्या करना चाहिए ये बताया गया। अगर हम Avilance मे फस जाते है तो मदद के लिए किस तरह के Signal & divice का use करना चाहिए इसकी संपूर्ण जानकारी दी गई।
5:30 pm	Tea time
6:00 pm	Dinner / Next Day plaining.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY-6 12/10/2022

हमलोग का plan था kareri lake जाने का लेकिन बारिश की वजह से cancle हो गया। फिर हमलोग tracking के लिए निकले।

7:00am Breakfast

8:00am हमलोग को pack lunch / emergency fruit & juice दिया गया। और हमलोग tracking के लिए निकले।

12:30pm lunch

1:00 pm tracking से वापस आए।

~~01:00~~

1-3:00pm Rest

5:30 pm tea time

6:00pm Dinner

~~09:30pm~~

09:30pm Bon ~~fa~~ fire हुआ उसके बाद हमलोगो ने Bonbita पीकर मस्ती किया।

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY→7 13/10/2022

5:30 Am Breakfast

6:00 Am हमलोग RMC के लिए प्रस्थान किए। पुनः हमें pack lunch / emergency fruit & Juice दिया गया।

6:30 Am Tracking Start

12:00 pm Lunch time

1:00 pm Arrived RMC

Rest

4:00 pm tea time

5:00 pm Discuss for next day preparation.

7:00 pm Dinner.

8:00 pm fall in & हालचाल पूछा गया। ठीक न होने पर medicine दिया गया।

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY - 8 14/10/2022

7:30 Am	Breakfast
8:00 Am	Exercise
8:30 Am	Bagsu naag water fall / Bagsu naag temple को जाया गया।
10:20 am	In market.
1:20 pm	Arrived RMC.
1:30 pm	lunch.
3:00 pm	dissucussion on the topic of leadershi
5:00 pm	Again Knot test.
5:60 pm	Group dissussion.
7:30 pm	Dinner.
8:00 pm	Enjoyment.

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY - 9 15/10/2022

7:30 Am	Breakfast
8:00 Am	P.T.
9:30 am	एक दिन की स्वतंत्रता। घूमने का अवसर दिया गया।
1:30 pm	Arrived RMC.
1:35 pm	Lunch
2:00 pm	Rest / Dance practice.
5:00 pm	tea time
8:00 pm	Dinner.
8:30 pm	fall in / Next day preparation
9:00 pm	Enjoyment / Dance & Song practice

P.T.O.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DAY → 10

16/10/2022

7:30am	Break-fast
8:00am	Prep for fairwell.
8:30am	wlc. song & NSS song की प्रस्तुति
9:00am	miss Anuja Awasthi ma'am के द्वारा सभी का अभिवादन और सुझाव।
9:30am	P.O. द्वारा Speech.
10:00am	सांस्कृतिक कार्यक्रम / हिमालय (हिमाचल प्रदेश) बिहार तथा झारखंड की झलकियाँ
10:30am	Director ma'am के द्वारा Batch Distribution.
11:00am	Mclodganj RMC camp का समापन
11:30am	Mclodganj - Dharmshala Arrived.

— END —

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उपिथत वयं सेवक एव छात्र Date:- 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उपिथत वयं सेवक एव छात्र Date:- 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उपिथत वयं सेवक एव छात्र Date:- 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

महाविद्यालय में दिनांक 31-10-2022 को एकता दिवस पर

विचारगोस्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एकता दिवस पर विचारगोस्ठी का आयोजन Date 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एकता दिवस पर विचारगोस्ठी का आयोजन Date 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एकता दिवस पर विचारगोस्ठी का आयोजन Date 31/10/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दिनांक 10-11-2022 मनाली ट्रिप

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मनाली ट्रिप Date 10/11/2022

24-11-2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम Date 24/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांक 26-11-2022 को महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

5 विविध www.thirdi.in 27 नवम्बर, 2022

संविधान की प्रस्तावना को हमेशा स्मरण रखने की जरूरत : प्रो. सूर्यमणि

शपथ दिलाते प्राचार्य।

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के जपला स्थित एके सिंह कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संविधान दिवस पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने सभी स्वयंसेवकों एवं अन्य छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई। उन्होंने हर भारतीय नागरिक को मौलिक कर्तव्यों का अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। तथा संविधान की प्रस्तावना को हमेशा स्मरण रखने की बात की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन सन् 1949 को संविधान सभा में भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था।

स्वयंसेवकों में आरूषी कुमारी, दिव्या कुमारी, सुप्रिया कुमारी, अंकित कुमार, दिनेश कुमार, अजित कुमार सहित अनेक छात्र छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

नेतृत्व कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने किया।

मौके पर प्रो शशिभूषण सिंह, प्रो सुनील कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, नामांकन प्रभारी प्रो सुधीर कुमार सिंह, डा आलोक रंजन, प्रो राहुल कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी शामिल थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

संविधान दिवस पर शपथ लेते हुये Date 26/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

संविधान दिवस पर शपथ लेते हुये Date 26/11/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दिनांक -01-12-2022 को महाविद्यालय में एड्स दिवस पर आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

एके सिंह कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पेंटिंग, स्लोगन एवं एड्स पर आधारित जागरूकता नाटक, एड्स से सुरक्षा का प्रस्तुतीकरण किया गया। नाटक का उद्देश्य था आम लोगों के बीच भ्रम और गलत धारणा को दूर करना, साथ ही इसके कारण लक्षण एवं निवारण पर प्रकाश डालना।मौके पर प्राचार्य प्रोफेसर सूर्यमणि सिंह ने सभी स्वयंसेवकों को बताया कि कोई भी कार्यक्रम स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं के प्रतिभा को निखारने का उचित माध्यम है। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों को अपने पड़ोसी एवं गोद लिए हुए गांव में घर घर जाकर जागरूक करने पर जोर दिया।। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर आलोक रंजन कुमार ने एड्स पर व्याख्यान देते हुए एड्स के कारण, लक्षण, सावधानी, रोकथाम तथा निवारण पर प्रकाश डाला इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर शशि भूषण सिंह, प्रोफेसर डॉ उपेंद्र कुमार सिंह, प्रोफेसर डॉक्टर आनंद कुमार सिंह, प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह सहित कई शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हुए। स्वयंसेवकों में हिमांशु कुमार, शीतल कुमारी, सुप्रिया कुमारी, आरूषी कुमारी, दिव्या कुमारी, नैंसी कुमारी, रूबी कुमारी, आकांक्षा कुमारी, छवि कुमारी, खुशबून खातून, गुलशन बानो सहित कई अन्य स्वयंसेवकों ने भाग लिया और अपनी प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एके सिंह कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पेंटिंग, स्लोगन एवं एड्स पर आधारित जागरूकता नाटक एड्स से सुरक्षा का प्रस्तुतीकरण किया गया। नाटक का उद्देश्य था, आम लोगों के बीच भ्रम और गलत धारणा को दूर करना, साथ ही इसके कारण लक्षण एवं निवारण पर प्रकाश डालना। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने सभी स्वयंसेवकों को बताया कि कोई भी कार्यक्रम स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं के प्रतिभा को निखारने का उचित माध्यम है। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि एड्स एक ऐसी बीमारी है जो संक्रमित व्यक्ति के रक्त से दूसरे व्यक्ति के रक्त में संक्रमण से होता है। इसलिए संक्रमित व्यक्ति के इंजेक्शन या उससे किसी प्रकार की संगति से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने संघ सेवकों को तन्मयता के साथ कार्यक्रम में सहभागिता के लिए उत्साहवर्धन किया और साथ ही साथ महाविद्यालय में नियमित रूप से आने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने आज विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वयंसेवकों को अपने पड़ोसी एवं गोद लिए हुए गांव में घर घर जाकर जागरूक करने पर जोर दिया तथा एड्स होने के कारण और निवारण को बताने की बात कही। इस अवसर पर प्रोफेसर आलोक रंजन कुमार ने एड्स पर व्याख्यान देते हुए एड्स के कारण, लक्षण, सावधानी, रोकथाम तथा निवारण पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर शशि भूषण सिंह, प्रोफेसर डॉ. उपेंद्र कुमार सिंह, प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ,प्रो. राहुल कुमार सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हुए। तथा स्वयंसेवकों में हिमांशु कुमार, शीतल कुमारी, सुप्रिया कुमारी, आरूषी कुमारी, दिव्या कुमारी ,नैंसी कुमारी, रूबी कुमारी ,आकांक्षा कुमारी, छवि कुमारी, खुशबू खातून, गुलशन बानो सहित कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया और अपनी प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एड्स दिवस पर पेन्टिंग कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान दिनांक 09-12-2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

रहा है जो यह एक सराहनीय कार्य करते हुए कहा कि आप सभी अपने जान बचाया जा सकता है। चार उपस्थित थे।

एके सिंह डिग्री कालेज जपला में शपथ

संवाद सूत्र,जपला (पलामू) : शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम के साथ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। उन्होंने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों छात्र-छात्राओं शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु शपथ दिलाई।

ए के सिंह डिग्री कॉलेज में शपथ समारोह • जागरण

****

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एके सिंह कॉलेज जपला ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू) : शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम के साथ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुनील सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। उन्होंने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों छात्र-छात्राओं शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु शपथ दिलाई। उन्होंने कहा की सभी प्रकार की सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हमारा परम कर्तव्य है। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अति आवश्यक है तथा चार पहिया वाहन चलाने के क्रम में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। साथ ही साथ हम रेलवे क्रॉसिंग एवं अन्य चौक चौराहों पर लाल, हरी व पीली बत्ती के सिग्नल को समझने का प्रयास करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह कैडेट पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के शुभारंभ के रूप में आज सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम को बताया। उन्होंने सभी शिक्षकों तथा अन्य छात्र - छात्राओं को सड़क सुरक्षा हेतु हर प्रकार से सुरक्षित रहने के लिए इसके नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया तथा साथ ही साथ यह बताया कि हम मोटरसाइकिल चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग कदापि न करें तथा कहीं आने जाने के क्रम में जल्दी बाजी न करें। क्योंकि यही जल्दी बाजी दुर्घटना का कारण बन जाता है। प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह, खेल प्रशिक्षक उमेश कुमार सिंह, लेखापाल ओम प्रकाश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी गण एवं स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, सोनम कुमारी, पिंटेश कुमार, अंकित कुमार, दिव्या कुमारी, विकास कश्यप, सुनीता कुमारी, अंजली कुमारी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने शपथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

एड्स दिवस पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन Date 01/12/2022

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

DEGITAL अख़बार
office whatsapp number - 7283024928
e-mail :- toplinenewsjharkhand@gmail.com
TOP लाइन खबर
सच सबसे पहले - खबर सबसे पहले
Regd No :- UDYAM - Jh-18-0002506

09/12/2022 पलामू ,गढ़वा , चतरा , जमशेदपुर , रांची, झारखंड से प्रकाशित

पलामू एके सिंह कॉलेज जपला में सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम सफल हुआ!

एके सिंह कॉलेज जपला में शपथ ग्रहण करते हुए

पलामू जिला के शहर हुसैनाबाद में आज दिनांक 9 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम के साथ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। उन्होंने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों छात्र-छात्राओं शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु शपथ दिलाई। तथा अपने संबोधन में उन्होंने कहा की सभी प्रकार की सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हमारा परम कर्तव्य है ।दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अति आवश्यक है तथा चार पहिया वाहन चलाने के क्रम में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें ।साथ ही साथ हम रेलवे क्रॉसिंग एवं अन्य चौक चौराहों पर लाल,हरी व पीली बत्ती के सिंगल को समझने का प्रयास करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के शुरुआत के रूप में आज सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम को बताया। उन्होंने सभी शिक्षकों तथा अन्य छात्र -छात्राओं को सड़क सुरक्षा हेतु हर प्रकार से सुरक्षित रहने के लिए इसके नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया तथा साथ ही साथ यह बताया कि हम मोटरसाइकिल चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग कदापि न करें तथा कहीं आने जाने के क्रम में जल्दी बाजी ना करें। क्योंकि यही जल्दी बाजी दुर्घटना का कारण बन जाता है। प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रोफ़ेसर उपेंद्र कुमार सिंह, खेल प्रशिक्षक उमेश कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी गण एवं स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, शीतल कुमारी, विंटेश कुमार, अंकित कुमार,दिव्या कुमारी, विकास कश्यप, सुनीता कुमारी, अंजली कुमारी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने शपथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मंत्री सूर्यांशु सिंह, अनुसूचित मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद पासवान, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष चंदन जयसवाल, महामंत्री अंबुज सिंह के अलावे पवन कुमार, अशोक सिंह, राजवीर कर्ण, संजीव कुमार, सीताराम चौधरी, कुंदन कुमार, प्रिंस कुमार, राजकुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

एके सिंह कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम के साथ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निदेशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। उन्होंने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों छात्र-छात्राओं शिक्षक तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु शपथ दिलाई। तथा अपने संबोधन में उन्होंने कहा की सभी प्रकार की सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हमारा परम कर्तव्य है ।दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अति आवश्यक है तथा चार पहिया वाहन चलाने के क्रम मे सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें ।साथ ही साथ हम रेलवे क्रॉसिंग एवं अन्य चौक चौराहों पर लाल ,हरी व पीली बत्ती के सिंगल को समझने का प्रयास करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के शुरूआत के रूप में आज सड़क सुरक्षा जागरूकता शपथ कार्यक्रम को बताया। उन्होंने सभी शिक्षकों तथा अन्य छात्र -छात्राओं को सड़क सुरक्षा हेतु हर प्रकार से सुरक्षित रहने के लिए इसके नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया तथा साथ ही साथ यह बताया कि हम मोटरसाइकिल चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग कदापि न करें तथा कहीं आने जाने के क्रम में जल्दी बाजी ना करें। क्योंकि यही जल्दी बाजी दुर्घटना का कारण बन जाता है। प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर उपेंद्र कुमार सिंह, खेल प्रशिक्षक उमेश कुमार सिंह, लेखापाल ओम प्रकाश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी गण एवं स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, शीतल कुमारी, विटेश कुमार, अंकित कुमार ,दिव्या कुमारी, विकास कश्यप, सुनीता कुमारी, अंजली कुमारी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने शपथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय युवा सप्ताह

06-01-2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानन्द पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 06/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानन्द पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 06/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानन्द पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 06/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानन्द पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 06/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील पांडेय, विधायक प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि कृष्ण विजय सिंह, समाज सेवी सिंटू सिंह, पांडू आत्मा अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेम सागर सिंह, संतोष राम, विनोद राम, अरविंद जहरीला, इरफान अंसारी, रामबाबू, प्रमोद पासवान, श्याम सुंदर सिंह, मदन राम बीरा सिंह, के साथ-साथ अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत : प्राचार्य

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय स्वामी विवेकानन्द : व्यक्तित्व एवं विचार॰ पर अपना-अपना व्याख्यान दिया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचारों से सदन को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि आज विवेकानन्द के विचारों का अनुपालन आवश्यक हो गया है। हमें उनके विचारों को, उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और स्वयं में विकासात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। प्रो डॉ अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विवेकानन्द के विचारों के माध्यम से उत्साहित किया। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम भारती, रिंकी कुमारी ने उक्त विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया।मौके पर ए.सी.एस. प्रो० डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रो राजेश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो नरेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

अरण्य वाणी, हुसैनाबाद। स्थानीय एके सिंह कॉलेज, जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय 'स्वामी विवेकानन्द : व्यक्तित्व एवं विचार' पर व्याख्यान दिया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचारों से सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज विवेकानंद के विचारों का अनुपालन आवश्यक हो गया है। हमें उनके विचारों को एवं उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और स्वयं में विकासात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार ने विवेकानन्द की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए स्वरचित लंबी कविता विवेकानंद का पाठ किया। प्रो. डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विवेकानंद के विचारों के माध्यम से उत्साहित किया। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम भारती, रिंकी कुमारी आदि ने उक्त विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया। एसीएस प्रो. डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रो. राजेश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. अभिषेक कुमार, प्रो. अरुण कुमार सिंह, प्रो. नरेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

5:36 AM

08.01.2023 Jharkan...

हरिहरगंज पलामू। सतगावां के 48 वर्षीय दिव्यांग विश्वनाथ पासवान की शुक्रवार की रात ठंड लगने से मौत हो गई। आस पास के लोगों ने बताया कि मृतक पीपल चौक पर स्थित अपनी गुमटी में ही रहता था। गत रात भी गुमटी में सोया था। जहां ठंड व शीतलहर की चपेट में आ गया। हालांकि सतगावां के लोगों ने कई बार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से पीपल चौक पर अलाव की मांग की थी। लेकिन इसे अनदेखा किया गया। समाजसेवी राजीव रंजन ने मृतक के घर पहुंच परिजनों को सांत्वना दी तथा मदद का आश्वासन दिया। मौके पर ऐतवरीया कुंवर, भाई कृष्णा पासवान, दीनानाथ पासवान, विनोद पासवान, मनोज मेहता, शंभु यादव, प्रमोद पासवान, रिंकू पासवान, महेंद्र पासवान व आसपास के कई लोग थे।

एके सिंह डिग्री कॉलेज में कई प्रतियोगिता

हुसैनाबाद पलामू। एके सिंह डिग्री कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी की याद में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय भाषण व निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम राजेश सिंह ने किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया। बता दें कि 6 व 7 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा कॉलेज के छात्र छात्राओं के बीच स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसमें सुप्रिया कुमारी प्रथम, दीपक कुमार द्वितीय तथा दिव्या कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की। मौके पर परीक्षा नियंत्रक प्रो अशोक कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो मुकेश कुमार, प्रो चंदन कुमार सिंह, प्रो सुनील कुमार सिंह, प्रो रविकांत कुमार सिंह आदि थे।

एमओ ने प्रभार लेते ही सभी डीलरों के साथ की बैठक

लाभुकों को समय से दें राशन : एमओ

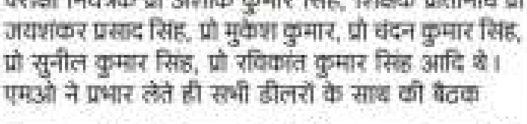

नीलांबर पीतांबरपुर पलामू। प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को सीओ सह प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल के द्वारा पीडीएस डीलरों के साथ समीक्षा बैठक की। सभी डीलरों से उपभोक्ताओं को समय पर राशन देने का निर्देश दिया। एमओ चंद्रशेखर कुणाल ने सभी डीलरों

का

खबर मन्त्र संवा

बिश्रामपुर

बिश्रामपुर न
कार्यालय के
शनिवार को स
का आयोजन
समारोह में न
सहायक नगर
प्रवेज को ती
कार्यकाल पूरा
सम्मानित किया
स्थानीय विधाय
युवा भाजपा ने
सागर चंद्रवंशी ने
प्रवेज का
कार्यकाल बिश
रहा है।

हुसैना
दर्जनों

खबर मन्त्र संवा

हुसैनाबाद पला
पलामू के निर्दे
परिवहन विभाग
मराण्डी एवं गुंज
थाना पुलिस ने
वाहन चेकिंग अ
छोटी बड़ी दर्जन
पकड़ कर हुसैन
दिया। इस माम
रंजीत मराण्डी ने
जिले वरीय अ
नियमित चेकिंग
ड्राइविंग

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

दिनांक 17-01-2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

रांची

आजाद सिपाही

एके सिंह कालेज जपला में सड़क सुरक्षा को लेकर कार्यशाला का आयोजन

बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर करें : ओपी प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरी थाना के थाना प्रभारी इंद्रदेव राम, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो मुकेश कुमार, महाविद्यालय के बर्सर प्रो० शशिभूषण सिंह के गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने विषय प्रवेश में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन करने के लिए स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम ने अपने संबोधन में बताया कि हमें बाइक का चाबी उठाने के साथ हेलमेट साथ में लेना चाहिए। साथ ही साथ गाड़ी का अपना बुक, इंश्योरेंस, लाइसेंस इत्यादि लेकर चलना चाहिए। चौक चौराहों पर सिग्नल को फॉलो करना चाहिए। प्रो शशिभूषण सिंह ने अपने संबोधन में छात्र छात्राओं को प्रेरित करते हुए सावधानी रखने की बात कही। मौके पर मोनिका, पुष्पांजलि, विकास, रिंकी गुप्ता, मनीष, अभिमन्यु, रानी, अंजली, सोनल, करण सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन Date:-17/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन Date:-17/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पराक्रम दिवस दिनांक

23-01-2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

प्रक्रम दिवश पर कार्यक्रम का आयोजन Date23/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

प्रक्रम दिवश पर कार्यक्रम का आयोजन Date23/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

प्रक्रम दिवश पर कार्यक्रम का आयोजन Date23/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

प्रक्रम दिवश पर कार्यक्रम का आयोजन Date23/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

प्रक्रम दिवश पर कार्यक्रम का आयोजन Date23/01/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एन एस एस, ए के सिंह कॉलेज जपला के बैनर तले निबंध तथा भाषण प्रतियोगिता संपन्न

स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी की याद में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचार पुष्प सदन को प्रेषित किया।
दिनांक 6 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा कॉलेज के छात्र छात्राओं के बीच स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रिया कुमारी प्रथम, दीपक कुमार द्वितीय तथा दिव्य कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की।
आज दिनांक 7 जनवरी 2023 को दूसरे दिन स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें शुभम भारती प्रथम अंबिका कुमारी द्वितीय तथा रिंकी कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की।
निबंध प्रतियोगिता में चयनकर्ता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन कुमार तथा संस्कृ विभागाध्यक्ष डॉ रवि रंजन कुमार मिश्र थे। भाषण प्रतियोगिता मैं ज्यूरी के मेंबर डॉ. आलोक रंजन कुमार, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा तथा प्रो. राहुल कुमार सिंह ने निर्णयाम परिणाम घोषित किया।
विदित हो कि नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सप्ताह कार्यक्रम जो कि दिनांक 9 जनवरी 2023 को आयोजित होगी उस में निबंध प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले स्वयं सेवकों तथा छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।
इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशोक कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंक प्रसाद सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. रविक कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

अरण्य वाणी, हुसैनाबाद। स्थानीय एके सिंह कॉलेज, जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय 'स्वामी विवेकानन्द : व्यक्तित्व एवं विचार' पर व्याख्यान दिया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचारों से सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज विवेकानंद के विचारों का अनुपालन आवश्यक हो गया है। हमें उनके विचारों को एवं उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और स्वयं में विकासात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार ने विवेकानन्द की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए स्वरचित लंबी कविता विवेकानंद का पाठ किया। प्रो. डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विवेकानंद के विचारों के माध्यम से उत्साहित किया। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम भारती, रिंकी कुमारी आदि ने उक्त विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया। एसीएस प्रो. डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रो. राजेश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. अभिषेक कुमार, प्रो. अरुण कुमार सिंह, प्रो. नरेश कमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील पांडेय, विधायक प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि कृष्ण विजय सिंह, समाज सेवी सिंटू सिंह, पांडू आत्मा अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेम सागर सिंह, संतोष राम, विनोद राम, अरविंद जहरीला, इरफान अंसारी, रामबाबू, प्रमोद पासवान, श्याम सुंदर सिंह,मदन राम बीरा सिंह,के साथ-साथ अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत : प्राचार्य

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय स्वामी विवेकानन्द : व्यक्तित्व एवं विचारर पर अपना-अपना व्याख्यान दिया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचारों से सदन को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि आज विवेकानन्द के विचारों का अनुपालन आवश्यक हो गया है। हमें उनके विचारों को, उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और स्वयं में विकासात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। प्रो डॉ अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विवेकानन्द के विचारों के माध्यम से उत्साहित किया। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम भारती, रिंकी कुमारी ने उक्त विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया।मौके पर ए.सी.एस. प्रो0 डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रो राजेश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो नरेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

5:36 AM

08.01.2023 Jharkan...

हरिहरगंज पलामू। सतगावां के 48 वर्षीय दिव्यांग विश्वनाथ पासवान की शुक्रवार की रात ठंड लगने से मौत हो गई। आस पास के लोगों ने बताया कि मृतक पीपल चौक पर स्थित अपनी गुमटी में ही रहता था। गत रात भी गुमटी में सोया था। जहां ठंड व शीतलहर की चपेट में आ गया। हालांकि सतगावां के लोगों ने कई बार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से पीपल चौक पर अलाव की मांग की थी। लेकिन इसे अनदेखा किया गया। समाजसेवी राजीव रंजन ने मृतक के घर पहुंच परिजनों को सांत्वना दी तथा मदद का आश्वासन दिया। मौके पर ऐतवरीया कुवंर, भाई कृष्णा पासवान, दीनानाथ पासवान, विनोद पासवान, मनोज मेहता, शंभु यादव, प्रमोद पासवान, रिंकू पासवान, महेंद्र पासवान व आसपास के कई लोग थे।

एके सिंह डिग्री कॉलेज में कई प्रतियोगिता

हुसैनाबाद पलामू। एके सिंह डिग्री कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी की याद में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय भाषण व निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुआ। अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम राजेश सिंह ने किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया। बता दें कि 6 व 7 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा कॉलेज के छात्र छात्राओं के बीच स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई। जिसमें सुप्रिया कुमारी प्रथम, दीपक कुमार द्वितीय तथा दिव्या कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की। मौके पर परीक्षा नियंत्रक प्रो अशोक कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो मुकेश कुमार, प्रो चंदन कुमार सिंह, प्रो सुनील कुमार सिंह, प्रो रविकांत कुमार सिंह आदि थे।

एमओ ने प्रभार लेते ही सभी डीलरों के साथ की बैठक

लाभुकों को समय से दें राशन : एमओ

नीलांबर पीतांबरपुर पलामू। प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को सीओ सह प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल के द्वारा पीडीएस डीलरों के साथ समीक्षा बैठक की। सभी डीलरों से उपभोक्ताओं को समय पर राशन देने का निर्देश दिया। एमओ चंद्रशेखर कुणाल ने सभी डीलरों

का

खबर मन्त्र सं

बिश्रामपुर
बिश्रामपुर
कार्यालय के
शनिवार को
का आयोजन
समारोह में
सहायक नग
प्रवेज को
कार्यकाल पू
सम्मानित किय
स्थानीय विधा
युवा भाजपा
सागर चंद्रवंशी
प्रवेज का
कार्यकाल वि
रहा है।

हुसैन
दर्जनो

खबर मन्त्र सं

हुसैनाबाद पल
पलामू के
परिवहन विभ
मराण्डी एवं गु
थाना पुलिस ने
वाहन चेकिंग
छोटी बड़ी दर्ज
पकड़ कर हुसै
दिया। इस मा
रंजीत मराण्डी
जिले वरीय
नियमित चेकिं

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पार्किंग की भी व्यवस्था की जाएगी। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील पांडेय, विधायक प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि कृष्ण विजय सिंह, समाज सेवी सिंटू सिंह, पांडू आत्मा अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेम सागर सिंह, संतोष राम, विनोद राम, अरविंद जहरीला, इरफान अंसारी, रामबाबू, प्रमोद पासवान, श्याम सुंदर सिंह,मदन राम बीरा सिंह,के साथ-साथ अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत : प्राचार्य

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी के जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने निर्धारित विषय स्वामी विवेकानन्द : व्यक्तित्व एवं विचारर पर अपना-अपना व्याख्यान दिया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचारों से सदन को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि आज विवेकानन्द के विचारों का अनुपालन आवश्यक हो गया है। हमें उनके विचारों को, उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और स्वयं में विकासात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। प्रो डॉ अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विवेकानन्द के विचारों के माध्यम से उत्साहित किया। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम भारती, रिंकी कुमारी ने उक्त विषय पर प्रभावी व्याख्यान दिया।मौके पर ए.सी.एस. प्रो0 डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रो राजेश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो नरेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

एन एस एस, ए के सिंह कॉलेज जपला के बैनर तले निबंध तथा भाषण प्रतियोगिता संपन्न

स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वामी विवेकानंद जी की याद में राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह तथा संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन स्वरूप अपने विचार पुष्प सदन को प्रेषित किया। दिनांक 6 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा कॉलेज के छात्र छात्राओं के बीच स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रिया कुमारी प्रथम, दीपक कुमार द्वितीय तथा दिव्या कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की।

आज दिनांक 7 जनवरी 2023 को दूसरे दिन स्वामी विवेकानंद : व्यक्तित्व एवं विचार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें शुभम भारती प्रथम अंबिका कुमारी द्वितीय तथा रिंकी कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की।

निबंध प्रतियोगिता में चयनकर्ता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक रंजन कुमार तथा संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ रवि रंजन कुमार मिश्र थे। भाषण प्रतियोगिता मैं ज्यूरी के मेंबर डॉ. आलोक रंजन कुमार, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा तथा प्रो. राहुल कुमार सिंह ने निर्णयामक परिणाम घोषित किया। विदित हो कि नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय मेदिनीनगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सप्ताह कार्यक्रम जो कि दिनांक 9 जनवरी 2023 को आयोजित होगी उस में निबंध प्रतियोगिता तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले स्वयं सेवकों तथा छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशोक कुमार सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. चंदन कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. रविकांत कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

आज दिनांक 17/01/2023 को ए के सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवरी थाना के थाना प्रभारी इंद्रदेव राम भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो मुकेश कुमार, महाविद्यालय के वर्सर प्रो शशिभूषण सिंह के गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने किया। इन्होंने विषय प्रवेश में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन करने के लिए स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि अपने संबोधन में बताया कि हमें बाइक का चाभी उठाने के साथ हेलमेट साथ में लेना चाहिए। साथ ही साथ गाड़ी का आनर बुक, इंश्योरेंस, लाइसेंस इत्यादि लेकर चलना चाहिए। चौक चौराहों पर सिगनल को फौलो कर्रुना चाहिए। प्रो शशिभूषण सिंह ने अपने संबोधन में छात्र छात्राओं को प्रेरित करते हुए सावधानी रखने की बात कही। मोनिका, पुष्पांजलि,विकास, पिंकी पुष्पा, मनीष, अभिमन्यु, रानी ,अंजली, शीतल,करण सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने शामिल हुए।धन्यवाद ज्ञापन प्रो राहुल कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

आजाद सिपाही
रांची

एके सिंह कालेज जपला में सड़क सुरक्षा को लेकर कार्यशाला का आयोजन

बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर करें : ओपी प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जपला के ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम, भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० प्रवीण कुमार, महाविद्यालय के वरीय प्रो० अखिलेश्वर सिंह के उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो० राजेश कुमार सिंह ने किया। इन्होंने विषय प्रवेश में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन करने के लिए स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। मौके पर मुख्य अतिथि ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम ने अपने संबोधन में बताया कि हमें बाइक का चाबी उठाने के साथ हेलमेट साथ में लेना चाहिए। साथ ही साथ गाड़ी का आर बुक, इंश्योरेंस, लाइसेंस इत्यादि लेकर चलना चाहिए। चौक चौराहों पर सिग्नल को फॉलो करना चाहिए। प्रो शशिभूषण सिंह ने अपने संबोधन में छात्र छात्राओं को प्रेरित करते हुए सावधानी रखने की बात कही। मौके पर मोनिका, पुष्पांजलि, विकास, रिंकी कुमारी, मनीष, अभिमन्यु, रानी, अंजली, शीतल, करण सहित सैकड़ों छात्र-छात्राओं कार्यक्रम में शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० राहुल कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए० के० सिंह कॉलेज जपला

प्रेस विज्ञप्ति---

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार आज दिनांक 23/01/2023 दिन सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ए के सिंह कॉलेज जपला के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की 126 वीं जयंती को महाविद्यालय में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय में भषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।भाषण प्रतियोगिता में रिंकी कुमारी प्रथम, सुप्रिया कुमारी द्वितीय,तथा दिनेश कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किए। निबंध प्रतियोगिता में सुप्रिया कुमारी प्रथम,किरण कुमारी द्वितीय तथा शुभम प्रकाश तृतीय स्थान प्राप्त किए। पेंटिंग प्रतियोगिता में आलोक कुमार प्रथम, दिव्या कुमारी द्वितीय एवं रिंकी कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किए। कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा युवाओं को उनके आदर्शों को आत्मसात करने पर जोर दिया। प्रो राहुल कुमार सिंह ने कहा कि प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए इस तरह के कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी साबित होते ह

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विशेष शिविर 2023

दिनांक – 22.03.2023 से 28.03.2023 तक

स्थान – गोद लिए हुए गॉव कोईरियाडीह(देवरी कला पंचायत)

दिनांक	पूर्वाहन	अपराहन
22.03.2023	उद्घाटन सत्र	विश्व जल दिवस के अवसर पर (जल संरक्षण) को लेकर ग्रामीणो के साथ परिचर्चा।
23.03.2023	नशामुक्ति विषय पर विचारगोष्ठी	नशामुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़–नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम व रैली।
24.03.2023	दहेज प्रथा विषय को लेकर ग्रामीणो के साथ परिचर्चा विचारगोष्ठी	दहेज प्रथा को लेकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम व रैली।
25.03.2023	सडक–सुरक्षा विषय को लेकर ग्रामीणो के साथ परिचर्चा विचारगोष्ठी	सडक सुरक्षा अभियान को लेकर रैली व ट्राफिक ब्यवस्था।
26.03.2023	15–29 आयु वर्ग के युवाओ का सर्वेक्षण।	15.29 आयु वर्ग के युवाओ का सर्वेक्षण।
27.03.2023	'स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वच्छ समाज के निर्माण में ग्रामीणों की भूमिका ' विषय पर विचारगोष्ठी'	प्लास्टिक उन्मुलन हेतु ग्रामीणो के साथ परिचर्चा।
28.03.2023	'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ' – नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम।	समापन सत्र

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जल संरक्षण पदाधिकारी एवं स्वंमसेवक शपथ लेते हुए ग्रामिण

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस का शिविर का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

हुसैनाबाद : एके सिंह कॉलेज जपला द्वारा एनएसएस का विशेष शिविर 2023 गोद लिए हुए गांव कोइरियाडीह, देवरी कला पंचायत में आयोजित किया गया है। यह शिविर दिनांक 22 मार्च से प्रारंभ होकर 28 मार्च 2023 तक चलता रहेगा। शिविर में प्रथम दिन कॉलेज के प्रचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह, एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह, बर्सर प्रो. शशिभूषण, प्रो. राहुल कुमार सिंह, राजेन्द्र प्रसाद मेहता, सरयू प्रसाद मेहता तथा पूर्व प्रतिनिधि संतोष कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा स्वामी

विवेकानन्द जी की तैलचित्र पर पुष्पार्चन, माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर विशेष शिविर 2023 का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र के उपरांत एनएसएस कॉन्ग (लक्ष्य गीत) स्वयंसेवकों ने सस्वर पाठ किया, तत्पश्चात कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने एनएसएस के संबंध में उसकी पृष्ठभूमि पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और इस शिविर में होने वाले विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे नशा मुक्ति, दहेज प्रथा, सर्वेक्षण, जल संचयन, प्रदूषण, प्लास्टिक मुक्त भारतवर्ष का लक्ष्य इत्यादि विषयों के बारे में बताएं। प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह ने अपने विचारों को रखा और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस कार्यक्रम में सम्मिलित होने से विद्यार्थियों में सहज व्यावहारिक रूप से विकास प्रगति हुआ करता है। इसलिए आप लोगों को सदैव इस कार्यक्रम में भाग लेते रहना चाहिए।

शिविर के दूसरे दिन शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. डॉ. आनन्द कुमार, प्रो. डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्रो. राहुल कुमार सिंह, प्रो. चंदन कुमार सिंह ने नशामुक्ति पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए।

नशामुक्ति पर स्वयंसेवकों ने पहले रैली निकाली उसके बाद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।

Date:-22/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नशा मुक्ति के तहत नुक्कड.नाटक का आयोजन किया गया

Date:-23/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गाँव कोईरियाडीह शिवर स्वंमसेवक का कार्यक्रम आयोजन किया गया है

Date:-22/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गोद लिए हुए गाँव कोईरियाडीह शिवर स्वंमसेवक का कार्यक्रम आयोजन किया गया है

Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर रैली का आयोजन किया गया है Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर रैली Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज़ प्रथा का प्रभाव पर चर्चा Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज़ प्रथा का प्रभाव पर चर्चा Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज़ प्रथा का प्रभाव पर चर्चा Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज़ प्रथा का प्रभाव पर चर्चा Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज़ प्रथा का प्रभाव पर चर्चा Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर रैली Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर नुकड़ नाटक Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर नुकड़ नाटक Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर नुकड़ नाटक Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर नुकड़ नाटक Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर रैली Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दहेज प्रथा को लेकर नुक्कड़ रैली Date:-24/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ए के सिंह कॉलेज जपला के राष्ट्रीय सेवा इकाई में दहेज प्रथा उन्मूलन को लेकर निकाली रैली

हुसैनाबाद (पलामू) (प्रभात मंत्र संवाददाता): राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा गोद लिए हुए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में विशेष शिविर का आयोजन के तीसरे दिन आज दहेज प्रथा उन्मूलन विषय पर विचार गोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, और रैली का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, ग्राम निवासी राजेंद्र प्रसाद मेहता व सरजू प्रसाद मेहता के द्वारा किया गया। यह शिविर भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं पुरुष व बच्चे शामिल होकर कार्यक्रम से प्रेरणा लिए और सबों ने एक साथ इस तरह के कार्यक्रम को सराहना किया। नैंसी कुमारी दिव्या कुमारी आलोक कुमार विश्वकर्मा शक्ति ठाकुर शीतल कुमारी किरण कुमारी सुप्रिया कुमारी शुभम कुमार नीरज कुमार शुभम प्रकाश रिया कुमारी छोटी कुमारी अंजली कुमारी खुशी विश्वकर्मा अमरेश प्रेमशंकर अतुल कुमार सिंह अनिकेत ओझा विकी कुमार चंचल, बिंटेस कुमार रिंकी कुमारी रोशनी कुमारी अस्मिता कुमारी अमृता कुमारी और सहित अनेकों स्वयंसेवक व विद्यार्थियों ने उक्त सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ए के सिंह कॉलेज जपला के राष्ट्रीय सेवा इकाई में दहेज प्रथा उन्मूलन को लेकर निकाली रैली

हुसैनाबाद (पलामू) (प्रभात मंत्र संवाददाता): राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा गोद लिए हुए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में विशेष शिविर का आयोजन के तीसरे दिन आज दहेज प्रथा उन्मूलन विषय पर विचार गोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, और रैली का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, ग्राम निवासी राजेंद्र प्रसाद मेहता व सरजू प्रसाद मेहता के द्वारा किया गया। यह शिविर भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं पुरुष व बच्चे शामिल होकर कार्यक्रम से प्रेरणा लिए और सबों ने एक साथ इस तरह के कार्यक्रम को सराहना किया। नैंसी कुमारी दिव्या कुमारी आलोक कुमार विश्वकर्मा शक्ति ठाकुर शीतल कुमारी किरण कुमारी सुप्रिया कुमारी शुभम कुमार नीरज कुमार शुभम प्रकाश रिया कुमारी छोटी कुमारी अंजली कुमारी खुशी विश्वकर्मा अमरेश प्रेमशंकर अतुल कुमार सिंह अनिकेत ओझा विकी कुमार चंचल, बिटिस कुमार रिंकी कुमारी रोशनी कुमारी अस्मिता कुमारी अमृता कुमारी और सहित अनेकों स्वयंसेवक व विद्यार्थियों ने उक्त सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर जल संरक्षण रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर परिचर्चा **Date:- 22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर परिचर्चा **Date:- 22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व जल दिवश के अवसर पर परिचर्चा **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नशामुक्ति पर नुकड़ नाटक **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नशामुक्ति पर रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नशामुक्ति पर रैली **Date:-22/03/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

15 to 29 आयु वर्ग के सर्वेक्षण Date:-26/03/23

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

15 to 29 आयु वर्ग के सर्वेक्षण Date:-26/03/23

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पर्यावरण पर चर्चा   Date:-27/03/23

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

15 to 29 आयु वर्ग के सर्वेक्षण Date:-26/03/23

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

15 to 29 आयु वर्ग के सर्वेक्षण Date:-26/03/23

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सड़क सुरक्षा रैली Date:-25/03/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

दहेज उन्मूलन जागरूकता अभियान चलाया

हुसैनाबाद. भारत सरकार के युवा व खेल मंत्रालय के पटना क्षेत्रीय निदेशालय के निर्देश पर एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा गोद लिये गांव में जन जागरूकता अभियान जारी है. इस क्रम में एनएसएस के कार्यक्रम सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह, ग्रामीण राजेंद्र प्रसाद मेहता, सरजू प्रसाद मेहता आदि के नेतृत्व में गोद लिये गये गांव कोरियाडीह में दहेज प्रथा उन्मूलन विषय पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया. गोष्ठी, रैली व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया. आयोजन में नैंसी कुमारी, दिव्या कुमारी, आलोक कुमार विश्वकर्मा, शक्ति ठाकुर, शीतल कुमारी, किरण कुमारी, सुप्रिया कुमारी, शुभम कुमार, नीरज कुमार, शुभम प्रकाश, रिया कुमारी, सोटी कुमारी, अंजली कुमारी आदि मौजूद थे.

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत किया सर्वेक्षण

15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष तक आयु के युवा वर्ग जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों का सर्वेक्षण किया गया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा रविवार को गोद लिए हुए गांव कोरियाडीह, देवरी कला पंचायत में पांचवें दिन विशेष शिविर के अंतर्गत ग्राम का सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार 15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष तक के आयु के युवा वर्ग जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों का सर्वेक्षण किया गया। जो या तो किसी आर्थिक कार्य से जुड़े हैं, या फिर औपचारिक शिक्षा से जुड़े हो ,उनके बारे में विस्तार से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा सर्वेक्षण का कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी एवं पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉक्टर आलोक रंजन, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. चंदन कुमार सिंह एवं जंतु विज्ञान के प्रो. राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरा किया गया। स्वयंसेवकों में आलोक कुमार विश्वकर्मा, शशि कुमार ठाकुर ,किरण कुमारी, शुभम प्रकाश ,दिव्या कुमारी, रितु पटेल ,छोटी

कुमारी ,निधि पटेल, रिया कुमारी ,अमित कुमार, सुप्रिया कुमारी ,रैनी कुमारी, मिथलेश कुमार, शशि भूषण कुमार सिंह ,जमालुद्दीन शाह एवं पुरातन स्वयंसेवक सौरभ सिंह सोलंकी सहित कई स्वयंसेवक घर घर जाकर घर के मुखिया से विस्तार से चर्चा की और सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया। यह गोद लिए हुए गांव देवरी कला पंचायत के अंतर्गत कुशवा के टोला कोरियाडीह को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सर्वेक्षण किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

(47) के रूप में हुई है। उनके पास से 16 नक्सली पर्चा, मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। इसकी

एरिया कमांडर को पकड़ा गया। वह सिविल में था। हालांकि उसके पास से पर्चे बरामद हुए। उसकी निशानदेही पर आगजनी में शामिल

जपला में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित हुई जागरूकता रैली

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज की जपला इकाई की ओर से गोद लिए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में विशेष शिविर के चौथे दिन सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर के जागरूकता विषय पर विचार गोष्ठी और रैली का आयोजन किया गया। जपला देवरी मेन रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था को स्वयंसेवकों ने संभाला और बिना हेलमेट और जूते के बाइक चला रहे चालकों से हेलमेट और जूता पहनने की अपील की। साथ ही आम लोगों से अनुरोध किया कि गाड़ी चलाते समय हेलमेट लाइसेंस और गाड़ी के कागजात जरूर रखें। वहीं, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, ताकि होने वाले दुर्घटना से बचा जा सके। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर आलोक रंजन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मौके पर प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, अरुण सिंह, सुनील सिंह, चंदन सिंह, अशोक कुमार देव, अशोक सिंह, बबन प्रसाद सिंह, अभिषेक कुमार गोंड आदि ने सम्मिलित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत किया सर्वेक्षण

15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष तक आयु के युवा वर्ग जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों का सर्वेक्षण किया गया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा रविवार को गोद लिए हुए गांव कोरियाडीह, देवरी कला पंचायत में पांचवें दिन विशेष शिविर के अंतर्गत ग्राम का सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार 15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष तक के आयु के युवा वर्ग जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों का सर्वेक्षण किया गया। जो या तो किसी आर्थिक कार्य से जुड़े हैं, या फिर औपचारिक शिक्षा से जुड़े हो, उनके बारे में विस्तार से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के द्वारा सर्वेक्षण का कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी एवं पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉक्टर आलोक रंजन, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. चंदन कुमार सिंह एवं जंतु विज्ञान के प्रो. राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरा किया गया। स्वयंसेवकों में आलोक कुमार विश्वकर्मा, शशि कुमार ठाकुर, किरण कुमारी, शुभम प्रकाश, दिव्या कुमारी, रितु पटेल, छोटी कुमारी, निधि पटेल, रिया कुमारी, अमित कुमार, सुप्रिया कुमारी, नेहा कुमारी, विजेता कुमार, शशि भूषण कुमार सिंह, जमालुद्दीन शाह एवं पुराना स्वयंसेवक गौरव सिंह सोलंकी सहित कई स्वयंसेवक घर घर जाकर घर के मुखिया से विस्तार से चर्चा की और सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया। यह गोद लिए हुए गांव देवरी कला पंचायत के अंतर्गत कुशवा के टोला कोरियाडीह को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सर्वेक्षण किया गया।

दैनिक भास्कर

पलामू भास्कर 26-03-2023

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एके सिंह कॉलेज जपला इकाई की ओर से गोद लिए गांव कोरिया डी में शिविर

नाटक से दहेज के खिलाफ किया जागरूक

[illegible]

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

करते हुए अविनाश देव ने कहा कि आज गांव के नौजवान रात्रिकालीन दूधिया रोशनी में ग्रामीण मैदान क्षेत्र में खेल रहे है। निर्माण कराया जाय। उभरते खिलाड़ियों को प्रतिभा निखारने के लिए कोच की व्यवस्था की जाए। निश्चित ही गांव का परचम दुनिया में सिंह, ठाकुर दयाल सिंह, राजमुनि सिंह, चंद्रशेखर सिंह, लाम लगन सिंह, प्रेमा शंकर सिंह का पहल बहुत ही सराहनीय रहा।

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों ने आर्थिक और औपचारिक शिक्षा को लेकर किया सर्वेक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

कार्यक्रम में शामिल स्वयंसेवक व एनएसएस के पदाधिकारी।

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई की ओर से गोद लिए हुए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में पांचवें दिन रविवार को विशेष शिविर के तहत गांव का सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार किया गया। जिसमें 15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष आयु तक के युवा जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों का सर्वेक्षण किया गया, जो या तो किसी आर्थिक कार्य से जुड़े हैं या फिर औपचारिक शिक्षा से जुड़े हो उनके बारे में विस्तार से जानकारी एकत्र की गई। सर्वेक्षण का कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी एवं पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर आलोक रंजन, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ चंदन कुमार सिंह एवं जंतु विज्ञान के प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरा किया गया। स्वयंसेवकों में आलोक कुमार विश्वकर्मा, शक्ति कुमार ठाकुर, किरण कुमारी, शुभम प्रकाश, दिव्या कुमारी, निशू पटेल, छोटी कुमारी, निधि पटेल, रिया कुमारी, अमित कुमार, सुप्रिया कुमारी, नैंसी कुमारी, बिनटेश कुमार, शशिभूषण कुमार सिंह, जमालुद्दीन शाह एवं पुरातन स्वयंसेवक सौरव सिंह सोलंकी आदि स्वयंसेवक घर-घर जाकर घर के मुखिया से विस्तार से चर्चा की और सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

खरना की
आ माहौल

एनएसएस ने किया सर्वेक्षण कार्य पूर्ण

संवाद सूत्र, हुसैनाबाद (पलामू) : स्थानीय एके सिंह कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विशेष शिविर के तहत सर्वेक्षण का कार्य किया गया। यह सर्वेक्षण भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निदेश पर एनएसएस द्वारा गोद लिए हुए देवरी कला पंचायत के कोरिया डीह गांव में किया गया। इसमें 15 वर्ष से लेकर 29 वर्ष तक के आयु के महिला एवं पुरुष का सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान आर्थिक कार्य व औपचारिक शिक्षा से जुड़ने से संबंधित जानकारी दी गई। इसका नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी व पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. आलोक रंजन, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. चंदन कुमार सिंह व प्रो. राहुल कुमार सिंह ने किया। प्रो. राजेश कुमार सिंह ने बताया कि विशेष शिविर के पांचवें दिन महिला-पुरुष सर्वेक्षण का कार्य किया गया। एनएसएस स्वयंसेवक लोगों के घर-घर जाकर आर्थिक कार्य व औपचारिक शिक्षा से जुड़ने से संबंधित विस्तार से जानकारी दी।

कार्यालय: राँची नगर निगम, राँची।
(अभियंत्रण शाखा)
निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ए के सिंह कॉलेज जपला के राष्ट्रीय सेवा इकाई में दहेज प्रथा उन्मूलन को लेकर निकाली रैली

हुसैनाबाद (पलामू) (प्रभात मंत्र संवाददाता): राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा गोद लिए हुए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में विशेष शिविर का आयोजन के तीसरे दिन आज दहेज प्रथा उन्मूलन विषय पर विचार गोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, और रैली का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह, ग्राम निवासी राजेंद्र प्रसाद मेहता व सरजू प्रसाद मेहता के द्वारा किया गया। यह शिविर भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं पुरुष व बच्चे शामिल होकर कार्यक्रम से प्रेरणा लिए और सबों ने एक साथ इस तरह के कार्यक्रम को सराहना किया। नैंसी कुमारी दिव्या कुमारी आलोक कुमार विश्वकर्मा शक्ति ठाकुर शीतल कुमारी किरण कुमारी सुप्रिया कुमारी शुभम कुमार नीरज कुमार शुभम प्रकाश रिया कुमारी छोटी कुमारी अंजली कुमारी खुशी विश्वकर्मा अमरेश प्रेमशंकर अतुल कुमार सिंह अनिकेत ओझा विकी कुमार चंचल, बिंटेस कुमार रिंकी कुमारी रोशनी कुमारी अस्मिता कुमारी अमृता कुमारी और सहित अनेकों स्वयंसेवक व विद्यार्थियों ने उक्त सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एके सिंह कॉलेज के एनएसएस का शिविर का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

हुसैनाबाद : एके सिंह कॉलेज जपला द्वारा एनएसएस का विशेष शिविर 2023 गोद लिए हुए गांव कोइरियाडीह, देवरी कला पंचायत में आयोजित किया गया है। यह शिविर दिनांक 22 मार्च से प्रारंभ होकर 28 मार्च 2023 तक चलता रहेगा। शिविर में प्रथम दिन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह, एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह, बर्सर प्रो. शशिभूषण, प्रो. राहुल कुमार सिंह, राजेन्द्र प्रसाद मेहता, सरयु प्रसाद मेहता तथा पूर्व प्रतिनिधि संतोष कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा स्वामी

विवेकानन्द जी की तैलचित्र पर पुष्पार्चन, माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर विशेष शिविर 2023 का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र के उपरांत एनएसएस सॉन्ग (लक्ष्य गीत) स्वयंसेवकों ने सस्वर पाठ किया, तत्पश्चात कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने एनएसएस के संबंध में उसकी पृष्ठभूमि पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और इस शिविर में होने वाले विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे नशा मुक्ति, दहेज प्रथा, सर्वेक्षण, जल संचयन, प्रदूषण, प्लास्टिक मुक्त भारतवर्ष का लक्ष्य इत्यादि विषयों के बारे में बताए। प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह ने अपने विचारों को रखा और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस कार्यक्रम में सम्मिलित होने से विद्यार्थियों में सहज व्यावहारिक रूप से विकास प्रगति हुआ करता है। इसलिए आप लोगों को सदैव इस कार्यक्रम में भाग लेते रहना चाहिए।

शिविर के दूसरे दिन शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. डॉ. आनन्द कुमार, प्रो. डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्रो. राहुल कुमार सिंह, प्रो. चंदन कुमार सिंह ने नशामुक्ति पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए।

नशामुक्ति पर स्वयंसेवकों ने पहले रैली निकाली उसके बाद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेवा योजना
ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

धार वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार किसान मित्रों से कृषि संबंधित अनेकों कार्य तो करा रही है, लेकिन किसान मित्रों के प्रति सौतेला व्यवहार कर रही है। इस

गुप्ता, दिलीप कुमार राव, अनिल यादव, राजकुमार यादव, मिथिलेश सिंह, विमल सिंह, प्रमोद सिंह, अरुण सिंह, अजय सिंह, विजय ठाकुर, अखिलेश सिंह और सुदामा यादव आदि मौजूद थे।

एके सिंह कॉलेज की ओर से चलाया गया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) यूनिट एके सिंह कॉलेज जपला इकाई की ओर से गोद लिए गांव कोइरियाडीह, देवरी कला पंचायत में दूसरे दिन प्रथम सत्र में नशा मुक्ति अभियान विषय को लेकर रैली आयोजित की गई। इसके बाद नशा मुक्ति अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम वासियों को यह संदेश दिया कि नशा की लत की वजह से घर परिवार बिखर जाता है। जागरूकता के अभाव में बच्चों की पढ़ाई लिखाई के बजाय नशे में ज्यादा पैसा बर्बाद कर रहे हैं। अच्छे माहौल की कमी के कारण बच्चे गलत रास्ते पकड़ ले रहे हैं, जिस कारण पूरा समाज, घर परिवार, परेशान होकर गलत कदम उठाने के लिए मजबूर हो जा रहे हैं। यह सोचने का विषय है। एनएसएस यूनिट एके सिंह कॉलेज जपला ने गोद लेकर इस गांव में सभी प्रकार की कुरीतियों को दूर करने के लिए कटिबद्ध है। स्वयंसेवकों में सुप्रिया कुमारी, दिव्या कुमारी, शीतल कुमारी, शुभम प्रकाश, किरण कुमारी, नैंसी कुमारी, रिया कुमारी, छोटी कुमारी, सोनम कुमारी, पूजा कुमारी, शक्ति ठाकुर, नितेश कुमार, धीरज कुमार, अर्चना कुमारी, अनिकेत ओझा, अतुल कुमार सिंह, प्रेम शंकर कुमार, आलोक कुमार विश्वकर्मा आदि ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लेकर उद्देश्य की पूर्ति के लिए संकल्प लिए। विशेष शिविर का नेतृत्व कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह एवं जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

वार्षिक गतिबिधि 2023-2024

क्रम स.	दिनांक	गतिविधि का नाम / राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण	उपस्थिति (स्वयंसेवक)			
			छात्र	छात्रा	अन्य	कुल
1.	05.06.2023	विश्व पर्यावरण दिवस	05	06	07	18
2.	21.06.2023	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	25	20	50	95
3.	09.08.2023 से 15.08.2023	मेरी माटी मेरा देश के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपन कार्यक्रम	13	15	10	38
4.	15.08.2023	स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवको द्वारा महाविद्यालय परिसर में मार्च पास्ट	18	04	01	23
5.	29.08.2023	राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में खेल कूद का आयोजन	14	14	10	38
6.	01.11.2023	महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवको द्वारा श्रम दान	05	05	01	11
7.	13.10.2023	अमृत कलश यात्रा का आयोजन	15	17	07	39
8.	31.10.2023	राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में रंगोली एवम पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	07	09	04	20
9.	10.11.2023	स्टोप चाइल्ड सेक्सुवल एब्युज पॉस्को एक्ट 2012 के अंतर्गत आनलाइन कार्यक्रम	12	15	01	28
10.	26.11.2023	संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम	12	15	10	37
11.	01.12.2023	विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वंयसेवको द्वारा पेंटिग एवम जागरुकता कार्यक्रम	04	07	05	16

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

12.	06.12.2023	एन. एस. एस., नेहरु युवा केंद्र और खेल कुद विभाग के द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्वंयसेवको की सहभागिता	00	06	01	07
13.	22.12.2023	एन एस एस,नेहरु युवा केंद्र और खेल कुद विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वाधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम मे चयनित प्रतिभागियों की सहभागिता	00	05	01	06
14.	09.01.2024 से 13.01.2024	मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में कार्यक्रम	15	18	10	43
15.	12.01.2024	महाविद्यालय परिसर मे राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम	12	17	10	39
16.	19.01.2024	अपने आस–पास वितीय धोखाघड़ी एवं साइबर फ्रॉड की कोइ घटना व उससे बचने के उपाय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन	25	30	02	57
17.	23.01.2024	महाविद्यालय परिसर मे पराक्रम दिवस का आयोजन	15	13	07	35
18.	26.01.2024	महाविद्यालय परिसर मे स्वंयसेवको द्वारा एन एस एस परेड एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन	20	16	10	36
19.	26.02.2024	एम के कॉलेज डंडार कला पांकी मे एन एस एस के द्वारा आयोजीत स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला मे स्वयंसेवको की सहभागिता	02	03	01	06
20.	28.02.2024 से 06.03.2024	मतदाता जागरुकता कार्यक्रम	12	15	35	62
21.	11.03.2024 से 17.03.2024	राष्ट्रीय एकीकरण शिविर 2024 इटावा,उतर प्रदेश मे स्वयंसेवको की सहभागिता	03	02	00	05

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

1.विश्व पर्यावरण दिवस:-

पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी सबसे बड़ा धर्म : प्राचार्य

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को एके सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से पर्यावरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका शुभारंभ प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह, प्रो शशि भूषण, प्रो मुकेश कुमार और प्रो राहुल कुमार सिंह द्वारा इलायची एवं सुपारी के पौधे लगाकर किया गया। प्राचार्य सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा के लिए

उपस्थित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मचारियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और सैकड़ों छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी हमारा मानव धर्म भी है। इस दौरान धरती कहे पुकार के नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रो डॉ आलोक रंजन आदि थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने की जरूरत

हुसैनाबाद. प्रखंड के एके सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से पर्यावरण पर विशेष कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मौके पर प्राचार्य सूर्यमणि सिंह, डॉ आलोक रंजन ने पर्यावरण से संबंधित कविता का सस्वर पाठ किया. एनएसएस की सुप्रिया कुमारी, रिंकी कुमारी, दिव्या कुमारी, किरण कुमारी, नैंसी कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से पर्यावरण से संबंधित नुक्कड़ नाटक-धरती करे पुकार के प्रस्तुत किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य सूर्यमणि सिंह ने कहा कि वृक्षों को लगाना व उन्हें सुरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य है. पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी हमारा मानव धर्म है. इसके प्रति हम सबको संवेदनशील रहने की जरूरत है. मौके पर प्रोफेसर अजय सिंह, प्रोफेसर अयूब, एसीएस प्रोफेसर शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर हरेंद्र नारायण सिंह, प्रोफेसर जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रोफेसर उपेन्द्र कुमार सिंह, प्रोफेसर अरुण कुमार, पल्लवी कुमारी, नीतू पटेल आदि मौजूद थे.

पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु शपथ कराते हुए प्राचार्य व अन्य अध्यापकगण

Date:- 5/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

एके सिंह कॉलेज में एनएसएस ने पर्यावरण दिवस पर किया कार्यक्रम

राष्ट्रीय खबर

पलामू: पर्यावरण दिवस के अवसर पर ए.के. सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से पर्यावरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह,एन एस एस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह, बर्सर प्रो. शशि भूषण,प्रो. मुकेश कुमार तथा प्रो. राहुल कुमार सिंह के द्वारा इलायची तथा सुपारी के पौधों को लगाकर किया गया। इसके उपरांत नुक्कड़ नाटक तथा पर्यावरण की सुरक्षा हेतु शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। प्राचार्य श्री सूर्यमणि सिंह की अध्यक्षता में हो रहे इस कार्यक्रम में उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा हेतु उपस्थित शिक्षक - शिक्षकेतर कर्मचारियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा सैकड़ों छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। उन्होंने वृक्षों की महत्ता प्रतिपादित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि वृक्षों को लगाना तथा उन्हें सुरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य होता है, साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेवारी हमारा मानव धर्म है। हमें प्रकृति प्रदत वस्तुओं का सदुपयोग करना चाहिए दुरुपयोग कदाचित नहीं करना चाहिए। तत्पश्चात 'धरती कहे पुकार के 'नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसमें सुप्रिया कुमारी, रिंकी कुमारी, दिव्या कुमारी, किरण कुमारी तथा नैंसी कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य अपने जन्मदिवस पर एक पौधा अवश्य लगाएं साथ ही साथ प्लास्टिक का बहिष्कार करना आवश्यक है। सभी स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं तथा उपस्थित शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों से उन्होंने अनुरोध किया कि बाजार जाते समय अपने हाथ में कपड़े का एक थैला अवश्य लेकर जाएं, जिससे कि सिंगल प्लास्टिक थैले के उपयोग से बचें और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते रहें। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डा. आलोक रंजन कुमार ने अथाई के स्वर काव्य संकलन में संकलित पर्यावरण से संबंधित तीन कविताओं का सस्वर पाठ किया । जिसे सुनकर छात्र-छात्राएं तथा उपस्थित सभी श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। उक्त अवसर पर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संभाषण में पर्यावरण की सुरक्षा हेतु विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु शपथ लेते हुए स्वयंसेवक व अन्य छात्र–छात्राएँ।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा लगाने के पूर्व का फोटो।

Date:- 05/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राचार्य व अन्य शिक्षकगण भाग लेते हुए।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राचार्य को स्वयंसेविका पौधा देते हुए।

Date:- 05/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अध्यापक एवं स्वयंसेवकगण **Date:- 05/06/2023**

पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत स्वयंसेवको ने नाटक प्रस्तुत करते हुए।

Date:- 05/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ प्रतिभागी **Date:- 05/06/2023**

पौधा लगाते हुए प्राचार्य और अन्य **Date:- 05/06/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा लगाते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी Date:- 05/06/2023

प्राचार्य संबोधित करते हुए शिक्षकगण एवं स्वयंसेवको

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:-

योग दिवस पर लोगों में दिखा उत्साह

योग दिवस के अवसर पर प्राचार्य, शिक्षकगण एवं स्वयंसेवको की उपस्थिति

Date:- 21/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

स्वयंसेवक ने अपने कार्यक्रम पदाधिकारी को फोटोग्राफ प्रस्तुत करते हुए।

Date:- 21/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सभी अध्यापकगण, स्वयंसेवक एवं अन्य योगा करते हुएl Date:- 21/06/2023

सभी अध्यापकगण, स्वयंसेवक एवं अन्य योगा करते हुए। Date:- 21/06/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

प्राचार्य को स्वयंसेवक फोटोग्राफ प्रस्तुत करते हुए। सभी प्रतिभागी योगा की प्रस्तुती करते हुए। **Date:- 21/06/2023**

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

3. मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण कार्यक्रमः-

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अवसर पर पौधा लगाते हुए।

पौधा लगाते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी एवं अन्य अध्यापकगण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा लगाते हुए सभी स्वयंसेवक

पौधा लगाते हुए प्राचार्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा रोपण करते हुए कॉलेज कर्मी

पौधा रोपण करते हुए प्राचार्य,शिक्षकगण एवं स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा रोपण कार्यक्रम में स्वयंसेवक शामिल होते हुए।

पौधा रोपण करते हुए शामिल पाचार्य, कॉलेज कर्मी एवं स्वंयसेवक Date:- 09/08/2023 to 15/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

पौधा रोपण करते हुए स्वयंसेवकगण

पौधा रोपण करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवकगण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

4. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एन.एस.एस. परेड का आयोजनः-

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडातोलन करते हुए अध्यक्ष महोदय,प्राचार्य एवं अन्य कॉलेज कर्मी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवको शामिल Date:- 15/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

नाटक प्रस्तुती करते हुए स्वंयसेवक Date:- 15/08/2023

स्वंयसेवक का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर परेड करते हुए

Date:- 15/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

5. महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजनः-

ामू डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार, 30 अगस्त 2023 | 02

खेल मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार

एके सिंह कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

रस्सी कूद में पुरुष वर्ग में आकाश कुमार एवं महिला वर्ग में नैसी कुमारी प्रथम, खुशबून खातून द्वितीय तथा प्रतिभा कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किये

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर मंगलवार को एके सिंह कॉलेज जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रस्सी कूद (महिला एवं पुरुष वर्ग) कबड्डी (महिला एवं पुरुष वर्ग) का बारी-बारी से प्रतियोगिता कराया गया। रस्सी कूद में पुरुष वर्ग में आकाश कुमार एवं

महिला वर्ग में नैसी कुमारी प्रथम, खुशबून खातून द्वितीय तथा प्रतिभा कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी के महिला वर्ग में टीम ए में प्रीति सिंह,प्रीति कुमारी, साक्षी कुमारी, नीरू कुमारी, सोनी कुमारी, प्रिया कुमारी, प्रतिभा कुमारी, सोनम कुमारी तथा टीम बी में सुप्रिया कुमारी, खुशबून खातून, निधि पटेल, आरती कुमारी, शबनम खातून, रीमा कुमारी, नैसी कुमारी एवं पूनम कुमारी ने हिस्सा लिया। दोनों टीम में पूरे समय तक संघर्ष चलता रहा अंततः टीम ए विजेता टीम के रूप में घोषित की गई। इन्होंने 16/9 से जीत हासिल किया। कबड्डी के पुरुष वर्ग में टीम बी के अंतर्गत निखिल राज शुभम प्रकाश राकेश कुमार कौशल नीतीश शुभम कुमार शक्ति नाथ ठाकुर मनीष कुमार पासवान नीरज पासवान अतुल कुमार सिंह एवं टीम ए में अमित कुमार निरंजन सिंह धनोज कुमार विवेक कुमार राहुल कुमार मजीद खान अमोद कुमार अरुण कुमार मंटू कुमार एवं ज्ञान कुमार शामिल हुए। दोनों टीम टीम में पूरे समय तक संघर्ष चलता रहा अंत में टीम बी ने 48/25 से विजेता रहा। उक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कबड्डी के कोच मनोज शर्मा, रवि रंजन कुमार एवं मोहम्मद कैफ की भूमिका सराहनीय रही। प्रो. शशि भूषण प्रोफेसर, प्रो डॉक्टर आलोक रंजन, प्रो. राहुल कुमार सिंह ,प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह , प्रो. डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रो. सुनील कुमार सिंह के साथ- साथ अनेक स्वयंसेवक एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त सभी कार्यक्रमों के विजेता टीम को पुरस्कृत दो सितंबर को महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह के द्वारा किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल

कबड्डी खेलते हुए स्वयंसेवक Date:- 29/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कबड्डी खेलते हुए स्वयंसेवक शामिल Date:- 29/08/2023

कबड्डी खेलते हुए स्वयंसेवक Date:- 29/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

रस्सी कुद में शामिल स्वयंसेवक Date:- 29/08/2023

रस्सी कुद में शामिल स्वयंसेवक Date:- 29/08/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

दैनिक भास्कर

पलामू भास्कर 31-08-2023

रस्सी कूद में आकाश व नैंसी को पहला स्थान

हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर खेल का आयोजन

भास्कर न्यूज | हुसैनाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर 29 अगस्त को एके सिंह कॉलेज जपला के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रस्सी कूद (महिला व पुरुष वर्ग) कब्बड्डी (महिला व पुरुष वर्ग) की प्रतियोगिता कराई गई। रस्सी कूद में पुरुष वर्ग में आकाश कुमार एवं महिला वर्ग में नैंसी कुमारी प्रथम, खुशबून खातून द्वितीय तथा प्रतिभा कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किया। कब्बड्डी के महिला वर्ग में टीम ए में प्रीति सिंह, प्रीति कुमारी, साक्षी कुमारी, नीरू कुमारी, सोनी कुमारी, प्रिया कुमारी, प्रतिभा कुमारी, सोनम कुमारी तथा टीम बी में सुप्रिया कुमारी, खुशबून खातून, निधि पटेल, आरती कुमारी, शबनम खातून, रीमा कुमारी, नैंसी कुमारी व पूनम कुमारी ने हिस्सा लिया। दोनों टीम में पूरे समय तक संघर्ष चलता रहा अंतः टीम ए विजेता टीम के रूप में घोषित की गई। इन्होंने 16/9 से जीत हासिल किया। कब्बड्डी के पुरुष वर्ग में टीम बी के अंतर्गत निखिल राज, शुभम प्रकाश, राकेश कुमार, कौशल नीतीश, शुभम कुमार, शक्ति नाथ ठाकुर, मनीष कुमार , पासवान नीरज पासवान, अतुल कुमार सिंह एवं टीम ए में अमित कुमार, निरंजन सिंह, धनोज कुमार, विवेक कुमार, राहुल कुमार, मजीद खान अमोद कुमार, अरुण कुमार, मंटू कुमार व ज्ञान कुमार शामिल हुए। दोनों टीम टीम में पूरे समय तक संघर्ष चलता रहा अंत में टीम बी ने 48/25 से विजेता रहा। सभी कार्यक्रमों का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कब्बड्डी के कोच मनोज शर्मा, रवि रंजन कुमार एवं मोहम्मद कैफ की भूमिका सराहनीय रही। प्रोफेसर शशि भूषण प्रोफेसर, प्रो डॉक्टर आलोक रंजन, प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ,प्रोफेसर जयशंकर प्रसाद सिंह , प्रोफेसर डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉक्टर अजय कुमार सिंह, प्रोफेसर सुनील कुमार सिंह के साथ-साथ अनेक स्वयंसेवक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

बैटमिंटन प्रतियोगिता में शामिल कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक

Date:- 29/08/2023

बैटमिंटन प्रतियोगिता में शामिल कार्यक्रम पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

6. गाँधी जयंती के पूर्व महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवको के द्वारा श्रम दानः-

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

श्रम दान करते हुए स्वयंसेवक Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

कचरा का निष्पादन करते हुए स्वयंसेवक Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

कचरा का निष्पादन करते हुए स्वयंसेवक Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

श्रम दान करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

कचरा का निष्पादन करते हुए स्वयंसेवक Date:- 01/11/2023

कचरा का निष्पादन करते हुए स्वयंसेवक Date:- 01/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

7. महाविद्यालय परिसर से ''मेरी माटी मेरा देश'' के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का योजनाः-

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना ए के सिंह कॉलेज जपला इकाई के द्वारा आज दिनांक 13 अक्टूबर 2023 को एनएसएस स्वयंसेवकों के द्वारा अमृत कलश यात्रा निकाली गई। जो महाविद्यालय से प्रारंभ होकर गोद लिए हुए गांव कोरियाडीह तक निकाली गई। कलश यात्रा के पूर्व महाविद्यालय में सजे हुए अमृत कलश मेज पर रखकर बारी-बारी से उपस्थित सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने कलश में एक मुट्ठी मिट्टी डालकर भारत माता को नमन करते हुए पूजा अर्चना की। साथ ही साथ कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो, राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने अमृत कलश यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश के सभी शिक्षण संस्थानों में 1 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2023 तक कार्यक्रम आयोजित है। इसी क्रम में आज अपने महाविद्यालय में एनएसएस के द्वारा कार्यक्रम संचालित हो रहा है। इस कार्यक्रम से हमारे स्वयंसेवकों के अंदर देशभक्ति की भावना, वसुधैव कुटुंबकम का भाव, राष्ट्रीय एकता का भाव इत्यादि युवा विद्यार्थियों के अंदर विकसित होगा। इस अवसर पर प्रो डॉ0 शिवकुमार विश्वकर्मा, डॉ0 चंदन कुमार सिंह ,प्रो राहुल कुमार सिंह, प्रो रेखा सिंह ,प्रो अरुण कुमार सिंह, प्रो प्रशांत कुमार सिंह ,अरविंद कुमार, अरुण कुमार सिंह, ओमप्रकाश सिंह तथा स्वयंसेवकों में आलोक कुमार, अर्चना कुमारी, किरण कुमारी, शीतल कुमारी ,दिव्या कुमारी ,सुप्रिया कुमारी ,नैंसी कुमारी, निधि कुमारी, निशु कुमारी ,शक्ति ठाकुर ,रिंकी कुमारी, खुशबू कुमारी सहित अनेक स्वयंसेवकों ने अमृत कलश यात्रा में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई ने निकाली कलश यात्रा

कलश यात्रा के दौरान पंच प्रण का संकल्प लेते लोग.

प्रतिनिधि, हुसैनाबाद

एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा कलश यात्रा का आयोजन किया गया. यह आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत किया गया. अध्यक्षता प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने की. संचालन एनएसएस सह जिला नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने की. कलश यात्रा कॉलेज परिसर से निकलकर एनएसएस द्वारा गोद लिये गांव कोरियाडीह तक गयी. इससे पूर्व कॉलेज में सजे हुए अमृत कलश में सभी स्वयंसेवकों ने एक-एक मुट्ठी मिट्टी डालकर पंच प्रण की शपथ ली. प्राचार्य ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों व आम लोगों में देशभक्ति व सेवा की भावना जागृत करना है. मौके पर प्रो डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो डॉ चंदन कुमार सिंह, प्रो राहुल कुमार सिंह, प्रो रेखा सिंह, प्रो अरुण कुमार सिंह, प्रो प्रशांत कुमार सिंह, ओम प्रकाश सिंह (लेखापाल), सहायक अरविंद कुमार, अरुण कुमार सिंह मौजूद थे.

प्रभात खबर Sat, 14 October 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/7

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश यात्रा में भाग लेते हुए पदाधिकारी व स्वयंसेवकगण

अमृत कलश यात्रा में शपथ लेते हुए पदाधिकारी व स्वयंसेवकगण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश यात्रा में शपथ लेते हुए पदाधिकारी व स्वयंसेवकगण

अमृत कलश यात्रा में शपथ लेते हुए पदाधिकारी व स्वयंसेवकगण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश यात्रा में शपथ लेते हुए पदाधिकारी व स्वयंसेवकगण

अमृत कलश में स्वयंसेवक मिट्टी डालते हुए

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश में कार्यक्रम पदाधिकारी मिट्टी डालते हुए

अमृत कलश में पदाधिकारी मिट्टी डालते हुए Date:- 13/10/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश में पदाधिकारी मिट्टी डालते हुए

अमृत कलश में पदाधिकारी मिट्टी डालते हुए Date:- 13/10/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश में पदाधिकारी मिट्टी डालते हुए Date:- 13/10/2023

अमृत कलश के बारे में संबोधन करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश के बारे में संबोधन करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

अमृत कलश के बारे में संबोधन करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

अमृत कलश के बारे में संबोधन करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

अमृत कलश के बारे में संबोधन करते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

8.राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में रंगोली एवम पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक भास्कर पलामू भास्कर 01-11-2023

एके सिंह कॉलेज में स्वयंसेवकों और छात्रों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

भास्कर न्यूज | हुसैनाबाद

एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर मंगलवार को पोस्टर मेकिंग एवं राष्ट्रीय एकता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह ने स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। स्वयंसेवकों में आलोक कुमार, अतुल कुमार सिंह, दिव्या कुमारी, आरुषि कुमारी, दिव्या कुमारी, शुभम प्रकाश, प्रीति कुमारी पोस्टर मेकिंग एवं राष्ट्रीय एकता शपथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर प्रो. शशि भूषण सिंह, प्रो. डॉ. आलोक रंजन, प्रो. डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो. डॉ. आनंद कुमार सिंह, प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. सुधीर कुमार सिंह, प्रो. रेखा सिंह, प्रो. मुकेश कुमार सिंह व प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पदाधिकारीगण, स्वयंसेवको व अन्य का शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवको व अन्य का शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवको ने रंगोली की प्रस्तुती पदाधिकारी के सामने की

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए कार्यक्रम पदाधिकारी

Date:- 31/10/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए स्वयंसेवको

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए स्वयंसेवको

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए पदाधिकारी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए पदाधिकारी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए पदाधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पदाधिकारी एवं स्वयंसेवको ने शपथ ली

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रंगोली बनाकर प्रस्तुती की स्वयंसेवको

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी रंगोली कराते हुए

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रंगोली बनाते हुए स्वयंसेवको

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुष्पांजली देते हुए पदाधिकारी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर रंगोली बनाते हुए स्वयंसेवको

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

9. स्टोप चाइल्ड सेक्सुवल एब्युज पॉस्को एक्ट 2012 के अंतर्गत ऑनलाईन कार्यक्रम का आयोजन ।

[11:08 am, 1/5/2024] Rajesh kumar Singh: The Rakshin Project is inviting you to a scheduled Zoom meeting.

Topic: Stop Child Sexual Abuse POCSO Act 201

Date: 10/11/2023

Time: 7:30 - 9.00 pm

Language: Hindi

College Name: A.K Singh College, Japla

NSS Co-Ordinator NP University: Dr. Pradip Kumar

College Principal Name: Prof. Suryamani Singh

College PO Name: Mr. Rajesh Kumar Singh

Speaker: Ms. Bharti Gomase

Co-Host: Ms. Gudiya Dubey

Scheduler Name: Ms. Gudiya Dubey

Join Zoom Meeting

https://us06web.zoom.us/j/89322033345?pwd=TzVLb0tDQ2NHU0ZtbFA2ZDVWbzYvZz09

[11:08 am, 1/5/2024] Rajesh kumar Singh: https://forms.gle/nzQx4hg6oXD2M1r38

[11:08 am, 1/5/2024] Rajesh kumar Singh: The Rakshin Project is inviting you to a scheduled Zoom meeting.

Topic: Stop Child Sexual Abuse POCSO Act 2012

Date: 10/11/2023

Time: 7:30 - 9.00 pm

Language: Hindi

College Name: A.K Singh College, Japla

NSS Co-Ordinator NP University: Dr. Pradip Kumar

College Principal Name: Prof. Suryamani Singh

College PO Name: Mr. Rajesh Kumar Singh

Speaker: Ms. Bharti Gomase

Co-Host: Ms. Gudiya Dubey

Scheduler Name: Ms. Gudiya Dubey

Join Zoom Meeting

https://us06web.zoom.us/j/89322033345?pwd=TzVLb0tDQ2NHU0ZtbFA2ZDVWbzYvZz09

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

10. संविधान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन ।

एके सिंह कॉलेज में एनएसएस की इकाई ने मनाया संविधान दिवस

संविधान की प्रस्तावना की शपथ लेते एनएसएस के स्वयंसेवक व पदाधिकारी.

प्रतिनिधि, हुसैनाबाद

एके सिंह कॉलेज की एनएसएस इकाई ने रविवार को संविधान दिवस मनाया. यह आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश पर किया गया. एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों व शिक्षा कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलायी. मौलिक कर्तव्य और अधिकारों के पालन के लिए प्रेरित किया. मौके पर प्रो आलोक रंजन कुमार, प्रो डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो मुकेश कुमार, प्रो जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो अरुण कुमार सिंह, प्रो रवि रंजन मिश्रा, प्रो राहुल कुमार सिंह, प्रो आनंद कुमार सिंह, लेखापाल ओम प्रकाश सिंह, सहायक अरविंद कुमार सिंह, अखिलेश कुमार सिंह समेत स्वयंसेवक मौजूद थे. इधर, अनुमंडल कार्यालय परिसर में भी संविधान दिवस मनाया गया. मौके पर भीम रमन आदि मौजूद थे.

प्रभात खबर
Mon, 27 November 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/7398

एके सिंह कॉलेज में मनाया गया संविधान दिवस

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज जपला इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह द्वारा सर्वप्रथम सभी स्वयंसेवकों सहित शिक्षण एवं गैर शिक्षण कर्मचारियों को भारतीय संविधान के प्रस्तावना के अनुपालन की शपथ दिलाई। मौके पर शुभम प्रकाश, आलोक कुमार, रिंकी कुमारी, शीतल कुमारी, नैंसी कुमारी, अतुल कुमार, दिव्या कुमारी, सुप्रिया कुमारी, प्रीति कुमारी, रीमा, खुशबू सहित अध्यापकों में प्रो. आलोक रंजन कुमार, प्रो. डा. शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. अरुण कुमार सिंह, प्रो. रविरंजन मिश्रा, प्रो. राहुल कुमार सिंह मौजूद थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

संविधान दिवस के अवसर पर शपथ कराते हुए Date:- 26/11/2023

संविधान दिवस के अवसर पर शपथ कराते हुए Date:- 26/11/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

संविधान दिवस के अवसर पर शपथ कराते हुए शामिल पदाधिकारी एवं अन्य

संविधान दिवस के अवसर पर शपथ कराते हुए शामिल पदाधिकारी एवं अन्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

11. विश्व एडस दिवस के अवसर पर स्वंयसेवको द्वारा पेंटिग एवम जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन।

विश्व एडस दिवस के अवसर पर पदाधिकारी, स्वंयसेवको व अन्य शामिल

विश्व एडस दिवस के अवसर पर स्वंयसेवको व अन्य शामिल Date:- 01/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व एडस दिवस के अवसर पर स्वंयसेवको व अन्य शामिल

विश्व एडस दिवस के अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी का संबोधन

Date:-01/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विश्व एडस दिवस के अवसर पर पदाधिकारी, स्वंयसेवको व अन्य शामिल

विश्व एडस दिवस के अवसर पर पदाधिकारी, स्वंयसेवको व अन्य शामिल

Date:- 01/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

ए. के. सिंह कॉलेज, जपला में मतदाता सूची पंजीकरण कराने हेतु कैंप का आयोजन

बदलता झारखंड, हुसैनाबाद। सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी–सह–अंचल अधिकारी, हुसैनाबाद (पलामू) के निर्देशानुसार ए. के. सिंह कॉलेज, जपला में मतदाता सूची पंजीकरण कराने हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर अंचल हुसैनाबाद के कर्मचारी संटू कुमार, संयोजक प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्रो. राजेश कुमार सिंह, प्रो. डॉ. उपेंद्र कुमार सिंह, लिपिक अखिलेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। कैम्प में प्रपत्र संख्या–6 के 12 तथा प्रपत्र संख्या–8 का 01 फॉर्म भरकर विद्यार्थियों ने जमा किया।

नोट :- प्रत्येक रविवार को बदलता झारखंड का प्रेस कार्यालय बंद रहेगा। अत: आगामी अंक सोमवार की जगह मंगलवार को प्रकाशित किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

12. एन. एस. एस. नेहरु युवा केंद्र और खेल कुद विभाग के द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको की सहभागिता का आयोजन।

फोटोग्राफी में कुमारी श्रेया का प्रथम स्थान

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते प्राचार्य व अन्य • जागरण

जागरण संवाददाता, मेदिनीनगर (पलामू) : पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल -कूद और युवा कार्य विभाग की ओर से मंगलवार को जनता शिवरात्रि कालेज में जिला स्तरीय युवा खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्राचार्य एसके पांडेय, जिला खेल पदाधिकारी उमेश कुमार लोहरा, एनएसएस के नोडल प्रभारी राजेश कुमार,एनपीयू एनएसएस कोर्डिनेटर प्रदीप कुमार, स्काउट एंड गाइड के शिक्षक आमोद सिंह, केवीके संगीत शिक्षक सौरभ दुबे, नृत्य निदेशक राजन आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया।

महोत्सव में सौ के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया। महोत्सव में ग्रुप फोक डांस, सोलो डांस, ग्रुप फोक गाना, सोलो गाने, संबोधन, स्टोरी राइटिंग, पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप फोक डांस में अरबन डांस ग्रुप को प्रथम, आदि कुडुख सरना समाज को द्वितीय और एके सिंह कालेज जपला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सोलो फोक डांस में पूजा चंद्रवंशी को प्रथम, दिव्या कुमारी को द्वितीय और नेहा उरांव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

ग्रुप फोक गाना में एके सिंह कालेज को प्रथम, सोलो फोक गाना में आरती चंद्रवंशी प्रथम, प्रिया कुमारी को द्वितीय और अंकित अनमोल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्टोरी राइटिंग में सुप्रिया कुमारी को प्रथम, अंजलि तिवारी को द्वितीय और पुष्पा कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर मेकिंग में अनंत को प्रथम, आकांक्षा रानी को द्वितीय और ममता कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। फोटोग्राफी में कुमारी श्रेया झा को प्रथम, निकिता कुमारी को द्वितीय और आकांक्षा कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन शालिनी श्रीवास्तव ने किया। आयोजन में सिकंदर कुमार, मोनू कुमार, रानी उरांव, सुनील कुमार, उपेंद्र कुमार आदि का योगदान रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए Date:- 06/12/2023

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए
Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको ने नाटक प्रस्तुत करते हुए Date:- 06/12/2023

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको ने नाटक प्रस्तुत करते हुए Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कार्यक्रम पदाधिकारी पुरस्कार ग्रहण करते हुए

Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे स्वंयसेवको को पुरस्कार ग्रहण करते हुए

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कार्यक्रम पदाधिकारी निरिक्षण करते हुए

Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कार्यक्रम पदाधिकारीको पुरस्कार ग्रहण करते हुए

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कार्यक्रम पदाधिकारी संबोधन करते हुए Date:- 06/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

13. एन. एस. एस. नेहरु युवा केंद्र और खेल कुद विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम मे चयनित प्रतिभागियो की सहभागिता का आयोजन।

विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वयंसेवको का गीत प्रस्तुती

Date:- 22/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वयंसेवको ईनामी राशि के साथ फोटोग्राफी Date:- 22/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वयंसेवको का नाटक प्रस्तुत

Date:- 22/12/2023

विभाग झारखण्ड के संयुक्त तत्वधान मे जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वयंसेवको का भाषण प्रस्तुत
Date:- 22/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

16. अपने आस –पास वितीय धोखाघडी एवं साइबर फ्रॉड की कोइ घटना व उससे बचने उपाय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।

ए. के. सिंह कालेज जपला में एन एस एस के नेतृत्व में अपने आस पास वित्तीय धोखाधड़ी व साइबर फ्राड की कोई घटना और उससे बचने के उपाय विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

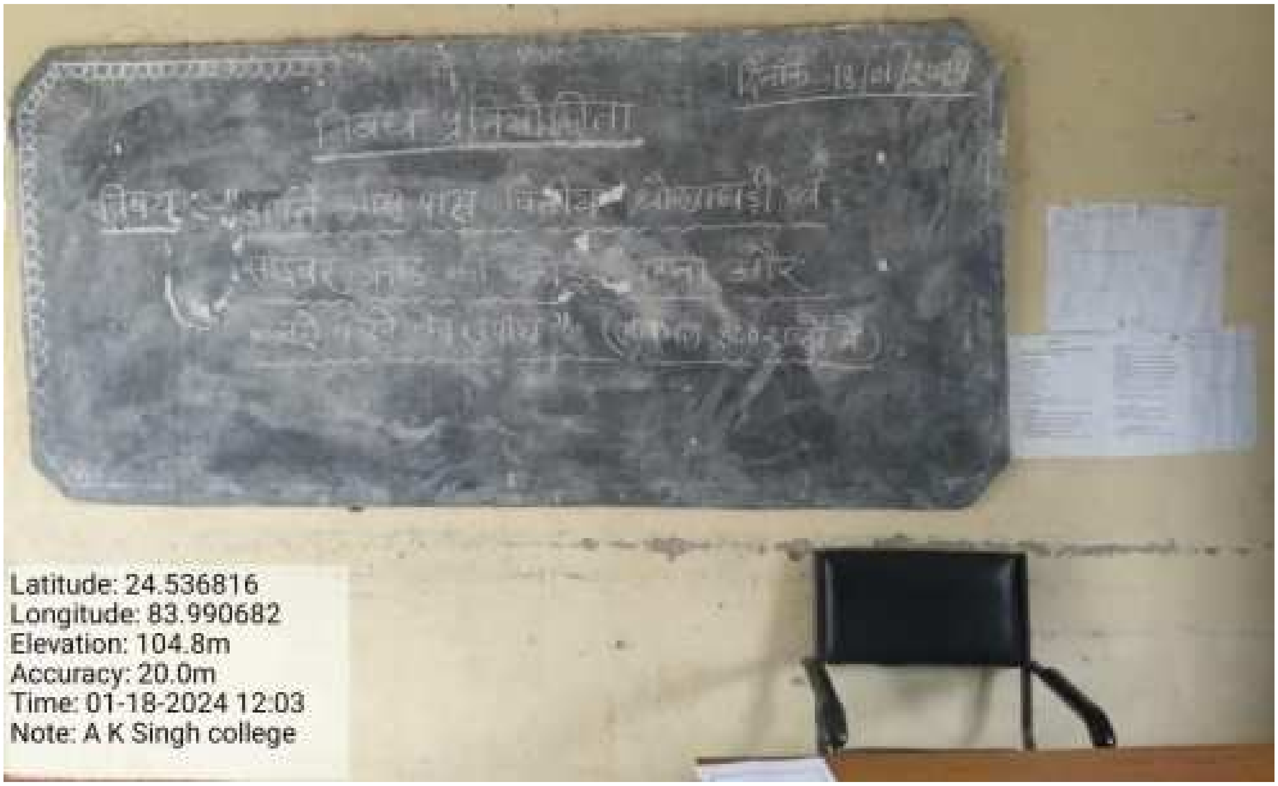

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते हुए स्वयंसेवक/छात्र–छात्राएँ

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते हुए स्वयंसेवक/छात्र–छात्राएँ

निबंध प्रतियोगिता में वीक्षण कार्य करते हुए स्वयंसेवक/छात्र–छात्राएँ

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

17. महाविद्यालय परिसर मे पराक्रम दिवस का आयोजन

पराक्रम दिवस के अवसर पर प्राचार्य व अन्य

पराक्रम दिवस के अवसर पर भाग लेते हुए स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

पराक्रम दिवस के अवसर पर प्राचार्य व अन्य

पराक्रम दिवस के अवसर पर प्राचार्य व अन्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

18. महाविद्यालय परिसर मे स्वंसेवको द्वारा एन.एस.एस परेड एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।

झंडोतोलन करते हुए शासी निकाय के अध्यक्ष, प्राचार्य व अन्य Date:-26/01/2024

राष्ट्रगाण गाते हुए स्वयंसेवक Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

झंडोतोलन करते हुए शासी निकाय के अध्यक्ष, प्राचार्य व अन्य Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अतिथि Date:-26/01/2024

शासी निकाय के अध्यक्ष को सम्मानित करते हुए प्राचार्य Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

शासी निकाय के अध्यक्ष को फोटोग्राफ से सम्मानित करते हुए स्वयंसेवक

स्वयंसेवको के द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

कार्यक्रम पदाधिकारी को सम्मानित करते हुए प्राचार्य Date:-26/01/2024

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड करते हुए स्वयंसेवक Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड करते हुए स्वयंसेवक Date:-26/01/2024

गणतंत्र दिवस के अवसर पर परेड करते हुए स्वयंसेवक Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित अतिथि व अन्य Date:-26/01/2024

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर सचिव महोदय का संबोधन Date:-26/01/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

19. एम के कॉलेज डंडार कला पांकी मे एन एस एस के द्वारा आयोजीत स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला मे स्वयंसेवको की सहभागिता का आयोजन।

क्षेत्रीय निदेशक को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी Date:-26/02/2024

कार्यक्रम समन्वयक को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी व स्वयंसेवक

Date:-26/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

क्षेत्रीय निदेशालय के कुणाल सर को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी

Date:-26/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

क्षेत्रीय निदेशक को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी व स्वयंसेवक

पूर्व कार्यक्रम समन्वयक को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी व स्वयंसेवक

Date:-26/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

क्षेत्रीय निदेशालय के कुणाल सर को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी

क्षेत्रीय निदेशालय के कुणाल सर को सम्मानित करते कार्यक्रम पदाधिकारी

Date:-26/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

20. मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन।

पलामू

एके सिंह कॉलेज जपला में चला मतदाता जागरूकता अभियान, उमड़ी भीड़

मेरा पहला वोट देश के लिये कार्यक्रम में युवाओं का दिखा जोश

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देशानुसार 28 फरवरी से आयोजित मेरा पहला वोट देश के लिए अभियान के अन्तर्गत एके सिंह कॉलेज जपला में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य प्रो. सुर्यमणि सिंह ने उपस्थित स्वयं सेवकों,शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलाई। इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश के कुशल नागरिक होने के नाते स्वच्छ मतदान हम सभी का दायित्व बनता है।हम सभी को स्व से ऊपर उठकर मतदान करने की आवश्यकता है। भारत युवाओं का देश है। युवा शक्ति कदम से कदम मिलाकर आगे आयेगी। तभी अपना देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ सकता है। इस दौरान सभी ने सेल्फी के माध्यम से आम नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग बिना दबाव एवं प्रलोभन के करने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रो. शशिभूषण सिंह, डॉ. रामभूषण सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह,डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो. अयूब,प्रो. मुकेश कुमार सिंह, प्रो. अरुण कुमार सिंह, प्रो. जयशंकर प्रसाद सिंह, प्रो. आनंद कुमार सिंह, प्रो. अभिषेक कुमार सिंह, प्रो. उपेन्द्र कुमार सिंह, सुप्रिया कुमारी मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान जरूरी

हुसैनाबाद. एके सिंह कॉलेज में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय पटना के निर्देश पर मेरा पहला वोट देश के लिए कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो सूर्यमणि सिंह ने स्वयंसेवकों, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी. कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी को अपने मतों का प्रयोग अति आवश्यक है. कार्यक्रम सह नोडल पदाधिकारी प्रो राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश का नागरिक होने के नाते हम सबों का स्वच्छ मतदान करने का दायित्व बनता है. भारत युवाओं का देश है. युवा कदम से कदम मिलाकर चलेंगे, तभी देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ सकता है. उन्होंने स्वयंसेवक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ सेल्फी ली. मताधिकार का प्रयोग बिना दबाव व प्रलोभन के करें. मौके पर प्रो शशिभूषण सिंह, डॉ रामसुभग सिंह, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, सुप्रिया कुमारी आदि मौजूद थे.

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए स्वयंसेवक Date:-28/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए स्वयंसेवक Date:-28/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए ग्रामीण Date:-28/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए स्वयंसेवक Date:-28/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए पदाधिकारी,स्वयंसेवक व ग्रामीण

मतदान के लिए जागरूक करते हुए पदाधिकारी,स्वयंसेवक व ग्रामीण

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्राचार्य व अन्य

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्राचार्य व अन्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्राचार्य व अन्य

मतदान के लिए जागरूक करते हुए पदाधिकारी,स्वयंसेवक व ग्रामीण

Date:-28/02/2024 to 06/03/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए पदाधिकारी Date:-28/02/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए० के० सिंह कॉलेज जपला

मतदान के लिए जागरूक करते हुए प्राचार्य

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

21. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर 2024 इटावा, उतर प्रदेश मे स्वयंसेवको की सहभागिता

जपला रेलवे स्टेशन पर स्वयंसेवको का रवाना करते हुए पदाधिकारी Date:-11/03/2024

डालटनगंज रेलवे स्टेशन से स्वयंसेवको का रवाना करते हुए पदाधिकारी Date:-11/03/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

इटावा शिविर में टीम लीडर के साथ स्वयंसेवक Date:-11/03/2024 to 17/03/2024

इटावा शिविर में टीम लीडर के साथ स्वयंसेवक Date:-11/03/2024 to 17/03/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

इटावा शिविर में टीम लीडर के साथ मेडल प्राप्त करते हुए स्वयंसेवक

इटावा शिविर में मंचासीन पदाधिकारीगण मेडल प्राप्त करते हुए

Date:-11/03/2024 to 17/03/2024

राष्ट्रीय सेवा योजना

ए0 के0 सिंह कॉलेज जपला

इटावा शिविर में टीम लीडर के साथ मेडल प्राप्त करते हुए स्वयंसेवक

इटावा शिविर से लौटने के बाद प्राचार्य के साथ कार्यक्रम पदाधिकारी व स्वयंसेवक

Date:-11/03/2024 to 17/03/2024

3.3.1 Number of research papers published per teacher in the Journals notified on UGC CARE list during the last five years

Title of paper	Name of the author/s	Department of the teacher	Name of journal	Calendar Year of publication	ISSN number	Link to the recognition in UGC enlistment of the Journal /Digital Object Identifier (doi)		
						Link to website of the Journal	Link to article / paper / abstract of the article	Is it listed in UGC Care list
वैश्विक व्यापार एवं वाणिज्य में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका एवं योगदान	Mr. Surya Mani Singh	(Principal cum HoD Department of Commerce)	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7875	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/6fb01394db4ea5b87329605a4e508bf3.pdf	YES
Artificial Intelligence.	Dr. Anand Kumar	Psychology	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7875	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/e025f029a19882b514570682184671ef.pdf	YES
A Role Of Social Media In Current Society	Mr. Sudip Kumar	Sociology	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7876	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/acfee9f6c4c57b6b5155f94ad3e55b81.pdf	YES
The Roll Of Mathematics In Science	Mr. Arun Kumar Singh	Mathematics	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7877	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/78d7fb51498066cf9a24c41b97d8a666.pdf	YES
A STUDY ON POSITIVE MENTAL HEALTH	Mr. Harendra Naryan Singh	Psychology	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7878	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/7578d6dc24fa5db7e48c582ac8b7373a.pdf	YES
Challenges of Indian Politics	Mr. Abhishek Kumar	Political science	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7879	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/366d37a346a274bc9577c7ee06f35503.pdf	YES
Agriculture And Soil	Mr. Jayshankar Prasad Singh	Geography	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7880	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/0ab7e57b2284723cf2df8a770ae6973c.pdf	YES
Impact of Agricultural Developent On Rurl Poor- A Case Study Of Aurangabad District + (Ph.D).	Dr. Upendra Kumar Singh	Economics	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7881	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/252eeb21f96e76576fc1e4bc3600195b.pdf	YES
Limnological Studies Of Water Bodies.	Mr. Rahul Kr Singh	Zoology	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7882	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/d1d624c591750bd5d03b6a2524c7ed0e.pdf	YES
How heat Stroke Change Climate	Mr. Naresh Singh	Chemistry	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7883	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/6600ff7b6c7a1c13d8f47df300ce534f.pdf	YES
how Organic Agriculture Helps Us Solve climate Change.	Mr. Ashok Kumar Deo	Chemistry	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7884	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/187b02ef7d8477d80ed7f8e1bc3c2a31.pdf	YES
Some Theoretical Studies of Multiple Orelering In f-electron Systems.	Mr. Ravi Kumar	Physics	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7885	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/d668044ab6648d7581fe3c4132366193.pdf	YES
Chemical Bonding And Moleculor Struture	Mr. Sunil Kumar Singh	Chemistry	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7886	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/373c99c2f4da0e8b2d9ec0f599b81d9e.pdf	YES
The Problem Of Integration In the Plays Of T.S. Eliot	Dr. Ajay Kumar Singh	English	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7887	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/3dde58eb6cfb8dfc6a2a77d2ac0ea7ea.pdf	YES
Climate Changes And Global Warming	Mr. Rajesh Kumar Singh	Geography	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7888	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/142b51fccca91f86ba388261ea99adde.pdf	YES
Use of Mathematics In Financial Growth	Mr. Ashok Kumar Singh	Mathematics	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7889	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/6078fb0e110586da494ffbf0d1726b8a.pdf	YES
Corelation Between Vadic And Modren Mathematics	Mr. Sudhir Kumar Singh	Mathematics	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7890	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/90320778bff9f6d3f75eec97b2662ec8.pdf	YES
Mauryan Admistration	Mr. Prashant Kumar	History	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7891	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/905bec22b5224fc553c9df1a0c79bd11.pdf	YES
Problem Of Child Laborers And Their Economical Condition	Mr. Shashi Bhushan	Sociology	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7892	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/1dc71d94364615517a40edb0eedfc248.pdf	YES
Samkalin Rachnakaro Me Vridha Vimarsh	Mr. Rekha Kumari Singh	Hindi	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7893	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/8687e23545a9cf483bd9d556b7b67d3b.pdf	YES
Manushya jiwan me Ramayan Ka Yogdan	Dr. Raviranjan mishra	Sanskrit	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7894	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/63d59101390e6e258429ff0eefa8ca7d.pdf	YES
Earthquake Areas In The Word And Its Effects	Mr. Mukesh Kumar	Geography	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7895	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/2c3449757c56b8f675058b51871a8919.pdf	YES
A Complete Evaluation Of Manvendra Nath Rai Political Thought In The Present Context	Mr. Sunil Kumar Singh	Political science	IJFANS International Journal of Food and Nutritional Sciences	2022	ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320-7896	https://www.ijfans.org/	https://www.ijfans.org/uploads/paper/b5f2b89bab7d11911e9d02de9685fdea.pdf	YES

वैश्विक व्यापार एवं वाणिज्य में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका एवं योगदान

प्रो. सूर्य मणि सिंह

विभागाध्यक्ष , वाणिज्य सह प्रभारी प्राचार्य ए.के. सिंह कॉलेज , जपला

सार

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो वैश्विक व्यापार व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले नियमों का निर्माण और कार्यान्वयन करता है। 164 सदस्य देशों के साथ, यह संगठन अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुचारू रूप से चलाने और सभी के लिए लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो वैश्विक व्यापार व्यवस्था को नियंत्रित करने और उसे सुगम बनाने के लिए कार्य करता है। 1995 में स्थापित, डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य देश हैं, जिनमें दुनिया के सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है। डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार के लिए नियमों का एक व्यापक ढांचा स्थापित करता है। इन नियमों में शुल्क, सब्सिडी, बौद्धिक संपदा अधिकार और सेवाओं के व्यापार जैसे मुद्दे शामिल हैं। डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों को व्यापार बाधाओं को कम करने और व्यापार नियमों को मजबूत करने के लिए वार्ता करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। डब्ल्यूटीओ के पास सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों को सुलझाने के लिए एक विवाद निपटान प्रणाली है। डब्ल्यूटीओ व्यापार नीतियों की समीक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि सदस्य देश डब्ल्यूटीओ नियमों का पालन करें। डब्ल्यूटीओ विकासशील और कम विकसित देशों को व्यापार नियमों को लागू करने और वैश्विक व्यापार में भाग लेने में मदद करता है।

मुख्य शब्द

वैश्विक, व्यापार, वाणिज्य, विश्व, व्यापार, संगठन

भूमिका

डब्ल्यूटीओ के नियमों और नीतियों ने वैश्विक व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि में योगदान दिया है। डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद से, वैश्विक व्यापार कई गुना बढ़ गया है। व्यापार में वृद्धि ने आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है और दुनिया भर में लाखों रोजगार पैदा किए हैं। डब्ल्यूटीओ नियमों ने कम कीमतों, अधिक विकल्पों और बेहतर उत्पादों और सेवाओं को जन्म दिया है। व्यापार में वृद्धि ने गरीबी में कमी में योगदान दिया है, क्योंकि विकासशील देशों को वैश्विक बाजारों में अपनी अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने और अपने उत्पादों का निर्यात करने का अवसर मिला है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved**, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

विकसित देशों द्वारा कृषि उत्पादों पर दी जाने वाली उच्च सब्सिडी विकासशील देशों के किसानों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल बना देती है। विकसित और विकासशील देशों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकारों को लेकर मतभेद हैं। डब्ल्यूटीओ को डिजिटल व्यापार, पर्यावरण और श्रम मानकों जैसे नए मुद्दों से निपटने के लिए अनुकूलित करने की आवश्यकता है।

विश्व व्यापार संगठन वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है। इसने वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं के लिए लाभ में योगदान दिया है। हालांकि, डब्ल्यूटीओ को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें हल करने के लिए सदस्य देशों को मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी।

डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार को सुचारू बनाने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी नियमों का निर्माण करता है। इनमें व्यापारिक नीतियों, शुल्कों, सब्सिडी, बौद्धिक संपदा अधिकारों, और सेवाओं के व्यापार जैसे मुद्दे शामिल हैं। डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापारिक नियमों को कम करने और सुधारने के लिए वार्ताओं का आयोजन करता है। इन वार्ताओं का उद्देश्य व्यापार बाधाओं को कम करना, बाजारों तक पहुंच बढ़ाना और वैश्विक व्यापार प्रणाली को मजबूत करना है।

डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापारिक विवादों को निपटाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विवाद निपटान प्रणाली निष्पक्ष और पारदर्शी होने के लिए डिज़ाइन की गई है, और इसका उद्देश्य विवादों को जल्दी और प्रभावी ढंग से हल करना है। डब्ल्यूटीओ विकासशील और कम विकसित देशों को व्यापार नियमों को लागू करने और वैश्विक व्यापार से लाभ उठाने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

डब्ल्यूटीओ के नियमों और वार्ताओं ने वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण वृद्धि में योगदान दिया है। डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद से, वैश्विक व्यापार कई गुना बढ़ गया है। व्यापार में वृद्धि से गरीबी में कमी आई है। अध्ययनों से पता चला है कि डब्ल्यूटीओ के नियमों ने लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। डब्ल्यूटीओ के नियमों ने उपभोक्ताओं के लिए कम कीमतों और अधिक विकल्पों का नेतृत्व किया है। डब्ल्यूटीओ ने सदस्य देशों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद की है।

डब्ल्यूटीओ की कुछ आलोचनाएं भी हैं। कुछ का तर्क है कि यह विकसित देशों के पक्ष में काम करता है और विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाता है। दूसरों का तर्क है कि यह पर्यावरण और श्रमिक अधिकारों की पर्याप्त रक्षा नहीं करता है। डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसने व्यापार में वृद्धि, गरीबी में कमी और उपभोक्ताओं के लिए लाभ में योगदान दिया है। हालांकि, कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, डब्ल्यूटीओ वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगा।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली का एक नियम-आधारित ढांचा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार को सुगम और निष्पक्ष बनाना है। 1995 में स्थापित, डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य देश हैं, जो वैश्विक व्यापार का 98% से अधिक हिस्सा दर्शाते हैं। डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार को नियंत्रित करने वाले नियमों का एक समूह स्थापित करता है। इन नियमों में टैरिफ और अन्य व्यापार बाधाओं को कम करना, बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करना, और सरकार द्वारा वित्त पोषित सब्सिडी पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।

वैश्विक व्यापार एवं वाणिज्य में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका एवं योगदान

डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों को सुलझाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विवादों को एक स्वतंत्र पैनल द्वारा निष्पक्ष रूप से निपटाया जाता है, जिसके फैसले सदस्य देशों के लिए बाध्यकारी होते हैं।

डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की नियमित रूप से समीक्षा करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप हैं। डब्ल्यूटीओ विकासशील और कम विकसित देशों को व्यापार प्रणाली में एकीकृत करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण प्रदान करता है।

डब्ल्यूटीओ के नियमों ने व्यापार बाधाओं को कम करने और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने में मदद की है। डब्ल्यूटीओ के अध्ययनों से पता चलता है कि इसके नियमों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में वृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डब्ल्यूटीओ के नियम सभी देशों को समान व्यापार अवसर प्रदान करते हैं, चाहे उनका आकार या आर्थिक शक्ति कुछ भी हो। यह छोटे और कम विकसित देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने और लाभ प्राप्त करने में मदद करता है।

डब्ल्यूटीओ अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के लिए एक मंच प्रदान करता है, जहां देश व्यापार नीतियों पर चर्चा और बातचीत कर सकते हैं। यह नियमों पर आधारित व्यापार प्रणाली को मजबूत करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

हाल के वर्षों में, कुछ देशों ने व्यापार संरक्षणवादी नीतियों को अपनाया है, जैसे कि उच्च टैरिफ और आयात कोटा। इससे वैश्विक व्यापार में गिरावट आई है और डब्ल्यूटीओ नियमों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए गए हैं। विकासशील और विकसित देशों के बीच डब्ल्यूटीओ नियमों के कार्यान्वयन और व्याख्या को लेकर मतभेद हैं। इससे वार्ता में गतिरोध पैदा हो गया है और डब्ल्यूटीओ की

विवाद निपटान प्रणाली पर दबाव पड़ा है। डिजिटल व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे नए मुद्दे डब्ल्यूटीओ के लिए चुनौतियां पेश करते हैं।

डब्ल्यूटीओ के मुख्य योगदानों में शामिल हैं:

1. व्यापार बाधाओं को कम करना: डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच शुल्क, कोटा और अन्य व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए समझौतों पर बातचीत करता है। इससे व्यापार की लागत कम होती है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए कम कीमतें और व्यवसायों के लिए अधिक अवसर पैदा होते हैं।

2. व्यापार नियमों को लागू करना: डब्ल्यूटीओ यह सुनिश्चित करता है कि सदस्य देश व्यापार नियमों का पालन करें। विवादों को निपटाने के लिए एक विवाद निपटान प्रणाली भी है, जो देशों को व्यापार नीति के मुद्दों पर सहमत होने में मदद करती है।

3. व्यापार नीति में पारदर्शिता बढ़ाना: डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों को अपनी व्यापार नीतियों को पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। इससे व्यवसायों को यह जानने में मदद मिलती है कि वे किन नियमों का पालन करते हैं और वे विभिन्न बाजारों में कैसे प्रवेश कर सकते हैं।

4. व्यापार सुविधा प्रदान करना: डब्ल्यूटीओ व्यापार को आसान बनाने के लिए मानकों और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए काम करता है। इसमें सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, तकनीकी बाधाओं को कम करना और व्यापार से संबंधित जानकारी तक पहुंच प्रदान करना शामिल है।

5. विकासशील देशों की सहायता करना: डब्ल्यूटीओ विकासशील देशों को वैश्विक व्यापार प्रणाली में भाग लेने में मदद करने के लिए कार्यक्रम चलाता है। इसमें तकनीकी सहायता, क्षमता निर्माण और विशेष और भेदभावपूर्ण व्यवहार (एसडीटी) प्रदान करना शामिल है, जो विकासशील देशों को कुछ व्यापार बाधाओं से छूट देता है।

डब्ल्यूटीओ की भूमिका को लेकर कुछ आलोचनाएं भी हैं। कुछ का तर्क है कि यह विकसित देशों के पक्ष में काम करता है और विकासशील देशों को पर्याप्त अवसर नहीं देता है। दूसरों का मानना है कि डब्ल्यूटीओ पर्यावरण और श्रम मानकों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देता है।

निष्कर्ष

कुल मिलाकर, डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यापार बाधाओं को कम करने, व्यापार नियमों को लागू करने और व्यापार सुविधा प्रदान करने में मदद करता है। डब्ल्यूटीओ विकासशील देशों की सहायता करने और वैश्विक व्यापार को अधिक समावेशी और टिकाऊ बनाने के लिए भी काम करता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper **© 2012 IJFANS. All Rights Reserved**, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

डब्ल्यूटीओ एकदम सही नहीं है और इसकी भूमिका पर बहस जारी है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि डब्ल्यूटीओ वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और वैश्विक व्यापार को अधिक सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

संदर्भ

1. WTO | Understanding the WTO - The GATT years: from Havana to Marrakesh". www.wto.org (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 2022-11-05.
2. "U.S. Trade Policy: Going it Alone vs. Abiding by the WTO | Econofact". econofact.org (अंग्रेज़ी में). 2018-06-15. अभिगमन तिथि 2022-11-05.
3. "WTO | Understanding the WTO - the Secretariat". www.wto.org (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 2022-11-05.
4. https://web.archive.org/web/20170327023602/https://www.wto.org/english/res_e/doload_e/inbr_e.pdf
5. https://web.archive.org/web/20170626184700/https://www.wto.org/english/thewto_e/cwr_e/cwr_history_e.htm

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

A COMPLETE EVALUATION OF MANVENDRA NATH RAI POLITICAL THOUGHT IN THE PRESENT CONTEXT

Mr. Sunil Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Political science
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

Manabendra Nath Roy (M.N. Roy), a firebrand revolutionary who later became a philosopher, left an indelible mark on Indian political thought. His journey, from advocating communist revolution to championing "Radical Humanism," compels us to consider his ideas in the context of contemporary challenges.

From Marxism to Radical Humanism: A Shift in Focus

Roy's early years were steeped in revolutionary fervor. He saw Marxism as the answer to India's colonial subjugation. However, disillusioned by the Soviet model's rigidity, he developed Radical Humanism. This philosophy emphasized reason, individual freedom, and a scientific outlook over dogma. Roy believed these were crucial for India's social and economic progress.

Relevance in the 21st Century

Several aspects of Roy's thought resonate in the present:

- **Critique of Religious Conservatism:** Roy's opposition to obscurantism and religious dogma holds weight in a world grappling with religious extremism. His call for a rational and scientific society is pertinent as we navigate issues like climate change and technological advancements.
- **Focus on Individual Freedom:** Roy's emphasis on individual liberty finds resonance in contemporary discussions on human rights and democratic values.
- **Social Upliftment:** His concern for the marginalized aligns with the ongoing struggles for social justice and equality. Roy's vision of empowering peasants and workers holds relevance in the fight against poverty and inequality.

Challenges and Considerations

However, Roy's ideas also face challenges in the 21st century:

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- **The Rise of Identity Politics:** Roy's focus on individual emancipation might be seen as overlooking the importance of collective identities in the current political climate.
- **The Question of Class Conflict:** While social justice remains crucial, the nature of class conflict has evolved in a globalized world. Roy's emphasis on the proletariat might need reinterpretation.
- **The Role of the State:** Roy's vision of a minimalist state might not address the complex challenges of the 21st century, such as social welfare and environmental regulation.

Conclusion

M.N. Roy's political thought is a complex tapestry. While some aspects might seem dated, his core ideas – reason, individual freedom, and social justice – remain relevant in the 21st century. A critical engagement with his work can inspire solutions to contemporary challenges, prompting us to forge a path that balances individual liberty with social well-being. By understanding Roy's evolution and the context behind his ideas, we can find aspects that can be revitalized for the present.

Manabendra Nath Roy (M.N. Roy), a revolutionary, philosopher, and political theorist, was a towering figure in early 20th-century India. His trajectory, from advocating communist revolution to championing "Radical Humanism," offers a unique lens through which to examine contemporary political issues. This paper explores the enduring relevance of Roy's ideas in the present context.

Centrality of Reason and Individuality: Roy's core philosophy emphasized reason, critical thinking, and individual emancipation. He challenged traditional social hierarchies and religious dogma, advocating for a society based on scientific inquiry and individual freedom. In today's world, grappling with issues like religious extremism and rising social inequalities, Roy's emphasis on reason resonates. His call for a citizenry equipped with critical thinking skills is vital to navigate the complexities of the information age.

Critique of Capitalism and Communism: Roy distanced himself from both capitalism and orthodox Marxism. He critiqued capitalism's inherent inequalities and exploitation. However, he also saw communism's rigid class struggle and state control as detrimental to individual freedom. This perspective offers a valuable critique in the 21st century, where both unfettered capitalism and authoritarian regimes pose challenges. Roy's vision for an alternative socio-economic model, focused on human development and individual liberty, remains an important thought experiment.

Focus on the Peasantry: Roy, unlike many nationalists, recognized the critical role of the peasantry in India's liberation struggle. He argued for their upliftment, not just for national liberation but also for building a truly democratic society. In the contemporary

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

context, where rural distress and social inequities persist, Roy's emphasis on empowering the marginalized holds relevance.

However, Roy's thought also has limitations. His "Radical Humanism" lacked a clear roadmap to achieve its goals. Additionally, his views on nationalism, while advocating for a more inclusive national identity, might need reinterpretation in today's globalized world.

Conclusion

M.N. Roy's political thought offers valuable insights for the 21st century. His emphasis on reason, individual freedom, and a critique of both unfettered capitalism and rigid state control provide a framework for navigating contemporary challenges. While his ideas require adaptation to the present, Roy's legacy remains a call for a society based on reason, individual empowerment, and social justice.

One of Roy's central concerns was the role of the intelligentsia in national liberation. He argued against blind nationalism, advocating for a critical approach that addressed the needs of the marginalized – peasants, workers, and the underprivileged. This resonates in today's India, where social inequalities persist. Roy's emphasis on empowering these sections through education and political participation offers a framework for tackling issues of poverty and social justice.

Roy's critique of orthodox Marxism is also pertinent. He recognized the limitations of class struggle as the sole driver of revolution in a colonized nation. In today's globalized world, with its focus on economic development, Roy's call for a nuanced approach that considers factors beyond class holds merit. We can see this in the rise of identity politics and movements demanding recognition for marginalized groups.

Radical Humanism, Roy's philosophical contribution, emphasized reason, individuality, and a scientific outlook. This philosophy can be seen as a counterpoint to rising religious fundamentalism and social conservatism in India. Roy's advocacy for a rational approach to social problems and individual emancipation remains crucial in navigating the complexities of a diverse society.

However, Roy's ideas also have limitations. His vision of a centralized planned economy may not be entirely suitable for the current era of technological advancement and market liberalization. Additionally, his dismissal of religion entirely might require some rethinking in the context of contemporary India, where faith continues to play a significant role in people's lives.

In conclusion, M.N. Roy's political thought offers valuable tools for navigating the challenges of 21st-century India. His emphasis on social justice, critical thinking, and individual empowerment remains relevant. Reassessing his ideas through a contemporary lens allows us to identify both their enduring value and their need for adaptation in a

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

constantly evolving world. Further exploration of Roy's work can inspire solutions to issues of social inequality, economic development, and the need for a rational and inclusive society.

Social upliftment, the act of raising individuals and communities from a position of disadvantage, is a cornerstone of a just and equitable society. It transcends mere charity, aiming to equip people with the tools and opportunities they need to thrive. This paper will explore the core aspects of social upliftment, its significance, and the multifaceted approaches employed to achieve it.

At its heart, social upliftment tackles the root causes of marginalization. This includes dismantling systemic inequalities based on factors like race, gender, socioeconomic background, or disability. By ensuring equal access to quality education, healthcare, and economic opportunities, social upliftment empowers individuals to chart their own course. Education, for example, equips people with the skills and knowledge to navigate the complexities of the modern world, while access to healthcare safeguards their well-being.

The significance of social upliftment extends far beyond the individual. Empowered communities foster innovation, economic growth, and social stability. When individuals have a stake in their society, they are more likely to contribute positively. Furthermore, social upliftment fosters a sense of belonging and reduces social unrest. A society riddled with inequality breeds resentment and hinders progress.

The path to social upliftment is multifaceted. Government policies that promote equal access to essential services and resources are crucial. Investments in public education, affordable housing, and universal healthcare can significantly improve life chances. Additionally, fostering a culture of inclusion and combating discrimination are essential for creating a level playing field.

Civil society organizations play a vital role in social upliftment. NGOs and community-based organizations often work on the ground, providing targeted support to marginalized groups. They offer skills training, mentorship programs, and advocacy for policies that address specific needs. The private sector can also contribute through socially responsible practices that promote diversity and inclusion within their own organizations, as well as by supporting initiatives that benefit the communities they operate in.

The journey towards social upliftment is an ongoing process. New challenges emerge as societies evolve, demanding continuous adaptation and innovation. Technological advancements offer unprecedented opportunities to bridge divides and empower individuals, but also pose risks of exacerbating inequality if not harnessed inclusively.

In conclusion, social upliftment is not a destination but a continuous climb. By dismantling barriers, providing opportunities, and fostering a culture of inclusion, we can empower individuals and communities to reach their full potential. This pursuit not only

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

benefits the marginalized but strengthens the fabric of society as a whole, creating a more just and equitable world for all.

Individual freedom, a concept as old as humanity itself, continues to resonate throughout history. It is the air we breathe for the soul, the fertile ground from which self-expression and innovation blossom. But freedom, like any powerful force, is multifaceted. Understanding its essence and its boundaries is crucial for a thriving society.

At its core, individual freedom is the ability to make choices, to chart one's own course in life. This encompasses the freedom of thought, the right to believe and express oneself without fear. It allows us to pursue our passions, whether artistic, intellectual, or entrepreneurial. This freedom fosters a vibrant tapestry of ideas and experiences, the lifeblood of a dynamic society. Artists can push creative boundaries, leading to groundbreaking works. Scientists can explore uncharted intellectual territory, unlocking new discoveries.

However, freedom is not absolute. It exists within a framework of responsibility. Our choices must consider the impact on others. The freedom to swing your fist ends where another person's nose begins. Responsible exercise of freedom necessitates respect for the rights of others. This delicate balance is what allows individuals to flourish within a cohesive society.

The pursuit of individual freedom has been a driving force for social progress. Throughout history, people have fought against oppression, demanding the right to self-determination. From the fight for religious freedom to the struggle for women's suffrage, the yearning for individual liberty has fueled movements that have shaped the world we live in today.

Yet, freedom can be fragile. It can be eroded by external forces like authoritarian regimes or internal pressures like societal conformity. We must constantly be vigilant, protecting our freedoms and ensuring they are accessible to all. This requires active participation in civic life, holding our leaders accountable and speaking out against injustice.

In conclusion, individual freedom is a cornerstone of a just and prosperous society. It empowers individuals, fosters innovation, and allows us to live authentic lives. But with freedom comes responsibility. We must strive to find the equilibrium between individual liberty and the well-being of the collective. As we continue to sing the song of freedom, let it be a chorus that celebrates the dignity and potential of every human being.

Religious conservatism is a complex and multifaceted phenomenon that intersects faith with social and political spheres. It emphasizes adherence to traditional religious doctrines and values, often interpreted as divinely ordained and immutable. This paper will explore the core tenets of religious conservatism, its impact on society, and the ongoing debates it ignites.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

One defining characteristic of religious conservatism is a literal interpretation of sacred texts. Believers hold these scriptures as the ultimate source of authority on morality, social order, and even scientific matters. This approach often leads to resistance towards social change seen as conflicting with religious teachings. Issues like abortion, same-sex marriage, and stem cell research become battlegrounds where religious conservatives strive to uphold their interpretation of morality.

Religious conservatism also champions the importance of established institutions, particularly the family and religious communities. The traditional family structure, with a clear division of gender roles, is seen as the bedrock of society. Religious institutions provide moral guidance, foster a sense of belonging, and promote social cohesion. Conservative religious communities often advocate for policies that strengthen these institutions, such as school prayer or tax breaks for religious organizations.

However, religious conservatism's social influence is not without its critics. Opponents argue that a strict adherence to tradition can stifle progress and social justice. They point out that religious doctrines may not adapt well to a rapidly changing world, potentially leading to discrimination against minorities or hindering scientific advancement. Additionally, the focus on a singular interpretation of faith can be seen as disrespectful towards the diversity of religious beliefs within a society.

The role of religious conservatism in the political sphere is another point of contention. While some see it as a positive force promoting strong moral values, others worry about the erosion of the separation of church and state. The influence of religious beliefs on political decisions can be seen as infringing on the rights of those who do not subscribe to those particular beliefs.

In conclusion, religious conservatism remains a powerful force shaping societies around the world. It offers a sense of stability, community, and moral clarity. However, its impact on social progress and individual freedoms is a topic of ongoing debate. As societies evolve, religious conservatism will need to grapple with how to maintain its core values while adapting to a changing world. The future lies in fostering a dialogue that respects both tradition and the need for social change.

REFERENCES

- R.K. Awasthi, *Scientific Humanism: Socio-Political Ideas of M.N. Roy: A Critique.* Delhi: Research Publications in Social Sciences, 2019.
- Shiri Ram Bakshi, *M.N. Roy.* New Delhi: Anmol Publications, 2018.
- N.R. Basannavar, 'The Indian in the Comintern'. University of Bristol Dissertation 2017
- G.P. Bhattacharjee, *Evolution of Political Philosophy of M.N. Roy.* Calcutta: Minerva Associates, 2016.
- Phanibhusan Chakravartti, *M.N. Roy.* Calcutta: M.N. Roy Death Anniversary Observance Committee, 2019.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- Prakash Chandra, *Political Philosophy of M.N. Roy.* Meerut: Sarup & Sons, 2015.
- Satyabrata Rai Chowdhuri, *Leftism in India, 1917–1947.* Basingstoke, UK: Palgrave, 2017.
- Ramyansu Sekhar Das, *M.N. Roy the Humanist Philosopher.* Calcutta: W. Newman, 2016.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

CHALLENGES OF INDIAN POLITICS

Mr. Abhishek Kumar
Assistant Professor,
Department of Political science
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

India, the world's largest democracy, faces a complex web of challenges that threaten to impede its progress and stability. These challenges range from deep-rooted social divisions to issues of governance and economic disparity. Understanding these complexities is crucial for navigating India's political landscape. One of the most persistent issues is communalism and caste-based politics. The legacy of the caste system and religious differences can be exploited by politicians for electoral gains, leading to social friction and violence. This undermines the idea of a united India and hinders development efforts aimed at uplifting all sections of society. Corruption is another major challenge, eroding public trust in institutions and hindering effective policy implementation. Bureaucratic red tape and a lack of transparency create opportunities for graft, discouraging investment and slowing economic growth. Political polarization is on the rise, fueled by social media and ideological divides. This makes it difficult for parties to find common ground and forge consensus on critical issues. As a result, important legislation can get stalled, and the focus shifts towards political point-scoring rather than problem-solving. Economic inequality remains a significant concern. While India has experienced impressive economic growth in recent decades, the benefits haven't been evenly distributed. Millions still live in poverty, lacking access to basic necessities like education and healthcare. This economic disparity can lead to social unrest and fuel extremist ideologies.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

KEYWORDS:

Indian, Politics, Economic, Ideologies

INTRODUCTION

National security threats from terrorism and Maoist insurgency pose a constant challenge. These issues require a delicate balancing act between maintaining security and upholding civil liberties. Failure to address these concerns can create a climate of fear and hinder economic development. The rise of populism and charismatic leaders who exploit social anxieties can further endanger democratic processes. Appealing to emotions and divisive rhetoric can overshadow rational policy discussions and weaken institutional checks and balances. [1]

The efficacy of coalition governments is another point of debate. While they can promote inclusivity, they can also lead to policy paralysis due to competing priorities within the alliance. Finding a balance between stability and effective governance is a challenge for coalition governments. Despite these challenges, India's democracy has shown remarkable resilience. A vibrant civil society, a free press, and an independent judiciary offer hope for the future. Addressing these issues requires a multi-pronged approach. Strengthening institutions, promoting social justice, and fostering economic opportunities for all are crucial steps in ensuring a more inclusive and prosperous India.

India, the world's largest democracy, thrives on its diversity. However, this very diversity presents challenges to its political landscape. Here, we explore some of the most pressing issues confronting Indian politics:

- Social Divisions: Caste, religion, and regionalism continue to be potent forces. Political parties often exploit these divisions for electoral gains, hindering national unity and progress. Caste-based discrimination persists, despite

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

affirmative action policies. Religious tensions can erupt into violence, threatening social harmony.

- Corruption: Endemic corruption erodes public trust in institutions and stifles development. Bureaucratic red tape and a lack of transparency create opportunities for graft. Political financing remains opaque, and powerful special interests can influence policy decisions. [2]

- Economic Disparity: The economic boom hasn't benefited all Indians equally. Millions remain trapped in poverty, while a wealthy elite flourishes. This fuels social discontent and makes it difficult to address issues like healthcare and education for all.

- Political Polarization: The rise of identity politics and strong ideological divides make constructive discourse difficult. Compromise, essential for a functioning democracy, becomes a casualty. This can lead to policy paralysis and hinder effective solutions to national problems.

- Dynastic Politics: Many political parties are dominated by families, hindering the emergence of new leadership and fresh ideas. This can lead to a disconnect between politicians and the people they represent.

- Weakening Institutions: A free and independent press is vital for a healthy democracy. However, recent trends suggest a decline in press freedom, raising concerns about the space for dissent and robust debate.

- National Security: Threats from terrorism, both internal and external, pose a constant challenge. Naxalism, a Maoist insurgency, continues to plague some regions. Finding a balance between security and individual liberties can be a delicate act.

These challenges are complex and interconnected. Addressing them requires a multi-pronged approach:

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- Strengthening Institutions: An independent judiciary, a free press, and a robust anti-corruption watchdog are crucial to ensure accountability and transparency.

- Inclusive Politics: Political parties need to move beyond divisive rhetoric and promote policies that address the needs of all citizens, regardless of caste, religion, or region.

- Empowering the People: Education and awareness campaigns can help citizens make informed choices and participate actively in the political process.

- Economic Equity: Policies that promote inclusive growth and reduce social disparities are essential for long-term stability. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

India's democracy is a work in progress. By acknowledging these challenges and working towards solutions, India can ensure its vibrant democracy continues to serve its people effectively. India, the world's largest democracy, faces a complex web of challenges that threaten to impede its progress and stability. While it has made significant strides since independence, its political landscape grapples with issues that hinder true social and economic development. [1]

One of the most persistent issues is corruption. Endemic within the system, it erodes public trust and diverts resources away from crucial areas like infrastructure and education. Political parties often rely on money from dubious sources, leading to a culture of quid pro quo and a reluctance to address the issue effectively. [2]

Complicating matters is the rise of political polarization. Fueled by religious and ideological differences, this creates a climate of hostility and makes it difficult to

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

find common ground. This can lead to policies that benefit one segment of society at the expense of others, hindering national unity. [3]

Caste-based discrimination, though outlawed, continues to affect millions of Indians. Additionally, regional aspirations and religious tensions can be exploited by politicians for personal gain, further fragmenting society. [4]

The dominance of dynastic politics also presents a hurdle. Political parties often revolve around powerful families, hindering the emergence of new leadership and fresh ideas. This can lead to a disconnect between the political class and the needs of the people. [5]

CHALLENGES OF INDIAN POLITICS

India's federal structure, while a strength in its diversity, can also lead to slow decision-making and policy paralysis. Coalition governments, often necessary due to the multi-party system, can struggle to find consensus, hindering progress on critical issues. Despite these challenges, India's democracy has shown resilience. A vibrant civil society, a strong judiciary, and an active media all play a role in holding the government accountable. Additionally, the rise of young voters offers hope for a future where politics is more inclusive and representative.

India's political journey is far from over. By addressing issues like corruption, social divisions, and political polarization, India can strengthen its democracy and ensure a brighter future for all its citizens. On the positive side, social media platforms like Twitter and Facebook have democratized political communication. Politicians can bypass traditional media gatekeepers and directly address a vast audience. Prime Minister Narendra Modi, for instance, has leveraged Twitter to cultivate a strong personal brand and connect with millions of followers. Additionally, social media fosters political participation among the youth, who are often disillusioned with traditional political discourse. Online platforms provide a space for discussions, critiques of government policies, and mobilization for

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

social causes. Movements like #MeToo and #BlackLivesMatterIndia gained traction through social media, demonstrating its power to empower citizens.

However, the open and unregulated nature of social media also presents significant challenges. The spread of misinformation and "fake news" is a major concern. Politicians and their supporters can easily manipulate social media algorithms to create echo chambers and disseminate divisive narratives. This can exacerbate social tensions and hinder productive political discourse. Furthermore, social media campaigns often rely on emotional appeals and targeted messaging, potentially swaying voters based on misinformation rather than informed analysis of policies. Another challenge is the weaponization of social media for online harassment and trolling. Political opponents and dissenting voices are often targeted with abusive language and threats. This not only discourages civil discourse but also creates a climate of fear that can silence criticism and stifle healthy political debate.

Social media campaigns can be highly effective in reaching a wider audience, particularly the youth, who are often considered a disengaged demographic. Political parties can leverage targeted advertising and interactive content to build support and mobilize voters. However, the very features that empower can also be exploited. The spread of misinformation and "fake news" is a major concern. The lack of fact-checking mechanisms allows for the creation and dissemination of false narratives, often with the intent of influencing public opinion. Echo chambers, where users are exposed only to information that confirms their existing beliefs, further exacerbate political polarization.

The anonymity offered by social media platforms can also lead to the proliferation of hate speech and personal attacks. This not only discourages healthy political debate but also creates a toxic online environment that discourages meaningful participation. Additionally, social media campaigns can be manipulated through

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

the use of bots and paid influencers, creating the illusion of widespread support for a particular candidate or ideology.

Social media's impact on Indian politics is a double-edged sword. While it offers opportunities for increased citizen engagement, transparency, and political mobilization, it also presents challenges like misinformation, hate speech, and manipulation. To navigate this complex landscape, fostering media literacy and promoting responsible online behavior are crucial. Additionally, holding social media platforms accountable for content moderation is essential to ensure they remain spaces for genuine political discourse. The future of Indian politics in the digital age hinges on our ability to harness the positive potential of social media while mitigating its risks.

For decades, the Indian National Congress (Congress) held a dominant position. However, the rise of the BJP, with its Hindu nationalist ideology, has ushered in a new era. The BJP's consecutive victories in 2014 and 2019 mark a shift towards a potential second dominant party system, with the BJP at its core. This challenges the multi-party coalition governments that characterized the previous era.

Indian politics, the world's largest democracy, has undergone a significant transformation in recent decades. The once-dominant Congress party has seen its influence wane, while new trends like the rise of regional parties, identity politics, and social media's growing role have reshaped the political landscape. This paper will explore these key changes and their implications for India's future.

One of the most striking trends is the decline of the Congress party's dominance. For decades, Congress held a near-monopoly on power, but a series of corruption scandals and a perceived disconnect with the electorate led to its decline. This has opened the door for the Bharatiya Janata Party (BJP), a right-wing nationalist party, to emerge as a major force. The BJP's focus on Hindu nationalism and charismatic leadership has resonated with a section of the

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

population, particularly the growing Hindu middle class. Another trend is the rise of regional parties. As national parties struggle to address the diverse needs of India's vast population, regional parties with strong local roots have gained prominence. These parties focus on issues specific to their regions, such as language, water rights, and development. This has led to a more fragmented political landscape, with coalition governments becoming increasingly common.

The rise of identity politics is another noteworthy trend. Caste, religion, and ethnicity have always played a role in Indian politics, but in recent years, these identities have become more politicized. This has both positive and negative consequences. On the one hand, it gives voice to previously marginalized communities. On the other hand, it can exacerbate social divisions and lead to violence.

The role of social media in Indian politics has also seen a dramatic shift. Social media platforms provide a powerful tool for political campaigning, allowing parties to connect directly with voters. However, social media can also be used to spread misinformation and hate speech, posing a threat to informed political discourse. These changing trends present both challenges and opportunities for Indian democracy. The rise of regional parties and identity politics can lead to a more inclusive political system, but it can also make it more difficult to build national consensus. The growing influence of social media demands new measures to combat misinformation and promote responsible online political engagement. Indian politics is undergoing a period of significant transformation. The decline of the Congress party, the rise of regional parties and identity politics, and the growing role of social media are all reshaping the political landscape. These changes present both challenges and opportunities for India's democracy. By addressing these challenges and harnessing the opportunities, India can ensure a vibrant and inclusive democracy for the future.

Conclusion

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Social media's impact on Indian politics is a double-edged sword. It offers opportunities for increased political participation, transparency, and citizen engagement. However, it also presents serious challenges related to misinformation, manipulation, and online harassment. Moving forward, it is crucial to develop strategies to combat fake news, promote media literacy, and encourage responsible online behavior from both politicians and citizens. Only then can social media fulfill its true potential as a tool for strengthening Indian democracy.

REFERENCES

1. Guha, Ramachandra. (2017). "India After Gandhi: The History of the World's Largest Democracy." Harper Perennial.

2. Sen, Amartya. (2015). "The Argumentative Indian: Writings on Indian History, Culture, and Identity." Farrar, Straus and Giroux.

3. Jaffrelot, Christophe. (2019). "India's Silent Revolution: The Rise of the Lower Castes in North India." C. Hurst & Co.

4. Price, Pamela. (2019). "The Political Economy of India." Oxford University Press.

5. Jaitley, Arun. (2017). "A New India: Selected Writings 2014-2019." HarperCollins India.

6. Gupta, Dipankar. (2017). "The Caged Phoenix: Can India Fly?" Sage Publications.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

7. Yadav, Yogendra. (2019). "Understanding the Second Democratic Upsurge: Trends of Bahujan Participation in Electoral Politics in the 1990s." Economic and Political Weekly, 34(48), 3321-3332.

8. Chhibber, Pradeep K., & Verma, Rajeev. (2019). "The Puzzle of Indian Politics: Social Cleavages and the Indian Party System." Annual Review of Political Science, 16, 178-189.

9. Roy, Arpita. (2017). "Political Corruption and Governance in India: A Comparative Study of Bangladesh, India, and Pakistan." Asian Journal of Political Science, 25(1), 49-68.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

THE PROBLEM OF INTEGRATION IN THE PLAYS OF T.S. ELIOT

Dr. Ajay Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of English
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

T.S. Eliot, a prominent figure of Modernism, grappled with the fractured nature of the modern experience in his works. This theme of fragmentation extends to his plays, where characters struggle with the problem of integration, the inability to unify various aspects of their lives and identities. Through a fractured world and characters yearning for wholeness, Eliot explores the anxieties of the modern individual. One key aspect of this struggle is the disintegration of the past and present. In "Murder in the Cathedral," Thomas Becket grapples with the conflict between his loyalty to the crown and his religious convictions. The past, embodied by the tradition of the church, clashes with the demands of the present king. Becket's inability to reconcile these forces leads to his martyrdom, highlighting the impossibility of forging a unified identity in a world of conflicting demands. Another facet of the integration problem lies in the dissociation of thought and feeling. Characters like Sweeney in "Sweeney Agonistes" exemplify this. He represents a world where intellectual pursuits are divorced from emotional connection. Sweeney's fragmented consciousness reflects the modern alienation from meaning and purpose. Similarly, in "The Family Reunion," Harry's introspection and anxieties fail to translate into concrete action, leaving him trapped in a cycle of guilt and despair. The plays also explore the difficulties of social integration. Characters often find themselves outsiders, unable to connect

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

with the society around them. In "The Cocktail Party," characters like Edward and Lavinia struggle to find meaning in their relationships, demonstrating the breakdown of traditional social structures and the challenges of forging genuine connections in a fragmented world.

Keywords:

Modernism, Connections, Integration

INTRODUCTION

T.S. Eliot, a titan of modernist literature, explored the anxieties and alienation of the modern world not just in his poetry but also in his dramatic works. A central theme that pervades his plays is the problem of integration, a struggle for characters to achieve a sense of wholeness in a fragmented and disillusioned society. This paper will delve into how Eliot portrays this struggle in his plays, focusing on the challenges of integrating the past with the present, reconciling faith and doubt, and forging meaningful connections with others. [1]

Eliot's characters often grapple with the burden of the past. In "Murder in the Cathedral," Thomas Becket, the Archbishop of Canterbury, faces a stark choice between loyalty to the crown and his religious convictions. The past, embodied by the traditions of the church, clashes with the demands of the present king. Becket's internal conflict mirrors the larger societal struggle between the fading medieval order and the rise of secular authority. Similarly, in "The Family Reunion," Harry, the protagonist, is haunted by the sins and secrets of his family's past. These unresolved issues prevent him from moving forward and finding peace.

Eliot, however, doesn't solely depict despair. He offers glimpses of a potential solution - the possibility of a transcendent order. In "Murder in the Cathedral," Becket's unwavering faith hints at a spiritual realm that can offer wholeness. Similarly, the Chorus in "The Rock" suggests that faith and a sense of community

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

can bridge the fragmented self. However, achieving this integration remains a distant hope, overshadowed by the pervasive sense of alienation in the modern world. [2]

Through the problem of integration in his plays, Eliot compels us to confront the anxieties of the modern experience. The fractured characters and fragmented world serve as a stark reminder of the challenges of forging a unified self in a world devoid of meaning and connection. While he offers glimpses of a potential solution through faith and community, the journey towards integration remains a constant struggle for Eliot's characters, reflecting the anxieties of his time and leaving audiences to ponder the possibility of wholeness in the modern world.

Eliot, deeply influenced by his Anglican faith, also explores the difficulty of maintaining a unified religious belief in a cynical world. Characters like Thomas Becket and Celia Coplestone in "The Cocktail Party" grapple with questions of faith and doubt. Becket seeks martyrdom as a way to reaffirm his faith, while Celia yearns for a spiritual awakening. However, Eliot offers no easy answers. The path to faith is often fraught with uncertainty, highlighting the fragmented nature of religious experience in the modern world.

The characters in Eliot's plays also struggle to connect with others on a meaningful level. Communication is often fractured, leading to misunderstandings and isolation. In "The Waste Land," the fragmented voices represent a society devoid of genuine connection. Similarly, in "The Cocktail Party," characters like Edward and Lavinia lead loveless marriages, highlighting the difficulty of achieving intimacy in a modern world. This lack of connection further reinforces the theme of fragmentation and the yearning for a sense of belonging.

T.S. Eliot, a titan of 20th-century poetry, revolutionized the English language with his innovative style. Reflecting the disillusionment and fragmentation of the modernist era, Eliot's writing techniques challenged traditional forms and created

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

a voice that was both erudite and unsettling. This paper will delve into the key elements of his style, exploring how they contribute to the overall impact of his work. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

One of Eliot's defining characteristics is his use of allusion. He liberally incorporates references to mythology, literature, and philosophy, creating a tapestry of meaning that rewards the attentive reader. Poems like "The Waste Land" are layered with allusions, forcing the reader to piece together the fragmented narrative and grapple with the depth of Eliot's intellectual world. This technique reflects the fragmented nature of modern life, where meaning is no longer readily available but must be actively sought. [1]

Eliot also employs a masterful use of imagery. His poems are filled with vivid, often unsettling images, that capture the spiritual barrenness and emotional desolation of the modern world. The juxtaposition of disparate images, like the hyacinths from the Ganges in "The Waste Land," creates a sense of discord and disorientation. These jarring images serve as metaphors for the breakdown of traditional values and the search for meaning in a chaotic world. [2]

Eliot's experimentation with form broke away from the rigid structures of traditional poetry. He utilized free verse, a form that allowed for greater flexibility in rhythm and meter. This mirrored the fragmented nature of the modern experience and provided a platform for his stream-of-consciousness explorations in poems like "The Love Song of J. Alfred Prufrock." However, Eliot wasn't entirely averse to traditional forms. He incorporated elements of blank verse and even musicality within his free verse, creating a sense of tension and complexity. [3]

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Another crucial aspect of Eliot's style is his voice. His poems often lack a clear, singular speaker. Instead, they present a chorus of voices, echoing the alienation and lack of connection characteristic of the modern world. This fragmented voice reflects the disintegrated self, grappling with the anxieties and uncertainties of the modern age. [4]

T.S. Eliot's groundbreaking style wasn't without its challenges. The dense allusions, complex imagery, and lack of a clear narrative can make his work difficult to access for the uninitiated reader. However, for those willing to delve deeper, the rewards are immense. By meticulously crafting a style that mirrored the fragmented reality of the modern world, Eliot created some of the most enduring and influential poetry of the 20th century. His voice continues to resonate with readers today, reminding us of the complexities of the human experience and the enduring search for meaning. [5]

PROBLEM OF INTEGRATION IN THE PLAYS OF T.S. ELIOT

One of Eliot's defining characteristics is his use of fragmentation. He breaks away from traditional linear narratives, opting for a collage of voices, images, and historical references. This fragmentation mirrors the fractured nature of modern life, where meaning is elusive and coherence seems lost. Poems like "The Love Song of J. Alfred Prufrock" employ stream-of-consciousness techniques, capturing the jumbled thoughts and anxieties of the speaker.

Eliot's mastery of allusion further enriches his style. He liberally incorporates references to mythology, literature, and philosophy, creating a sense of intertextuality. These allusions require the reader to participate actively, piecing together the fragments to understand the poem's deeper meaning. This technique not only demonstrates Eliot's vast intellectual knowledge but also connects his work to a broader literary and cultural context.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Symbolism plays a crucial role in Eliot's poetry. He uses recurring symbols, such as the wasteland itself, to represent complex ideas about alienation, spiritual emptiness, and the search for meaning. These symbols are not always straightforward, demanding close examination and interpretation by the reader. The ambiguity allows for multiple layers of meaning and fosters a deeper engagement with the text.

Eliot's mastery of language is undeniable. He employs a rich vocabulary, often incorporating colloquialisms alongside classical references. This creates a sense of tension, reflecting the clash between the modern world and tradition. He also experiments with form, utilizing free verse alongside traditional structures like blank verse. This flexibility allows him to tailor the form to the specific content and mood of the poem.

Eliot's poems are rich tapestries woven with references to mythology, history, and literature. From Dante's Divine Comedy to the Buddha's Fire Sermon, he draws upon a vast knowledge base, demanding an active role from the reader. These allusions serve multiple purposes. They create a sense of depth and universality, connecting the poem to a broader cultural conversation. They can also introduce irony or dissonance, as the borrowed fragments collide with the poem's bleak themes.

Eliot broke away from traditional forms, employing free verse and shifting rhythms to mirror the fractured nature of modern experience. Poems like "The Waste Land" are characterized by abrupt shifts in tone, voice, and language. Juxtapositions of high and low culture, the sacred and profane, create a sense of disorientation. Yet, within this chaos, Eliot utilizes repetition and internal rhyme to create a haunting musicality. This tension between fragmentation and form becomes a defining characteristic of his style.

Eliot's mastery of imagery goes beyond mere description. He uses vivid and often unsettling metaphors and similes to evoke the emotional and spiritual

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

barrenness of the modern wasteland. The industrial Thames in "The Waste Land" becomes a symbol of spiritual decay, while the hollow men of the eponymous poem represent the purposelessness of modern life. These potent images resonate with the reader, leaving a lasting impression.

Eliot's poems are often characterized by a sense of alienation and disconnection. The speaker is frequently isolated, yearning for a lost sense of meaning and wholeness. This alienation reflects the anxieties of a society grappling with the aftermath of World War I and the erosion of traditional values. Through this alienated voice, Eliot captures the existential crisis of modern humanity.

T.S. Eliot's groundbreaking style has left an indelible mark on the literary landscape. His masterful use of allusion, fragmented form, potent imagery, and the alienated voice reflects the complexities of the modern world. While challenging at times, his poems continue to resonate with readers, inviting us to confront the complexities of our own fragmented existence.

One of the most striking examples is Thomas Becket in *Murder in the Cathedral*. Becket embodies the conflict between worldly ambition and spiritual fulfillment. His past as a powerful politician clashes with his present role as an archbishop. He yearns for a unified identity, but the integration proves elusive. The chorus of women, representing the fragmented community, further emphasizes the lack of coherence in the world around him.

In *The Waste Land*, Eliot employs fragmented narratives and voices to depict a society devoid of meaning. The characters, haunted by memories and desires, struggle to connect with each other and their surroundings. The poem, a source for Eliot's play *Sweeney Agonistes*, presents fragmented dialogues, highlighting the characters' inability to form a unified whole. Tiresias, the blind seer, embodies a fragmented sense of time, existing in the past, present, and future simultaneously.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Eliot's exploration of integration extends beyond the individual to the societal level. *The Family Reunion* portrays a dysfunctional family haunted by past sins and secrets. The protagonist, Harry, seeks to integrate his fragmented family history but is thwarted by the characters' inability to confront the truth. This play reflects a broader societal unease with tradition and the search for a new order amidst the ruins of the old.

However, Eliot doesn't solely present a bleak picture. In *Four Quartets*, his later poetic work, he explores the possibility of spiritual integration through faith. The concept of the "still point of the turning world" suggests a place of unity beyond the fragmentation of time. While this integration remains a distant ideal in the plays, it offers a glimmer of hope amidst the despair.

Conclusion

Through his exploration of the problem of integration, Eliot paints a nuanced picture of the modern condition. His characters embody the struggles to reconcile past and present, faith and doubt, and the desire for connection in a fragmented world. While Eliot may offer no easy solutions, his plays serve as powerful indictments of a society that has lost its sense of wholeness. By forcing us to confront the challenges of integration, Eliot invites us to consider the possibility of forging a more cohesive and meaningful existence.

REFERENCES

1. The Complete Prose of T.S. Eliot: The Critical Edition, Volume I: Apprentice Years, 1905-2018. Edited by Jewel Spears Brooker and Ronald Schuchard. Baltimore: Johns Hopkins University Press, 2018.
2. The Complete Prose of T.S. Eliot: The Critical Edition, Volume 2: The Perfect Critic. Edited by Anthony Cud and Ronald Schuchard. Baltimore: Johns Hopkins University Press, 2014.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

3. The Letters of T.S. Eliot, Volume I: 1898-1922, revised edition. Edited by Valerie Eliot and Hugh Haughton. London: Faber & Faber, 2019.

4. The Complete Poems and Plays of T.S. Eliot. London: Faber & Faber, 1939. A.C. Ward. Twentieth Century English Literature. London: Methuen & Co., 2015.

5. K.S. Misra. Twentieth Century English Poetic Drama: Revaluation. New Delhi: Vikas Publishing House Pvt. Ltd., 2018

6. T.S. Eliot. The Use of Poetry and the Use of Criticism: Studies in the Relation of Criticism to Poetry in England (The Charles Eliot Norton Lectures). Harvard: Harvard University Press, 2016.

7. E. Martin Browne. The Making of T.S. Eliot's Plays. Cambridge: Cambridge University Press, 2019.

8. Roger Kojecky. T.S. Eliot's Social Criticism. London: Faber & Faber, 2019.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

A STUDY ON ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Dr. Anand Kumar
Assistant Professor,
Department of Psychology
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Artificial intelligence (AI) has become a ubiquitous term, woven into the fabric of our daily lives. From the moment we wake up to a smart alarm clock to the personalized recommendations on our phones, AI is subtly shaping our world. At its core, AI refers to the ability of machines to mimic human cognitive functions like learning, problem-solving, and decision-making. This is achieved through various techniques, including machine learning, where algorithms improve their performance through data analysis, and deep learning, which utilizes complex neural networks inspired by the human brain. The applications of AI are vast and ever-expanding. In healthcare, AI is assisting in medical diagnosis, drug discovery, and even robotic surgery. In finance, AI algorithms are streamlining risk assessment and fraud detection. The transportation sector is witnessing the rise of self-driving cars, powered by AI's ability to navigate complex environments. The potential benefits of AI are undeniable. It has the power to automate mundane tasks, freeing up human time and resources for more creative endeavors. In fields like scientific research, AI can analyze vast amounts of data, leading to breakthroughs that might otherwise be missed. Furthermore, AI can tackle global challenges such as climate change and resource scarcity by optimizing solutions and predicting future trends. However, the rise of AI also presents challenges that need careful consideration. One major concern is job displacement as automation through AI could render many traditional jobs

obsolete. Additionally, the ethical implications of AI decision-making need to be addressed to ensure fairness and prevent bias. The potential for autonomous weapons systems powered by AI raises further security concerns.

KEYWORDS:

Artificial, Intelligence, Security, AI

INTRODUCTION

Artificial intelligence (AI) has emerged as one of the most transformative forces of our time. It encompasses a vast field of computer science dedicated to creating intelligent machines capable of mimicking human cognitive functions like learning, problem-solving, and decision-making. This paper will explore the potential of AI, its real-world applications, and the ethical considerations surrounding its development. [1]

At the core of AI lies the concept of machine learning, where algorithms are trained on vast datasets to identify patterns and make predictions. This has led to the rise of applications that are revolutionizing various sectors. In healthcare, AI is being used to analyze medical images for early disease detection and personalize treatment plans. In finance, AI-powered algorithms are streamlining fraud detection and risk assessment. Self-driving cars, powered by AI, hold the promise of safer and more efficient transportation.

The impact of AI extends beyond the realm of industry. Educational institutions are utilizing AI-powered tutors to provide personalized learning experiences. Chatbots powered by AI are transforming customer service by offering 24/7 assistance and resolving queries efficiently. [2]

However, the potential of AI is not without its challenges. One major concern is the displacement of human labor by automation. As AI becomes more sophisticated, repetitive tasks currently performed by humans could become

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

automated, leading to job losses. Additionally, the development of autonomous weapons raises ethical questions about the use of AI in warfare. Another critical consideration is the issue of bias. AI algorithms are trained on data sets created by humans, and these data sets may reflect inherent biases. This can lead to discriminatory outcomes, for example, in facial recognition software that has been shown to be less accurate with people of color.

The question then arises, is AI a force for progress or peril? The answer, like most things, is nuanced. AI itself is a tool, and like any tool, its impact depends on how it is used. The key lies in responsible development and deployment of AI that prioritizes human well-being and societal good. To achieve this, we need collaboration between researchers, policymakers, and the public. Open discussions about the ethical implications of AI are crucial. Furthermore, investing in education and reskilling programs will be essential to prepare the workforce for the changing job landscape.

AI holds immense potential to improve our lives and solve some of humanity's most pressing challenges. However, its development must be approached with caution and a focus on ethical considerations. By harnessing the power of AI responsibly, we can create a future where humans and machines collaborate to build a better world. AI holds immense promise for revolutionizing various sectors. In healthcare, AI-powered diagnostics can analyze medical scans with unprecedented accuracy, aiding early disease detection. AI-driven robots can assist in surgery with minimal invasiveness, leading to faster recovery times. In the realm of business and finance, AI algorithms can streamline operations, optimize resource allocation, and predict market trends. Furthermore, AI-powered chatbots can provide 24/7 customer service, while self-driving cars have the potential to drastically reduce traffic accidents.

The rise of AI also presents significant challenges. A major concern is job displacement. As AI automates tasks previously performed by humans,

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

significant unemployment could result. Additionally, the opaque nature of some AI algorithms raises concerns about bias and discrimination. AI systems trained on biased datasets could perpetuate societal inequalities. Moreover, the development of autonomous weapons systems powered by AI raises ethical questions about the future of warfare. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The potential for super intelligence, AI surpassing human intelligence, is another area of debate. While some believe super intelligence could usher in a golden age of human progress, others fear an existential threat if AI surpasses our control. [1]

The field of psychology stands on the precipice of a revolution driven by artificial intelligence (AI). AI's potential to analyze vast datasets, identify patterns, and make predictions is transforming how we understand the human mind and approach mental health. This paper will explore the multifaceted role of AI in psychology, examining its impact on research, diagnosis, treatment, and education. [2]

One of the most significant contributions of AI lies in its ability to accelerate psychological research. AI can sift through mountains of data, uncovering hidden patterns in human behavior, emotions, and mental states. This can lead to breakthroughs in areas like understanding the causes of mental illness, predicting individual responses to treatment, and developing more targeted interventions. For instance, projects like "Detection and Computational Analysis of Psychological Signals" utilize AI to analyze speech, facial expressions, and body language to identify signs of distress in veterans [3].

AI is also poised to revolutionize the diagnostic process. Machine learning algorithms can analyze a patient's medical history, psychological tests, and even social media activity to identify potential mental health issues. This can lead to

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

earlier diagnoses, allowing for more effective treatment and potentially preventing the escalation of symptoms. However, it is crucial to remember that AI should be used as a supplement, not a replacement, for clinical expertise. Human judgment and empathy remain irreplaceable in diagnosis and treatment planning. [4]

The therapeutic landscape is another area ripe for AI intervention. Chatbots powered by AI can provide initial screenings, offer basic mental health support, and even deliver therapeutic techniques like cognitive behavioral therapy (CBT). These tools can address the growing need for mental health services, particularly in areas with limited access to qualified professionals. However, it is important to acknowledge that AI therapists cannot replicate the depth and nuance of human connection crucial for healing. [5]

STUDY ON ARTIFICIAL INTELLIGENCE

AI has the potential to transform the education and training of future psychologists. AI-powered simulations can provide students with realistic scenarios to hone their diagnostic and therapeutic skills. Additionally, AI can personalize learning experiences, tailoring course content to individual student needs and progress. The integration of AI into psychology is not without its challenges. Issues of bias in data collection and algorithms, the potential for job displacement of mental health professionals, and the ethical considerations surrounding privacy and data security all need careful consideration.

AI presents a powerful new set of tools for psychologists. From research and diagnosis to treatment and education, AI has the potential to revolutionize the field. However, it is crucial to approach AI with a critical eye, ensuring its responsible development and implementation to maximize its benefits for both mental health professionals and the people they serve. As we move forward, the

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

key lies in harnessing the power of AI while preserving the irreplaceable human element at the heart of psychology.

One of the most significant contributions of AI lies in its prowess for data analysis. Psychologists can leverage AI to sift through mountains of clinical data, uncovering subtle patterns that might escape the human eye. This can lead to earlier and more accurate diagnoses, particularly for complex disorders like bipolar disorder or autism spectrum disorder. AI-powered algorithms can analyze speech patterns, facial expressions, and even physiological responses to identify potential mental health issues, paving the way for early intervention.

Beyond diagnostics, AI holds immense promise in the realm of therapeutic interventions. Chatbots powered by AI can provide initial screenings, basic support, and psychoeducation, particularly in areas with limited access to mental health professionals. These chatbots can also offer around-the-clock assistance, bridging the gap between therapy sessions and providing a constant source of support. Additionally, AI can personalize therapeutic approaches by analyzing a patient's history, responses, and progress, tailoring interventions to their specific needs.

The impact of AI extends to the research domain of psychology as well. AI can be used to develop sophisticated models of human cognition, allowing researchers to simulate how we think, learn, and remember. This can lead to a deeper understanding of the brain and the mechanisms underlying psychological disorders. Social psychology can also benefit from AI, as researchers can use AI-powered simulations to model human interactions and predict how individuals behave in social situations.

However, the integration of AI into psychology is not without its challenges. Ethical considerations regarding data privacy and potential biases within algorithms need to be carefully addressed. Therapists must ensure that AI

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

complements rather than replaces human interaction, and the irreplaceable role of empathy and emotional intelligence in therapy needs to be acknowledged.

AI is rapidly transforming the landscape of psychology. From enhancing diagnostics and delivering therapeutic support to fueling groundbreaking research, AI offers a powerful toolkit for understanding and supporting mental well-being. As we move forward, it is crucial to embrace AI responsibly, ensuring its ethical application and harnessing its potential to revolutionize the future of mental healthcare.

One of the most promising applications of AI in psychology lies in **research**. By sifting through large datasets of clinical data, AI can uncover subtle patterns and correlations that might escape human researchers. This can lead to a deeper understanding of mental health conditions, risk factors, and potential treatment pathways. For instance, AI algorithms are being developed to analyze speech patterns and facial expressions to detect early signs of depression or anxiety.

AI is also making strides in **diagnosis**. Machine learning algorithms can analyze a combination of factors, including self-reported symptoms, medical records, and genetic data, to improve the accuracy and efficiency of diagnoses. This can be particularly helpful in areas where diagnosis can be subjective, such as mood disorders. AI-powered tools can assist psychologists in making informed decisions, ultimately leading to better patient outcomes.

Beyond diagnosis, AI has the potential to play a crucial role in **treatment**. Chatbots powered by AI can provide initial support and mental health resources to individuals struggling with mild conditions. AI-driven therapeutic tools can personalize treatment plans, tailoring interventions to each patient's specific needs and progress. Additionally, AI can automate administrative tasks, freeing up psychologists' time to focus on building rapport and providing deeper therapy.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The integration of AI into psychology is not without its challenges. Ethical considerations regarding data privacy and bias in algorithms need to be carefully addressed. AI should never replace the human touch in therapy, but rather act as a complementary tool to enhance the effectiveness of treatment. Psychologists will need to develop new skillsets to work alongside AI and ensure responsible implementation of these technologies.

AI is poised to revolutionize the field of psychology. From uncovering hidden patterns in research data to providing personalized treatment options, AI offers a multitude of benefits. As the field evolves, it is crucial to ensure ethical development and responsible use of AI, allowing it to serve as a powerful tool for promoting mental health and well-being.

Conclusion

AI is a powerful technology with the potential to revolutionize our world. By acknowledging its challenges and harnessing its potential responsibly, AI can become a force for progress, ushering in a future where humans and machines work together to create a better tomorrow. The future of AI hinges on our ability to navigate these challenges responsibly. We must ensure that AI development is guided by ethical principles and focuses on human well-being. It is crucial to invest in retraining programs to equip individuals with the skills needed to thrive in an AI-driven economy. Furthermore, robust regulations are necessary to ensure the responsible use of AI and mitigate potential risks.

REFERENCES

1. Al Hanai, T., Ghassemi, M. M., & Glass, J. R. (2018). Detecting depression with audio/text sequence modelling of interviews. In Proceedings of the annual conference of the International Speech Communication Association, INTERSPEECH (pp. 1716–1720).

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

2. Almusaed, A., Almssad, A., Yitmen, I., & Homod, R. Z. (2019). Enhancing student engagement: Harnessing ‘AIED’’s power in hybrid education – A review analysis. Education Sciences, 13, 632
3. Dwivedi, Y. K., Kshetri, N., Hughes, L., Slade, E. L., Jeyaraj, A., Kar, A. K., & Wright, R. (2020). ‘So what if ChatGPT wrote it?’ Multidisciplinary perspectives on opportunities, challenges and implications of generative conversational AI for research, practice and policy. International Journal of Information Management, 71, 102642
4. Fitzpatrick, K. K., Darcy, A., & Vierhile, M. (2017). Delivering cognitive behaviour therapy to young adults with symptoms of depression and anxiety using a fully automated conversational agent (Woebot): A randomized controlled trial. JMIR Mental Health, 4(2), e19.
5. Fulmer, R., Davis, T., Costello, C., & Joerin, A. (2021). The Ethics of psychological artificial intelligence: Clinical considerations. Counselling and Values, 66(2), 131–144.
6. Fulmer, R., Davis, T., Costello, C., & Joerin, A. (2021). The Ethics of psychological artificial intelligence: Clinical considerations. Counselling and Values, 66(2), 131–144.
7. Nastasi, A. J., Courtright, K. R., Halpern, S. D., & Weissman, G. E. (2020). Does ChatGPT provide appropriate and equitable medical advice? A vignette-based, clinical evaluation across care contexts. medRxiv. Advance online publication
8. Tippins, N. T., Oswald, F. L., & McPhail, S. M. (2021). Scientific, legal, and ethical concerns about AI-based personnel selection tools: A call to action. Personnel Assessment and Decisions, 7(2), 1–23

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

THE ROLE OF MATHEMATICS IN SCIENCE

Mr. Arun Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Mathematics
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Science, the tireless quest to understand the universe and our place within it, relies on a powerful tool: mathematics. Far from being a cold collection of numbers, mathematics serves as a language, a framework, and a guiding light for scientific exploration. Its role is multifaceted, enabling scientists to describe the world, analyze data, and even predict future events. One of the most fundamental contributions of mathematics to science is its ability to quantify the world around us. Through measurement, scientists translate physical phenomena into a language of numbers. This allows for precise comparisons and the identification of patterns. For instance, astronomers use complex equations to describe the motion of planets, while biologists employ statistics to analyze the results of experiments. Without this quantitative foundation, scientific observations would remain subjective and qualitative, hindering the development of robust theories. Mathematics also empowers scientists to analyze and interpret the vast amount of data collected through experimentation and observation. Statistical techniques allow researchers to draw meaningful conclusions from seemingly random data points. Furthermore, mathematical models – simplified representations of real-world systems – enable scientists to test hypotheses and predict future outcomes. These models, built on equations and algorithms, play a vital role in fields like climate science, where understanding future trends is crucial for informed decision-making.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

KEYWORDS:

Mathematics, Science, Statistical, Techniques

INTRODUCTION

The relationship between science and mathematics is symbiotic. Scientific discoveries often lead to the development of new branches of mathematics, while mathematical advancements open doors to entirely new scientific avenues. For instance, the discovery of calculus by Newton and Leibniz was directly linked to their work in physics, and today, advanced mathematical tools like differential equations are used to model complex phenomena in areas as diverse as economics and ecology. [1]

Science, the relentless pursuit of understanding the natural world, relies on a powerful tool: mathematics. Far from being a cold collection of numbers, mathematics serves as the language of science, providing a framework for analyzing, interpreting, and ultimately unraveling the mysteries of the universe. This paper explores the multifaceted role of mathematics in scientific inquiry, highlighting its contributions to modeling, prediction, data analysis, and the very foundation of scientific thought.

One of the most significant contributions of mathematics to science is its ability to create models. Complex phenomena, from the motion of planets to the behavior of subatomic particles, can be translated into mathematical equations. These models act as simplified representations of reality, allowing scientists to understand underlying principles and predict future outcomes. For instance, Kepler's Laws of Planetary Motion, expressed through mathematical equations, accurately describe the elliptical orbits of planets around the sun. Similarly, in biology, population growth can be modeled mathematically, aiding in the prediction and management of ecological imbalances. [2]

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Mathematics empowers scientists to make predictions, a cornerstone of the scientific method. By manipulating equations and models, scientists can forecast the behavior of systems under different conditions. This predictive power is crucial in diverse fields. In physics, Newton's laws of motion, expressed mathematically, allow us to predict the trajectory of a rocket or the impact of a falling object. Likewise, in chemistry, the equilibrium constant, a mathematical formula, helps predict the extent of a chemical reaction. These predictions are then tested through experiments, furthering scientific understanding.

Data analysis, another vital aspect of science, hinges on mathematics. Scientific experiments generate vast amounts of data, which can be overwhelming in their raw form. Mathematical tools like statistics and probability theory come to the rescue. These tools help scientists organize, interpret, and extract meaningful patterns from data. Statistical analysis allows researchers to assess the validity of their findings, identify trends, and draw conclusions with confidence. From analyzing clinical trials in medicine to interpreting astronomical observations, mathematics empowers scientists to make sense of the data landscape. [3]

Beyond its practical applications, mathematics shapes the very foundation of scientific thought. The logical reasoning and problem-solving skills fostered by mathematics are essential for the scientific method. The ability to break down complex problems into smaller, manageable parts, a hallmark of mathematics, translates directly into scientific inquiry. Additionally, the emphasis on rigorous proofs and logical arguments, inherent to mathematics, guides scientists in constructing well-supported scientific theories.

Mathematics is not merely a subject in science; it is the indispensable language that allows scientists to communicate ideas, analyze data, and make sense of the universe. From constructing models to predicting outcomes, mathematics serves as a powerful tool for scientific discovery. As science continues to explore the frontiers of knowledge, mathematics will undoubtedly remain its faithful

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

companion, providing a framework for understanding and unraveling the mysteries of the cosmos.

One of the most fundamental applications of mathematics in science lies in data analysis. Scientists rely on a vast array of tools, from basic statistics to advanced calculus, to interpret the data they collect through experiments and observations. By applying mathematical methods to analyze this data, scientists can identify trends, establish correlations, and uncover hidden patterns that would otherwise remain unseen. For instance, the field of genetics heavily relies on statistics to analyze DNA sequences and identify potential disease markers. [4]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

Mathematics goes beyond mere data analysis; it empowers scientists to construct models that represent complex natural phenomena. These models, expressed in mathematical equations and simulations, allow scientists to explore the behavior of systems under different conditions. [1]

In physics, for example, mathematical models are used to describe the motion of planets, predict the trajectory of rockets, and understand the fundamental forces of the universe. These models not only provide a deeper understanding of existing phenomena but also pave the way for the exploration of hypothetical scenarios, leading to groundbreaking discoveries. [2]

Perhaps the most crucial role of mathematics in science is its ability to facilitate prediction. By using mathematical models and simulations, scientists can forecast the future behavior of systems with remarkable accuracy. This predictive power underpins fields like meteorology, where weather patterns are modeled to predict storms and other natural phenomena. Similarly, in medicine, mathematical models are used to predict the spread of infectious diseases and evaluate the effectiveness of potential treatments. Such predictions allow

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

scientists and policymakers to take proactive measures and mitigate potential risks. [3]

Mathematics is not merely a tool for scientists; it is the foundation upon which scientific progress is built. It empowers scientists to analyze data, construct models, and make predictions, all of which contribute to a deeper understanding of the natural world. From the intricate workings of the atom to the vast expanse of the cosmos, the language of mathematics allows science to unravel the mysteries of our universe. As scientific inquiry continues to push the boundaries of knowledge, mathematics will undoubtedly remain an indispensable companion on this exciting journey of discovery. [4]

One of the most evident applications of mathematics lies in the realm of science and engineering. From the towering skyscrapers defying gravity to the intricate circuits powering our devices, mathematical concepts like calculus, trigonometry, and linear algebra underpin their design and construction. [5]

ROLE OF MATHEMATICS IN SCIENCE

Engineers utilize complex equations to model stress distribution on bridges, while astronomers rely on celestial mechanics to predict planetary motion. Physics itself is essentially a language built on mathematics, where fundamental laws governing the universe are expressed through elegant mathematical equations.

The world of finance and economics is another domain where mathematics reigns supreme. Statistical analysis and probability theory are employed to assess risk, predict market trends, and develop complex financial models. Insurance companies rely on actuarial science, a field that leverages mathematics to calculate premiums and assess risks. Even the seemingly simple act of budgeting our finances involves the application of basic arithmetic and financial planning.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The impact of mathematics extends far beyond the realm of physical sciences and finance. In the field of computer science, algorithms – the step-by-step instructions that computers execute – are essentially mathematical formulas. Cryptography, the backbone of secure online communication, utilizes complex mathematical functions to encrypt and decrypt data. Even the development of artificial intelligence, a rapidly evolving field, hinges on sophisticated mathematical tools like machine learning and deep learning.

Mathematics is not merely confined to the realm of scientific pursuits; it plays a vital role in our everyday lives as well. From planning a grocery list to calculating the best route on a road trip, we employ basic mathematical concepts. Baking a cake requires precise measurements, while following a recipe involves interpreting ratios and proportions. Even the seemingly trivial act of playing games like chess or tic-tac-toe involves strategic thinking and logical reasoning, both of which are rooted in mathematical principles.

Mathematics is not just a collection of numbers and equations; it is a powerful tool that allows us to analyze, interpret, and predict the world around us. From the grand design of the universe to the intricate workings of our computers and the calculations involved in our daily lives, mathematics serves as an indispensable language. As we continue to explore and innovate, mathematics will undoubtedly remain at the forefront, shaping our understanding and propelling us towards a future filled with endless possibilities.

The invisible hand of mathematics extends into the financial world as well. Statistics and probability form the bedrock of financial modeling, allowing banks, investment firms, and insurance companies to assess risk, predict market trends, and make informed decisions. Complex algorithms, powered by mathematical principles, are employed in high-frequency trading, optimizing investment strategies and shaping the flow of capital across the globe.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The field of computer science is another domain where mathematics reigns supreme. From the development of efficient algorithms to the creation of robust encryption methods, mathematical concepts are the building blocks of the digital world. Cryptography, a cornerstone of cyber security, relies on number theory and abstract algebra to safeguard information in the digital age. Additionally, computer graphics, which form the basis of visual effects and video games, heavily utilize mathematical tools like linear algebra and 3D geometry to create stunningly realistic visuals.

Beyond the physical and digital realms, mathematics plays a vital role in scientific exploration and discovery. Physics, the study of matter, energy, and their interactions, is fundamentally grounded in mathematical principles. From the elegant equations of Einstein's theory of relativity to the complex calculations used in quantum mechanics, mathematics provides the language for physicists to understand the universe. Similarly, in fields like biology and medicine, mathematical modeling is used to study the spread of diseases, design drug therapies, and analyze medical data, leading to advancements in healthcare.

The impact of mathematics extends far beyond the physical world, shaping the digital landscape we inhabit. Cryptography, the cornerstone of online security, relies heavily on number theory and abstract algebra to scramble and unscramble data, safeguarding our online transactions and communication. Similarly, computer science leverages mathematical concepts like algorithms and data structures to design the efficient and powerful software that underpins our technological advancements.

The field of science is perhaps the most demonstrably reliant on mathematics. From the elegant equations of physics that govern the universe to the intricate models used in biology to simulate the spread of diseases, mathematics provides a language for translating scientific observations into a framework of analysis and prediction. Even in the field of medicine, the development of life-saving

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

treatments and therapies hinges on the analysis of clinical trials, a process heavily reliant on statistical methods.

Conclusion

Mathematics is not merely a subject in the scientific curriculum; it is the cornerstone upon which scientific progress is built. It provides the language for describing the universe, the tools for analyzing data, and the framework for making predictions. As our understanding of the universe grows ever deeper, the role of mathematics as the indispensable language of science will only become more crucial. Perhaps the most awe-inspiring aspect of mathematics in science is its ability to make predictions. From the elegant equations of general relativity that predicted the existence of black holes to the complex calculations that guide spacecraft trajectories, mathematics allows scientists to extend their understanding beyond the realm of direct observation. These predictions, when confirmed through experimentation, solidify scientific theories and propel advancements in diverse fields.

REFERENCES

1. AVNER FRIEDMAN (2019) What is mathematical biology and how useful is it? Notices of the AMS, pp. 851-857.
2. EULER. L. (2015) Principia pro motosanguinis per arteriadeterminando. Quoted in S. J. Sherwin, V. Franks, J. Peiro and K. Parker, One-dimensional modelling of a vascular network in space-time variables, J. Eng. Math., 47 (2003). pp. 217-250.
3. HANNA KOKKO (2017) Modelling for Field Biologists and Other Interesting People, Cambridge University Press.
4. KELLER. E. F. (2018) Making sense of life: explaining biological developments with models, metaphors and machines, Harvard University Press, Cambridge.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

5. MARGARET PUTNEY (2015) Mathematics + Biology = ?, The Oberlin Review.
6. MURRAY. J.D. (2019) Mathematical Biology-I An Introduction, Interdisciplinary Applied Studies, Vol.17, Springer.
7. PERELSON. A.S., NEUMANN. A.U., MARKOWITZ. M, LEONARD. J.M, and HO. D.D. (2016) HIV-1 dynamics in vivo: Virion clearance rate, infected life-span and viral generation time, Science, 271. pp. 1582-1586.
8. HO. D.D, NEUMANN. A.U., PERELSON. A.S, CHEN. W, LEONARD. J.M, and MARKOWITZ. M, (2019) Rapid turnover of plasma virions and CD4 lymphocytes in HIV-1 infection, Nature, 373, pp. 123-126.
9. SEGAL. L.A., editor. (2020) Mathematical Models in Molecular and Cellular Biology, Cambridge University Press.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

HOW ORGANIC AGRICULTURE HELPS US SOLVE CLIMATE CHANGE

Mr. Ashok Kumar Deo
Assistant Professor,
Department of Chemistry
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Climate change looms large as a defining challenge of our era. In this critical scenario, organic agriculture emerges as a potential ally, offering a more sustainable approach to food production that can help mitigate climate change through several key mechanisms. Firstly, organic practices promote carbon sequestration, the process of capturing and storing atmospheric carbon dioxide. Healthy soils, rich in organic matter, act as natural carbon sinks. Organic farming techniques like cover cropping, composting, and crop rotation nurture soil health, fostering the growth of beneficial microbes and increasing organic matter content. This, in turn, enhances the soil's ability to absorb and store carbon dioxide, a key greenhouse gas. Secondly, organic agriculture reduces greenhouse gas emissions. Conventional agriculture relies heavily on synthetic fertilizers and pesticides, both of which are significant contributors to greenhouse gas production. Manufacturing these chemicals requires large amounts of fossil fuels, releasing emissions during the production process. Additionally, the application of synthetic fertilizers can lead to nitrous oxide release, a potent greenhouse gas. By eliminating these inputs, organic farming minimizes its overall carbon footprint. Thirdly, organic practices bolster soil resilience in the face of climate change. Healthy soils, with their improved water retention capacity, are better equipped to withstand droughts and floods, both of which are becoming more frequent and severe due to climate change. Additionally, organic farming practices promote biodiversity, encouraging a wider range of soil organisms.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

This diversity strengthens the soil's natural defenses against pests and diseases, reducing the need for external chemical controls and further enhancing climate resilience.

Keywords:

Organic, Agriculture, Climate, Change

INTRODUCTION

Climate change looms large as a global threat, and the agricultural sector is both a contributor and potential solution. Organic agriculture, with its focus on natural processes and ecological balance, offers a compelling approach to mitigating climate change. This paper will explore how organic practices help reduce greenhouse gas emissions, promote carbon sequestration in soil, and build resilience in agricultural ecosystems, contributing to a more sustainable future. [1]

One of the primary ways organic agriculture combats climate change is by reducing greenhouse gas emissions. Conventional agriculture relies heavily on synthetic fertilizers and pesticides, both of which are manufactured using energy-intensive processes that release greenhouse gasses like nitrous oxide. Organic farming eliminates these inputs, opting instead for natural methods like compost and crop rotation. This shift in practices significantly lowers the carbon footprint of organic farms.

Organic agriculture also plays a vital role in carbon sequestration, the process of capturing and storing atmospheric carbon dioxide. Healthy soil, rich in organic matter, acts as a powerful carbon sink. Organic farming practices, such as reduced tillage and cover cropping, promote soil health by encouraging the growth of beneficial microbes and earthworms. This, in turn, increases the soil's capacity to store carbon, effectively removing it from the atmosphere and mitigating climate change.

Furthermore, organic agriculture fosters resilience in agricultural ecosystems, allowing them to better adapt to the changing climate. By promoting biodiversity and fostering healthy soil, organic farms are less susceptible to drought, floods, and other extreme

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

weather events that are becoming more common due to climate change. Additionally, organic practices encourage the development of pest-resistant crops, reducing reliance on chemical controls and further enhancing the sustainability of the system. [2]

Organic agriculture presents a powerful weapon in the fight against climate change. By reducing greenhouse gas emissions, promoting carbon sequestration, and building resilient ecosystems, organic farming offers a more sustainable approach to food production. As we face the escalating challenges of climate change, embracing organic practices is not just a choice for consumers, but a crucial step towards a healthier planet for generations to come.

Climate change casts a long shadow over our planet, and agriculture is both a contributor and potential solution. Conventional farming practices, reliant on synthetic fertilizers and pesticides, release greenhouse gases and degrade soil health. Organic agriculture, however, offers a path towards a more sustainable future. One of the key strengths of organic agriculture lies in its ability to mitigate climate change. By forgoing synthetic fertilizers, organic farms eliminate the significant emissions associated with their production, which require large amounts of fossil fuels. Studies suggest that this shift alone could reduce agricultural greenhouse gas emissions by up to 20%.

Organic practices also promote carbon sequestration, the process of capturing and storing atmospheric carbon dioxide. Healthy soils, rich in organic matter, act as natural carbon sinks. Organic farming techniques, such as composting and cover cropping, nurture soil health, allowing it to store more carbon and mitigate climate change. Research indicates that organic systems can sequester significant amounts of CO_2, potentially offsetting a substantial portion of current agricultural emissions.

Beyond mitigating climate change, organic agriculture fosters adaptation and resilience. Organic practices promote healthy soil, which retains water more effectively, buffering crops against droughts and floods – both consequences of a changing climate. Additionally, organic farming encourages crop diversity, leading to more robust ecosystems less susceptible to pests and diseases. This diversification strengthens

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

agricultural systems, making them more adaptable to the challenges posed by climate change. [3]

REVIEW OF RELATEDE LITERATURE

The benefits of organic agriculture extend far beyond climate change. Organic practices reduce water pollution from synthetic fertilizers and pesticides, protecting our waterways and ecosystems. Additionally, organic farming promotes biodiversity, fostering a healthy balance of insects, plants, and microbes in the soil, leading to a more sustainable and productive agricultural system. [1]

While organic agriculture offers a compelling solution, it's important to acknowledge challenges. Organic yields can sometimes be lower than conventional yields, particularly during the transition phase. However, research suggests that this gap often narrows over time, and organic farms can achieve comparable or even higher yields in certain conditions, especially during periods of drought. Additionally, building a robust organic market infrastructure is crucial to support the growth of organic farming. [2]

Organic agriculture presents a powerful tool in the fight against climate change. By reducing emissions, sequestering carbon, and fostering resilient agricultural systems, organic practices offer a path towards a more sustainable future. By supporting organic agriculture through research, education, and market development, we can cultivate a cooler climate and ensure a healthy food system for generations to come. [3]

Organic practices, on the other hand, forgo these chemicals, opting for natural alternatives like compost and crop rotation. This shift translates to a significant reduction in emissions, with studies suggesting a potential decrease of up to 20% from eliminated synthetic nitrogen fertilizers alone. [4]

Beyond emission reduction, organic agriculture champions the power of carbon sequestration. Healthy soils, brimming with organic matter, have a remarkable capacity to

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

capture atmospheric carbon dioxide and store it underground. Organic practices, such as cover cropping and composting, actively promote soil health, fostering a natural carbon sink that combats climate change. Research indicates that organic systems can sequester substantial amounts of CO_2, potentially offsetting a significant portion of agriculture's current emissions. [5]

HOW ORGANIC AGRICULTURE HELPS US SOLVE CLIMATE CHANGE

The benefits of organic agriculture extend beyond climate change mitigation. Organic practices cultivate robust and resilient ecosystems. By promoting biodiversity and fostering healthy soil life, organic farms are better equipped to withstand the vagaries of a changing climate. This includes increased resilience to extreme weather events such as droughts and floods, which are becoming more frequent and severe due to climate change.

Organic agriculture also empowers farmers to adapt to a changing environment. By fostering knowledge and techniques for natural resource management, organic systems equip farmers with the tools they need to navigate the challenges of climate change. This includes practices like water conservation and integrated pest management, which can ensure food security and sustainable livelihoods in the face of a disrupted climate.

By reducing emissions, promoting carbon sequestration, and fostering resilient ecosystems, organic practices offer a path towards a more sustainable future for agriculture. While further research is necessary to fully optimize its potential, organic agriculture stands as a beacon of hope, reminding us that by nurturing the earth, we can cultivate a solution to the climate crisis. Organic agriculture has emerged as a champion of environmental responsibility. By eschewing synthetic fertilizers and pesticides, it fosters biodiversity, improves soil health, and reduces reliance on fossil fuels. However, the path to a climate-friendly future with organic practices is not without its challenges.

One key concern is yield. Organic farms often produce less compared to conventional methods. This can necessitate increased land use to meet food demands, potentially

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

leading to deforestation and habitat loss – a significant contributor to greenhouse gas emissions. Additionally, organic pest and weed control methods, while better for the environment, can be labor-intensive, requiring more frequent cultivation. This tilling can release stored soil carbon back into the atmosphere as carbon dioxide.

Another challenge lies in emissions. While organic farming avoids synthetic fertilizers produced with fossil fuels, the use of manure and compost can lead to methane emissions, another potent greenhouse gas. Balancing nitrogen levels in organic systems can also be tricky. When legumes like clover are used as nitrogen fixers, incomplete decomposition can release nitrous oxide, a greenhouse gas even more powerful than carbon dioxide.

Organic agriculture is not without its climate-positive aspects. Organic practices promote healthy soil, which acts as a carbon sink by storing atmospheric carbon dioxide. Compared to conventional methods, organic farming can also lead to lower overall energy use. Research suggests that organic farms may require up to 45% less energy due to the elimination of synthetic fertilizers and pesticides.

The future of organic agriculture in the face of climate change hinges on innovation and research. Developing more efficient organic pest control methods and optimizing nutrient management in organic systems can significantly reduce emissions. Additionally, breeding crops for improved resilience to pests and diseases can help maintain yields without resorting to synthetic solutions.

While it boasts environmental benefits, challenges like lower yields and potential emissions cannot be ignored. Through ongoing research and a focus on best practices, organic agriculture can evolve into a powerful tool for mitigating climate change and ensuring a sustainable future for our food system. One key challenge lies in greenhouse gas emissions. Organic farming, like its conventional counterpart, generates methane and nitrous oxide. While organic practices avoid synthetic fertilizers, the use of manure and compost can contribute to methane emissions. Additionally, tilling the soil to control weeds can release nitrous oxide, a potent greenhouse gas.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Another hurdle is yield. Organic crops often yield less compared to conventionally grown ones. This can lead to a land-use conundrum. To meet food demands with lower yields, more land may be required for organic production. This can negate the positive climate impacts of organic practices, as converting natural habitats to farmland increases carbon emissions. Furthermore, organic pest and disease control methods can be more labor-intensive, requiring more human power and potentially even increased energy use for tools and machinery. This can counteract the potential reduction in energy consumption associated with avoiding synthetic fertilizers and pesticides.

Research gaps also pose a significant challenge. The long-term impact of organic practices on greenhouse gas emissions and soil carbon sequestration needs further investigation. A clearer understanding of these factors is crucial for optimizing organic agriculture's contribution to climate change mitigation. Despite these challenges, organic agriculture offers significant opportunities. Organic practices can improve soil health, leading to increased carbon storage. Additionally, the reduced reliance on synthetic fertilizers lowers energy consumption and avoids potential environmental pollution associated with their production and use. Innovation holds the key to overcoming the challenges. Developing new organic pest control methods, breeding hardier and more disease-resistant crop varieties, and optimizing nutrient management practices in organic systems can all contribute to improved yields and reduced emissions.

Conclusion

Organic agriculture offers a compelling approach to mitigating climate change. By promoting carbon sequestration, reducing greenhouse gas emissions, and fostering soil resilience, organic practices can play a vital role in combating this global challenge. As we navigate the complexities of climate change, embracing organic agriculture is a step towards a more sustainable and food-secure future. Organic agriculture is not without its challenges. Yields may be lower compared to conventional methods in some cases, and transitioning to organic practices requires knowledge and adaptation. However, ongoing research and innovation are helping to bridge these gaps. By supporting organic farming

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

practices, we can not only cultivate healthy food but also cultivate a more sustainable future for our planet.

REFERENCES

1. Andrasko, K., Benitez-Ponce, P., Boer, R., Dutschke, M., Elsiddig, E., Ford-Robertson, J., Frumhoff, P., Karjalainen, T., Krankina, O., Kurz, W., Matsumoto, M., Oyhantcabal, W., Ravindranath, N.H., Sanz Sanchez, M.J., and Zhang, X. 2017.

2. Forestry. In B. Metz, O.R. Davidson, P.R. Bosch, R. Dave, L.A. Meyer, (eds). Climate Change 2017: Mitigation. Contribution of Working Group III to the Fourth Assessment Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change. Cambridge University Press, Cambridge, UK

3. Vogt, G. 2019. Entstehung und Entwicklung des o¨kologischen Landbaus. Reihe O¨ kologische Konzepte 99. Stiftung O¨ kologie and Landbau, Bad Du¨rkheim, Germany

4. Willer, H. and Kilcher, L. (eds). 2019. The World of Organic Agriculture. Statistics and Emerging Trends 2019. IFOAM, Bonn, Germany, FiBL, Frick, Switzerland and ITC, Geneva, Switzerland.

5. Erisman, J.W., Sutton, M.A., Gallowaz, J.Klimont, Y., and Winiwarter, W. 2018. How a century of ammonia synthesis changed the world. Nature Geoscience 1:636–639.

6. Badgley, C., Moghtader, J., Quintero, E., Zakem, E., Chappell, M.J., Avile´s-Va`quez, K., Samulon, A., and Perfecto, I. 2017. Organic agriculture and the global food supply. Renewable Agriculture and Food Systems 22:86–108.

7. Blaise, D. 2016. Yield, boll distribution and fibre quality of hybrid cotton as influenced by organic and modern methods of distribution. Journal of Agronomy and Crop Science 2016:248–256.

8. Pu¨lschen, L. and Lutzeyer, H.J. 2019. Ecological and economic conditions of organic coffee production in Latin America and Papua New Guinea. Angewandte Botanik 67:204–208.

9. Lotter, D. 2019. Out of the Ashes of the Coffee Crash, Costa Rica Organic is Born. The New Farm, Rodale Institute, Rodale, PA, USA.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

USE OF MATHEMATICS IN FINANCIAL GROWTH

Mr. Ashok Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Mathematics
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

In the pursuit of financial well-being, a strong foundation in mathematics is an often underestimated yet crucial tool. From budgeting our everyday expenses to navigating complex investment strategies, the language of numbers empowers us to make informed decisions and pave the path towards financial growth. The most fundamental application of math in finance lies in creating and maintaining a budget. Basic arithmetic allows us to track income, expenses, and savings, revealing our spending patterns and identifying areas for potential optimization. By calculating percentages and ratios, we can allocate funds efficiently, ensuring essential needs are met while leaving room for future goals. Financial growth goes beyond simply saving money. Math becomes even more critical when venturing into the world of investments. Calculating compound interest, a powerful tool for growing wealth over time, necessitates an understanding of exponents and exponential growth. Similarly, analyzing investment returns requires calculating percentages and ratios to compare performance and make informed choices. Beyond personal finance, the realm of financial markets relies heavily on sophisticated mathematical models. Complex formulas are used to price derivatives, assess risk profiles, and develop risk management strategies. These models, built on concepts like probability and statistics, enable investors and institutions to navigate the inherent uncertainties of the market and make calculated decisions.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Keywords:

Mathematics, Financial, Growth

INTRODUCTION

The increasing role of technology in finance further amplifies the importance of math. Algorithmic trading, a form of automated investment based on mathematical models, thrives on the ability to analyze vast amounts of data and identify profitable opportunities. Additionally, financial technology (FinTech) applications, like credit scoring and fraud detection, heavily rely on statistical analysis and machine learning, which are rooted in advanced mathematics. However, it is important to acknowledge that math is just one piece of the financial puzzle. A strong understanding of economic principles, market psychology, and risk tolerance are equally important for achieving financial success. Math provides the tools, but sound judgment and a holistic approach are necessary to utilize them effectively. [1]

Financial growth, the cornerstone of a secure future, might seem far removed from the world of equations and formulas. However, mathematics plays a surprisingly crucial role in navigating the complexities of money management and investment strategies. From basic budgeting to sophisticated risk analysis, financial math empowers individuals and institutions to make informed decisions and achieve their financial goals.

One of the most fundamental applications of math in finance is budgeting. Creating a budget involves tracking income and expenses, a seemingly simple task that relies heavily on calculations. By understanding how much money comes in and goes out, individuals can identify areas for saving, allocate funds for essential needs, and plan for future goals. Basic arithmetic helps track spending, calculate interest earned on savings accounts, and determine the feasibility of long-term financial aspirations. [2]

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Beyond personal finance, financial mathematics plays a vital role in the world of investments. Investors utilize a range of mathematical tools to analyze potential investments and make informed decisions. Concepts like compound interest, a powerful tool for growing wealth over time, rely on mathematical calculations. Similarly, investors use formulas to calculate returns on investment (ROI), helping them compare different options and assess potential risks and rewards. More complex areas like portfolio optimization, which involves selecting a mix of investments to achieve a desired level of risk and return, rely on advanced statistical analysis and mathematical models.

Risk management, a critical aspect of financial growth, is heavily dependent on mathematical tools. Financial institutions and investors use complex calculations to assess the potential risks associated with various investments. Techniques like Value at Risk (VaR) employ statistical analysis to estimate the potential losses a portfolio might experience under different market conditions. These calculations allow investors to make informed decisions about diversifying their portfolios and mitigating potential losses.

Financial mathematics also underpins the development of innovative financial instruments. Options pricing models, for instance, rely on complex mathematical formulas to determine the fair value of options contracts, a type of derivative financial instrument. These models allow for informed trading and risk management in the derivatives market, which plays a significant role in managing financial risk and facilitating capital allocation.

It is a powerful tool that empowers individuals and institutions to achieve financial growth. From budgeting and saving to investment analysis and risk management, financial math equips individuals with the knowledge and skills to navigate the complexities of the financial world. As financial instruments and markets become increasingly sophisticated, the role of mathematics in financial growth will only

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

continue to evolve. By embracing the power of numbers, individuals and institutions can unlock the full potential for financial success.

At its core, personal finance thrives on basic math skills. Creating a budget necessitates calculating income, expenses, and savings. Understanding percentages allows for informed decisions on loan terms and interest rates. Compound interest, a powerful tool for wealth creation, hinges on the ability to perform exponential calculations. Without these skills, individuals risk overspending, falling victim to predatory loan practices, or missing out on lucrative investment opportunities. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

Analyzing historical data, calculating risk-adjusted returns, and constructing diversified portfolios all rely on statistical analysis and probability theory. Sophisticated financial instruments like options and derivatives are priced and valued using complex mathematical models. Risk management, a crucial aspect of financial growth, utilizes tools like Value at Risk (VaR) to quantify potential losses and safeguard investments. Financial institutions employ quantitative analysts, wielding advanced mathematics, to navigate the intricacies of the financial markets. [1]

The impact of math extends to the very structure of financial systems. Loan approvals consider debt-to-income ratios, credit scores derived from complex algorithms, and repayment calculations. Algorithmic trading utilizes advanced mathematical models to execute trades at high speeds, influencing market movements. [2]

Financial regulations themselves are often built upon mathematical frameworks designed to ensure stability and prevent crises. However, it's important to acknowledge that math is just one tool in the financial toolbox. A healthy dose of skepticism and a strong understanding of financial concepts are crucial to avoid

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

falling prey to overly complex models or unrealistic projections. Market fluctuations and unforeseen events can disrupt even the most meticulously calculated plans. [3]

Commerce, the lifeblood of societies, thrives on a foundation often unseen: mathematics. From the corner store to the global corporation, the language of numbers underpins every transaction, decision, and strategy. This paper explores the multifaceted role of mathematics in commerce, demonstrating its vital contribution to effective business operations. [4]

The most fundamental application of math lies in everyday calculations. Basic arithmetic – addition, subtraction, multiplication, and division – forms the backbone of accounting. It allows businesses to track revenue and expenses, calculate profit margins, and determine the cost of goods sold. Inventory management, a crucial aspect of smooth operations, relies heavily on mathematical tools to maintain optimal stock levels and prevent overstocking or shortages. [5]

USE OF MATHEMATICS IN FINANCIAL GROWTH

Businesses leverage statistical analysis to understand market trends, identify target demographics, and forecast future sales. This data-driven approach allows for targeted marketing campaigns, product development strategies based on consumer preferences, and informed risk assessments for investments. The realm of finance, intricately intertwined with commerce, heavily utilizes advanced mathematical concepts. Financial analysts employ complex formulas to calculate present and future values, assess loan terms, and manage investment portfolios. Risk management, a critical component of financial stability, incorporates complex models that quantify potential losses and guide investment strategies.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Secure online transactions rely on robust encryption algorithms, a branch of mathematics that ensures the confidentiality and integrity of financial data. Logistics and supply chain management, crucial for timely delivery of goods, utilize optimization models and algorithms to design efficient delivery routes and minimize transportation costs. From the daily calculations of a small business to the complex financial modeling of global corporations, math provides the tools for informed decision-making, efficient operations, and ultimately, business success. As the commercial landscape continues to evolve, the importance of mathematical literacy for individuals and businesses will only increase, solidifying its place as the indispensable language of commerce.

The most fundamental application lies in core business calculations. Basic arithmetic, the bedrock of commerce, underpins tasks like calculating profit margins, pricing products, and managing inventory. Discounts, taxes, and payroll all rely on the ability to manipulate numbers efficiently. Statistics, a more advanced branch of mathematics, empowers businesses to analyze market trends, identify customer preferences, and forecast future sales. By interpreting data sets and employing statistical tools like regression analysis, businesses can make data-driven decisions and optimize their marketing strategies. Concepts like compound interest and present value calculations are essential for evaluating investments, securing loans, and making sound financial decisions. Actuarial science, a field that blends mathematics with statistics, allows insurance companies to assess risk and determine appropriate premiums.

Linear programming helps businesses optimize transportation routes, minimize inventory costs, and ensure on-time delivery. Algorithmic models and simulations, powered by complex mathematical equations, allow businesses to anticipate potential disruptions and develop contingency plans. The world of finance leans heavily on advanced mathematics. Investment banks employ complex mathematical models to assess risk in financial instruments, while hedge funds use sophisticated algorithms for high-frequency trading. Derivatives,

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

a complex financial tool, rely heavily on mathematical modeling to price and manage risk.

From the shopkeeper calculating change to the Wall Street analyst poring over financial models, math provides the language for understanding, analyzing, and ultimately, thriving in the dynamic world of commerce. As businesses become increasingly data-driven and complex, the role of mathematics will only become more prominent, ensuring its place as the indispensable language of commerce. In the fast-paced world of commerce, where decisions can make or break a company, mathematics reigns supreme. Far from being a relic of school days, math serves as the fundamental language of business, underpinning every aspect of its operations. From the cash register to the boardroom, a strong grasp of mathematical concepts empowers businesses to make informed decisions, optimize processes, and ultimately achieve success.

The most apparent application of mathematics lies in core business functions like accounting and finance. From calculating profits and losses to managing budgets and forecasting sales, basic arithmetic and algebra form the backbone of financial analysis. Businesses leverage formulas and spreadsheets to track cash flow, assess the feasibility of investments, and determine optimal pricing strategies. More advanced fields like statistics and probability play a crucial role in risk management, allowing businesses to evaluate potential ventures and make data-driven decisions under uncertain circumstances.

Inventory management relies on mathematical models to determine optimal stock levels, preventing costly stockouts or the burden of excess inventory. Businesses use linear programming to create efficient transportation routes, minimizing delivery times and maximizing efficiency. Concepts from calculus come into play when designing production processes, ensuring the optimal utilization of resources and the minimization of waste. In today's data-driven world, mathematics is crucial for unlocking valuable insights from the vast amounts of

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

information businesses collect. Statistics allows businesses to analyze customer behavior, identify trends, and target marketing campaigns effectively. Mathematical modeling helps businesses understand market dynamics, predict future demand, and develop strategies to stay ahead of the competition. Even complex areas like machine learning, which is revolutionizing various industries, are fundamentally rooted in advanced mathematical principles.

The benefits of mathematical proficiency extend beyond core operations. A strong understanding of math fosters analytical thinking and problem-solving skills, essential qualities for any business leader. Being able to break down complex challenges into manageable components and apply logical reasoning empowers businesses to navigate challenges and make sound strategic decisions. Furthermore, mathematical skills allow businesses to interpret data objectively and avoid biases, leading to more informed and effective actions.

As businesses navigate an increasingly complex and data-driven world, a strong command of mathematical concepts will continue to be a key differentiator, separating those who thrive from those who struggle. Embracing the power of math allows businesses to unlock their full potential and translate numbers into a formula for success.

Conclusion

The language of mathematics serves as a powerful tool for navigating the complexities of personal finance and navigating the dynamic world of investments. From budgeting and saving to analyzing investments and navigating the market, a grasp of mathematical concepts empowers individuals and institutions to make informed decisions and pave the path towards sustainable financial growth. By harnessing the power of numbers, we gain control over our financial destiny.

REFERENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

1. Tao, Y. and Zhang, Z.J. (2017) Application of Financial Mathematics in Modern Financial Theory. Group Economy Research, 34, 252.

2. Zhou, X. (2019) Latest Theory and Modern Development of Financial Mathematics. Popular Business (Second Half), 2, 165.

3. Lin, L. (2019) An Analysis of the Application of Mathematical Methods in the Financial Field. Finance and Economics (Academic), 10, 13.

4. E., Shreve, Steven (2018). *Stochastic calculus for finance*. New York: Springer. ISBN 9780387401003.

5. *B., Schmidt, Anatoly (2015). Quantitative finance for physicists : an introduction. San Diego, Calif.: Elsevier Academic Press.*

6. Lindbeck, Assar. "The Sveriges Riksbank Prize in Economic Sciences in Memory of Alfred Nobel". Nobel Prize. Retrieved 28 March 2014.

7. Karatzas, Ioannis; Shreve, Steve (2018). *Methods of Mathematical Finance*. Secaucus, New Jersey, US: Springer-Verlag New York, Incorporated. ISBN 9780387948393.

8. Mahdavi-Damghani, Babak (2019). "Data-Driven Models & Mathematical Finance: Apposition or Opposition?". *PhD Thesis*. Oxford, England: University of Oxford: 21.

9. Svetlozar T. Rachev; Frank J. Fabozzi; Christian Menn (2015). *Fat-Tailed and Skewed Asset Return Distributions: Implications for Risk Management, Portfolio Selection, and Option Pricing*. John Wiley and Sons. ISBN 978-0471718864.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

A STUDY ON POSITIVE MENTAL HEALTH

Mr. Harendra Narayan Singh
Assistant Professor,
Department of Psychology
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Mental health, often framed in the context of illness and struggle, deserves a broader conversation. Positive mental health isn't simply the absence of mental illness; it's a vibrant state of well-being that empowers us to thrive. It's the fertile ground where resilience, growth, and happiness can flourish. Positive mental health manifests in various ways. It's the ability to navigate life's challenges with a sense of optimism and purpose. It's fostering strong, supportive relationships and feeling a sense of belonging. It's the capacity for self-compassion and the ability to learn from setbacks. It's experiencing joy, gratitude, and a sense of fulfillment in daily life. Cultivating positive mental health is an ongoing process. It requires investment in practices that nurture our emotional, psychological, and social well-being. Mindfulness practices, like meditation, can help us become more aware of our thoughts and emotions, fostering emotional regulation. Gratitude exercises, such as keeping a gratitude journal, can shift our focus towards the positive aspects of life. Building strong social connections through meaningful relationships provides a support system and a sense of belonging. Positive mental health isn't a destination; it's a journey. There will be inevitable setbacks and challenges. However, by nurturing the seeds of optimism, resilience, and self-compassion, we cultivate a garden of mental well-being that allows us to weather life's storms and blossom into our most fulfilled selves.

KEYWORDS:

Positive, Mental, Health

INTRODUCTION

Positive mental health is not simply the absence of mental illness. It's a state of well-being that encompasses emotional, psychological, and social aspects. It's characterized by a sense of optimism, resilience, self-acceptance, and the ability to cope effectively with life's challenges. Positive emotions like gratitude, joy, and contentment play a crucial role, fostering a sense of connection and purpose. The benefits of positive mental health are far-reaching. Studies have shown that individuals with positive mental well-being experience greater happiness, stronger relationships, and enhanced physical health. They are better equipped to manage stress, navigate difficult situations, and achieve their goals. Positive mental health fosters creativity, productivity, and a sense of personal agency, contributing to a fulfilling life. [1]

Cultivating positive mental health is an ongoing process, but several practices can be incorporated into daily life. Mindfulness techniques like meditation and deep breathing can help us become more aware of our thoughts and emotions, allowing us to manage negativity and cultivate positive states. Gratitude practices, such as journaling or expressing appreciation to others, shift our focus to the good aspects of life. Building strong social connections provides support, belonging, and a sense of purpose. Regular physical activity not only improves physical health but also releases endorphins, boosting mood and reducing stress.

Prioritizing sleep is also essential, as sleep deprivation can exacerbate negative emotions and hinder cognitive function. Engaging in activities we find enjoyable and pursuing hobbies fosters a sense of accomplishment and promotes positive

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

emotions. Finally, surrounding ourselves with positive people who uplift and support us creates a nurturing environment that fosters mental well-being.

This positive approach to mental health has significant benefits. Studies have shown that positive mental health is linked to improved physical health, increased productivity, and stronger relationships. It empowers individuals to reach their full potential and contribute meaningfully to society. The conversation around mental health needs to shift towards a focus on both prevention and treatment. By promoting positive mental health practices and fostering open discussions about mental well-being, we can create a society where everyone feels empowered to cultivate their inner garden and thrive. For too long, the conversation surrounding mental health has focused primarily on illness and its treatment. However, a paradigm shift is underway, with a growing emphasis on the importance of positive mental health. This paper delves into the concept of positive mental health, exploring its components, benefits, and the practices that cultivate it. [2]

Positive mental health goes beyond the absence of mental illness. It's a dynamic state characterized by emotional well-being, a sense of self-worth, and the ability to navigate life's challenges. It encompasses positive emotions like joy, gratitude, and optimism, all of which fuel resilience and foster healthy relationships. One key pillar of positive mental health is self-compassion. It involves treating ourselves with kindness and understanding, acknowledging our flaws without judgment. This fosters self-acceptance, a vital foundation for building self-esteem and promoting emotional resilience.

Positive mental health also emphasizes the importance of meaning and purpose in life. Having goals and aspirations, whether personal or professional, provides direction and motivation. Engaging in activities that contribute to a larger cause fosters a sense of connection and belonging, further strengthening well-being. Cultivating positive mental health requires a multi-pronged approach. Mindfulness practices, such as meditation, can enhance self-awareness and

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

emotional regulation. Gratitude exercises, like keeping a gratitude journal, shift focus towards the positive aspects of life. Building strong social connections provides a supportive network and fosters a sense of belonging. Regular physical activity releases endorphins, natural mood elevators, and contributes to overall well-being. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

Promoting positive mental health is not just an individual responsibility; it's a societal one. Combating the stigma surrounding mental health is crucial. Open conversations about mental well-being, both in personal spaces and the media, can normalize seeking help and encourage preventative practices. Additionally, fostering supportive work environments and educational institutions that prioritize mental health is essential. [1]

Positive mental health is not a destination but a journey. By cultivating self-compassion, finding purpose, and engaging in healthy practices, we can create a foundation for a flourishing mind. A focus on positive mental health empowers individuals to navigate life's challenges, build strong relationships, and contribute meaningfully to the world around them. By prioritizing mental well-being, we create a more resilient and thriving society for all. [2]

Positive mental health is not simply the absence of mental illness; it's a state of well-being where individuals can thrive emotionally, psychologically, and socially. It's a complex landscape influenced by a multitude of factors, some beyond our control, but many we can actively cultivate. This paper will explore the key players that shape positive mental health, encompassing biological, social, and environmental influences. [3]

One significant factor is our biological makeup. Genetics play a role in predisposing individuals to certain mental health conditions. However, these predispositions are not guarantees. Epigenetics, the study of how environmental

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

factors can influence gene expression, suggests that our experiences can alter how our genes are read. Thus, even with a genetic predisposition, fostering positive mental health habits can be a powerful defense. [4]

Social connections are another cornerstone of well-being. Strong, supportive relationships with family, friends, and communities provide a buffer against stress and loneliness. Conversely, social isolation and a lack of belonging can significantly increase the risk of mental health problems. Feeling valued, loved, and understood by those around us fosters a sense of security and self-worth, crucial aspects of positive mental health. [5]

STUDY ON POSITIVE MENTAL HEALTH

Our environment, both physical and social, also plays a substantial role. Factors like access to healthcare, quality housing, financial security, and exposure to violence or discrimination can all have a significant impact. Living in safe neighborhoods with green spaces, having opportunities for employment and education, and feeling a sense of control over our lives all contribute to a sense of well-being.

Beyond these external factors, our own thoughts, behaviors, and coping mechanisms significantly influence our mental health. Developing healthy habits like regular exercise, balanced nutrition, and adequate sleep provide a strong foundation. Practicing mindfulness, gratitude, and stress management techniques can equip us to navigate challenges effectively.

It's important to acknowledge that positive mental health is not a fixed state, but rather a continuum. Life throws curveballs, and even those with strong protective factors will experience periods of emotional distress. However, by understanding the various influences on our mental well-being, we can take proactive steps to cultivate resilience and build a life that fosters positive mental health.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Positive mental health is a complex interplay of biological, social, and environmental factors, along with our own internal resources. By fostering strong social connections, prioritizing self-care, and creating a supportive environment, we can empower ourselves and others to thrive and navigate the inevitable challenges of life.

One key set of factors lies in our biology and genetics. Brain chemistry, for instance, plays a role in regulating emotions and stress responses. Individuals with a genetic predisposition to certain mental health conditions may be more vulnerable to negative influences. However, genetics are not destiny. Our life experiences, particularly in childhood, have a profound impact. Positive experiences like secure family attachments and nurturing environments foster emotional resilience. Conversely, adverse experiences like trauma, abuse, or neglect can increase the risk of mental health problems.

Social connections are another critical factor. Strong bonds with family, friends, and communities provide a sense of belonging, support, and love. Conversely, social isolation, loneliness, or dysfunctional relationships can significantly affect mental well-being.

Socioeconomic factors also play a significant role. Poverty, financial instability, and discrimination create chronic stress and limit access to resources that promote mental health, such as healthy food, quality housing, and healthcare. The broader environment we live in shapes our mental health as well. Factors like access to green spaces, safety in our neighborhoods, and exposure to violence or discrimination all contribute. Even global issues like climate change can create anxiety and uncertainty. It's important to note that these factors are interconnected. For example, social isolation can exacerbate financial stress, and childhood trauma can make it harder to maintain healthy relationships.

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The good news is that by understanding these influences, we can take steps to cultivate positive mental health. Fostering strong social connections, engaging in self-care practices, and seeking professional help when needed are all crucial. Additionally, advocating for social change to address issues like poverty and discrimination can have a positive ripple effect on mental well-being across communities.

Positive mental health is a complex tapestry woven from biological, social, environmental, and economic threads. By recognizing the factors that influence it, we can empower ourselves and others to build resilience, navigate challenges, and live fulfilling lives. Mental health, often relegated to the shadows compared to physical health, is finally gaining the recognition it deserves. It's not merely the absence of mental illness, but a state of emotional, psychological, and social well-being. It encompasses how we think, feel, and act, impacting how we cope with stress, relate to others, and make choices. Just as a strong foundation is essential for a building, good mental health is the cornerstone of a fulfilling life.

A hallmark of positive mental health is the ability to navigate life's challenges. We all experience stress, anxiety, and sadness at times. However, when these feelings become persistent and interfere with daily functioning, it might indicate a mental health condition. There's a wide spectrum of such conditions, ranging from mild anxiety disorders to severe bipolar disorder or schizophrenia. The good news is that mental health concerns are treatable. With therapy, medication, or a combination of both, individuals can manage their symptoms and live productive lives. However, a significant barrier to treatment is the stigma surrounding mental illness. The misconception that mental illness is a sign of weakness or personal failure deters people from seeking help.

Combating this stigma requires open and honest conversations about mental health. By normalizing discussions and sharing personal experiences, we can create a supportive environment where individuals feel comfortable seeking help.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Educational initiatives can further dispel myths and empower people to recognize the signs of mental health issues in themselves and others. Mental health is not just an individual concern; it has a ripple effect on society. Untreated mental illness can have a significant economic impact due to lost productivity and increased healthcare costs. Furthermore, it can strain relationships and contribute to social problems.

Investing in mental health services is not just the right thing to do, it's a smart one. Increased access to affordable mental healthcare can lead to healthier, happier individuals, and a stronger, more productive society. Taking care of our mental health is just as important as taking care of our physical health. Through self-care practices like healthy eating, exercise, mindfulness, and strong social connections, we can promote mental well-being. Additionally, creating a culture of empathy and understanding can empower people to seek help without fear of judgment. By prioritizing mental health, we can all build a more resilient and thriving world.

Conclusion

Positive mental health is not a luxury but a necessity. It empowers individuals to navigate life's challenges, build fulfilling relationships, and thrive in all aspects of life. By adopting practices that nurture optimism, resilience, and a sense of purpose, we can cultivate a flourishing mind that enriches not only our own lives but also strengthens the communities around us. Let's embrace the shift towards a positive mental health paradigm and empower ourselves and others to blossom.

REFERENCES

1. Bolier L, Haverman M, Westerhof GJ, Riper H, Smit F, Bohlmeijer E, 2019. Positive psychology interventions: a meta-analysis of randomized controlled studies. *BMC public health* 13, 119.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

2. de Cates A, Stranges S, Blake A, Weich S, 2015. Mental well-being: an important outcome for mental health services? *The British Journal of Psychiatry* 207, 195–197.

3. Fava GA, Cosci F, Guidi J, Tomba E, 2017. Well-being therapy in depression: New insights into the role of psychological well-being in the clinical process. *Depression and anxiety* 34, 801–808.

4. Grant F, Guille C, Sen S, 2019. Well-being and the risk of depression under stress. *PLoS one* 8, e67395.

5. Herron S, Trent D, 2020. Mental Health: A Secondary Concept to Mental Illness. *Journal of Public Mental Health* 2, 29–38.

6. Keyes CL, Dhingra SS, Simoes EJ, 2020. Change in level of positive mental health as a predictor of future risk of mental illness. *American Journal of Public Health* 100, 2366–2371.

7. Keyes CLM, 2019. Mental illness and/or mental health? Investigating axioms of the complete state model of health. *Journal of consulting and clinical psychology* 73, 539.

8. Keyes CLM, 2018. Promoting and protecting positive mental health: Early and often throughout the lifespan, *Mental Well-Being: International Contributions to the Study of Positive Mental Health*, pp. 3–28

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

STUDY ON AGRICULTURE AND SOIL

Mr. Jayshankar Prasad Singh
Assistant Professor,
Department of Geography
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Agriculture, the foundation of human civilization, is an intricate dance with the earth. At the heart of this dance lies soil, a seemingly simple substance that nourishes life. This paper explores the profound connection between agriculture and soil, highlighting their interdependence and the challenges we face in sustaining this vital relationship. For millennia, humans have relied on soil to cultivate crops, providing sustenance for themselves and animals. Soil acts as a natural storehouse, holding water and nutrients essential for plant growth. It is a complex ecosystem teeming with microscopic organisms that break down organic matter, releasing vital nutrients and fostering healthy plant development. Different types of soil, with varying compositions of minerals, organic matter, air, and water, favor specific crops. From the fertile black soil ideal for wheat production to the well-drained sandy loam perfect for vegetables, soil diversity is crucial for agricultural success. However, intensive agricultural practices can disrupt this delicate balance. Traditional methods of tilling the land can lead to soil erosion, washing away valuable nutrients and topsoil. Overuse of chemical fertilizers and pesticides can contaminate soil and harm beneficial microorganisms. These practices, while offering short-term benefits in terms of yield, ultimately degrade soil health, leading to a vicious cycle of needing ever-increasing inputs to maintain productivity. The challenge for modern agriculture lies in creating a sustainable relationship with soil. This can be achieved through

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

various practices. Crop rotation, where different types of plants are grown in sequence, helps maintain soil fertility and reduce reliance on synthetic fertilizers.

KEYWORDS:

Agriculture, Soil, Crop, Plants

INTRODUCTION

Cover cropping, planting legumes or other fast-growing plants between main crops, provides ground cover to prevent erosion and enriches soil with nitrogen. Organic farming, which avoids synthetic inputs and emphasizes natural methods, promotes soil health and biodiversity. Technological advancements are also playing a role in sustainable agriculture. Precision agriculture techniques, using sensors and data analysis, allow for the targeted application of fertilizers and water, minimizing waste and environmental impact. Research into drought-resistant crops and improved irrigation methods can help reduce pressure on soil resources. [1]

Soil is more than just dirt. It's a complex ecosystem teeming with life – from microscopic bacteria to earthworms – all working together to create a rich tapestry of nutrients. This fertile layer provides plants with the minerals and water they need to thrive. Different soil types, with their unique compositions, are suited for various crops. Rich, loamy soils are ideal for vegetables, while well-drained sandy soils are perfect for fruits. Understanding these nuances is crucial for maximizing agricultural output.

However, the relationship between agriculture and soil is a two-way street. Traditional farming practices, while effective in the short term, can deplete soil fertility over time. Intensive tilling destroys the delicate soil structure, while heavy reliance on chemical fertilizers disrupts the natural balance of nutrients. This can lead to soil erosion, where wind and rain carry away the precious topsoil, leaving

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

behind unproductive land. Deforestation for agriculture further exacerbates the problem, exposing the soil to the harsh elements.

The key to a sustainable future lies in adopting practices that nurture the soil. Crop rotation, where different crops are planted in succession, helps maintain soil health. Cover crops, planted during fallow periods, prevent erosion and add organic matter to the soil. Techniques like no-till farming minimize soil disturbance, allowing the natural ecosystem to flourish. Additionally, incorporating organic fertilizers, like compost and manure, replenishes nutrients and promotes a healthy microbial population. [2]

Technological advancements are also playing a crucial role. Precision agriculture, using sensors and data analysis, allows for targeted application of fertilizers and water, minimizing waste and maximizing efficiency. Research into drought-resistant crops and improved irrigation systems further reduces the strain on soil resources. Agriculture and soil are locked in a delicate dance. By recognizing the importance of soil health and adopting sustainable practices, we can ensure that this vital resource continues to nourish us for generations to come. The future of our food security and environmental well-being hinges on fostering this critical relationship. We must become stewards of the soil, not just exploiters, for a bountiful harvest and a thriving planet.

Rich, fertile soil is a living tapestry. Minerals, weathered rock particles, and organic matter from decomposed plants and animals create a porous structure that holds water and air, essential for root growth. Microorganisms, the unseen workhorses of the soil, break down organic matter, releasing nutrients that plants can readily absorb. This intricate web of life – physical, chemical, and biological – is the very essence of soil fertility. Agriculture flourishes when this partnership thrives. Farmers rely on healthy soil to produce bountiful harvests. Crop rotation, cover cropping, and composting replenish nutrients and maintain soil structure.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

These practices mimic natural processes, ensuring the long-term health of the land. However, the dance between agriculture and soil can become unbalanced.

Modern intensive farming practices, with their reliance on chemical fertilizers and pesticides, can deplete soil nutrients and harm microbial life. Deforestation and poor land management practices accelerate soil erosion, washing away the precious topsoil that took millennia to form. This degradation not only reduces agricultural productivity but also disrupts the delicate balance of the ecosystem. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The future of agriculture hinges on nurturing and protecting the soil. Sustainable practices that minimize chemical inputs and promote soil health are paramount. Techniques like conservation tillage, which minimizes soil disturbance, and integrated pest management, which uses natural methods to control pests, are crucial steps in the right direction. [1]

Investing in soil research is equally important. Scientists are continuously exploring ways to improve soil health and fertility. Advancements in biotechnology offer promising solutions, such as the use of beneficial microbes to enhance nutrient uptake and fight plant diseases. [2]

Agriculture and soil are locked in a timeless dance. Understanding and nurturing this delicate relationship is vital for ensuring food security for future generations. By adopting sustainable practices and fostering innovation, we can safeguard this precious resource, guaranteeing a bountiful harvest and a healthy planet for years to come. [3]

Soil, often thought of as mere dirt, is the very foundation of agriculture. Its quality plays a critical role in determining the success of our crops and the health of our

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

food system. Healthy soil acts as a complex living ecosystem, teeming with beneficial microbes and organic matter, that provides the essential elements for plant growth, regulates water availability, and filters pollutants. Conversely, degraded soil leads to a domino effect of negative consequences, impacting not just crop yields but also environmental health and food security. [4]

One of the most significant impacts of soil quality is on crop productivity. Rich, fertile soil provides plants with the nutrients they need to thrive. These nutrients, including nitrogen, phosphorus, and potassium, are essential for plant growth and development. Healthy soil also boasts a diverse microbial community that breaks down organic matter, releasing these nutrients in a form readily available for plant uptake. In contrast, poor soil quality, often a result of practices like excessive tillage or overuse of chemical fertilizers, can lead to nutrient depletion. This translates to stunted plant growth, lower yields, and crops more susceptible to pests and diseases. [5]

STUDY ON AGRICULTURE AND SOIL

Soil quality also plays a crucial role in water management. Healthy soil, with its good structure and organic matter content, acts like a sponge, absorbing and retaining water during rainfall or irrigation. This allows plants to access water throughout the growing season and reduces the risk of drought stress. Conversely, degraded soil with poor structure has a reduced capacity to hold water, leading to increased runoff and soil erosion. This not only deprives plants of vital moisture but also carries away valuable topsoil, further diminishing soil fertility. Furthermore, soil health is intricately linked to environmental well-being. Healthy soil acts as a natural filter, breaking down and immobilizing pollutants that could otherwise contaminate water sources. Degraded soil, on the other hand, loses its filtration capacity, allowing pollutants to leach into groundwater and waterways, harming aquatic ecosystems and human health.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Soil quality is the cornerstone of a thriving agricultural system. By nurturing and protecting soil health, we can ensure sustainable food production, improved water management, and a healthier environment. This requires adopting practices like crop rotation, cover cropping, and organic farming that promote soil health and biodiversity. By recognizing soil not just as a medium for plant growth but as a living ecosystem, we can ensure a future where our agricultural lands remain fertile and productive for generations to come.

Healthy soil, teeming with microbial life and possessing a good balance of mineral components, organic matter, air, and water, fosters optimal crop growth. The organic matter acts as a sponge, retaining vital water for plants during dry periods and allowing for proper drainage to prevent root rot. The mineral components, including sand, silt, and clay, provide structure and essential nutrients like nitrogen, phosphorus, and potassium. This intricate interplay ensures a thriving ecosystem within the soil, translating to a healthy and productive agricultural landscape.

Conversely, poor soil quality leads to a multitude of problems for agriculture. Depleted organic matter reduces water retention capacity, leading to increased vulnerability to drought and requiring excessive irrigation. Erosion, caused by heavy rains or improper farming practices, washes away valuable topsoil, stripping the land of nutrients and its ability to support plant life. Additionally, overuse of chemical fertilizers can disrupt the delicate balance of soil chemistry, harming beneficial microbes and diminishing long-term fertility.

The consequences of poor soil quality extend far beyond reduced crop yields. It can lead to lower quality produce with diminished nutritional value. Furthermore, eroded soil particles can contaminate water sources, impacting aquatic ecosystems and human health. The economic implications are also significant, with farmers facing increased costs for fertilizers, irrigation, and potentially lower crop yields. Fortunately, there are steps that can be taken to improve and

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

maintain healthy soil. Sustainable farming practices, such as crop rotation, cover cropping, and reduced tillage, help to replenish organic matter and improve soil structure. Integrating compost and manure can provide essential nutrients while promoting microbial activity. By adopting these practices, farmers can not only enhance their own productivity but also contribute to environmental sustainability.

Soil fertility, the lifeblood of agriculture, is a complex interplay of physical, chemical, and biological factors. It dictates a soil's ability to provide plants with the nutrients they need for optimal growth. Understanding these factors is crucial for sustainable agricultural practices and maintaining healthy ecosystems.

One critical aspect is the soil's physical composition. Mineral composition, for instance, determines the capacity to retain nutrients. Soil texture, the ratio of sand, silt, and clay particles, influences aeration, drainage, and water holding capacity - all vital for healthy root development and nutrient uptake. Chemical factors play an equally important role. Soil pH, a measure of acidity or alkalinity, affects nutrient availability. Most plants thrive in slightly acidic to slightly basic soils. Cation exchange capacity (CEC) is another crucial factor. It reflects the soil's ability to hold onto positively charged nutrients (cations) like calcium, magnesium, and potassium, making them accessible for plants.

The biological realm of the soil teems with life, significantly impacting fertility. Organic matter, comprised of decaying plant and animal residues, serves as a reservoir of nutrients and improves soil structure. Microorganisms, the unseen orchestra conductors of the soil, decompose organic matter, making nutrients available for plants. They also contribute to soil aeration and structure.

Human activities can significantly impact soil fertility. Improper agricultural practices, such as excessive use of fertilizers without proper nutrient testing, can lead to nutrient imbalances and depletion. Monoculture farming, where the same crop is grown repeatedly, can disrupt the natural balance of soil nutrients and microbial communities. Conversely, practices like crop rotation, cover cropping,

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

and composting organic matter can help replenish nutrients and promote a healthy soil ecosystem.

Maintaining soil fertility is not just about maximizing crop yields; it's about safeguarding the foundation of life on Earth. By understanding the intricate web of factors affecting soil fertility, we can adopt sustainable practices that ensure healthy soils for generations to come. This invisible symphony, playing out beneath our feet, holds the key to a thriving agricultural future.

One key physical factor is soil texture, the proportion of sand, silt, and clay particles. Sandy soils drain well but hold little moisture and nutrients. Clay soils, on the other hand, retain water and nutrients but can be prone to waterlogging. The ideal soil texture for fertility is a loam, a balanced mix of all three particle sizes. Another physical aspect is soil structure, the arrangement of particles and pores. Well-structured soil allows for air and water infiltration, promoting healthy root growth and nutrient availability. Conversely, compacted soil restricts these processes, hindering plant health.

Chemical factors play an equally important role. Soil pH, a measure of acidity or alkalinity, significantly affects nutrient availability. Most plants thrive in slightly acidic to neutral soils. When the pH is outside this range, essential nutrients become bound to soil particles, making them unavailable for plant uptake. Cation exchange capacity (CEC) is another crucial chemical factor. It refers to the soil's ability to hold onto positively charged ions (cations) such as calcium, magnesium, and potassium, which are essential plant nutrients. Soils with high CEC can retain more nutrients, making them more fertile.

Organic matter, the decomposed remains of plants and animals, is a vital biological factor. It improves soil structure, increases CEC, and provides a slow-release source of nutrients as it decomposes. Microorganisms in the soil play a critical role in breaking down organic matter and releasing nutrients for plant uptake. Their activity also contributes to the formation of soil aggregates, which

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

improve soil structure. Human activities can significantly impact soil fertility. Excessive use of fertilizers can disrupt the natural balance of nutrients in the soil and contribute to salinization. Poor agricultural practices like monoculture farming and tilling can deplete organic matter and accelerate soil erosion. Conversely, practices like crop rotation, cover cropping, and composting can help replenish organic matter and improve soil health.

Conclusion

Agriculture and soil are locked in an essential partnership. By understanding the importance of soil health and adopting sustainable practices, we can ensure that this dance continues for generations to come. A thriving agricultural sector, one that nourishes the world, is only possible with healthy soil at its foundation. Through responsible management and innovation, we can cultivate a future where both agriculture and soil flourish.

REFERNCES

1. Doran, J.W.; Zeiss, M.R. Soil health and sustainability: Managing the biotic component of soil quality. *Appl. Soil Ecol.* **2020**, *15*, 3–11.

2. Lichtfouse, E.; Navarrete, M.; Debaeke, P.; Souchere, V.; Alberola, C.; Menassieu, J. Agronomy for sustainable agriculture. A review. *Agron. Sustain. Dev.* **2019**, *29*, 1–6.

3. Doran, J.W. Soil health and global sustainability: Translating science into practice. *Agric. Ecosyst. Environ.* **2018**, *88*, 119–127.

4. Timsina, J. Can organic sources of nutrients increase crop yields to meet global food demand? *Agronomy* **2018**, *8*, 214.

5. Devarinti, S.R. Natural Farming: Eco-Friendly and Sustainable? *Agrotechnology* **2016**, *5*, 147.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

6. Singh, J.S.; Pandey, V.C.; Singh, D.P. Efficient soil microorganisms: A new dimension for sustainable agriculture and environmental development. *Agric. Ecosyst. Environ.* **2019**, *140*, 339–353

7. Lal, R. Soils and sustainable agriculture. A review. *Agron. Sustain. Dev.* **2018**, *28*, 57–64.

8. Berendsen, R.L.; Pieterse, C.M.; Bakker, P.A. The rhizosphere microbiome and plant health. *Trends Plant Sci.* **2019**, *17*, 478–486.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

EARTHQUAKE AREAS IN THE WORLD AND ITS EFFECTS

Mr. Mukesh Kumar
Assistant Professor,
Department of Geography
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

Earthquakes, the violent tremors caused by the Earth's tectonic plates grinding against each other, are a constant threat to many regions around the world. These areas, shaped by the dynamic forces beneath our feet, are susceptible to a terrifying display of nature's power. This paper will explore the geographical distribution of earthquake-prone zones and the devastating effects they can have on human life and infrastructure.

The earth's crust is divided into giant, jigsaw-puzzle-like plates. The boundaries between these plates, known as fault lines, are the hotspots for earthquake activity. The famed "Ring of Fire," a horseshoe-shaped zone around the Pacific Ocean, is a prime example. This region encompasses countries like Japan, Indonesia, and Chile, all notorious for their frequent and powerful earthquakes. Similarly, the Mediterranean and Himalayan regions are also seismically active due to colliding tectonic plates.

The effects of earthquakes are as diverse as their locations. The most immediate consequence is the violent shaking of the ground, which can cause buildings to crumble, roads to buckle, and landslides to erupt. Entire cities can be reduced to rubble in a matter of minutes, leaving a trail of destruction and loss of life. Fires often erupt due to damaged electrical lines and gas leaks, compounding the chaos.

Earthquakes can also trigger secondary disasters. Underwater tremors can displace massive amounts of water, generating tsunamis – monstrous waves that carry immense destructive power as they crash onto coastlines. Earthquakes can also disrupt water supplies and sewage systems, leading to outbreaks of disease in the aftermath. The psychological impact is profound, with survivors grappling with fear, trauma, and the loss of loved ones and homes.

Despite the devastation they cause, earthquakes are a natural phenomenon we cannot prevent. However, we can take steps to mitigate their effects. Earthquake-resistant building codes, public education on preparedness, and early warning systems are crucial tools in saving lives. Additionally, international collaboration in relief efforts ensures swift and effective responses to these global challenges.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Living on a planet with shifting plates comes with inherent risks. However, by understanding earthquake-prone areas and preparing for the inevitable, we can lessen the impact of these natural disasters. By building resilience and fostering international cooperation, we can ensure that even the most violent tremors do not become insurmountable tragedies.

Earthquakes, the violent tremors of the Earth's crust, are a constant reminder of the dynamic forces shaping our planet. These occurrences are not evenly distributed, with certain regions bearing the brunt of their destructive power. This paper will explore the areas of the world most susceptible to earthquakes and the devastating effects they can have.

Earthquakes, the sudden tremors and vibrations of the Earth's surface, are a powerful reminder of the dynamic forces shaping our planet. While often terrifying, they are a natural consequence of plate tectonics, the theory that the Earth's crust is divided into giant, constantly moving slabs.

At the heart of an earthquake lies the concept of stress. As tectonic plates grind, collide, or slide past each other, immense pressure builds along their boundaries. When this stress exceeds the strength of the rock, the plates abruptly shift, releasing the pent-up energy in the form of seismic waves that radiate outward from the source, like ripples on a pond.

The magnitude of an earthquake, measured on the Richter scale, reflects the amount of energy released. Minor tremors may go unnoticed, while major earthquakes can cause widespread devastation. The shaking can topple buildings, trigger landslides, and even disrupt the course of rivers.

Earthquakes are not isolated events. They can trigger secondary hazards like tsunamis, giant ocean waves generated by the sudden displacement of the seafloor. Additionally, damaged infrastructure can lead to fires and gas leaks, compounding the initial destruction.

Despite their destructive potential, we are not powerless in the face of earthquakes. Seismology, the study of earthquakes, helps us understand their causes and predict where they might occur. Earthquake engineering incorporates this knowledge into building design, making structures more resistant to collapse. Early warning systems can provide precious seconds to take cover before the strongest shaking arrives.

Living in earthquake-prone regions requires preparedness. Individuals and communities can develop plans for evacuation, sheltering, and communication in the aftermath of a quake. Stockpiling food, water, and first-aid supplies can be crucial when basic services are disrupted.

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Earthquakes are a force of nature, but they need not define our fate. Through scientific understanding, engineering solutions, and community preparedness, we can mitigate their impact and build resilience in the face of this inevitable natural phenomenon.

The Earth's crust is divided into giant, rigid slabs called tectonic plates. These plates are constantly in motion, grinding past each other, pushing together, or pulling apart. At the boundaries of these plates, immense pressure builds up. When the stress becomes too great, the rock along the fault line fractures, releasing the built-up energy in a surge. This sudden release sends out seismic waves that travel through the Earth's interior, causing the ground to shake.

The intensity of an earthquake is measured on the Richter scale, which assigns a numerical value based on the energy released. Smaller earthquakes, often imperceptible, occur frequently. However, larger earthquakes, exceeding a magnitude of 7, can be catastrophic, causing widespread destruction and loss of life.

The impact of earthquakes extends far beyond the immediate shaking. They can trigger landslides, disrupt infrastructure, and cause fires due to damaged electrical lines. In coastal regions, powerful earthquakes can generate tsunamis, giant waves that devastate entire coastlines.

Despite the inherent unpredictability of earthquakes, scientific advancements have allowed for better preparedness. Seismologists study seismic activity, identifying areas prone to earthquakes and attempting to predict their occurrence. Building codes in earthquake-prone zones mandate reinforced structures that can better withstand tremors. Early warning systems can provide crucial seconds for people to take cover before strong shaking begins.

Living in an earthquake zone requires public education and individual preparedness. People should be familiar with earthquake safety procedures, such as the "drop, cover, and hold" technique. Having a well-stocked emergency kit and a communication plan with loved ones are also crucial steps.

In conclusion, earthquakes are a powerful force of nature. By understanding the science behind them, adopting earthquake-resistant building practices, and implementing preparedness measures, we can minimize their devastating effects. While we cannot control the Earth's movements, we can learn to live with them, ensuring a safer future for ourselves and generations to come.

The Earth's surface is broken into giant, constantly moving slabs called tectonic plates. Earthquakes are most frequent along the boundaries of these plates, where friction causes them to grind past, collide, or subduct (one plate slipping beneath another). The famed "Ring of Fire," a horseshoe-shaped zone around the Pacific Ocean, is a prime example. This region encompasses countries like Japan, Indonesia, and Chile, all notorious for their frequent and powerful earthquakes.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Another zone of high earthquake activity runs along the Mediterranean Sea and into Central Asia. This area, where the Eurasian and African plates meet, has seen devastating earthquakes throughout history, including the one that leveled much of Nepal in 2015.

The impact of earthquakes can be catastrophic. The most immediate effect is the violent shaking of the ground, which can topple buildings, bridges, and other infrastructure. This collapse can lead to widespread death, injuries, and entrapment. Earthquakes can also trigger secondary disasters such as fires, caused by broken gas lines or electrical sparks. Landslides, often caused by the shaking destabilizing slopes, can further bury entire communities.

Coastal regions face the added threat of tsunamis, giant waves generated by underwater earthquakes. These walls of water can travel at incredible speeds, causing immense destruction far inland.

The severity of an earthquake's effects depends on several factors. The magnitude, measured on the Richter scale, determines the intensity of the shaking. The depth of the earthquake also plays a role, with shallower quakes causing more damage at the surface. The vulnerability of the built environment is another crucial factor. Earthquake-prone areas with robust building codes and infrastructure designed to withstand shaking will fare much better than those without.

Living in earthquake zones requires a delicate balance between respecting the power of nature and building resilience. Early warning systems, public education on earthquake safety, and earthquake-resistant building practices are all crucial for minimizing the human cost of these inevitable events. By understanding earthquake zones and preparing for their effects, we can lessen the devastation these events bring.

This fiery ring encircles the Pacific Ocean, encompassing countries like Japan, Indonesia, Chile, and the western coast of North America. These regions experience frequent earthquakes, some mild and others devastatingly powerful. The 2011 Tohoku earthquake in Japan, for instance, measured a staggering 9.0 on the Richter scale, triggering a massive tsunami that caused widespread destruction and loss of life.

Beyond the Ring of Fire, other areas are susceptible to earthquakes due to internal plate activity. The Mediterranean region, situated where the African and Eurasian plates meet, experiences frequent tremors. Similarly, the Himalayan zone, a product of the ongoing collision between the Indian and Eurasian plates, is prone to powerful earthquakes.

The effects of earthquakes are far-reaching and often catastrophic. The immediate consequence is the violent shaking of the ground, which can topple buildings, crack infrastructure, and trigger landslides. Poorly constructed buildings in densely populated areas are especially vulnerable, leading to immense loss of life. Additionally, earthquakes can disrupt power grids, ignite fires due to broken gas lines, and cause hazardous materials spills.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Coastal regions face the added threat of tsunamis, giant waves generated by the sudden displacement of water during underwater earthquakes. These monstrous waves can travel at incredible speeds, carrying immense destructive power and inundating entire coastlines. The 2004 Indian Ocean earthquake and tsunami remain a stark reminder of the devastation these events can cause.

Living in earthquake-prone areas demands constant vigilance and preparedness. Building codes in these regions often mandate earthquake-resistant structures, and public awareness campaigns educate citizens on earthquake safety measures. Early warning systems can provide precious seconds for people to seek safe shelter before the tremors hit.

In conclusion, earthquake-prone areas are a reality we must acknowledge and prepare for. These regions, while often breathtakingly beautiful, lie at the intersection of powerful geologic forces. By understanding earthquake risks and implementing effective mitigation strategies, we can build resilience in these communities and lessen the devastating impact of these natural disasters.

Earthquakes, sudden and often violent movements of the Earth's crust, have captivated and terrified humanity for millennia. Their unpredictable nature and destructive power have fueled myths and scientific inquiry in equal measure. But what exactly causes these tremors? The answer lies deep within the Earth's restless interior, a realm of moving tectonic plates and accumulating stress.

The Earth's outermost layer, the lithosphere, is fractured into a mosaic of roughly 15 major tectonic plates. These colossal slabs of rock, encompassing both continents and ocean floors, float on a hotter, more fluid layer called the asthenosphere. Driven by complex forces within the Earth's mantle, these plates are constantly on the move, albeit at a very slow pace – typically a few centimeters per year.

This movement, however, is not a smooth waltz. As plates interact at their boundaries, different scenarios unfold. At convergent boundaries, where plates collide, immense pressure can cause one plate to crumple beneath the other, triggering earthquakes and volcanic activity. Conversely, at divergent boundaries, plates pull away from each other, allowing molten rock from the mantle to rise and form new crust, again accompanied by tremors.

The most common cause of earthquakes, however, occurs at transform boundaries. Here, plates slide past each other laterally, generating friction that builds up over time. Imagine two giant slabs of rock grinding against each other. Eventually, the stress becomes too great, and the rocks break along a zone of weakness called a fault. This sudden release of energy sends out seismic waves that radiate outward, shaking the ground and causing the phenomenon we experience as an earthquake.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Earthquakes are not limited to plate boundaries. Occasionally, tremors can be triggered by human activities like fracking or the filling of large reservoirs. These induced earthquakes, while typically smaller than tectonic quakes, highlight the delicate balance of forces within the Earth's crust.

Understanding the causes of earthquakes is vital for mitigating their impact. By mapping fault zones and studying the movement of tectonic plates, scientists can develop better prediction models and preparedness strategies. Building earthquake-resistant structures and educating communities about safety measures can significantly reduce the devastating effects of these natural disasters.

REFERENCES

Pressler, Margaret Webb (14 April 2019). "More earthquakes than usual? Not really". *KidsPost*. Washington Post: Washington Post. pp. C10.

Kanamori Hiroo. "The Energy Release in Great Earthquakes" (PDF). Journal of Geophysical Research. Archived from the original (PDF) on 2019-07-23. Retrieved 2010-10-10.

Vassiliou, Marius; Kanamori, Hiroo (2018). "The Energy Release in Earthquakes". *Bull. Seismol. Soc. Am*. **72**: 371–387.

Sibson, R.H. (2020). "Fault Zone Models, Heat Flow, and the Depth Distribution of Earthquakes in the Continental Crust of the United States". *Bulletin of the Seismological Society of America*. **72** (1): 151–163.

Hjaltadóttir S., 2020, "Use of relatively located microearthquakes to map fault patterns and estimate the thickness of the brittle crust in Southwest Iceland"

Schorlemmer, D.; Wiemer, S.; Wyss, M. (2015). "Variations in earthquake-size distribution across different stress regimes". *Nature*. **437** (7058): 539–542.

Wyss, M. (2019). "Estimating expectable maximum magnitude of earthquakes from fault dimensions". Geology. ***7*** *(7): 336–340.*

Greene II, H.W.; Burnley, P.C. (October 26, 2019). "A new self-organizing mechanism for deep-focus earthquakes". *Nature*. **341** (6244): 733–737

s

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

HOW HEAT STROKE CHANGE CLIMATE

Mr. Naresh Singh
Assistant Professor,
Department of Chemistry
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Climate change, primarily driven by greenhouse gas emissions, traps heat in the atmosphere. This warming trend manifests in more frequent and intense heat waves. During these extended periods of scorching temperatures, the human body struggles to cool itself down. When sweating becomes insufficient, core body temperature rises rapidly, leading to heat stroke – a potentially fatal condition. The increased risk of heat stroke is just one facet of the problem. Heat waves can exacerbate existing health issues, strain healthcare systems, and disproportionately impact vulnerable populations like the elderly and young children. Furthermore, extreme heat can worsen air quality, leading to respiratory problems. The impact extends beyond human health. Heat waves can trigger droughts, disrupt agricultural production, and damage ecosystems. Rising temperatures can disrupt animal migration patterns and threaten the survival of heat-sensitive species. Heat stroke serves as a stark reminder of the dangers posed by climate change. By addressing the root cause – greenhouse gas emissions – we can work to mitigate the frequency and intensity of heat waves, reducing the risk of heat stroke and protecting the health of our planet and its inhabitants. While heat stroke is a serious consequence of climate change, it's important to understand that heat stroke itself doesn't directly impact climate. It's a danger sign indicating a more significant issue – rising global temperatures.

This paper will explore how climate change fuels heat waves, increasing the risk of heat stroke, and the broader consequences for human health and ecosystems.

KEYWORDS:

Heat, Stroke, Change, Climate

INTRODUCTION

While heat stroke is a serious consequence of climate change, it's important to understand that heat stroke itself doesn't directly impact climate. It's more accurate to say that climate change increases the frequency and intensity of heat waves, which in turn raises the risk of heat stroke. Heatstroke, a medical emergency often referred to as sunstroke, is a dangerous condition arising from the body's overheating. It occurs when our natural temperature regulation mechanisms fail, causing core body temperature to rise above 104°F (40°C). This excessive heat disrupts vital organ functions, potentially leading to organ damage, coma, or even death if left untreated. [1]

Several factors contribute to heatstroke. Prolonged exposure to extreme heat, especially with high humidity, is a primary culprit. Strenuous physical activity in hot environments further strains the body's cooling system. Additionally, dehydration plays a crucial role. When fluids are depleted, sweating, the primary mechanism for heat release, becomes impaired. Individuals most susceptible to heatstroke include infants, young children, older adults, and those with chronic illnesses. Certain medications can also hinder sweating and increase the risk.

The warning signs of heatstroke should be recognized promptly. While a core temperature exceeding 104°F is the defining characteristic, other alarming symptoms include hot, dry skin; nausea and vomiting; rapid, shallow breathing; confusion; disorientation; and in severe cases, seizures or loss of consciousness. Immediate action is crucial upon suspecting heatstroke. Call emergency services without delay. While waiting for help, move the person to a cool, shaded area or

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

air-conditioned environment. Loosen clothing and apply cool cloths or ice packs to the groin, armpits, and neck. Encourage fluids if the person is conscious.

Preventing heatstroke is far better than treating it. Staying hydrated by consuming plenty of fluids, even before feeling thirsty, is essential. Wearing loose, lightweight clothing and scheduling outdoor activities during cooler times of the day are additional preventive measures. Heatstroke is a serious public health concern, particularly with increasingly frequent heat waves due to climate change. By raising awareness about the risks and preventive measures, we can ensure a safer and cooler environment for everyone. [2]

Our bodies are finely tuned machines, constantly working to maintain a specific internal temperature range. When exposed to hot environments, we primarily rely on sweating to cool down. Sweat evaporates on the skin, absorbing heat and carrying it away. However, factors like high humidity can impede evaporation, hindering this process. Additionally, strenuous activity in hot weather can further elevate body temperature. If the body cannot shed heat effectively, it begins to overheat. Initial signs of heat illness might include muscle cramps, nausea, and dizziness. However, if these warnings are ignored and the body temperature continues to climb, heatstroke can develop rapidly. Classic symptoms include hot, dry skin; rapid, shallow breathing; confusion; and eventually, loss of consciousness.

Anyone can suffer from heatstroke, but certain groups are at higher risk. Infants and young children, older adults, and those with chronic medical conditions are particularly vulnerable. People who work or exercise outdoors in hot weather are also at increased risk. Dehydration, certain medications, and alcohol consumption can further exacerbate the situation. The consequences of heatstroke can be devastating. It can damage the brain, heart, kidneys, and other vital organs. If not treated promptly, heatstroke can lead to coma, organ failure, and even death. Therefore, preventing heatstroke is paramount. Staying

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

hydrated by consuming plenty of fluids, especially water, is crucial. Wearing loose, lightweight clothing and limiting strenuous activity during peak heat hours are essential precautions. Seeking shade and air conditioning whenever possible is highly recommended. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The Earth's climate is a complex and interconnected system, but one thing is clear: rising temperatures are having a profound impact. This paper will explore the multifaceted consequences of a warming planet, highlighting how high temperatures are not just a matter of discomfort, but a driver of significant changes in weather patterns, ecosystems, and even human health. [1]

One of the most direct consequences of high temperatures is the increased frequency and intensity of extreme weather events. Heat waves, once rare occurrences, are becoming more commonplace, leading to heat stress, dehydration, and even fatalities. Additionally, a warmer atmosphere holds more moisture, leading to heavier precipitation events and flooding in some regions, while exacerbating drought conditions in others. This disrupts agricultural production, displaces communities, and strains water resources. [2]

The fingerprint of high temperatures is also evident in the cryosphere, the Earth's frozen regions. Glaciers and polar ice caps are melting at an alarming rate, contributing to rising sea levels. This not only threatens coastal communities but also disrupts ocean circulation patterns that play a crucial role in regulating global climate. [3]

High temperatures also disrupt ecosystems. As habitats warm, plants and animals struggle to adapt. Coral reefs, vital marine ecosystems, are particularly

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

vulnerable to bleaching events triggered by rising water temperatures. These changes have cascading effects throughout the food chain, impacting biodiversity and jeopardizing the natural services ecosystems provide. [4]

Human health is another casualty of a warming planet. Heat waves increase the risk of heatstroke and exacerbate respiratory problems. Rising temperatures also contribute to the spread of vector-borne diseases such as malaria and dengue fever. Moreover, air quality deteriorates as heat promotes the formation of ground-level ozone, a harmful air pollutant that can trigger asthma attacks and other respiratory illnesses. [5]

HEAT STROKE AND CHANGE CLIMATE

Heat stroke is a wake-up call highlighting the dangers of climate change. We need to focus on mitigation strategies like reducing greenhouse gas emissions through renewable energy sources and sustainable practices. Additionally, adaptation efforts like early warning systems and improved urban planning for heat waves are crucial to protect public health. Heat stroke isn't a cause of climate change, but rather a severe health impact. By addressing climate change, we can not only prevent heat stroke cases but also safeguard the planet for future generations.

Heatstroke is a preventable yet potentially life-threatening condition. By understanding the causes and symptoms, taking preventive measures, and seeking immediate medical attention when necessary, we can stay safe and enjoy the warm weather responsibly. The impacts of high temperatures are not simply environmental; they have significant economic and social consequences. The costs associated with extreme weather events, rising sea levels, and mass displacement are staggering. Food security is threatened as agricultural yields decline due to heat stress, drought, and changing weather patterns. These

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

factors can exacerbate social unrest and conflict, particularly in vulnerable regions. The scorching truth is that high temperatures are fundamentally altering our climate. From extreme weather events to melting glaciers, disrupted ecosystems, and compromised human health, the consequences are far-reaching and pose a significant threat to the planet and its inhabitants. Addressing climate change by mitigating greenhouse gas emissions and adapting to the changes already underway is no longer a choice; it's an imperative for ensuring a sustainable future for all.

One of the most direct consequences of high temperatures is the intensification of extreme weather events. Heat waves become more frequent and severe, leading to heat-related illnesses, strain on infrastructure, and disruptions to agriculture. Conversely, warmer air holds more moisture, leading to heavier precipitation events and increased flooding risks. This creates a situation where some regions experience devastating droughts while others are inundated with water.

Rising temperatures also play a crucial role in disrupting weather patterns. Warmer oceans fuel more powerful storms and hurricanes, causing widespread damage and displacement. Additionally, the jet stream, a high-altitude wind current that influences regional weather patterns, becomes more erratic with a warming climate. This disrupts established weather patterns, leading to unpredictable and potentially catastrophic weather events.

Beyond these immediate effects, high temperatures have a profound impact on long-term climate trends. Glaciers and ice sheets are melting at an alarming rate, contributing to rising sea levels that threaten coastal communities and ecosystems. Permafrost, permanently frozen ground, is thawing, releasing methane, a potent greenhouse gas, and further accelerating global warming.

The impact of high temperatures extends beyond the physical environment. Changes in weather patterns disrupt agricultural yields, threatening food security

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

for millions. Extreme weather events displace populations and strain economies. These cascading effects can lead to social unrest and conflict, posing a significant challenge to global stability. Furthermore, rising temperatures contribute to the melting of glaciers and polar ice caps. This freshwater influx disrupts ocean currents that play a crucial role in regulating global temperatures. Additionally, melting permafrost releases trapped methane, a potent greenhouse gas, further accelerating the warming process.

The impact of high temperatures extends beyond physical landscapes. Marine ecosystems are particularly vulnerable. Coral reefs, vital for marine biodiversity, bleach and die due to rising water temperatures. This disrupts the food chain and weakens coastal defenses against storms. Similarly, rising temperatures disrupt migration patterns and breeding grounds for various animal species, pushing many towards extinction.

Human health is also not spared from the consequences of a heating planet. Heatstroke, respiratory problems, and cardiovascular diseases become more prevalent during heat waves. Food security is threatened as agricultural yields decline due to extreme weather events and water scarcity. These factors exacerbate social inequalities and can trigger mass migrations.

The paper should focus on how climate change drives heat waves:

Greenhouse Gas Buildup: The primary culprit is the accumulation of greenhouse gases like carbon dioxide in the atmosphere. These gases trap heat from the sun, causing a gradual warming of the planet.

Warmer Oceans: Oceans absorb a large portion of the Earth's heat. As they warm, they release more heat back into the atmosphere, further amplifying the warming effect.

Altered Weather Patterns: Climate change disrupts natural weather patterns, leading to more extreme weather events, including heat waves.

IJFANS
International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

While heat stroke is a serious health consequence of a changing climate, it's important to understand that heat stroke itself doesn't directly impact climate. Here's a breakdown of the relationship between the two:

Climate Change and Heat Waves: The Earth's atmosphere is warming due to greenhouse gas emissions. This warming trend leads to more frequent and intense heat waves. These extreme heat events create conditions where the human body struggles to regulate temperature, increasing the risk of heat-related illnesses like heat stroke.

Heat Stroke and Human Health: Heat stroke occurs when the body overheats and can't cool down. This can lead to organ damage, coma, and even death. As heat waves become more common, so will the number of heat stroke cases, placing a strain on healthcare systems and causing unnecessary deaths.

The human body is a finely tuned machine, constantly working to maintain a core temperature within a narrow range. During hot weather or exercise, we sweat to cool down through evaporation. However, certain factors can disrupt this process, leading to heatstroke. These include:

Environmental factors: Extremely high temperatures, particularly with high humidity, hinder sweat evaporation, impeding the body's ability to cool itself.

Dehydration: Insufficient fluid intake depletes the body's reserves, making sweating difficult and raising the risk of heatstroke.

Certain medications: Diuretics and some medications for high blood pressure can affect the body's ability to regulate temperature.

Underlying health conditions: Chronic illnesses like heart disease and obesity can increase susceptibility to heatstroke.

Conclusion

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Heatstroke is a serious medical emergency with potentially life-altering consequences. As the world grapples with rising temperatures, public awareness and preventive measures are crucial to safeguard against heatstroke. By understanding the risks, taking precautions, and recognizing the warning signs, we can all play a role in staying cool and safe during hot weather. Early recognition of heatstroke symptoms is vital. If someone exhibits signs of heatstroke, immediate action is required. Move the person to a cool, shaded area, loosen clothing, and apply cool water or ice packs to the body. Most importantly, seek emergency medical attention without delay.

REFERENCES

1. McMichael A, Campbell-Lendrum D, Ebi K, Githeko A, Scheraga J, Woodward A. *Climate change and human health: risks and responses.* Geneva: World Health Organization; 2019.

2. Haines A, Patz JA. Health effects of climate change. *JAMA.* 2018;291:99–103.

3. Patz JA, Campbell-Lendrum D, Holloway T, Foley JA. Impact of regional climate change on human health. *Nature.* 2015;438:310–7.

4. McMichael AJ, Campbell-Lendrum D, Kovats S, Edwards S, Wilkinson P, Wilson T, et al. Global climate change. In: Ezzati M, Lopez AD, Rogers A, Murray CJL, editors. *Comparative quantification of health risks, Vol. 2.* Geneva: World Health Organization; 2018. pp. 1543–650.

5. *Inter-Governmental Panel on Climate Change. Fourth Assessment Report, IPCC, Geneva.* Cambridge: Cambridge University Press; 2017.

6. Parsons K. *The effects of hot, moderate and cold temperatures on human health, comfort and performance.* 2nd ed. New York: CRC Press; 2019. Human thermal environment.

7. Kovats RS, Hajat S. Heat stress and public health: a critical review. *Annu Rev Public Health.* 2008;29:9.1–9.15.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

8. Brotherhood JR. Heat stress and strain in exercise and sport. *J Sci Med Sport.* 2008;11:6–19.

9. Kjellstrom T. Climate change, heat exposure and labour productivity; Proc. ISEE 2000, 12th Conference of the International Society for Environmental Epidemiology, Buffalo, USA, August. Epidemiology; 2000. p. S144

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

MAURYAN ADMISTRATION

Mr. Prashant Kumar
Assistant Professor,
Department of History
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

The Mauryan Empire, sprawling across much of ancient India, stands as a testament to not just military might, but also to a meticulously crafted administrative system. This paper delves into the key features of the Mauryan administration, highlighting its centralized structure, efficient bureaucracy, and innovative elements.

At the heart of the system lay the emperor, wielding immense power. Guided by advisors and possibly influenced by the political treatise Arthashastra attributed to Chanakya, the emperor oversaw all aspects of governance. A council of ministers, the Mantriparishad, assisted him, consisting of specialists like the Chief Minister (Mahamantri), the High Priest (Purohita), and the military commander (Senapati).

The empire was divided into provinces, further subdivided into districts and villages. Local officials, appointed by the emperor, ensured smooth administration at each level. The Mauryas established a well-defined hierarchy of officials with specialized roles. The Amatyas were civil servants managing revenue collection, public works, and justice. The Sthanikas functioned as district magistrates, while the Gramikas oversaw village affairs. A complex network of spies, both stationary (Sansthana) and mobile (Sanchari), kept the emperor informed of happenings across the vast empire. This elaborate bureaucracy ensured efficient communication and control.

The Mauryan administration excelled in infrastructure development. A network of roads facilitated trade and troop movement. A well-maintained system of irrigation canals boosted agriculture, the empire's economic backbone. Coffer-dams and other water management techniques ensured efficient utilization of water resources.

The Mauryan Empire (322 BCE – 185 BCE) stands as a titan in Indian history, lauded for its vast territory and rich cultural legacy. However, gauging the empire's population density, a crucial aspect of understanding any civilization, remains a complex task. Unlike modern censuses, the Mauryas left no direct records of population numbers. Historians must rely on scattered evidence to piece together a picture of the Mauryan multitude.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Classical sources offer glimpses into the bustling life of the empire. Megasthenes, a Greek diplomat, described the Mauryan capital, Pataliputra, as rivaling the grandeur of contemporary Persian cities, suggesting a substantial populace. Similarly, Kautilya's Arthashastra, a treatise on statecraft, lays out elaborate administrative structures, hinting at a well-organized and potentially populous empire.

Emperor Ashoka's rock and pillar edicts, scattered across the subcontinent, offer valuable insights. The sheer scale of this communication network, aimed at a vast audience, suggests a significant population base. Additionally, these edicts mention officials tasked with overseeing agriculture and trade, potentially indicating a focus on sustaining a large population.

Excavations of Mauryan cities like Pataliputra and Taxila reveal extensive urban planning, with well-defined grids and impressive structures. Such urban centers would have housed a dense population engaged in diverse professions. Additionally, the presence of massive granaries suggests the empire's ability to support a sizable populace.

Despite these insights, estimating Mauryan population density remains a challenge. The empire's vast territory likely encompassed regions with varying population levels. Additionally, the nature of the Mauryan state, with its emphasis on centralized control but decentralized administration, makes it difficult to establish a uniform density.

While a definitive population figure for the Mauryan Empire may be elusive, the available evidence points towards a substantial and diverse populace. The empire's administrative structures, monumental architecture, and literary references paint a picture of a densely populated state, bustling with trade, agriculture, and cultural exchange. Further archaeological exploration and a deeper understanding of the empire's administrative records may offer a clearer picture of the human tapestry that made up the Mauryan world.

The absence of direct population data forces historians to rely on indirect evidence. Literary sources, such as the Arthashastra by Kautilya, offer glimpses into administrative structures that potentially hint at population size. Similarly, reports from Greek ambassadors like Megasthenes mention the grandeur of the Mauryan capital, Pataliputra, suggesting a substantial urban population. Archaeological finds, including the remains of settlements and infrastructure projects, can also provide clues about population distribution.

The fertile plains of the Indus and Ganges rivers formed the empire's heartland and likely supported a higher population density compared to less fertile regions. This correlation between fertile land and denser settlements holds true for many historical empires.

The Mauryan Empire witnessed significant urbanization. Pataliputra, with its estimated population of several hundred thousand, stands as a prime example. Other major cities likely housed a significant number of artisans, administrators, and merchants, further

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

contributing to population density variations. The Mauryan empire's well-maintained road network, the Grand Trunk Road, facilitated trade and movement of people. Areas well-connected to this network might have seen a higher population density compared to more isolated regions.

It's important to remember that population density in the Mauryan Empire was likely not uniform. The empire encompassed diverse landscapes, ranging from fertile plains to rugged mountains. This geographical diversity would have undoubtedly resulted in a spectrum of population densities, with the core regions boasting a higher concentration of inhabitants compared to the peripheries.

Estimating Mauryan population density remains a complex task. While the lack of direct data presents a hurdle, historical accounts, archaeological findings, and an understanding of the factors influencing population distribution can provide valuable insights. By piecing together this indirect evidence, we can create a more nuanced picture of the human landscape during this pivotal era in Indian history. Further archaeological exploration and advancements in historical demography hold the potential to refine our understanding of population density within the Mauryan Empire in the future.

Our knowledge of Mauryan population density hinges largely on fragmentary evidence. The Arthashastra, attributed to Kautilya, advisor to Chandragupta Maurya, provides glimpses into administrative structures that might have been designed to manage a sizeable population. Additionally, the accounts of Megasthenes, a Greek diplomat at Chandragupta's court, offer descriptions of the grand capital, Pataliputra, hinting at a bustling urban center. However, these sources don't translate directly into concrete population figures.

Archaeological excavations across the Mauryan Empire offer valuable clues. Extensive urban settlements like Pataliputra and Taxila suggest concentrations of people engaged in trade, crafts, and administration. The presence of a well-developed network of roads and canals further indicates the movement of goods and people across vast distances, potentially supporting a larger population.

Reconstructing population density in the Mauryan Empire remains a complex exercise. Historians grapple with the limitations of archaeological data, which often paints an incomplete picture. Additionally, the vastness of the empire itself presents challenges. Core areas like the Gangetic Plain likely held a higher density compared to the less-integrated peripheries.

Modern historical demographers have attempted to utilize mathematical models to estimate population density. These models consider factors like agricultural productivity, land use patterns, and settlement size. However, such estimations come with inherent uncertainties due to the limitations of available data.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The population density within the Mauryan Empire was likely not a uniform phenomenon. It existed on a spectrum, with densely populated core regions and sparser peripheries. While pinpointing exact numbers remains elusive, the available evidence suggests a substantial population base that fueled the empire's economic and political might. Further archaeological exploration and advancements in historical demographic modeling may one day shed more light on this intriguing aspect of the Mauryan era.

Emperor Ashoka, grandson of Chandragupta Maurya, is credited with introducing reforms that emphasized moral law and social welfare. He established Dharma Mahamatras, officials overseeing the propagation of ethical principles and the welfare of the people. This shift towards a more compassionate form of governance marked a significant development in Mauryan administration.

The Mauryan system wasn't without its challenges. Maintaining control over such a vast territory required constant vigilance. The reliance on a strong central authority also meant regional variations and local needs might not have received immediate attention. Additionally, the empire's decline suggests potential weaknesses in succession planning and fostering long-term stability.

Despite these limitations, the Mauryan administration stands as a remarkable feat of statecraft. Its centralized structure, efficient bureaucracy, and innovative elements like the spy network and Dharma Mahamatras, laid the groundwork for future empires in India. The Mauryan legacy serves as a reminder of the importance of a well-organized administrative system in ensuring the smooth functioning and long-term success of any empire.

The Mauryan Empire, sprawling across much of ancient India, stands as a testament to not just military might, but also to a remarkably efficient administrative system. This paper will delve into the key features of the Mauryan administration, exploring its centralized structure, bureaucratic hierarchy, and innovative elements.

At the apex of the power structure stood the Emperor, wielding immense authority. He was assisted by a council of ministers, the Mantriparishad, which included key figures like the Chief Minister (Mahamantri), the High Priest (Purohita), and the Army Chief (Senapati). This council advised the Emperor on matters of governance, finance, and military strategy.

The empire was divided into provinces headed by Viceroys (Pradeshikas), further subdivided into districts and villages. This tiered structure ensured efficient communication and control from the center. Bureaucrats known as Amatyas handled day-to-day administration, overseeing revenue collection, public works, and justice.

The Mauryans were pioneers in the use of espionage. A network of spies, both stationary (Sansthanas) and mobile (Sancharis), kept the Emperor informed about the mood of the

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

populace and potential threats. This elaborate intelligence system ensured the Emperor's grip on the vast empire.

The influence of the famed scholar Chanakya, author of the Arthashastra, is evident in the Mauryan system. The text emphasizes efficient resource management, meticulous record-keeping, and a focus on public welfare. It is believed that the Mauryans established a sophisticated system of weights and measures, facilitating trade and taxation.

One of the most remarkable aspects of the Mauryan administration was its emphasis on the well-being of its subjects. Emperor Ashoka, known for his embrace of Buddhism, introduced reforms focused on moral governance and social welfare. He established Dharma Mahamatras, officials dedicated to upholding righteous conduct and promoting social harmony.

The Mauryan administration, despite its centralized nature, also displayed a degree of flexibility. Local customs and traditions were often respected, fostering a sense of cultural unity within the diverse empire. While the exact details remain a subject of debate, the presence of village assemblies suggests a degree of local autonomy.

In conclusion, the Mauryan administration stands out as a sophisticated and well-organized system, crucial to the empire's stability and prosperity. Its emphasis on centralized control, bureaucratic efficiency, and public welfare laid the foundation for future empires in India. Though shrouded in the mists of time, the Mauryan administrative model continues to hold valuable lessons for effective governance today.

The Mauryan system was centralized, with the emperor wielding supreme power. He was assisted by a council of ministers, the Mantriparishad, composed of specialists like the Chief Minister (Mahamantri), the High Priest (Purohita), and the Army Chief (Senapati). Decentralization, however, ensured smooth governance across the vast empire. Provinces, districts, and villages formed the administrative hierarchy, each with designated officials like Viceroys (Pradeshikas) and tax collectors (Sthanikas).

Efficiency was paramount. Amatyas, civil servants, managed day-to-day affairs, while a sophisticated network of spies (Sansthanas and Sancharis) kept the emperor informed of potential unrest or corruption. The Arthashastra emphasized meticulous record-keeping, entrusted to scribes (Lipikaras) and overseen by the Chief Accountant (Akshapatal).

The Mauryan approach to justice was pragmatic. The emperor held ultimate judicial authority, but local courts likely existed to handle minor disputes. Emphasis was placed on maintaining order and upholding Dharma, the concept of righteous conduct. Ashoka, the most celebrated Mauryan emperor, famously implemented a more welfare-oriented system, focusing on non-violence and social harmony.

The Mauryan administration's strengths are undeniable. Centralization ensured swift decision-making, while decentralization fostered local participation. The emphasis on

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

efficiency and information-gathering created a well-managed empire. Furthermore, the system adapted to changing priorities under Ashoka.

However, limitations existed. The vastness of the empire presented logistical challenges. Reliance on a strong central authority made the system vulnerable to a weak emperor. Additionally, the highly structured social hierarchy might have limited social mobility.

Despite these limitations, the Mauryan administration stands as a remarkable feat of statecraft. Its legacy influenced later empires and serves as a reminder of the importance of a well-designed administrative system in ensuring a thriving state.

REFERENCES

1. Coningham, Robin; Young, Ruth (2015), *The Archaeology of South Asia: From the Indus to Asoka, c.6500 BCE – 200 CE*, Cambridge University Press, pp. 451–466, ISBN 978-1-316-41898-7
2. Smith, Vincent Arthur (2019), *The Oxford History of India: From the Earliest Times to the End of 1911*, Clarendon Press, pp. 104–106
3. Majumdar, R. C.; Raychaudhuri, H. C.; Datta, Kalikinkar (2019), *An Advanced History of India* (Second ed.), Macmillan & Company, p. 104
4. Omvedt, Gail (18 August 2018). *Buddhism in India: Challenging Brahmanism and Caste*. SAGE Publications. p. 119. ISBN 978-0-7619-9664-4.
5. Keay, John (2018). *India: A History*. Open Road + Grove/Atlantic. pp. 85–86. ISBN 978-0-8021-9550-0.
6. Boyce, Mary; Grenet, F. (January 2019). *A History of Zoroastrianism, Zoroastrianism under Macedonian and Roman Rule*. BRILL. p. 149. ISBN 978-90-04-29391-5.
7. Avari, Burjor (2017). *India, the Ancient Past: A History of the Indian Sub-continent from C. 7000 BC to AD 1200* ISBN 0415356156. pp. 188-189.
8. *Taagepera, Rein (2019). "Size and Duration of Empires: Growth-Decline Curves, 600 B.C. to 600 A.D.". Social Science History. 3 (3/4): 132. doi:10.2307/1170959. JSTOR 1170959.*

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

LIMNOLOGICAL STUDIES OF WATER BODIES

Mr. Rahul Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Zoology
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Water bodies, in their diverse forms – from sprawling lakes to winding rivers and vibrant wetlands – are the lifeblood of our planet. They teem with life, provide essential resources, and regulate our climate. Understanding these complex ecosystems is crucial for their conservation and sustainable use. This is where limnology steps in, offering a comprehensive lens to study the intricate web of interactions within a water body. Limnology, derived from the Greek words for "lake" and "study," delves into the physical, chemical, geological, and biological characteristics of inland waters. It encompasses a vast array of water bodies, from freshwater lakes and rivers to saline wetlands and man-made reservoirs. Limnological studies paint a holistic picture, examining how these various factors influence each other and ultimately shape the aquatic ecosystem. A fundamental aspect of limnology is the categorization of water bodies based on flow. Lentic systems, such as lakes and ponds, exhibit minimal water movement, while lotic systems, like rivers and streams, are characterized by continuous flow. This distinction influences the physical and chemical properties of the water. Lentic systems, for instance, tend to exhibit thermal stratification, with distinct temperature layers influencing oxygen availability and nutrient distribution. Conversely, lotic systems experience constant mixing, leading to a more uniform environment.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

KEYWORDS:

Water, Bodies, Environment, Temperature

INTRODUCTION

Chemical analysis is another cornerstone of limnological studies. Scientists measure essential parameters like dissolved oxygen, pH, nutrient levels, and salinity. These factors play a critical role in determining the types of organisms that can thrive in a particular water body. High nutrient levels, for example, can trigger excessive algal growth, leading to a phenomenon called eutrophication, which disrupts the ecosystem's balance. [1]

The biological component of limnology explores the fascinating diversity of life within water bodies. From microscopic plankton that forms the base of the food web to fish, amphibians, and aquatic plants, each organism plays a specific role in the ecosystem's functioning. Limnologists study the interactions between these species, including predation, competition, and symbiosis. Understanding these relationships is vital for assessing the overall health of the water body.

Limnological studies hold immense significance in today's world. With growing concerns about water pollution, climate change, and habitat degradation, these studies provide crucial data for conservation efforts. By understanding the baseline limnological characteristics of a water body, scientists can monitor changes and identify potential threats. This information guides the development of effective management strategies to ensure the long-term health of our aquatic ecosystems.

Water bodies, from the majestic expanse of lakes to the winding paths of rivers, are the lifeblood of our planet. They harbor a complex and vibrant ecosystem, teeming with life and underpinning countless ecological processes. Limnology

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

emerges as the scientific lens through which we can gain a deeper understanding of these freshwater environments. Limnological studies delve into the physical, chemical, geological, and biological aspects of lakes, ponds, rivers, streams, wetlands, and groundwater. By unraveling these intricate interactions, limnology plays a vital role in ensuring the health and sustainability of our freshwater resources. [2]

Temperature, light penetration, and water movement are meticulously measured. Temperature fluctuations influence the distribution and abundance of aquatic life, while light penetration determines the depth at which photosynthesis can occur, impacting the overall productivity of the ecosystem. Understanding water movement, whether the gentle flow of a stream or the churning depths of a lake, is crucial as it dictates the transport of nutrients and oxygen, shaping the very fabric of the aquatic environment.

Limnology also sheds light on the chemical makeup of water bodies. The concentration of dissolved oxygen, essential for aquatic respiration, is a key parameter. Additionally, studies examine the levels of nutrients like nitrates and phosphates, which can trigger excessive algal growth, leading to a phenomenon known as eutrophication. This process can deplete oxygen levels and disrupt the delicate balance of the ecosystem. Analyzing the presence of pollutants and contaminants is another significant aspect of chemical studies, as human activities can significantly impact water quality.

The geological makeup of a water body's basin also falls under the purview of limnology. The underlying rocks and sediments influence the chemical composition of the water and provide a habitat for diverse life forms. Geomorphological features like depth, slope, and shoreline structure further shape the aquatic environment. Understanding these geological factors is essential for predicting the long-term health and evolution of water bodies.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Perhaps the most captivating aspect of limnological studies lies in exploring the biological realm. Limnologists meticulously identify and study the organisms that inhabit these freshwater ecosystems. From microscopic plankton that forms the base of the food chain to fish, amphibians, and aquatic insects, each species plays a specific role in the intricate web of life. Understanding the distribution, abundance, and interrelationships of these organisms is vital for assessing the overall health of the water body. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The knowledge gleaned from these investigations is crucial for sustainable water resource management. By understanding the complex interplay between physical, chemical, and biological factors, limnologists can provide valuable insights for developing effective conservation strategies. This information can be used to ensure clean drinking water supplies, maintain healthy fisheries, and protect the biodiversity of these vital ecosystems. [1]

By meticulously examining the physical, chemical, geological, and biological aspects of water bodies, limnology empowers us to make informed decisions for the future of our freshwater resources. As we face the challenges of climate change, pollution, and population growth, limnology will continue to be an indispensable tool for safeguarding the health and beauty of our freshwater ecosystems for generations to come. [2]

Freshwater ecosystems, like lakes, rivers, wetlands, and ponds, teem with life and play a vital role in the health of our planet. Limnology, a scientific discipline derived from the Greek words for "lake" and "study," delves into the intricate workings of these inland water bodies. Limnological studies encompass a holistic approach, examining the physical, chemical, geological, and biological characteristics that shape these aquatic environments. [3]

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

One crucial aspect of limnology is the analysis of physical parameters. This includes factors like water temperature, light penetration, and water movement. Temperature fluctuations influence the behavior and metabolism of aquatic organisms, while light penetration affects the growth of aquatic plants, which in turn forms the base of the food web. Understanding water movement, whether stagnant (lentic) in lakes or flowing (lotic) in rivers, is essential for assessing oxygen levels and nutrient transport within the ecosystem. [4]

Chemical properties are another facet of limnological studies. Scientists measure factors like pH, dissolved oxygen, and nutrient levels. These parameters influence the overall health of the water body. For instance, a healthy balance of dissolved oxygen is critical for the survival of aquatic life. Similarly, excessive nutrients can trigger algal blooms, disrupting the ecological balance. [5]

LIMNOLOGICAL STUDIES OF WATER BODIES

Studying the underlying bedrock and surrounding landforms helps understand the origin of the water body, its nutrient composition, and its vulnerability to pollution. Additionally, the study of sediments at the bottom of lakes and ponds unveils a historical record of the ecosystem, providing insights into past environmental conditions and changes.

The most fundamental role of water bodies is their association with life itself. Water is the elixir of life, composing a large portion of all living organisms and being essential for every biological function. From the microscopic workings of cells to the vast ecosystems teeming with aquatic life, water bodies provide the medium for existence. Oceans, for instance, are home to a staggering diversity of species, forming the foundation of the marine food chain. Freshwater ecosystems, like rivers and lakes, are equally crucial for both terrestrial and aquatic animals, providing them with drinking water and habitat.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Beyond sustaining life, water bodies significantly shape our environment. They regulate Earth's climate by absorbing and releasing heat, influencing weather patterns and creating diverse microclimates. The vast expanse of oceans acts as a giant heat sink, moderating global temperatures and preventing drastic fluctuations. Additionally, water bodies influence the landscape through erosion and deposition, carving canyons, shaping coastlines, and forming fertile floodplains. The mighty rivers that snake across continents have, for millennia, sculpted the very foundation of our planet.

Water bodies also play a vital role in various natural processes. They are the driving force behind the water cycle, a critical process that ensures the constant circulation and availability of freshwater. Through evaporation, transpiration, condensation, and precipitation, water bodies ensure a continuous replenishment of the Earth's freshwater resources. Additionally, wetlands, with their unique ecosystems, act as natural filters, purifying water by removing pollutants and sediments.

However, the significance of water bodies extends beyond their natural roles. Throughout history, they have been the cradle of human civilization. Early settlements flourished near rivers and lakes, relying on them for drinking water, irrigation, transportation, and trade. Even today, water bodies remain central to human societies, providing us with essential resources like food, transportation routes, and hydroelectric power. Water also plays a vital role in recreation and tourism, offering opportunities for leisure, adventure, and a connection with nature.

From sustaining life and shaping the environment to driving natural processes and supporting human societies, their significance is multifaceted. As we move forward, it is crucial to recognize the importance of protecting these fragile ecosystems. Sustainable practices, water conservation efforts, and pollution

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

control are essential to ensure the health of our water bodies and, consequently, the health of our planet and ourselves.

Beyond sustaining life, water bodies are vital for regulating the Earth's climate. Oceans act as giant heat sinks, absorbing and releasing heat energy, influencing global temperature patterns. The evaporation and condensation of water from lakes and rivers contribute to precipitation, forming the basis of the water cycle that nourishes landmasses and maintains a healthy balance.

Water bodies also shape our environment in profound ways. Rivers carve valleys and canyons, sculpting the Earth's surface over millennia. Wetlands act as natural filters, removing pollutants and maintaining water quality. The constant movement of water creates fertile floodplains, supporting agriculture and sustaining human societies.

Early settlements flourished near rivers, using them for transportation, irrigation, and trade. Oceans provided a vast highway for exploration and commerce, fostering cultural exchange and shaping the course of history. However, the significance of water bodies comes with a responsibility. Pollution from human activities threatens the health of these ecosystems. Overuse and mismanagement of water resources can lead to scarcity and disrupt delicate ecological balances.

Water bodies are not simply collections of water; they are the lifeblood of our planet. They sustain life, regulate climate, sculpt landscapes, and have driven the course of human history. As we move forward, it is imperative to recognize their vital role and adopt sustainable practices to protect these irreplaceable resources. We must ensure that these precious sources of water continue to nourish life and shape our planet for generations to come.

Biological studies form a cornerstone of limnology. Researchers identify and analyze the various plant and animal species present, from microscopic plankton

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

to fish and macroinvertebrates. Understanding the composition and structure of the biological community allows scientists to assess the health of the ecosystem and identify potential stressors.

Limnological studies hold immense significance in various aspects of water resource management. The data collected helps in:

Maintaining water quality: By understanding the natural processes and identifying potential threats like pollution, informed decisions can be made to conserve and restore water bodies.

Fisheries management: Limnological studies provide insights into fish populations, allowing for sustainable fishing practices and conservation efforts.

Biodiversity conservation: Understanding the delicate balance of the ecosystem helps develop strategies to protect endangered species and maintain healthy aquatic communities.

By unraveling the complex interplay of physical, chemical, geological, and biological factors, limnologists provide the knowledge base necessary for the sustainable management and conservation of these vital ecosystems. As human activities continue to impact freshwater resources, limnology will play an increasingly critical role in ensuring the health and future of our aquatic environment.

Conclusion

Limnological studies offer a powerful tool for unraveling the mysteries of our inland waters. By taking a holistic approach, limnologists shed light on the complex interactions that shape aquatic ecosystems. This knowledge empowers us to make informed decisions for the sustainable management and conservation of these vital resources, ensuring their continued life and the well-being of the countless species that call them home.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

REFERENCES

1. Kataria. Standard Methods for Examination of Water and Wastewater, 20th edition, American Public Health Association, Washington D.C.
2. Bharadwaj, K. and Sharma, L.L. 2019. Study of some physico-chemical characteristics of a sewage fertilized seasonal pond of Udaipur (Rajasthan). J. Env. Poll., 6(4): 255-260.
3. Bhosale, L.J., Sabale, A.B. and Mulik, N.G. 2018. Survery and Status Report on Some Wetlands of Maharashtra. Final report submitted to Shivaji University, Kolhapur. India.60p.
4. Goel, P.K., Kulkarni, A.Y. and Khatavkar, S.D. 2018. Species diverisy in phoytoplankton communities in a few freshwater bodies in south Western Maharashtra. Geobios, 15: 150-156.
5. Jackson, D.F.2019. Comparative studies on phytoplankton photosynthesis in relation to total alkalinity. Verh. Int. ver. Limnol., 14: 125-133.
6. Jhingran, V.G. 2019. Fish and Fisheries of India. Hindustan Publishing Corp. (India), Delhi.
7. Kamat, M.D. 2015. Ecological notes on Kolhapur. J. Biol. Sci., 8: 47-54.
8. Kannan, K.2020. Fundamentals of Environmental Pollution. S. Chand and Company Ltd., New Delhi

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

CLIMATE CHANGE AND GLOBAL WARMING

Mr. Rajesh Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Geography
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Climate change and global warming are two terms used interchangeably, but with a subtle difference. Climate change encompasses the long-term alteration of temperature and typical weather patterns in a place. Global warming, on the other hand, refers specifically to the planet's average temperature rising. While natural fluctuations have occurred throughout history, the current pace and scale of global warming are undeniably linked to human activities. The primary culprit is the emission of greenhouse gases, particularly carbon dioxide, from the burning of fossil fuels like coal, oil, and natural gas. These gases act like a blanket around the Earth, trapping heat from the sun and causing temperatures to rise. Deforestation, another human activity, exacerbates the problem as trees absorb carbon dioxide. The effects of climate change are already being felt worldwide. Rising sea levels threaten coastal communities and low-lying islands. Melting glaciers disrupt freshwater supplies and contribute to sea level rise. Extreme weather events, such as heatwaves, droughts, floods, and wildfires, are becoming more frequent and intense. These changes are disrupting ecosystems, displacing populations, and jeopardizing food security. The window for taking action is rapidly closing. International agreements like the Paris Agreement aim to limit global warming to well below 2 degrees Celsius, preferably to 1.5 degrees, compared to pre-industrial levels. Achieving this goal requires a significant shift towards renewable energy sources like solar, wind, and

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

geothermal power. Energy efficiency improvements and sustainable practices in agriculture and forestry are also crucial.

Keywords:

Climate, Global, Warming

INTRODUCTION

Individual actions, while seemingly small, can collectively make a difference. Reducing energy consumption at home, using public transportation or bicycles, and adopting a more plant-based diet are all steps in the right direction. Supporting businesses committed to sustainability and advocating for climate-friendly policies are equally important. Climate change is a complex challenge, but it is not insurmountable. Through international cooperation, technological innovation, and a collective shift towards a sustainable lifestyle, we can mitigate the worst effects of global warming and build a more resilient future for generations to come. Ignoring this issue is not an option. We have a moral responsibility to act now and ensure a habitable planet for ourselves and all living things. [1]

While climate change encompasses the long-term alteration of temperature and typical weather patterns in a place, global warming refers specifically to the average increase in Earth's global temperature. This rise in temperature is primarily caused by human activities that release greenhouse gases into the atmosphere. The burning of fossil fuels like coal, oil, and natural gas is the main culprit, releasing significant amounts of carbon dioxide, a potent greenhouse gas. These gases trap heat radiating from the sun, causing a gradual warming effect similar to a greenhouse. While the natural greenhouse effect is essential for maintaining a habitable planet, the excessive emissions from human activities are disrupting the delicate balance.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The consequences of climate change and global warming are far-reaching and already being felt worldwide. Rising sea levels threaten coastal communities and low-lying islands. Melting glaciers and polar ice caps contribute to sea level rise and disrupt weather patterns. Extreme weather events like heatwaves, droughts, floods, and wildfires are becoming more frequent and intense. These changes have a cascading effect, impacting ecosystems, agriculture, food security, and human health. Despite the severity of the situation, there is still hope. The scientific community has overwhelmingly confirmed the human influence on climate change. International agreements like the Paris Agreement aim to reduce greenhouse gas emissions and limit global warming to well below 2 degrees Celsius compared to pre-industrial levels. [2]

Transitioning to renewable energy sources like solar, wind, and geothermal power is crucial. Improving energy efficiency in buildings, industries, and transportation can significantly reduce emissions. Additionally, protecting and restoring forests plays a vital role, as trees act as natural carbon sinks. Individual actions, while seemingly small, can collectively make a difference. Reducing our reliance on fossil fuels through carpooling, using public transport, or switching to electric vehicles can contribute. Conserving energy at home, adopting sustainable practices, and supporting businesses committed to environmental responsibility are all steps in the right direction.

Climate change and global warming are complex issues, but the solutions are achievable. By acknowledging the urgency of the situation, fostering international cooperation, embracing clean energy technologies, and adopting sustainable practices, we can mitigate the worst effects of climate change and ensure a healthier planet for future generations. The primary driver of global warming is the enhanced greenhouse effect. Certain gases in the atmosphere, like carbon dioxide and methane, act like a blanket, trapping heat from the sun and warming the planet. The burning of fossil fuels for energy production, deforestation, and industrial processes are the major sources of these greenhouse gases. As these

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

emissions accumulate, the Earth's temperature rises, disrupting delicate natural balances. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The consequences of climate change are already being felt worldwide. Rising sea levels threaten coastal communities, while more frequent and intense heat waves, droughts, floods, and wildfires wreak havoc on ecosystems and societies. Melting glaciers disrupt freshwater supplies, impacting agriculture and human settlements. Furthermore, changing weather patterns affect crop yields, leading to food insecurity and potential mass migrations. [1]

The urgency of addressing climate change cannot be overstated. The longer we delay action, the more severe the consequences will become. To mitigate this crisis, a global shift towards sustainable practices is crucial. Transitioning to renewable energy sources like solar, wind, and geothermal power can significantly reduce greenhouse gas emissions. Promoting energy efficiency through technological advancements and behavioral changes can further reduce our carbon footprint. [2]

Protecting and restoring forests is equally important as trees absorb carbon dioxide from the atmosphere. Additionally, sustainable agricultural practices and responsible land management can help reduce emissions and increase carbon sequestration. [3]

Addressing climate change requires a collective effort on all levels. Governments need to implement strong environmental regulations and invest in renewable energy infrastructure. Businesses must adopt sustainable practices and develop low-carbon technologies. Individuals can make a difference by reducing their

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

carbon footprint through energy-efficient choices in transportation, consumption, and waste management. [4]

Global warming, the sustained increase in Earth's average temperature, is the driving force behind climate change. It acts as the primary culprit, disrupting weather patterns, altering ecosystems, and posing a significant threat to the planet's stability. [5]

CLIMATE CHANGES AND GLOBAL WARMING

The most direct consequence of global warming is the rise in global temperatures. This seemingly small change has a cascading effect. Warmer air holds more moisture, leading to more intense precipitation events and floods in some regions, while others experience prolonged droughts due to shifting weather patterns. This disrupts agricultural production and water security, jeopardizing food supplies and livelihoods.

Global warming also significantly impacts our oceans. As temperatures rise, ocean waters absorb more heat, causing thermal expansion and contributing to rising sea levels. This threatens coastal communities with increased flooding and erosion, displacing populations and salinating freshwater sources. Marine ecosystems are not spared either. Coral reefs, vital for marine biodiversity, are particularly vulnerable to rising ocean temperatures and acidification, leading to coral bleaching and death. This destruction of crucial habitats disrupts entire food chains and weakens coastal protection against storms and waves.

The increased intensity of extreme weather events is another hallmark of climate change driven by global warming. Heat waves become more frequent and severe, wildfires rage with greater ferocity, and storms like hurricanes and typhoons gain destructive power. These events cause widespread damage to infrastructure, displace communities, and threaten lives. Global warming doesn't just alter physical landscapes; it disrupts the delicate balance of life on Earth.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Rising temperatures push plant and animal species beyond their tolerance limits, forcing migrations and causing extinctions. This loss of biodiversity weakens ecosystems and disrupts the natural services they provide, impacting everything from air and water purification to pollination.

From rising sea levels and extreme weather events to disruptions in ecosystems and biodiversity loss, the consequences are severe and pose a global challenge. Addressing climate change necessitates a concerted effort to curb greenhouse gas emissions and adopt sustainable practices. The future of our planet and its inhabitants hinges on our ability to mitigate the effects of global warming and adapt to the inevitable changes it brings.

One of the most prominent impacts of global warming is the rising sea level. As temperatures climb, polar ice caps and glaciers melt at an alarming rate, adding significant volumes of water to the oceans. This rise in sea level not only threatens coastal communities with inundation but also salinates freshwater sources, disrupting ecosystems and agriculture in these regions.

Global warming also disrupts weather patterns. It intensifies the hydrological cycle, leading to more extreme weather events. Heatwaves become more frequent and severe, causing droughts in some areas and fueling wildfires. Conversely, other regions experience heavier precipitation, leading to floods and landslides. These weather extremes wreak havoc on infrastructure, agriculture, and human health. The impact of global warming extends to the very foundation of life on Earth - our oceans. Warming oceans disrupt delicate marine ecosystems, leading to coral bleaching and the decline of fish populations. This has a domino effect, impacting food security and livelihoods for millions who depend on the oceans.

Global warming also disrupts the intricate balance of plant and animal life. As temperatures rise, species are forced to migrate to cooler regions, struggling to adapt to their rapidly changing environments. This can lead to mass extinctions

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

and the disruption of entire ecosystems. The consequences of global warming are not merely environmental; they have a profound social and economic impact. Rising sea levels and extreme weather events displace communities, disrupt food production, and exacerbate poverty. Climate change is a threat multiplier, intensifying existing social and economic inequalities.

Its imprint on climate change is undeniable, causing a multitude of problems that threaten the future of our planet. Addressing climate change requires immediate and collective action to curb greenhouse gas emissions and mitigate the worst effects of global warming. By transitioning to renewable energy sources, adopting sustainable practices, and investing in adaptation strategies, we can build a more resilient future for ourselves and generations to come. The primary culprit behind global warming is the emission of greenhouse gases, like carbon dioxide and methane, primarily a consequence of human activities. The burning of fossil fuels for energy generation, deforestation, and industrial processes all contribute significantly. These gases act like a blanket around Earth, trapping heat and causing temperatures to rise.

The consequences of this warming are far-reaching. Rising temperatures are causing glaciers and ice sheets to melt at an alarming rate, leading to sea level rise. This not only threatens coastal communities with flooding but also disrupts delicate ocean currents that influence global climate patterns. Extreme weather events are becoming more frequent and intense. Heatwaves are becoming longer and more severe, while droughts are gripping regions that were once fertile. Conversely, other areas are experiencing heavier precipitation, leading to floods and landslides. These disruptions to weather patterns wreak havoc on agriculture, displacing communities and jeopardizing food security.

Climate change is also impacting ecosystems. Rising sea temperatures lead to coral bleaching and death, jeopardizing the health of marine ecosystems. Changes in precipitation patterns disrupt plant and animal life cycles, forcing

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

some species to migrate or adapt, while others struggle to survive. The human cost of climate change is also becoming evident. Heat-related illnesses are on the rise, while extreme weather events displace populations and strain infrastructure. Food and water scarcity, fueled by climate change, can lead to conflicts and social unrest. The good news is that we can still mitigate the worst effects of climate change. Transitioning to renewable energy sources, implementing sustainable forestry practices, and reducing greenhouse gas emissions are crucial steps. International cooperation and strong climate policies are essential to address this global challenge.

Conclusion

Climate change and global warming pose a grave threat to the planet's health and the well-being of future generations. By acknowledging the urgency of this issue and implementing a comprehensive plan that integrates technological advancements, sustainable practices, and individual responsibility, we can strive for a future where humanity and nature can co-exist in harmony. The time for action is now, and the choices we make today will determine the fate of our planet.

REFERENCES

1. Leahy, Stephen (2019). "Climate change driving entire planet to dangerous 'global tipping point'". *National Geographic*.
2. Carrington, Damian (2019). "Climate emergency: world 'may have crossed tipping points'". *The Guardian*
3. Lenton, Timothy M.; Rockström, Johan; Gaffney, Owen; Rahmstorf, Stefan; Richardson, Katherine; Steffen, Will; Schellnhuber, Hans Joachim (2019). "Climate tipping points — too risky to bet against". *Nature*. **575** (7784): 592–595.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

4. Carrington, Damian (2021). "Climate tipping points could topple like dominoes, warn scientists". *The Guardian*. Archived from the original on 7 June 2021.
5. Simon (2018). "Cascading regime shifts within and across scales". *Science*. **362** (6421): 1379–1383
6. Watts, Jonathan (2018). "Risks of 'domino effect' of tipping points greater than thought, study says". *The Guardian*. Archived from the original on 7 February 2019
7. Arias, Paola A.; Bellouin, Nicolas; Coppola, Erika; Jones, Richard G.; et al. (2021). "Technical Summary" (PDF). *Climate Change 2021: The Physical Science Basis. Contribution of Working Group I to the Sixth Assessment Report of the Intergovernmental Panel on Climate Change*. p. 106.
8. Carrington, Damian (2020). "Global heating will push billions outside 'human climate niche'". The Guardian. Retrieved 1 June 2020.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

SOME THEORETICAL STUDIES OF MULTIPLE ORDERING IN F-ELECTRON SYSTEMS

Mr. Ravi Kumar
Assistant Professor,
Department of Physics
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

The realm of f-electron systems, encompassing materials with partially filled f-electron shells, presents a captivating landscape for condensed matter physics due to the interplay of various interactions that govern their fascinating properties. These materials exhibit a rich tapestry of magnetic, electronic, and structural orders, often coexisting or competing with one another. Unveiling the theoretical underpinnings of these complex ordering phenomena is crucial for not only comprehending the fundamental physics at play but also for designing novel materials with tailored properties. One prominent theoretical approach to studying multiple ordering in f-electron systems is the use of Heisenberg models. These models capture the magnetic interactions between localized f-electrons via spin exchange terms. By incorporating additional interactions, such as crystal field anisotropy and exchange-striction effects, the model's Hamiltonian can be tailored to represent specific f-electron materials. Diagonalization techniques or Monte Carlo simulations are then employed to solve the model and determine the ground state and low-energy excitations, revealing the nature of the magnetic order that emerges. Another powerful theoretical framework is the coherent potential approximation (CPA). This method proves adept at treating systems with disorder, a ubiquitous feature in real materials. By averaging over random distributions of f-electron energies, the CPA allows researchers to calculate the average properties of the system, including the magnetic susceptibility and

electrical resistivity. This approach offers valuable insights into how disorder modulates the magnetic order and electronic behavior in f-electron systems.

Keywords:

Multiple, Ordering, F-Electron, Systems

INTRODUCTION

Recent theoretical studies have delved into the fascinating realm of quantum fluctuations. These fluctuations, arising from the wave-particle duality of electrons, can significantly influence the magnetic order in f-electron systems. Techniques like dynamical mean-field theory (DMFT) offer a powerful approach to incorporate quantum fluctuations into the theoretical framework. DMFT maps the lattice problem onto a single-impurity problem embedded in a bath, allowing researchers to treat the strong correlations between f-electrons and account for the impact of quantum fluctuations on the magnetic order. [1]

The emergence of unconventional superconductivity in some f-electron systems necessitates the incorporation of electron-phonon coupling into the theoretical framework. This coupling describes how the motion of ions in the lattice can mediate the attraction between electrons, leading to the formation of Cooper pairs and the onset of superconductivity. By including electron-phonon coupling in models alongside magnetic interactions, researchers can explore the interplay between magnetism and superconductivity in these materials, aiming to elucidate the conditions that favor the coexistence or competition of these ordered states.

The realm of f-electron systems, encompassing materials with partially filled f-electron shells, presents a captivating landscape for condensed matter physics. These systems exhibit a fascinating interplay of various ordering phenomena, including magnetism, superconductivity, and unconventional electronic ground

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

states. Unveiling the theoretical underpinnings of these intricate materials is crucial for not only comprehending their fundamental properties but also for designing novel materials with tailored functionalities. [2]

One of the central challenges in f-electron systems lies in the coexistence and competition of multiple ordered states. These materials often display a delicate balance between various interactions, such as the Kondo effect, Ruderman-Kittel-Kasuya-Yosida (RKKY) interactions, and crystal field effects. The Kondo effect describes the tendency of localized f-electrons to form a spin singlet state with conduction electrons, effectively quenching their magnetic moments. In contrast, RKKY interactions mediate long-range magnetic order between f-electrons, favoring ferromagnetic or antiferromagnetic arrangements. Crystal field effects, arising from the interaction of f-electrons with the surrounding lattice, can further influence the ground state by splitting the f-electron energy levels.

Theoretical studies play a vital role in elucidating the interplay between these competing interactions and predicting the emergence of various ordered states in f-electron systems. A powerful tool in this endeavor is the Single-Ion Anisotropy (SIA) model, which incorporates the crystal field effects and the intrinsic magnetic anisotropy of the f-electrons. This model allows researchers to calculate the energy landscape of the system for different magnetic configurations and identify the ground state that minimizes the total energy.

Magnetic ordering refers to the phenomenon where the individual magnetic moments of atoms within a material align in a specific configuration at low temperatures. This alignment arises due to the exchange interaction, a quantum mechanical interaction that dictates the energetic preference for parallel or antiparallel alignment of magnetic moments. In f-electron systems, several types of magnetic ordering can be observed, including:

Ferromagnetism: In a ferromagnetic state, all magnetic moments are aligned in the same direction, leading to a strong net magnetization.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Antiferromagnetism: Here, neighboring magnetic moments are aligned antiparallel, resulting in a cancellation of the net magnetization on a macroscopic scale.

Ferrimagnetism: This type of ordering is akin to antiferromagnetism, but the magnitudes of the antiparallel moments differ, leading to a net magnetization.

These magnetic ordering phenomena can have a profound impact on the electrical and transport properties of f-electron systems. For instance, ferromagnetic materials exhibit spontaneous magnetization, while antiferromagnetic materials can be insulating or semiconducting. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

Advanced theoretical frameworks like Density Functional Theory (DFT) and Dynamical Mean-Field Theory (DMFT) can provide a more comprehensive description of the electronic structure and magnetic properties of f-electron systems. DFT, by solving the Kohn-Sham equations, offers an ab initio approach to calculating the ground state properties of a material. However, DFT often struggles to capture the strong correlations between f-electrons. DMFT bridges this gap by incorporating these correlations into the theoretical framework, providing a more accurate description of the complex magnetic behavior observed in f-electron materials. [1]

Recent theoretical studies have delved into exploring the rich phase diagrams of f-electron systems using these sophisticated methods. These investigations have revealed the existence of various exotic ordered states, including multipolar ordering, where the f-electrons exhibit not only magnetic moment ordering but also higher-order electric or orbital order. [2]

Theoretical calculations have predicted the possibility of quantum critical phenomena arising near the boundaries between different ordered phases.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

These quantum critical points are characterized by enhanced fluctuations and exotic ground states, offering exciting avenues for further research. [3]

Multiple ordering in f-electron systems are essential for comprehending the intricate interplay of interactions that govern their fascinating properties. By employing advanced models and frameworks, researchers are continuously unraveling the complex energy landscapes of these materials and predicting the emergence of novel ordered states. These theoretical advancements pave the way for the design of next-generation materials with tailored functionalities, potentially leading to breakthroughs in various technological applications. [4]

THEORETICAL STUDIES OF MULTIPLE ORDERING IN F-ELECTRON SYSTEMS

Understanding the interplay between various interactions that govern the ordering behavior in f-electron systems necessitates robust theoretical frameworks. Here, we will discuss some prominent theoretical approaches:

Crystal Field Theory (CFT): This theory considers the electrostatic interaction between the f-electrons and the surrounding ions. CFT helps predict the splitting of f-electron energy levels, which can significantly influence magnetic anisotropy and ordering temperatures.

Hund's Rule Coupling: This rule dictates the preference for electrons to occupy orbitals with the same spin orientation before pairing them in opposite spins. Hund's rule coupling plays a crucial role in determining the total spin state of an f-electron configuration.

Superexchange Interaction: This indirect exchange interaction between f-electrons is mediated by intervening ligand ions. Superexchange interactions can

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

be either ferromagnetic or antiferromagnetic, depending on the specific material and orbital occupancy.

These theoretical frameworks are often combined using techniques like density functional theory (DFT) to model the complex interplay between various interactions and predict the ground state ordering behavior of f-electron systems. Additionally, advanced computational methods like dynamical mean-field theory (DMFT) can be employed to simulate the evolution of ordered states with temperature or other external parameters.

By employing a combination of theoretical frameworks and computational techniques, researchers are continuously striving to improve our understanding and predict the emergence of novel ordered states with tailored functionalities. This ongoing research holds immense potential for the development of new magnetic materials with applications in spintronics, data storage, and other technological advancements.

One of the most captivating applications of MO lies in understanding the magnetism of f-electron systems. These materials often exhibit a rich tapestry of magnetic behaviors, ranging from ferromagnetism, where all magnetic moments align in the same direction, to antiferromagnetism, where neighboring moments order antiparallel to each other. MO offers a nuanced perspective by recognizing the influence of both orbital ordering and spin ordering. For instance, in materials like Nd2Fe14B, a permanent magnet crucial for technological applications, MO successfully captures the interplay between the magnetic ordering of the Nd ions and the orbital ordering of the Fe ions, leading to a comprehensive understanding of its exceptional magnetic properties.

MO proves to be an indispensable tool in unraveling the complexities of superconductivity in f-electron systems. Certain f-electron materials, like the heavy-fermion superconductors, exhibit superconductivity at remarkably high temperatures. MO sheds light on the delicate interplay between magnetism and

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

superconductivity in these materials. By incorporating the competition between various ordering tendencies, MO paves the way for the development of novel materials with enhanced superconducting properties.

The realm of electronic properties in f-electron systems also benefits significantly from the application of MO. The f-electrons, with their localized nature and strong correlation effects, can give rise to a variety of fascinating electronic phenomena, including Kondo insulating states and valence fluctuations. MO provides a theoretical framework to describe the competition between localized and itinerant character of the f-electrons, offering valuable insights into the emergence of these exotic electronic states.

Multiple Ordering serves as a cornerstone for comprehending the rich tapestry of phenomena observed in f-electron systems. From magnetism and superconductivity to electronic properties, MO offers a powerful theoretical tool to describe the intricate interplay between various interactions and the emergence of diverse ordered states. As research in f-electron systems continues to flourish, MO holds immense promise for guiding the discovery and design of novel materials with tailored properties for technological advancements.

One prominent application of Multiple Ordering lies in the realm of magnetism. In certain f-electron materials, a hierarchy of magnetic ordering transitions can be observed. For instance, the material might undergo antiferromagnetic ordering at a higher temperature, followed by a subsequent ferromagnetic ordering at a lower temperature. This arises due to the competition between different magnetic interactions within the f-electrons. By manipulating the delicate balance between these interactions through external stimuli like pressure or magnetic fields, scientists can achieve a fine-tuned control over the magnetic properties of these materials. This controllability paves the way for the design of materials with switchable magnetic states, which are crucial for applications in magnetic random-access memory (MRAM) and spintronics devices.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Another fascinating application of Multiple Ordering is the emergence of unconventional superconductivity. Superconductivity, a phenomenon where electrical resistivity vanishes below a critical temperature, is often accompanied by the condensation of electrons into Cooper pairs. In f-electron superconductors, the interplay between magnetism and superconductivity mediated by the f-electrons can lead to the formation of unconventional Cooper pairs with exotic properties. These unconventional superconductors can exhibit much higher critical temperatures compared to their conventional counterparts, bringing us closer to the dream of room-temperature superconductivity.

Multiple Ordering also plays a key role in the development of materials with strong magnetoelastic coupling. In such materials, the application of a magnetic field can induce a strain in the lattice, and conversely, mechanical stress can alter the magnetic properties. This magnetoelastic coupling is particularly pronounced in systems where multiple orderings coexist. By exploiting this coupling, scientists can design materials that exhibit large magnetoresistance, a property where the electrical resistance changes significantly in response to a magnetic field. This characteristic finds applications in magnetic field sensors and data storage devices.

The realm of quantum materials research is another exciting frontier where Multiple Ordering holds immense potential. Certain f-electron materials exhibit quantum criticality, a regime where fluctuations associated with a phase transition become critically large. In the vicinity of quantum critical points, materials can display exotic phenomena like non-Fermi liquid behavior and emergent magnetism. Understanding the interplay between Multiple Ordering and quantum criticality can lead to the discovery of novel quantum materials with properties that defy conventional physics.

Conclusion

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Theoretical studies of multiple ordering in f-electron systems encompass a diverse array of approaches, each offering valuable insights into the intricate interplay of magnetic, electronic, and structural interactions. From Heisenberg models capturing the essence of spin exchange to the CPA treating disorder effects and DMFT incorporating quantum fluctuations, these theoretical tools provide a powerful arsenal for researchers to unravel the mysteries of f-electron systems and pave the way for the design of novel materials with exotic properties. By continually refining and expanding these theoretical frameworks, scientists can push the boundaries of our understanding and usher in a new era of f-electron-based materials with tailored functionalities.

REFERENCES

1. T. Hotta, "Orbital ordering phenomena in d- and f-electron systems," Reports on Progress in Physics, vol. 69, no. 7, article R02, pp. 2061–2155, 2016.

2. T. Hotta, "Orbital ordering phenomena in d- and f-electron systems," Reports on Progress in Physics, vol. 69, no. 7, article R02, pp. 2061–2155, 2016.

3. P. Santini, S. Carretta, G. Amoretti, R. Caciuffo, N. Magnani, and G. H. Lander, "Multipolar interactions in f-electron systems: the paradigm of actinide dioxides," Reviews of Modern Physics, vol. 81, no. 2, pp. 807–863, 2019.

4. Y. Tokunaga, Y. Homma, S. Kambe et al., "NMR evidence for triple-q; multipole structure in NpO2," Physical Review Letters, vol. 94, no. 13, Article ID 137209, 2015

5. K. Kubo and T. Hotta, "Microscopic theory of multipole ordering in NpO2," Physical Review B, vol. 71, no. 14, Article ID 140404, 2015.

6. P. Santini, S. Carretta, N. Magnani, G. Amoretti, and R. Caciuffo, "Hidden order and low-energy excitations in NpO2," Physical Review Letters, vol. 97, no. 20, Article ID 207203, 2016.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

7. Suzuki, N. Magnani, and P. M. Oppeneer, "Firstprinciples theory of multipolar order in neptunium dioxide," Physical Review B, vol. 82, no. 24, Article ID 241103, 2019.

8. H. Sato, H. Sugawara, Y. Aoki, and H. Harima, "Magnetic properties of filled skutterudites," in Handbook of Magnetic Materials, K. H. J. Buschow, Ed., vol. 18, pp. 1–110, Elsevier, Amsterdam, The Netherlands, 2019.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

मनुष्य जीवन में रामायण का योगदान

Dr. Raviranjan Kumar Mishra
Assistant Professor,
Department of Sanskrit
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

सार

रामायण, ऋषि वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य, न केवल भारतीय साहित्य का अमूल्य रत्न है, अपितु मनुष्य जीवन के लिए मार्गदर्शक भी है। यह आदर्शों, नीतिशास्त्र और जीवन जीने के तरीकों का भण्डार है, जो आज भी प्रासंगिक है। रामायण में भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और भरत जैसे आदर्श चरित्रों के माध्यम से मर्यादा पुरुषोत्तम, पतिव्रता, भाईचारा, भक्ति और सेवाभाव जैसे मूल्यों का चित्रण किया गया है। इन चरित्रों से प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन में सदाचार, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का पालन कर सकते हैं। रामायण कर्म और कर्तव्य की महत्ता पर बल देती है। भगवान राम, वनवास सहित सभी कठिनाइयों का सामना करते हुए, अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। यह हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी चुनौतियां आएं, हमें सदैव अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, मर्यादा और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि हमें सदैव अपनी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए और अनुशासित जीवन जीना चाहिए। रामायण भक्ति और विश्वास का महाकाव्य है। भगवान राम के प्रति हनुमान की अटूट भक्ति और विश्वास, हमें प्रेरणा देती है कि हमें कठिन परिस्थितियों में भी ईश्वर पर भरोसा रखना चाहिए। रामायण सत्य और न्याय की स्थापना पर बल देती है। भगवान राम रावण का वध कर धरती पर सत्य और न्याय की स्थापना करते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमें सदैव सत्य का पक्ष लेना चाहिए और अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

कीवर्ड

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

मनुष्य, जीवन, रामायण

परिचय

रामायण मनुष्य जीवन के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शक है। यह हमें सदाचार, कर्म, कर्तव्य, मर्यादा, भक्ति, विश्वास, सत्य और न्याय जैसे मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देती है। रामायण के आदर्श चरित्र और शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और हमें एक बेहतर जीवन जीने में सहायता करती हैं। रामायण का भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला और जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह न केवल भारत में, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य देशों में भी लोकप्रिय है। रामायण के पात्र और घटनाएं अनेक कलाकृतियों, जैसे मूर्तियों, चित्रों, नाटकों और फिल्मों में चित्रित की गयी हैं।

रामायण आज भी हमारे जीवन में प्रासंगिक है। यह हमें सदाचार, कर्म, कर्तव्य, मर्यादा, भक्ति, विश्वास, सत्य और न्याय जैसे मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देती है। रामायण के आदर्श चरित्र और शिक्षाएं हमें एक बेहतर जीवन जीने में सहायता करती हैं। रामायण, वाल्मीकि द्वारा रचित एक महाकाव्य, न केवल भारतीय साहित्य का शानदार रत्न है, बल्कि मनुष्य जीवन के लिए मार्गदर्शन का अमूल्य स्रोत भी है। यह ग्रंथ आदर्श जीवन जीने के अनेक सद्गुणों और मूल्यों का शिक्षण प्रदान करता है, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

रामायण सत्य, नीति, और कर्म के महत्व पर बल देता है। भगवान राम, मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में, सदैव सत्य का पालन करते हैं और कर्मठता से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं। यह हमें सिखाता है कि जीवन में कठिनाइयां आने पर भी हमें सदैव सत्य का मार्ग अपनाना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन पूरी लगन और निष्ठा से करना चाहिए।

रामायण पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक बंधनों का महत्व दर्शाता है। भगवान राम परिवार के प्रति समर्पित पुत्र, पति और भाई हैं। वे सदैव अपने परिवार और समाज के हित को सर्वोपरि रखते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमें अपने परिवार और समाज के प्रति सदैव कर्तव्यनिष्ठ रहना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

रामायण त्याग और बलिदान की भावना को प्रेरित करता है। भगवान राम, राजा होने के सुख-सुविधाओं का त्याग करके वनवास स्वीकार करते हैं। यह हमें सिखाता है कि जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें त्याग और बलिदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए। रामायण भक्ति और प्रेम की शक्ति का महिमामंडन करता है। भगवान राम के प्रति हनुमान जी की अटूट भक्ति और सीता जी का अटूट प्रेम हमें प्रेरणा देता है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सच्चा सुख भक्ति और प्रेम से ही प्राप्त होता है। रामायण कर्मफल और विजय के सिद्धांत पर बल देता है। रावण के अत्याचारों का अंत और भगवान राम की विजय हमें सिखाती है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है और पाप का नाश होता है।

रामायण का मनुष्य जीवन में अमूल्य योगदान है। यह हमें सत्य, नीति, कर्म, परिवार, समाज, त्याग, बलिदान, भक्ति, प्रेम, कर्मफल और विजय जैसे अनेक सद्गुणों और मूल्यों का शिक्षण प्रदान करता है। रामायण के आदर्श चरित्र सदैव हमारे लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। रामायण, महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित एक महाकाव्य, न केवल भारतीय साहित्य का शानदार रत्न है, अपितु मनुष्य जीवन के मार्गदर्शन हेतु एक अमूल्य ग्रंथ भी है। यह ग्रंथ आदर्श जीवन जीने की कला, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के चरित्र के माध्यम से सिखाता है। रामायण का मानव जीवन में अनेक प्रकार का योगदान है, जिनमें से कुछ प्रमुख योगदान इस प्रकार हैं:

रामायण सत्य, धर्म, न्याय, प्रेम, करुणा, क्षमा, त्याग, बलिदान, और कर्तव्यनिष्ठा जैसे अनेक नैतिक मूल्यों का शिक्षण देती है। भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, और भरत जैसे पात्र इन सभी गुणों के आदर्श उदाहरण हैं। रामायण हमें सिखाती है कि जीवन में इन मूल्यों का पालन करके हम एक आदर्श जीवन जी सकते हैं। रामायण सामाजिक जीवन में मर्यादा और अनुशासन स्थापित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह हमें सिखाती है कि हमें समाज के सभी सदस्यों के प्रति आदर और प्रेम का भाव रखना चाहिए, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, या लिंग के हों। रामायण में वर्णित विभिन्न पात्रों के माध्यम से हमें विभिन्न सामाजिक स्थितियों का सामना करने के तरीके भी सिखाए गए हैं।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

रामायण में अध्यात्मिक ज्ञान के अनेक गूढ़ रहस्य छुपे हुए हैं। यह हमें सिखाती है कि जीवन का परम लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है, जिसे हम कर्म, भक्ति, और ज्ञान योग के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। रामायण में वर्णित विभिन्न कथाएं और उपदेश हमें आध्यात्मिक जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं।

मनुष्य जीवन में रामायण का योगदान

रामायण मनुष्य जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रेरणा का स्रोत है। भगवान राम के जीवन चरित्र से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं माननी चाहिए और सदैव अपने कर्तव्यों का पालन करते रहना चाहिए। रामायण में वर्णित विभिन्न भक्तों और ऋषियों की कथाएं भी हमें प्रेरणा देती हैं कि हम कैसे भगवान की भक्ति और आत्म-साक्षात्कार प्राप्त कर सकते हैं।

रामायण भारत की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है। यह ग्रंथ हमारी संस्कृति, परंपराओं, और मूल्यों को दर्शाता है। रामायण के विभिन्न पात्र, घटनाएं, और शिक्षाएं आज भी हमारे जीवन में प्रासंगिक हैं। रामायण को पढ़ने और सुनने से हमें अपनी संस्कृति और विरासत के बारे में जानने में मदद मिलती है। रामायण मनुष्य जीवन के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शक है। यह ग्रंथ हमें सिखाता है कि कैसे हम एक आदर्श जीवन जी सकते हैं, समाज में योगदान दे सकते हैं, और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। रामायण न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, अपितु जीवन जीने की कला का भी एक सार्वभौमिक ग्रंथ है।

रामायण, ऋषि वाल्मीकि द्वारा रचित एक महाकाव्य, न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि नैतिक मूल्यों का खजाना भी है। यह महाकाव्य भगवान राम, उनके जीवन और उनके परिवार के सदस्यों की कहानियों के माध्यम से सदाचार, कर्तव्य, त्याग, प्रेम, करुणा, क्षमा और सत्य जैसे अनेक नैतिक मूल्यों का शिक्षण देता है। रामचरितमानस में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है, अर्थात आदर्श पुरुष। उनका जीवन आदर्शों और नैतिकता का प्रतीक है। सत्य रामायण का आधार है। भगवान राम सदैव सत्य का पालन करते थे, चाहे परिणाम कुछ भी हो। राम अपने कर्तव्यों के

प्रति समर्पित थे। उन्होंने वनवास, पत्नी सीता का अपहरण, और रावण से युद्ध जैसे कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का पालन किया। राम ने अपनी प्रिय रानी सीता और अयोध्या के सिंहासन का त्याग करके वनवास स्वीकार किया।

राम अपने परिवार, मित्रों और सभी प्राणियों के प्रति प्रेम और करुणा से भरे हुए थे। रावण के वध के बाद भी, राम ने विभीषण को क्षमा कर दिया और उन्हें लंका का राजा बना दिया। रावण से युद्ध में राम ने अदम्य शौर्य और वीरता का प्रदर्शन किया। राम सदैव न्यायप्रिय शासक रहे और उन्होंने अपनी प्रजा का सदैव न्यायपूर्ण शासन किया। रामायण में नारी पात्र भी आदर्शों और नैतिकता का प्रतीक हैं। सीता, सावित्री, और मंदोदरी जैसी पात्र अपनी पतिव्रता, त्याग और धैर्य के लिए प्रसिद्ध हैं। रामायण में सत्य और धर्म को जीवन का सर्वोच्च आदर्श माना गया है। भगवान राम सदैव सत्य की राह पर चलते हैं, चाहे इसके लिए उन्हें कितने भी कष्ट क्यों न उठाने पड़ें। वनवास जाना, पत्नी सीता का अपहरण होना, और रावण से युद्ध करना - इन सभी परिस्थितियों में भी उन्होंने सत्य और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा।

कर्तव्य और त्याग रामायण के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भगवान राम अपने पिता राजा दशरथ के वचन का पालन करने के लिए वनवास जाते हैं। सीता माता भी पति के साथ वनवास का कष्ट सहन करती हैं। लक्ष्मण जी अपने बड़े भाई की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। हनुमान जी भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति और कर्तव्य के लिए अनेक कठिन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं। क्षमा और दया रामायण में सिखाए गए महत्वपूर्ण मूल्यों में से हैं। भगवान राम रावण का वध करने के बाद भी उसके प्रति क्षमा का भाव रखते हैं। रामायण प्रेम और भक्ति का ग्रंथ है। भगवान राम और सीता का प्रेम अद्वितीय और आदर्श है। हनुमान जी भगवान राम के प्रति अपनी अटूट भक्ति के लिए जाने जाते हैं। मर्यादा रामायण का मूल स्वर है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाते हैं क्योंकि वे हर परिस्थिति में मर्यादा का पालन करते हैं।

रामायण में सिखाए गए नैतिक मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने कि सदियों पहले थे। ये मूल्य हमें एक आदर्श जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं और हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य, त्याग, क्षमा, दया, प्रेम, भक्ति, और मर्यादा जैसे गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। रामायण न केवल एक

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि जीवन जीने की कला का एक सच्चा मार्गदर्शक भी है। यदि हम रामायण में सिखाए गए नैतिक मूल्यों को अपना लें तो हम निश्चित रूप से एक बेहतर जीवन जी सकते हैं। रामायण, हिन्दू धर्म का एक महान महाकाव्य, न केवल एक मनोरंजक कहानी है, बल्कि जीवन जीने के अनेक मूल्यों और शिक्षाओं का खजाना भी है। रामायण में परिवार और समाज के प्रति अनेक महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी गई हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

परिवार के प्रति शिक्षाएं:

प्रेम और बंधन: रामायण में परिवार को प्रेम और बंधन का प्रतीक माना गया है। भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के बीच का प्रेम अटूट और आदर्श है। वे सभी परिस्थितियों में एक दूसरे का साथ देते हैं।

कर्तव्य और त्याग: परिवार के सदस्यों के प्रति कर्तव्यों का पालन करना रामायण का महत्वपूर्ण शिक्षण है। भगवान राम ने अपने पिता दशरथ के वचन का पालन करते हुए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया।

सम्मान और आदर: रामायण में बड़ों का सम्मान और आदर करना सिखाया गया है। भगवान राम ने सदैव अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान किया।

संयुक्त परिवार: रामायण में संयुक्त परिवार व्यवस्था को प्रोत्साहित किया गया है। भगवान राम के परिवार में सभी सदस्य मिलजुलकर रहते थे और एक दूसरे का सहयोग करते थे।

समाज के प्रति शिक्षाएं:

समाज सेवा: रामायण में समाज सेवा को पुण्य का कार्य माना गया है। भगवान राम ने वनवास के दौरान अनेक लोगों की सेवा की और उन्हें रावण के अत्याचार से मुक्ति दिलाई।

समानता और न्याय: रामायण में सभी लोगों को समान माना गया है। जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

सत्य और नीति: रामायण में सत्य और नीति का पालन करना जीवन का आधार बताया गया है। भगवान राम सदैव सत्यवादी और नीतिपरायण रहे।

क्षमा और दया: रामायण में क्षमा और दया को महान गुण बताया गया है। भगवान राम ने अपने शत्रुओं को भी क्षमा किया और उन पर दया दिखाई।

रामायण में परिवार और समाज के प्रति अनेक महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी गई हैं। इन शिक्षाओं का पालन करके हम एक आदर्श परिवार और समाज का निर्माण कर सकते हैं। रामायण सदैव प्रासंगिक रहेगी और हमें जीवन जीने की सही राह दिखाती रहेगी। रामायण, हिन्दू महाकाव्यों में से एक, न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, अपितु जीवन जीने की कला का भी सार है। इस महाकाव्य में भगवान राम के जीवन चरित्र के माध्यम से अनेक मूल्यों और आदर्शों का प्रतिपादन किया गया है, जिनमें सत्य और न्याय सर्वोपरि हैं।

सत्य:

- रामायण में सत्य को सर्वोच्च धर्म माना गया है। भगवान राम सदैव सत्यवादी थे, चाहे परिणाम कुछ भी हो।
- वनवास का कष्ट सहना, सीता हरण के अपमान का सामना करना, रावण से युद्ध करना - इन सभी परिस्थितियों में भी उन्होंने सत्य का मार्ग कभी नहीं छोड़ा।
- उनका जीवन मंत्र था "सत्यमेव जयते" - सत्य की ही हमेशा विजय होती है।
- रामायण सिखाती है कि सत्य का पालन कठिन परिस्थितियों में भी करना चाहिए, क्योंकि सत्य ही हमें सच्चा सुख और संतोष प्रदान करता है।

न्याय:

- रामायण में न्याय का अर्थ केवल कानून का पालन करना ही नहीं, अपितु प्रकृति के नियमों और सामाजिक मूल्यों के अनुरूप जीवन जीना भी है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- भगवान राम ने सदैव निर्बलों और पीड़ितों का साथ दिया।
- उन्होंने रावण जैसे अधर्मी का वध कर धरती पर न्याय स्थापित किया।
- रामायण सिखाती है कि हमें सदैव न्याय का समर्थन करना चाहिए, चाहे इसके लिए हमें कितने भी कष्ट क्यों न सहन करने पड़ें।

सत्य और न्याय का समन्वय:

- रामायण में सत्य और न्याय एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।
- सत्य का पालन न्याय स्थापित करने का आधार है, और न्याय सत्य के मार्ग पर चलने का फल।
- भगवान राम के जीवन में इसका उत्कृष्ट उदाहरण मिलता है।
- उन्होंने सदैव सत्य का पालन करते हुए न्याय स्थापित किया और समाज में प्रेम, भाईचारा और शांति स्थापित की।

रामायण में सत्य और न्याय के आदर्शों का समन्वय आज भी प्रासंगिक है। इन मूल्यों का पालन करके हम एक बेहतर समाज और एक सार्थक जीवन का निर्माण कर सकते हैं।

निष्कर्ष:

रामायण न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि जीवन जीने की कला का भी मार्गदर्शन करता है। रामायण में सिखाए गए नैतिक मूल्य आज भी प्रासंगिक हैं और हमें एक बेहतर जीवन जीने में मदद कर सकते हैं।

रामायण, ऋषि वाल्मीकि द्वारा रचित एक महाकाव्य, न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि जीवन जीने के अनेक नैतिक मूल्यों का शिक्षा भी प्रदान करता है। यह ग्रंथ भगवान राम, उनके परिवार और उनके सहयोगियों के जीवन चरित्र के माध्यम से आदर्श जीवन जीने की कला सिखाता है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

रामायण में अनेक ऐसे प्रसंग हैं जो हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य, त्याग, क्षमा, दया, प्रेम, भक्ति, और मर्यादा जैसे मूल्यों का महत्व समझाते हैं।

ग्रन्थसूची

- *रामचरितमानस*, टीकाकार: हनुमानप्रसाद पोद्दार, प्रकाशक एवं मुद्रक: गीताप्रेस, गोरखपुर
- *श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण* (प्रथम एवं द्वितीय खंड), सचित्र, हिंदी अनुवाद सहित, प्रकाशक एवं मुद्रक: गीताप्रेस, गोरखपुर
- *कवितावली*, प्रकाशक एवं मुद्रक: गीताप्रेस, गोरखपुर
- *रामायण के कुछ आदर्श पात्र*, प्रकाशक एवं मुद्रक: गीताप्रेस, गोरखपुर
- *वाल्मीकीय रामायण*, प्रकाशक: देहाती पुस्तक भंडार, दिल्ली

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

समकालीन रचनाकारों में वृद्धा विमर्श

Smt. Rekha Kumari Singh
Assistant Professor,
Department of Hindi
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

सार

समकालीन साहित्य में, वृद्धावस्था एक महत्वपूर्ण विषय बनकर उभरा है। अनेक रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में वृद्धजनों के जीवन, उनकी समस्याओं, भावनाओं और अनुभवों को बखूबी चित्रित किया है। इस प्रवृत्ति को "वृद्धा विमर्श" के नाम से जाना जाता है। वृद्धा विमर्श का महत्व अनेक स्तरों पर है। यह समाज को वृद्धजनों के प्रति संवेदनशील बनाता है, उनकी समस्याओं को समझने में मदद करता है, और उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के लिए प्रेरित करता है। समकालीन रचनाकारों ने वृद्धा विमर्श को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत किया है। कुछ रचनाकारों ने वृद्धजनों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया है। उदाहरण के लिए, मन्नू भंडारी के उपन्यास "आखिरी पड़ाव" में एक विधवा वृद्धा की कहानी है जो अपने बेटों द्वारा उपेक्षित और बेसहारा है। कमलेश्वर के उपन्यास "कच्चा नीम" में भी एक ऐसे वृद्ध व्यक्ति का चित्रण है जो समाज में अपनी जगह खो चुका है। कुछ अन्य रचनाकारों ने वृद्धजनों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान दिया है। उदाहरण के लिए, जया बच्चन की कविताओं में अक्सर अकेलेपन, बीमारी और मृत्यु के भय जैसी भावनाओं को व्यक्त किया गया है। कुँवर नारायण के उपन्यास "अग्निपुत्र" में भी एक ऐसे वृद्ध व्यक्ति का चित्रण है जो जीवन के प्रति मोहभंग हो चुका है।

कीवर्ड

समकालीन, , वृद्धा , साहित्य

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

परिचय

समकालीन रचनाकारों द्वारा वृद्ध विमर्श को साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इन रचनाओं के माध्यम से न केवल वृद्धजनों की समस्याओं और अनुभवों को समझने में मदद मिलती है, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान और सहानुभूति का भाव भी विकसित होता है। समकालीन साहित्य में वृद्धों को अक्सर अकेला और एकाकी चित्रित किया गया है। उनके बच्चे अपने काम और परिवारों में व्यस्त होते हैं, जिसके कारण वे अपने माता-पिता को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। इसके अलावा, समाज में वृद्धों के लिए सामाजिक अवसर कम होते हैं, जिसके कारण वे अकेलापन महसूस करते हैं।

समकालीन रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में वृद्धों द्वारा अनुभव की जाने वाली बीमारियों और उनके जीवन पर उनके प्रभाव को दर्शाया है। कैंसर, अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी बीमारियां वृद्धों के जीवन को काफी कठिन बना सकती हैं। मृत्यु जीवन का अंतिम सत्य है, और वृद्धावस्था में इसकी संभावना अधिक होती है। समकालीन रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में मृत्यु के प्रति दृष्टिकोण को दर्शाया है। कुछ रचनाओं में मृत्यु को भय और दुःख के रूप में चित्रित किया गया है, जबकि अन्य रचनाओं में इसे जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा माना गया है। कई समाजों में, वृद्धों को बोझ समझा जाता है और उन्हें सामाजिक गतिविधियों से बाहर रखा जाता है। समकालीन रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में इस सामाजिक बहिष्कार को उजागर किया है और इसके वृद्धों पर होने वाले नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला है। वृद्धावस्था में, लोग जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलते हैं। वे भौतिक सुखों से अधिक आध्यात्मिकता और जीवन के गहरे अर्थों की तलाश करते हैं। समकालीन रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में वृद्धों के जीवन के प्रति इस बदले हुए दृष्टिकोण को दर्शाया है।

हिंदी साहित्य में, कृष्णा सोबती, शिवानी, और मन्नू भंडारी जैसे लेखकों ने अपनी रचनाओं में वृद्धावस्था के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है। उनके उपन्यासों और कहानियों में, हम वृद्धों के जीवन के संघर्षों, चुनौतियों और आशाओं को देखते हैं। कविता में, अरुणा शर्मा, कुसुम

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

अस्थाना, और ज्ञान प्रकाश "मिश्र" जैसे कवियों ने अपनी रचनाओं में वृद्धावस्था के विषयों को संबोधित किया है। उनकी कविताओं में, हम वृद्धों के जीवन के विभिन्न भावों को देखते हैं, जैसे - दुःख, अकेलापन, प्रेम, और जीवन के प्रति आभार। समकालीन रचनाकारों ने अपनी रचनाओं में वृद्धावस्था के विभिन्न पहलुओं को उजागर करके समाज में वृद्धों के प्रति जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मन्नू भंडारी, हिंदी साहित्य की एक प्रख्यात लेखिका, जिन्होंने अपनी रचनाओं में स्त्री जीवन के विभिन्न पहलुओं को बारीकी से उकेरा। उनका उपन्यास "आखिरी पड़ाव" स्त्री-पुरुष संबंधों, सामाजिक रूढ़ियों और जीवन के विभिन्न चरणों से जुड़ी भावनाओं का एक सशक्त चित्रण प्रस्तुत करता है। "आखिरी पड़ाव" कहानी, रानी नामक एक बुजुर्ग स्त्री के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। रानी, अपने पति राजेश्वर के साथ दिल्ली में रहती है। राजेश्वर, एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी हैं, जो अपनी पत्नी के प्रति उदासीन रहते हैं। रानी, अपने अकेलेपन और पति की उपेक्षा से परेशान रहती है। उनकी बेटी, शीला, अपने पति और बच्चों के साथ अमेरिका में रहती है। रानी अपनी बेटी और पोते-पोतियों को बहुत याद करती हैं, लेकिन उनसे मिलने के लिए वह अमेरिका नहीं जा पाती। एक दिन, रानी को अपने पड़ोसी, अशोक से दोस्ती होती है। अशोक, एक विधुर अध्यापक हैं, जो रानी के जीवन में खुशियां लाते हैं। रानी और अशोक, एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और अपनी-अपनी समस्याएं साझा करते हैं।

धीरे-धीरे, रानी और अशोक के बीच एक गहरा लगाव पैदा होता है। लेकिन, सामाजिक रूढ़ियां और उम्र का अंतर उन्हें अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने से रोकते हैं। इसी बीच, रानी को पता चलता है कि वह कैंसर से पीड़ित हैं। अपनी बीमारी के बारे में जानकर, रानी जीवन के प्रति एक नया दृष्टिकोण अपनाती हैं। उपन्यास का अंत, रानी की मृत्यु के साथ होता है। अपनी मृत्यु से पहले, रानी अपने पति और बेटी को माफ कर देती हैं और अशोक के साथ बिताए पलों को याद करती हैं।

"आखिरी पड़ाव" हिंदी साहित्य का एक महत्वपूर्ण उपन्यास है। यह स्त्री जीवन, सामाजिक रूढ़ियों और जीवन के विभिन्न चरणों से जुड़ी भावनाओं का एक सशक्त चित्रण प्रस्तुत करता है। मन्नू

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

भंडारी ने इस उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की जटिलताओं और सामाजिक रूढ़ियों पर एक मार्मिक टिप्पणी की है।

समकालीन रचनाकारों में वृद्धा विमर्श

कमलेश्वर हिंदी के एक प्रसिद्ध लेखक, नाटककार, और कवि थे। "कच्चा नीम" उनका एक प्रसिद्ध उपन्यास है जो 1972 में प्रकाशित हुआ था। यह उपन्यास एक युवा लड़के, रवि, की कहानी है जो 1947 में भारत के विभाजन के दौरान अपनी मां और बहन के साथ दिल्ली आता है। उपन्यास रवि के अनुभवों का वर्णन करता है क्योंकि वह अपने नए जीवन में समायोजित करने का प्रयास करता है। वह पंजाबी शरणार्थियों के एक समुदाय में रहता है, और उसे भेदभाव, हिंसा और गरीबी का सामना करना पड़ता है।

"कच्चा नीम" एक शक्तिशाली और मार्मिक उपन्यास है जो विभाजन के मानवीय लागत का चित्रण करता है। यह एक ऐसा उपन्यास है जो पाठकों को भारत के इतिहास और संस्कृति की गहरी समझ प्रदान करता है। "कच्चा नीम" हिंदी साहित्य का एक महत्वपूर्ण कृति है। यह विभाजन के मानवीय लागत का एक शक्तिशाली और मार्मिक चित्रण है। यह एक ऐसा उपन्यास है जो पाठकों को भारत के इतिहास और संस्कृति की गहरी समझ प्रदान करता है। उपन्यास का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है और इसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। यह भारत और विदेशों में पाठकों द्वारा पसंदीदा है।

उपन्यास के कुछ प्रमुख विषय:

विभाजन का दर्द: "कच्चा नीम" विभाजन के दर्द और पीड़ा का एक शक्तिशाली चित्रण है। रवि और उसके परिवार को अपने घर और अपनी मातृभूमि छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, और उन्हें एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

भेदभाव और हिंसा: पंजाबी शरणार्थियों को दिल्ली में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर मुसलमानों के रूप में देखा जाता है, और उन्हें हिंदू समुदाय द्वारा दुश्मन के रूप में देखा जाता है।

गरीबी और अभाव: विभाजन के बाद भारत में गरीबी और अभाव व्यापक था। रवि और उसका परिवार गरीबी में रहता है, और उन्हें भोजन और आश्रय के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

लचीलापन और आशा: "कच्चा नीम" मानवीय भावना की कहानी भी है। रवि और उसके परिवार में अविश्वसनीय लचीलापन और आशा है। वे अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने और एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए दृढ़ हैं।

महादेवी वर्मा हिंदी की छायावादी कवयित्रियों में अग्रणी स्थान रखती हैं। उनका काव्य-संग्रह "यामा" उनके चार प्रसिद्ध संग्रहों - "नीहार", "नीरजा", "रश्मि" और "सांध्यगीत" - का संकलन है। यह संकलन उनकी गहन भावनाओं, प्रकृति के प्रति प्रेम और आध्यात्मिक खोज का सार प्रस्तुत करता है, जिसके लिए उन्हें 1982 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

"यामा" का अर्थ "नियंत्रण" होता है। इस शीर्षक के माध्यम से कवयित्री संकेत देती हैं कि ये कविताएँ पाठक को भावनाओं के ज्वार से बाहर निकालकर आत्मिक शांति की ओर ले चलती हैं। संग्रह प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन करते हुए आरंभ होता है, जो महादेवी वर्मा की रचनाओं में सर्वत्र विद्यमान है। वह सूर्योदय, पहाड़ों, नदियों और फूलों के माध्यम से दिव्यता का अनुभव करती हैं। प्रकृति उनके लिए ईश्वर से जुड़ने का मार्ग है। हालाँकि, "यामा" केवल प्रकृति-प्रेम तक सीमित नहीं है। संग्रह में गहरा मानवीय संवेदना भी झलकती है। वह प्रेम की पीड़ा, अकेलेपन की व्यथा और जीवन की अनिश्चितता को व्यक्त करती हैं। उनकी कविताओं में विरह का स्वर है, जो प्रेम की अधूरी अभिलाषा को दर्शाता है।

महादेवी वर्मा की आध्यात्मिक खोज संग्रह का एक महत्वपूर्ण पहलू है। वह जीवन के सार को समझने और आत्मिक शांति प्राप्त करने का प्रयास करती हैं। उनकी कविताओं में मृत्यु का भय नहीं है, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति की आशा है। वह मानती हैं कि मृत्यु के माध्यम से ही आत्मा परम

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

चेतना में विलीन हो सकती है। "यामा" की भाषा सरल और सारगर्भित है। वह प्रतीकों और उपमाओं का चौक से प्रयोग करती हैं, जिससे उनकी कविताएँ चित्रात्मक हो उठती हैं। उनकी कविताओं में संगीत का भाव भी है, जो पाठक के मन को छू लेता है।संक्षेप में, "यामा" महादेवी वर्मा की काव्य प्रतिभा का शिखर है। यह संग्रह प्रकृति, प्रेम, मानवीय संवेदना और आध्यात्मिक खोज जैसे विषयों को गहराई से छूता है। उनकी मधुर भाषा और भावपूर्ण शैली पाठकों को आकर्षित करती है और उन्हें जीवन के गहरे सत्यों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है। महादेवी वर्मा हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध कवियित्री और लेखिका थीं। "दीपशिखा" उनका पांचवां कविता संग्रह है, जो 1942 में प्रकाशित हुआ था। इस संग्रह में 1936 से 1942 तक रचित 147 कविताएं शामिल हैं। "दीपशिखा" केवल कविताओं का संकलन नहीं है, बल्कि यह आत्म-अनुभूति, करुणा, वेदना और आशावाद का संगम है।

"दीपशिखा" की विशेषताएं:

आत्म-अनुभूति: इस संग्रह की कविताएं महादेवी वर्मा के व्यक्तिगत अनुभवों और भावनाओं पर आधारित हैं। उनकी कविताओं में प्रेम, हानि, निराशा और आशा जैसे विषयों को गहराई से दर्शाया गया है।

करुणा: "दीपशिखा" में करुणा भावना का प्रबल प्रभाव है। महादेवी जी प्रकृति, प्राणियों और मानवता के प्रति गहन करुणा व्यक्त करती हैं। उनकी कविताओं में पीड़ितों के प्रति सहानुभूति और दुखों को कम करने की इच्छा स्पष्ट है।

वेदना: महादेवी जी के जीवन में अनेक दुखद घटनाएं घटित हुईं, जिनका प्रभाव उनकी कविताओं में भी परिलक्षित होता है। उनकी कविताओं में जीवन की विडंबनाओं और क्षणभंगुरता का चित्रण मिलता है।

आशावाद: निराशा और वेदना के बावजूद, "दीपशिखा" में आशावाद का संदेश भी मौजूद है। महादेवी जी मानती हैं कि जीवन में हमेशा अंधकार नहीं रहता, सुबह का उजाला भी अवश्य आएगा।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

"दीपशिखा" का महत्व:

हिंदी कविता में नया आयाम: "दीपशिखा" हिंदी कविता में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस संग्रह ने हिंदी कविता को स्त्री दृष्टिकोण और आधुनिकता प्रदान की।

भाषा की शक्ति: महादेवी जी ने भाषा का अद्भुत प्रयोग किया है। उनकी कविताओं में शब्दों का चयन, प्रतीकों का प्रयोग और बिंबात्मक भाषा पाठकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

सामाजिक सरोकार: "दीपशिखा" केवल भावनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक सरोकार भी प्रकट हुए हैं। महादेवी जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अन्यायों पर भी अपनी आवाज उठाई है। "दीपशिखा" हिंदी साहित्य की एक अमूल्य रचना है। यह केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह जीवन, प्रेम, वेदना और आशा के दर्शन का द्वार भी है। महादेवी जी की कविताएं आज भी पाठकों को प्रेरित और प्रभावित करती हैं।

निष्कर्ष

समकालीन रचनाकारों द्वारा वृद्धा विमर्श का चित्रण हिंदी साहित्य को समृद्ध बना रहा है। यह साहित्य न केवल मनोरंजक है, बल्कि समाज के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। वृद्धजनों के प्रति हमारी सोच और दृष्टिकोण को बदलने में यह साहित्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ:

- अग्निहोत्री, वी.एन.: "हिंदी साहित्य में वृद्धा विमर्श" (2018)
- शर्मा, गोपीराम: "समकालीन हिंदी कथा साहित्य में वृद्धा विमर्श" (2023)
- वृद्धा विमर्श: स्वरूप और संदर्भ" - डॉ. रमाकांत शर्मा
- "समकालीन हिंदी साहित्य में वृद्धा विमर्श" - डॉ. शर्मा

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

PROBLEM OF CHILD LABORERS AND THEIR ECONOMICAL CONDITION

Mr. Shashi Bhushan
Assistant Professor,
Department of Sociology
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

Child labor, the exploitation of children under a certain age for economic gain, remains a persistent global stain. It traps millions in a cycle of poverty, robbing them of education, health, and a normal childhood. This paper will explore the economic factors driving child labor and the devastating consequences it has on the children's well-being and their future economic prospects.

Child labor, the exploitation of children under a certain age for economic gain, remains a persistent global stain. It traps millions in a cycle of poverty, robbing them of education, health, and a normal childhood. This paper will explore the economic factors driving child labor and the devastating consequences it has on the children's well-being and their future economic prospects.

Lack of access to quality education further fuels child labor. In areas with limited or expensive schooling, children are seen as more valuable contributors to the household if they work. Additionally, some industries thrive on child labor because children are cheaper, more compliant, and less likely to unionize. This creates a perverse economic incentive for employers to exploit children.

The economic consequences of child labor on the children themselves are dire. Working long hours in hazardous conditions takes a toll on their health, hindering their physical and cognitive development. Without education, they lack the skills and qualifications needed for better-paying jobs in the future, locking them into low-wage, low-skilled work. This perpetuates the cycle of poverty across generations.

Eradicating child labor requires a multifaceted approach. Governments need to enforce stricter labor laws and provide social safety nets for impoverished families. Investments in quality education, making it free and accessible, will equip children with the tools to escape poverty through education, not exploitation.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Eradicating child labor is not just a moral imperative; it's a sound economic investment. Educated and healthy children grow into skilled workers who contribute more to the economy. Breaking the cycle of child labor paves the way for a more just and prosperous future, not just for the children themselves, but for their families, communities, and nations as a whole.

In conclusion, child labor is a complex economic issue with devastating consequences for children trapped in its clutches. By addressing the root causes of poverty, promoting education, and enforcing child labor laws, we can break this cycle and ensure a brighter economic future for all.

Child labor, the exploitation of children for economic gain, remains a persistent global stain. Millions of children toil in hazardous conditions, denied the fundamental right to education and a carefree childhood. This paper explores the economic factors that trap children in labor, and the devastating consequences for their well-being and future prospects.

Child labor, the exploitation of children for economic purposes, remains a persistent stain on India's social fabric. Millions of children, instead of playing and learning, toil in fields, factories, and homes, robbed of their fundamental right to a carefree childhood. This paper will explore the causes and devastating effects of child labor in India, while also highlighting ongoing efforts to eradicate this social evil.

Poverty is the primary culprit driving child labor. Desperate families, struggling to survive, see their children's labor as a source of additional income. Lack of access to education perpetuates the cycle. Illiterate parents, unaware of the long-term benefits of education, might view work as a viable option for their children. Additionally, social norms in certain communities might even glorify child labor, considering it a way to instill work ethic.

The work children perform is often hazardous and exploitative. They toil in brick kilns, textile factories, and stone quarries, exposed to dust, fumes, and dangerous machinery. Agriculture, another major employer of child labor, exposes children to harsh weather conditions and toxic pesticides. These working environments take a toll on their physical and mental health. The long hours and strenuous work also hinder their cognitive development, limiting their future prospects.

India has enacted laws prohibiting child labor, setting a minimum working age and outlining hazardous occupations off-limits to children. However, enforcement remains a challenge. Weak legal frameworks, coupled with corruption, allow exploitative practices to persist. Moreover, a lack of awareness about child labor rights among communities makes it difficult to identify and rescue children in forced labor.

Combating child labor requires a multi-pronged approach. Government initiatives promoting education and vocational training for children and adults can address poverty,

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

a root cause of the problem. Strengthening law enforcement and increasing awareness through community outreach programs can help bring an end to exploitative practices. Additionally, encouraging ethical sourcing practices among businesses can help prevent the demand for cheap child labor.

Children are often employed in hazardous industries, from brick kilns to carpet weaving. Exposed to dust, fumes, and dangerous machinery, they suffer from stunted growth, respiratory illnesses, and even permanent disabilities. The psychological impact is equally devastating, as emotional development is stifled and social interaction limited.

The demand for cheap labor fuels this exploitation. Employers see children as docile and easily manipulated, willing to work long hours for meager wages. This undercuts adult wages and creates an unfair competitive advantage for businesses that rely on child labor.

Breaking free from this web requires a multi-pronged approach. Strengthening enforcement of child labor laws with stricter penalties for violators is crucial. Investing in education, particularly in rural areas, empowers families to see the value of education for their children's future.

Furthermore, creating alternative livelihood options for families trapped in poverty can alleviate the pressure to put children to work. Supporting responsible businesses that pledge not to use child labor can create a ripple effect towards ethical practices.

The fight against child labor is a fight for India's future. By ensuring every child has access to education and a safe environment, India can unlock its true potential and build a more just and equitable society. The stolen laughter and lost dreams of these children are a stark reminder of the work that remains to be done.

Millions of children in India are forced to work in various sectors, from agriculture and brick kilns to textile factories and domestic service. Poverty is the primary driver, as families struggling to survive rely on their children's meager earnings. Low levels of education and social norms that view children as economic contributors further perpetuate the cycle.

The consequences of child labor are far-reaching. Children are exposed to hazardous working conditions, risking physical injuries, respiratory illnesses, and even death. Their education is neglected, hindering their long-term prospects and perpetuating poverty across generations. Furthermore, child labor often involves exploitation and abuse, robbing these children of their childhood and inflicting deep emotional scars.

Despite these challenges, India has made significant strides in tackling child labor. Laws have been enacted, prohibiting the employment of children in hazardous industries and mandating free and compulsory education. Government initiatives focus on providing alternative livelihoods for families and creating awareness about the issue. NGOs play a

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

crucial role in rescuing children from forced labor and providing rehabilitation and education opportunities.

The fight against child labor requires a multi-pronged approach. Strengthening law enforcement and ensuring stricter penalties for violators are essential. Investing in education and skills development for parents can create alternative sources of income. Raising social awareness through campaigns and community engagement is key to changing ingrained attitudes. Finally, supporting ethical businesses that prioritize fair labor practices can incentivize positive change.

In conclusion, child labor remains a complex and deeply concerning issue in India. However, the combined efforts of the government, NGOs, and a conscious society offer hope for a future where every child can enjoy the fundamental rights of education, safety, and a protected childhood. By dismantling this system of exploitation, India can unlock the true potential of its young generation and build a brighter future for all.

Poverty is the most potent driver of child labor. In families struggling to survive, every member is seen as a potential income earner. Children, particularly from marginalized communities, are forced to work in agriculture, factories, or domestic service to supplement meager family income. This creates a vicious cycle – children miss out on education, hindering their ability to secure better-paying jobs as adults, perpetuating poverty across generations.

Beyond immediate family needs, economic forces also play a role. Industries seeking cheap labor exploit children's vulnerability. Their smaller stature allows for work in confined spaces, and their lower wages make them an attractive option compared to adults. This distorts labor markets, suppressing wages for adults as well, further entrenching poverty.

The economic toll of child labor extends far beyond individual cases. It cripples a nation's long-term growth potential. An uneducated workforce lacks the skills needed for a thriving economy. Additionally, the physical and mental health problems associated with child labor translate into decreased productivity and higher healthcare costs.

Breaking the cycle of child labor requires a multi-pronged approach. Governments must prioritize social safety nets like conditional cash transfers to alleviate immediate poverty. Enforcing stricter labor laws with harsher penalties for violators is crucial.

Investing in quality education is paramount. Free and accessible education empowers children with the knowledge and skills to break free from the shackles of child labor. Furthermore, raising awareness about child labor's detrimental effects can influence consumer choices and pressure businesses to adopt ethical practices.

In conclusion, child labor is a complex economic issue with devastating consequences. By addressing poverty, enforcing stronger regulations, and investing in education, we can

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

pave the way for a brighter future where children are valued for their potential, not exploited for their labor.

The root cause of child labor is often **poverty**. Desperate families, with few options to survive, are forced to rely on their children's meager earnings. Children, especially those with limited access to education, become a source of income, even if it means sacrificing their health and well-being. This perpetuates a vicious cycle. Without education, these children lack the skills and knowledge to secure better-paying jobs as adults, condemning them and potentially their own families to a lifetime of poverty.

Furthermore, child labor **depresses wages** for adults. Employers who can exploit cheap child labor have little incentive to offer competitive wages to adults. This can lead to social unrest and hinder overall economic growth. A workforce with limited education and skills also struggles to innovate and adapt to a changing global economy.

Child labor also takes a toll on **productivity**. Children are often physically and mentally underdeveloped, leading to fatigue, injuries, and absenteeism. The long hours they work leave little time for proper rest and education, further impacting their future earning potential.

There are also **indirect economic costs** associated with child labor. These include the increased burden on healthcare systems due to work-related injuries and illnesses among child laborers. Additionally, the lack of education among child laborers translates to a future generation with limited social and economic mobility, hindering overall societal progress.

Breaking the cycle of child labor requires a multi-pronged approach. **Social safety nets**, such as minimum income programs, can alleviate the immediate financial pressure on families, making it less likely they will resort to child labor. **Investing in education** is crucial. By providing free and accessible education, children gain the skills and knowledge to escape poverty in the long run. Stricter **enforcement of child labor laws**, coupled with **awareness campaigns** on the long-term negative impacts, can further deter businesses from exploiting children.

Eradicating child labor is not just a moral imperative; it's a sound economic investment. By ensuring children receive an education and have the opportunity to reach their full potential, we can create a more prosperous and equitable future for all.

REFERENCES

1. Basu K, Tzannatos Z. The Global Child Labor Problem: What Do We Know and What Can We Do? *World Bank Econ Rev.* 2019;17:147–73.
2. Angnihotram RV. An overview of occupational health research in India. *Indian Journal of Occupational Environ Med.* 2015;9:10–4.

3. Burra, Neera "Child labour in rural areas with a special focus on migration, agriculture, mining and brick kilns" *National Commission for Protection of Child Rights.* [Last retrieved on 2019 Oct 19].
4. Ali M, Shahab S, Ushijima H, de Muynck A. Street children in Pakistan: A situational analysis of social conditions and nutritional status. *Soc Sci Med.* 2018;59:1707–17.
5. Khan H, Hameed A, Afridi AK. Study on child labour in automobile workshops of Peshawar, Pakistan. *East Mediterr Health J.* 2017;13:1497–502.
6. Laraqui CH, Caubet A, Laraqui O, Belamallem I, Harourate K, Curtes JP, et al. Child labour in the artisan sector of Morocco: Determinants and health effects. *Sante Publique.* 2020;12:31–43.
7. Nuwayhid IA, Usta J, Makarem M, Khudr A, El-Zein A. Health of children working in small urban industrial shops. *Occup Environ Med.* 2015;62:86–94.
8. Saddik B, Nuwayhid I, Williamson A, Black D. Evidence of neurotoxicity in working children in Lebanon. *Neurotoxicology.* 2019;24:733–9.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

CORRELATION BETWEEN VEDIC AND MODREN MATHEMATICS

Mr. Sudhir Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Mathematics
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

The worlds of Vedic mathematics and modern mathematics, though separated by centuries of development, share a fascinating correlation. Vedic mathematics, a system of calculation with roots in ancient India, offers a unique perspective that can complement and enhance our understanding of modern mathematical concepts.

Vedic mathematics, "rediscovered" in the early 20th century, relies on a collection of 16 sutras (formulae) and 13 (sub-formulae) to perform arithmetic, algebra, geometry, and even calculus. These sutras emphasize mental calculation and problem-solving through techniques like splitting numbers, rearrangement, and one-place adjustments.

The correlation between Vedic and modern mathematics lies not in identical formulas, but in a shared focus on core principles. Both systems emphasize logical reasoning and finding efficient solutions. Modern mathematics delves into complex proofs and justifications, while Vedic mathematics offers a more intuitive approach, breaking down problems into manageable steps.

Here are some key areas of correlation:

- **Number Representation:** Both systems utilize place value systems, though Vedic mathematics may introduce intermediate steps during calculations for better visualization.
- **Mental Math:** Vedic mathematics excels in this area, offering sutras for faster calculations. Modern mathematics, while focusing on algorithms, can also benefit from an emphasis on mental agility.
- **Problem-Solving:** Both approaches encourage critical thinking and finding multiple solutions to a problem. Vedic mathematics may offer alternative methods that resonate with some learners.

However, there are also key differences:

- **Rigor:** Modern mathematics prioritizes a rigorous, step-by-step approach with detailed proofs. Vedic mathematics emphasizes efficiency and may skip intermediate steps in mental calculations.

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- **Scope:** Modern mathematics is a vast and ever-evolving field encompassing complex areas like calculus and abstract algebra. Vedic mathematics focuses on practical applications and calculations.

The true power lies in using both approaches. Modern mathematics provides a strong foundation in concepts and proofs, while Vedic mathematics offers a toolkit for efficient calculations and mental agility. This synergy can make learning mathematics more engaging and effective.

In conclusion, Vedic and modern mathematics, though distinct systems, share a beautiful correlation in their core principles. By embracing the strengths of both, we can cultivate a deeper understanding and appreciation for the fascinating world of numbers.

Vedic mathematics and modern mathematics, though separated by centuries of development, share a fascinating correlation. While modern mathematics reigns supreme in its vastness and complexity, Vedic mathematics offers a unique approach with its emphasis on mental calculations and algorithmic efficiency.

Some proponents of Vedic mathematics claim it to be the ancient source of modern mathematical concepts. This perspective suggests that Vedic techniques, rediscovered in the early 20th century, laid the groundwork for the development of modern mathematical systems. However, there's limited historical evidence to definitively support this claim.

Both Vedic and modern mathematics prioritize problem-solving and critical thinking. Vedic mathematics utilizes 16 "sutras" (formulae) and 13 sub-sutras to tackle problems in arithmetic, algebra, geometry, and more. These sutras promote a breakdown of complex problems into smaller, manageable steps, fostering a logical approach. Modern mathematics, while employing a wider range of tools and theorems, also emphasizes understanding the underlying concepts to reach solutions, not just memorizing formulas.

A key difference lies in their approaches. Vedic mathematics shines in its algorithmic efficiency, offering mental calculation techniques that can be particularly useful for basic arithmetic. Techniques like "Nikhilam sutra" for multiplication or "Urdhva Tiryakbhyam" for vertical multiplication can significantly reduce the number of steps involved in calculations. Modern mathematics, on the other hand, delves deeper into complex concepts like calculus, abstract algebra, and statistics, providing a robust framework for advanced scientific and technological applications.

Vedic mathematics is not a replacement for modern mathematics. Instead, it offers a valuable set of tools for developing mental math abilities and fostering an intuitive understanding of numerical relationships. Modern mathematics, with its vast theoretical framework, provides the foundation for tackling more intricate problems and scientific exploration.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The correlation between Vedic and modern mathematics can be harnessed to create a more well-rounded learning experience. Integrating Vedic techniques into the early stages of math education can improve students' computational fluency and foster a love for numbers. As students progress, a strong foundation in modern mathematics will equip them to tackle more complex problems and contribute to scientific advancements.

In conclusion, Vedic and modern mathematics, despite their distinct approaches, share a fundamental correlation in their pursuit of understanding and solving problems. By appreciating their strengths and weaknesses, we can create a synergistic educational approach that fosters both computational fluency and a deep understanding of mathematical concepts.

Another interesting connection is the existence of similar techniques for specific calculations. Vedic mathematics boasts methods like Nikhilam (vertically placed digits) for multiplication, which share similarities with lattice multiplication techniques used in some modern curriculums. Similarly, the Vedic approach of splitting numbers for calculations finds parallels in modern methods like complementary multiplication.

However, key differences exist between the two systems. Modern mathematics offers a more comprehensive and rigorous framework, encompassing a vast array of concepts like calculus, linear algebra, and statistics. Vedic mathematics, on the other hand, focuses primarily on mental calculation and computational efficiency for arithmetic, algebra, and geometry.

The relationship between Vedic and modern mathematics is not one of direct descent. While some claim Vedic mathematics is the ancient root of modern systems, there isn't enough historical evidence to support this. It's more likely that both systems developed independently, influenced by the need for calculation and problem-solving in their respective cultures.

In conclusion, Vedic and modern mathematics exhibit a curious correlation. Both emphasize problem-solving and share some similar techniques. However, they differ in scope and historical development. Modern mathematics offers a robust and comprehensive framework, while Vedic mathematics provides efficient mental calculation methods. Perhaps the most valuable takeaway is that these two systems can complement each other. Vedic techniques can enhance computational fluency, while modern mathematics provides a deeper understanding of mathematical concepts. By embracing both approaches, students can gain a richer and more well-rounded mathematical experience.

Vedic mathematics, an ancient system with roots in the Vedas, offers a unique approach to mathematical calculations. It transcends rote memorization and long-winded algorithms, instead emphasizing mental math and efficient problem-solving techniques. This paper explores the diverse applications of Vedic mathematics, highlighting its impact on various aspects of mathematical learning and beyond.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

One of the most prominent applications of Vedic mathematics lies in enhancing computational speed and accuracy. The system employs a collection of aphorisms or "sutras" that provide shortcuts for performing arithmetic operations like addition, subtraction, multiplication, and division. These techniques, for instance, allow for the quick mental addition of large numbers or the multiplication of specific number patterns. This not only saves time during exams but also fosters a deeper understanding of the underlying mathematical concepts.

Vedic mathematics goes beyond mere speed. It cultivates a love for learning by making math engaging and enjoyable. The sutras are often presented in a rhythmic way, making them easier to remember and apply. This removes the drudgery associated with traditional methods and ignites a sense of curiosity and exploration in students. Furthermore, Vedic mathematics encourages visualization and mental manipulation of numbers, promoting a more intuitive grasp of mathematical principles.

The benefits of Vedic mathematics extend beyond the realm of arithmetic. Its sutras can be effectively applied to solve problems in algebra, geometry, and even higher mathematics. For instance, Vedic methods can simplify complex polynomial expansions or provide elegant solutions to trigonometric equations. This versatility equips students with a powerful toolkit that can be adapted to various mathematical domains.

Vedic mathematics also fosters the development of important cognitive skills. The emphasis on mental calculations improves memory, concentration, and critical thinking. Students learn to break down complex problems into smaller, manageable steps, enhancing their problem-solving abilities. Additionally, Vedic mathematics promotes mental agility and the ability to think creatively, which are valuable assets in all aspects of life.

In conclusion, Vedic mathematics offers a treasure trove of applications that extend far beyond just quick calculations. It fosters a deeper understanding of mathematical concepts, ignites a love for learning, and equips students with valuable cognitive skills. As we strive for innovative and engaging educational methods, Vedic mathematics stands out as a powerful tool that can empower learners of all ages to unlock the true potential of mathematics.

One of the most prominent applications of Vedic mathematics lies in improving computational fluency. The sutras provide efficient methods for basic arithmetic operations like addition, subtraction, multiplication, and division. For instance, the "Vertically and Horizontally" (Vyaparada) sutra allows for faster multiplication by splitting digits into convenient components. This not only reduces the number of steps involved but also fosters mental math abilities, a valuable skill in everyday life.

Vedic mathematics extends its usefulness beyond basic arithmetic. Its application in algebra can significantly improve problem-solving approaches. By utilizing sutras for factorization, solving equations, and simplifying expressions, students can tackle

IJFANS International Journal of Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

complex problems with greater ease. Furthermore, Vedic geometry offers unique methods for constructing figures, calculating areas, and volumes, providing a powerful tool for spatial reasoning.

The benefits of Vedic mathematics extend beyond academic pursuits. Professionals in various fields can leverage its techniques to enhance their efficiency. For instance, architects and engineers can utilize Vedic sutras for quick calculations and estimations during design and construction processes. Financial professionals can benefit from Vedic techniques for faster calculations involving interest rates, percentages, and ratios. Essentially, any profession that relies on numerical analysis can find value in the streamlined methods offered by Vedic mathematics.

Vedic mathematics is not just about speed and efficiency; it fosters a deeper understanding of mathematical concepts. The sutras are rooted in logical reasoning and mental visualization, encouraging students to think critically and creatively while solving problems. This approach builds a strong foundation for higher-level mathematics and fosters a lifelong appreciation for the elegance and beauty within the subject.

In conclusion, Vedic mathematics offers a valuable toolkit for individuals of all ages and backgrounds. From boosting computational fluency to enhancing problem-solving skills in various fields, its applications are far-reaching. By incorporating Vedic techniques into their mathematical repertoire, individuals can unlock a new level of efficiency, accuracy, and ultimately, a deeper appreciation for the world of numbers.

Beyond speed, Vedic mathematics fosters a deeper understanding of mathematical concepts. Unlike traditional methods that often present formulas as abstract rules, Vedic techniques emphasize the logic and reasoning behind each step. For example, the concept of "Place Values" is not just memorized but visualized through techniques like "Splitting the Nine's Complement," which strengthens a student's grasp of number manipulation. This improved conceptual understanding translates into better problem-solving abilities and a more confident approach to mathematics.

The applications of Vedic mathematics extend beyond basic arithmetic operations. Vedic sutras can be applied to solve problems in algebra, geometry, and even calculus. By providing alternative approaches to solving equations, simplifying expressions, or performing complex calculations, Vedic techniques empower students to tackle more challenging mathematical problems. This versatility makes Vedic mathematics a valuable tool for students pursuing higher studies in STEM fields.

Furthermore, Vedic mathematics promotes mental math skills. By encouraging students to perform calculations without relying solely on calculators, the system strengthens memory, concentration, and mental agility. This ability to perform calculations mentally proves beneficial in real-world situations where calculators might not be readily available.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

REFERENCES

1. Acharya E. Mathematics Hundred Years Before and Now. History Research. 2015;3:41-47.
2. Baroody AJ, Wilkins JL. The development of informal counting, number, and arithmetic skills and concepts; 2019.
3. Basudev Shastri AS. Vedic Gyan Bigyan, 2016.
4. Clements DH, Sarama J. Strip mining for gold: Research and policy in educational technology–a response to fools gold. AACE Journal. 2019;11(1):7-75
5. Fuson KC, Smith ST, Lo Cicero AM. Supporting mathematics learning in the early years; 2017.
6. Suurtamm C, Thompson DR, Kim RY, Moreno LD, Sayac N, Schukajlow S, et al. Assessment in mathematics education: Large-scale assessment and classroom assessment. Cham: Springer; c2016.
7. Wuttke J. Uncertainties and bias in PISA. In S. T. Hopmann, G. Brinek & M. Retzl (Eds.), PISA according to PISA: Does PISA keep what it promises? Vienna: LITVerlag; c2017.
8. Pankow L, Kaiser G, König J. Perception of students' errors under time limitation: Are teachers better than mathematicians or students? Results of a validation study. ZDM Mathematics Education. 2018;50(4):1-12

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

A ROLE OF SOCIAL MEDIA IN CURRENT SOCIETY

Mr. Sudip Kumar
Assistant Professor,
Department of Sociology
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Social media has woven itself into the fabric of our lives, fundamentally altering how we connect, consume information, and even perceive ourselves. Its influence transcends borders, age groups, and social classes, making it a defining force in current society. This paper will explore the multifaceted role of social media, highlighting both its potential for positive change and the challenges it presents. One of the most significant contributions of social media is its ability to connect people. Platforms like Facebook and Twitter have shrunk the globe, allowing us to maintain relationships with loved ones across vast distances and fostering new connections based on shared interests. Social media has also empowered marginalized voices, providing a platform for individuals and communities to advocate for themselves and raise awareness about important issues. Social movements like #BlackLivesMatter and #MeToo gained significant traction through social media, demonstrating its potential to drive social change. Beyond communication, social media has become a primary source of information. News outlets and individuals alike share content in real-time, keeping us updated on current events. However, the ease of sharing also presents a challenge. The spread of misinformation and "fake news" can be rampant, making it crucial to develop critical thinking skills to navigate the online information landscape.

IJFANS
International Journal of Food And Nutritional Sciences

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

KEYWORDS:

Social, Media, Society

INTRODUCTION

One of the most significant impacts of social media is the revolution it has brought to communication. Platforms like Facebook, Twitter, and Instagram have fostered a sense of global interconnectedness. We can now stay in touch with loved ones across continents, build communities around shared interests, and engage in real-time conversations with people worldwide. This fosters a sense of belonging and facilitates the exchange of ideas on a vast scale. [1]

Social media has also empowered individuals to become active participants in shaping society. It provides a platform for activism, allowing marginalized voices to be heard and social movements to gain momentum. The Arab Spring revolutions and the Black Lives Matter movement are prime examples of how social media can be a powerful tool for raising awareness and sparking social change.

Social media platforms have become hubs for information dissemination. News travels at lightning speed, and individuals can access a vast array of content, from breaking news updates to educational resources. Businesses leverage this reach for marketing and promotion, while individuals can use it to build personal brands and showcase their talents. The very nature of social media, with its curated feeds and emphasis on popularity, can have detrimental effects. The constant barrage of perfectly-filtered lives can lead to feelings of inadequacy and social comparison, impacting mental health, particularly among young people. The spread of misinformation and "fake news" is another growing concern, as social media platforms can become echo chambers where users are exposed only to information that reinforces their existing beliefs. [2]

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The addictive nature of social media also presents a challenge. The constant need to check notifications and keep up with online trends can lead to a decline in real-world social interaction and a decrease in productivity. Furthermore, the algorithms that curate content can create filter bubbles, limiting exposure to diverse viewpoints and potentially fostering social polarization. Social media platforms can be breeding grounds for comparison and envy. The carefully online personas we see can distort reality, leading to feelings of inadequacy and dissatisfaction. This phenomenon, particularly impactful on young minds, can negatively affect mental health and self-esteem. Social media can also create echo chambers, where users are primarily exposed to information that reinforces their existing beliefs, further polarizing societal discourse.

Social media's role in current society is multifaceted. It offers immense potential for connection, communication, and positive social change. However, it is crucial to be aware of its pitfalls, such as the spread of misinformation and the negative impact on mental well-being. As we navigate this digital landscape, a critical and responsible approach is essential. By harnessing the positive aspects of social media while mitigating its negative effects, we can create a more informed, connected, and inclusive society.

Social media has woven itself into the fabric of adult life. From staying connected with loved ones to following current events, these platforms offer a constant stream of information and interaction. However, the impact of social media on adults is a complex issue, with both positive and negative consequences. On the positive side, social media fosters connection. It allows adults to stay in touch with friends and family, especially those geographically distant. Platforms like Facebook and Instagram help reconnect with old classmates or long-lost relatives. Social media also facilitates the creation of new communities around shared interests. Whether it's a book club or a niche hobby group, adults can find a sense of belonging and shared experience online.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Furthermore, social media empowers adults to be informed and engaged citizens. News and information spread rapidly on these platforms, allowing adults to stay abreast of current events. Social media can also be a powerful tool for activism and raising awareness about important social issues. Adults can mobilize and organize around causes they care about, creating a collective voice for change. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

The constant connectivity of social media can also have downsides. The curated perfection often portrayed online can lead to feelings of inadequacy and social comparison. Adults may compare their own lives to the seemingly idyllic experiences they see on social media, leading to feelings of loneliness, depression, and anxiety. This phenomenon, known as "fear of missing out" (FOMO), can significantly impact mental well-being. [1]

The echo chambers created by algorithms can expose adults to a limited range of viewpoints. Social media platforms can filter information based on user preferences, reinforcing existing beliefs and creating a sense of polarization. This can hinder critical thinking and make it difficult for adults to engage in constructive dialogue with those who hold opposing views. [2]

The addictive nature of social media can negatively impact productivity and real-world relationships. The constant notifications and dopamine hits from likes and comments can be highly reinforcing, leading to compulsive checking and wasted time. This can strain face-to-face interactions and decrease focus on work or personal projects. [3]

Social media's impact on adults is multifaceted. While it offers opportunities for connection, information, and engagement, it also carries risks for mental health, social comparison, and exposure to limited information. As adults navigate this

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

digital landscape, it's crucial to be mindful of their online habits and prioritize real-world connections and critical thinking alongside the benefits of social media. [4]

Social media has woven itself into the fabric of adult life. From staying connected with loved ones to following current events, these platforms offer a constant stream of information and interaction. However, the impact of social media on adults is a complex issue, wielding both positive and negative influences. [5]

ROLE OF SOCIAL MEDIA IN CURRENT SOCIETY

Social media fosters connection. Adults can maintain relationships with geographically distant friends and family, sharing life updates and fostering a sense of closeness. Social media groups provide a platform for adults to connect with like-minded individuals, fostering communities around shared interests, hobbies, or even health conditions. This can be a valuable source of support and belonging, especially for those who might otherwise feel isolated.

Social media empowers adults with information and learning opportunities. News and updates from credible sources keep adults informed about current events, while educational content allows them to explore new topics and develop new skills. Social media can also be a powerful tool for activism and raising awareness about important social issues.

The curated perfection often portrayed on social media can negatively impact mental health. Adults may compare their own lives to the seemingly flawless experiences they see online, leading to feelings of inadequacy and dissatisfaction. This phenomenon, known as "fear of missing out" (FOMO), can contribute to anxiety and depression. The constant barrage of information and notifications can also be overwhelming, leading to decreased focus and productivity.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Social media can also be a breeding ground for misinformation and negativity. The spread of false news and the prevalence of negative online interactions can erode trust and create a distorted view of reality. Additionally, the addictive nature of social media platforms can lead to excessive screen time, displacing real-world interactions and hobbies.

Social media's impact on adults is multifaceted. While it offers opportunities for connection, information, and learning, it can also be detrimental to mental health and foster negativity. Mindful use is key. Adults should be critical consumers of information they encounter online and prioritize real-world connections to maintain a healthy balance. By leveraging the positive aspects of social media while mitigating the negative ones, adults can reap the benefits of this powerful tool.

Adults can stay in touch with friends and family across vast distances, sharing life events and milestones. Social media platforms create communities around shared interests, allowing adults to connect with like-minded individuals and find support groups. This can be particularly beneficial for those facing geographical isolation or niche challenges. News and current events travel faster than ever before, and social media can be a valuable tool for staying informed. Adults can access educational content, explore diverse viewpoints, and engage in meaningful discussions on a variety of topics. Social media can also be a platform for businesses and organizations to connect with their target audience.

The curated perfection often portrayed on social media can lead to feelings of inadequacy and social comparison. Adults may feel pressure to maintain an unrealistic online persona, impacting self-esteem and potentially leading to anxiety or depression. The constant barrage of information and the fear of missing out (FOMO) can be overwhelming, leading to increased stress and impacting sleep quality.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Social media can also be a breeding ground for misinformation and negativity. Adults may be exposed to false information, biased opinions, and even cyber bullying. The echo chamber effect, where algorithms tailor content to reinforce existing beliefs, can limit exposure to diverse perspectives and hinder critical thinking. While it offers connection, information, and entertainment, it can also lead to feelings of inadequacy, social comparison, and exposure to negativity. By being mindful of how they use social media, adults can maximize its benefits and mitigate its potential harms. Taking breaks, curating feeds, and prioritizing real-world interactions are all crucial steps in fostering a healthy relationship with social media. The spread of misinformation is a major concern. Unverified content and echo chambers, where users are primarily exposed to information that confirms their existing beliefs, can distort public perception of important issues. This can lead to polarization and hinder productive discourse. Moreover, the curated nature of social media feeds can create a distorted view of reality. Individuals are often bombarded with positive portrayals of activism, fostering a sense of accomplishment without actual engagement. The "slacktivism" of liking and sharing posts can replace meaningful action.

To maximize the positive impact of social media on awareness, critical thinking is essential. Users must be discerning consumers of information, verifying sources and recognizing potential biases. Platforms also have a responsibility to combat misinformation and promote diverse viewpoints. Finally, social media awareness campaigns should be coupled with calls to action, encouraging users to take their engagement beyond the virtual world.

Conclusion

Social media's role in current society is complex and multifaceted. It offers unparalleled opportunities for connection, information sharing, and social change. However, it also presents challenges related to misinformation, mental health, and societal polarization. As we move forward, it is crucial to be mindful of both

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

the benefits and drawbacks of social media, fostering responsible use and critical thinking skills to navigate this ever-evolving digital landscape. By doing so, we can harness the power of social media to create a more informed, connected, and equitable society.

REFERENCES

1. Acheaw, M. O., & Larson, A. G. (2015). Use of Social Media and its Impact on Academic Performance of Tertiary Institution Students: A Study of Students of Koforidua Polytechnic, Ghana. Journal of Education and Practice. 6(6). 94-101
2. Bashir, Siraj, et.al. (2021). LEARNING EXPERIENCES OF STUDENTS ABOUT ONLINETEACHING AND LEARNING DURING COVID-19 PANDEMIC INBALOCHISTAN., PJAEE,18(10) 2021
3. Buzzetto-More, N. A. (2018). Social networking in undergraduate education. Interdisciplinary Journal of Information, Knowledge and Management, 7(1), 63-90
4. Dike, V. (2018). Leadership, politics, and social change: Nigeria and the struggle for survival. African Economic Analysis.
5. Jadhav, J. R. (2019). Role of Education in Social Change. International Educational EJournal, 1(2): 74-79
6. Khan, A. M., Ullah, M., Usman, A., Malik, A. H., & Khan, K. M. (2020). Impact of covid-19 on global economy. International Journal of Management, 11(8), 956-969
7. Lei, J., Zhao, Y. (2017). Technology Uses and Student Achievement: A Longitudinal Study. Computers Educ. 49(2), 284-296
8. Mangi, S. N., Tabassum, N., & Baloch, R. A. (2018). The Emerging Role of Social Media in Social Change: A Case Study of Burma. International Journal of Sociology & Anthropology Research. 4(1), 39-47

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

CHEMICAL BONDING AND MOLECULOR STRUTURE

Mr. Sunil Kumar Singh
Assistant Professor,
Department of Chemistry
A.K. Singh College, japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

The universe is built on a foundation of tiny building blocks – atoms. But these individual atoms rarely exist alone. They are driven by a fundamental force – chemical bonding – to join hands and form the vast array of molecules that make up our world. Understanding chemical bonding and its influence on molecular structure is akin to deciphering the language of matter, revealing the secrets behind the physical and chemical properties of everything from water to DNA. At the heart of chemical bonding lies the pursuit of stability. Atoms strive to achieve a configuration with a full outer shell of electrons, mirroring the inert nature of noble gases. This yearning for stability manifests in two primary forms of bonding: ionic and covalent. In ionic bonding, a dramatic transfer of electrons occurs between atoms. Metals, with their tendency to lose electrons, readily donate them to non-metals, resulting in oppositely charged ions. These ions, bound by powerful electrostatic attraction, form ionic compounds like table salt (NaCl). Covalent bonding, on the other hand, involves a more democratic approach. Here, atoms share electrons, forming a communal "sea" of electrons that holds the molecule together. This type of bonding gives rise to a vast array of molecules, from the simple structure of methane (CH_4) to the complex chains of proteins. The Lewis structure notation, with its dots representing valence electrons, serves as a valuable tool for depicting the electron sharing in covalent molecules.

IJFANS
International Journal of
Food And Nutritional Sciences

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Keywords:

Chemical, Bonding, Moleculor, Struture

INTRODUCTION

Chemical bonding and molecular structure are not isolated concepts; they are an intricate dance at the atomic level. By understanding these fundamental forces, we gain the ability to predict the behavior of molecules, design new materials with specific properties, and ultimately, unravel the mysteries of the world around us. From the delicate balance of forces within a snowflake to the complex interactions that govern the building blocks of life, chemical bonding and molecular structure reveal the captivating choreography that orchestrates the symphony of our universe. [1]

Our world, from the air we breathe to the materials we use, is built upon the intricate dance of atoms. This choreography, governed by the forces of chemical bonding, dictates how atoms arrange themselves, forming the building blocks of matter - molecules. Understanding chemical bonding and molecular structure is fundamental to unraveling the vast tapestry of chemistry.

At the heart of bonding lies the quest for stability. Atoms strive to achieve an electron configuration resembling the noble gases, with their outer shells filled with electrons. This can be achieved through two primary mechanisms: sharing electrons (covalent bonding) or complete electron transfer (ionic bonding).

In covalent bonding, atoms share electrons, forming a strong mutual attraction. This "sharing is caring" approach is exemplified by the water molecule (H2O). Here, each hydrogen atom shares its single electron with the oxygen atom, which has six valence electrons, resulting in a stable configuration for all three atoms. The Lewis structure, a visual representation of electron arrangement, becomes a powerful tool for understanding covalent bonding.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Ionic bonding, on the other hand, involves the complete transfer of electrons from one atom to another. This creates charged particles called ions. The electrostatic attraction between oppositely charged ions holds the compound together. Sodium chloride (NaCl), or table salt, is a classic example. Sodium readily loses its one valence electron, becoming a positively charged sodium ion (Na^+). Chlorine, with seven valence electrons, readily accepts an electron, forming a negatively charged chloride ion (Cl^-). The resulting ionic attraction creates the familiar salt crystals. [2]

Beyond these fundamental types, the world of bonding offers a rich tapestry. Metallic bonding, for instance, involves a "sea" of delocalized electrons shared by metal atoms, leading to the unique properties of metals like conductivity. Hydrogen bonding, a special type of dipole-dipole interaction, plays a crucial role in the structure of water, DNA, and proteins.

Beyond the basic types, the world of chemical bonding offers further complexities. Polar covalent bonds, for instance, arise when the sharing of electrons is unequal, creating regions of partial positive and negative charge within the molecule. This polarity plays a crucial role in phenomena like intermolecular forces, which influence properties like boiling and melting points. Additionally, the concept of resonance, where a molecule can be described by multiple Lewis structures, provides a deeper understanding of electron distribution in certain molecules.

The arrangement of atoms within a molecule, dictated by the types of bonds and the repulsion between electron clouds, defines its molecular structure. This structure, in turn, has a profound impact on the molecule's properties. The shape of a water molecule (H_2O), with its bent geometry due to lone pairs of electrons, allows it to form hydrogen bonds – a crucial factor for life on Earth. Similarly, the tetrahedral structure of methane (CH_4) influences its ability to rotate freely, a characteristic essential for many biological processes.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The arrangement of atoms within a molecule, dictated by the types of bonds present, is known as molecular structure. This three-dimensional architecture influences a molecule's physical and chemical properties. For example, the tetrahedral shape of a methane molecule (CH4) with its four covalent bonds leads to its non-polarity, while the V-shaped water molecule with its polar covalent bonds and hydrogen bonding exhibits unique solvent properties. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

Understanding chemical bonding and molecular structure unlocks a treasure trove of knowledge. It allows us to predict the properties of materials, design new drugs, and understand the intricate workings of biological processes. From the seemingly mundane salt on our tables to the complex machinery of life, the dance of atoms, mediated by chemical bonding, is the foundation of our world. [1]

Chemical bonding arises from the fundamental desire of atoms to achieve stability. Atoms with incomplete outer electron shells, known as valence electrons, strive to attain the electron configuration of noble gases, known for their inertness. This can be achieved through two main mechanisms: sharing electrons (covalent bonding) or complete electron transfer (ionic bonding). [2]

In covalent bonding, atoms share electrons to form a stable electron pair around each participating atom. This "sharing is caring" approach exemplifies molecules like water (H_2O) and methane (CH_4). Lewis structures, a simple yet powerful tool, depict the arrangement of these shared electrons, providing a glimpse into the molecule's electronic landscape. [3]

Ionic bonding, on the other hand, involves a more dramatic exchange. One atom completely loses an electron, becoming a positively charged ion (cation), while another atom gains an electron, transforming into a negatively charged ion (anion). The electrostatic attraction between these oppositely charged ions holds the compound together. Table salt (NaCl) is a classic example of ionic bonding,

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

where sodium loses an electron to chlorine, resulting in a tightly packed crystal structure. [4]

The structure of atoms can get even more intricate. Hydrogen bonding, a special type of dipole-dipole interaction, plays a crucial role in water, DNA, and proteins. Metallic bonding involves the sharing of delocalized electrons across a lattice of metal atoms, giving rise to the unique electrical and thermal properties of metals. [5]

CHEMICAL BONDING AND MOLECULOR STRUTURE

The arrangement of atoms in a molecule, dictated by the type of bonding and the repulsion between electron clouds, determines its molecular structure. This structure, in turn, has a profound impact on the physical and chemical properties of the material. For example, the linear structure of carbon dioxide (CO_2) makes it a greenhouse gas, while the tetrahedral structure of methane (CH_4) allows it to be a flammable fuel.

Understanding chemical bonding and molecular structure is not just an academic exercise. It has revolutionized our world. By manipulating these fundamental forces, chemists can design new materials with specific properties, from life-saving drugs to lightweight and strong composites. The quest for sustainable energy solutions hinges on understanding how to manipulate bonds to create efficient solar cells and energy storage devices.

Chemical bonding, the invisible ballet of atoms, is the very foundation of our material world. It dictates how individual atoms, the building blocks of existence, come together to form the vast array of substances we encounter daily. But this intricate dance doesn't stop at mere formation; it extends to the dynamic realm of chemical reactions, where bonds break and reform, leading to the creation of entirely new entities.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

At the heart of chemical bonding lies the concept of achieving stability. Atoms strive for an energetically favorable configuration, typically by acquiring a full outer electron shell. This yearning for stability manifests in three primary bonding types: ionic, covalent, and metallic. In ionic bonding, atoms with vastly different electronegativities (affinity for electrons) transfer electrons entirely, forming charged ions that attract each other like opposite poles of a magnet. This is the force behind table salt (NaCl), where sodium readily loses an electron to chlorine, resulting in the familiar ionic lattice.

Covalent bonding, on the other hand, involves a more democratic approach. Here, atoms share electrons, forming a communal "sea" that binds them together. This electron-sharing dance is evident in water (H_2O), where each hydrogen atom covalently bonds with the oxygen atom, creating a stable and versatile molecule. Finally, metallic bonding paints a picture of a positively charged metal lattice permeated by a delocalized cloud of electrons. This "electron sea" model explains the characteristic properties of metals, such as their conductivity and malleability.

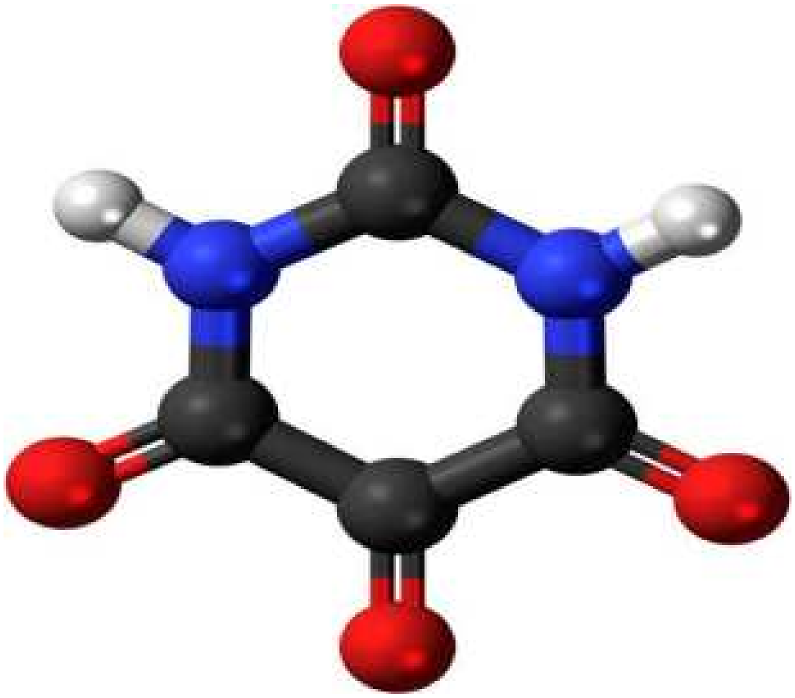

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Chemical reactions are the grand choreography where these bonding principles come into play. During a reaction, the existing bonds between atoms weaken and eventually break. The freed electrons then engage in a reshuffling act, forming new bonds with different partners. This reshuffling leads to the creation of entirely new molecules with distinct properties. For instance, the burning of methane (CH4) in oxygen (O2) involves the breaking of C-H and O=O bonds, followed by the formation of C-O and O-H bonds, resulting in water and carbon dioxide – products with vastly different characteristics from the starting materials.

Metallic bonding takes a more delocalized approach. In metals, valence electrons are loosely bound to the positively charged nuclei, forming a "sea" of electrons. This delocalization allows metals to conduct electricity and heat efficiently.

Chemical reactions, the heart of chemistry, are essentially a grand reshuffling of atoms. During a reaction, bonds in the starting materials (reactants) are broken, and new bonds are formed to create the products. The energy changes associated with these bond-breaking and bond-forming processes determine the spontaneity of a reaction. If the overall energy of the products is lower than that of the reactants (an exothermic reaction), the reaction will proceed readily. Conversely, if energy input is required (an endothermic reaction), the reaction may not occur naturally. For example, the ionic bond in NaCl is very strong, making it difficult to break apart at room temperature, resulting in a high melting point. Conversely, the weaker hydrogen bonds in water molecules allow it to exist as a liquid at room temperature.

The realm of chemical bonding extends far beyond basic understanding. Chemists leverage this knowledge to design new materials with specific properties. For instance, understanding the delocalization of electrons in metals allows the development of alloys with enhanced strength and conductivity. Additionally, the manipulation of bonds plays a vital role in drug discovery, where scientists design molecules that can interact with specific targets within the body.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

The world around us, from the towering redwoods to the delicate wings of a butterfly, is built upon the intricate dance of atoms. These fundamental building blocks, when arranged in specific configurations, form molecules, the workhorses of chemistry. It's the unique architecture of these molecules, their molecular structure, that dictates their reactivity and governs the vast array of chemical reactions that shape our universe. The forces that bind atoms together – ionic, covalent, metallic – determine the overall shape and stability of a molecule. A simple water molecule (H2O) boasts a V-shaped geometry due to the polar covalent bonds between its oxygen and hydrogen atoms. This specific arrangement influences how water interacts with other molecules, making it a crucial solvent for life.

The linear structure of carbon dioxide (CO2) contrasts with the tetrahedral shape of methane (CH4). These differences impact how these molecules pack together, influencing properties like melting and boiling points. Additionally, intermolecular forces such as hydrogen bonding and van der Waals forces dictate the strength of attraction between molecules, impacting everything from the viscosity of liquids to the stability of biological structures like DNA. The Lewis acid-base theory, for instance, explains reactions based on the ability of molecules to donate or accept electrons. A molecule with a lone pair of electrons (Lewis base) can react with an electron-deficient molecule (Lewis acid) to form a new bond. This principle plays a vital role in countless biological processes, including enzyme function.

Molecular structure also dictates reaction rates. The arrangement of atoms can influence how easily they collide and interact. Molecules with bulky groups or complex geometries may have steric hindrance, meaning their shapes hinder their ability to come close enough for a reaction to occur. Conversely, molecules with complementary shapes can undergo reactions more readily. The knowledge of molecular structure is not just for understanding the natural world; it empowers scientists to design new materials and drugs. By manipulating the arrangement

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

of atoms, chemists can create molecules with specific properties. For example, understanding the active site of an enzyme allows for the design of drugs that can bind competitively, inhibiting its function and potentially treating diseases. The seemingly simple concept of molecular structure holds immense power. It governs the intricate world of chemical reactions, dictating how substances interact, transform, and create the vast diversity of our world. From the fundamental building blocks of life to the cutting-edge materials of tomorrow, deciphering the language of molecular structure allows us to unlock the secrets of the universe, one atom at a time.

Conclusion

Chemical bonding is the invisible language that allows atoms to communicate and form the world around us. By understanding the different types of bonds and how they orchestrate the grand ballet of chemical reactions, we unlock a deeper appreciation for the intricate dance of matter and the potential for innovation that lies within. Understanding the interplay between bonding and reactions is not just an intellectual pursuit; it holds immense practical significance. This knowledge allows us to design new materials with tailored properties – from lightweight and strong alloys for airplanes to life-saving drugs that target specific molecules within the body. Furthermore, it empowers us to understand complex biological processes, where specific interactions between molecules govern cellular functions.

REFERENCES

1. Levine, Daniel S.; Head-Gordon, Martin (2020). "Clarifying the quantum mechanical origin of the covalent chemical bond". *Nature Communications*. **11** (1). Springer Science and Business Media LLC: 4893.
2. Pauling, L. (2019), "The nature of the chemical bond. Application of results obtained from the quantum mechanics and from a theory of paramagnetic

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

susceptibility to the structure of molecules", *Journal of the American Chemical Society*, **53** (4): 1367–1400

3. Frenking, Gernot; Krapp, Andreas (2017). "Unicorns in the world of chemical bonding models". *Journal of Computational Chemistry*. **28** (1): 15–24
4. Jensen, Frank (2019). *Introduction to Computational Chemistry*. John Wiley and Sons. ISBN 978-0-471-98425-2.
5. *Pauling, Linus (2019). "The Concept of Resonance". The Nature of the Chemical Bond – An Introduction to Modern Structural Chemistry (3rd ed.). Cornell University Press. pp. 10–13. ISBN 978-0801403330.*
6. Gillespie, R.J. (2018), "Teaching molecular geometry with the VSEPR model", *Journal of Chemical Education*, **81** (3): 298–304
7. Housecroft, Catherine E.; Sharpe, Alan G. (2015). *Inorganic Chemistry* (2nd ed.). Pearson Prentice-Hal. p. 100. ISBN 0130-39913-2.
8. Rioux, F. (2019). "The Covalent Bond in H_2". *The Chemical Educator*. **6** (5): 288–290
9. *Heitler, W.; London, F. (2019). "Wechselwirkung neutraler Atome und homoopolare Bindung nach der Quantenmechanik" [Interaction of neutral atoms and homeopolar bonds according to quantum mechanics]. Zeitschrift für Physik.* ***44*** *(6–7): 455–472*
10. Loretta Jones (2019). *Chemistry: Molecules, Matter and Change*. New York: W.H. Freeman & Co. pp. 294–295. ISBN 978-0-7167-3107-8.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

IMPACT OF AGRICULTURAL DEVELOPMENT ON RURAL POOR- A CASE STUDY OF AURANGABAD DISTRICT

Dr. Upendra Kumar Singh
Assistant Professor (H.O.D),
Department of Economics
A.K. Singh College, Japla,
Palamu, Jharkhand

ABSTRACT

Agricultural development is often seen as a key driver of progress in rural areas, with the potential to lift millions out of poverty. However, the impact on the rural poor is complex and can be a double-edged sword. While it can create opportunities, it can also exacerbate existing inequalities. On the positive side, agricultural development can lead to increased food security for small-scale farmers. Improved crop yields and access to irrigation can ensure families have enough to eat and potentially generate a surplus for sale. This translates to higher incomes, improved nutrition, and the ability to afford basic necessities like healthcare and education. Additionally, development projects can introduce new technologies and farming practices, leading to more efficient use of resources and labor. This creates a demand for skilled workers, raising wages and empowering rural communities. However, the benefits of agricultural development are not always evenly distributed. Land ownership is a crucial factor. Large-scale commercial farms, while boosting overall production, can displace smallholders and tenant farmers. This loss of land pushes them into precarious labor situations or forces them to migrate to urban areas in search of work. Additionally, the high costs of new technologies like fertilizers and improved seeds can be out of reach for many small-scale farmers, widening the gap between the rich and the poor.

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

KEYWORDS:

Agricultural, Development, Rural, Poor

INTRODUCTION

To ensure that agricultural development truly benefits the rural poor, a multi-pronged approach is needed. Land reforms that promote equitable access and ownership are crucial. Investing in education and extension services empowers small farmers to adopt new technologies and improve their bargaining power. Encouraging diversification and sustainable practices protects the environment and ensures long-term food security. Finally, promoting rural infrastructure development creates opportunities for non-farm employment and reduces dependence on agriculture alone. [1]

Improved farming techniques, better access to fertilizers and seeds, and irrigation systems can lead to higher crop yields and increased income for farmers. This translates to better food security, improved nutrition, and the ability to afford basic necessities. Development projects can create new employment opportunities in allied sectors like processing, transportation, and storage of agricultural products. This diversification of the rural economy provides additional income sources for the poor. Increased agricultural output can lead to lower food prices, which benefits not only farmers but also landless laborers who spend a significant portion of their income on food.

Large-scale development projects may lead to land acquisition, displacing small farmers and depriving them of their livelihood. This can exacerbate poverty and social unrest. Access to new technologies often comes with the burden of debt. Small farmers who cannot afford these inputs may fall into a debt trap, further deepening their poverty. Unsustainable agricultural practices, such as excessive use of pesticides and fertilizers, can damage the environment, deplete soil

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

fertility, and disrupt traditional farming methods, ultimately harming the long-term livelihoods of the rural poor. [2]

On the positive side, agricultural development can empower small-scale farmers through improved techniques, access to fertilizers and better irrigation systems. This leads to higher yields, allowing them to sell surpluses and generate additional income. Increased agricultural productivity also brings down food prices, making them more affordable for the rural poor, who often spend a significant portion of their income on basic necessities. Furthermore, the growth in the agricultural sector often stimulates the creation of new jobs in related fields, such as food processing, transportation, and agricultural services, providing much-needed employment opportunities for rural populations.

However, the benefits of agricultural development are not always evenly distributed. Land ownership is a crucial factor. Large-scale commercial farming projects, while contributing to overall production, can displace small-scale farmers and traditional land use practices. This marginalizes them, leading to landlessness and a loss of livelihood. Additionally, the adoption of new technologies often requires significant upfront investments, which small-scale farmers may not be able to afford. This creates a cycle of debt and dependence, further widening the gap between rich and poor farmers.

Moreover, a focus on monoculture farming, driven by increased production, can have negative environmental consequences. Soil degradation, water pollution, and loss of biodiversity can threaten long-term sustainability and negatively impact the livelihoods of rural communities who depend on these natural resources.

Agriculture forms the backbone of rural economies, especially in developing countries like India. However, despite efforts towards agricultural development, the rural poor often find themselves on the fringes of progress. This paper

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

explores the key challenges that hinder agricultural development from effectively uplifting the lives of those who depend on it the most. [3]

REVIEW OF RELATED LITERATURE

One major obstacle is the lack of access to resources. Land ownership is often skewed, with small and fragmented holdings making it difficult for poor farmers to achieve economies of scale. Furthermore, inadequate irrigation facilities and limited access to credit restrict their ability to invest in improved seeds, fertilizers, and technology. This perpetuates a cycle of low productivity and minimal returns, trapping them in poverty. Another challenge is the poor state of rural infrastructure. Deficient transportation networks make it difficult for farmers to get their produce to markets, leading to post-harvest losses and lower profits. Additionally, a lack of proper storage facilities forces them to sell their crops immediately after harvest, often at lower prices. This vulnerability to market fluctuations further weakens their economic position. [1]

Climate change emerges as a growing threat. Unpredictable weather patterns, droughts, and floods disrupt agricultural cycles and devastate crops. Poor farmers, lacking resources to adapt, are disproportionately affected. These challenges are compounded by a general lack of access to information and extension services on climate-resilient practices, hindering their ability to cope with a changing environment. [2]

Social factors also play a significant role. Gender inequality disproportionately burdens women farmers, who often lack access to land, credit, and decision-making power. Furthermore, the absence of strong farmer organizations weakens their bargaining power in the market, leaving them susceptible to exploitation by middlemen. To address these challenges, a multi-pronged approach is needed. [3]

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Land reforms promoting equitable distribution and consolidation of holdings are crucial. Investments in rural infrastructure, such as irrigation systems, roads, and storage facilities, are essential to improve market access and reduce post-harvest losses. [4]

Financial inclusion through microcredit schemes and transparent market mechanisms can empower farmers and provide them with a safety net. Additionally, promoting agricultural research and extension services focused on climate-smart practices can equip farmers with the tools to adapt to changing weather patterns. [5]

IMPACT OF AGRICULTURAL DEVELOPMENT ON RURAL POOR

Land ownership is often skewed, with small and fragmented holdings characteristic of poor farmers. This makes it difficult to adopt new technologies or practices that require economies of scale. Additionally, access to credit facilities is limited, hindering investments in essential inputs like high-yielding seeds, fertilizers, and irrigation equipment. This perpetuates a cycle of low productivity and reinforces poverty. Infrastructure deficiencies further impede progress. Poor rural roads make transporting produce to markets a costly and time-consuming affair. Inadequate storage facilities lead to post-harvest losses, wiping out a significant portion of a farmer's income. The lack of access to weather forecasting and information on market prices leaves them vulnerable to exploitation by middlemen.

Climate change emerges as a growing threat. Erratic rainfall patterns, droughts, and floods disrupt traditional agricultural practices and reduce yields. The rural poor, with limited resources to adapt, bear the brunt of these changes. They lack access to climate-resilient seeds and irrigation systems, making them even more susceptible to food insecurity. Furthermore, gender disparity remains a persistent

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

issue. Women, who play a crucial role in agricultural activities, often lack land rights and access to extension services and training programs. This marginalizes their contribution and limits their ability to benefit from development initiatives.

To bridge this gap, agricultural development strategies need a more inclusive approach. Land reforms and programs facilitating land consolidation can empower small farmers. Microfinance initiatives can provide access to credit for crucial inputs. Investments in rural infrastructure, including roads, storage facilities, and market information systems, can improve market linkages and reduce exploitation. Encouraging sustainable practices like water conservation techniques and adoption of climate-resilient crops can help mitigate the impact of climate change. Additionally, ensuring equitable access to extension services and training programs for women is vital to unlock their full potential in agriculture.

Agricultural development has the potential to uplift the rural poor. However, a focus on equity and inclusion is essential to ensure that progress reaches those who need it most. By addressing the challenges of resource access, infrastructure deficiencies, climate change, and gender disparity, agricultural development can truly empower the rural poor and contribute to a more inclusive and sustainable future.

Finally, fostering inclusive farmer organizations and empowering women farmers are critical steps towards ensuring equitable participation in agricultural development. By addressing these challenges, agricultural development can truly serve as a vehicle for poverty alleviation and create a more prosperous future for the rural poor.

For agricultural development to be truly beneficial for the rural poor, a nuanced approach is needed. Here are some key considerations:

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

- **Focus on small-scale farmer empowerment:** Provide access to credit, training in sustainable practices, and fair market access for small-scale farmers.

- **Land reforms:** Ensure equitable land ownership and protect the rights of traditional land users.

- **Promote agroecology:** Encourage practices that are both productive and environmentally friendly, such as crop rotation and integrated pest management.

- **Invest in rural infrastructure:** Develop transportation networks, storage facilities, and market access to connect rural producers with consumers.

By addressing these issues, agricultural development can transform from a potential threat to a powerful tool for poverty reduction and sustainable rural development. It's crucial to remember that agricultural development is not just about increasing production; it's about creating a future where rural communities can thrive.

Aurangabad district in Maharashtra, India, presents a fascinating case study for examining the impact of agricultural development on the rural poor. Agriculture remains the dominant source of livelihood for a large portion of Aurangabad's population. While development initiatives hold promise for improving lives, the impact on poverty reduction can be a complex and uneven process.

Positive Impacts:

- **Increased Productivity:** Modernization efforts, such as introducing high-yield crop varieties and improved irrigation systems, can potentially lead to higher yields and greater agricultural output. This translates to increased income for farmers, lifting some out of poverty.

- **Diversification:** Shifting from subsistence farming to cash crops like fruits and vegetables can generate higher profits. This can improve the financial

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

situation of rural households and create opportunities for allied industries like processing and transportation.

- **Infrastructure Development:** Investments in rural infrastructure, such as roads and storage facilities, can improve market access for farmers. This reduces post-harvest losses and allows them to fetch better prices for their produce.

- **Government Schemes:** Government initiatives like subsidized loans, minimum support prices for crops, and social safety nets can provide a much-needed safety cushion for small and marginal farmers, protecting them from falling deeper into poverty.

Challenges and Unequal Distribution of Benefits:

- **Land Ownership and Inequality:** Unequal land distribution can hinder poverty reduction. Landless laborers and small farmers may not have the resources to adopt new technologies or benefit from increased market access.

- **Debt Burden:** High-yielding crops often require more investment in seeds, fertilizers, and pesticides. This can lead to debt traps for farmers, especially during droughts or crop failures.

- **Market Fluctuations:** Increased reliance on cash crops can make farmers vulnerable to volatile market prices. Price crashes can wipe out profits and exacerbate poverty.

- **Limited Reach of Development:** Government schemes and infrastructure development may not always reach the most marginalized communities, leaving them behind in the development process.

The Case of Aurangabad:

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

Understanding the specific context of Aurangabad is crucial. Researching the types of development initiatives being implemented, the crops being promoted, and the land ownership patterns will provide a clearer picture of the impact on the rural poor.

Agricultural development has the potential to uplift rural communities out of poverty. However, the benefits are often unevenly distributed. A successful strategy for Aurangabad should focus on ensuring equitable access to resources, technology, and markets for all farmers, particularly the landless and smallholders. By addressing these challenges, agricultural development can be a powerful tool for poverty reduction and sustainable rural livelihoods in Aurangabad.

Conclusion

Agricultural development has the potential to be a powerful tool for poverty reduction in rural areas. However, its success hinges on ensuring inclusivity and addressing potential pitfalls. By focusing on empowering small-scale farmers, promoting sustainable practices, and investing in rural infrastructure, agricultural development can truly pave the way for a brighter future for the rural poor. Furthermore, a focus on cash crops for export can have unintended consequences. While it may generate income, it can neglect the production of staple foods needed for local consumption. This can lead to price fluctuations and food insecurity for rural populations. Environmental degradation caused by intensive agricultural practices also disproportionately affects the rural poor who rely on natural resources for their livelihoods.

REFERENCES

1. Diao, X.; Hazell, P.; Thurlow, J. The role of agriculture in African development. *World Dev.* 2019, *38*, 1375–1383.

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876

Research paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved, UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

2. Gollin, D.; College, W. *Agriculture as an Engine of Growth and Povety Reduction: What We Know and What We Need to Know*; African Economic Research Consortium: Nairobi, Kenya, 2019.

3. Cervantes-Godoy, D.; Dewbre, J. *Economic Importance of Agriculture for Poverty Reduction*; OECD: Paris, France, 2019

4. Dorosh, P.; Thurlow, J. Beyond agriculture versus non-agriculture: Decomposing sectoral growth—Poverty linkages in five African countries. *World Dev.* 2016.

5. Abro, Z.A.; Alemu, B.A.; Hanjra, M.A. Policies for agricultural productivity growth and poverty reduction in Rural Ethiopia. *World Dev.* 2018, *59*, 461–474.

6. Sakane, N.; van Wijk, M.T.; Langensiepen, M.; Becker, M. A quantitative model for understanding and exploring land use decisions by smallholder agrowetland households in rural areas of East Africa. *Agric. Ecosyst. Environ.* 2018, *197*, 159–173.

7. Thirtle, C.; Lin, L.; Piesse, J. The impact of research-led agricultural productivity growth on poverty reduction in Africa, Asia and Latin America. *World Dev.* 2019, *31*, 1959–1975.

8. Christiaensen, L.; Demery, L.; Kuhl, J. The (evolving) role of agriculture in poverty reduction—An empirical perspective. *J. Dev. Econ.* 2019, *96*, 239–254.

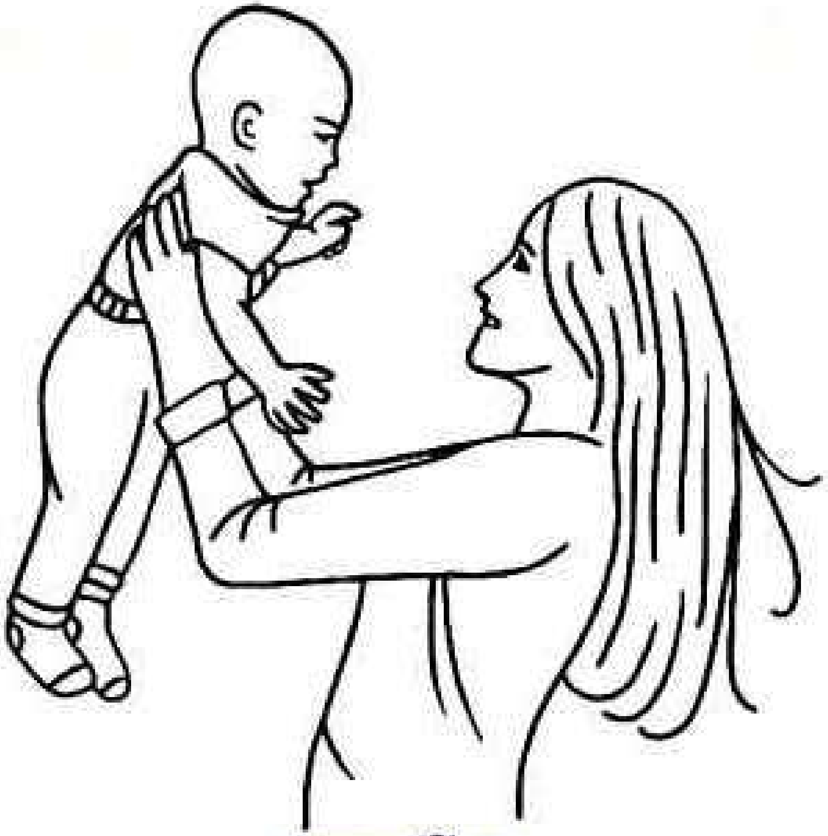

पुस्तक परिचय

अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर प्रस्तुत इस पुस्तक में देश भर से अनेक सुप्रसिद्ध साहित्यकारों द्वारा जन्मदायिनी मां के प्रति अपनी श्रद्धा भक्ति एवं स्नेह भाव का वर्णन करती सुन्दर रचनाओं का संकलन करके पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN: 978-93-340-5373-9

Available on

kobo

Follow on

मां- ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

मुकेश कुमार सोनकर

माँ

ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

(साझा संकलन)

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

संकलन : मुकेश कुमार सोनकर

First published by Divyajyoti Publications

Raipur(Chhattisgarh), 492013

Email: divyajyotipublications.rpcg@gmail.com

Divyajyoti Publication, Raipur(CG)

Copyright ©Divyajyoti Publications

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Author or Publishers

Title: मां–ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान(साझा संकलन)

Language: Hindi

ISBN:- 978-93-340-5373-9

Price:-

No. of Pages:- 154

Compiled and designed By :- Mukesh Kumar Sonkar

Typeset in Times New Roman by Jyoti Sonkar

Cover page designed by Divyanshi

Printed by :-

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

अनुक्रम

क्र.	संकलन में सहभागी रचनाकारों के नाम	पृष्ठ क्र.
1	आ. डॉ. आलोक रंजन कुमार जी, पलामू झारखण्ड	8
2	आ. अशोक गोयल जी, पिलखुवा हापुड़ उत्तरप्रदेश	11
3	आ. डॉ. अनिता गोस्वामी जी, नोएडा	14
4	आ. अंजली सारस्वत शर्मा जी, लखनऊ उत्तरप्रदेश	17
5	आ. डॉ. जवाहर धीर जी, पंजाब	20
6	आ. सुमा मण्डल जी, पखांजूर कांकेर छत्तीसगढ़	25
7	आ. विद्याशंकर विद्यार्थी जी, रामगढ़ झारखण्ड	28
8	आ. अविनाश खरे जी, पुणे महाराष्ट्र	29
9	आ. प्रियंका शुक्ला जी, बरगढ़ ओडिशा	32
10	आ. विशाल जैन 'पवा' जी, ललितपुर उत्तरप्रदेश	34
11	आ. सुनील कुमार जी, नकुड़ सहारनपुर उत्तरप्रदेश	37
12	आ. डॉ. नीलम पाण्डेय नीलिमा जी, खटीमा उत्तराखण्ड	39
13	आ. अंजना सिन्हा 'सखी' जी, रायगढ़ छत्तीसगढ़	41
14	आ. निधि बोथरा जैन जी, इस्लामपुर पश्चिम बंगाल	44
15	आ. गुड़िया गौतम जी, जलगांव महाराष्ट्र	46
16	आ. सुखमिला अग्रवाल 'भूमिजा' जी, जयपुर राजस्थान	48
17	आ. सुनीता प्रभाकर राव जी, वसुनी तेलंगाना	50
18	आ. मीना रावलानी जी, कोटा राजस्थान	52
19	आ. भानुप्रिया देवी जी, देवघर झारखण्ड	54
20	आ. दुर्गेश मोहन जी, बिहटा पटना बिहार	55
21	आ. पंकज सिंह दिनकर 'अर्कवंशी' जी, लखनऊ उत्तरप्रदेश	57
22	आ. डॉ. दक्षा जोशी 'निर्झरा' जी	58
23	आ. मृदुला वर्मा जी, कानपुर उत्तरप्रदेश	59
24	आ. अमन रंगेला 'सनातनी' जी, सावनेर नागपुर महाराष्ट्र	60
25	आ. उमा जोशी जी, देवास मध्यप्रदेश	61
26	आ. कुमार जितेन्द्र जी, उन्नाव उत्तरप्रदेश	62
27	आ. शिवनाथ सिंह 'शिव' जी, रायबरेली उत्तरप्रदेश	64
28	आ. राकेश राज भाटिया जी धुरल कांगड़ा हिमाचल प्रदेश	66
29	आ. लक्ष्मण राव कागा जी, बाड़मेर राजस्थान	70
30	आ. रश्मि अग्रवाल जी, बिलासपुर छत्तीसगढ़	73
31	आ. मीनाक्षी सुकुमारन जी, नोएडा	75
32	आ. सुषमा खजुरिया जी, ब्यासपुर हिमाचल प्रदेश	76
33	आ. रचना श्रीवास्तव जी, कोटा राजस्थान	78
34	आ. रविनारायण शुक्ल जी, लालगंज रायबरेली उत्तरप्रदेश	79
35	आ. रेणुबाला सिंह जी, गाजियाबाद उत्तरप्रदेश	80
36	आ. अशोक जाटव 'राही' जी भोपाल मध्यप्रदेश	85
37	आ. मंजू शकुन खरे जी, दतिया मध्यप्रदेश	86
38	आ. लता सेन जी, इन्दौर मध्यप्रदेश	89
39	आ. सूर्यप्रकाश शर्मा 'निशिहर' जी, रायबरेली उत्तरप्रदेश	91
40	आ. शिवेंद्र कौशिक 'हमारा धामपुरी' जी, दिल्ली	93
41	आ. आभा गुप्ता जी, इन्दौर मध्यप्रदेश	95
42	आ. शरीफ खान जी, रावतभाटा कोटा राजस्थान	96

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

43	आ. विमल तोमर जी, अम्बाह मुरैना मध्यप्रदेश	99
44	आ. मेघा अग्रवाल जी, नागपुर महाराष्ट्र	100
45	आ. सुरेश बघेल जी, लालपुरी भिलाई छत्तीसगढ़	103
46	आ. ईश्वर चन्द्र जायसवाल जी, संत कबीर नगर उत्तरप्रदेश	104
47	आ. पिंकी मेहता शाह 'दिशा' जी, अहमदाबाद गुजरात	106
48	आ. सुशील चन्द्र बाजपेयी जी, लखनऊ उत्तरप्रदेश	107
49	आ. पुष्पा पारेश्वर जी, सरायपाली महासमुन्द छत्तीसगढ़	108
50	आ. शेरसिंह चौहान 'सरल' जी, झाबुआ मध्यप्रदेश	109
51	आ. छाया शाह 'रश्मि' जी, मुम्बई	110
52	आ. संदीप शर्मा जी, देहरादून उत्तराखण्ड	111
53	आ. भारती श्रीवास्तव जी, छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश	113
54	आ. नरेन्द्र सोनकर 'कुमार सोनकरन' जी, प्रयागराज उत्तरप्रदेश	114
55	आ. सुनीता अग्रवाल जी, गाजियाबाद उत्तरप्रदेश	117
56	आ. धानू राम साहू जी, मुंगेली छत्तीसगढ़	118
57	आ. मिंटू अग्रवाल जी नागपुर महाराष्ट्र	120
58	आ. सुनिता श्रीवास्तव जी, सुल्तानपुर उत्तरप्रदेश	121
59	आ. विनय पाण्डेय जी, उत्तराखण्ड	122
60	आ. सखी जी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	123
61	आ. डॉ. रामनिवास तिवारी 'आशुकवि' जी, निवाड़ी मध्यप्रदेश	124
62	आ. बलराम यादव जी, देवास मध्यप्रदेश	125
63	आ. ममता प्रीति श्रीवास्तव जी, गोरखपुर उत्तरप्रदेश	127
64	आ. जयंती खमारी 'ज्योति' जी, रायगढ़ छत्तीसगढ़	128
65	आ. जयकुमार ठाकर 'मृत्युंजय योगी'जी सूरत गुजरात	130
66	आ. डॉ. हरिभजन प्रियदर्शी जी, श्री मुक्तसर साहिब पंजाब	132
67	आ. रमाकांत शर्मा जी, डांडेली कर्नाटक	134
68	आ. डॉ. राजपाल जी, गंगानगर राजस्थान	137
69	आ. डॉ. सपना जी, गंगानगर राजस्थान	138
70	आ. विजय प्रताप कुशवाहा 'संगम' जी, कुशीनगर उत्तरप्रदेश	139
71	आ. आनंद त्रिपाठी जी, मऊगंज मध्यप्रदेश	142
72	आ. अनिल कुमार केसरी जी, राजस्थान	144
73	आ. महेश सोनी 'कुमार अहमदाबादी' जी.	145
74	आ. डॉ. जनक सिंह मीणा जी, गांधीनगर गुजरात	146
75	आ. सायली चिकुटकर जी, नांदेड़, महाराष्ट्र	148
76	आ. डॉ. प्रो. मंजरी गुरु जी, रायगढ़ छत्तीसगढ़	149
77	आ. मुकेश कुमार सोनकर 'सोनकर जी', रायपुर छत्तीसगढ़	151

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

------- *परिचय विवरण* -------

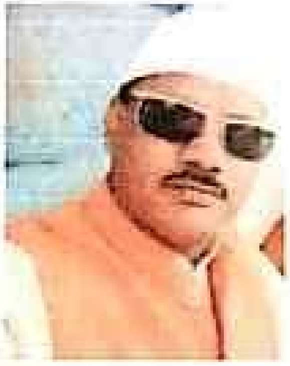

1. नाम : प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

2. माता-पिता का नाम : स्व. मानमती देवी स्व. राजा राम

3. पत्नी का नाम : रश्मि प्रकाश

4. जन्म तिथि : 23 - 02 – 1972 जन्म स्थान : जपला जिला : पलामू

5. शिक्षा : स्नातक - १. हिन्दी भाषा एवं साहित्य,२. रूसी भाषा एवं साहित्य, ३. वकालत, ४. शिक्षा विशारद।

स्नातकोत्तर - १. हिन्दी भाषा एवं साहित्य, २. भाषा विज्ञान, ३. अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य।

पी-एच. डी. - हिन्दी (पलामू कमिश्नरी की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन -- भाषाएं : हिन्दी, मगही, भोजपुरी, नागपुरी, संथाली, मुंडारी, ब्रिजिया, बिरहोर, कोरवा, हो, कुंडूख कर (ओरांव भाषा)

6. वर्तमान में कार्य (पेशा) : हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, ए के सिंह कॉलेज जपला तथा राज्य प्रमुख – मानवाधिकार मिशन झारखण्ड

7. संस्थापक/अध्यक्ष : संस्थापक - गौरव साहित्य मंच पलामू , विश्ववाणी हिंदी संस्थान अभियान झारखण्ड, संयोजक - राष्ट्रवादी लेखक संघ झारखण्ड, राज्य प्रमुख - (स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) मानवाधिकार मिशन झारखण्ड, अध्यक्ष- सोन घाटी पुरातत्व परिषद् पलामू ,झारखण्ड , संयोजक - अथाई आशा इंटरनेशनल साहित्य एवं समन्वय समूह झारखण्ड आदि।

8. हिंदी प्रचार के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान : विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के माध्यम से हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन एवं सहभागिता।

9. लेखन विधा : कविता, दोहा, गजल, हाइकु, सॉनेट, लघुकथा, कहानी, संस्मरण, निबंध, आलेख, साक्षात्कार

10. भाषा साहित्य/गायन वादन/अभिनय/शिक्षा / समाजसेवा / चिकित्सा के क्षेत्र में आपके द्वारा किया गया उल्लेख योगदान लिखें : प्रतिवर्ष लगभग सौ विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना। काव्य पाठ, भक्ति वन्दना गायन

11. प्राप्त सम्मान/पुरस्कार : शताधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान/पुरस्कार तथा दो सौ से अधिक राष्ट्रीय सम्मान/पुरस्कार/ प्रशस्ति-पत्र/प्रमाण पत्र।

12. हाल का पद तथा दायित्व : हिन्दी विभागाध्यक्ष सह नैक को-ऑर्डिनेटर,ए के सिंह कालेज, जपला। उपरोक्त सभी पद पर आसीन।

13. अब तक प्राप्त मुख्य उपलब्धि : १. हिन्दी सचिवालय मॉरीशस तथा सृजन आस्ट्रेलिया से अंतरराष्ट्रीय अनेक सम्मान। २. तीन आर्य भाषा परिवार की मातृभाषाओं, छः मुंडा परिवार की मातृभाषाओं, तथा एक द्रविड़ परिवार की बोली पर शोध कार्य।

14. वर्तमान पता : "राजभवन" मुहल्ला - लम्बी गली, पोस्ट - जपला, जिला - पलामू, राज्य - झारखण्ड, पिन कोड – 822116

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

माँ ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

माँ ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान
माँ का जग में सबसे ऊंचा पायदान

माँ श्रृष्टि के आरंभ में दी थी प्राणदान
ब्रह्मा विष्णु शिव को दी थी अभयदान

माँ तेरी शक्ति से जग क्यों अनजान
तू ही पूजा, तू ही भक्ति, देती वरदान

तूने ही दिया ज़ुबान और आत्मज्ञान
माँ तुझको पाया तो पाया ये ब्रहमज्ञान

कभी न भूल सकता तेरा अवदान
तूने ही तो पूरा किया मेरा अरमान

करती दिनभर नि: शुल्क श्रमदान
तुझसे रौशन होता पूरा खानदान

ईश्वर से तो मैं क्या दुनिया अनजान
पर मेरी दृष्टि में, माँ तू ही भगवान

तुझसे ही तो जग में मेरी पहचान
तू ही मेरा अतीत भविष्य वर्तमान

माँ से अधिक जग में न कोई महान
शब्द कम पड़े, कैसे करूं यशगान

तू जन्मदात्री, पालनकर्त्री, धैर्यवान
माँ ! ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

✍ डॉ. आलोक रंजन कुमार

01/08/2024
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

माँ ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान है!

बात उन दिनों की है, जब मैं स्नातक में अध्ययन कर रहा था । अपने पैतृक स्थान से लगभग 81 किलोमीटर दूर पर अवस्थित जीएलए कॉलेज मेदिनीनगर में मैं अध्यनरत था। कॉलेज में रविवार को अवकाश होने के कारण प्रायः सप्ताह में शनिवार को शाम वाली रेलगाड़ी से घर पर आ जाया करता था ।

एक बार की बात है कि मैं शुक्रवार को ही घर पर आने वाला था। मां, पिताजी से बोली कि आज बेटा घर आ जाएगा । इसपर पिताजी ने कहा - उसकी छुट्टी रविवार को होती है, इसलिए वह शनिवार को ही आएगा, आज कैसे आ सकता है, भला ! इस पर मां ने कहा - मेरी आत्मा कह रही है कि बेटा आज अवश्य आएगा। क्योंकि उन दिनों मोबाइल फोन का जमाना नहीं था लेकिन घर पर लैंडलाइन फोन लगा हुआ था लेकिन मैंने फोन नहीं किया, सोचा कि घर पर पहुंच कर सरप्राइज दूंगा । लेकिन यहां तो मां की आत्मा जान चुकी थी कि मैं घर पर आ रहा हूं । जब मैं घर की गली में पहुंचा तो देखा कि दरवाजा खुला हुआ है मैंने सोचा कोई बात है क्या ? दूर से ही मेरा घर का खुला दरवाजा दिखाई पड़ रहा था, बार-बार मन विचलित हो रहा था । कभी सोचा कि कहीं पिताजी की तबीयत तो नहीं खराब है आदि आदि। यही सब सोता हुआ घर के दरवाजे तक पहुंचा । परंतु ; यहां तो मां मेरे आगमन प्रतीक्षा में बैठी हुई थी। मैं यह सोचकर चकित हो गया कि मां को कैसे पता चला कि मैं आज ही घर पर आ रहा हूं । वह झट से चौकी पर से उठी और मुझे गले लगा लिया । मैंने मां - पिताजी के चरण स्पर्श कर प्रणाम किया। तब पिताजी ने कहा तुम मां बेटों का हृदय से हृदय का मिलन है। पता नहीं तुम्हारी मां को तुम्हारे आने का अहसास कैसे हो जाता है? आज तुम्हारे आने से पहले ही मुझसे कह रही थी कि आलोक आज ही आने वाला है। सचमुच मां मां होती है ! मां ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान है!

~ डॉ. आलोक रंजन कुमार

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

ISSN No. 2347-2944 (Print)
e-ISSN No. 2582-2454 (Online)
RNI REG. : UPBIL/2014/66218
I2OR Impact Factor: 6.500

ASVP ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

An International peer reviewed, open approach referred multi-disciplinary research journal

Indexing By:
Indexing No.: 900
International Institute of Organized Research (I2OR)
(An Organized Research Platform)
Melbourne, Australia

DR. RAJEEV KUMAR SRIVASTAVA
Managing Director/Chief Editor/Publisher

Vol.-13, No.- II, Issues-XVII, YEAR- Sept.-2020

www.aryavartsvs.org.in

I2OR Publication Excellence Award 2018
I2OR Excellence International Journal Award 2019

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

ASVP

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

(UGC Peer Reviewed Journal)

Chief Patron :
Prof. Kalplata Pandey
Vice Chancellor, Jannayak Chandra Shekhar University, Ballia (U.P.) India

Patron:
Prof. Manvendra Pratap Singh
HOD- Sociology, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (U.P.) India

President:
DR. Ram Naresh Yadav
Asso. Prof., Deptt. Of Sociology, S.M.M.T. P.G. College, Ballia, (U.P.) India

Managing Director/Chief Editor/Publisher
DR. Rajeev Kumar Srivastava
Asst. Prof. Deptt. Of Sociology, Shri Sudrisht Baba P.G. College, RaniGanj, Ballia, (U.P.) India.
Aryavart Shodh Vikas Sansthan, Ballia, (U.P.) India.

Managing Editor:
Prof. Pradeep Kumar Sharma.
Registrar, Post Graduate and Research Institute. Dakhsin Bharat Hindi Prachar Sabha,
Tyagrai Nagar, Chennai (Tamilnadu) India.

Guest Editor :
Prof. Hu Rui
Asso. Prof. Deptt. Of Hindi, Vice- Dean, Faculty of Foreign Studies, Guangdong Univer dty of Foreign Studies, China
Associate Editor :
DR. Vivek Mani Tripathi
Asst. Prof. (Indology), Faculty of Afro-Asian Languages and cultures,
Guangdong University of Foreign Studies, Guangzhou, Guangdong- China

Guest Editor:
Prof. (DR.) A.R. Khan
Dean- Faculty of Education B R A Bihar University, Muzaffarpur (Bihar) India
Prof. Sarfaraj Ahamad
Ex. HOD- Deptt. of Sociology, Patna University, Patna (Bihar) India
Prof. Mohd. Sarmad Jamal
Principal- Magadh College of Education, Gaya (Bihar) India
Co-ordinating Editor:
DR. Dilip Srivastava
Dean- Art & Law Faculty, Principal, S.M.M.T.D. College, Ballia (U.P.) India
DR. Sudha Trivedi
HOD- Deptt. of Hindi, MOP Women's College, Nugabankam, Chennai (Tamilnadu) India.
Technical Editor:
ShashiKant Tripathi
Deptt. Food Science and Technology, BBAU Central University Vidya , Vihar Colony, Locknow
Mrintujay Kumar Pandey
Deptt. Food Science and Technology, BBAU Central University Vidya , Vihar Colony, Locknow
Treasurer / Section Editor (Art and Huminities / Education):
Archana Srivastava, Aryavart Shodh Vikas Sansthan, & Aryavart Shodh Vikas Patrika Ballia (U.P.) India.

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept.-2020

41. भारत मे भ्रष्टाचार — 138–140
—चन्दन कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

42. उच्च शिक्षित महिलाओं में रोजगार की आकांक्षा — 141–145
—पुनम कुमारी, बोध गया (बिहार)

43. युवा वर्ग एवं ग्रामीण अपराध — 146–147
—अनिता कुमारी, नालंदा (बिहार)

44. कर्म के सिद्धान्त का महत्व — 148–151
—जितेन्द्र गोपाल, जहानाबाद (बिहार)

45. जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास की अवरोधक — 152–153
—कौशलेन्द्र कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

46. ग्रामीण मनोरंजन पर आधुनिकीकरण का प्रभाव — 154–155
—निवेदिता कुमारी, बोध गया (बिहार)

47. थारू समाज में आधुनिक परिवर्तन — 156–158
—सुदर्शन कुमार, पटना (बिहार)

48. दलित मानवाधिकार एवं कानून की वास्तविकता (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) — 159–161
—प्रमोद कुमार, गया (बिहार)

49. ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रीय ग्रामीण कार्यक्रम — 162–164
—दिलीप कुमार, पटना (बिहार)

50. बहुमुखी प्रतिभा के धनी महामना पं0 मदन मोहन मालवीय (एक समाज वैज्ञानिक अध्ययन) — 165–169
—महेश कुमार पाण्डेय, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

51. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य मे महामारी कारण एवं निवारण — 170–171
—राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ0प्र0)

52. वर्णाश्रम व्यवस्था में भक्ति भावना — 172–175
—गीतांजली कुमारी, जहानाबाद (बिहार)

53. जनसंख्या और विकास — 176–179
—कौशलेन्द्र कुमार सिंह, बोध गया (बिहार)

54. "ब्रिटिशकालीन ग्रामीण आर्थिक व्यवस्था" — 180–181
—सत्येन्द्र कुमार, मसौढ़ी (बिहार)

55. गांधी का कर्मवाद — 182–183
—मीना कुमारी, धनबाद (झारखण्ड)

56. आव्रजन तथा सामाजिक गतिशीलता का स्वरूप (बोधगया के संदर्भ में एक अध्ययन) — 184–186
—चन्द्रकांति देवी, पटना (बिहार)

57. पिछड़ी जाति कि शिक्षित महिलाओं एवं अशिक्षित महिलाएँ तथा विवाह सम्बन्धी निर्णय — 187–189
—सविता गुप्ता, डालटनगंज (बिहार)

58. विकास खण्ड मधई (जनपद आजमगढ) में परिवहन एवं संचार सुविधाओं का विवरण — 190–191
—ममता सिंह, सुल्तानपुर (उ0प्र0)

59. दलित आन्दोलन की प्रकृति — 192–195
—नीलम कुमारी, बोध गया (बिहार)

60. नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में चित्रित पारिवारिक समस्याएं — 196–199
—विद्या वर्मा, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 138-140
ISSN NO.-2347-2944(Print)
e-ISSN NO.-2582-2454(Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR-Sept.-2020

भारत में भ्रष्टाचार

चन्दन कुमार सिंह
शोध अध्येता– समाजशास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया (बिहार), भारत

Received- 10.08.2020, Revised- 14.08.2020, Accepted - 19.08.2020 E-mail: - dr.ramanyadav@gmail.com

सारांश : राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, आदर्श सोसायटी घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और अब ताजा हाउसिंग लोन घोटाला । आलम यह है कि जाँच एजेंसियाँ जब तक किसी घोटाले की तह तक पहुँचती है, दूसरा घोटाला सामने आ जाता है । क्या साहब, क्या बंदे सभी भ्रष्टाचार के आगोश में समा चुके हैं । सुविधाभोगी होते समाज को भ्रष्टाचार का अजगर निगल रहा है । यह असाध्य रोग अब हमारे देश के आर्थिक महाशक्ति बनने में भी बड़ा अवरोध साबित हो रहा है । इससे हर साल अर्थव्यवस्था को करोड़ों रुपये की चपत लगती है । सेना, न्यायपालिका और खुफिया जैसे अपेक्षाकृत साफ–सुथरे और दाग रहित संस्थानों में भी भ्रष्टाचार की नई प्रवृत्ति ने आम आदमी को अवाक किया है । भ्रष्टाचार दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है ।

कुंजीभूत शब्द– राष्ट्रमंडल, घोटाला, एजेंसियाँ, भ्रष्टाचार, आगोश, सुविधाभोगी, असाध्य, आर्थिक, महाशक्ति।

जड़ों का जमाव– आजादी के बाद देश में 1950–90 के बीच समाजवाद से प्रेरित नीतियाँ लागू की गई। इसके तहत अर्थव्यवस्था को मजबूती से नियंत्रण में रखा गया। संरक्षणवाद और सार्वजनिक इकाईयों को पोषित किया गया। लिहाजा लाइसेंस राज का उदय हुआ। जिससे आर्थिक वृद्धि मंद पड़ी और भ्रष्टाचार का बोलबाला बढ़ा।

अफसरशाही– ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार देश के 50 प्रतिशत से अधिक लोगों को सरकारी दफ्तरों में अपना काम कराने के लिए रिश्वत देना या प्रभाव का इस्तेमाल करना पड़ता है ।

हर साल देश के ट्रक वाले करीब 250 अरब रुपये की घूस देते हैं ।

2009 में किए गए एक सर्वे के मुताबिक देश में अफसरशाही की कार्य कुशलता का स्तर एशिया की दिग्गज अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों मसलन सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और इंडोनेशिया की तुलना में दोयम दर्जे का है ।

भूमि और संपत्ति– अधिकारी राज्य की संपत्ति को ही चुरा लेते हैं । बिहार में 80 प्रतिशत से भी ज्यादा रियायती दरों पर गरीबों को दी जाने वाली खाद्य सहायता चुरा ली जाती है ।

पूरे देश में पनप चुका भूमाफिया राजनीतिज्ञों, अफसरों, बिल्डरों की मदद से अवैध तरीके से भूमि का अधिग्रहण कर उसको गैरकानूनी ढंग से बेच देता है ।

1990 के बाद के चर्चित घोटाले

- बोफोर्स घोटाला (1990)
- पशुपालन घोटाला (1990)
- हवाला घोटाला (1993)
- हर्षद मेहता घोटाला (1995)
- दूरसंचार घोटाला (1996)
- चारा घोटाला (1996)
- केतन पारेख स्कैंडल (2001)
- बराक मिसाइल डील स्कैंडल (2001)
- तहलका स्कैंडल (2001)
- ताज कोरीडोर केस (2002–2003)
- तेलगी घोटाला (2003)
- तेल के बदले अनाज घोटाला (2005)
- कैश फॉर वोट स्कैंडल
- सत्यम घोटाला
- काले धन को सफेद करना (मधु कौड़ा–4,000 करोड़ रुपये)
- आदर्श सोसायटी घोटाला
- राष्ट्रमंडल खेल घोटाला

टेंडर और कांट्रैक्ट प्रक्रिया– नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता का घोर अभाव है । सरकारी अधिकारी बोली लगाने में अपने चहेते चुनिंदा लोगों के हक में टेंडर जारी कर देते हैं सरकार द्वारा सड़क निर्माण कार्य में तो कांट्रैक्टर माफिया का बोलबाला है ।

स्वास्थ्य– सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार दवाओं की गैर मौजूदगी, मरीज को भर्ती करने की जिद्दोजिहद, डॉक्टरों की अनुपलब्धता से जुड़ा है ।

न्यायपालिका– ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के मुताबिक मुकदमों के निपटारे में होने वाली देरी, जटिल न्यायिक प्रक्रिया और जजों की कमी के कारण न्यायिक तंत्र में

RNI TITLED No.: UPBIL 04292
Society REG. No.: AZM 561/2013-14

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA

of Publication	a (U.P.)
2. icity of its Publication	Annual
3. Pr Name	: Ravi Offset
Add	: Dwarikapuri (Near Roadways), Ballia (U.P.)
4. Publi Name	: DR. Rajeev Kumar Srivastava
Nationality	: Indian
Address	: Harpur Nai Basti, Ballia (U.P.)
5. Editor's Name	: DR. Rajeev Kumar Srivastava
Nationality	: Indian
Address	: Harpur Nai Basti, Ballia (U.P.)
6. Name of the Owner	: DR. Rajeev Kumar Srivastava
Address	: Harpur Nai Basti, Ballia (U.P.)

- Social And All Thoughts Development
- Research Development
- Linkages Between Social And Physical Science
- Exchange Of Ideas Between Development Professionals
- Planers And Policy Makers
- Protect Environment And Develop In Rural Area

Published by:
ARYAVART SHODH VIKAS SANSTHAN
HARPUR NAI BASTI
DISTRICT-BALLIA-277001, UTTAR PRADESH INDIA
REG. No.: 561/2013-14

REG. No.: AZM 561/2013-14

Price 1650/-

Contact/Follow us on :
E-mail : aaryvart2013@gmail.com, editor.board2013@gmail.com
Cell: +91-96 16 423 071
//aryavart shodh vikash patrika
@aryavart shodh vikash patrika
the aryavart shodh vikash patrika

डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव, एम0फिल0, पी-एच0डी0, स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा रवि ऑफ सेट, द्वारिकापुरी नियर रोडवेज, बलिया-277001 उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा कार्यालय, हरपुर नई बस्ती, बलिया-277001(उ0प्र0) से प्रकाशित एवं प्रसारित। सम्पादक- डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव,
Sub Printers: Neha Printers Offset, Ballia (U.P.)

Reg. No.: V27452 ISSN 0974 7222

PARISHEELAN

International Multidisciplinary Peer Reviewed Quarterly Research Journal

U.G.C. Sr.No.-19365 U.G.C.Journal No.-40790

Vol-XV No.-1 Jan.-March, 2019

Part-2

Chief Editor
Dr. Anjani Kumar Mishra

Editors
Dr. Archna Dubey
Dr. Sanjay Kumar
Dr. Preetesh Acharya

Published by
SURUCHI KALA SAMITI, VARANASI
Approved by U.G.C., New Delhi

Annual Membership
For Institutions : Rs.2000
For Individuals : Rs.1500
For Issue Price : Rs.800
Life Membership
For Institutions : Rs. 10,000
For Individuals : Rs. 8,000
For Any Information, Please Contact
Editor
PARISHEELAN
Mob. : +91-9450016201
Landline No. 0542-2310854
e-mail : suruchikalas@yahoo.in
Journalwh@gmail.com
www.skspvns.com

Reg. No. V-27452 ISSN 0974 7222

PARISHEELAN

International Multidisciplinary Peer Reviewed Quarterly Research Journal

UGC Sr. No.-19365

Journal No.-40790

Vol-XV No.-1 Jan.March-2019

Part-2

Editor in Chief

Dr. Anjani Kumar Mishra

Editors

Dr. Archna Dubey

Dr. Sanjay Kumar

Dr. Preetesh Acharya

Published by

SURUCHI KALA SAMITI, VARANASI

Approved by U.G.C., New Delhi

Website-www.skspvns.com

Ph.No. 0542-2310854 Mob.-9450016201

भारत की विदेश-नीति (Foreign Policy Of India) — 227-232
डॉ० रमेश रंजन

आव्रजन तथा सामाजिक गतिशीलता की बाधायें — 233-236
डॉ. इन्दुकान्ति देवी

अनुसूचित जाति की शिक्षित महिलाएँ एवं धार्मिक रितियाँ — 237-240
मनीष कुमार

"उच्च शिक्षित महिलाओं की परिवर्तित प्रस्थिति एवं जीवन शैली" — 241-244
पूनम कुमारी

भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में जनजातीय विद्रोह : एक अध्ययन — 245- 250
सरोज शालिनी

थारू समाज एक परिचय (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) — 251-254
डॉ० सुदर्शन कुमार

ग्रामीण समाज में आधुनिकीकरण — 255-258
डॉ० विनय पासवान

"भ्रष्टाचार और बाल मजदूरी" (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) — 259-262
चन्दन कुमार सिंह

"मलिन बस्ती की युवा महिलाएँ एवं अपराध" (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) — 263-270
डॉ० अनिता कुमारी

"रामचरित मानस में हनुमान तथा शबरी की भक्ति भावना" — 271-274
डॉ० गीतांजली कुमारी

"आय के स्त्रोतों के संदर्भ में कौटिल्य के विचार का विश्लेषण" — 275-278
डॉ० जितेन्द्र गोपाल

"शिक्षा एवं जनसंख्या नियंत्रण" — 279-282
डॉ० कुसुम कुमारी

"सामंतवाद एवं दलितों का दमन" — 283-288
डॉ० प्रमोद कुमार

"डिहरी-डालमिया नगर शहर का पारिवारिक संरचना" — 289-292
डॉ० संजय कुमार

कृषि श्रमिक : समस्याएँ एवं निदान — 293-296
डॉ० शांति कुमारी

कबीर का दर्शन — 297-302
दिनेश कुमार उपाध्याय

कुषाणकालीन कला की विशेषताएँ — 303-308
अशोक कुमार अमर

नारी और वैराग्य : एक ऐतिहासिक विश्लेषण — 309-314
डॉ० पुष्पा कुमारी

बिहार में प्रादेशिक कृषि नियोजन-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — 315-320
डॉ० वीरेन्द्र कुमार यादव

HPLC analysis of aminoacids in the Mercury and Cadmium treated gill, liver and muscles in clarias batrachus — 321-328
Sanjeeta Bishwas

गर्भावस्था में घरेलू हिंसा — 329-332
मधु कुमारी

दूरदर्शन का सामाजिक जीवन पर प्रभाव का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण — 333-338
बीना कुमारी

भारतीय अर्थव्यवस्था में विमुद्रीकरण का प्रभाव (ग्रामीण विकास के विशेष संदर्भ में) — 339-344
डॉ० राजा साहू

भारत में महिला सशक्तिकरण-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — 345-350
मो० इमरान आलम

बौद्धकालीन शासन-व्यवस्था : एक संक्षिप्त अवलोकन — 351-354
डॉ० रेणु बाला

महात्मा गाँधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन में बिहार के सेनानियों की भूमिका : एक अध्ययन — 355-360
डॉ० किरण कुमारी

''भ्रष्टाचार और बाल मजदूरी''
(एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

चन्दन कुमार सिंह*

भारत की गिनती दुनिया के उन देशों में होती है, जहां भ्रष्टाचार का बोलबाला दुनिया के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। देश में भ्रष्टाचार पर नियत्रंण एवं निगरानी हेतु सी.बी.आई. सतर्कता आयोग, पुलिस आर्थिक अपराध शाखा, राज्यों में भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियां एवं अनेक क्षेत्र कार्यरत है, बावजूद इसके कि भ्रष्टाचार निरंतर फैलता जा रहा है। बेनामी और अवैध तरीकों से संपत्ति एवं धन को देश में गुप्त रूप से रहना या फिर विदेशों में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा हैं। राजनीतियों, उद्योगपतियों और माफियाओं द्वारा काले धन की धाराएं स्विटजरलैंड के बैंक में इस तरह मिलती हैं जैसे नदियाँ समुद्र में जाकर मिलती हैं। यह काला धन ताकतवर लोगों का होना इसलिए उसका खुलासा करना आवश्यक नहीं होता। भ्रष्टाचार और काले धन की बहस राजनीतिगत एवं संस्थागत तक सीमित रही, इसके विभिन्न स्रोतों, कारणों और आयामों को इतनी अहमियत नहीं है। बालश्रम के कानूनी, आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय पहलू है परंतु इसका महत्वपूर्ण पहलू बाल मजदूरी हैं यह भ्रष्टाचार का महत्वपूर्ण आयाम है। प्रस्तुत शोध लेख भ्रष्टाचार और बाल मजदूरी विषय पर है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य–

1. शोध का उद्देश्य स्वतंत्रता पश्चात भ्रष्टाचार के भयावह रूप को जानना है।
2. बालश्रम से कैसे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है, इसे जानना है।

शोध के स्रोत–भारत स्वतंत्रता पश्चात से विभिन्न वर्षों के द्वितीयक स्रोतों को एकत्र करना।

शोध प्राविधि–द्वितीय स्रोतों के आधार पर अंकगणितीय माध्य रीति का उपयोग करके विश्लेषण किया गया है।

शोध विश्लेषण–भारत सहित कई राष्ट्रों में आगे हुए आर्थिक सुधारों ने आकर्षक GDP वृद्धि ने भ्रष्टाचार को बढ़ाने का काम किया है। इससे कई देशों में भारी भरकम राजस्व से हाथ धोना पड़ा दूसरी ओर आर्थिक विषमता की समस्या अधिक गंभीर हो गई जिसे भारत के उदाहरण से समझा जा सकता है। भारत ने 1948 से 2008 के बीच 213 अरब डालर गवाएं। इनमें से 104 अरब डालर का काला

*शोध छात्र (समाजशास्त्र) मगद्य विश्वविद्यालय, बोध गया

महापंडित राहुल सांकृत्यायन की विचार-यात्रा

सनातनी से साम्यवादी

डॉ. राम सुभग सिंह

महापंडित राहुल सांकृत्यायन की विचार-यात्रा

सनातनी से साम्यवादी

डॉ. राम सुभग सिंह

सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर

ISBN : 978-93-92252-79-2

© डॉ. राम सुभग सिंह

प्रकाशक
सूर्य प्रकाशन मन्दिर, बीकानेर
प्रधान कार्यालय : दाऊजी रोड (नेहरू रोड) बीकानेर (राजस्थान)
शाखा कार्यालय : ए-1, जवाहर नगर, बीकानेर (राजस्थान)
वेबसाइट : www.suryaprakashanmandir.com
ई-मेल : suryaprakashbooks@gmail.com
सम्पर्क : 9829280717

मूल्य : ₹300

पहला संस्करण : 2023

मुद्रक : सत्यम् शिवम् सुन्दरम्, बीकानेर (राजस्थान)

MAHAPANDIT RAHUL SANKRITYAYAN KI VICHAR YATRA
Sanatani se samyavadi
by Dr. Ram Subhag Singh

अनुक्रम

प्राक्कथन 9

अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा 15

1. सनातनी राहुल 19

2. सनातनी से आर्यसमाजी 25
   सनातनी पाखंड के कड़वे अनुभव 30
   वेदान्त और मीमांसा का गहन अध्ययन 33
   स्वतंत्रता आंदोलन में प्रवेश 35
   सांप्रदायिकता से सामना 37

3. आर्य समाज से बौद्ध धर्म में प्रयाण 39

4. बौद्ध धर्म से साम्यवाद की शरण में 47
   ईश्वर, मनुष्य का मानस-पुत्र है 52

आत्मा और पुनर्जन्म : दिव्य अज्ञान 55
भय-भ्रम ही भूत-प्रेत 60
ज्योतिष का जाल 61
योग का मायालोक 63
ध्यान का धंधा 68
समाधि : खंड-मृत्यु 72
दिव्यशक्ति और चमत्कार की भूलभुलैया 76

5. साम्यवादी राहुल 85

संदर्भ सूची 106

महात्मा गांधी

वैचारिकी एवं सिद्धांत

सम्पादक

डॉ. सरस्वती कुमारी

डॉ. सरिता रानी

डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय

लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को पूरी तरह अथवा आंशिक तौर पर या पुस्तक के किसी भी अंश की फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग अथवा इलेक्ट्रॉनिक अथवा ज्ञान के किसी भी माध्यम से संग्रह व पुनः प्रयोग की किसी भी प्रणाली द्वारा इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रेषित, प्रस्तुत अथवा पुनरुत्पादित ना किया जाए। प्रस्तुत पुस्तक में लेखकों के अपने विचार हैं, जिनसे प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

Mahatma Gandhi : Vaichariki Evam Sidhant

Compilled by

Dr. Saraswati Kumari / Dr. Sarita Rani / Dr. Vivek Kumar Pandey

I.S.B.N. : 978-81-8135-166-1

© सम्पादन मंडल

मूल्य : 220.00

प्रथम संस्करण : 2021

प्रकाशक : पंकज बुक्स

109-ए, पटपड़गंज गाँव, दिल्ली-110091

दूरभाष : 8800139684, 9312869947

आवरण : नीरज

शब्द संयोजक : पंकज ग्राफिक्स, दिल्ली-110092

मुद्रक : राधा ऑफसेट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

Published by : **Pankaj Books,**

109-A , Patparganj Village, Delhi-110091, INDIA

E-mail : bhavnaprakashan@gmail.com

अनुक्रम

1. 'स्त्री-पुरुष समान हैं पर एक नहीं' महात्मा गांधी

   -प्रो. सुमन जैन : 09

2. ग्राम स्वराज व पंचायती राज की दिशा

   -डॉ. सीमा तिवारी : 19

3. गांधी जी की सर्वोदय की अवधारणा

   -डॉ. पवन पाठक : 29

4. गांधी चिन्तन में सत्याग्रह की भूमिका: एक विमर्श

   -डॉ. क्षमा तिवारी : 33

5. महात्मा गांधी एवं भारतीय शिक्षा

   -डॉ. शैलेन्द्र कुमार : 40

6. महात्मा गांधी की दृष्टि में भगवद्गीता के वैशिष्ट्य का दार्शनिक अवलोकन

   -डॉ. नन्दिनी सिंह : 45

7. महात्मा गांधी के दर्शन-चिंतन में मानवतावाद

   - डॉ. दीपंजय श्रीवास्तव : 52

8. सर्वोदयकारी मूल्य-दर्शन

   -डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय : 57

9. वैश्वीकरण और गाँधी

   -डॉ. रीता जायसवाल : 65

10. गांधीजी बनाम भगतसिंह; भारत के मुक्ति संग्राम में विचारधारा का संघर्ष

    -डॉ. राम सुभग सिंह : 73

11. प्रेरणास्पद माँ

    -डॉ. अनुराधा सिंह : 83

गांधीजी बनाम भगतसिंह

(भारत के मुक्ति संग्राम में विचारधारा का संघर्ष)

डॉ. राम सुभग सिंह

इंग्लैंड की ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार के नाम पर भारत में घुसी और फिर यहां के सामाजिक भेदभाव एवं राजनीतिक-प्रशासनिक खामियों का फायदा उठाकर भारत की राजनीतिक सत्ता पर भी कब्जा कर लिया। सन् 1757 की पलासी की लड़ाई में अंग्रेजों ने अंतिम रूप से अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया। लेकिन, अंग्रेजों के दमन-शोषण के विरुद्ध 100 वर्ष बाद 1857 ई. में भारतीय जनता ने स्वतंत्रता संग्राम छेड़ा, जिसे बल प्रयोग से दबा दिया गया।

इसके बाद 1885 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य था-भारतीय जनता के हित की दुहाई देकर अंग्रेजों से रियायत माँगना। 1905 ई. में बंगाल विभाजन के बाद भारत की जनता फिर से उद्वेलित हो गई और अंग्रेजों के खिलाफ उठ खड़ी हुई। बंगाल विभाजन रद्द किये जाने के बाद ही जनता का गुस्सा कुछ शांत हुआ। लेकिन तब तक देश की जनता अंग्रेजों की शोषण नीति को समझ चुकी थी। 1914 ई. में प्रथम विश्व युद्ध छिड़ जाने और अंग्रेजों की स्थिति कमजोर हो जाने पर 1916 ई. में होम रूल की मांग की गई।

1915 ई. में दक्षिण अफ्रीका से भारत में गांधीजी का पदार्पण हो चुका था। 1917 ई. में चंपारण में अंग्रेजों द्वारा नील की खेती करनेवालों के भयंकर शोषण के खिलाफ गांधीजी ने सफल आंदोलन चलाया और राष्ट्रीय पटल पर छा गये। 1919 ई. में जालियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अंग्रेजों के खिलाफ देशव्यापी गुस्सा फूट पड़ा और 1920 ई. में गांधीजी ने अंग्रजी सरकार के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू कर दिया और सालभर में अंग्रेजी सरकार को उखाड़ फेंकने का आश्वासन देश को दिया। पूरा देश गांधीजी के साथ खड़ा हो गया और अंग्रेजी सत्ता हिलने लगी। तभी 1922 ई. में चौरीचौरा कांड हुआ, जिसमें 22 पुलिस वाले आग के हवाले कर दिये गये और हिंसक आंदोलन का नेतृत्व कर पाने में अक्षम गांधी ने आंदोलन स्थगित कर दिया।

यहीं से भारतीय राजनीति में एक नया मोड़ आया। पूरा देश निराशा के गर्त में चला गया और गांधीजी के नेतृत्व एवं इनके अहिंसा के सिद्धांत से लोगों का विश्वास उठ गया। परिणाम यह हुआ कि राष्ट्रीय भावना का स्थान सामुदायिक स्वार्थ ने ले लिया और

आज़ादी का अमृत महोत्सव

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

गाँधी दर्शन, शिक्षा एवं संस्कृति

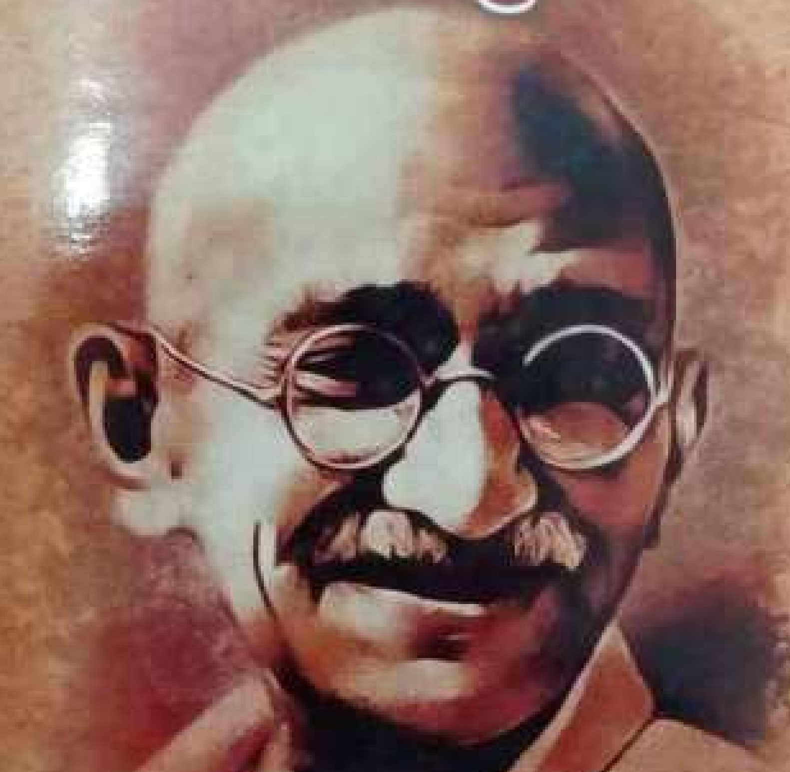

प्रधान संपादक

डॉ0 दीपंजय श्रीवास्तव

अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग
निदेशक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

KW

- प्रकाशित रचनाओं में निहित विचार लेखकों के स्वयं हैं, जिनका प्रधान संपादक या संपादक मंडल से कोई संबंध नहीं है।
- साहित्यिक चौर्य (plagiarism) के किसी भी दावे की स्थिति में पूर्ण जवाबदेही पुस्तक में शामिल किये गये आलेख के लेखक की होगी।
- किसी भी विवाद के निपटारे का न्यायिक क्षेत्र जमशेदपुर होगा।

प्रधान संपादक : डॉ० दीपंजय श्रीवास्तव

प्रथम संस्करण : 2022 ई०

ISBN : 978-81-959162-0-7

मूल्य : ₹ 750

© कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

प्रकाशक :

Kishor Vidya Niketan

B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014
email: kvnpublisher@gmail.com

मुद्रक

रमेश बैस

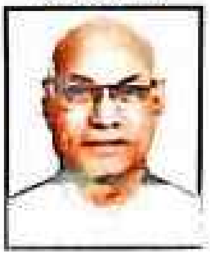

राजपाल, झारखंड

राज भवन
रांची - ८३४००१
झारखंड

संदेश

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर **"गाँधी दर्शन, शिक्षा एवं संस्कृति"** नामक पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी न केवल बीसवीं शताब्दी के युग पुरुष थे, अपितु आज भी समस्त मानवजाति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सम्पूर्ण मानवता को सत्य, अहिंसा व सत्याग्रह का मार्ग दिखाया और त्याग, आत्मसंयम एवं अनुशासित जीवन के शाश्वत मूल्यों को अपनाकर स्वयं के जीवन एवं व्यवहार में चरितार्थ भी किया। इसी कारण गाँधी जी के सत्य एवं अहिंसा के अमोघ अस्त्र द्वारा अंग्रेजों को परास्त होना पड़ा तथा भारत का एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय हुआ। गाँधी जी के विचारों, आदर्शों एवं मूल्यों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं जिज्ञासुओं का ज्ञानवर्धन कर उन्हें सही मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित करेगी तथा लोकोपयोगी होगी।

(रमेश बैस)

विषय-सूची

1. गाँधी एवं अम्बेडकर के चिन्तन में वर्ण व्यवस्था : एक तुलनात्मक विवेचन — डॉ. द्वारका नाथ — 1
2. समत्त्व योग तथा गाँधी दर्शन — डॉ. काकोली बसाक — 13
3. Depiction of Gandhian Thought in ODIA Literature : with Special Reference to Poet Guru Prasad Mohanty — Dr. Harihar Padhan — 26
4. Gandhi and Spirituality — Dr. Manoj Kumar Mohapatra — 30
5. बाजारवाद के दौर में गाँधी की प्रासंगिकता — सुभाषचन्द्र गुप्त — 34
6. महात्मा गाँधी का राज्य संबंधी विचार — डॉ0 ज्योति कुमारी — 42
7. महात्मा गाँधी जी का विचार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में — डॉ0 लक्ष्मी झा — 47
8. मूल्य संकट का वर्तमान परिप्रेक्ष्य और गाँधी की चेतन दृष्टि — डॉ. धर्मजंग — 51
9. गाँधी जी का सत्याग्रह : एक विमर्श — डॉ0 मनोज कुमार तिवारी — 57
10. महात्मा गाँधी (1869–1948) : एक पत्रकार के रूप में — डॉ0 इन्द्रसेन सिंह — 72
11. महात्मा गाँधी की दृष्टि में वर्ण व्यवस्था — डॉ0 आभा झा — 77
12. साध्य-साधन संबंधी विचार : गाँधी के संदर्भ में — अमृता कुमारी — 85
13. महात्मा गाँधी का ईश्वर–दर्शन — डॉ0 ममता गुप्ता — 92
14. महात्मा गाँधी का समाज दर्शन — डॉ0 फौजिया परवीन — 99
15. महात्मा गाँधी का धर्म–दर्शन — डॉ0 राम सुभग सिंह — 108
16. महात्मा गाँधी का शिक्षा–दर्शन एवं व्यक्तित्व विकास — डॉ0 अशोक कुमार सिंह — 115
17. महात्मा गाँधी का जगत–विचार — डॉ0 पंकज श्रीवास्तव — 122
18. वर्तमान संदर्भ में गाँधी शिक्षा दर्शन की उपादेयता — डॉ0 राज कुमार चौबे — 125

महात्मा गाँधी का धर्म–दर्शन

डॉ0 राम सुभग सिंह*

महात्मा गाँधी जीवन–पर्यन्त राजनीति और समाज सेवा में सक्रिय रहे तथा अपने जीते–जी जुल्मी अंग्रेजी सरकार से भारत को आजाद कराकर ही दम लिया। पर राजनीति, गाँधीजी के लिए आपद्धर्म थी और धर्म स्वाभाविक वृत्ति। बाल्यकाल से ही गाँधीजी धर्मभीरू, ईश्वरभीरू और नीतिपरायण थे। अपने जन्मना हिन्दू धर्म में उनकी प्रगाढ़ आस्था थी। ईश्वर ही उनका प्राण था और रामनाम श्वास। हत्या के समय उनके मुख से अंतिम शब्द 'हे राम' ही निकला था।

किसी भी संगठित धर्म के दो मुख्य पक्ष होते हैं–ज्ञानकांड (दार्शनिक विचार), और कर्मकांड (विशेष प्रकार की जीवन–पद्धति एवं उपासना–पद्धति)। सामान्य जनता कर्मकांड को ही धर्म का पर्याय समझती है और इसी में उलझी रहती है। इसीलिए वह धर्मके मर्म को भी नहीं समझती; क्योंकि धर्म की आत्मा तो उसके दार्शनिक एवं नैतिक विचारों में होती है। इसी का स्थायी मूल्य व महत्त्व होता है। गाँधीजी अपने हिन्दू धर्म सहित तमाम धर्मों को अपूर्ण मानते हुए भी सत्य एवं पवित्र मानते हैं तथा अपने–अपने धर्म का परिवर्तन किये बगैर कालक्रम में आई विकृतियों को सुधारने की सलाह देते हैं। उन्हीं के शब्दों में "सारे धर्म सत्य को प्रकट करते हैं, परन्तु सभी अपूर्ण हैं और सबमें दोष हो सकते हैं।... परन्तु दोषों के कारण उसका त्याग नहीं करना चाहिए, बल्कि उन दोषों को मिटाने का प्रयत्न करना चाहिए। सभी धर्मों के प्रति समभाव से देखने पर हम दूसरे धर्मों के प्रत्येक स्वीकार करने योग्य तत्व का अपने धर्म में समन्वय करने में कभी संकोच नहीं रखेंगे, बल्कि ऐसा करना अपना धर्म समझेंगे।"[1]

गाँधीजी की दृष्टि में जो धर्म है, वही अध्यात्म है और वही नीति भी। ऐसा कदापि नहीं हो सकता कि नीति का पालन किये बगैर कोई धार्मिक या आध्यात्मिक हो जाये। अपनी आत्मकथा (सत्य के साथ मेरे प्रयोग) की प्रस्तावना में वे लिखते हैं–"मेरे प्रयोगों में तो आध्यात्मिक का मतलब है नैतिक; धर्म का अर्थ है नीति; आत्मा की दृष्टि से पाली

*सहायक आचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग, ए0 के0 सिंह कॉलेज, जपला पलामू, झारखण्ड–822116

गई नीति धर्म है।"[2] अन्यत्र वे कहते हैं–"नीति–मार्ग में नीति का पालन करके उसका प्रतिफल प्राप्त करने की बात आती ही नहीं। मनुष्य कोई भला काम करता है, तो शाबाशी पाने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि भलाई किये बिना उससे रहा ही नहीं जाता।...जैसे इस लोक में लाभ के उद्देश्य से किया हुआ काम नीतियुक्त नहीं माना जा सकता, वैसे ही परलोक में लाभ मिलेगा; इस आशा से किया हुआ काम भी नीतिरहित है।"[3]

प्रचलित मान्यता है कि धर्म ही नीति का आधार है अर्थात् धर्म एवं धर्मग्रंथ ही हमें नीति का पाठ पढ़ाते हैं। जो भी व्यक्ति नास्तिक एवं धर्मनिरपेक्ष होगा, वह नैतिक नहीं हो सकता है। इस प्रचलित मान्यता के विपरीत गाँधीजी का मत है कि नीति ही धर्म का आधार है और नीति में ही धर्म का समावेश है। उनके शब्दों में, "दुनिया के धर्मों को बारीकी से देखा जाये, तो पता चलेगा कि नीति के बिना धर्म टिक नहीं सकता। सच्ची नीति में धर्म का समावेश अधिकांश में हो जाता है। रूस में ऐसे आदमी हैं, जो देश के भले के लिए अपना जीवन अर्पण कर देते हैं। ऐसे लोगों को नीतिमान् समझना चाहिए और सच्चे अर्थों में धार्मिक भी। जैसे नींव को खोद डालिए तो घर अपने आप बह जायेगा। वैसे ही नीतिरूपी नींव टूट जाये, तो धर्मरूपी इमारत भी दो–चार दिन में भूमिसात हो जायेगी।"[4]

गाँधीजी के विचार में सत्य और अहिंसा ही वह कसौटी है, जो समस्त धर्मों का सार है तथा इसी आधार पर वे सभी धर्मों, उनके ग्रंथों एवं उनकी शिक्षाओं की परीक्षा करते हैं। जो शिक्षाएँ इस पर खरी उतरती हैं, वही गाँधीजी को उनका मूल स्वरूप मालूम पड़ती हैं; अन्यथा वे उसे कालक्रम की विकृति मानकर उसका परित्याग कर देते हैं। यही कारण है कि वे 'अस्पृश्यता' को वर्णाश्रम धर्म की मूल भावना के विपरीत तथा हिन्दू धर्म का कलंक मानते हैं और इस कलंक को मिटाना प्रत्येक हिन्दू का पुनीत कर्त्तव्य समझते हैं। गाँधीजी ने कहा है–"जितना संभव था, उतना विविध धर्मों का अध्ययन करने के बाद मैं इस निर्णय पर आया हूँ कि सभी धर्मों का एकीकरण करना यदि उचित और आवश्यक है, तो उन सबकी एक महाचाबी होनी चाहिए। यह चाबी सत्य और अहिंसा है।"[5]

गाँधीजी की दृष्टि में धर्म श्रद्धा एवं आस्था का विषय है, क्योंकि इसका विषय क्षेत्र अनुभव एवं बुद्धि की सीमा के परे है। पर ऐसा नहीं है कि वे धर्म के मामले में लकीर के फकीर थे और धर्मके नाम पर किसी भी सड़ी–गली बात का अंधानुकरण करते थे। जो भी बात उन्हें अन्तर्विरोधी और लोकहित के विरुद्ध प्रतीत होती थी, उसे या तो अस्वीकार कर देते थे या फिर उसकी नई व्याख्या कर लेते थे।

वैसे तो सभी धर्म परलोकोन्मुखी हैं, चाहे वे ईश्वरवादी हों या निरीश्वरवादी; और गाँधीजी भी हर कार्य ईश्वर, पाप–पुण्य एवं मोक्ष को ही ध्यान में रखकर करते हैं। पर जब बात तार्किक संगति एवं औचित्य की हो, तो गाँधीजी की वकील बुद्धि जाग्रत हो जाती

छायावादी काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना

डॉ० शिव कुमार विश्वकर्मा

छायावादी काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना

डॉ० शिव कुमार विश्वकर्मा

प्रगतिशील प्रकाशन

नई दिल्ली-110059

इस पुस्तक में ली गई रचनाओं की मौलिकता का प्रमाण एवं व्यक्त विचारों का दायित्व पूर्णतया सम्पादिका का है तथा इससे होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के लिए शब्द संयोजक, मुद्रक तथा प्रकाशक का कोई भी दायित्व नहीं होगा।

ISBN : 978-93-93112-11-8

प्रकाशक-

प्रगतिशील प्रकाशन

एन-3/25, प्रथम तल, मोहन गार्डन,

उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 (भारत)

चलभाष : +91-9968277749

ई-मेल : pragatisheelprakashan@yahoo.in

छायावादी काव्यों में राष्ट्रीयता की भावना

मूल्य : ₹ 795.00

प्रथम संस्करण : 2022

© सुरक्षित

प्रस्तुत पुस्तक का किसी भी रूप में प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, वितरण एवं पुनः प्रकाशन करना दण्डनीय अपराध है, तथा ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भारत में प्रकाशित-

'प्रगतिशील प्रकाशन' द्वारा प्रकाशित। बंसल इण्टरप्राईजिज,नई दिल्ली द्वारा लेजर टाईपसेटिंग तथा विशाल कौशिक प्रिन्टर्स,शाहदरा, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

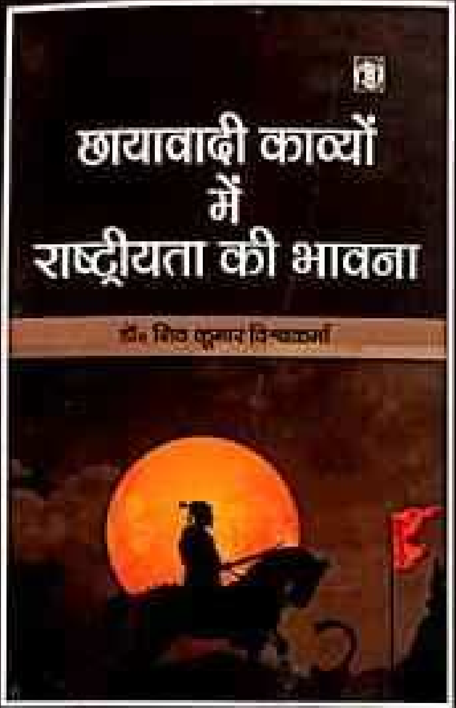

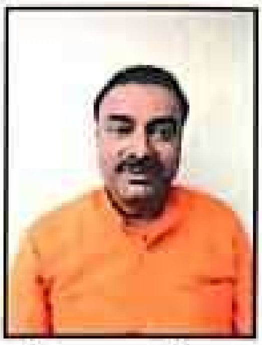

डॉ॰ शिवकुमार विश्वकर्मा

जन्म तिथि : 10.01.1966

पिता : स्व॰ जगनारायण विश्वकर्मा

माता : श्रीमती सुन्दरकली देवी

स्थायी पता : राजढोली, जपला, पलामू।

वर्तमान पता : विश्वकर्मा नगर, छतरपुर रोड, जपला, पलामू झारखण्ड-822116 (भारत)।

शैक्षणिक योग्यता : एम॰ ए॰ (द्वय), हिन्दी, समाजशास्त्र, पीएच॰ डी (2017)।

सम्प्रति : हिन्दी विभाग, ए॰ के॰ सिंह महाविद्यालय, जपता, पलामू।

मोबाईल : 9304669151

पुस्तक परिचय

छायावादी कवियों ने राष्ट्रीयता के जिस स्वरूप को व्याख्यायित किया है उसमें भारत की अखण्ड भौगोलिक एकता, धार्मिक एकसूत्रता और सांस्कृतिक गरिमा के दर्शन होते हैं। राष्ट्रीयता हमारें गणतंत्रात्मक लोकतंत्र की विशिष्ट पहचान रही है। छायावादी काव्यों में सास्कृतिक नव-जागरण राष्ट्रीय भावना आदि का जों स्वरूप पाया जाता है, वह अत्यंत व्यापक भावभूमि पर आधृत है। छायावाद भारतीय संस्कृति से अनुप्राणित, भारतीय परिस्थितियों से अनुप्रेरित और प्रथम महायुद्ध के बाद के नवीन मानवतावादी आदर्शवाद पर आधारित हिन्दी की मौलिक काव्यधारा है।

Price: ₹ 795.00

ISBN: 978-93-93112-11-8

9 789393 112118

प्रगतिशील प्रकाशन

एन-3/25, प्रथम तल, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59

ई-मेल: pragatisheelprakashan@yahoo.in

चलभाष: +91-9968277749

प्रेमचन्द के उपन्यासों में सामाजिक चेतना

डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय
डॉ. शिव कुमार विश्वकर्मा

प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक चेतना

डॉ॰ जय प्रकाश पाण्डेय
हिन्दी विभागाध्यक्ष
संत जेवियर्स महाविद्यालय, राँची

डॉ॰ शिव कुमार विश्वकर्मा
हिन्दी विभाग
एस. के. एस. महाविद्यालय, जपला (पलामू)

सत्यम् पब्लिशिंग हाउस
नई दिल्ली-110059 (भारत)

इस पुस्तक में दी गई सामग्री एवं व्यक्त विचारों के मौलिकता का दायित्व पूर्णतः लेखकों/सम्पादकों का है तथा किसी भी प्रकार की होने वाली हानि के लिए शब्द संयोजक, मुद्रक तथा प्रकाशक का कोई भी दायित्व नहीं होगा।

ISBN : 978-93-5909-296-6

प्रकाशक-

आर डी पाण्डेय

सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस

एन-3/25, मोहन गार्डन, उत्तम नगर,

नई दिल्ली-110059 (भारत)

दूरभाष : +91-7042082850

E-mail : satyampub_2006@yahoo.com

प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक चेतना

मूल्य : ₹ 675.00

प्रथम संस्करण : 2024

© सुरक्षित

प्रस्तुत पुस्तक का किसी भी रूप में प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, वितरण एवं पुनः प्रकाशन करना दण्डनीय अपराध है, तथा ऐसा करने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भारत में प्रकाशित-

श्री आर० डी० पाण्डेय द्वारा **'सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस'** के लिए प्रकाशित। सत्यम् ग्रिटोग्राफिक्स, नई दिल्ली द्वारा लेजरटाईप सेटिंग तथा विशाल कौशिक प्रिंटर्स, शाहदरा, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

विषय सूची

मन की बात	(V)
1. हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव-विकास	1
2. उपन्यासकार प्रेमचंद	12
3. प्रेमचंद के उपन्यास	18
4. सामाजिक चेतना का स्वरूप	38
5. सामाजिक चेतना की महत्ता	54
6. प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक चेतना का स्वरूप	66
7. प्रेमचंद के उपन्यासों में युगीन-चेतना	77
8. प्रेमचंद की औपन्यासिक सृजन प्रक्रिया	82
9. प्रेमचंद के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन	92
10. प्रेमचंद के उपन्यासों में यथार्थवादी दृष्टि	105
11. प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी विषयक अवधारणा	114
12. प्रेमचंद के होरी की अन्तर्चेतना	125
परिशिष्ट	
प्रेमचंद का रचना-संसार तथा प्रेमचंद सम्बन्धित विविध रचनाएँ	130

अनुभूतियों का अहसास

(साझा काव्य-संकलन)

सम्पादक

डॉ. विजय कुमार पुरी   डॉ. श्रीप्रकाश यादव

इस पुस्तक के किसी भी अंश को कवि की अनुमति के बिना पुनर्प्रकाशित या अनूदित करना अथवा किसी भी दृश्य, श्रव्य एवं प्रचार माध्यम में उपयोग करना वर्जित है।

मूल्य : पाँच सौ रुपये मात्र

ISBN : 978-93-5552-054-8

पुस्तक : अनुभूतियों का अहसास

सम्पादक : डॉ. विजय कुमार पुरी, डॉ. श्रीप्रकाश यादव

© : सम्पादकद्वय

प्रकाशक : **निखिल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स**
37, 'शिवराम कृपा' विष्णु कालोनी शाहगंज, आगरा-10 (उ.प्र.)
मो. : 9458009531-38
e-mail : nikhilbooks.786@gmail.com
website : www.nikhilbooks.in

संस्करण : प्रथम, 2022

मूल्य : **₹ 500 /- मात्र $ 20**

शब्द सज्जा : विष्णु ग्राफिक्स

मुद्रक : श्रीपूजा प्रिन्टर्स

38. दिनेश पालदा 157

39. टीना कर्मवीर 161

40. अशोक कुमार यादव 165

41. वंदना राणा 169

42. डॉ. ऊषा गुप्ता 173

43. विनोद धब्याल राही 177

44. मोनिका 181

45. मुदिता अग्रवाल 185

46. सुषमा देवी 189

47. विनोद कुमार 193

48. भूपेन्द्र कुमार त्रिपाठी 197

49. अनु ठाकुर 201

50. चर्चा 205

51. प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार 209

52. तोषी गुप्ता 213

53. सुप्रिया सिन्हा 217

54. प्रेमपाल 221

55. रचना शर्मा 225

56. डॉ. बलराम गुप्ता 229

परिचय

नाम : प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, ए. के. सिंह कॉलेज, जपला, पलामू, झारखंड।

२. राज्य प्रमुख– मानवाधिकार मिशन, झारखंड।

३. राष्ट्रीय संयोजक– भारतीय अश्वमेघ पार्टी, भारत

४. प्रदेश कार्यकारिणी – अभाविप, झारखंड।

५. राष्ट्रीय सह–संयोजक – विश्ववाणी हिंदी संस्थान अभियान, भारत।

६. प्रदेश संयोजक – राष्ट्रवादी लेखक संघ, भारत।

७. राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय शताधिक वेबीनारों में संचालन एवं सहभागिता।

८. विभिन्न राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों में संचालन एवं सहभागिता।

९. विभिन्न राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशन।

१०. "पलामू कमिश्नरी की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" विषय पर पीएच.डी. उपाधि हेतु शोध प्रबंध प्रकाशित, हिंदी विभाग, बीएचयू, वाराणसी।

११. अन्य – अनेक साहित्यिक संस्थानों के कार्यक्रम में सहभागिता।

१२. मेरी भी कविता– भाग–३ (साझा संग्रह)।

१३. विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा प्रकाशित स्मारिका में शोध–आलेख।

१४. प्रदेश संगठन मंत्री–सह–प्रवक्ता– झारखण्ड राज्य बारी संघ।

१५. राष्ट्रीय सलाहकार – राष्ट्रीय योद्धा बारी कल्याण महासमिति।

शिक्षा– १. एम. ए. द्वय– हिंदी, अंग्रेजी।

२. स्नातकोत्तर भाषा विज्ञान (संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी)।

३. यू. जी. डी. रसियन, पीएच. डी. (बी. एच. यू., वाराणसी)

४. विद्याविशारद (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

पुरस्कार/समयमान –

१. हिन्दी साहित्य शिरोमणि–२०२१

२. हिन्दी साहित्य रत्न–२०२१

३. श्रेष्ठ व्यंग्यकार –२०२१

४. कलम की धार–२०२१

५. काव्य गौरव सम्मान –२०२१– साहित्य आजकल

६. राष्ट्रीय गणतंत्र हिन्दी काव्य सम्मान ।

७. अनेक राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार/सम्मान/प्रमाण–पत्र (शताधिक)

अपना भी टाइम आयेगा

अपना भी टाइम आयेगा
जब सुबह सवेरे उठकर हम टहलने जाएंगे
अपने दोस्तों के साथ
खुद भी बहलने जाएंगे
अपना भी टाइम आयेगा।
अपनी बिटिया को कबड्डी खेलाने जाएंगे
खेल देख देख कर अपना भी मन बहलाएंगे
अपना भी टाइम आयेगा।
सज धज कर अपने कॉलेज पढ़ाने जाएंगे
बच्चों के संग – संग
अपना टाइम बिताएंगे
अपना भी टाइम आयेगा।
कहीं दूर पर लेकर बच्चों को घुमाने जाएंगे
परिवार के संग
हम पिकनिक मनाने जाएंगे
अपना भी टाइम आयेगा।

तुम्हारे बिना

तन्हाई में जीने न आता मुझे
तन्हा जियूँ कैसे तुम्हारे बिना

पिंजरे में थी तो तुम्हीं को बुलाया
गगन में जियूँ कैसे तुम्हारे बिना

तेरे अनुज करते हैं माँ की ठिठोली
फिर भी तेरी माँ कुछ न बोली

न आवाज बचा है न अश्क बचे हैं
रोदन करूँ तो कैसे तुम्हारे बिना

सुषमा बिखेरी जो तूने कश्मीर में
सुराज करूँ तो कैसे तुम्हारे बिना

भोजपुरी रीति–रिवाज

तकइ के तक धिन
बनल मकई के लावा।
भोजपुरी के हइ शान
सगरो जग में फैलावा।

अंग्रेजी झाड़े से का होई
हिन्दी हमर शान बा।
भोजपुरी हमार रीत रिवाज
भोजपुरी अभिमान बा।

भारत गाँव में बसेला
इ सभे के जबान बा।
पेट भरे वाला केहू नइखे
जुगाड़ करेवाला किसान बा।

आधा खाना खा के
आधा खाना फेकेला।
केतना मेहनत से अनाज
सब किसान उपजावेला ।

माई मउसी हेरा गइल
मॉम आंटी गोहरावेला।
पापा डैड, बेटा बोलैं
बाबूजी! के बोलावेला?

अनुभूतियों का अहसास

डॉ. विजय कुमार पुरी   डॉ. श्रीप्रकाश यादव

Nikhil

Nikhil Publishers & Distributors

37, 'Shivram Kripa' Vishnu Colony,
Shahganj, Agra-282010 (U.P.) India
E-mail : nikhilbooks.786@gmail.com

ISBN : 978-93-5552-054-8

9 789355 520548

₹500.00 $ 20

ALSO AVAILABLE ON amazon

9458009531-38 | www.nikhilbooks.in | Nikhil Publishers Agra

माँ

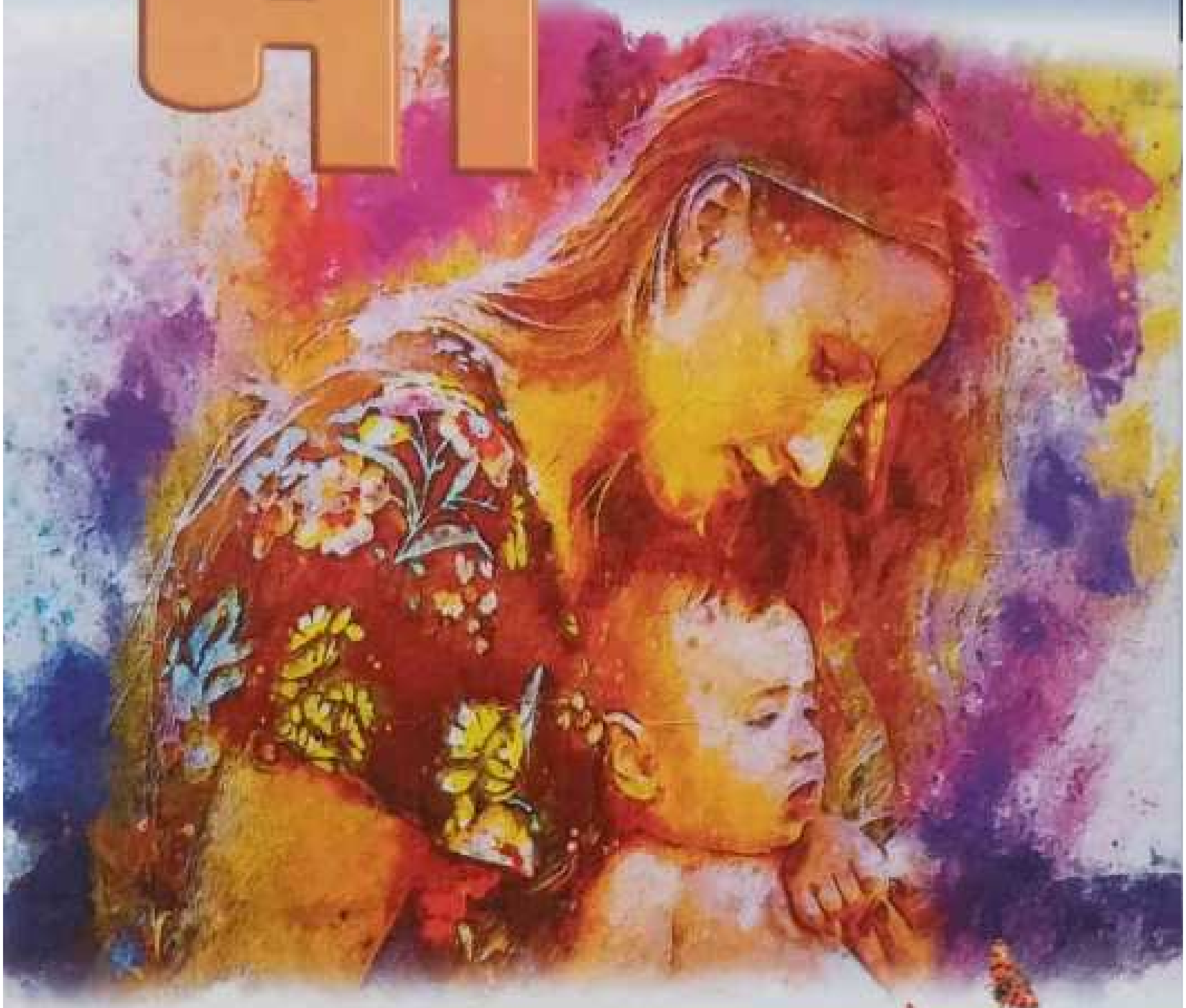

संपादिका : सुमंगला 'सुमन'

माँ

सर्वाधिकार	:	© बी.एम.पी. पब्लिशर
संपादिका	:	सुमंगला 'सुमन'
प्रथम संस्करण	:	नवम्बर, 2022
मुद्रक	:	एस.आर.एन.पी. प्रिंटर्स, 1070A, राजीव नगर, गुड़गाँव, हरियाणा – 122001
ISBN	:	978-93-91143-58-9
मूल्य	:	₹ 250.00

प्रकाशक

ब्राइट एम.पी. पब्लिशर
1081ए, नियर चाचा चौक, एन.आई.टी., फरीदाबाद,
हरियाणा, (भारत) – 121005
www.bmppublisher.com, www.bukskart.com

23. डॉ. जगदीश चंद्र वर्मा 'अनंत'............................72-74

24. कवि बुद्धि सागर गौतम....................................75-77

25. बृजेश कुमार वर्मा...78-80

26. गायत्री पाण्डेय..81-83

27. अनिल कुमार वर्मा "मधुर"..................................84-86

28. राज बहादुर "राना"...87-89

29. अनूप कुमारी..90-92

30. गोवर्धन बिसेन "गोकुल"...................................93-95

31. श्री चिरंजीव बिसेन..96-98

32. धर्मचंद शर्मा..99-101

33. वीर सागर महासर...102-104

34. वृन्दा प्रजापति...105-107

35. कांति सिंह..108-110

36. अशोक चाढक..111-113

37. डॉ. आलोक रंजन कुमार..................................114-116

38. सुशीला कुमारी..117-119

39. सुमंगला 'सुमन'..119-120

*****

रचनाकार परिचय

नाम : डॉ. आलोक रंजन कुमार

1. विभागाध्यक्ष - हिन्दी विभाग, ए.के. सिंह कॉलेज, पोस्ट - जपला, जिला-पलामू, राज्य-झारखंड।

2. प्रदेश संगठन सचिव सह प्रवक्ता, झारखंड राज्य बारी संघ।

3. प्रमुख सलाहकार-राष्ट्रीय योद्धा बारी कल्याण महासमिति, भारत।

4. राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सह प्रदेश संगठन सचिव-भारतीय अश्वमेध पार्टी (रजि.राजनीतिक पार्टी), भारत।

5. प्रदेश कार्यसमिति सदस्य-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, झारखंड।

6. प्रदेश संयोजक - राष्ट्रवादी लेखक संघ, झारखंड।

7. प्रदेश संयोजक - विश्ववाणी हिन्दी संस्थान अभियान, झारखंड।

8. प्रदेश संयोजक - अथाई आशा इंटरनेशनल चैप्टर रचनाकार साहित्य समूह, झारखंड।

9. राज्य प्रमुख - मानवाधिकार मिशन, झारखंड।

10. संरक्षक - नवयुग चेतना विकास मंच तथा टाइगर्स-XI क्रिकेट क्लब हुसैनाबाद, पलामू।

11. पूर्व सचिव तथा वर्तमान मीडिया प्रभारी- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, नी. पी. विश्वविद्यालय पलामू।

12. अनेक अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा विश्वविद्यालय स्तरीय पुरस्कार सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त।

13. प्रकाशन - १. पलामू कमिश्नरी की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन (पी-एच.डी. की अनुसंधान पुस्तक), २. मेरी भी कविता भाग (साझा संग्रह) भाग-3, ३. अनुभूतियों का अहसास (साझा काव्य

माँ

माँ तेरा पुत्र कहीं राम है तो कहीं रावण है।
मगर तेरा वात्सल्य हर जगह पावन है।

माँ तू तो ममतामयी करूणा की प्रतिमूर्ति है।
कहीं तू यशोदा कहीं सीता कहीं सरस्वती है।

नदियों में बसी माँ गंगा यमुना सरस्वती है।
पहाड़ों में बसी शारदा वैष्णो माता पार्वती है।

कोई किसी से कम नहीं सब माँ रूपवती है।
सबकी माँ पुत्र-पुत्री की दृष्टि में भगवती है।

*****

माँ

ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान
(साझा संकलन)

<u>–:संकलन:–</u>

मुकेश कुमार सोनकर

By

दिव्यज्योति पब्लिकेशन

Publishers & Distributors

First published by Divyajyoti Publications

Raipur(Chhattisgarh), 492013

Email: divyajyotipublications.rpcg@gmail.com

Divyajyoti Publication, Raipur(CG)

Copyright ©Divyajyoti Publications

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Author or Publishers.

Title: माँ–ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान(साझा संकलन)

Language: Hindi

ISBN:- 978-93-340-5373-9

Price:-

No. of Pages:-

Compiled and designed By - Mukesh Kumar Sonkar

Typeset in Times New Roman by Jyoti Sonkar

Cover page designed by Divyanshi

Printed by :-

------- *परिचय विवरण* -------

1. नाम : प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

2. माता-पिता का नाम : स्व. मानमती देवी स्व. राजा राम

3. पत्नी का नाम : रश्मि प्रकाश

4. जन्म तिथि : 23 - 02 – 1972 जन्म स्थान : जपला जिला : पलामू

5. शिक्षा : स्नातक - १. हिन्दी भाषा एवं साहित्य,२. रूसी भाषा एवं साहित्य, ३. वकालत, ४. शिक्षा विशारद।

स्नातकोत्तर - १. हिन्दी भाषा एवं साहित्य, २. भाषा विज्ञान, ३. अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य।

पी-एच. डी. - हिन्दी (पलामू कमिश्नरी की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन -- भाषाएं : हिन्दी, मगही, भोजपुरी, नागपुरी, संथाली, मुंडारी, ब्रिजिया, बिरहोर, कोरवा, हो, कुंडुख कर (औरांव भाषा)

6. वर्तमान में कार्य (पेशा) : हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, ए के सिंह का ॅलेज जपला तथा राज्य प्रमुख -- मानवाधिकार मिशन झारखण्ड

7. संस्थापक/अध्यक्ष : संस्थापक - गौरव साहित्य मंच पलामू , विश्ववाणी हिंदी संस्थान अभियान झारखण्ड, संयोजक - राष्ट्रवादी लेखक संघ झारखण्ड, राज्य प्रमुख - (स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) मानवाधिकार मिशन झारखण्ड, अध्यक्ष- सोन घाटी पुरातत्व परिषद् पलामू झारखण्ड , संयोजक - अयाई आशा इंटरनेशनल साहित्य एवं समन्वय समूह झारखण्ड आदि।

8. हिंदी प्रचार के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान : विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के माध्यम से हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन एवं सहभागिता।

9. लेखन विधा : कविता, दोहा, गजल, हाइकु, सा ॅनेट, लघुकथा, कहानी, संस्मरण, निबंध, आलेख, साक्षात्कार

10. भाषा साहित्य/गायन वादन/अभिनय/शिक्षा / समाजसेवा / चिकित्सा के क्षेत्र में आपके द्वारा किया गया उल्लेख योगदान लिखें : प्रतिवर्ष लगभग सौ विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करना। काव्य पाठ, भक्ति वन्दना गायन

11. प्राप्त सम्मान/पुरस्कार : शताधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान/पुरस्कार तथा दो सौ से अधिक राष्ट्रीय सम्मान/पुरस्कार/ प्रशस्ति-पत्र/प्रमाण पत्र।

12. हाल का पद तथा दायित्व : हिन्दी विभागाध्यक्ष सह नैक को-ऑर्डिनेटर,ए के सिंह कालेज, जपला। उपरोक्त सभी पद पर आसीन।

13. अब तक प्राप्त मुख्य उपलब्धि : १. हिन्दी सचिवालय मा ॅरीशस तथा सृजन आस्ट्रेलिया से अंतरराष्ट्रीय अनेक सम्मान। २. तीन आर्य भाषा परिवार कि मातृभाषाओं, छः मुंडा परिवार की मातृभाषाओं, तथा एक द्रविड़ परिवार की बोली पर शोध कार्य।

14. वर्तमान पता : "राजभवन" मुहल्ला - लम्बी गली, पोस्ट - जपला,

जिला - पलामू, राज्य - झारखण्ड, पिन कोड – 822116

माँ–ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

माँ ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

माँ ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान
माँ का जग में सबसे ऊंचा पायदान

माँ श्रृष्टि के आरंभ में दी थी प्राणदान
ब्रह्मा विष्णु शिव को दी थी अभयदान

माँ तेरी शक्ति से जग क्यों अनजान
तू ही पूजा, तू ही भक्ति, देती वरदान

तूने ही दिया जुबान और आत्मज्ञान
माँ तुझको पाया तो पाया ये ब्रह्मज्ञान

कभी न भूल सकता तेरा अवदान
तूने ही तो पूरा किया मेरा अरमान

करती दिनभर निः शुल्क श्रमदान
तुझसे रौशन होता पूरा खानदान

ईश्वर से तो मैं क्या दुनिया अनजान
पर मेरी दृष्टि में, माँ तू ही भगवान

तुझसे ही तो जग में मेरी पहचान
तू ही मेरा अतीत भविष्य वर्तमान

माँ से अधिक जग में न कोई महान
शब्द कम पड़े, कैसे करूं यशगान

तू जन्मदात्री, पालनकर्तृ, धैर्यवान
माँ ! ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

✍ डॉ. आलोक रंजन कुमार

माँ–ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान

नारी शक्ति को नमन

संकलन : मुकेश कुमार सोनकर

First published by Divyajyoti Publications

Raipur(Chhattisgarh), 492013

Email: divyajyotipublications.rpcg@gmail.com

Copyright ©Divyajyoti Publications

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Author or Publishers.

Title: नारी शक्ति को नमन (काव्य संग्रह)

Language: Hindi

ISBN:- 978-93-340-4075-3

Price:- 249

No. of Pages:- 140

Compiled and designed By :- Mukesh Kumar Sonkar

Typeset in Times New Roman by Jyoti Sonkar

Cover page designed by Divyanshi

Printed by :- Divyajyoti Publications Raipur Chhattisgarh

Divyajyoti Publication, Raipur (CG)

रचना अनुक्रम

रा.क्र.	रचनाकार का नाम	पृष्ठ क्र.
1	आ. डॉ.नीलम पाण्डेय 'नीलिमा'जी, खटिमा, उत्तराखण्ड	9
2	आ. सुनील कुमार जी, नकुड, सहारनपुर, उत्तरप्रदेश	13
3	आ. मोहन तिवारी जी, मुम्बई	16
4	आ. अंजली सारस्वत शर्मा जी, लखनऊ, उत्तरप्रदेश	19
5	आ. डॉ. आलोक रंजन जी, पलामू झारखण्ड	22
6	आ. अनिता गोस्वामी जी, नोएडा	27
7	आ. सुमा मण्डल जी, पखान्जूर कांकेर छत्तीसगढ़	30
8	आ. पूर्णिमा ढिल्लन जी, नासिक महाराष्ट्र	33
9	आ. राकेश राज भाटिया जी, थुरल–कांगड़ा हिमाचलप्रदेश	37
10	आ. तरुण राय कागा जी, बाड़मेर राजस्थान	41
11	आ. उषा जोशी जी, देवास मध्यप्रदेश	45
12	आ. रेणुबाला सिंह जी, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश	49
13	आ. अनिल कुमार केसरी जी, बूंदी राजस्थान	53
14	आ. दुर्गेश मोहन जी, बिहटा पटना बिहार	56
15	आ. संदीप कुमार कटारिया जी, करनाल हरियाणा	59
16	आ. थानूराम साहू जी, लोरमी मुंगेली छत्तीसगढ़	62
17	आ. दिनेश दत्त शर्मा 'वत्स' जी, गाजियाबाद,उत्तरप्रदेश	66
18	आ. सुनीता प्रयाकर राव जी वासुनि तेलंगाना	69
19	आ. लता सेन जी, इंदौर, मध्यप्रदेश	74
20.	आ. भानू प्रिया देवी जी, देवघर झारखण्ड	77
21	आ. सुखमिला अग्रवाल जी, जयपुर राजस्थान	80
22	आ. मनोहर चौबे 'आकाश' जी, जबलपुर मध्यप्रदेश	84
23	आ. रमाकांत शर्मा जी, डांडेली, कर्नाटक	90
24	आ. डॉ. अभिषेक मेहरोत्रा जी, आगरा उत्तरप्रदेश	94
25.	आ. मीनाक्षी सुकुमारन जी, नोएडा	97
26	आ. स्व.प्रेमशीला कुशवाहा जी, कुशीनगर उत्तरप्रदेश	101
27	आ. डॉ. सोनिया मेहरोत्रा जी, आगरा उत्तरप्रदेश	104
28	आ. शरीफ खान जी, कोटा राजस्थान	107
29	आ. गुड़िया गौतम जी, जलगांव महाराष्ट्र	112
30	आ. मुकेश कुमावत'मंगल'जी, रघुनाथपुरा, टोंक, राजस्थान	115
31	आ. विशाल जैन''पवा'' जी, ललितपुर उत्तरप्रदेश	118
32	आ. मृदुला वर्मा जी, कानपुर उत्तरप्रदेश	121
33	आ. पिन्की शाह''दिशा'' जी, अहमदाबाद गुजरात	124
34	आ. मुस्कान केशरी जी, मुजफ्फरपुर बिहार	128
35	आ. बलराम यादव जी, देवरा मध्यप्रदेश	130
36	आ. अशोक गोयल जी, पिलखुवा हापुड़	133
37	आ. मुकेश कुमार सोनकर''सोनकरजी'' रायपुर छत्तीसगढ़	137

1.जय माता शारदे

ऐसा करो, माँ शारदे।
ज्ञानी बनें, उपहार दे।
करता सदा, यह प्रार्थना।
माता सुने, नित याचना।

देवी सुनें, भव तारणी।
संकट सभी, दुख हारिणी।
करते रहें, हम साधना।
पूरी करें, मनोकामना।

जीवन रहे, सबका सुखी।
दिखे नहीं, कोई दु:खी।
ममतामयी, हम मानते।
समदृष्टि रखें, सब जानते।

उपकार माँ सब पर करें।
भंडार सुख, हर घर भरें।
तेरी कृपा, हमसब चाहते।
बल अरु बुद्धि,सब मांगते।

जय माता शारदे !
त्रुटि तू विसार दे।

✍ प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

2.आओ मिल नव वर्ष मनाएं

रहे अशिक्षा नहीं जमीं पर
दायित्व है शिक्षकों ! इसी पर
आओ शिक्षाविदों सबों पढ़ाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं।१।

शिकायत न रहे इंसान की
सब संतानें हैं भगवान की
सनातन धर्मी ज्योति जलाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं।२।

पाप कर्मों में फंसा है भुवन
मा पिता के नक्शे चले सुवन
आओ इन्हें सही मार्ग दिखाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं।३।

आधुनिक युग के नाजुक रिश्ते
टूट कर कभी नहीं जुड़ते
आओ रिश्ते टूटने से बचाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं।४।

जात पात का कुभेद मिटा दो
भू से सारे धर्म भेद हटा दो
सनातन में सबको मिलाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं।४।

विश्व की नारी का सम्मान करें
दहेज त्याग अभिमान करें
स्वयं को आत्मनिर्भर बनाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं। ५।

आलोक दीप जग में जलाएं
आओ मिल नव वर्ष मनाएं !

✍ प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

3.रामनवमी

घी रुई से ज्योति जलती
मिट्टी का दीपक जलता
जीवन की गाड़ी चलती
आपसी प्रेम जो पलता

राम आज जब आयेंगे
प्रसन्न हो जायेगी सीता
अयोध्यावासी भी गायेंगे
उर्मिला भी होगी हर्षिता

भरत मिलने आयेंगे
शुभ बेला आई पुनीता
नागर दीप जलायेंगे
खुश होंगी तीनों माता

रावण से लंका को जीता
मुक्त हुई लंका से सीता।

✍ प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार

देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों का काव्य संकलन

वसंतोत्सव काव्य संग्रह

संकलनकर्ता: मुकेश कुमार सोनकर

First published by Divyajyoti Publications
Raipur(Chhattisgarh), 492013
Email: divyajyotipublications.rpcg@gmail.com

Divyajyoti Publication, Raipur(CG)
Divyajyoti Publications and its logo are the trademarks of Divyajyoti Publication™

Copyright ©Divyajyoti Publications

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior written permission of the Author or Publishers.

Title: वसन्तोत्सव (काव्य संग्रह)

Language: Hindi

ISBN:- 978-93-340-1945-2

Price:- 249

No. of Pages:- 70

Compiled and designed By :- Mukesh Kumar Sonkar

Typeset in Times New Roman by Jyoti Sonkar

Cover page designed by Ravikant Bansal

Printed by :-

रचना अनुक्रम

स. क्र.	रचनाकार का नाम	पृष्ठ क्रमांक
1	आ. डॉ. आलोक रंजन कुमार जी	11
2	आ. चेतना साबला जी, अंधेरी मुंबई	12
3	आ. डॉ. राजेश तिवारी 'मक्खन' जी, झांसी, उत्तरप्रदेश	13
4	आ. दुर्गेश मोहन जी, बिहटा, पटना, बिहार	14
5	आ. जयंती खमारी "रुही" जी, रायगढ़, छत्तीसगढ	15
6	आ. जयकुमार ठाकर जी, सूरत, गुजरात	16
7	आ. सुनीता प्रयाकर राव जी, वासुनि, तेलंगाना	17
8	आ. रेणुबाला सिंह जी, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश	18
9	आ. रविप्रकाश पाण्डेय जी, देवरिया, उत्तरप्रदेश	19
10	आ. डॉ. नीलम पाण्डेय 'नीलिमा' जी, खटिमा, उधमसिंहनगर, उत्तराखण्ड	20
11	आ. राकेश राज भाटिया जी, थुरल, कांगड़ा हिमाचल प्रदेश	21
12	आ. डॉ. ब्रम्हदेव कुमार जी, रमला, गोड्डा, झारखंड	22
13	आ. डॉ. अशोक जाटव 'राही' जी, भोपाल, मध्यप्रदेश	23
14	आ. डॉ. दक्षा जोशी 'निर्झरा' जी, गुजरात	24
15	आ. कुमार जितेन्द्र जी, उन्नाव, उत्तरप्रदेश	25
16	आ. रमाकांत शर्मा जी, डांडेली, कर्नाटक	26
17	आ. सुनीता अग्रवाल जी, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश	27
18	आ. हरिदास बड़ोदे 'हरिप्रेम' मेहरा जी, आमला, बैतूल, मध्यप्रदेश	28
19	आ. सुशीलचन्द्र वाजपेयी जी, लखनऊ, उत्तरप्रदेश	29
20	आ. मुकेश कुमावत 'मंगल' जी, रघुनाथपुरा, टोंक, राजस्थान	30
21	आ. रविनारायण शुक्ल जी, लालगंज, रायबरेली, उत्तरप्रदेश	31
22	आ. डॉ. विजय पाटिल जी, बड़वानी, मध्यप्रदेश	32
23	आ. बलराम यादव जी, देवरा	33
24	आ. नरेन्द्र सोनकर 'कुमार सोनकरन' जी, करछना, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश	34
25	आ. दिलीप भाई पटेल जी, मालवण, महिसागर, गुजरात	35
26	आ. भेरुसिंह चौहान 'तरंग' जी, झाबुआ, मध्यप्रदेश	36
27	आ. डॉ. अनिता गोस्वामी जी, रुडकी, उत्तराखण्ड	37
28	आ. सुनील कुमार जी, नकुड, सहारनपुर, उत्तरप्रदेश	38
29	आ. अशोक वाजपेयी 'सजल' जी, हरदोई, उत्तरप्रदेश	39
30	आ. रामनिवास शर्मा जी, गया, बिहार	40

डॉ. आलोक रंजन कुमार जी

जय शारदे भवानी

जय शारदे भवानी, तुम सा कोई न दानी,
अज्ञानी विद्यार्थियों को, ज्ञान भर देती है।

जय जननी भारती, मैं गाऊं तेरी आरती।
अकिंचन संतानों को, धनी कर देती है।

माता तू वरदायिनी, तू ही तो वाक् दायिनी,
मूक-बधिर बच्चों को, वाक् वर देती है।

तू ही पुस्तक धारिणी , तू ही तो वीणा धारिणी,
अक्षर ज्ञान सभी को, सम वर देती है।

*****

✍ भक्त कवि – डॉ. आलोक रंजन कुमार

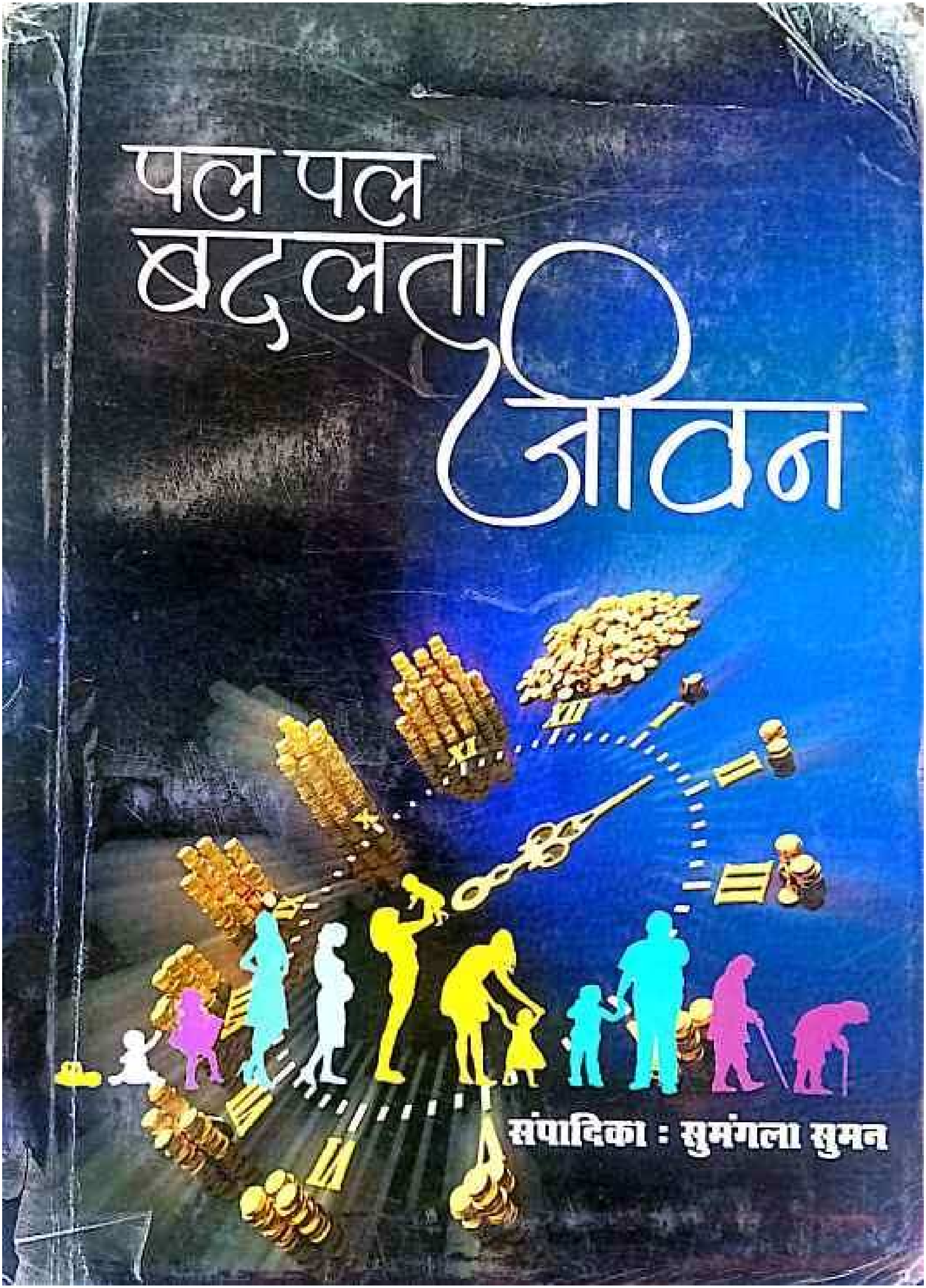
पल पल
बदलता
जीवन
संपादिका : सुमंगला सुमन

पल पल बदलता जीवन

सर्वाधिकार	:	© ब्राइट एम.पी. पब्लिशर
संपादिका	:	सुमंगला 'सुमन'
प्रथम संस्करण	:	अक्टूबर, 2022
मुद्रक	:	एस.आर.एन.पी. प्रिंटर्स, 1070A, राजीव नगर, गुड़गाँव, हरियाणा - 122001
ISBN	:	978-93-91143-36-7
मूल्य	:	₹ 250.00

प्रकाशक

ब्राइट एम.पी. पब्लिशर
1081ए, नियर चाचा चौक, एन.आई.टी., फरीदाबाद,
हरियाणा, (भारत) - 121005
www.bmppublisher.com, www.bukskart.com

अनुक्रमणिका

क्रं.	नाम रचनाकार	पेज. सं.
1.	मनोरमा शर्मा 'मनु'	7-9
2.	सुरेश लाल श्रीवास्तव	10-12
3.	मुकुंद कुमार सिंह	13-15
4.	आशुतोष तिवारी "आशुमन"	16-18
5.	अनेक राम सांख्यान	19-21
6.	प्रमोद कुमार चौहान	22-24
7.	पं. मुकेश चतुर्वेदी "मीर"	25-27
8.	राघवेन्द्र प्रताप	28-30
9.	बाल मुकुन्द द्विवेदी	31-35
10.	पवन कुमार भारद्वाज	36-38
11.	सर्वेश कांत वर्मा	39-41
12.	डॉ. आलोक रंजन कुमार	42-44
13.	सुधाकर कांत चक्रवर्ती	45-47
14.	अंजू सिंह	48-50
15.	ममता अरोरा	51-53
16.	अशोक चाढक	54-56
17.	दिलीप कुमार शर्मा (दीप)	57-59
18.	कुन्दन वर्मा "पूरब"	60-62
19.	हरि प्रकाश गुप्ता सरल	63-65
20.	चिरंजीव बिसेन	66-68
21.	इंजी. गोवर्धन बिसेन "गोकुल"	69-71

नाम : डॉ. आलोक रंजन कुमार
पता : जपला, पलामू, झारखंड
Ph. : XXXXXXXXXX

पल पल घटता जीवन

दुनिया कहे बढ़ता है पन
आलोक कहे घटता है पन
बैठकर सोचो स्व अंतर्मन
क्यूँ पल-पल घटता जीवन।

कभी था अपना शैशवपन
फिर आया अपना बालपन
फिर कैशोर्य, पश्चात् यौवन
यूँ पल-पल घटता जीवन।

कितने बीते आषाढ़ सावन
कितने जले पुतले रावण
कितने व्रत, पूजन, हवन
वो पल पल घटता जीवन।

सत्कर्म से हरा हो उपवन
दुष्कर्म से मैली गंगा पावन
साधना से बने ऋषि च्यवन
वो पल पल घटता जीवन।

मिथ्या तो मत करो प्रदर्शन
पर्यावरण बचा सजा वन
तो रह पाएगा सुन्दर वन
ना पल पल घटता जीवन।

जंगल का करोगे संरक्षण
ऑक्सीजन ही हमारा जीवन
जल ही तो है हमारा जीवन
ये पल पल घटता जीवन!

*****

पल-पल बदलता जीवन

जन्म पूर्व अंकुरता जीवन
जन्म होने से खेलता जीवन
शिशु काल से खेलता जीवन
बाल्यकाल से पढ़ता जीवन। 1।

कैशोर्य में परखता जीवन
युवावस्था निखरता जीवन
वयस्क तो संवारता जीवन
प्रौढ़ा में तो संभालता जीवन। 2।

मोह माया पालता आजीवन
वृद्धावस्था जब लाता जीवन
मोह माया को त्यागता जीवन
प्रभु-भक्ति में लगाता जीवन। 3।

अंत समय आने पर तन
बिस्तर पर पलता जीवन
पुत्रादि से सेवा पाता जीवन
अंत में आत्मा त्यागता जीवन। 4।

*****

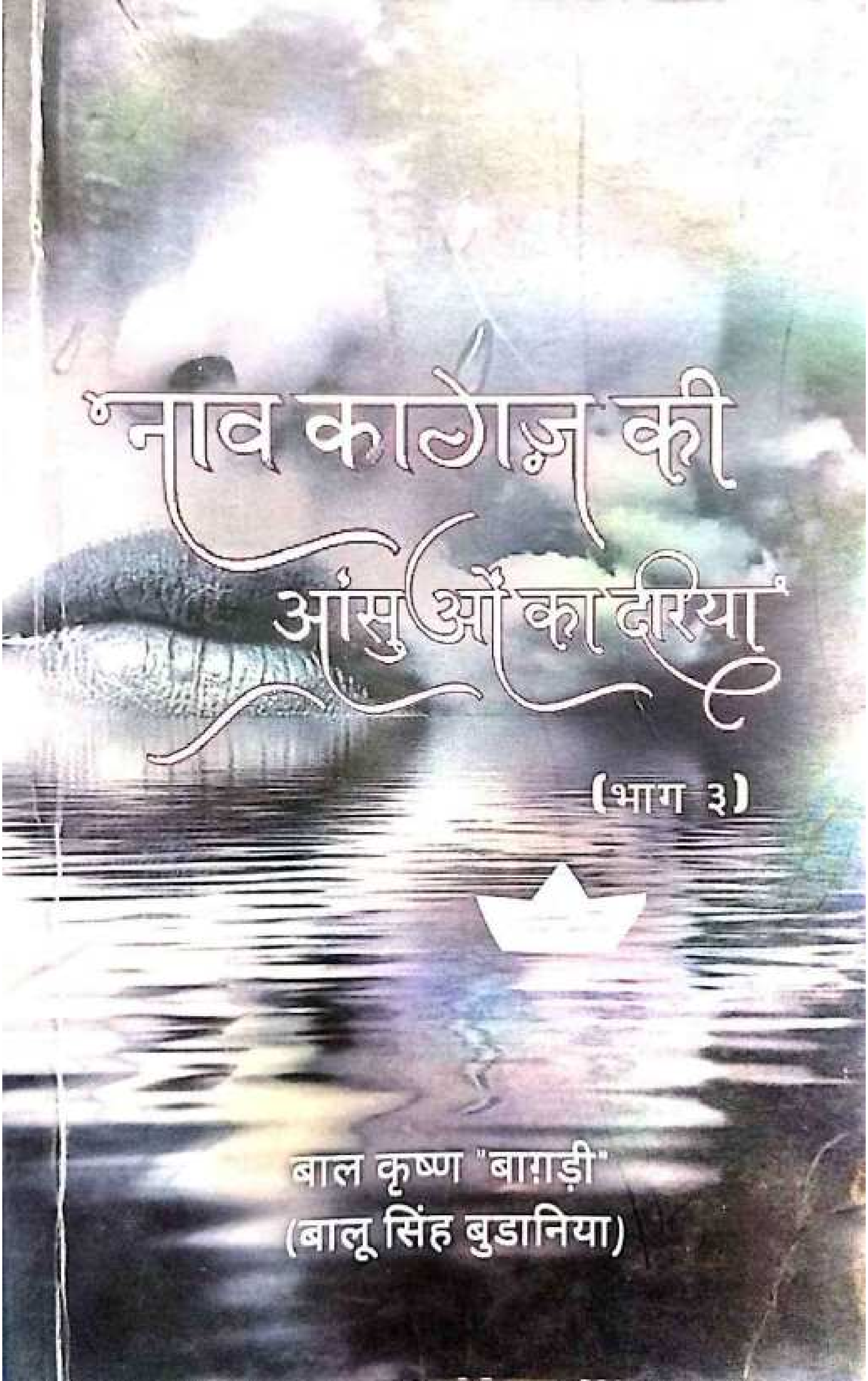
नाव कागज़ की
आंसुओं का दरिया
(भाग ३)
बाल कृष्ण "बाग़ड़ी"
(बालू सिंह बुडानिया)

शीर्षक: नाव कागज़ की आंसुओं का दरिया
संकलक: बाल कृष्ण बागड़ी

Copyright © 2023 by Dead of Writes Publication

सभी अधिकार सुरक्षित. पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग को छोड़कर प्रकाशक की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक या उसके किसी भी भाग को किसी भी तरह से पुन: प्रस्तुत या उपयोग नहीं किया जा सकता है।

भारत में मुद्रित।
डेड ऑफ राइट पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित।

"ISBN-978-93-91153-27-4"

Mrp: 200/-

अनुक्रमणिका

स. न.	सह-लेखक/लेखिका	पृष्ठ संख्या
०१	क्षमा श्रीवास्तवा	९
०२	मो. आलमगीर	१२
०३	मुनीश चंद्र सक्सेना	१५
०४	डॉ. आलोक रंजन कुमार	१८
०५	राजन तेजी	२१
०६	संतोष श्रीवास्तव	२४
०७	स्वाती राठौर	२७
०८	अवधेश सिंह राठी	३०
०९	सीमा गर्ग "मंजरी"	३३
१०	कमलदीप कौर	३६
११	हरमोहिंदर सिंह	३९
१२	गुंजन अग्रवाल "अनहद"	४२
१३	पंकज सिंह "दिनकर"	४५
१४	मंतशा "कातिब"	४८
१५	रवि कुमार	५१
१६	अरुण शर्मा	५४
१७	श्री ध्रुमिल सेठ	५७
१८	स्वाति शर्मा	६०
१९	डॉ. पल्लवी गुंजन	६३
२०	अमित अल्प	६६

सह-लेखक: डॉ. आलोक रंजन कुमार

लेखक का नाम डॉ. आलोक रंजन कुमार है। विभागाध्यक्ष - हिन्दी विभाग, ए. के. सिंह कॉलेज, पोस्ट - जपला, जिला - पलामू, राज्य - झारखंड। प्रदेश संगठन सचिव सह प्रवक्ता, झारखंड राज्य बारी संघ। प्रमुख सलाहकार - राष्ट्रीय योद्धा बारी कल्याण महासमिति, भारत। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सह प्रदेश संगठन सचिव - भारतीय अश्वमेध पार्टी (रजि. राजनीतिक पार्टी), भारत। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, झारखंड। प्रदेश संयोजक - राष्ट्रवादी लेखक संघ, झारखंड। प्रदेश संयोजक - विश्ववाणी हिन्दी संस्थान अभियान, झारखंड। प्रदेश संयोजक - अखंड आशा इंटरनेशनल चैप्टर रचनाकार साहित्य समूह, झारखंड। राज्य प्रमुख - मानवाधिकार मिशन, झारखंड। संरक्षक - नवयुग चेतना विकास मंच तथा टाइगर्स-XI क्रिकेट क्लब हुसैनाबाद, पलामू। पूर्व सचिव तथा वर्तमान मीडिया प्रभारी- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, नी. पी. विश्वविद्यालय पलामू। अनेक अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा विश्वविद्यालय स्तरीय पुरस्कार सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त।

आंसू

जो देखते हो आंखों में आंसू
ये तोहफा बेवफा संगमरमर का है
ये सिर्फ आंसू नहीं है दोस्त,
ये सारे लहू मेरे जख्मों जिगर का है
चौंको न यारो ये दास्तां खुद से लिखी गई है
मर गया था मैं, मगर कंकाल बच गई है
ख़ुदा के फरिश्ते आए कब्र में, सुनी मेरी दास्तां,
रहमत से मुझमें दुबारा जान डाल दी गई है

दी मुझको उन्होंने कलम पाक मेरे हाथों में
तब लिख दी मैंने दास्तां अपनी बातों बातों में
गुजरे जमाने की किताब खोल पढ़ता चला गया
तब मैंने लिख दी वो बातें जो गुजरी थी रातों में
बहुत तरह के ग़मों से मुलाकात हुई थी
कितने ही महजबीनों से मेरी बात हुई थी
एक दिल में अरमां रह जाते, गर तू ना मिलती
दास्तान-ए-ग़म सुना के मोहब्बत की बात हुई थी

एक बची थी अंतिम दांव, वह भी मैंने लगा दी
बुझती हुई सांसो को मैंने, तेरे सहारे जगा दी
कितने बार जिया हूं मैं, कितने बार मरा हूं मैं
फिर भी जीते जी तूने, मेरी चिता में आग लगा दी

मिट्टी का बना था, आग लगी राख हो गया,
तूफ़ान आया राख उड़े पुनः मिट्टी में मिल गया
जब किसी आशिक ने पढ़ी मेरी किताब "आलोक"
आंसू गिर वरक पोंछे हुरूफ़ हाथ में मिल गया

मेरी भी कविता

(साझा-संग्रह)

भाग–3

सम्पादक

डॉ. श्रीप्रकाश यादव

इस पुस्तक के किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे ढंग से भंडारण, जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी विधि से, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, इलेक्ट्रॉनिक्स रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य रीति प्रयोग बगैर पूर्व लिखित अनुमति के नहीं किया जा सकता है।

ISBN : 978-93-90599-14-1

- पुस्तक का नाम : मेरी भी कविता (भाग-3)
- सम्पादक : डॉ. श्रीप्रकाश यादव
- © प्रकाशक
- **प्रथम संस्करण : 2020**
- **मूल्य : ₹ 500/- मात्र ($ 20)**
- *शब्द सज्जा :*
  श्री हरी ग्राफिक्स
- *मुद्रक :*
  श्री पूजा प्रिन्टर्स
- प्रकाशक :
  निखिल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
  37, 'शिवराम कृपा' विष्णु कालोनी शाहगंज, आगरा
  मो. : 9458009531-38
  e-mail : nikhilbooks.786@gmail.com
  visit us : www.nikhilbooks.in

27. श्रीमती एकता शर्मा, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) 117
28. श्रीमती शुभा शुक्ल निशा, रायपुर (छ.ग.) 121
29. डॉ. ममता भारती, आगरा (उ.प्र.) 125
30. श्री वरुण चौधरी, आगरा (उ.प्र.) 129
31. श्रीमती अंकिता सिन्हा, जमशेदपुर (झारखंड) 133
32. श्रीमती इला सागर रस्तोगी, मुरादाबाद (उ.प्र.) 137
33. श्री नन्द लाल मणि त्रिपाठी 'पीताम्बर', गोरखपुर (उ.प्र.) 141
34. श्री मनीष शुक्ला, लखनऊ (उ.प्र.) 147
35. श्री धनंजय सिंह, जौनपुर (उ.प्र.) 151
36. डॉ. कप्तान सिंह 'संघर्षी', फिरोजाबाद (उ.प्र.) 155
37. कु. आँचल पटेल, सोनभद्र (उ.प्र.) 159
38. श्री प्रतीक संघर्षी, फिरोजाबाद (उ.प्र.) 163
39. श्री शिवा पंचकरण, धर्मशाला (हि.प्र.) 167
40. श्रीमती अर्चना सरोहा, बागपत (उ.प्र.) 171
41. डॉ. शैलेन्द्र पाराशर, उज्जैन (म.प्र.) 175
42. श्री सतीश कुमार, शिमला (हि.प्र.) 179
43. डॉ. बी. एन. सिंह, कानपुर (उ.प्र.) 183
44. श्री एकांत नेगी, गाजियाबाद (उ.प्र.) 191
45. डॉ. नीरज कुमार, बुलंदशहर (उ.प्र.) 195
46. श्री दिनेश धर्मपाल, मण्डी (हि.प्र.) 199
47. कु. प्रियंका यादव, देवरिया (उ.प्र.) 203
48. डॉ. आलोक रंजन कुमार, झारखंड 207
49. देवेन्द्र कश्यप 'निडर', सीतापुर (उ.प्र.) 212
50. कुमार रवि 216

पुस्तक और मनुष्य

वो जब बेहयाई पार कर देता है
खुद को वो अश्लील कर देता है।
कोई अच्छी किताब लिख देता है,
कोई बुरी किताब लिख देता है।
यह जो किताब की अहमियत है
पढ़ने वाले पर निर्भर करता है।
कोई उसे तराजू में तौल देता है
कोई गल्ला-दुकान में बेच देता है।
कोई तो उन पन्नों को फाड़कर
सामान की पुड़िया बना देता है।
फिर वे पन्ने गुमनामी के रास्ते में
कोई पैरों से निर्बुद्धि रौंद देता है।
लोग कहें काम निकला दुख बिसरा
नौकरी लगी किताब हुआ कचरा।
खुदगर्ज प्राणी भी आदमी का,
आजकल यही हश्र कर देता है।
लेकिन यकीन मानो ओ खुदगर्ज
खोद के खुद को गड्ढे में गिरा देता है।
मैं भी एक पुरानी किताब हूं यारों,
वो मेरा भी यही हश्र कर देता है।
वक्त की शिला पर मैं वो इबारत हूं,
जिसे मेरा कर्म अच्छा रच देता है।।

ग़ज़ल

हर रातें तो अंधेरी लगती हैं पर,
हर सुबह भी धुंधला धुंधला लगता है।

हर नदियां तो कावेरी लगती हैं पर,
जल कुछ गंदला गंदला लगता है।

हर पुराना शख्स अपना लगता है,
पर कुछ बदला-बदला लगता है।

गिरते तो है कोई कोई ही शख्स पर,
हर शख्स संभला संभला लगता है।

अब चमन में फूल तो खिलते हैं पर,
हर फूल कंटीला कंटीला लगता है।

फूल को तोड़ कर रख तो लेते हैं पर,
हर हाथ चोटिला चोटिला लगता है।

होली तो अब भी मनाते हैं पर,
हर रंग खून से नहला नहला देता है।

जिस जिस शहर घूमता हूं हर शहर,
अब कोरोना-कोरोना लगता है।

नसीब नहीं अब अपने शहर की,
अपना शहर अब बेगाना बेगाना लगता है।

समकालीन साहित्य संवेदना के स्वर

संपादक
डॉ. रीना प्रताप सिंह

समकालीन साहित्य : संवेदना के स्वर

SAMKALIN SAHITYA : SAMVEDNA KE SWAR

By *Dr. Reena Pratap Singh*

© डॉ. रीना प्रताप सिंह

ISBN : 978-93-91602-51-2

प्रकाशक

साहित्य संचय

बी-1050, गली नं. 14, पहला पुस्ता,
सोनिया विहार, दिल्ली-110090
फोन नं. : 09871418244, 09136175560
ई-मेल - sahityasanchay@gmail.com
वेबसाइट - www.sahityasanchay.com

ब्रांच ऑफिस

ग्राम : बहुरार, पोस्ट : ददरी
थाना : नानपुर, जिला : सीतामढ़ी
पटना (बिहार)

नेपाल ऑफिस

राम निकुंज, पुतलीसड़क
काठमांडौ, नेपाल-44600
फोन नं. : 00977 9841205824

प्रथम संस्करण : 2021
कवर डिजाइन : प्रदीप कुमार

मूल्य : ₹ 300/- (भारत, नेपाल)
मूल्य : $ 7 /- (अन्य देश)

मुद्रक : श्रीबालाजी ऑफसेट, ई-15, सेक्टर-ए 5/6ए ट्रोनिका सीटी, गाजियाबाद, उ.प्र.

अनुक्रम

1. 'संभव है' निबंध संग्रह में मानवीय संवेदना 9
रेखा कुमारी सिंह

2. विष्णु प्रभाकर के रूपकों, रूपान्तरों तथा ध्वनि नाटकों का शिल्पगत अध्ययन 15
डॉ. कल्पना मौर्य

3. हरियाणवी कवि अहमदबख्श थानेसरी और उनकी रामायण: सांस्कृतिक दृष्टि 30
प्रोफेसर डॉ॰ कृष्ण चंद रल्हाण

4. समकालीन लघुकथा : मानवीय पक्ष की पड़ताल 44
चन्द्रेश साहू

5. प्रगतिशील मंच, काव्य और जाति : मराठवाड़ा रंग भूमिका रंग मंच विचार विरोध और व्यवधन 51
भालेराव श्रीकांत नंद कुमार

6. मृदुला गर्ग के वंशज उपन्यास में मानवीय संवेदना 58
कु. अंजली खलखो

7. अधूरी देह का दंश झेलते अर्धनारीश्वर 64
सूर्यबाला मिश्रा

8. समकालीन हिन्दी साहित्य विविध विमर्श आदिवासी विमर्श 71
डॉ. रीना प्रताप सिंह

9. समकालीन साहित्य : अवधारणा, व्याप्ति एवं राष्ट्रबोध 75
डॉ. रामनारायण शर्मा

'संभव है' निबंध संग्रह में मानवीय संवेदना

रेखा कुमारी सिंह
शोध छात्रा
मगध विश्वविद्यालय
बोध गया, गया

ज्ञानचंद मर्मज्ञ का जन्म 26 अगस्त 1959 को उतर प्रदेश के एक छोटे से कस्बे सैदपुर में हुआ। यह जन्म से भारतीय, शिक्षा से अभियंता, रोजगार से उद्यमी और स्वभाव से कवि हैं। अपेक्षाकृत कम हिन्दी भाषी क्षेत्र बेंगलुरू में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और विकास के साथ-साथ स्थानीय भाषा के साथ समन्वय के लिए पिछले 25 वर्षो से सतत प्रयत्नशील हैं। "संभव है" मर्मज्ञ जी की 19 निबंध का संग्रह है, जिसमें मानवीय संवेदना को झकझोरने तथा दिल की गहराइयों में उतर जाने वाले, इन निबंधों को मानव जीवन के अंतर्द्वद के विविध रूप देखने को मिलते है, जो हमें भीतर झांकने एवं गहन चिंतन के लिए मजबुर करते है। समसामयिक विषयों पर उनका चिंतन का प्रतिफल रूप निबंध वेशक आकार में बहुत बड़े नहीं है, लेकिन "देखन में छोटा लगे घाव करे गंभीर" की तर्ज पर अंतर्मन तक प्रभावित करता है। लेखक ने अपनी दुर दृष्टि से ऐसे शब्द संसार का निर्माण किया है, जिसमें हमारे यथार्थ का मुख पक्ष बिना किसी शोर-शरावे के वहुत कुछ कह कर पाठक को स्पंदित कर जाता है। एक-एक शब्द संवेदना के तह को उधेर कर रख देने वाला वास्तविकता के धरातल पर आश्रित अपने।

वह मन की बात इतनी कोमलता से उधेड़ कर रख देते है, मानो फूल की पंखुड़ियों से वारूद का सीना चीर दिया हो। कवि उदय प्रताप सिंह का इनके निवंधों पर कहना है कि "आकार में छोटे होते हुए भी विहारी की दोहो के भांति मर्म भेदी है।"

ST. XAVIER'S COLLEGE, MAHUADANR

A. K. SINGH COLLEGE, JAPLA

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoU)

Between

ST. XAVIER'S COLLEGE, MAHUADANR
JHARKHAND- 822119
And
A. K. SINGH COLLEGE, JAPLA
JHARKHAND

This Agreement is made on 21st March 2024 between St. Xavier's College, Mahuadanr, Jharkhand, India- 822119 represented by its Principal, Dr. Fr. M.K. Jose S.J. (hereinafter referred to as '**SXCMA**') as **the first party** and A. K. Singh College, Japla represented by its Principal, Dr. Surya Mani Singh (here in after referred to as '**AKSC**') as **the second party.**

PURPOSE

Whereas

a. SXCMA stands as a well-established college known for its academic excellence and research endeavors, coupled with a vibrant collaborative network with numerous institutions. Acknowledged by the UGC with a 2(f) certificate, SXCM actively engages in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) and holds ISO 9001:2015 certification. Notably, it earned a B grade during its initial NAAC accreditation cycle and was recognized with the district green champion award for its dedication to environmental sustainability by the Mahatma Gandhi National Council of Rural Education.

b. St. Xavier's College, Mahuadanr, Jharkhand is desirous to associate with A. K. Singh College on various areas as discussed in the Purview of this MoU, which will be mutually beneficial to both the institutions.

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119
Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116
Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

Whereas

c. Established in 1984, A. K. Singh College stands as one of the premier institutions affiliated with Nilamber-Pitamber University. Its founding mission was to offer higher education to local students, sparing them the necessity of traveling outside Japla, especially in an era whereprivate education was not prevalent. With a considerable student population and a noteworthy academic history, the college ensures enriched teaching-learning experiences.

d. A. K. Singh College is desirous to associate with St. Xavier's College, Mahuadanr, Jharkhand on various areas as discussed in the Purview of this MoU, which will be mutually beneficial to both organizations.

That, relying on the principle of good faith, by virtue of which they will carry out all the possible actions for their due fulfillment,

And relying also on their common bonds and concerns, they state their interest in strengthening their relationships through academic cooperation, and for this end they are of one accord in entering this MoU.

NOW THEREFORE THIS MEMORANDUM OF UNDERSTANDING WITNESSESAS FOLLOWS

1. OBJECTIVE:

e. The parties agree that the objective of the present MoU is to establish a cooperation program in order to collaborate towards the formation of students, academics and researchers for the promotion and development of their respective areas of interest.

2. METHOD FOR ACHIEVING THE OBJECTIVES:

f. In order to achieve the aforementioned objectives, both parties, in mutual agreement, shall develop cooperation programs and projects that will specify the commitments each of them is to make for the performance of said programs.

3. AREAS OF CO-OPERATION:

g. Whereas, **SXCMA** and **AKSC** recognize that the academic collaboration would be of mutual benefit and would provide strengths in research and education and their mutual interest in engaging themselves in academic cooperation. As per the purpose of the said agreement, the two parties shall collaborate in the following areas:

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119
Principal
St. Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India- 822116
Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

i. *Research Collaborations:* Faculty / Researchers / Students of **SXCMA** and **AKSC** can collaborate in future research projects that either involve working cooperatively with partner institutions and / or cover a research topic with an international component. Activities include, but are not limited to, efforts toward developing proposals for collaborative research, co-authoring publication, conducting joint research projects, or establishing joint research centers.

ii. *Faculty Exchange:* Faculty members of **SXCMA** and **AKSC** can travel between to participate in activities that can enhance their international / national experience and knowledge and also to foster relations between the parties. Activities include, but are not limited to, delivering lectures, teaching a course, taking a sabbatical, acquiring skills for institutional governance, and developing collaborative research.

iii. *Student Exchange:* Students can be given an opportunity to travel among parties to participate in activities / events that will enhance their international / intercultural experience and knowledge.

iv. *Promotion of integrated studies for related studies:* The parties can look at integrating an international / intercultural dimension into their teaching, research, and service functions of the Institution which would enable the students understanding on a global perspective.

v. Cooperate in the exchange of information relating to their activities in teaching and research in fields of mutual interests; sharing best practices adopted by each parties; sharing of e-content between the parties; access to library and repository services, if possible.

vi. Conduct cultural projects, study tours, as mutually agreed in writing between the parties prior to commencement of this activity.

4. FUNDING:

h. Expenses for airfare, transportation, room and board and personal expenses of exchange students, teachers or officers shall be covered by each individual. Students will pay their registration, courses or professional practices at their home Institution, so that they can be recognized afterwards.

i. Students, interns and officers shall be responsible for requesting and obtaining lodging by

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119
Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116
Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

inquiring with the Institution, which shall provide every help necessary for them to obtain safe, convenient lodging arrangements.

j. Financial expenses for (term visits) internships of professors and researchers, which will be arranged at the parties' request, as well as travel expenses, shall be covered by the requesting institution. No fees will be paid, as the assumption is that the professors / researchers remain in their positions at their home institution, which will continue to pay their salaries.

k. Students, professors, and officers must acquire a medical insurance policy. The Institutions may offer them advice in seeking appropriate insurance.

5. NO EMPLOYMENT RELATIONSHIP:

l. The parties agree that this Agreement shall not be construed in any manner as establishing any kind of partnership or bond of a labor nature between them. Thus, in all activities stemming from the present MoU and from subsequent specific action plans, the parties are in the understanding that, in all cases, employment relationships shall remain in force between the employing institution and its respective personnel.

6. CREDITS / ACCREDITATION:

m. Credits and grades shall be awarded in accordance with the academic achievement policies in force at the Institution / Host Institution / Government. However, the home Institution reserves the right to accept or reject any accreditation leading to an academic degree.

n. The Host Institution shall issue a certification recognizing the grades obtained, as well as the hours invested or projects/papers completed by the students.

7. RIGHTS AND DUTIES:

o. The host Institution is committed to counseling and supporting exchange students through advice on academic and administrative procedures, as well as to foster their integration, inviting and encouraging guest students to become involved in student life.

p. The institutions shall act as facilitators, but they will have no obligation whatsoever in terms of the actions, behaviors or financial aspects of the students / participants involved in the exchange.

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119

Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

q. The students / participants shall enjoy the same rights and privileges as regular students / faculty, and shall observe the norms and rules of the Host Institution and in the host country. Any violation of the laws of the receiving country and / or the rules of the Host Institution by an exchange participant shall be grounds for the immediate termination of the privileges in the context of this Agreement.

r. The host institution agrees to assist to provide boarding, lodging and necessities and to provide work space, library and laboratory facilities as appropriate.

8. AUTONOMY:

s. This agreement is a statement of intentions and does not involve, in any instance whatsoever, any financial obligations between the subscribing institutions.

9. TERM:

t. This MOU shall be effective for a period of five (5) years from the date of execution of this agreement, and shall be automatically renewed thereafter for another five (5) years unless a written notice to terminate or amend this agreement is given to the other party six (6) months in advance.

u. It is expressly agreed that neither party shall be liable for damages that they might cause each other as a result of a **forceful suspension** of a collaboration program. Causes for forceful suspension must be explicitly set forth in the action plans.

10. CONFLICT RESOLUTION:

v. Any dispute resulting from the interpretation or application of this Agreement shall be settled through direct negotiation and **common agreement** by the persons delegated to such end by each Institution. Either party may propose to the other a modification of the Agreement at any time in writing.

11. ACTION PLANS:

w. Every work program or specific activity that is agreed upon between both institutions shall be defined through an action plan, which shall be under the responsibility of two individuals, appointed respectively by each Institution, and which shall define the following aspects:

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119

Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

i. Foundations or considerations that warrant the plan for inter-institutional collaboration;
ii. Objective of the action plan for inter-institutional collaboration;
iii. General conditions of the plan;
iv. Academic conditions of the plan;
v. Administrative and organizational conditions of the plan;
vi. Duration of the protocol;
vii. Intellectual property;
viii. Differences between the parties;
ix. Development of the collaboration project;
x. Project and/or program to be carried out;
xi. Financial budget;
xii. Reference to the subject of medical insurance and information.

12. CONFIDENTIALITY:

x. Each of the parties accepts and declares that every information from the other party is of a confidential nature, is the exclusive property of the latter and has been or will be disclosed to the former solely with the purpose of enabling the full accomplishment of the present Agreement. For this reason, every piece of information provided by one party to the other before signing this Agreement and/or during its performance must be kept confidential and therefore may not be disclosed to any third parties.

13. AMENDMENTS:

y. The parties may amend or amplify this Agreement through agreements in writing to that effect. Said amendments or additions will be binding on the signatories as of the date of signature. The parties may not assign, in whole or in part, the performance of the present MoU to any third party, except through prior and express authorization in writing by both of them.

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119

Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116

Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

And since both parties are in agreement regarding the content of the present document, and as a token of conformity, we sign it in two counterparts, both of which will be considered originals.

Dr. Fr. M.K. Jose S.J **Principal** St. Xavier's College, Mahuadanr, Jharkhand, India- 822119 Principal St.Xavier's College Mahuadanr	**Dr. Surya Mani Singh** **Principal** A.K. Singh College, Japla Jharkhand, India-822116 Principal A.K. Singh College Japla, Palamu
Date:	Date:
In the presence of Nodal Officer Ronit M. Xess **Name: Asst. Prof. Ronit Marcel Xess** **Title : Assistant Professor** **Address:** St. Xavier's College, Mahuadanr, Jharkhand, India- 822119	In the presence of Nodal Officer **Name: Prof. Arun Kumar Singh** **Title : Assistant Prof.** **Address:** A.K. Singh College, Japla Jharkhand, India-822116 CO-ORDINATOR IQAC A.K. SINGH COLLEGE JAPLA, PALAMU

Dr. Fr. M.K. Jose S.J
St. Xavier's College, Mahuadanr,
Jharkhand, India- 822119
Principal
St.Xavier's College
Mahuadanr

Dr. Surya Mani Singh
A.K. Singh College, Japla
Jharkhand, India-822116
Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771

Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ 85 /23, दिनांक 13.03.23

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU

Represented by Principal

AND

GULAB CHAND PRASAD AGRAWAL COLLEGE, SADMA, CHHATTARPUR

Represented Principal/ Secretary

This Memorandum of Understanding (MoU'S) is intended to promote cooperation between the Faculty of Education the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR and GULAB CHAND PRASAD AGRAWAL COLLEGE, SADMA, CHHATTARPUR (JHARKHAND) the University NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR both the represented by Principal and the Secretary recognizing the benefits to their respective college from the establishment of institutional links, hereby agree to enter into this agreement for the following purpose.

1. PURPOSE OF AGREEMENT

The purpose of this agreement is to develop academic and educational cooperation, establish a collaborative program in (indicate area of co-operation) between the two Colleges and to co-operate in their mutual interest for a range of higher educational activities.

2. AREAS OF CO-OPERATION

Subject to the availability of funds, resources and approval of the authorized representatives or Heads of the Institution of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the GULAB CHAND PRASAD AGRAWAL COLLEGE, SADMA, CHHATTARPUR (JHARKHAND) both institutions agree to develop the following collaborative activities Conducting joint research and development project.

13/03/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

13/03/2023
Prof. in Charge
Gulabchand Prasad Agrwal College
Sadma, Chhattarpur, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

- Co-operation in individual projects.
- Organization of lectures, symposia, international meetings, conferences and workshops.
- Exchange of researchers and students.
- Exchange of information, teaching materials, technological and scientific publications.
- Providing opportunities for professors and researchers to give lectures.
- Search for opportunities to collaborate in the future.
- To share Laboratory facilities.

3. IMPLEMENTATION

3.1 All programs or activities implemented under the terms of this Memorandum of Understanding shall be mutually agreed upon in writing, including the necessary budget for the program of activity as the need may arise.

3.2 Each of the participating institutions shall be fully responsible financially for the activities carried out under its direction or by its staff, except as otherwise agreed by the parties.

3.3 The parties will designate one officer each who will develop and coordinate specific programs or activities between them.

4. INTELLECTUAL PROPERTY

Intellectual property rights of work carried out at each partner institution shall normally vest with respective institution.

5. DURATION AND RENEWAL OF AGREEMENT

This Memorandum of Understanding will become effective immediately after signature by the representatives of both A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the GULAB CHAND PRASAD AGRAWAL COLLEGE, SADMA, CHHATTARPUR (JHARKHAND) for a period of 3 Years and is subject to revision of modification by mutual agreement.

6. AMENDMENTS

6.1 This Memorandum of Understanding may be amended by a written agreement signed by the representatives of both College.

6.2 In the event of any unforeseen incident during collaborative activities in either country both College agree to negotiate a mutually acceptable solution.

13/03/2023

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

13-3-2023

Prof in Charge
Gulabchand Prasad Agrwal College
Sadma, Chhattarpur, Palamu

Scanned with OKEN Scanner

6.3 Should any disagreement arise out of the application, interpretation or negotiate their implementation of this Agreement, the Colleges shall endeavour to exercise best efforts to differences.

7. TERMINATION OF AGREEMENT

This agreement may, at any time during its period of validity, be terminated by either party upon prior notice to the other in writing not later than 3 months before termination date, provided that such termination shall not affect the completion of any program or activity underway at the time the notice of termination is given.

8. APPROVAL

In agreement with the above terms of participation, the authorized representatives of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the GULAB CHAND PRASAD AGRAWAL COLLEGE, SADMA, CHHATTARPUR (JHARKHAND) both the University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR hereby affix signatures.

For: ,A.K SINGH COLLEGE , JAPLA
PALAMAU (JHARKHAND) UNIVERSITY
OF NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY,
MEDININAGAR, PALAMAU

Name and signature of representative

13/03/2023

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Date: ....

For: ,GULAB CHAND PRASAD AGARWAL
COLLEGE, SADMA, CHHATTRPUR
(JHARKHAND) UNIVERSITY OF
NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY
MEDININAGAR, PALAMAU

Name and signature of representative

13/03/2023

Prof in Charge
Gulabchand Prasad Agrawal College
Sadma, Chhattarpur Palamu

Date: ....

SADMA
CHHATTARPUR
PALAMAU

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ 89 /23, दिनांक 18.03.23

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU

Represented by Principal

AND

SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA, JAPLA, PALAMAU

Represented Principal/ Secretary

This Memorandum of Understanding (MoU'S) is intended to promote cooperation between the Faculty of Education the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR and SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA, JAPLA, PALAMAU the University NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR both the represented by Principal and the Secretary recognizing the benefits to their respective college from the establishment of institutional links, hereby agree to enter into this agreement for the following purpose.

1. PURPOSE OF AGREEMENT

The purpose of this agreement is to develop academic and educational cooperation, establish a collaborative program in (indicate area of co-operation) between the two Colleges and to cooperate in their mutual interest for a range of higher educational activities.

2. AREAS OF CO-OPERATION

Subject to the availability of funds, resources and approval of the authorized representatives or Heads of the Institution of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA, JAPLA, PALAMAU both institutions agree to develop the following collaborative activities Conducting joint research and development project.

18/03/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

18/3/2023
Principal
Sidhnath B.Ed. College
Sandha-Japla (Palamau)

Scanned with OKEN Scanner

- Co-operation in individual projects
- Organization of lectures, symposia, international meetings, conferences and workshops
- Exchange of researchers and students
- Exchange of information, teaching materials, technological and scientific publications
- Providing opportunities for professors and researchers to give lectures
- Search for opportunities to collaborate in the future
- To share Laboratory facilities

3. IMPLEMENTATION

3.1 All programs or activities implemented under the terms of this Memorandum of Understanding shall be mutually agreed upon in writing, including the necessary budget for the program of activity as the need may arise.

3.2 Each of the participating institutions shall be fully responsible financially for the activities carried out under its direction or by its staff, except as otherwise agreed by the parties.

3.3 The parties will designate one officer each who will develop and coordinate specific programs or activities between them.

4. INTELLECTUAL PROPERTY

Intellectual property rights of work carried out at each partner institution shall normally vest with respective institution.

5. DURATION AND RENEWAL OF AGREEMENT

This Memorandum of Understanding will become effective immediately after signature by the representatives of both A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA, JAPLA, PALAMAU for a period of 3 Years and is subject to revision of modification by mutual agreement.

6. AMENDMENTS

6.1 This Memorandum of Understanding may be amended by a written agreement signed by the representatives of both College.

6.2 In the event of any unforeseen incident during collaborative activities in either country both College agree to negotiate a mutually acceptable solution.

A.K.Singh College Estd. 1984 Japla (Palamau)

18/03/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

18/3/2023
Principal
Sidhnath B.Ed. College

Scanned with OKEN Scanner

6.3 Should any disagreement arise out of the application, interpretation or negotiate their implementation of this Agreement, the Colleges shall endeavour to exercise best efforts to differences.

7. TERMINATION OF AGREEMENT

This agreement may, at any time during its period of validity, be terminated by either party upon prior notice to the other in writing not later than 3 months before termination date, provided that such termination shall not affect the completion of any program or activity underway at the time the notice of termination is given.

8. APPROVAL

In agreement with the above terms of participation, the authorized representatives of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA, JAPLA, PALAMAU both the University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR hereby affix signatures.

For: A.K SINGH COLLEGE, JAPLA
PALAMAU UNIVERSITY OF
NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY,
MEDININAGAR, PALAMAU

13/3/2023

Name and signature of representative

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Date: ....

A.K Singh COLLEGE Estd.-1984 JAPLA (PALAMAU)

For: SIDHNATH B.Ed. COLLEGE, SANDHA,
JAPLA, PALAMAU (JHARKHAND)
UNIVERSITY OF NILAMBER
PITAMBER UNIVERSITY,
MEDININAGAR, PALAMAU

O.P. Sharma 13/3/2023

Name and signature of representative

Date: ....

Principal
Sidhnath B.Ed. College
Sandha-Japla (Palamau)

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ 97A /23, दिनांक 09.04.23

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU

Represented by Principal

AND

BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA, LATEHAR JHARKHAND

Represented Principal/ Secretary

This Memorandum of Understanding (MOU's) is intended to promote cooperation between the Faculty of Education the **A.K SINGH COLLEGE, JAPLA , PALAMAU** University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR and **BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA**, LATEHAR JHARKHAND the University NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR both the represented by Principal and the Secretary recognizing the benefits to their respective college from the establishment of institutional links, hereby agree to enter into this agreement for the following purpose.

1. PURPOSE OF AGREEMENT

The purpose of this agreement is to develop academic and educational cooperation, establish a collaborative program in (indicate area of cooperation) between the two Colleges and to cooperate in their mutual interest for a range of higher educational activities.

2. AREAS OF COOPERATION

Subject to the availability of funds, resources and approval of the authorized representatives or Heads of the Institution of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA, LATEHAR JHARKHAND both institutions agree to develop the following collaborative activities Conducting joint research and development project.

- Cooperation in individual projects
- Organization of lectures, symposia, international meetings, conferences and workshops
- Exchange of researchers and students
- Exchange of information, teaching materials, technological and scientific publications
- Providing opportunities for professors and researchers to give lectures

09/04/2023
Principal
A.K. Singh College
Japla (Palamau)

09/04/2023
Principal
B. S. College
Latehar (Jharkhand)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

- Search for opportunities to collaborate in the future
- To share Laboratoty facilities

3. IMPLEMENTATION

3.1 All programs or activities implemented under the terms of this Memorandum of Understanding shall be mutually agreed upon in writing, including the necessary budget for the program of activity as the need may arise.

3.2 Each of the participating institutions shall be fully responsible financially for the activities carried out under its direction or by its staff, except as otherwise agreed by the parties.

3.3 The parties will designate one officer each who will develop and coordinate specific programs or activities between them.

4. INTELLECTUAL PROPERTY

Intellectual property rights of work carried out at each partner institution shall normally vest with respective institution.

5. DURATION AND RENEWAL OF AGREEMENT

This Memorandum of Understanding will become effective immediately after signature by the representatives of both A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA, LATEHAR, JHARKHAND for a period of 2 Years and is subject to revision of modification by mutual agreement.

6. AMENDMENTS

6.1 This Memorandum of Understanding may be amended by a written agreement signed by the representatives of both College.

6.2 In the event of any unforeseen incident during collaborative activities in either country both College agree to negotiate a mutually acceptable solution.

6.3 Should any disagreement arise out of the application, interpretation or negotiate their implementation of this Agreement, the Colleges shall endeavour to exercise best efforts to differences.

7. TERMINATION OF AGREEMENT

This agreement may, at any time during its period of validity, be terminated by either party upon prior notice to the other in writing not later than 3 months before termination date.

09/04/2023

Principal
A.K. Singh College
Japla (Palamau)

09/4/23
Principal
B. S. College
Latehar (Jharkhand)

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

provided that such termination shall not affect the completion of any program or activity underway at the time the notice of termination is given.

8. APPROVAL

In agreement with the above terms of participation, the authorized representatives of the A.K SINGH COLLEGE, JAPLA, PALAMAU, and the BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA, LATEHAR JHARKHAND both the University of NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR hereby affix signatures.

For: A.K SINGH COLLEGE, JAPLA
PALAMAU (JHARKHAND) University of Nilamber Pitamber University, Medininagar

09/04/2023

Name and signature of representative

Date: 09/04/2023

Principal
A.K. Singh College
Japla (Palamau)

A.K. Singh COLLEGE Estd.-1984 JAPLA (PALAMAU)

For: BANWARI SAHU MAHAVIDYALAYA
LATEHAR (JHARKHAND)University Of Nilamber Pitamber University, Medininagar

Name and signature of representative
PRADIP KUMAR TIWARY

Date: 09/04/023

Principal
B. S. College
Latehar (Jharkhand)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ ________ /23, दिनांक 17/04/2023

Student Exchange Programme Report

Today, 17th April 2023 during Student Exchange Programme, students of A.K.Singh College Japla Visited to Gulabchand Prasad Agrwal College, Chhattarpur, Palamu (Jharkhand).

On this Occasion, the Principal of College Mr. Surya mani Singh Provided some good suggestion to students to be disciplined in the campus of other college , the Senior faculty member of the college Dr. Anand kumar and Mr Rahul kumar singh set out with students from A.K.Singh College to Gulabchand Prasad Agarwal college, Chattarpur During this Programme the Senior faculty member of Gulabchand Prasad Agarwal College, Chattarpur Supported the Student of A.K.Singh College Japla got an to avail the Library, Science Laboratory etc. The Student of College used the Classroom, Library, Computer Lab, Science laboratory, etc. The Programme ended in the audotorium of Gulabchand Prasad Agarwal College Chattarpur, The senior faculty member Ashok kumar, Akhilesh kumar singh and other prominent faculty member Inspired the students is with knowledgeable things.

18/04/2023

Principal

Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT IN LIBRARY DURING STUDENT EXCHANGE PROGRAM
DATE:- 17-04-2023

18/04/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

STUDENT USING LABORATORY EQUIPMENT DURING STUDENT EXCHANGE PROGRAM

DATE:- 17-04-2023

Scanned with OKEN Scanner

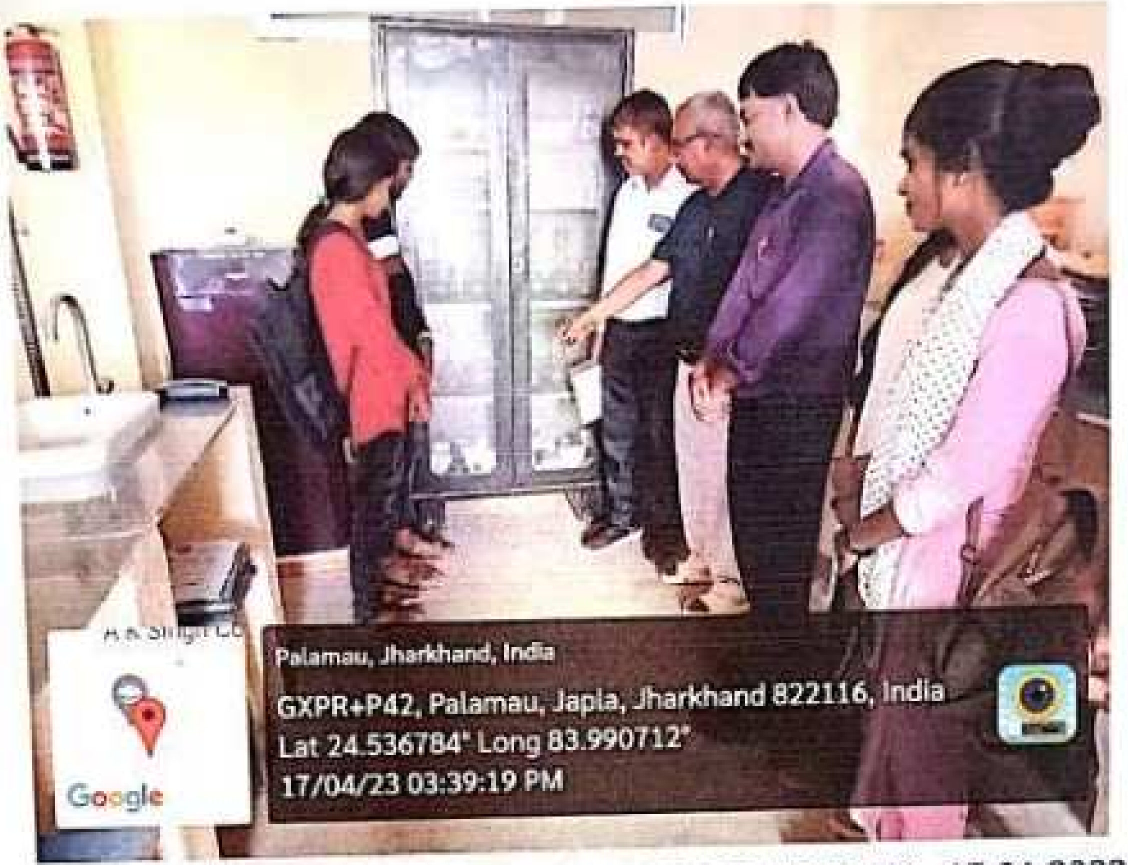

STUDENT DURING STUDENT EXCHANGE PROGRAM DATE:- 17-04-2023

18/09/2023
Principal
A.K.Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

AISHE : C - 42771 Estd. - 1984

A.K. SINGH COLLEGE

JAPLA, PALAMU, JHARKHAND – 822116

(A Permanent affiliated Unit of NPU, Medininagar & Recognized by UGC)

Website - https://akscollege.com, Email - akscollege84@gmail.com

पत्रांक P/ /23, दिनांक 25/04/2023

Student Exchange Programme Report

Today, 25th April 2023 during Student Exchange Programme, students of A.K.Singh College Japla Visited to Sidhnath B.Ed. College Sandha,japla (Jharkhand).

On this Occasion, the Principal of College Mr. Surya mani Singh suggests to student to be disciplined in the campus of other college , the Senior faculty member of the college Dr. Anand kumar and Mr Rahul kumar singh set out with students from A.K.Singh College to Sidhnath B.Ed. College Sandha,japla (Jharkhand). During this programme the Senior faculty member of Sidhnath B.Ed. College Sandha, japla (Jharkhand) Introduse to The classroom, Library, Garden and Computer lab etc. The Student of College happy to visit Sidhnath B.Ed. College Japla. The programme ended with thanks of senior faculty member of Sidhnath B.Ed. College ,Sandha inspired the student is with knowledgeable things

25/04/2023

Principal

A.K.Singh College

Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner

STUDENT DURING STUDENT EXCHANGE PROGRAM DATE:- 25-04-2023

25/09/2023
Principal
A.K. Singh College
Japla, Palamau

Scanned with OKEN Scanner